वार्षिक प्रतिवेदन
2024-2025

त्रिपुरा विश्वविद्यालय
TRIPURA UNIVERSITY
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय) (A Central University)

वार्षिक प्रतिवेदन
2024-25

त्रिपुरा विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

सूर्यमणिनगर-799022,

त्रिपुरा, भारत

कुलपति की कलम से

2024-25 के लिए त्रिपुरा विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष के दौरान हमारे कार्यों और उपलब्धियों की एक संक्षिप्त तस्वीर प्रदान करता है। नई तकनीक और शिक्षण विधियों के कारण उच्च शिक्षा तेजी से बदल रही है। हम अपने छात्रों को आत्मविश्वास के साथ इन परिवर्तनों का सामना करने के लिए तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं।

इस वर्ष हमने अपने शैक्षणिक दल को सशक्त किया है। सेवानिवृत्ति के कारण हुई रिक्तियों को भरने और नए कार्यक्रमों को संचालित करने के लिए कई विभागों में नई भर्तियाँ हुईं। हमने पात्र संकाय सदस्यों के प्रयासों और योगदान को पहचानने के लिए कैरियर उन्नति योजना भी लागू की।

एनईपी 2020 को लागू करने की दिशा में हमारी प्रगति सही दिशा पर है। नई स्नातक संरचना अब विश्वविद्यालय और सभी संबद्ध कॉलेजों में अच्छी तरह से स्थापित है। स्नातकोत्तर स्तर पर पूर्ण कार्यान्वयन का काम भी शुरु हो गया है और हम इसे अगले शैक्षणिक वर्ष में पूरा करने की योजना बना रहे हैं।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय अधिक वैविध्यपूर्ण और समावेशी होता जा रहा है। सीयूईटी-आधारित प्रवेश ने पूर्वोत्तर और भारत के अन्य हिस्सों से छात्रों को आकर्षित किया है। हाल के वर्षों में, बांग्लादेश के अधिक छात्र भी हमारे स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों में शामिल हुए हैं। हमारे छात्रावास, शैक्षणिक सहयोग और सांस्कृतिक वातावरण विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए एक मित्रवत और जीवंत परिसर बनाने में मदद करते हैं। विश्वविद्यालय लगातार अपने भूस्थलीय सीमाओं से इतर निरंतर आगे बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में एक सक्रिय शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है।

हमने अपने बुनियादी संरचना में सुधार करना जारी रखा है। परिसर पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम है और इसमें पांच छात्रावास, कर्मचारी आवास, खेल और चिकित्सा सुविधाएं, एक स्वचालित 24X7 पुस्तकालय, एक अच्छी तरह से सुसज्जित अतिथिगृह और सहज वातावरण है। नई मनोवैज्ञानिक परीक्षण प्रयोगशाला ने मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। इन सुविधाओं ने कई क्षेत्रों में प्रदर्शन सुधारा है और छात्र अनुभव को समृद्ध किया है।

हमारी शोध गतिविधियाँ निरंतर बढ़ी हैं। संकाय सदस्यों को 2024-25 के दौरान नए शोध अनुदान प्राप्त हुए। छात्रों को नए विचारों और विकास से जुड़े रहने में सहयोग हेतु कई संगोष्ठी, कार्यशालाएं और सम्मेलन आयोजित किए गए। छात्रों और संकायों का कड़ा परिश्रम विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए अनवरत जारी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, हम भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। भारत के पारंपरिक ज्ञान के कुछ हिस्सों को स्नातक पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, और उन्हें स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान कार्यक्रमों में भी समावेशित करने का काम चल रहा है। हमारा उद्देश्य नवाचार और अंतःविषयक शिक्षा को बढ़ावा देते हुए अपनी बौद्धिक विरासत को संरक्षित करना है।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, त्रिपुरा विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्र विकास और समाज की सार्थक सेवा के लिए प्रतिबद्ध हो रहा है। इस वर्ष की उपलब्धियां हमारे संकाय, कर्मचारियों, छात्रों और सभी हितधारकों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम हैं। मैं उनमें से प्रत्येक को अपना हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

(प्रो. श्यामल दास)

वार्षिक प्रतिवेदन समिति 2024-25 के सदस्य

1.	**प्रो. शाओन रॉयचौधुरी**	निदेशक, आईक्यूएसी	अध्यक्ष
2.	**प्रो. पार्थ सारथी गुप्ता**	अंग्रेजी विभाग	सदस्य
3.	**श्री देबाशिष पाल**	वित्त अधिकारी	सदस्य
4.	**डॉ. चम्पेश्वर मिश्र**	ग्रंथालयाध्यक्ष	सदस्य
5.	**डॉ. मुनीन्द्र मिश्र**	उपकुलसचिव	सदस्य
6.	**डॉ. विनोद कुमार मिश्र**	उप ग्रंथालयाध्यक्ष	सदस्य
7.	**डॉ. सोमेन देबनाथ**	सह-प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
8.	**डॉ. अनिर्बान चन्द्रा**	सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग	सदस्य
9.	**डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाल**	सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष	सदस्य
10.	**श्री रितम साहा**	तकनीकी सहायक	सदस्य
11.	**श्री शुभाशिष विश्वास**	सांख्यिकीय सहायक	सदस्य
12.	**डॉ. जयंत दत्ता**	सांख्यिकीय अधिकारी	समन्वयक

विषय सूची

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के बारे में 01

विश्वविद्यालय एक नज़र में 09

विश्वविद्यालय प्रशासन

सांविधिक समितियाँ 61

विश्वविद्यालय विभाग एवं केन्द्र

विज्ञान संकाय

वनस्पति विज्ञान विभाग 73

रासायनिक एवं पॉलिमर अभियांत्रिकी विभाग 77

रसायन शास्त्र विभाग 80

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग 84

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग 91

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग 95

वानिकी एवं जैवविविधिता विभाग 99

भूगोल एवं आपदा प्रबंधन विभाग 102

मानव शरीर विज्ञान विभाग 106

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग 110

पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग 121

गणित विभाग 124

सूक्ष्मजैविकी विभाग 129

आणविक जैविकी तथा जैव सूचना विभाग 139

भेषज विज्ञान विभाग 143

भौतिकी विज्ञान विभाग 148

सांख्यिकी विभाग 154

प्राणीविज्ञान विभाग 156

रबर प्रौद्योगिकी में बी. वोक. 160

बाँस संवर्धन एवं संसाधन अनुप्रयोग केन्द्र 162

साहित्य संकाय

बांग्ला विभाग 163

अंग्रेजी विभाग 168

हिन्दी विभाग 173

कोकबरॉक विभाग 177

भाषा विज्ञान एवं जनजातीय भाषा विभाग 180

संस्कृत विभाग 182

जनजातीय भाषा केन्द्र 189

संगीत एवं ललित कला संकाय

ललित कला विभाग 190

संगीत विभाग 192

प्रदर्शनकारी कला विभाग 194

समाज विज्ञान संकाय

पुरातत्व एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति विभाग	195
अर्थशास्त्र विभाग	198
शिक्षाशास्त्र विभाग	207
इतिहास विभाग	210
मुक्त कला विभाग	214
दर्शन शास्त्र विभाग	217
राजनीति शास्त्र विभाग	223
मनोविज्ञान विभाग	227
ग्रामीण प्रबंधन एवं विकास विभाग	232
समाजशास्त्र विभाग	236
शिक्षाशास्त्र विद्यापीठ	238
सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति केन्द्र	240
महिला अध्ययन केन्द्र	245
वाणिज्य, विधि, प्रबंधन एवं सूचना विज्ञान संकाय	
व्यावसायिक प्रबंधन विभाग	255
वाणिज्य विभाग	263
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	266
विधि विभाग	274
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	276
शारीरिक शिक्षा विभाग	281
पर्यटन प्रशासन विभाग	286
फिल्म एवं वीडियो निर्माण में बी. वोक.	287
एकीकृत मास्टर डिग्री	289
दूरस्थ शिक्षा निदेशालय	290
शोध केन्द्र	
गांधी अध्ययन केन्द्र	293
पांडुलिपि संसाधन केन्द्र एवं पांडुलिपि संरक्षण केन्द्र (एमआरसी एवं एमसीसी)	293
विविध सुविधायें	
जैव-सूचना केन्द्र	297
राज्य जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र	297
विश्वविद्यालय ग्रंथागार	298
कम्प्यूटर केन्द्र	308
स्वास्थ्य केन्द्र	309
क्रीड़ा परिषद्	310
राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई	312
अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ	319
संकाय विकास केन्द्र	321
विश्वविद्यालय वित्त एवं वार्षिक लेखा	323
शैक्षणिक कार्यक्रम एवं छात्र आँकड़े	329
त्रिपुरा विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय	335

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के बारे में

त्रिपुरा विश्वविद्यालय की स्थापना 2 अक्टूबर 1987 को एक राज्य विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी और त्रिपुरा राज्य में एक शिक्षण और संबद्ध विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए संसद के एक अधिनियम द्वारा 2 जुलाई 2007 को एक केंद्रीय विश्वविद्यालय में परिवर्तित किया गया था। त्रिपुरा के राजाओं ने 1947 से शिक्षा के प्रति उत्साह से निर्देशित और उत्कृष्टता प्राप्त करने की दृष्टि से प्रेरित होकर, इस हरे-भरे पहाड़ी राज्य में कई कॉलेजों की स्थापना की, जो सभी कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध थे। लेकिन कलकत्ता विश्वविद्यालय से कठिन भौगोलिक दूरी होने के कारण, त्रिपुरा के गरीब छात्रों की ओर से स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद आगे की पढ़ाई जारी रखना लगभग असंभव था क्योंकि त्रिपुरा के भीतर स्नातकोत्तर शिक्षा तब तक शुरू नहीं हुई थी। 1960 के दशक से त्रिपुरा का राजनीतिक इतिहास, जो छात्रों के आंदोलनों से भरा हुआ है, लगातार उच्च शिक्षा के अवसरों के विस्तार और त्रिपुरा राज्य में एक अलग विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग पर जोर देता रहा है। प्रारंभ में, कलकत्ता विश्वविद्यालय प्राधिकरण एमबीबी कॉलेज परिसर में इतिहास, गणित और अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रदान करने के लिए सहमत हुआ और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने औपचारिक रूप से 1976 में कलकत्ता विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर केंद्र (सीयूपीजीसी) को मान्यता दी। लेकिन राज्य के भीतर एक पूर्ण विश्वविद्यालय का सपना अभी तक पूरा नहीं हुआ था और त्रिपुरा में उच्च शिक्षा के लिए एक अलग विश्वविद्यालय के लिए छात्रों की मांगों ने धीरे-धीरे गति पकड़ी। एक दशक तक, सीयूपीजीसी ने अपनी सभी सीमाओं के साथ राज्य में शिक्षा के सर्वोच्च केंद्र के रूप में कार्य किया, जो कॉलेज टीला, अगरतला में विभिन्न बिखरे हुए पुराने सरकारी भवनों से संचालित होता था। गंभीर वित्तीय बाधाओं के बावजूद, राज्य सरकार द्वारा राजधानी शहर अगरतला से लगभग 9 किलोमीटर दक्षिण में सूर्यमणिनगर में राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ 75 एकड़, अर्ध-शहरी सेटिंग में एक नए परिसर के लिए भूमि का चयन किया गया था। निकट भविष्य में उस स्थान पर एक पूर्ण विश्वविद्यालय स्थापित करने के उद्देश्य से, 18 दिसंबर 1985 को सूर्यमणिनगर परिसर में ऐतिहासिक जनशिक्षा (जन शिक्षा) आंदोलन के नेता और त्रिपुरा के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री दशरथ देब द्वारा आधारशिला रखी गई थी। छात्र समुदाय की लंबे समय से चली आ रही मांगों और बड़े पैमाने पर लोगों की बढ़ती आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए और राज्य में शिक्षा की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को स्वीकार करते हुए, राज्य सरकार ने 1987 में विधानसभा में त्रिपुरा विश्वविद्यालय अधिनियम पारित करने की पहल की और अंततः राज्य में पहला विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया। यह वास्तव में एक सपने के सच होने जैसा था।

वर्ष 2007 में केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के बाद, त्रिपुरा विश्वविद्यालय का समग्र विकास अवसंरचनात्मक सुविधाओं और शैक्षिक कौशल को सुदृढ़ करने के लिए किए गए सर्वांगीण प्रयासों से स्पष्ट हुआ है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तकनीकी नवाचार प्रदान करके इस राज्य और क्षेत्र के लोगों को विकसित और सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। परिसर के रमणीय परिवेश में सुरम्य सुंदरता युवा और संभावित दिमागों के पोषण के लिए सही शैक्षणिक माहौल प्रदान करती है।

एक पारंपरिक विश्वविद्यालय के रूप में, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने राज्य के स्वदेशी कला रूपों, लोक, मौखिक और बहु-आयामी सांस्कृतिक परंपराओं की गहरी विरासत को संरक्षित करने और प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी ली है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में पांच संकाय, पैंतालीस विभाग और अध्ययन के चार केंद्र हैं।

विश्वविद्यालय की भविष्य की योजनाओं में परिसर का विस्तार और सभी विभागों में आईसीटी-सक्षम कक्षाओं की तत्काल स्थापना, शोधार्थियों के छात्रावासों सहित पुरुषों और महिलाओं के लिए अधिक छात्रावास, उन्नत कैंटीन, अतिथि गृह और संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए आवास, आधुनिक तकनीकी उपकरणों का रोजगार और इंटरैक्टिव शिक्षण-अधिगम के मल्टीमीडिया मोड की सुविधा शामिल है। बदलते समय की मांगों के साथ तालमेल

बिठाने के लिए, विश्वविद्यालय ने कुशल, सटीक और पर्यावरण के अनुकूल प्रशासन के लिए ई-गवर्नेंस में काफी हद तक बदलाव किया है।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय को चार सूत्री पैमाने पर 2.82 के सीजीपीए के साथ ग्रेड बी++ में एनएएसी द्वारा मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की पेशकश के लिए एआईसीटीई, एनसीटीई और इसी तरह के अन्य शीर्ष निकायों से भी मान्यता प्राप्त की है।

इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों की संख्या 62 से बढ़कर 64 हो गई है।

स्थान, जलवायु और संपर्क

हरे-भरे सुरम्य राज्य त्रिपुरा में स्थित, जिसकी लहरदार स्थलाकृति में घने वनस्पतियों से ढकी निचली पहाड़ियाँ शामिल हैं और जिसकी भूमि घुमावदार नदियों, नालों और धाराओं से घिरी हुई हैं, विश्वविद्यालय का विशाल हरा-भरा परिसर आंख को मोहित करने वाला है। पश्चिम त्रिपुरा जिले में स्थित, त्रिपुरा विश्वविद्यालय तक सड़क मार्ग से आसानी से पहुंचा जा सकता है, जो अगरतला शहर से लगभग 9 किमी, अगरतला रेलवे स्टेशन से 6 किमी और अगरतला हवाई अड्डे (महाराजा बीर बिक्रम हवाई अड्डे) से 24 किमी दूर स्थित है।

राज्य सड़क मार्ग से गुवाहाटी, सिलचर और शिलांग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। अगरतला गुवाहाटी, कोलकाता और अन्य पूर्वोत्तर शहरों से और हवाई मार्ग से गुवाहाटी या कोलकाता के माध्यम से अन्य महानगरों से सीधे जुड़ा हुआ है। अगरतला को लमडिंग और गुवाहाटी से जोड़ने वाली पहले की मीटर गेज रेलवे लाइन को ब्रॉड गेज में अपग्रेड किया गया है। त्रिपुरा को नई दिल्ली और शेष भारत से जोड़ने वाली तेजस एक्सप्रेस और अन्य एक्सप्रेस सेवा भी शुरू की गई है। गर्मियों में अगरतला का औसत तापमान लगभग 30^0C और सर्दियों में लगभग 15^0C होता है।

एनईपी 2020 का कार्यान्वयन

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 के दिशानिर्देशों के अनुसार शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से अपने संबद्ध संस्थानों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम शुरू किया है। फिलहाल तीसरा बैच चल रहा है। पाठ्यक्रम में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम, क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम, मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम के साथ-साथ अंतःविषय पाठ्यक्रम शामिल हैं। भारतीय ज्ञान प्रणाली के लागू एकीकरण के साथ शिक्षार्थियों की बेहतर रोजगार क्षमता की ओर ध्यान केंद्रित किया गया है। सूर्यमणिनगर परिसर में एकीकृत स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम को भी एनईपी 2020 दिशानिर्देशों के ढांचे में तैयार किया गया है। वर्तमान में हम स्नातकोत्तर स्तर पर एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर काम कर रहे हैं।

सुविधाएं और सेवाएँ

विश्वविद्यालय पुस्तकालय:

केंद्रीय पुस्तकालय साक्ष्य-आधारित, नवीन सेवाएं, संसाधन और सुविधाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है जो शिक्षण, सीखने, अनुसंधान और नवाचार का समर्थन करते हैं। एक सच्चे "नॉलेज हब" के रूप में, यह अपने प्रयोक्ता ओं के लिए व्यापक संभव पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जानकारी एकत्र, व्यवस्थित और प्रसारित करता है। लाइब्रेरी प्रयोक्ता प्रतिक्रिया के आधार पर अपनी पेशकशों का लगातार मूल्यांकन और अद्यतन करती है, समय के साथ अपनी सेवाओं और संसाधनों को बढ़ाती है। ऐसा करने में, यह विश्वविद्यालय समुदाय के शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने पर विशेष जोर देता है।

केन्द्रीय ग्रंथागार की होल्डिंग्स व्यापक और विविध हैं। इसमें लगभग **170,652 मुद्रित वॉल्यूम** पुस्तकें हैं, साथ ही **54 मुद्रित जर्नल पत्रिकाएं** और **21 पत्रिका** हैं। इसके इलेक्ट्रॉनिक संसाधन भी पर्याप्त हैं, लगभग **32,638 ई-पुस्तकें और** ओएनओएस के माध्यम से 13,000+ ई-पत्रिकाओं **तक पहुंच** है। संग्रह में **565 थीसिस, 1,064 बाउंड वॉल्यूम, 15 दैनिक समाचार पत्र** और **1,490 सीडी/डीवीडी मीडिया आइटम** शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय लगभग **174 दुर्लभ पांडुलिपियों को संरक्षित करता है।**

केन्द्रीय ग्रंथागार अपने पूरे प्रयोक्ता समुदाय को - विश्वविद्यालय के भीतर और बाहर दोनों -अपने "रिमोट एक्सेस" प्लेटफॉर्म के माध्यम से निर्बाध ऑनलाइन समर्थन प्रदान करता है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से, प्रयोक्ता   ई शोधसिंधु के माध्यम से 32,638 से अधिक ई-पुस्तकों और 37 ऑनलाइन डेटाबेस- तक पहुंच सकते हैं, और त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा सदस्यता ले सकते हैं, जिसमें वित्तीय आंकड़े, सरकारी रिपोर्ट, कंपनी प्रोफाइल के साथ-साथ एक लाख से अधिक ई-पुस्तकों के लिए मेटाडेटा शामिल है। पुस्तकालय लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि प्रयोक्ता इन संसाधनों का कुशल और प्रभावी उपयोग करें। अपने ई-संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने और अधिकतम करने के लिए, पुस्तकालय ने कई अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए हैं - ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों - जिसके कारण संसाधन उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अपनी शोध पहल के हिस्से के रूप में, केन्द्रीय ग्रंथागार ने डिजिटल रूप में विश्वविद्यालय के विद्वानों के आउटपुट को संग्रहीत करने के लिए ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करके एक संस्थागत रिपॉजिटरी (आईआर) की स्थापना की है । इसके अतिरिक्त, इसने संकाय और अनुसंधान प्रोफाइल को सूचीबद्ध करने और प्रसारित करने के लिए आईआरआईएनएस (इंडियन रिसर्च इंफॉर्मेशन नेटवर्क सिस्टम) और विडवान एक्सपर्ट डेटाबेस - दो राष्ट्रीय शोध-सूचना प्लेटफॉर्म - को सफलतापूर्वक लागू किया है। पुस्तकालय उच्च गुणवत्ता वाले विद्वानों के लेखन और अनुसंधान अखंडता का समर्थन करने के लिए साहित्यिक चोरी विरोधी मंच iThenticate और अकादमिक लेखन उपकरण व्याकरण तक पहुंच भी प्रदान करता है।

केन्द्रीय ग्रंथागार अपने प्रयोक्ता ओं को बेहतरीन संसाधन और सेवाएं प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ है। यह साक्ष्य-आधारित और अभिनव सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें ऑनलाइन परिसंचरण और सदस्यता, अद्वितीय और विशेष संग्रह, साहित्यिक चोरी विरोधी समर्थन, दस्तावेज़-वितरण सेवाएं, दस्तावेज़ वितरण सेवाएं, अनुसंधान और उद्धरण समर्थन, संदर्भ सेवाएं, डिजिटलीकरण सेवाएं, एक ई-लाइब्रेरी लैब, रिप्रोग्राफिक सेवाएं, समाचार पत्र-कतरन सेवाएं, नए-आगमन अलर्ट, एक "आस्क-ए-लाइब्रेरियन" सुविधा, विभागीय पुस्तकालय, और बहुत कुछ शामिल हैं। पुस्तकालय अनुसंधान अखंडता को एक मुख्य मूल्य के रूप में बनाए रखता है - अनुसंधान नैतिकता का सख्ती से पालन करना और प्रयोक्ता ओं को कॉपीराइट अनुपालन, उचित उपयोग और साहित्यिक चोरी विरोधी नीतियों के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाना।

कंप्यूटर सुविधाएं :

त्रिपुरा विश्वविद्यालय छात्रों, विद्वानों और शिक्षकों को सभी संभव कंप्यूटिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए उचित उपाय करता है। लगभग 500 डेस्कटॉप कंप्यूटरों के साथ 5 सामान्य कंप्यूटर केंद्र और 9 विभागीय कंप्यूटर केंद्र हैं। कंप्यूटर केंद्र इष्टतम उपयोग के लिए विश्वविद्यालय के काम के घंटों के दौरान छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और संकाय के लिए सुलभ हैं। कंप्यूटर कौशल-I और II की प्रयोगशाला कक्षाएं उपरोक्त कंप्यूटर केंद्रों में आयोजित की जाती हैं। बेहतर पहुंच के लिए सभी विभागों, केंद्रों, कार्यालयों, छात्रावासों और स्टाफ क्वार्टरों में 24x7 इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है। केंद्रीय पुस्तकालय, गेस्ट हाउस और सभी विभागों में मोबाइल फोन और लैपटॉप के लिए वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। बिजली कटौती और बिजली की विफलता के दौरान के समय काम करने के लिए, बैकअप हेतु अधिकांश विभागों और कार्यालयों में उच्च क्षमता वाले केंद्रीय यूपीएस स्थापित किए गये हैं।

केंद्रीय उपस्कर केंद्र :

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने इस विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के साथ-साथ पूर्वोत्तर के अन्य विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ-साथ भारत के अन्य हिस्सों के शोधकर्ताओं की सुविधा के लिए एक केंद्रीय उपस्कर केन्द्र की स्थापना की है। इस केंद्र का उपयोग करते समय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के बाहर के शोधकर्ता त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में आवास का लाभ उठा सकते हैं। इस शैक्षणिक वर्ष में, सीआईसी में स्थापित सुविधाओं का उपयोग करते हुए 31 शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं।

केंद्रीय उपस्कर केंद्र के लिए समिति :

प्रो. स्वपन मज़ूमदार, अध्यक्ष
प्रो. देबाशीष मैती, सदस्य
डॉ. उत्पल सी. डे, सदस्य
डॉ. शिव शंकर सिंह, सदस्य
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी, सदस्य
डॉ. अनिर्बान गुहा, सदस्य
डॉ. बिमल देबनाथ, सदस्य
ई. हरजीत नाथ, सदस्य
डॉ. अर्घ्यदीप भट्टाचार्य, सदस्य
डॉ. सैयद अरशद हुसैन, समन्वयक

केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर में उपलब्ध उपकरणों की सूची :

1) परमाणु बल माइक्रोस्कोप (AFM) (INOVA, Bruker)
2) ईडीएस और स्पटर कोटर के साथ फील्ड उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, (सिग्मा 300, कार्ल ज़ीस)
3) 400 मेगाहर्ट्ज एनएमआर (ब्रुकर)
4) तरल नाइट्रोजन संयंत्र (StirLITE, स्टर्लिंग क्रायोजेनिक्स)
5) गैस क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रम (जीसीएमएस) (वेरियन 220-एमएस/450-जीसी, 230वी एजिलेंट सेवा)
6) उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी) (डायोनेक्स U3000)
7) GSV4004B जीपीएस आयनोस्फेरिक सिंटिलेशन एंड टीईसी मॉनिटर (जीआईएसटीएम)
8) लाइफटाइम स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर (फ्लुरोलॉग -3, होरिबा)
9) केमिडोक
10) इम्यूनोफ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप (कार्ल ज़ीस)

सीआईसी की वेबसाइट:

https://cictu.wordpress.com/
https://tripurauniv.ac.in/site/index.php/en/central-instrumentation-centre-research-innovation-cell-en

छात्रावास आवासन :

राज्य/देश के बाहर, क्षेत्र के दूरदराज के हिस्सों और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के छात्रों को पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत इंटरनेट-सक्षम छात्रावास सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। वर्तमान में, महिलाओं के लिए तीन और पुरुषों के लिए दो छात्रावास हैं। रिसर्च स्कॉलर्स के लिए अलग-अलग कमरे और 50 सीटों की क्षमता वाले अटैच बाथरूम वाले दो और हॉस्टल भवन उपलब्ध हैं। विभिन्न मनोरंजक सुविधाओं के साथ सामान्य कमरे और पठन सामग्री और पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, टीवी आदि से सुसज्जित वाचनालय भी दोनों छात्रावासों में उपलब्ध हैं। छात्रों द्वारा संचालित हॉस्टल मेस बोर्डर्स द्वारा निर्धारित एक पूर्व निर्धारित मेनू के अनुसार बोर्डर्स को भोजन परोसता है।

स्वास्थ्य सेवाएं :

त्रिपुरा विश्वविद्यालय का अपना स्वास्थ्य केंद्र है जिसमें दो पूर्णकालिक डॉक्टर (पुरुष और महिला), दो नर्स, एक चिकित्सा प्रयोगशाला परिचारक और एक महिला परिचारक छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों, मेहमानों और उनके परिवार के सदस्यों की सेवा करने के लिए हैं। इसके लिए एक अलग भवन आवंटित किया गया है जहां सलाइन और ऑक्सीजन की सुविधा वाले कुछ बेड उपलब्ध हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के पास आपात स्थिति में रोगियों को आस-पास के अस्पतालों में स्थानांतरित करने के लिए बुनियादी सुविधाओं के साथ एक एम्बुलेंस है।

बैंक और डाकघर :

विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय स्टेट बैंक शाखा और डाकघर विश्वविद्यालय के घंटों के दौरान छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों की आवश्यकताओं को पर्याप्त रूप से पूरा करता है।

खेल और क्रीड़ा :

त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् 1998 में अस्तित्व में आया। त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् ने विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच हर साल विभिन्न खेलों और खेलों के साथ-साथ अंतर-विभागीय फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी और क्रिकेट प्रतियोगिताओं, वार्षिक खेल और इनडोर खेलों का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक, अधिकारी और गैर-शिक्षण कर्मचारी भाग ले रहे हैं। हर साल हम त्रिपुरा विश्वविद्यालय के तहत सभी संबद्ध कॉलेजों के बीच विभिन्न आयोजनों के साथ-साथ फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, योग, जूडो, टेबल टेनिस और एथलेटिक्स में अंतर कॉलेज प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं और पूर्वोत्तर क्षेत्र/अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे हैं।

नियोजन प्रकोष्ठ :

त्रिपुरा विश्वविद्यालय नियोजन प्रकोष्ठ की स्थापना 27.10.2005 को की गई थी। छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों को रोकने और जुटाने में, प्रकोष्ठ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और धीरे-धीरे विश्वविद्यालय का एक प्रमुख प्रकोष्ठ बनता जा रहा है। रोजगार के लिए प्रतिस्पर्धा हर दिन बढ़ती जा रही है और नियोजन का कार्य चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। नियोजन प्रकोष्ठ आने वाली कंपनी के अधिकारियों के लिए सर्वोत्तम व्यवस्था और आतिथ्य प्रदान करना सुनिश्चित करता है और इसका ध्यान रखता है साथ में कैंपस भर्ती ड्राइव की सुविधा प्रदान करता है। यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि त्रिपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भारत और विदेशों में व्यवसाय, उद्योग, अनुसंधान एवं विकास और शिक्षाविदों में शीर्ष पदों पर काबिज हैं और अपने मातृ संस्थान के ब्रांड एंबेसडर के रूप में कार्य करते हैं।

नियोजन प्रकोष्ठ वर्ष भर निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन करता है:

1. विभिन्न विकास गतिविधियों का आयोजन करना जो छात्रों के व्यक्तित्व को संवारने में मदद करते हैं और उन्हें खुद को व्यक्त करने और अपने सॉफ्ट स्किल्स को बढ़ाने के लिए मंच प्रदान करते हैं।
2. छात्रों के लिए शीतकालीन/ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
3. समान अवसर प्रकोष्ठ, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पीएच/अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर-क्रीमी लेयर) और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए सेवाओं में प्रवेश के लिए कोचिंग कक्षाएं प्रदान करना।
4. कैंपस भर्ती के लिए विभिन्न संगठनों को आमंत्रित करना।
5. प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा विभिन्न रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना।

नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ (जुलाई 2024 से जून 2025)

छात्रों का प्लेसमेंट रिकॉर्ड (2024 से 2025)

क्रम संख्या	नियोजित छात्र/छात्राओं का नाम	संगठन का नाम	कार्यक्रम से स्नातक
1	मोहम्मद रफीउद्दीन जमादार	आदित्य बिड़ला लाइफ इंश्योरेंस	एमबीए
2	राजर्षि सिन्हा	आदित्य बिड़ला लाइफ इंश्योरेंस	एमबीए
3	शीतल देबबर्मा	आईडीबीआई बैंक	एमबीए
4	अभिनब पॉल	आईडीबीआई बैंक	एमबीए
5	सायंतन गून	आईडीबीआई बैंक	एमबीए
6	तुही चौधरी	आईडीबीआई बैंक	एमबीए
7	सुभा बनिक	आईडीबीआई बैंक	एमबीए
8	विशाल साहा	आईडीबीआई बैंक	एमबीए
9	लॉर्डड्यू जमातिया	जैन योग	एमबीए
10	प्रियम बानिक	जैन योग	एमबीए
11	जुयेल देबबर्मा	जैन योग	एमबीए
12	जयश्री पॉल	जैन योग	बीबीए
13	साग्निक चक्रवर्ती	जैन योग	एमबीए
14	अमृता देबनाथ	रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी	एमबीए
15	इंद्रजीत पॉल	यस बैंक	एमबीए
16	अमरजीत सरकार	चोला मंगलम जनरल इंश्योरेंस	एमबीए
17	संदीपन शर्मा	चोला मंगलम जनरल इंश्योरेंस	एमबीए
18	बैशाली साहा	मोविड्ड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	एमबीए
19	बिश्मय साहा	मोविड्ड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	एमबीए
20	तापस त्रिपुरा	मोविड्ड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	एमबीए
21	जागरतिक भौमिक	मोविड्ड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	एमबीए

छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता :

छात्रों को विभिन्न छात्रवृत्तियां और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। यह विशेष योजना के नियमों और विनियमों के तहत प्रावधान पर आधारित है। विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएं इस प्रकार हैं:

मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति, विकलांग छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति, विकलांग छात्रों के लिए उच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति, अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा योजना छात्रवृत्ति, मैट्रिकोत्तर - बीड़ी/सिने/आईओएमसी/एलएसडीएम कामगारों के बच्चों की शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय सेक्टर योजना, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल्स के लिए प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना, उच्च व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों को वित्तीय सहायता (एनईसी मेरिट छात्रवृत्ति, ईशान उदय - पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए पीजी छात्रवृत्ति योजना, छात्राओं के लिए प्रगति छात्रवृत्ति योजना (तकनीकी डिग्री), विशेष रूप से विकलांग छात्र (तकनीकी डिग्री) के लिए सक्षम छात्रवृत्ति योजना, स्वनाथ छात्रवृत्ति योजना (तकनीकी डिग्री), मैट्रिकोत्तर अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति योजनाएं, अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति,अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए

मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए डॉ. बीआर अम्बेडकर पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति (ईबीसी), स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति।

पीएचडी शोधार्थियों के लिए

अल्पसंख्यक छात्रों के लिए मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, नेट-जेआरएफ योजना, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, गैर-नेट अध्येतावृत्ति। एकल बालिका के लिए सावित्रीबाई ज्योतिबाराव फुले फैलोशिप।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई :

रासेयो जागरूकता पैदा करके और सेवा प्रदान करके समाज की सहायता करता है। रासेयो स्वयंसेवकों को विस्तार के माध्यम से परिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप अधिक कुशल उत्पादन और विपणन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, बेहतर आजीविका सुरक्षा, स्वास्थ्य और अधिक संतोषजनक पारिवारिक और सामुदायिक जीवन होता है। विस्तार कार्यों से समाज में विस्तृत प्रभाव डाला है। यह अत्यंत विशिष्ट भी है और आमतौर पर बाहरी आलोचना के लिए अतिसंवेदनशील है। रासेयो विस्तार गतिविधियों के माध्यम से, परिसर के भीतर और बाहर छात्रों और समाज के बीच आपसी संपर्क शुरू किया जाता है।

रासेयो का समग्र उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक गतिविधि का विस्तार करना और छात्र युवाओं को सामुदायिक सेवा के लिए उन्मुख करना है। शिक्षित युवा जिनसे भविष्य में प्रशासन की बागडोर संभालने की उम्मीद की जाती है, वे ग्राम/झुग्गी समुदाय की समस्याओं से अनजान पाए जाते हैं और कुछ मामलों में अपनी जरूरतों और समस्याओं के प्रति उदासीन होते हैं। इसलिए जरूरी है कि विद्यार्थियों के सामाजिक विवेक को आत्मसात किया जाए और उन्हें गांवों और झुग्गी-झोपड़ियों में लोगों के साथ काम करने का अवसर प्रदान किया जाए।

आरक्षण प्रकोष्ठ:

यह प्रकोष्ठ छात्रों के दाखिले और विभिन्न स्तरों पर शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में आरक्षण नीति के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने, स्टाफ क्वार्टरों, छात्रावासों आदि के आवंटन के लिए जिम्मेदार है। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े समुदायों (गैर-क्रीमी लेयर श्रेणी) और आथक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को सरकारी सेवाओं और छात्रों के प्रवेश में आरक्षण प्रदान करने का मुख्य उद्देश्य उनकी सामाजिक और शैक्षिक स्थिति में सुधार करना है ताकि वे समाज की मुख्यधारा में अपना उचित स्थान प्राप्त कर सकें।

30.06.2025 तक अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व को दर्शाने वाला वार्षिक विवरण नीचे दिया गया है।

संकाय

पद का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या	30.06.2025 तक स्वीकृत संख्या का विवरण (योजना, गैर-योजना और ओबीसी अनुदान के तहत यूजीसी द्वारा स्वीकृत सभी पद यदि कोई हो)							मौजूदा क्षमता का विवरण 30.06.2025							01.07.2025 को रिक्त पद						
		सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग	सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग	सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग
प्राध्यापक	49	22	7	3	13	4	1	**49**	3	0	0	0	0	0	**3**	19	7	3	13	4	1	**46**
सह-प्राध्या.	75	44	9	4	13	5	2	**75**	22	5	3	7	0	0	**37**	22	4	1	6	5	2	**38**
सहा. प्राध्या.	178	92	24	18	40	4	5	**178**	72	20	14	34	3	1	**143**	20	4	4	6	1	4	**35**
योग	**302**	**158**	**40**	**25**	**66**	**13**	**8**	**302**	**97**	**25**	**17**	**41**	**3**	**1**	**183**	**61**	**15**	**8**	**25**	**10**	**7**	**119**

गैर संकाय

पद का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या	30.06.2025 तक स्वीकृत संख्या का विवरण (योजना, गैर-योजना और ओबीसी अनुदान के तहत यूजीसी द्वारा स्वीकृत सभी पद यदि कोई हो)							मौजूदा क्षमता का विवरण 30.06.2025							01.07.2025 को रिक्त पद						
		सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग	सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग	सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग
समूह ए	32	26	1	2	3	0	1	**32**	14	0	0	2	0	1	**16**	12	1	2	1	0	0	**16**
समूह बी	45	40	1	1	3	0	1	**45**	36	1	1	3	0	0	**41**	4	0	0	0	0	1	**4**
समूह सी	171	105	25	37	2	2	4	**171**	80	14	21	2	1	3	**118**	25	11	16	0	1	1	**53**
उप योग - I	**248**	**171**	**27**	**40**	**8**	**2**	**6**	**248**	**130**	**15**	**22**	**7**	**1**	**4**	**175**	**41**	**12**	**18**	**1**	**2**	**2**	**73**

नोट: विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए आरक्षण क्षैतिज बनाए रखने के लिए है

एंटी-रैगिंग कमेटी और स्क्वाड :

उच्चतर शिक्षा संस्थाओं में रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियम, 2009 के अनुसार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने कुलपति की अध्यक्षता में एक रैगिंग-रोधी समिति और एक रैगिंग-रोधी दस्ते का गठन किया था। यह समिति किसी भी रूप में रैगिंग की घटना की सभी संभावनाओं को समाप्त करने के लिए पूरे वर्ष सक्रिय रूप से कार्य करती है।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय की रैगिंग के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। विभागों और इसके सभी परिसरों (अकादमिक, आवासीय, खेल, कैंटीन, आदि) सहित पूरे त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में इसके सभी रूपों में रैगिंग पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। विश्वविद्यालय प्राधिकरण रैगिंग और/अथवा रैगिंग को बढ़ावा देने के दोषी पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करता है।

रैगिंग की कोई भी शिकायत नोडल अधिकारी को की जा सकती है जिसका नाम, ई-मेल पता, मोबाइल नंबर नीचे दिया गया है:

नाम : डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर,
जूलॉजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

ई-मेल आईडी : nodalofficer_antiragging@tripurauniv.ac.in

विश्वविद्यालय एक नज़र में

एनईपी 2020 में निर्धारित उद्देश्यों और संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिपादित एसडीजी लक्ष्यों के साथ, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (त्रिविवि) सक्रिय रूप से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को बढ़ावा देने में लगा हुआ है, अनुसंधान गतिविधियों, विशेष रूप से अनुप्रयुक्त अनुसंधान, उद्यमिता और कौशल वृद्धि गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने पर बहुत जोर दे रहा है, और साथ ही आउटरीच गतिविधियों को संपादित करने का प्रयास कर रहा है, ये सभी विश्वविद्यालय और आसपास के समुदाय के समग्र शैक्षणिक और सामाजिक विकास के लिए किए जा रहे हैं। इसका मिशन मूल्यांकन और परीक्षा के डिजिटलीकरण के साथ त्रिपुरा विश्वविद्यालय में शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन की गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए गुणवत्ता संचालित शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय ने स्नातक स्तर पर एनईपी 2020 लागू किया है। विश्वविद्यालय बिरादरी वर्तमान में एनईपी 2020 के अनुसार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को संशोधित करने में शामिल है।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय उत्कृष्टता में भागीदार के रूप में दूसरों के साथ बढ़ने में विश्वास करता है। यह नियमित पाठ्यक्रम वृद्धि के माध्यम से शैक्षणिक मानकों में निरंतर वृद्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों के साथ सहयोग करता है। अनुसंधान क्षेत्रीय और राष्ट्रीय हित के क्षेत्रों पर केंद्रित है। पाठ्यक्रम और छात्र परियोजनाओं की योजना इस तरह से बनाई गई है कि अगली पीढ़ी की जनशक्ति को क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास की दिशा में काम करने के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित किया जाए। प्रयासों के कारण पिछले कुछ वर्षों में उद्धरणों में वृद्धि हुई है। प्रकाशनों को विभिन्न विभागों द्वारा वर्षों से बनाए रखा गया है। इस वर्ष किसी भी कला विभाग से पहला पेटेंट प्रदान किए जाने के साथ बिरादरी द्वारा बौद्धिक संपदा के संरक्षण के लिए आवेदनों की संख्या में भी पिछले कुछ वर्षों में आशातीत वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय इस शैक्षणिक वर्ष में अपने बाह्य वित्त पोषण को बनाए रखने में सक्षम रहा है। कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय रोजगार बाजार के लिए व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के लिए 2 अक्टूबर 2024 को शांति काली कौशल विकास केंद्र की स्थापना की गई है।

प्रकाशन प्रवृत्ति

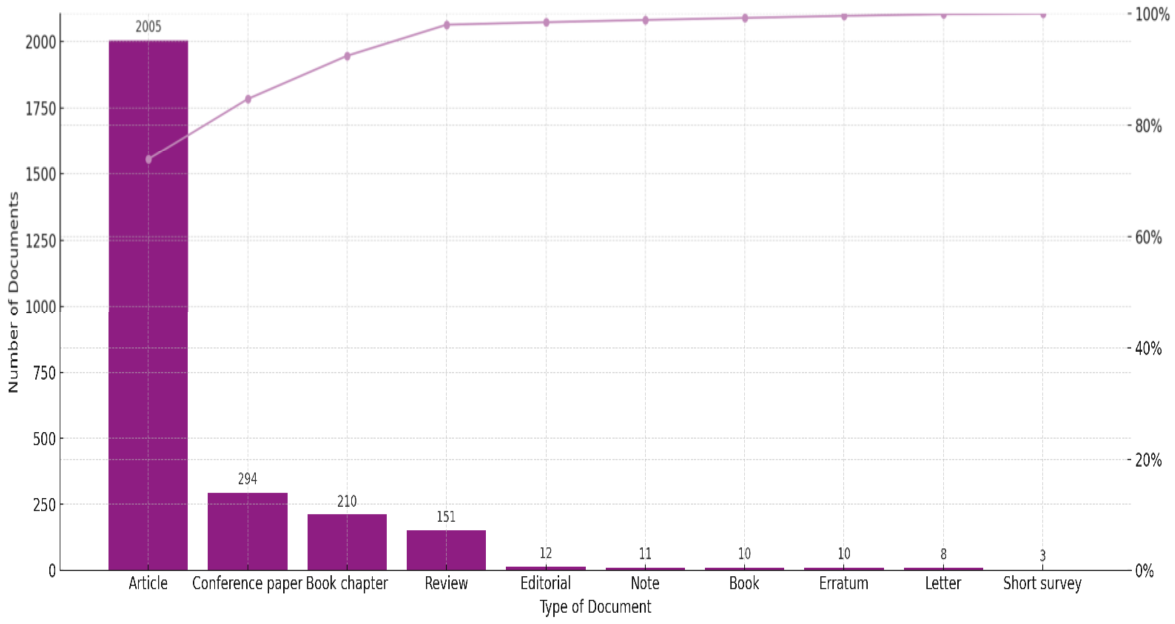

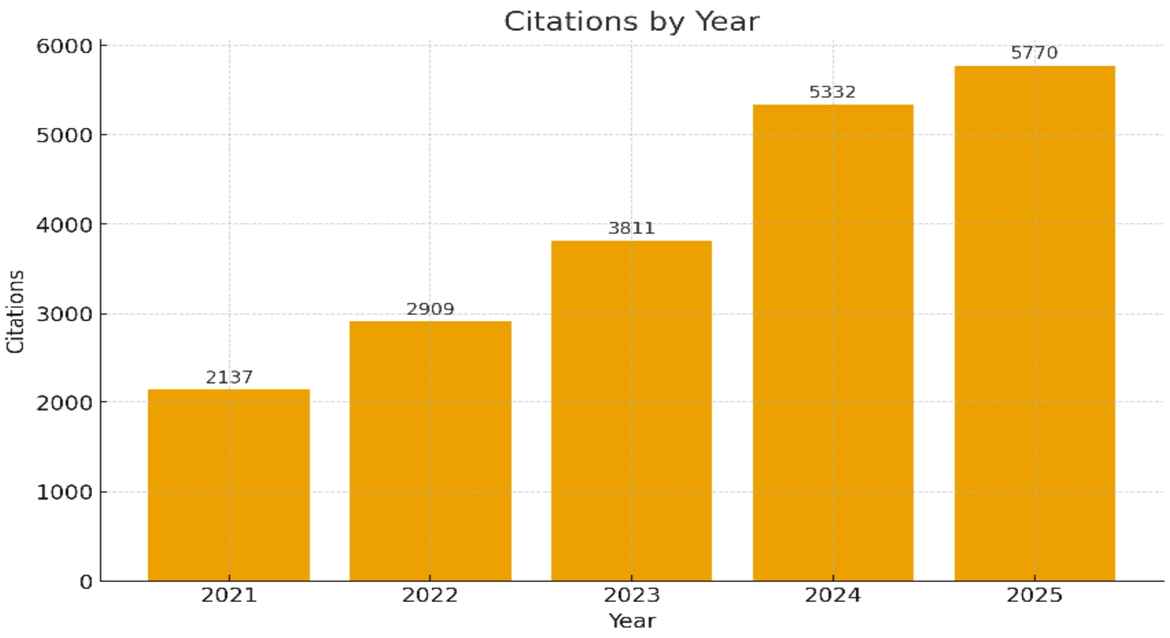

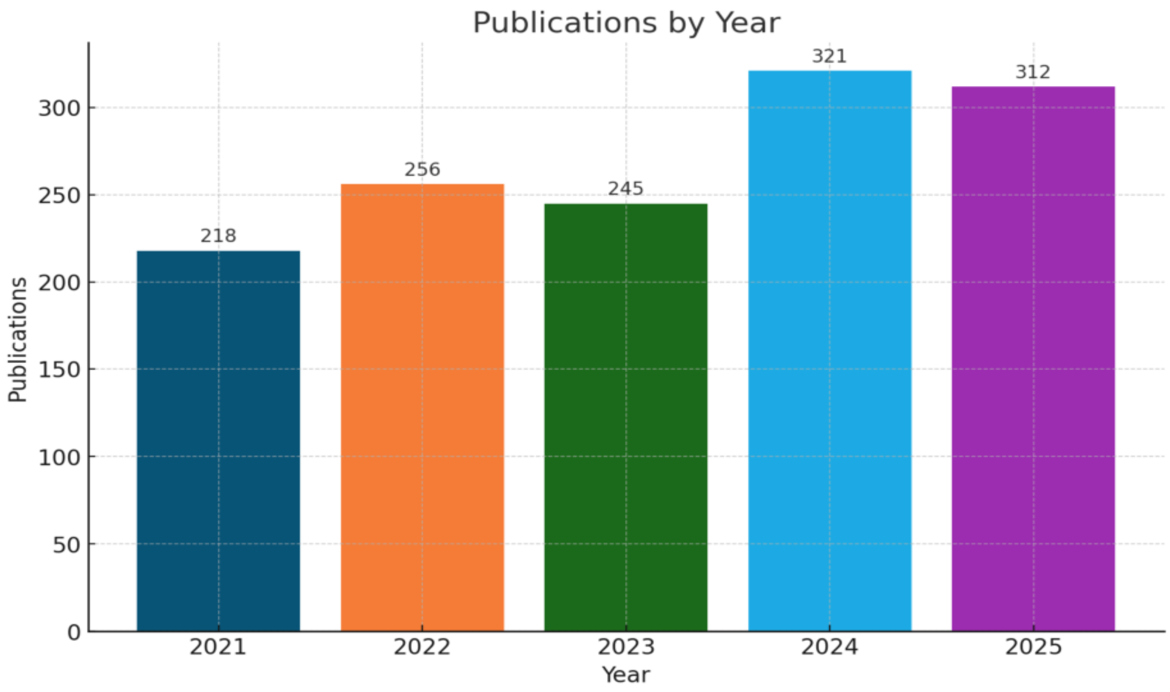

डेटा स्रोत: स्कोपस

अत्याधुनिक पुस्तकालय सुविधा इतनी सुसज्जित है कि पढ़ने और सीखने के लिए एक माहौल बनाया गया है, जिसमें ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों तरह के संसाधनों तक पहुंच के विस्तारित घंटे हैं (वाईफाई सक्षम परिसर)। उद्योगों, संस्थानों के साथ-साथ संबद्ध महाविद्यालयों के साथ हस्ताक्षरित विभिन्न समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य छात्रों को अवसर प्रदान करना और उन्हें उद्योग और शिक्षा दोनों से पर्याप्त इनपुट के साथ तैयार करना है। इन पहलों ने त्रिपुरा की स्वदेशी वस्तुओं के व्यावसायीकरण के अवसरों को बढ़ाने में मदद की है। राज्य में वैकल्पिक आजीविका संवर्धन के नए क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के प्रयास में, मानक खेती प्रथाओं के विकास के माध्यम से व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य वस्तुओं की जैविक खेती का पता लगाया जा रहा है और इस शैक्षणिक वर्ष में जैविक रूप से

उत्पादित लेमनग्रास आवश्यक तेल की पहली खेप उद्योग को बेची गई थी। विश्वविद्यालय में भूमि का उपयोग जैविक खेती के माध्यम से सब्जियों और फलों की स्थायी खेती के लिए किया जाता है। इसकी आपूर्ति छात्रावासों और विश्वविद्यालय बिरादरी को भी रियायती दर के रूप में की जाती है। विश्वविद्यालय में बायोडिग्रेडेबल कचरे को घर में उपयोग के साथ-साथ बिक्री के लिए परिसर में वर्मीकम्पोस्ट में परिवर्तित किया जाता है। इस तरह विश्वविद्यालय स्वस्थ खाद्य उत्पादन के साथ पर्यावरणीय जीविका सुनिश्चित करता है।

सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह, त्रिविवि भारत के विभिन्न राज्यों और विदेशों के छात्रों को नामांकित करता है। समग्र शैक्षणिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए, विश्वविद्यालय परिसर को 5 छात्रावासों (महिलाओं के लिए तीन और पुरुषों के लिए दो) के साथ पूरी तरह से वाईफाई-सक्षम बनाया गया है; संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए क्वार्टर; खेल सुविधाएं; चिकित्सा सुविधाएं; 24x7 स्वचालित पुस्तकालय सुविधाएं; प्रौद्योगिकी ने दिव्यांग प्रयोक्ताओं के लिए सुगम्य पुस्तकालय सुविधा, समय पर सभी हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक समर्पित इंजीनियरिंग सेल सक्षम बनाया है। बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के

लिए, अतिरिक्त लड़कियों के लिए छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है, जबकि जल्द ही एक नए लड़कों के छात्रावास का उद्घाटन किया जाएगा। त्रिपुरा विश्वविद्यालय का अपना स्वास्थ्य केंद्र है जिसमें दो पूर्णकालिक डॉक्टर (पुरुष और महिला) और सहायक कर्मचारी हैं, जो विश्वविद्यालय बिरादरी और आसपास के इलाके में भाग लेने के लिए 24x7 एम्बुलेंस सुविधा के साथ एक स्टैंडअलोन इमारत में हैं। मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने अपनी समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक मनोवैज्ञानिक परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना की है। अपनी गतिविधियों को समर्थन देने और बनाए रखने के लिए, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में एक अत्याधुनिक गेस्ट हाउस है जो एक समय में 100 से अधिक मेहमानों को समायोजित कर सकता है।

हम अपने छात्रों की परवाह करते हैं। उनके समग्र विकास के लिए, शैक्षणिक पाठ्यक्रम में संशोधन के अलावा, पुस्तकालय और पेयजल फिल्टर के साथ एक खुली व्यायामशाला का निर्माण किया गया है। विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए लेडीज वॉश रूम में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इन्सीनेटर स्थापित किए गए हैं।

गर्ल्स स्कॉलर हॉस्टल, बॉयज स्टूडेंट एंड स्कॉलर हॉस्टल, गर्ल्स स्टूडेंट्स हॉस्टल की सुविधा

स्वास्थ्य सुविधा

गेस्ट हाउस की सुविधा

छात्र देखभाल सुविधाएं

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, छात्रों की संख्या 3898 (पीएचडी को छोड़कर) थी, जबकि शोधार्थियों की संख्या 518 थी। पीएचडी के संबंध में इस शैक्षणिक वर्ष में कुल 197 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जबकि 88 को उपाधि प्रदान की गई थी। विश्वविद्यालय को आईएएस कोचिंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ। यह विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग चलाता है। विश्वविद्यालय छात्रों की भागीदारी के साथ विभिन्न सामुदायिक और आउटरीच गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। विश्वविद्यालय लैंगिक संवेदीकरण और लैंगिक समानता पर जोर देता है। विश्वविद्यालय नीतियों के साथ आईपी, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है। इसके परिणामस्वरूप विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों और वित्त पोषण के माध्यम से इसे राष्ट्रीय दृश्यता प्राप्त हुई है।

इन-हाउस और बाहरी प्रयोक्ताओं (भुगतान के आधार पर) के लिए सभी उपकरणों/सुविधाओं को उपलब्ध कराने की राष्ट्रीय पहल के अनुरूप, त्रिपुरा विश्वविद्यालय आई-एसटीईएम कार्यक्रम का एक हिस्सा बन गया है, जो विभिन्न विभागों के अलावा मामूली लागत पर आवश्यकता के अनुसार प्रयोक्ताओं को केंद्रीय उपस्कर सुविधा में 10 महंगे उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। त्रिपुरा विश्वविद्यालय एक विशिष्टता के साथ एक विश्वविद्यालय के रूप में उभरने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। ज्ञान सृजन और प्रसार के घोषित लक्ष्य के साथ-साथ छात्रों के ज्ञान और कौशल गतिविधियों को बढ़ाने के उद्देश्य से इसके प्रमुख क्षेत्रों में एक आधुनिक विश्वविद्यालय के अनुरूप सभी कार्यक्षेत्र शामिल हैं, जैसे शिक्षण-अधिगम, अनुसंधान, प्रशिक्षण, नेटवर्किंग और सहयोग और आउटरीच गतिविधियां, ताकि शिक्षक, छात्र और कर्मचारी मिलकर राष्ट्र की भलाई के लिए एक मजबूत शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र बना सकें। इसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय ने 486 शोध आलेख प्रकाशित किए हैं जिनमें 19 प्रभाव कारक(इम्पैक्ट फैक्टर) युक्त हैं; चालू शैक्षणिक वर्ष में 103 पुस्तक अध्याय और 32 पुस्तकें प्रकाशित की गई है तथा 123 संगोष्ठी/प्रशिक्षण कार्यक्रम/सम्मेलन/कार्यशालाएं भी आयोजित की गई हैं। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में, विश्वविद्यालय के पास 27 प्रदत्त/दायर पेटेंट हैं। विश्वविद्यालय में कुल 40 चल रही वित्त पोषित परियोजनाएं और 3 परामर्श परियोजनाएं हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के अनुसार हमारे संकाय सदस्य दुनिया भर में वैज्ञानिक के शीर्ष 2% में शामिल हैं। राज्य के भीतर कौशल उन्नयन और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए, "दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार सृजन संसाधन केंद्र" ने 11 कार्यक्रम आयोजित किए हैं। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने इस अवधि में कई घरेलू और बाहरी सहयोगों के साथ 20 कार्यक्रम आयोजित किए हैं (द यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय, एमबीबी यूनिवर्सिटी, वीवर्स सर्विस अगरतला,इनमें शामिल हैं)।

GPS Map Camera
Agartala, Tripura, India
V8QQ+7C2, Bamboo Park Main Rd, Bodhjung Nagar, Agartala, Radhakishorenagar, Tripura 799008, India
Lat 23.889944°
Long 91.337314°
18/09/24 08:47 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Agartala, Tripura, India
Q778+6m3 Tripura University, Near Maharaja Bir Bikram Satabarskik Bhavan Auditorium, Suryamani Nagar, Agartala, Tripura 799022, India
Lat 23.762828° Long 91.266358°
29/01/25 04:52 PM GMT +05:30
Google

19 तक प्रभाव कारक वाले रिपोर्ट की गई पत्रिकाओं में संकायों के शोधपत्र प्रकाशन

क्रम सं.	जर्नल्स/सम्मेलन कार्यवाही पत्र	विभाग
1	आनंद, ए., राज, ए., मंडल, डी., मैती, डी., गणेश, एमके, सिंह, ए.के., डी., डी., और खान, जीजी (2025)। इफेक्टिव सरफेस इंजीनियरिंग फॉर डिफेक्ट पैसिवेसन एंड रिडक्शन ऑफ वाटर ऑक्सीडेशन ओवरपोटेंशियल इन बेंचमार्क 2 डी α-एसएनडब्ल्यूओ 4 नैनोप्लेट फोटोएनोड। एडवांस्ड फंक्शनल, 35(19), 2417398। https://doi.org/10.1002/adfm.202417398	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
2	लिम, डब्ल्यूएम, दास, एम., शर्मा, डब्ल्यू., वर्मा, ए., और कुमरा, आर. (2025)। गैमीफिकेशन फॉर सस्टेनेबल कन्जम्प्सन: ए स्टेट ऑफ द आर्ट ओवरव्यू एंड फ्यूचर एजेन्डा। बिजनेस स्ट्रेटेजी एंड एनवायर्नमेंट , 34(1), 1510-1549। https://doi.org/10.1002/bse.4021	व्यवसाय प्रबंधन
3	मकेंडर, एन., और दास, एम. (2024)। मेटावर्स इन्टीग्रेशन चैलेन्जेज : ऐन इनडेप्थ आईएसएम एंड एमआईसीएमएसी एनालिसिस। जर्नल ऑफ़ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 77, 103684। https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2023.103684	व्यवसाय प्रबंधन
4	लेप्चा, ए., कुमार, आर., डिंधोरिया, के., भार्गव, बी., पति, एएम, और कुमार, आर. (2025)। मेटाजेनोमिक इनसाइट्स इन्टू द फंक्शनल पोटेंशियल ऑफ नॉन सैनिटरी लैंडफिल माइक्रोबॉयोम्स इन द इंडियन हिमालयन रीजन, हाईलाइटिंग की प्लास्टिकडिग्रेडिंग जीन्स । जर्नल ऑफ हैजार्डस मटेरियल, 484, 136642। https://doi.org/10.1016/j.jhazmat.2024.136642	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
5	दास, एम., जेबरजाकिर्थी, सी., शंकर, ए., मसीह, एचआई, और साहा, आर. (2025)। व्हाई द मासेस परचेज प्रेस्टीज प्रोडक्ट? एक मेटा-एनालिसिस। जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 200, 115565। https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2025.115565	व्यवसाय प्रबंधन
6	गिरि, एल., हुसैन, एम., अंगमो, जेसी, मुस्तफा, जी., सिंह, बी., बहुखनदी, ए., प्रधान, आर., कुमार, आर., मुखर्जी, एस., भट्ट, आईडी, और नौटियाल, एस. (2024)। एनहांसिंग टोमैटो (सोलनम लाइकोपर्सिकम) यील्ड एंड न्यूट्रिसन क्वालिटी थ्रू हाइड्रोपोनिक कल्टीवेशन विद ट्रीटेड वाटर वेस्ट, फुड केमिस्ट्री, 463, 141079। https://doi.org/10.1016/j.foodchem.2024.141079	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
7	पटेल, ए., गोस्वामी, एस., हजारिका, जी., शिवप्रकाशम, एस., भट्टाचार्जी, एस., और मन्ना, डी. (2024)। सल्फोविधि -क्रॉस-लिंक्ड हयालूरोनिक एसिड-बेस्ड सेल्फ हीलिंग हाइड्रोजल: स्टीमुली रिस्पॉन्सिव ड्रग कैरियर विद इनहेरेन्ट एन्टीबैकिटीरियल एक्टिविटी टु कॉउन्टरएक्ट एन्टीबॉयोटिक रेसिस्टेंट बैक्टीरिया, एडवांस्ड हेल्थकेयर मैटेरियल्स, 13(6), 2302790। https://doi.org/10.1002/adhm.202302790	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
8	शुभम, के., गणेश, एम.के., हक्कीम, एच., चंद्रन, ए.एम., मैरी, ए.एस., आनंद, ए., डी., डी., सरकार, डी., खान, जी.जी., और सिंह, ए.के. (2025)। हाईपरफॉर्मेंस सिलिकॉन बेस्ड फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल एन-आई-पी हेटेरोजंक्शन फोटोएनोड फॉर एफिसिएन्ट फोटोइलेक्ट्रिकल वाटर स्प्लिटिंग: फैब्रिगेशन, ऑप्टिमाइजेशन, एंड लार्ज स्केल एप्लीकेशन। जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स केमिस्ट्री ए, 13, 10844-10854। https://doi.org/10.1039/D5TA01070E	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
9	राय, आर. (2024)। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जवाहरलाल नेहरू के योगदान पर एक सूक्ष्म अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 6(4), 1-11।	इतिहास
10	नाहा, एम. (2025)। महिलाएं, समानता और त्रिपुरा के उत्तर-पूर्वी राज्य: एक राग बन रहा है। इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 7(2), 1-5।	विधि
11	दास, डी., चिंगाखाम, एन., सरमा, एम., बसु, एस., और भालाधारे, एस. (2025)। सेल्यूलोज-बेस्ड बायोडिग्रेडेबल सुपरएब्जॉर्बेंट हाइड्रोजेल: ए सस्टेनेबल एप्रोच फॉर वाटर कंजरवेशन एंड प्लांट ग्रोथ इन एग्रीकल्चर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 305, 141176। https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2025.141176	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग
12	रुचिका, शर्मा, एसके, कुमार, आर., यादव, एसके, और सनेजा, ए. (2025)डेवलपमेंट ऑफ ए मल्टीफंक्शनल एंड सस्टेनेबल टेरोस्टिलबिन नैनोइमल्शन चिटोसन-एल्गिनेट फुड पैकेजिंग फिल्म फॉर शिल्टेक मशरूम प्रिजर्वेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 293, 139241। https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2024.139241	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
13	दास, एस. (2025)। पश्चिम त्रिपुरा जिले में स्नातक छात्रों की सीखने की शैली और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड आर्काइव्स (आईजेएसआरए), 14(1), 1728-1734। आईएसएसएन 2582-8185।	शिक्षा विद्यापीठ
14	सरकार, एस., चक्रवर्ती, जे., और देब, ए. (2025)। पश्चिम त्रिपुरा जिले के सदर उप-मंडल के तहत कॉलेज के छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 13(1), 224-233।	शिक्षा

15	दत्ता, एस., और डी गोप, टी. (2025)। किशोर लड़कियों का सशक्तिकरण: क्यों महत्वपूर्ण है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), 13, 48-50। आईएसएसएन 2320-2882।	शिक्षा विद्यापीठ
16	मजूमदार, एस. (2025)। उच्च शिक्षा के छात्रों के स्तर पर आत्म-प्रभावकारिता पर अध्ययन, उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के साथ इसका संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), 13, 563-569। आईएसएसएन 2320-2882।	शिक्षा विद्यापीठ
17	राय, आर. (2024)। जवाहरलाल नेहरू के राजनीतिक जीवन पर "माँ-पत्नी" का प्रभाव। जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 11(7), 921-925।	इतिहास
18	कलाई, एस. (2024)। क्वाथम कोथोमा: लोककथाएं, सिनेमा और मौखिक कथा से लेकर डिजिटल कहानी कहने तक आदिवासी कथाएं। जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 11, 107-115।	पत्रकारिता और जनसंचार
19	कलाई, एस. (2024)। मठिया के माध्यम से दुनिया: कोकबोरोक सिनेमा का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 11, 8-13।	पत्रकारिता और जनसंचार
20	मालाकार, जे. (2024)। कैरियर की आकांक्षाओं और कैरियर निर्णय लेने में लैंगिक असमानताएं: एक सैद्धांतिक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), 12, 453-457। आईएसएसएन 2320-2882।	शिक्षा विद्यापीठ
21	मजूमदार, एस. (2024)। आध्यात्मिक मूल्यों और शैक्षणिक सफलता की परस्पर क्रिया: त्रिपुरा में स्नातकोत्तर छात्रों का एक अनुभवजन्य अध्ययन। जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेटीआईआर), 11(6), 679-682। आईएसएसएन 2349-5162।	शिक्षा विद्यापीठ
22	दास, डी., चिंगखाम, एन., भालाधारे, एस., सरमा, एम., और बसु, एस. (2025)। सेल्यूलोज-बेस्ड बायोडिग्रेडेबल सुपरएब्जॉर्बेंट हाइड्रोजेल: ए सस्टेनेबल एप्रोच फॉर वाटर कंजरवेशन एंड प्लांट ग्रोथ इन एग्रीकल्चर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 305, 141176। https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2025.141176	वनस्पति विज्ञान
23	ज़ुरलिनी, जी., एन, वाईजे, फ्रैंकलिन, ई., हमालेनन, एच., काक्लौस्कस, ए., पर्ट, पी., पेट्रोसिलो, आई., सांचेज़-पिनिलोस, एम., सेलवन, टी., वैलेंटे, डी., ज़ू, एफएल, और ज़ुओ, जे. (2025)। एडिटोरियल: द क्रूसियल इस्यू ऑफ स्पैटियल एंड टेम्पोरल स्केल इन एकोलॉजिकल इन्डीकेसन। इकोलॉजिकल इंडीकेशन्स, 174, 113466। https://doi.org/10.1016/j.ecolind.2025.113466	वानिकी और जैव विविधता
24	दास, डी., गोलाबीव्स्का, ए., और रूट, पीके (2024)। जियोपॉलिमर ईंटें: टिकाऊ पर्यावरण के लिए निर्माण सामग्री की अगली पीढ़ी। कंस्ट्रक्शन एंड बिल्डिंग मटेरियल, 445, 137876। https://doi.org/10.1016/j.conbuildmat.2024.137876	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
25	मजूमदार, एस. (2025)। पश्चिम त्रिपुरा जिले में कॉलेज के छात्रों में समय प्रबंधन क्षमताओं पर अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर), 3(6), 2513-2523। आईएसएसएन 2583-973X।	शिक्षा विद्यापीठ
26	नाहा, एम. (2025)। भारत में सहमति से यौन अपराध नहीं रह गया है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज, 12(2), 723-726।	विधि
27	मुखर्जी, एस. (2025)। बांग्ला गान: आधुनिक और बोंगतरपोर। त्रिसंगम, 5, 959-970.	बांग्ला
28	नाहा, एम. (2025)। अधिकार, सरोगेसी और भारतीय न्यायपालिका: एक अभियान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ मैनेजमेंट एंड ह्यूमैनिटीज, 8(2), 1967-1976।	विधि
29	नाहा, एम. (2025)। लैंगिक समावेशिता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ मैनेजमेंट एंड ह्यूमैनिटीज, 8(2), 3293-3303।	विधि
30	देबनाथ, आर., दास, के., और भौमिक, एमके (2025)। जीएसनेट: ए न्यू स्माल ऑब्जेक्ट अटेन्शन बेस्ड डीप क्लासीफायर फॉर प्रजेन्स ऑफ गन इन कॉम्प्लेक्श सीन्स । न्यूरोकंप्यूटिंग, 635, 129855। https://doi.org/10.1016/j.neucom.2025.129855	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
31	दास, आर., और त्रिपाठी, बीसी (2024)। सेपरेशन एक्जिऑम्स ऑन स्पैटियल टोपोलॉजिकल स्पेस एंड स्पैटियल डाटा एनालिसिस। एनल्स ऑफ डेटा साइंस, 11(2), 411-423। https://doi.org/10.1007/s40745-022-00393-w	गणित
32	राज, वाई., डिंधोरिया, के., कुमार, पी., पति, ए.एम., कुमार, आर., और कुमार, आर. (2025)। स्कल्पचरिंग हाइपरिकम परफोरेटम एल.-राइजोस्फीयर विद प्लांट स्पेसिफिक एंड अन स्पेसिफिक बेनेफिसियल राइजोबैक्टीरिया डिस्टिंग्टिवली टेलर्स राइजोस्फियर बैक्टीरियल कम्युनिटी स्ट्रक्टर एक्मयुमुलेट डिफरेन्सियल एमाउनट ऑफ स्पेशियलाइज्ड मेटबॉलाइट्स। इन्डस्ट्रियल क्रॉप्स एंड प्रोडक्ट्स, 226, 120670। https://doi.org/10.1016/j.indcrop.2025.120670	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
33	वैष्णव, ए., मेहता, एन.के., हुसैन, एस.ए., आचार्य, पी.सी., बिस्वाल, एस., नाथ, एच., प्रियदर्शिनी, एमबी, थंगारानी, ए.जे., पाल, पी., सिंह, एस.के., सिंह, एनएस, पति, बीके, देबबर्मा, पी., उपाध्याय, पी., और यादव, केके (2025)। ब्रोमेलैन एक्सरसाइज्ड हाइड्रोलाइसेट्स विद पोटेन्ट बॉयोएक्टिविटी फ्रॉम बेलाम्या बेंगालेंसिस सॉफ्ट टिस्यूज: प्रोसेस ऑप्टीमाइजेशन एंड कैरेक्टराइजेशन। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड रिसर्च, 19, 101595। https://doi.org/10.1016/j.jafr.2024.101595	भेषज विज्ञान

34	शर्मा, एस.के., डोगरा, एस., कुमार, पी., मौर्य, एन., पांडे, के.के., बरदेवा, पी., और कुमार, आर. (2025)। सस्टेनेबल एप्रोचेज ऑफ माइक्रोबियल असिस्टेड ऑर्गेनिक वेस्ट वैलरॉईजेशन इन कोल्डर रीजन्स फॉर ग्रीनर फ्यूचर। बायोमास और बायोएनर्जी, 202, 108168। https://doi.org/10.1016/j.biombioe.2025.108168	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
35	संफुई, एमएच, हसन, एन., रॉय, एस.एस., चौधरी, डी., नंदी, पी., चांग, एम., रहमान, एम., घोष, एनएन, मजूमदार, एस., चट्टोपाध्याय, पीके, मैती, डीके, और सिंघा, एनआर (2024)। अनकवरिंग इन्टीग्रेटेड डुअल स्टेट ईएसआईपीटी कंडक्टिविटी, रेडॉक्स-कैपिसिटी, ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक रिस्पांस टुवर्ड्स द Hg (II)/Cr (III) एलिफैटिक फ्लोरोसेंट पॉलिमर। मैक्रोमोलेक्यूलर रैपिड कम्युनिकेशंस, 45(24), 2400677।	रसायन विज्ञान
36	सरेन, यू., मलिक, डी., साहू, डी., सरकार, एस., मैती, पी., पाल, ए., हुसैन, एसए, भट्टाचार्जी, डी., सिन्हा, सी., और पॉल, पीके (2025)।कम्प्रेशन इन्डयूस्ड एग्रिगेसन बिहैवियर ऑफ डी-आयोडो-पीबी (II) लांग चेन एल्काइल सब्स्टीट्यूटेड एजोईमिडाजोल कॉम्प्लेक्स ऐट एयर वटर इन्टरफेस एंड फैब्रिगेशन ऑफ स्कॉट्की बैरियर डॉयोड वाया लैंगम्युइर-ब्लॉगेट टेकनिक। सरफेस एंड इंटरफेस, 62, 106310। https://doi.org/10.1016/j.surfin.2025.106310	भौतिक विज्ञान
37	देब, एस., हुसैन, एस., वैश्य, बी., भट्टाचार्य, ए., हुसैन, एस.ए., नाथ, आर.के., और पॉल, एमके (2024)। फेसाइल प्रिपरेशन एंड स्टी ऑफ सुप्रामॉलिकुलर आर्किटेक्चर ऑफ ऐन एफिसिएन्ट नैनोकम्पोजिट एलबी फिल्म एएचएसएम/एसए बेस्ड ऑन एजो फंक्शनलाइज्ड हॉकी स्टिक सेप्ड मैसोजेन ऐट एयर वाटर एंड एयर सॉलिड इंटरफेस। कोलाइड्स और सरफेस ए: फिजियोकेमिकल एंड इंजीनियरिंग एसपेक्ट्स, 702, 135056। https://doi.org/10.1016/j.colsurfa.2024.135056	रसायन विज्ञान
38	दास, एम., लिम, डब्ल्यूएम, पॉल, एस., रॉय, ए., और पुरोहित, एस. (2025)। भौतिकवादी दुनिया में धर्म पर्यावरण-समर्थक व्यवहार को कैसे आकार दे सकता है? यथार्थवाद के साथ आदर्शवाद की तुलना धार्मिक एपिक्स। जर्नल ऑफ कंज्यूमर बिहेवियर, 24(3), 1300-1326। https://doi.org/10.1002/cb.2464	व्यवसाय प्रबंधन
39	जेबराजकीर्ति, सी., शिवपालन, ए., दास, एम., स्ट्रॉंग, सी., और संग्रोया, डी. (2024)। हरित खपत की भविष्यवाणी करने के लिए नियोजित व्यवहार के सिद्धांत और मूल्य-विश्वास-मानक मॉडल का एक मेटा-विश्लेषणात्मक एकीकरण। यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग, 58(4), 1141-1174। https://doi.org/10.1108/EJM-06-2021-0436	व्यवसाय प्रबंधन
40	दास, एम., जेबराजाकीर्ति, सी., एमएस, बी., पॉल, एम.के., और शिवपालन, ए. (2024)। मौद्रिक छूट, रूपक संचार और बड़े पैमाने पर प्रतिष्ठा आधारित ब्रांडिंग: एक व्यापक मूल्यांकन। यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग, 58(10), 2319-2357। https://doi.org/10.1108/EJM-08-2022-0584	व्यवसाय प्रबंधन
41	कुमार, आर. (2025)। लोकभाषा की संरचना के तत्व और केदारनाथ सिंह की कविताएं। समागम, 5, 44-46.	हिंदी
42	मुखर्जी, एन., मैत्रा, एस., मुखर्जी, डी., घोष, ए., एलेक्सियो, एटी, और थोराट, एनडी (2024)। हार्नेसिंग प्रौटक्स टु कॉम्बैट H5N1 इन्फ्लूएंजा: ए न्यू फ्रॉन्टियर इन वायरल डिस्ट्रक्शन। जर्नल ऑफ मेडिकल वायरोलॉजी, 96(9), ई29926। https://doi.org/10.1002/jmv.29926	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
43	देब, एस., हुसैन, एस., वैश्य, बी., पॉल, एमके, हुसैन, एसए, और नाथ, आरके (2024)। स्टडी ऑफ सुप्रामॉलिकुलर ऑर्गनाइजेशन ऑफ एलबी हाइब्रिड अल्ट्राथिन फिल्म ऑफ एजो फंक्शनलाइज्ड हॉकी स्टिक सेप्ड मैसोजेन/स्टेरिक एसिड ऐट एयर वाटर एंड एयर सॉलिड इंटरफेस। कोलाइड्स और सरफेस ए: फिजियोकेमिकल एंड इंजीनियरिंग एसपेक्ट्स, 702, 135056। https://doi.org/10.1016/j.colsurfa.2024.135056	भौतिक विज्ञान
44	देबरॉय, पी., मजूमदार, पी., मजूमदार, पी., दास, ए., और सेबन, एल. (2025)।एनॉलिसिस ऑफ अपोरचुनिटीज एंड चैलेन्जेज ऑफ स्मार्ट एक्वापोनिक : ए समरी ऑफ रिसर्च ट्रेंड्स एंड फ्यूचर रिसर्च एनेन्यूज। कन्टीनुअस एनवायर्नमेंट रिसर्च, 35, 18. https://doi.org/10.1186/s42834-025-00255-z	सूचना प्रौद्योगिकी
45	भट्टाचार्य, ए., चक्रवर्ती, के., साहा, पी., साहा, एस., रॉयचौधरी, पी., बैद्य, जेएल, घोष, ए., चक्रवर्ती, डी., सेनगुप्ता, एस., और सील, एसके (2025)। त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत की महिलाओं में सर्वाइकल साइटोलॉजी असामान्यताएं और उच्च जोखिम वाले एचपीवी संक्रमण के संबंधित जीनोटाइप पैटर्न: एक अस्पताल-आधारित अध्ययन। अमेरिकन जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी, 17, 1926-1932। https://doi.org/10.1093/aje/kwae364	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
46	सरकार, ए., चक्रवर्ती, ए., भौमिक, एस., देबनाथ, बी., सिंह, एस.एस., घोष, आर., जकी, एमईए, अल-हुसैन, एसए, और देबनाथ, एस. (2024)। पार्किया जावानिका खाद्य फली एक एंटी-डायबिटिक एजेंट के रूप में क्षमता प्रकट करती है: UHPLC-QTOF-MS/MS-आधारित रासायनिक प्रोफाइलिंग, सिलिको में, इन विट्रो में, विवो में, और ऑक्सीडेटिव तनाव अध्ययन। फार्मास्यूटिकल्स, 17(7), 968। https://doi.org/10.3390/ph17070968	भेषज विज्ञान
47	वैष्णव, ए., हुसैन, एस.ए., आचार्य, पी.सी., बिस्वाल, एस., नाथ, एच., प्रियदर्शिनी, एमबी, पाल, पी., सिंह, एसके, सिंह, एनएस, पति, बीके, देबबर्मा, पी., यादव, केके, और मेहता, एनके (2025)। ब्रोमेलैन एक्साइज्ड हाइड्रोलिसेट्स विद पोटेन्ट बॉयोएक्टिविटी फ्रॉम बेलाम्या बैंगाल्सिस सॉफ्ट टिस्यूज: प्रोसेस ऑप्टीमाइजेशन एंड कैरेक्टराइजेशन। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड रिसर्च, 19, 101595। https://doi.org/10.1016/j.jafr.2024.101595	भौतिक विज्ञान

48	संफुई, एमएच, चौधरी, डी., हसन, एन., दत्ता, ए., रहमान, एम., चांग, एम., मजूमदार, एस., चट्टोपाध्याय, पी.के., और सिंघा, एनआर (2024)। सिन्थेसिस ऑफ सेमी-सिंथेटिक डुआल स्टेट फ्लोरोसेंट पॉलिमर एंड एआईईटी-असिस्टेड डुअल एमिसन, कंडक्टिविटी, एंड मेटल ऑयन सेन्सिंग। एसीएस एप्लाइड पॉलिमर सामग्री, 6, 8116-8132।	रसायन विज्ञान
49	दास, ए., भट्टाचार्य, ए., और गुचैत, एन. (2024)। एचीविंग सॉल्वेन्ट स्पेसिफिक चार्ज ट्रांसफर डैम्पड एक्साइटेड स्टेट प्रोटोन ट्रांसफर बाई कंट्रोलिंग चेन लेंग्थ एंड चार्ज डोनोर टोर्सन: इम्प्लीकेशनव नैनोमोलर Fe3+ सेंसिंग। जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए: केमिस्ट्री, 453, 115657। https://doi.org/10.1016/j.jphotochem.2024.115657	रसायन विज्ञान
50	मलिक, एम., कृष्णैया, वाई.वी., पांजा, के., राय, डी., दास, डी., हाटी, एम., और चकमा, ए. (2024)। एएचपी और डीईमाटेल तकनीकों का उपयोग करके पश्चिम बंगाल, भारत के जलपाईगुड़ी जिले में चाय की खेती के लिए भूमि उपयुक्तता मूल्यांकन। एनवायर्नमेंट, डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी। एडवांस्ड ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s10668-024-05711-1	भूगोल और आपदा प्रबंधन
51	रेजी, ए.के., दास, बी., रे, टी.के., और बोराल, ई. (2025)। CO2 उत्सर्जन को कम करने में एक वैकल्पिक परिवहन ईंधन के रूप में संपीड़ित प्राकृतिक गैस का आकलन: अगरतला शहर का एक प्रकरण। एनवायर्नमेंट, डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी। एडवांस्ड ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s10668-024-05777-x	भूगोल और आपदा प्रबंधन
52	यादव, एम.के., दहिया, वी., त्रिपाठी, एम.के., चतुर्वेदी, एन., रश्मि, एम., घोष, ए., और राज, वीएस (2024)। अनलीजिंग द फ्यूचर:द रेवोल्यूसनरी रोल ऑफ मशीन लर्निंग एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी, 985, 177103। https://doi.org/10.1016/j.ejphar.2024.177103	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
53	मिश्रा, एम., गुरिया, आर., ताओरी, ए., शर्मा, एस., गुहा, ए., लैकसोनो, एफएटी, भट्टाचार्य, डी., डीए सिल्वा, आरएम, डी ओलिवेरा, जी., और सैंटोस, सीएजी (2025)। लाइटनिंग इन साउथ एशिया: पैटर्न्स, इम्पैक्ट एंड रीजनल वल्नरेबिलिटी। अर्थ सिस्टम एंड एनवायर्नमेंट। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s41748-025-00680-5	भौतिक विज्ञान
54	बसाक, एस., सेनगुप्ता, ए., मोदक, एस., कुमार, ए., मैती, डी., और दास, आर. (2024)। इनविट्रो साइटोटॉक्सिक एक्टिविटी ऑफ केमिकली सिन्थेसाइज्ड ZnTe नैनोपार्टिकल्स अगेन्स्ट ह्यूमन लंग कैंसर सेल लाइन एल-132 विद सपोर्टेड मॉलिकुर डॉकिंग स्टडी। मटेरियल केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 326, 129774। https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2024.129774	सूक्ष्मजैविकी / भौतिकी/मानव शरीर विज्ञान
55	मजूमदार, एस., हुसैन, एस., भट्टाचार्जी, डी., डे, डी., और हुसैन, एसए (2025)। इन्वेस्टिगेशन ऑफ टू जैंथेन डाईज एसेम्बल्ड ऑनटू एलबीएल फिल्म्स: ट्रेस ऑफ इनर्जी ट्रांसफर एंड डिजाइन ऑफ फ्रेट बेस्ड पेस्टीसाइड सेंसर। साइंटफिक रिपोर्ट, 15, 2824। https://doi.org/10.1038/s41598-024-84846-7	भौतिक विज्ञान
56	सरकार, पीएस (2025)। बोइप्लोबिक पोरिबर्तन: एक बिंगशो शतोकेर अधुनिक अंगिक। लोकायुध, 12(1), 63-69.	ग्रामीण प्रबंधन और विकास
57	हुसैन, एस., सरमा, डी., मजूमदार, एस., भट्टाचार्जी, डी., अलीब्राहिम, केए, अलोडायब, ए.एन., अग्रवाल, एच., और हुसैन, एसए (2025)। ग्री ग्रीन सिन्थेसाइज्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल मॉड्युलेटेड पॉलीडाईसिटिलीन बेस्ड कोलोरीमीट्रिक पेस्टीसाइड सेन्सर। आरएससी एडवांसेज, 15(23), 18372-18391।	वनस्पति विज्ञान
58	दास, बी., भट्टाचार्य, ए., पॉल, बी., नटराजन, आर., और मजूमदार, एस. (2024)। ऐन एलीगेन्ट एप्रोच ऑन द सिन्थेसिस ऑफ मल्टीसब्स्टीट्यूटेड इमिडाज़ोलवाया FeCl3/SiO2 कैटेलाइज्ड एक्टिवेशन ऑफ एसीटल्स: ए फोटोफिजिकल स्टडी ऑफ ऐन इमिडाज़ोल-कार्बाज़ोल हाइब्रिड। आरएससी एडवांस, 14, 33512-33523।	रसायन विज्ञान
59	दास, बी., दास, के., डीई, यू.सी., और मजूमदार, एस. (2025)। FeCl3/SiO2-कैटेलाइज्ड बिस-इंडोलेशन ऑफ एसीटल्स एंड केटल्स: ए हाइली एटम-एकोनॉमिकल एप्रोच टु द सलेक्टिव डिप्रोटेक्शन ऑफ प्रोटेक्टेड कार्बोहाइड्रेट। आरएससी एडवांस, 15, 5523-5534।	रसायन विज्ञान
60	ठाकुर, ए., पांडे, के.के., खरका, के., बोरकर, एस.एस., कुमार, बी., भट्ट, ए., और कुमार, आर. (2024)। कम्परेटिव एनॉलिसिस ऑफ सब्सट्रेट कम्पोनेन्ट,न्यूट्रेटिव वैल्यू, एर्गोस्टेरॉल डिस्ट्रीब्यूसन एंड विटामिन डी2 इनरिचमेंट शीटेक मशरूम्स कल्टीवेटेड ऑन वुड सब्सट्रेट्स। जर्नल ऑफ़ फ़ूड कंपोज़िशन एंड एनालिसिस, 134, 106508। https://doi.org/10.1016/j.jfca.2024.106508	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
61	बालियान, एन., कुमार, ए., शर्मा, आर., मुखिया, एस., शर्मा, एस.के., अग्निहोत्री, वी.के., और कुमार, आर. (2024)। अनवेलिंग ऑफ माइक्रोबायोम एंड मेटाबोलाइट्स ऑफ ट्रेडिशनल डेयरी एंड अल्कोहल प्रोडक्ट्स फ्रॉम नॉर्थ वेस्टर्न हिमालयन रीजन। जर्नल ऑफ़ फ़ूड कंपोज़िशन एंड एनालिसिस, 136, 106833। https://doi.org/10.1016/j.jfca.2024.106833	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान

62	दास, एस., रॉय, एसडी, और भौमिक, एमके (2025)। ऐन अटेन्शन नेटवर्क ऑफ डिटेक्शन ऑफ स्प्लाइस्ड वीडियो ऑब्जेक्ट्स इनस्पायरर्ड बाई मैनीपुलेटेड विज़ुअल सोसल मीडिया प्राइवेसी सेंसिटिव इस्यूज यूजिंग NV2CIR डेटासेट। आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन कम्प्यूटेशनल सोशल सिस्टम। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन्स। https://doi.org/10.1109/TCSS.2024.3523047	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
63	मोदक, एस., अख्तर, टी., मजूमदार, डी., सिंघा, ए.के., और मैती, डी. (2025)। " ए सिस्टेमिक रिव्यू ऑन लेप्टिन्स रोल इन डिफेन्डिंग कैंसर: स्पेशनल इम्फेसिस ऑन इम्यूनोमॉड्यूलेशन,इनफ्लेमेशन एंड थेरेपेटिक इन्टरवेंसन"। जीन एंड इम्युनिटी, 26(4), 266-286।	मानव शरीर विज्ञान
64	रहमान, एफ.वाई., चक्रवर्ती, एस., देब, आर., उद्दीन, एम.जे., भट्टाचार्जी, डी., अलीब्राहिम, के.ए., अलोदैब, ए.एन., और हुसैन, एसए (2024)। क्ले इन्ड्यूस्ड परफॉर्मेंस इन्हान्समेंट ऑफ ए प्लांट एक्स्ट्रेक्ट बेस्ड डब्ल्यूओआरएम एंड आराआरएम फॉर सस्टेनेबल डाटा स्टोरेज एंड न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग एप्लीकेशन्स। एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, 6(9), 6591-6607। https://doi.org/10.1021/acsaelm.4c01028	भौतिक विज्ञान
65	बालियान, एन., गोयल, ए., शर्मा, एस.के., गुप्ता, एम., पडवाड़, वाई., और कुमार, आर. (2025)। इन्टीग्रेशन ऑफ कंज़ुगेटेड लिनोलेइक एसिड प्रोड्यूसिंग प्रोबॉयोटिक स्ट्रेन्स हैविंग एंटी एडिपोजेनिक प्रॉपर्टीज विद हनी एंड ओयेस्टर मशरूम्स फॉर द फॉर्मुलेशन ऑफ नॉन डेयरी प्रोबायोटिक बेवरीज। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s12602-025-10525-2	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
66	रॉय, ए., दास, एम., लिम, डब्ल्यूएम, और कलाई, ए. (2025)। मॉस्टिज कन्जम्प्सन: लक्जरी ब्रांड प्रबंधन के लिए निहितार्थ के साथ एक प्रेरणा-इच्छा-परिणाम फ्रेमवर्क। जर्नल ऑफ़ ग्लोबल मार्केटिंग, 38(1), 27-58। https://doi.org/10.1080/08911762.2025.2449697	व्यवसाय प्रबंधन
67	देब, आर., बनिक, एच., डीई, यू.सी., भट्टाचार्जी, डी., अलीब्राहिम, केए, अलोदैब, ए.एन., और हुसैन, एसए (2025)। कोएक्जिस्टेंस ऑफ डब्ल्यूओआरएम एंड आराआरएम रेसिस्टिव स्विचिंग इन कोमारिन डेरिवेटिव: ए कम्प्रिहेन्सिव परफॉर्मेंस एनॉलिसिस। एसीएस ओमेगा, 10(11), 11091-11107। https://doi.org/10.1021/acsomega.4c09849	रसायन विज्ञान
68	बानिक, एच., सरकार, एस., देब, आर., भट्टाचार्जी, डी., और हुसैन, एसए (2025)। एडवांसेस इन प्रोटीन-बेस्ड रेसिस्टिव स्विचिंग मेमोरी: फंडामेंटल्स, चैलेन्जेज एंड एप्लीकेशन्स। एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, 7(6), 2208-2232। https://doi.org/10.1021/acsaelm.4c02008	भौतिक विज्ञान
69	वैश्य, बी., प्रधान, ए.के., पॉल, ए., भट्टाचार्य, ए., दहल, एच., रॉय, एम., सुधाकर, ए.ए., और पॉल, एमके (2025)। "न्यू एज़ो-फंक्शनलाइज्ड सिम्मेट्रिकल लिक्विड क्रिस्टल डिमर्स: सिन्थेसिस, संश्लेषण, फोटोफिजिकल स्टडीज, मेसोमोर्फिज्म एंड डीएफटी स्टडीज। कलर एंड पिगमेंट, 235, 112652। https://doi.org/10.1016/j.dyepig.2025.112652	रसायन विज्ञान
70	चौहान, आर., विश्वमित्रेरा, एस., धीमान, डी., शर्मा, एस.के., कुमार, आर., कुमार, डी., और सिंह, एस. (2024). ग्रोथ एसेन्सियल ऑयल यील्ड्स एंड बॉयलॉजिकल एक्टिविटीज ऑफ कर्क्यूमा ककैसिया इन रिस्पान्स टु सोइंग टाइम एंड प्लांटिंग जोयोमेट्री इन द नॉनट्रेडिसनल एपि. ऑफ वेस्टर्न हिमालयाज। साइंटिया हॉर्टिकल्चर, 338, 113740. https://doi.org/10.1016/j.scienta.2024.113740	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
71	संबियानी, के., लारे, वाई., नर्रा, एस., ज़ांगुइना, ए., और कुमार, आर. (2025). मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ़ सिनगैस पोटेंशियल फ्रॉम सुपरक्रिटिकल वाटर गैसीफिकेशन ऑफ़ कंबुसिबल म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट मटेरियल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनर्जी रिसर्च, 2025, 6039763। https://doi.org/10.1155/er/6039763	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
72	लिम, डब्ल्यू.एम., साहा, वी., और दास, एम. (2025). फ्रॉम सर्विस फेलियर टू ब्रांड लॉयल्टी: एविडेंस ऑफ़ सर्विस रिकवरी पैराडॉक्स। जर्नल ऑफ़ ब्रांड मैनेजमेंट, 32(4), 257-281। https://doi.org/10.1057/s41262-025-00380-5	व्यवसाय प्रबंधन
73	बसाक, एस., और दास, आर. (2024). कन्फर्मेशन ऑफ दि प्रजेन्स ऑफ एज डिस्लोकेशन इन द प्रिपेयर्ड FCC ZnTe नैनोक्रिस्टलफ्रॉम द स्टडी ऑफ स्ट्रक्चरल एनॉलिसिस थ्रू द एडब्ल्यूएच मेथड मेथड विद एडेड फूरियर एनालिसिस (डब्ल्यू-ए मेथड) ऑफ डिफ्रेक्शन पीक्स। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 179, 108477। https://doi.org/10.1016/j.mssp.2024.108477	भौतिक विज्ञान
74	डे, डी., ढाका, ए., प्रतिहारी, एचके, हुसैन, एसए, और रॉय, एडी (2024). सैंसिंग ऑफ़ गनशॉट रेसिड्यू कंपोनेंट्स फ्रॉम रियल सैंपल युसिंग फ्लुओरेसेन्स रेजोनेंस एनर्जी ट्रांसफर। स्पेक्ट्रोचिमिका एक्टा पार्ट ए: आणविक और बायोमोलेक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कोपी, 319, 124512. https://doi.org/10.1016/j.saa.2024.124512	भौतिक विज्ञान
75	कुमार, एस., कौशिक, एन., साहू, जे.के., और जाटव, एस. (2024). क्विनोलिने अनलोगुएस एंड नैनौ कॅरिएर सिस्टम्स:अ ड्यूल एप्रोच टू एंटी-टूबर्क्युलर थेरेपी । यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री रिपोर्ट्स, 12, 100212।	भेषज विज्ञान
76	बेसल, बी.डी., देब, एस., देबनाथ, टी., नाथ, आर.के., और भट्टाचार्य, ए. (2024). जलीय घोल से लेकर लैंगमुइर-ब्लॉगेट फिल्मों तक: पाइरीन-1-कार्बोक्साल्डिहाइड के एक्साइमर-युग्मित एकत्रीकरण-प्रेरित उत्सर्जन व्यवहार को ट्यून करना। लैंगमुइर, 41(1), 563-573. https://doi.org/10.1021/acs.langmuir.4c03829	रसायन विज्ञान

77	प्रियदर्शी, एच., दास, आर., बिस्वाल, एस., आचार्य, पी.सी., आनंद, वी., मौर्य, एस., पटेल, ए.बी., नाथ, के., और मिश्रा, वीके (2025)। चार्ज विशेषताओं की प्रोफाइलिंग और साइप्रिनिड मिल्ट में चार्ज डायनेमिक्स पर पी.एच का प्रभाव। जलीय कृषि, 596, 741734 https://doi.org/10.1016/j.aquaculture.2024.741734	भेषज विज्ञान
78	महापात्र, डी., आचार्य, पीसी, और साहू, एएन (2024)। नैनोवेसिक्युलर अल्ट्राफ्लेक्सिबल इनवैसोम्स और इनवासोमल जेल फॉर ट्रांसडर्मल डिलिवरी ऑफ फाइटोफार्मासुटिकल्स "। नैनोमेडिसिन, 19(9), 737-740. https://doi.org/10.2217/nnm-2024-0029	भेषज विज्ञान
79	हुसैन, एस., मजूमदार, एस., सरमा, डी., भट्टाचार्जी, डी., अलीब्राहिम, के., अलोडायब, ए., अग्रवाल, एच., और हुसैन, एसए (2025)। ग्रीनली सिन्थेडाईज्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल मॉड्यूलेटेड पॉलीडायएसिटिलीन बेस्ड कलरोमेट्रिक पेस्टीसाइड सेंसर। आरएससी अग्रिम। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन।	भौतिक विज्ञान
80	देबनाथ, बी., दास, एस., देबनाथ, एस., देबबर्मा, एम., और चट्टोपाध्याय, एस. (2024). इफेक्ट ऑफ एप्लाइड प्रेसर ऑन स्ट्रक्चरल, इलेक्ट्रॉनिक एंड ऑप्टीकल प्रॉपर्टीज ऑफ मैग्नीशियम इनकॉर्पोर्टेड में वुर्टजाइट बेरिलियम ऑक्साइडऐट डिफरेंट मैग्नीशियम कंपोजिट्स। कम्प्यूटेशनल कंडेन्स मटेरियल, 41, e00959. https://doi.org/10.1016/j.cocom.2024.e00959	भौतिक विज्ञान
81	सरकार, एस., और दास, जे. (2025), त्रिपुरा में जेनरेशन Z छात्रों के बीच कथित रोजगार और इसके निर्धारक: एक मात्रात्मक अध्ययन। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 13(1), 3110-3120।	शिक्षा
82	चेतिया, जे., पिनग्रोप, एच., खरपन, बी., मोदक, एस., अख्तर, टी., श्याम, ए., पॉल, पीसी, मैती, डी., और मंडल, पी. (2024). साइटोटॉक्सिसिटी, सीटी-डीएनए/बीएसए इंटरैक्शन और एनआई (II), Cu (II) और Zn(II) कॉम्प्लेक्स की एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि एक डिजाइन नेमेटोजेनिक एल-एल-एलनिल-ग्लाइसिन आधारित शिफ बेस लिगैंड से प्राप्ति। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1334, 141858।	मानव शरीर विज्ञान
83	बारिक, एस., गोस्वामी, एस., नंदा, पी.के., सरकार, ए., साहा, बी., सरकार, ए., और भट्टाचार्जी, एस. (2025)। टीजीएफ- बीटा प्लेस ड्यूल रोल्स इन इम्युनिटी एंड पैथोजेनेसिस इन लीशमनियासिस। साइटोकिन, 187, 156865। https://doi.org/10.1016/j.cyto.2025.156865	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
84	देब, आर., बनिक, एच., डीई, यू.सी., भट्टाचार्जी, डी., अलीब्राहिम, के., अलोदैब, ए., और हुसैन, एसए (2025)। कौमारिन डेरिवेटिव में वॉर्म और आर.आरएम प्रतिरोधक स्विचिंग का सह-अस्तित्व: एक व्यापक प्रदर्शन विश्लेषण। एसीएस ओमेगा, 10(11), 11091-11107। https://doi.org/10.1021/acsomega.4c09849	भौतिक विज्ञान
85	सिंह, ए., कल्लाडका, के., हर्षिता, एम., साहा, पी., चक्रवर्ती, जी., मैती, बी., सत्यप्रसाद, ए.यू., चक्रवर्ती, ए., और सील, एसके (2024)। चिटोसन गम बबूल आधारित बायोडिग्रेडेबल बहुलक नैनोकणों का हरित संश्लेषण करक्यूमिन की एंटीऑक्सीडेंट संपत्ति को बढ़ाने के लिए: विवो जेब्राफिश (डैनियो रेरियो) में एक अध्ययन। जर्नल ऑफ माइक्रोएनकैप्सुलेशन, 41(5), 390-401।	मानव शरीर विज्ञान
86	गोस्वामी, एस., घोष, एम., रॉय, एस., बसाक, एस., और भट्टाचार्जी, एस. (2025). सिप्रोफ्लोक्सासिन और जेंटामाइसिन के साथ संयुक्त क्वेरसेटिन स्टैफिलोकोकस ऑरियस में बायोफिल्म गठन और विषाणु की रोकथाम। माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस, 200, 107297। https://doi.org/10.1016/j.micpath.2025.107297	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
87	अली, ए., डिंधोरिया, के., इजाक, जे., जेना, आर., खरका, के., पाधी, एसके, और कुमार, आर. (2025). साइकोट्रॉफ़िक स्यूडोमोनास पुटिडा IRS13 और इसका एल्जिनेट-सदृश एक्सोपॉलीसैकेराइड एक शक्तिशाली बायोस्टिमुलेंट के रूप में शीत तनाव में गेहूं की वृद्धि और सहनशीलता को बढ़ावा देता है। राइजोस्फीयर, 2025, 101113। https://doi.org/10.1016/j.rhisph.2025.101113	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
88	फारूक, एसएम, बेगम, एस., युमखैबम, एएच, और भौमिक, एसके (2025)। सांस्कृतिक संवेदनशीलता और खेल: महाविद्यालय छात्रों का एक अध्ययन। छात्रों की शारीरिक शिक्षा, 29, 202-211।	शारीरिक शिक्षा
89	मिश्रा, बी., ब्रह्मा, यू., भंडारी, वी., भट्टाचार्जी, एस., आचार्य, पीसी, और डीई, यूसी (2025)। अल्काइलएमिनो प्रतिस्थापित ऐंथ्राक्विनोन व्युत्पन्नों का संश्लेषण, उनकी प्रति-प्रजनन प्रभावकारिता का मूल्यांकन और इन-सिलिको अध्ययन। जर्नल ऑफ़ द इंडियन केमिकल सोसाइटी, 102(6), 101740। https://doi.org/10.1016/j.jics.2025.101740	रसायन विज्ञान / आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान / फार्मेसी
90	अगुशाका, जेओ, एजुगवु, एई, साहा, ए.के., पाल, जे., अबुलिगाह, एल., और मिर्जलीली, एस. (2024)। ग्रेटर केन रैट एल्गोरिथ्म (जीसीआरए): ए नेचर इन्स्पार्यड मेटाहेरिस्टिक फॉर ऑप्टीमाईजेशन प्रॉबलम्स। हेलियॉन, 10(11), ई31629। https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2024.e31629	सूचना प्रौद्योगिकी
91	लियू, वाई., विलियम्स, ई., गुहा, ए., सटोरी, जी., नेटो, ओपी, सईद, आर., होल्ज़वर्थ, आर., वर्ट्स, के., लैंग, टी., झू, वाई., लापियरे, जे., और डिगांगी, ई. (2025)। कोविड महामारी के दौरान वैश्विक बिजली गिरने की गतिविधि में कमी। जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्च: एटमॉस्फियर, 130, e2024JD042319। https://doi.org/10.1029/2024JD042319	भौतिक विज्ञान

92	शाह, टी.आर., पुरोहित, एस., दास, एम., और अरुलशिवकुमार, टी. (2025)। क्या मैं वास्तविक लगता हूँ? डिजिटल मानव अवतार प्रभावक की यथार्थवादिता का उपभोक्ता संलग्नता और लगाव पर प्रभाव। जर्नल ऑफ़ कंज्यूमर मार्केटिंग, 42(4), 416-430। https://doi.org/10.1108/JCM-05-2024-6853	व्यवसाय प्रबंधन
93	रॉय, एसडी, मोहंता, ए., एडेमा, टी., नाथ, एन., और भौमिक, एमके (2025)। गर्भाशय ग्रीवा असामान्यता की गंभीरता की भविष्यवाणी के लिए मल्टीक्लास पीएपी-स्मीयर छवि और असममित लक्षण वर्णन का वर्गीकरण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेडिकल इमेजिंग, 2025, लेख 9860677। https://doi.org/10.1155/ijbi/9860677	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
94	नाथ, पी., सरकार, सी., जनजाति, पी., और मैती, डी. (2025)। N एनएथिल-एननाइट्रोसोयूरिया (ईएनयू) हड्डी मज्जा में साइटोकाइन एक्सप्रेसन परिवर्तन, मज्जा सूक्ष्मपरिवेश को संशोधित कर ल्यूकेमिया उत्पन्न करता है। मेडिकल ऑन्कोलॉजी, 42(3), 324।	मानव शरीर विज्ञान
95	दास, ए., गुछित, एन., और भट्टाचार्य, ए. (2025)। चिटोसन और जेडीआईएफ -4 धातु-कार्बनिक ढांचों के साथ उत्तेजित अवस्था प्रोटॉन हस्तांतरण रंग के संयोजन: समुच्चयों से केटो उत्सर्जन और ऋणानीय-प्रकार का प्रकाशीय व्यवहार। जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री सी, 129(19), 8996-9006। https://doi.org/10.1021/acs.jpcc.5c01471	रसायन विज्ञान
96	वैष्णव, ए., मेहता, एन.के., प्रियदर्शिनी, एमबी, सिंह, एस.के., आचार्य, पीसी, बिस्वाल, एस., नाथ, एच., हुसैन, एसए, पाल, पी., लाल, जे., सिंह, एनएस, और पति, बीके (2025)। मीठे पानी के घोंघे (बेलाम्या बेंगलेंसिस) प्रोटीन के भौतिक-रासायनिक, संरचनात्मक और एंटीऑक्सीडेंट गुणों पर कैरेजेनन-आधारित एनकैप्सुलेशन का प्रभाव हाइड्रोलाइजेट्स। कोलाइड्स और इंटरफेस, 9(3), 29। https://doi.org/10.3390/colloids9030029	भेषज विज्ञान
97	सिंह, एनएस, नाथ, एच., मेहता, एनके, पाटी, बीके, वैष्णव, ए., वाइखोम, जी., पारही, जे., प्रियदर्शिनी, एमबी, और देसाई, एएस (2025)। बायोडिग्रेडेबल ब्लेंड फिल्म के भौतिक, थर्मल और सूक्ष्म-संरचनात्मक गुणों पर मछली मायोफिब्रिलर प्रोटीन और सेब पेक्टिन-कोंजैक ग्लूकोमैनन का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 60(1), 1-11। https://doi.org/10.1093/ijfood/vvae016	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग
98	देब, एस., नाथ, आर.के., और भट्टाचार्य, ए. (2025). समाधान और एलबी फिल्मों में एक एंथ्राक्विनोन आधारित डाई के उत्साहित राज्य फोटोफिजिक्स की जांच करना। जर्नल ऑफ फ्लुओरोसेन्स, एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s10895-025-04188-z	रसायन विज्ञान
99	ठाकुर, ए., बोरकर, एस.एस., और कुमार, आर. (2025). विटामिन डी की कमी वाले स्वस्थ वयस्कों में सीरम 25-हाइड्रॉक्सीविटामिन डी के स्तर को बढ़ाने पर उच्च विटामिन डी 2-समृद्ध शीटकेक मशरूम सूप के प्रभाव: एक नैदानिक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 60(1)। https://doi.org/10.1093/ijfood/vvaf073	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
100	डेका, एच., घोष, ए., और वैश्य, डी. (2025). डीसी-साइन की मैनोट्रायोज सीपीएस इकाइयों की उन्नत पहचान में $Ca2^{+}$ आयन क्रॉस-इंटरेक्शन के माध्यम से गणनात्मक दृष्टिकोण। ग्लाइकोकोनजुगेट जर्नल, 42, 61-76। https://doi.org/10.1007/s10719-025-10179-w	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
101	लिम, डब्ल्यूएम, दास, एम., और साहा, वी. (2025). घर से दूर भोजन का सेवन करने से लेकर चलते-फिरते उपभोग तक: फोकस समूहों और एफएसक्यूसीए का उपयोग करके एक बहु-अध्ययन अन्वेषण। जर्नल ऑफ मार्केटिंग मैनेजमेंट, 41(1/2), 1-45। https://doi.org/10.1080/0267257X.2025.2460773	व्यवसाय प्रबंधन
102	भट्टाचार्जी, एस., सिंघा, ए., बिस्वाल, एस., दास, ए., आचार्य, पीसी, सील, एसके, और भालाधारे, एस. (2025). नैनोकैरियर्स के रूप में चिटोसन/पॉलीमेथैक्रेलिक एसिड (सीएस/पीएमएए) नैनोगजेल के कारकों और उत्तेजना-संवेदनशीलता को प्रभावित करना। पॉलिमर प्लास्टिक प्रौद्योगिकी और सामग्री, 64, 222-237। https://doi.org/10.1080/25740881.2024.2394831	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग
103	दास, एस., मजूमदार, ए., नामशूद्र, एस., और सिंह, ए. (2024). चीजों के इंटरनेट के लिए सीटीजीएएन और हल्के तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग कर इन्ट्रूजन का पता लगाना। विशेषज्ञ प्रणाली, 42 (ई13793)। https://doi.org/10.1111/exsy.13793	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
104	मिश्रा, बी., आचार्य, पीसी, और डीई, यूसी (2025). सूक्ष्म रासायनिक संशोधनों के माध्यम से एंथ्राक्विनोन-आधारित एंटीकैंसर ड्रग डिजाइन को फिर से परिभाषित करना। एंटी कैंसर एजेन्ट इन मेडिसिनल कैमिस्ट्री, 25(16), 1161-1174. https://doi.org/10.2174/0118715206374787250227064528	भेषज विज्ञान
105	भट्टाचार्जी, एस., सिंघा, ए., बिस्वाल, एस., दास, ए., आचार्य, पीसी, सील, एसके, और भालाधारे, एस. (2024). नैनोकैरियर्स के रूप में चिटोसन/पॉलीमेथैक्रेलिक एसिड (सीएस/पीएमएए) नैनोजेल के कारकों और उत्तेजना-संवेदनशीलता को प्रभावित करना। पॉलिमर-प्लास्टिक टैक्नॉलॉजी एंड मटेरियल, 64(3), 222-237। https://doi.org/10.1080/25740881.2024.2394831	भेषज विज्ञान
106	नाथ, डी., और दास, आर. (2024)। शार्टरेंज स्ट्रक्चरल रिस्पान्स ऑफ CdSe नैनोक्रिस्टल अंडर 120 एमईवी स्विफ्ट हैवी आयन्स इर्रीडिएसन : ए पेयर डिस्ट्रीब्यूसन फंक्शन एनालिसिस। मटेरियलिया, 37, 102214। https://doi.org/10.1016/j.mtla.2024.102214	भौतिक विज्ञान
107	फारूक, एसएम, नाओरेम, एस., युमखैबम, एएच, धार, ए., मित्रा, एम., और दास, पीके (2024)। बैडमिंटन खिलाड़ियों के गतिशील संतुलन, लचीलेपन और फुटवर्क कौशल पर कोर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के प्रभाव का निर्धारण। शारीरिक शिक्षा सिद्धांत और कार्यप्रणाली, 25, 286-292।	शारीरिक शिक्षा

108	फुकोन, एजे, और धार, के. (2025)। लंबी कूद दृष्टिकोण रन में कदम विशेषताओं को समझने के लिए एक भिन्नता सूचकांक विकसित करना। शारीरिक शिक्षा सिद्धांत और कार्यप्रणाली, 25, 139-146।	शारीरिक शिक्षा
109	दास, पी., नाथ, एस., गुप्ता, आर., रॉय, एसडी, और भौमिक, एमके (2024)। इन्फ्रारेड थर्मोग्राम छवि ने गठिया घुटने के जोड़ों के वर्गीकरण के लिए हयालूरोनिक एसिड के असंतत दिखावे का निर्देशन। जर्नल ऑफ थर्मल बायोलॉजी, 123, 103915। https://doi.org/10.1016/j.jtherbio.2024.103915	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
110	दास, बी., रे, टीके, और बोराल, ई. (2025)। विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया (एएचपी) का उपयोग करके शहरी जलभराव जोखिम क्षेत्रों की पहचान: अगरतला शहर का एक मामला। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 197, 322। https://doi.org/10.1007/s10661-025-13725-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
111	सरकार, ए., और भट्टाचार्जी, एस. (2025)। "ज़ेनोबायोटिक्स और भारी धातुओं के बायोफिल्म-मध्यस्थता बायोरेमेडिएशन: माइक्रोबियल पारिस्थितिकी, आणविक तंत्र और उभरते जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों की एक व्यापक समीक्षा"। 3 बायोटेक, 15, 78. https://doi.org/10.1007/s13205-025-04252-2	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
112	लेखक, एमएम, बसु, एस., चौगुले, आर., यामामोटो, एम., और मुकाई, वाई. (2025)। सफेद मुसली (क्लोरोफाइटम) के सेलुलर और आणविक साइटोजेनेटिक्स: अंतराल और अग्रिम मार्ग। न्यूक्लियस, 67, 531-545।	वनस्पति विज्ञान
113	भक्त, वी., भट्टाचार्य, ए., और गुचैत, एन. (2024)। अजीबोगरीब सुपरमॉलेक्यूलर आर्किटेक्चर का भंडारगृह: चार्ज-ट्रांसफर घटना और मेटा-ओरिएंटेड सिंगल डोनर-डबल स्वीकर्ता फ्लोरोफोर में पीएच को बदलने के प्रभाव की जांच करना। जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री ए, 128(42), 8914-8924। https://doi.org/10.1021/acs.jpca.4c04495	रसायन विज्ञान
114	दास, एम., और भट्टाचार्य, ए. (2025)। एड्रेसिंग द एग्रेगेशन फिनॉमिनॉ इन ए मॉडल एग्रेगेशन इन्ड्यूस्ड इनहांसमेंट ऑफ एमीशन कपल्ड एक्साइटेड स्टेट इन्ट्रामॉलिक्यूलर प्रोटोन ट्रांसफर एक्टिव प्रोब: कोरिलेटिंग एग्रेगेशन स्टेट्सट् देयर फोटोडायनामिक्स। केमप्लसकेम, 90 (ई202500330)। https://doi.org/10.1002/cplu.202500330	रसायन विज्ञान
115	मिश्रा, बी., आचार्य, पीसी, और डीई, यूसी (2025)। सूक्ष्म रासायनिक संशोधनों के माध्यम से एंथ्राक्विनोन-आधारित एंटीकैंसर दवा डिजाइन को फिर से परिभाषित करना। एंटी कैंसर एजेन्ट इन मेड.केम, 25(16), 1161-1174।	रसायन विज्ञान
116	नंदी, ए., घोष, ए., और सिल, एसके (2025)। एंजियोजेनेसिस और सर्वाइकल कैंसर के बीच परस्पर क्रिया: एक व्यापक समीक्षा। ऐन एक्सपर्ट रिव्यू ऑन एंटी कैसर थेरेपी, 25(6), 633-642। https://doi.org/10.1080/14737140.2025.2501073	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
117	बिस्वास, एन., नाहा, के., भट्टाचार्जी, एस.के., हुसैन, एस.ए., और भट्टाचार्जी, डी. (2025)। कैरेक्टराईजेशन ऑफ चार्ज कैरियर ट्रांसफोर्ट इन थिन ऑर्गेनिक फिल्म्स यूज्ड इन राइट उन्स रीड मेनी रेसिस्टिव मेमोरी डिवाईस। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 36, 867। https://doi.org/10.1007/s10854-025-14978-7	भौतिक विज्ञान
118	भट्टाचार्जी, एस.के., देबनाथ, सी., पॉल, पी.के., भट्टाचार्जी, डी., और हुसैन, एसए (2024)। मेमोरी अनुप्रयोगों के लिए ऑर्गेनो-क्ले हाइब्रिड पतली फिल्मों में राइट वन्स रीड मेनी (WORM) से पूरक प्रतिरोधक स्विचिंग (CRS) व्यवहार में एक संक्रमण प्राप्त करने पर नैनो-क्ले प्लेटलेट एकाग्रता का प्रभाव। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35, 1246। https://doi.org/10.1007/s10854-024-13040-2	भौतिक विज्ञान
119	दास, एस., देबबर्मा, एम., देबनाथ, बी., और चट्टोपाध्याय, एस. (2024)। कुछ भौतिक गुणों की पहली सिद्धांत जांच और सीसा रहित रिक्ति क्रमित डबल पेरोव्स्काइट In2PdCl6 (आईपीसी) का अनुप्रयोग। भौतिक बी: कंडेन्स्ड मैटर्स, 695, 416539। https://doi.org/10.1016/j.physb.2024.416539	भौतिक विज्ञान
120	देबनाथ, एस., नाथ, डी., और दास, आर. (2025)। एमएन-फेराइट नैनोक्रिस्टल के नीले-फोटोल्युमिनेसेंस पर Ni डोपिंग के कारण अव्यवस्था घनत्व में वृद्धि का प्रभाव। भौतिक बी: कंडेन्स्ड मैटर्स, 696, 416678। https://doi.org/10.1016/j.physb.2024.416678	भौतिक विज्ञान
121	भट्टाचार्जी, एस., सिंघा, ए., बिस्वाल, एस., दास, ए., आचार्य, पीसी, सील, एसके, और भालाधारे, एस. (2024)। नैनोकैरियर्स के रूप में चिटोसन/पॉलीमेथैक्रेलिक एसिड (सीएस/पीएमएए) नैनोजेल के कारकों और उत्तेजना-संवेदनशीलता को प्रभावित करना। पॉलिमर-प्लास्टिक टेक्नॉलॉजी एंड मटेरियल, 64(3), 222-237। https://doi.org/10.1080/25740881.2024.2394831	मानव शरीर विज्ञान
122	साहा, एस., चौधरी, आर., मिश्रा, टी., बनिक, एच., हुसैन, एसए, और डी, जे. (2025)। Hg 2 + आयनों के लिए डायहाइड्रोपाइरीमिडीन आधारित कीमोसेंसर का विकास। इनॉर्गेनिक केमिका एक्टा, 755, 122480। https://doi.org/10.1016/j.ica.2024.122480	भौतिक विज्ञान
123	सेनगुप्ता, ए., दास, डी., देबनाथ, ए., अख्तर, वाई., और कुमार, ए. (2025)। "लवणता के अनुकूलन: सेलिनिबैक्टर रूबर में डीएनए पोलीमरेज़ III बीटा सबयूनिट की संरचनात्मक गतिशीलता"। एक्स्ट्रीमोफाइल्स, 29, 1-12।	सूक्ष्मजैविकी
124	घोष, सी., दास, एमसी, अचार्जी, एस., भट्टाचार्जी, एस., संधू, पी., कुमारी, एम., भौमिक, जे., घोष, आर., बनर्जी, बी., डीई, यू.सी., अख्तर, वाई., और भट्टाचार्जी, एस. (2024)।" कॉम्बेटिंग स्टेफिलोकोकस ऑरियस बायोफिल्म फॉर्मेशन: द इनहिबीटरी पोटेंशियल ऑफ टोरमेंटिक एसिड एंड 23-हाइड्रॉक्सीकोरोसोलिक एसिड"। आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 206(1), 25। https://doi.org/10.1007/s00203-023-03762-y	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान

125	दास, ए., बनिक, एच., हुसैन, एसए, मैती, डी., अख्तर, टी., पॉल, बी., देबनाथ, पी., सिएरोन, एल., भट्टाचार्य, ए., भौमिका, केएल, मैनियूकिविक्ज़, डब्ल्यू., और देबनाथ, पी. (2024)। 2-मर्कैप्टोपाइरिडीन के साथ डी (II) और जेडएन (II) परिसर: संश्लेषण, क्रिस्टल संरचना, हिर्शफेल्ड सतह विश्लेषण, ल्यूमिनसेंट गुण, एकत्रीकरण व्यवहार, (I-V) विशेषता और जीवाणुरोधी परख। पॉलीहेड्रॉन, 247, 116747। https://doi.org/10.1016/j.poly.2023.116747	भौतिक विज्ञान
126	देब, डी., और डेब, एस. (2025)। त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत में बायोमास कार्बन स्टॉक और वृक्ष-आधारित कृषि पारिस्थितिकी तंत्र की पृथक्करण क्षमता। एग्रो फॉरेस्ट्री सिस्टम, 99, 70. https://doi.org/10.1007/s10457-025-01168-x	वानिकी और जैव विविधता
127	एजुगवु, एई, ताइवो, ओ., एग्वुचे, ओ.एस., अबुलिगाह, एल., वैन डेर मर्वे, ए., पाल, जे., ... और ओलुसान्या, एमओ (2025)। स्मार्ट होम्स ऑफ फ्यूचर । ट्रॉन्जेक्शन ऑफ इमर्जिंग टेलिकम्युनिकेशन टेक्नॉलाजीज, 36(1), e70041। https://doi.org/10.1002/ett.70041	सूचना प्रौद्योगिकी
128	शिवानी, ठाकुर, बीके, कुमार, ए., कुमार, ए., मीना, आरएल, कुमार, डी., कुमार, आर., और पाल, पीके (2025)। " वालेरियाना जटामांसी जोन्स" के लिए सुखाने की स्थिति का अनुकूलन: आवश्यक तेलों और बायोएक्टिव यौगिकों पर प्रभाव। कैमिस्ट्री एंड बॉयोडॉयवर्सिटी। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1002/cbdv.202500413	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
129	वैष्णव, ए., मेहता, एन.के., प्रियदर्शिनी, एमबी, सिंह, एसके, आचार्य, पीसी, बिस्वाल, एस., नाथ, एच., हुसैन, एसए, पाल, पी., लाल, जे., सिंह, एनएस, और पाटिल, बीके (2025)। कैरेजेनन-आधारित माइक्रोएनकैप्सुलेशन का प्रभाव: मीठे पानी के घोंघे (बेलामिया बेंगालेंसिस) प्रोटीन की स्थिरता और जैवसक्रियता में सुधार के लिए एक स्वच्छ और टिकाऊ दृष्टिकोण। कोलाइड एंड इंटरफेस, 9(3), 29. https://doi.org/10.3390/colloids9030029	भौतिक विज्ञान
130	भारद्वाज, के.के., राभा, बी., अहमद, आई., मैथ्यू, एस.पी., भट्टाचार्जी, सी.के., जगन्नाथन, बी.जी., पोद्दार, एस., पटेल, एच., सुब्रमण्यन, वी., चिन्नी, एस.वी., रामाचावोलन, जी., सलीम, आर., अली, ईएचके, अब्देल-दायम, एमएम, बैश्य, डी., और घोष, ए. (2024)। रम्नेटिन, एक न्यूट्रास्युटिकल फ्लेवोनोइड हिस्टोन डेसेटाइलेज 2 प्रोटीन को रोककर मानव डिम्बग्रंथि के कैंसर (एसकेओवी3) कोशिकाओं की कोशिका चक्र प्रगति को थामता है। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 42(24), 13421-13436। https://doi.org/10.1080/07391102.2023.2275187	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
131	सरकार, के., देबनाथ, एस., घोष, आर., चौधरी, डी., चक्रवर्ती, के., साहा, पी., सिंघा, ए., नंदी, ए., गोस्वामी, बी., घोष, ए., और सील, एसके (2024)। फार्माकोफोर मॉडलिंग, आणविक डॉकिंग और आणविक गतिशीलता अध्ययन द्वारा दोहरे गैर-हाइड्रॉक्सामेट एचडीएसी8 और एचडीएसी2 अवरोधकों के रूप में ड्रगबैंक अणुओं का पुन: उपयोग। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1080/07391102.2024.2428829	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान / फार्मेसी
132	दत्ता, आर., और सरवनकुमार, आर. (2025)। न्यू इनसाइट्स ऑन डिसिपेटिव कंट्रोल टेकनीक फॉर ताकागी-सुजेनो फजी सिस्टम विद वैरियेबल टाइम डिलेज एंड रैंडम पैक्ट ड्रॉपऑउट्स। द जर्नल यूरोपीयन फिजिकल जर्नल स्पेशल टॉपिक, 234, 1341-1359। https://doi.org/10.1140/epjs/s11734-024-01360-7	गणित
133	रंगलोंग, ए., रॉय, ए.डी., दास, एस., और डेब, एस. (2024)। रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन का उपयोग करके नम उष्णकटिबंधीय वन पारिस्थितिकी तंत्र में एक संरक्षित क्षेत्र के ऊपर बायोमास और जैव विविधता का अनुमान लगाना। जर्नल फॉर नेचर कंजर्वेशन, 84, 126823। https://doi.org/10.1016/j.jnc.2024.126823	वानिकी और जैव विविधता
134	भट्टाचार्जी, एस., नाहा, के., पॉल, पी.के., हुसैन, एस.ए., और भट्टाचार्जी, डी. (2025)। दो अलग-अलग सामग्रियों की 'राइट वन्स रीड मेनी' (वॉर्म) विशेषताओं से हटकर, जब उन्हें आपस में मिलाया जाता है तो प्रतिरोधी मेमोरी डिवाइस में 'कॉम्प्लिमेंट्री रेसिस्टिव स्विचिंग (सीआरएस)' विशेषताओं की ओर एक प्रतिमान परिवर्तन होता है। जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 54, 5809-5821। https://doi.org/10.1007/s11664-025-11961-0	भौतिक विज्ञान
135	बिस्वास, एन., भट्टाचार्जी, एस.के., हुसैन, एस.ए., पॉल, पी.के., और भट्टाचार्जी, डी. (2024)। वोल्टेज स्वीप दिशा निर्भर स्मृति विशेषताओं में एक कार्बनिक फिल्म। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 54, 809-819। https://doi.org/10.1007/s11664-024-11393-2	भौतिक विज्ञान
136	मिश्रा, एम.के., कलिता, जे., चौहान, पी., कुमार, आर., सरकार, एसएस, सिंह, आर., और गुहा, ए. (2025)। मंगल ग्रह पर उच्च ऊंचाई वाले प्लम क्लाउड का एमसीसी का पहला अवलोकन: अंतरिक्ष मौसम के साथ संबंध? जर्नल ऑफ़ द इंडियन सोसाइटी ऑफ़ रिमोट सेंसिंग, 53, 345-360। https://doi.org/10.1007/s12524-024-01993-0	भौतिक विज्ञान
137	पॉल, एस., सिंघा, टी., रॉय, आर., तायेंग, ओ., सांगडो, ई., देबबर्मा, पी., ढोलकिया, बी.बी., और दत्ता, बीके (2025)। परागणकों की प्रभावशीलता और न्यूस्टैन्थस फेजोलोइड्स (फैबेसी) पर उनके फॉरेजिंग व्यवहार। साइंस ऑफ नेचर, 112, 20.	वनस्पति विज्ञान
138	दास, यू., और नंदी, सी. (2024)। स्वच्छ बिजली उत्पादन के व्यवहार्यता विश्लेषण के साथ नई कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण आधारित कार्बन उत्सर्जन में कमी की तकनीक। जर्नल ऑफ़ रिन्यूएबल एंड सस्टेनेबल एनर्जी, 16(एक्स), 1-17। https://doi.org/10.1063/5.0241343	विद्युत अभियांत्रिकी

139	कुमार, आर., और रॉय, ए. (2025)। पानी के नीचे वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए यूलर के टोटिएंट फ़ंक्शन पर आधारित ट्रांसमिशन कंट्रोल प्रोटोकॉल। वायरलेस नेटवर्क, 31. https://doi.org/10.1007/s11276-025-04014-1	सूचना प्रौद्योगिकी
140	देबनाथ, ए., सेनगुप्ता, ए., रुद्रपाल, एस., कुमार, ए., और रानी, एम. (2025)। "हेलोफिलिक कैस9 में आणविक अनुकूलन का इन-सिलिको अध्ययन"। लेटर्सइन एप्लाइड माइक्रोबायोलॉज, 78, 1-8।	सूक्ष्मजैविकी
141	तबरेज़, एस., फातिमा, जेड., अकंद, एसके, रहमान, ए., हमीद, एस., सलीम, एम., अख्तर, वाई., यादव, एसके, अहमद, एमजेड, कुमार, वाई., भट्टाचार्जी, एस., और रूब, ए. (2024)। लीशमैनिया डोनोवानी संक्रमण के दौरान मैक्रोफेज लिपिडोम का नियंत्रण। पैरासाइट इम्यूनोलॉजी, 46(5), ई13066। https://doi.org/10.1111/pim.13066	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
142	बसाक, एस., नाथ, डी., सिंह, एफ., और दास, आर. (2025)। एसएचआई विकिरण-प्रेरित संरचनात्मक संशोधन के कारण हेक्सागोनल सीडीटीई नैनोक्रिस्टल के ऑप्टिकल बैंड गैप में कमी: हरे रंग के एलईडी अनुप्रयोग के लिए फोटोक्रोमैटिक विश्लेषण संकेत। सॉलिड स्टेट कम्युनिकेशंस, 403, 116000। https://doi.org/10.1016/j.ssc.2025.116000	भौतिक विज्ञान
143	दास, के., पॉल, बी., नटराजन, आर., चक्रवर्ती, एस.एस., और मजूमदार, एस. (2024)। सिलिका समर्थित बोरिक एसिड (H3BO3-SiO2): विलायक-मुक्त स्थिति के तहत एक-पॉट ट्रांसएस्टरीफिकेशन-बिगिनेली प्रतिक्रिया के लिए एक असाधारण उत्प्रेरक। रसायन विज्ञान, 9(45), ई202403932।	रसायन विज्ञान
144	दास, ए., भट्टाचार्य, ए., और गुचैत, एन. (2025)। 2, 6-डाईफॉर्मिल-4-मिथाइल फिनोल का एक स्पेक्ट्रोस्कोपिक पुनर्मूल्यांकन और समाधान तथा ठोस चरणों में फ्लोरोसेंट जांच के रूप में इसका उपयोग। केमिस्ट्री सलेक्ट, 10(3), ई202404871। https://doi.org/10.1002/slct.202404871	रसायन विज्ञान
145	युमखैबम, एएच, फारूक, एसएम, और भौमिक, एसके (2024)। पतंजलि योग और आयुर्वेद पर विशेष जोर देने के साथ रोगों की महामारी विज्ञान की जांच: एक व्यापक समीक्षा अध्ययन। जर्नल ऑफ़ योगा एंड फिजियोथेरेपी, 12, 01-06।	शारीरिक शिक्षा
146	कटोच, आर., फारूक, एसएम, धार, के., और दास, पीके (2025)। फुटबॉल खिलाड़ियों के रक्त लैक्टेट हटाने के पैटर्न पर दो अलग-अलग रिकवरी प्रक्रिया की प्रभावशीलता। पेडॉगॉजी ऑफ फिजिकल कल्चर एंड स्पोर्ट्स, 29, 62-67।	शारीरिक शिक्षा
147	फारूक, एसएम (2025)। "सेपक टकराव में शारीरिक और मनोवैज्ञानिक कारकों को पाटना: एक संरचनात्मक समीकरण मॉडल। रेटोस, 66, 1109-1119.	शारीरिक शिक्षा
148	दास, जे., और सरकार, एस. (2024)। जोखिम लेने के व्यवहार में पीढ़ीगत अंतर: जेनरेशन जेड पर ध्यान केंद्रित उत्कृष्टता की ओर, 16(4), 885-903।	शिक्षा
149	देबबर्मा, डी., और गोप, टीडी (2024)। "लैंगिक संवेदनशीलता और इसके निर्धारक: त्रिपुरा राज्य से साक्ष्य। उत्कृष्टता की ओर, 16(4), 344-354।	शिक्षा
150	बैद्य, एस., चक्रवर्ती, डी., साहा, ए., और नंदी, सी. (2025)। माइक्रोग्रिड के लिए एक नई डिजिटल सुरक्षा योजना। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग , 107, 333-361। https://doi.org/10.1007/s00202-024-02468-8	विद्युत अभियांत्रिकी
151	कायत, पी., भट्टाचार्जी, एस., दत्ता, एस., और बसाक, एस. (2024)। शिगेला बैक्टीरियोफेज जीनोम विश्लेषण से अंतर्दृष्टि। बॉयोइन्फर्मेटिक, 20(4), 2050। https://doi.org/10.6026/973206300200205	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
152	मैत्रा, एस., मुखर्जी, एन., मुखर्जी, डी., घोष, ए., और एलेक्सियो, एटी (2024)। प्रोटियोलिसिस चिमेरास को लक्षित करना: कोलोरेक्टल कैंसर के लिए एक नई अत्याधुनिक नैनोमेडिसिन। क्लिनिकल एंड ट्रांसलेशनल डिस्कवरी, 4(4)। https://doi.org/10.1002/ctd2.337	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
153	मुखर्जी, एन., मैत्रा, एस., और घोष, ए. (2024)। एक्सोसोम-आधारित चिकित्सा और लक्षित प्रोटीयोलिसिस लक्ष्य चिमेरा डिलीवरी: एचपीवी-मध्यस्थता गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के उपचार के लिए एक नया नैनोमेडिसिन फ्रंटियर। क्लिनिकल एंड ट्रांसलेशनल डिस्कवरी, 4(4)। https://doi.org/10.1002/ctd2.328	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
154	डी, डी., बानिक, टी., और गुहा, ए. (2024)। भारत में वन आग लगने में पॉजिटिव ऑउटलायर क्लाउड-टू-ग्राउंड बिजली की भूमिका। जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, 133, 215। https://doi.org/10.1007/s12040-024-02426-9	भौतिक विज्ञान
155	पटारी, ए., और गुहा, ए. (2024)। दुनिया भर में विभिन्न महासागरीय घाटियों से उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के लिए आयनोस्फेरिक प्रतिक्रियाएं। जर्नल ऑफ एटमॉस्फेरिक एंड सोलर-टेरेस्ट्रियल फिजिक्स, 261, 106270। https://doi.org/10.1016/j.jastp.2024.106270	भौतिक विज्ञान
156	तेरांग, जी., बोरो, के., और नंदी, एस. (2024)। मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करके हृदय रोग की भविष्यवाणी को बढ़ाने के लिए एक सर्वेक्षण। इंटरनेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट, VI(III), 89-98।	सूचना प्रौद्योगिकी
157	रॉय चौधुरी, एस., पलवान, ई., दास, एन., दास, ए., विश्वास, पीआर, दत्ता, ए.के., और भदुरी, पी. (2025)। बैक्टीरियल बायोफर्टिलाइजर आधारित टिकाऊ खेती: हरित, कम कार्बन अर्थव्यवस्था की ओर एक कदम। जर्नल ऑफ प्लांट न्यूट्रिशन. एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन।	सूक्ष्मजैविकी

158	आचार्य, पी.सी., देबबर्मा, एस., मल्लिक, पी., ब्रह्मा, यू., भंडारी, वी., और देबबर्मा, ए. (2025)। इन विट्रो परख और एक नेटवर्क फार्माकोलॉजी अध्ययन के माध्यम से ऑरोन डेरिवेटिव की एंटीप्रोलिफेरेटिव क्षमता की खोज। सिनलेट, 36. https://doi.org/10.1055/a-2654-5235	भेषज विज्ञान
159	चौधरी, एम.वी., चौधरी, यू., साहू, जे.के., श्रीवास्तव, एस.के., शर्मा, एस., और साहू, ए. (2024)। "बेम्पेडोइक एसिडकी रसायन विज्ञान, औषधीय विशेषताएं और जैवविश्लेषणात्मक तकनीकें: एक अद्यतन समीक्षा"। करेन्ट एनॉलिटिकल कैमिस्ट्री। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.2174/0115734110335673241119051406	भेषज विज्ञान प्राणीविज्ञान
160	दास, बी.के., घोष, एस., गोम्स, ए., और डी, यूसी (2024)। प्रेम्ना एस्कुलेंटा के जलीय पत्ती के अर्क का उपयोग करके सिल्वर नैनोकणों का संश्लेषण और स्विस एल्बिनो नर चूहों में इसकी यकृत-सुरक्षात्मक गतिविधि का इन विवो मूल्यांकन। इनऑर्गेनिक एंड नैनोमेटल केमिस्ट्री, 54(12), 1229-1239। https://doi.org/10.1080/24701556.2023.2181821	रसायन विज्ञान
161	पाल, पी., मजूमदार, डी., और रूपा, पी.के.पी. (2025)। प्रत्यक्ष स्याही लेखन द्वारा मिथाइल सेल्यूलोज-TiO_2 स्याही के रियोलॉजिकल व्यवहार और माइक्रोस्ट्रक्चर पर TiO_2 के ठोस लोडिंग का प्रभाव। ट्रांजैक्शन ऑफ इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मेटल्स, 78, 1-9। https://doi.org/10.1007/s12666-024-03517-3	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
162	कुमार, पी., कुमार, ए., मुरलीधर, डी., मल्लिक, पी., और आचार्य, पीसी (2024)। संश्लेषण, रेडियोलेबलिंग और कार्बन-11 लेबल मेथैसेटिन के प्रीक्लिनिकल जैव वितरण। जर्नल ऑफ रेडियोएनालिटिकल एंड न्यूक्लियर केमिस्ट्री, 334(1), 433-438। https://doi.org/10.1007/s10967-024-09758-2	भेषज विज्ञान
163	अकोइजम, एस., और थिंगुजम, एनएस (2025)। भारत में विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच शरीर करुणा मूल्यांकन के कारक संरचना की जांच करना। डिस्कवर साइकोलॉजी, 5, अनुच्छेद 28।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
164	महापात्र, डी., श्रेया, एस., बिस्वाल, एस., नाइक, जीजी, मलंग, एसडी, कथैत, पी., पटेल, पीके, एस., सेनापति, पी.सी., आचार्य, पी.सी., और साहू, एएन (2025)। मेलेनोमा थेरेपी के लिए पाइपर लोंगम एल के लिपोसोमल फाइटोफॉर्मूलेशन का विकास और लक्षण वर्णन। फार्मास्युटिकल साइंसेज, 31, 237-250. https://doi.org/10.34172/ps.025.42140	भेषज विज्ञान
165	दास, एस., और होक, ए. (2024)। भारतीय फार्मास्युटिकल में लाभप्रदता के निर्धारकों का एक अवलोकन अध्ययन। अर्थ विज्ञान, 66(3), 295-307.	अर्थशास्त्र
166	सिंह, एस.के., रॉय, ए., और कुमार, आर. (2025)। पानी के नीचे वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए अवशिष्ट ऊर्जा-जागरूक फजी-आधारित क्लस्टरिंग एल्गोरिथ्म। जर्नल ऑफ यूनिवर्सल कंप्यूटर साइंस, 31.	सूचना प्रौद्योगिकी
167	पॉल, एस., गोगोई, बी., दत्ता, बी.के., और ढोलकिया, बीबी (2024)। संसाधन वितरण और सेन्ना ऑक्सिडेंटलिस (एल) के द्विरूपी पुंकेसर की उत्पादक प्रभावकारिता लिंक: श्रम परिकल्पना के विभाजन पर एक केस स्टडी। ब्राज़ीलियन जर्नल ऑफ़ बॉटनी, 47, 1115-1128।	वनस्पति विज्ञान
168	एज़ुगवु, ई., हो, वाई.एस., एग्वुचे, ओ.एस., एकुंडयो, ओ.एस., वैन डेर मर्वे, ए., साहा, ए.के., और पाल, जे. (2024)। क्लासिकल मशीन लर्निंग: एल्गोरिथम सीखने के विकास के सत्तर साल। डेटा इंटेलिजेंस। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.48550/arXiv.2408.01747	सूचना प्रौद्योगिकी
169	उद्दीन, जे.एम., पटारी , पी., बसु, एस., सिल, एस.के., और नाग, एसके (2024)। मुचुना इम्ब्रिकाटा (एमआई) डीसी की एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि और भौतिक-रासायनिक लक्षण वर्णन. एक्स बेकर टिंचर। इंटरैक्शन, 245, 316।	वनस्पति विज्ञान
170	दास, डीएच, रॉय, एसडी, डे, एस., साहा, पी., और भौमिक, एमके (2024)। इन्फ्रारेड इमेजिंग का उपयोग करके खरोंच विभाजन के लिए एक नवीन आत्म-ध्यान निर्देशित गंभीर तंत्रिका नेटवर्क। जर्नल ऑफ इनोवेशन इन सिस्टम्स एंड सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s11334-024-00573-2	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
171	दास, पी., करमाकर, ए., हलीमी, एमए, भौमिक, पी., और हुडा, एस. (2025)। आरएफ ऊर्जा संचयन के लिए एक फ्रैक्टल-आधारित सिंगल बैंड डीआर-रेक्टेना। जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स एंड एप्लीकेशन, 39(11), 918-930।	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
172	कुमार, एस., और त्रिपाठी, बीसी (2024)। द्वि-जटिल संख्याओं के दोहरे अनुक्रम। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया सेक्शन ए: फिजिकल साइंसेज, 94(3), 463-469। https://doi.org/10.1007/s40010-024-00895-7	गणित
173	चक्रवर्ती, एस., और मजूमदार, ए. (2024)। ब्लॉक टोल: बुद्धिमान परिवहन प्रणाली के लिए एक पदानुक्रमित ब्लॉकचेन आधारित सुरक्षित टोल संग्रह प्रणाली। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स रिसर्च, 22, 503-517। https://doi.org/10.1007/s13177-024-00414-3	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
174	प्रमाणिक, ए.के., पाल, जे., और सेन, बी. (2025)। नियमित क्लॉकिंग के तहत क्यूसीए सर्किट की दोष सहिष्णुता क्षमता का विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1080/00207217.2025.2450738	सूचना प्रौद्योगिकी

175	सिन्हा, एन., दास, एस., देबनाथ, एस., सिंघा, एस., पाल, जे., पाल, एस., डे, एस.के., और भौमिक, बीबी (2024)। इलेक्ट्रो-अवशोषण माइक्रोरिंग मॉड्यूलेटर का उपयोग करके वैदिक गणित पर आधारित 2-बिट गुणक की प्राप्ति। ऑप्टिकल इंजीनियरिंग, 63(10), 105104। https://doi.org/10.1117/1.OE.63.10.105104	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी / सूचना प्रौद्योगिकी
176	सरकार, ए., रूपा, पीकेपी, और दास, एस. (2025)। मिथाइल सेलूलोज-आधारित एल्यूमीविधि स्याही का उपयोग करके डीआईडब्ल्यू-3डी-प्रिंटिंग प्रक्रिया द्वारा उत्पादित प्रोटोटाइप की सतह बनावट का आकलन। जर्नल ऑफ एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम्स। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1142/S0219686726500010	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
177	दास, एम., किसी, ओ., त्रिपाठी, बीसी, और दास, बी. (2024)। विश्वसनीयता स्थान में लैकुनरी I-अभिसरण अनुक्रमों की विशेषता। एनॉलिसिस, 44(4), 281-294। https://doi.org/10.1515/anly-2023-0084	गणित
178	मुचाहरी, एस., और खंगेम्बम, बीके (2024)। इपोमिया एक्वाटिका-पूरक फ़ीड का मूल्यांकन जुवेनाइल क्लाइम्बिंग पर्च के विकास और पाचन एंजाइम गतिविधियों पर फ़ीड, एनाबास टेस्टुडिनियस (ब्लोच, 1792)। इजेप्सियन जर्नल ऑफ एक्वेटिक बॉयलॉजी एंड फिशरीज, 28 (6), 1755-1773। https://doi.org/10.21608/ejabf.2024.397879	प्राणीविज्ञान
179	शर्मा, आर., देव, के., शर्मा, एस.के., कुमार, आर., और अग्निहोत्री, वीके (2025)। एकीकृत नेटवर्क फार्माकोलॉजी और उत्तर-पश्चिमी हिमालय से क्रिप्टोमेरिया जैपोनिका आवश्यक तेल के इन विट्रो रोगाणुरोधी मूल्यांकन। जर्नल ऑफ बायोलॉजिकली एक्टिव प्रोडक्ट्स फ्रॉम नेचर, 15(2), 138-155। https://doi.org/10.1080/22311866.2025.2494037	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
180	रॉय, एन., और गायन, एम ए (प्रेस में)। चयनित दक्षिण एशियाई राष्ट्रीय पुस्तकालयों के वेब ओपीएसी की मेटाडेटा गुणवत्ता: कैटलॉगिंग त्रुटियों का आकलन। कैटलॉगिंग एंड क्लासीफिकेशन क्वार्टरली। https://doi.org/10.1080/01639374.2025.2451158	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
181	सरकार, एस., भौमिक, एस.के., और युमखैबम, एएच (2024)। भारतीय राज्यों के बीच शारीरिक गतिविधि पैटर्न पर एक व्यवस्थित समीक्षा। यूरोपीय जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स, 11, 30-46।	शारीरिक शिक्षा
182	भौमिक, एसके (2025)। त्रिपुरा में स्वदेशी खेलों, खेल और शारीरिक गतिविधियों के समग्र पहलुओं पर एक अनुभवजन्य अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू, 12, 324-328।	शारीरिक शिक्षा
183	युमखैबम, एएच, फारूक, एसएम, नाओरेम, एस., और भौमिक, एसके (2024)। चिंता विकार पर माइंडफुलनेस-आधारित तनाव में कमी की प्रभावशीलता: एक व्यवस्थित समीक्षा। अमेरिकन जर्नल ऑफ ह्यूमन साइकोलॉजी, 2, 50-54।	शारीरिक शिक्षा
184	साइलो, एल., फारूक, एसएम, अधिकारी, टी., और दास, एस. (2024)। त्रिपुरा में फुटबॉल: शारीरिक क्षमताओं पर एक तुलनात्मक साक्ष्य-आधारित अध्ययन। यूरोपियन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट साइंस, 11, 151-161।	शारीरिक शिक्षा
185	फारूक, एसएम, मित्रा, एम., धार, के., और दास, पीके (2024)। जनजातीय और गैर-जनजातीय फुटबॉल खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी स्थिति के दौरान चिंता के परिणामों पर एक अनुभवजन्य अध्ययन। यूरोपियन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट साइंस, 11, 67-84।	शारीरिक शिक्षा
186	शर्मा, डी., सिंघा, आर., साहा, ए.के., और दास, पी. (2025)। "जीवाणुरोधी गतिविधि और कैमेलिया साइनेंसिस से अलग फंगल एंडोफाइट्स द्वारा इंडोल एसिटिक एसिड उत्पादन"। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया सेक्शन बी: प्रोसीडिंग ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन।	वनस्पति विज्ञान
187	चक्रवर्ती, के., चक्रवर्ती, टी., साहा, ए.के., और दास, पी. (2025)। त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत के एपिफाइटिक ऑर्किड की मॉर्फो-एनाटॉमी और माइकोराइज़ा। प्लांट साइंस टुडे। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन।	वनस्पति विज्ञान
188	अधिकारी, एस., सूत्रधार, ए.के., शर्मा, एस., चक्रवर्ती, के., और सिन्हा, आरके (2025)। "स्टेम्ना ट्यूबरोसा लौर के क्रोमोसोमल आर्किटेक्चर का अनवरत: इसके कैरियोटाइप और इंट्रा-जेनेरिक जांच की पहली रिपोर्ट। प्लांट साइंस टुडे। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन।	वनस्पति विज्ञान
189	सरकार, ए., देबनाथ, एस., सेन, डी., चौधरी, बी.डी., घोष, आर., और देबनाथ, बी. (2025)। फाइटोकेमिकल मूल्यांकन, सिलिको बाध्यकारी आत्मीयता में, और बम्बुसा पॉलीमोर्फा की पत्तियों से वाष्पशील तेल की इन विट्रो जीवाणुरोधी गतिविधि। केमिस्ट्री ऑफ नेचुरल कंपाउन्ड्स, 61(2), 218-224। https://doi.org/10.1007/s10600-025-04622-5	वानिकी और जैव विविधता
190	कुमार, एस., और त्रिपाठी, बीसी (2024)। द्वि-जटिल संख्याओं के आलमोस्ट अभिसरण दोहरे अनुक्रम। फिलोमैट, 38(11), 3957-3970। https://doi.org/10.2298/FIL2411957K	गणित
191	होक, एम.एम., भट्टाचार्य, बी., और त्रिपाठी, बीसी (2024)। मल्टीसेट टोपोलॉजिकल स्पेस में प्री-ओपन एम-सेट्स और एम-सेट निरंतरता का विघटन। जर्नल ऑफ एनालिसिस, 32(1), 433-445।	गणित
192	छत्री, एस., भट्टाचार्य, डी., और त्रिपाठी, बीसी (2024)। रैंडम और अनिश्चित प्रतिफलों की एक साथ उपस्थिति में पोर्टफोलियो अनुकूलन समस्या के लिए सामान्यीकृत माध्य-प्रतिचय मॉडल। फिलोमैट, 38(32), 11517-11537। https://doi.org/10.2298/FIL2432517C	गणित

193	त्रिपाठी, बी.सी., किसी, ओ., और दास, बी. (2024)। विश्वसनीयता स्थान में μ-स्थगित द्विगुणीय आदर्श सांख्यिकीय अभिसरण अनुक्रमों पर कुछ परिणाम। फिलोमैट, 38(14), 4911-4932। https://doi.org/10.2298/FIL2414911T	गणित
194	चौधरी, सी., और देबनाथ, एस. (2025)। मानकीकृत रैखिक रिक्त स्थान में किसी न किसी आस्थगित सांख्यिकीय क्लस्टर बिंदुओं के कुछ पहलू। फिलोमैट, 38(11), 3639-3645। https://doi.org/10.2298/FIL2511639C	गणित
195	हलदर, ए., देबनाथ, एस., और ईएसआई, ए. (2024). जटिल अनिश्चित अनुक्रमों के I-सांख्यिकीय अभिसरण पर। फिलोमैट, 38(28), 9795-9811. https://doi.org/10.2298/FIL2428795H	गणित
196	सरकार, ए., देबनाथ, एस., सेन, डी., चौधरी, बी.डी., घोष, आर., और देबनाथ, बी. (2025)। सिलिको बाइंडिंग एफिनिटी में फाइटोकेमिकल मूल्यांकन, और बम्बुसा पॉलीमोर्फा की पत्तियों से वाष्पशील तेल की इन विट्रो जीवाणुरोधी गतिविधि। केमिस्ट्री ऑफ नेचुरल कंपाउन्ड्स, 61(2), 243-250। https://doi.org/10.1007/s10600-025-04622-5	भेषज विज्ञान
197	नारायणन, एस.पी., पालीवाल, आर., कुरियन, वीटी., नाथ, एस., डे, ए., एट अल (2025)। त्रिपुरा राज्य, उत्तर-पूर्वी भारत से दो नई कांचुरिया जुल्का, (क्लिटेलाटा: मेगास्कोलेसिडे) 1988 प्रजातियों के केंचुओं का वर्णन। ज़ूटाक्सा, 5647(2), 101-116।	प्राणीविज्ञान
198	देबबर्मा, आर., भट्टाचार्जी, ए., और घोष, टी. (2025)। त्रिपुरा में पुनर्वासित आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति, भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य: सामाजिक-जनसांख्यिकीय कारकों की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइग्रेशन, हेल्थ एंड सोशल केयर, 21(2), 275-287।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
199	होरे, एस., दीवानजी, ए., और चटर्जी, ए. (2025)। हाइब्रिड वीएनएस एल्गोरिथम के माध्यम से सामान्यीकृत रैखिक मॉडल के तहत दो उपचारों में ज्ञात सहसंयोजकों के साथ इष्टतम आवंटन। कम्युनिकेशन्स इन स्टेटिस्टिक्स- 54(1), 218-233। https://doi.org/10.1080/03610918.2023.2250585	सांख्यिकी
200	तोछवांग, आर. (2025)। [पूर्वोत्तर भारतीय साहित्य में पहचान पुस्तक की समीक्षा: मेघालय से चुनिंदा लेखन को फिर से पढ़ना, डी. लालकुलपुइया द्वारा]। एशियन एथनिसिटी। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन।	ग्रामीण प्रबंधन और विकास
201	चौधरी, पी.एस., और डे, ए. (2025)। केंचुओं में कंपुलेटरी व्यवहार, कंपुलेशन प्रक्रिया और कोकून जीव विज्ञान - एक समीक्षा। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, 46(2), 153-166।	प्राणीविज्ञान
202	पॉल, एस., रॉय, आर., सिंघा, टी., देबबर्मा, पी., और दत्ता, बीके (2024)। ल्यूकस एस्पेरा (वाइल्ड) के सामान्यवादी पुष्प आगंतुकों के फोर्जिंग व्यवहार और परागण दक्षता लिंक (लैमियासी)। जर्नल ऑफ एशिया-पैसिफिक बायोडायवर्सिटी, 17(4), 644-652।	वनस्पति विज्ञान
203	दास, एस., देबबर्मा, एम., और चट्टोपाध्याय, एस. (2024)। संकीर्ण बैंड-गैप रिक्ति क्रम डबल पेरोव्स्काइट In2PdBr6 (IPB) अर्धचालक के कुछ भौतिक गुणों की पहली सिद्धांत जांच । इंटरैक्शन, 245, 175। https://doi.org/10.1007/s10751-024-02023-8	भौतिक विज्ञान
204	सरकार, एस., चौधरी, डी., और दास, एस. (2025)। आहार कैल्शियम एमेलियूरेटीज मोटापे से ग्रस्त चूहों में एडिपोनेक्टिन -एएमपीके-मीडियेटेड पैथवे को विनियमित करके हृदय की शिथिलता की जॉच। कम्परेटिव क्लीनिकल पैथोलॉजी। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s00580-025-03692-9	मानव शरीर विज्ञान
205	दयामी, एच., सरोजनलिनी, सी., और खंगेम्बम, बीके (2025)। मणिपुर, पूर्वोत्तर भारत में लोकटक झील से मृगल (सिराइनस सिरोसस) की पोषक विशेषताओं पर विभिन्न कलिनरी प्रसंस्करण की तुलना। नोटुला साइंटिया बायोलॉजिका, 17(1), 12212। https://doi.org/10.15835/nsb17112212	प्राणीविज्ञान
206	बालासुब्रमण्यम, एन., थमिल प्रिया, वी., श्रीवास्तव, एस.के., शनमुगैया, वी., और करुणाकरण, सी. (2025)। डोडोनिया विस्कोसा जैक्व: मानव स्वास्थ्य के लिए बहु-संभावित चिकित्सीय एजेंट - एक समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स एंड रिसोर्सेज, 37(1), 10-17।	वनस्पति विज्ञान
207	करमाकर, टी., दास विश्वास, एस., भट्टाचार्जी, एस., नंदी, सी., और दास, बी. (2025)। बिजली की गुणवत्ता में सुधार के लिए अनुकूलन तकनीकों का उपयोग करके बहुस्तरीय इनवर्टर में हार्मोनिक उन्मूलन पर एक व्यापक सर्वेक्षण। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में हाल की प्रगति, 18 (एक्स), 381-399। http://dx.doi.org/10.2174/0123520965283680240102080153	विद्युत अभियांत्रिकी
208	बेरा, एस., और त्रिपाठी, बीसी (2024)। द्वि-जटिल संख्याओं के सांख्यिकीय रूप से अभिसरण अंतर अनुक्रम। जर्नल ऑफ एप्लाइड एनालिसिस, 30(2), 363-369। http://dx.doi.org/10.15826/umj.2023.1.004	गणित
209	देबनाथ, एस., और दास, बी. (2025)। जटिल अनिश्चित अनुक्रमों के पी सांख्यिकीय अभिसरण। मैथमेटिक्स इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड एयरोस्पेस, 16(1), 237-244।	गणित

210	बाल, पी., और भौमिक, एस. (2025)। एम-वियोज्य और आर-वियोज्य रिक्त स्थान का सामान्यीकरण। जर्नल ऑफ़ द इंडियन मैथमैटिकल सोसाइटी, 92(1), 120-132।	गणित
211	नाग, पी., कार्की, पी., और होरे, एस. (2025)। कई उपचार समूहों में ज्ञात श्रेणीबद्ध सहसंयोजकों के लिए संतुलित आवंटन डिजाइन प्राप्त करने के लिए एक कुशल खोज एल्गोरिथ्म। जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s41096-024-00228-2	सांख्यिकी
212	बालासुब्रमण्यन, वी. टी. पी., श्रीवास्तव, एस.के., शनमुगैया, वी., और करुणाकरण, सी. (2025)। डोडोनिया विस्कोसा जैक: मानव स्वास्थ्य के लिए बहुसंभावित चिकित्सीय एजेंट-ए समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स एंड रिसोर्सेज, 16(2), 227-235। https://doi.org/10.56042/ijnpr.v16i2.12397	प्राणीविज्ञान
213	दास, यू., नंदी, सी., डी, डी., दास, एस., और नंदी, एसएस (2024)। कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्र के जीवन चक्र मूल्यांकन में उपयोग की जाने वाली विधियों पर एक तुलनात्मक अध्ययन। थर्मल इंजीनियरिंग, 71, 617-630. https://doi.org/10.1134/S0040601524700083	विद्युत अभियांत्रिकी
214	दास, यू., डार, टी.एच., और नंदी, सी. (2025)। सौर ऊर्जा द्वारा समर्थित तापीय ऊर्जा के आधार पर कार्बन डाइऑक्साइड को इथेनॉल में संसाधित करना। थर्मल इंजीनियरिंग, 72, 144-156. https://doi.org/10.1134/S0040601524700770	विद्युत अभियांत्रिकी
215	सिंह, एस.एस., सरमा, एस., कश्यप, ए., और चक्रवर्ती, ए. (2024)। "हाइपरथायरायड चूहों की तिल्ली में ऑक्सीडेटिव तनाव के मेलाटोनिन-मध्यस्थता सुधार के साथ जुड़े मेलाटोनिन रिसेप्टर एक्सप्रेशन का परिवर्तन। फिजियोलॉजी और फार्माकोलॉजी, 28, 324-337।	प्राणीविज्ञान
216	धर, बी. (2024)। विश्व शिल्प परिषद और उपनिवेशवाद: भारत और ऑस्ट्रेलिया, 1960-1980 के दशक। जर्नल ऑफ इंपीरियल एंड कॉमनवेल्थ हिस्ट्री, 52(6), 1063-1087।	इतिहास
217	शील, बी., दास, एस., दास, आर., और त्रिपाठी, बीसी (2024)। एसवीपीएन-सेट वातावरण के तहत हार्मोनिक का मतलब ऑपरेटर आधारित एमएडीएम-रणनीति है। न्यूट्रोसोफिक सेट एंड सिस्टम्स, 70(1), 252-263। https://digitalrepository.unm.edu/nss_journal/vol70/iss1/14	गणित
218	दास, एम., किसी, ओ., त्रिपाठी, बीसी, और दास, बी. (2024)। विश्वसनीयता स्थान में ऑर्लिक्ज कार्यों द्वारा परिभाषित फजी चर के सांख्यिकीय रूप से पूर्व-कॉची अनुक्रमों पर कुछ परिणाम। जर्नल ऑफ अनसर्टेन सिस्टम्स, 17(1), 2350015। https://doi.org/10.1142/S1752890923500150	गणित
219	ग्रेनाडोस, सी., दास, एस., और त्रिपाठी, बीसी (2024)। I3-अभिसरण पर, I 3-अभिसरण और I 3-कॉची अनुक्रमों में फजी नॉर्म्ड स्पेसेज। ट्रांजेक्शन ऑफ ए. रज़मादेज मैथमेटिक्स इन्स्टीट्यूट, 178(1), 69-76।	गणित
220	देबबर्मा, एच., और देबनाथ, एस. (2025)। कुछ सांख्यिकीय रूप से अभिसरण अनुक्रम स्थान क्रमिक मानदंड रैखिक स्थान पर।डॉयनॉमिक्स ऑफ कंटीनुअस, डिस्क्रीट, एंड इम्पल्सिव सिस्टम्स, सिरीज ए: मैथमेटिकल एनॉलिसिस, 32(1), 55-65।	गणित
221	ईटी, एम., चौधरी, सी., और देबनाथ, एस. (2025)। ρ- सांख्यिकीय सीमा। टीडब्ल्यूएमएस जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड इंजीनियरिंग मैथमेटिक्स, 15(1), 89-97।	गणित
222	तमुली, बी., और त्रिपाठी, बीसी (2024)। सामान्यीकृत अंतर: त्रुटि, अनुक्रमों का कमजोर अभिसरण।शहन्द कम्युनिकेशन्स इन मैथमेटिकल एनॉलिसिस, 21(2), 195-206। https://doi.org/10.22130/scma.2023.2006321.1371	गणित
223	देबनाथ, एस., और देबनाथ, एस. (2025)। न्यूट्रोसोफिक नॉर्म्ड स्पेशेस में सांख्यिकीय सीमा के कुछ सामान्यीकरण पर। एडवांसेस इन मैथमेटिकल साइंस एंड एप्लीकेशन्स, 34(1), 1-12।	गणित
224	देबनाथ, एस., और हलदर, ए. (2024)। माप में जटिल अनिश्चित अनुक्रमों के I-सांख्यिकीय अभिसरण पर। यूराल मैथमेटिकल जर्नल, 10(2), 69-80।	गणित
225	देबनाथ, ए., दास, ए.आर., चक्रवर्ती, के., साहा, ए.के., और दास, पी. (2024)। आर्बस्कुलर माइकोराइजा कसिया फिस्टुला एल. के बीज पौधों के विकास और जैव रासायनिक पैरामीटरों पर प्रभाव, जो स्वाभाविक रूप से स्थापित वृक्षों के विपरीत है।। जर्नल ऑफ एप्लाइड हॉर्टिकल्चर, 26(1), 63-67।	वनस्पति विज्ञान
226	देबरॉय, ए., धार, आर., और त्रिपाठी, बीसी (2024)। न्यूट्रोसोफिक वास्तविक संख्याओं के अनुक्रम अंतरिक्ष lpN। सोंगक्लानाकारिन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 46(3), 302-308।	गणित
227	देबबर्मा, आर., त्रिपुरा, के., दास, एस., और देब, एस. (2025)। त्रिपुरा, उत्तर-पूर्वी भारत में युवा आयु के झूम कृषि भूमि में फसल विविधता, मिट्टी की गुणवत्ता और पारंपरिक प्रबंधन प्रथाएँ। वेजेटॉस, 38, 12. https://doi.org/10.1007/s42535-025-01213-1	वानिकी और जैव विविधता
228	देब, डी., त्रिपुरा, के., देब, एस., और दत्ता, बीडी (2025)। त्रिपुरा में विभिन्न प्राकृतिक वनों के चंदवा घनत्व प्रवणता के साथ मृदा कार्बनिक कार्बन भंडारण का उतार-चढ़ाव। वेजिटोस, 38, 10. https://doi.org/10.1007/s42535-025-01262-6	वानिकी और जैव विविधता

229	देबनाथ, एस., और देबनाथ, एस. (2025)। फजी मानकीकृत रैखिक स्थानों में स्थगित सांख्यिकीय अभिसरण पर। जर्नल ऑफ़ फ़ज़ी एक्सटेंशन एंड एप्लीकेशन, 6(1), 1-13। https://doi.org/10.22105/jfea.2024.450104.1428	गणित
230	देबबर्मा, बी., दास, एआर., चक्रवर्ती, के., साहा, ए.के., और दास, पी. (2025)। त्रिपुरा के पौधे आधारित पारंपरिक रूप से प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से जीवाणु आबादी। वर्तमान जीव विज्ञान में रुझान, 3(2), 30-35।	वनस्पति विज्ञान
231	दास, ए.आर., चक्रवर्ती, के., भट्टाचार्जी, एस., साहा, ए.के., और दास, पी. (2025)। त्रिपुरा के जंगली मशरूम के बायोएक्टिव गुण और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि। जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल रिसर्च एंड रिव्यू, 2(3), 149-154।	वनस्पति विज्ञान
232	सुक्लाबैद्य, एस., हुसैन, एस., सरकार, एस., मजूमदार, एस., भट्टाचार्जी, डी., और हुसैन, एसए (2024)। वर्णमिति और प्रतिरोध आधारित सेंसर के लिए उपयुक्त पॉलीडायएसिटिलीन मिश्रित फिल्मों की विशेषता। इंटरैक्शन, 245, अनुच्छेद 02207। https://doi.org/10.1007/s10751-024-02207-2	रसायन विज्ञान
233	मोहंता, ए., रॉय, एसडी, नाथ, एन., दत्ता, ए., और भौमिक, एमके (2025)। "डायग्नोस्टिक माइक्रोस्कोपिक इमेजिंग तौर-तरीकों, चुनौतियों, वर्गीकरण, और गर्भाशय ग्रीवा की असामान्यता का पता लगाने और ग्रेडिंग के लिए भविष्य की दिशाओं पर एक व्यापक सर्वेक्षण। आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1109/TAI.2025.3551669	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
234	दास, पी., रॉय, एसडी, संगमा, के., डीई, ए., और भौमिक, एमके (2024)। SFRSeg-Net: रुमेटीइड गठिया से श्लेष द्रव क्षेत्र विभाजन ने शुरुआती पहचान के लिए USG का उपयोग करके छोटे जोड़ों को प्रभावित किया। पैटर्न मान्यता पर 27 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (पीपी 127-146)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-3-031-78201-5_9	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
235	मोहंता, ए., रॉय, एसडी, नाथ, एन., और भौमिक, एमके (2024)। एफएसएल और डीए के संयोजन के साथ स्तन असामान्यता वर्गीकरण के लिए नॉवेल मेटा अटेंशन गाइडेड ढांचा। इमेज प्रोसेसिंग (आईसीआईपी) पर 31वें आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में। आईईई। https://doi.org/10.1109/ICIP51287.2024.10647539	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
236	दास, एस., रॉय, एसडी, साहा, पी., और भौमिक, एमके (2025)। FvFc-Net: नेट वीडियो फ्रेम वर्गीकरण नेटवर्क। ए. के. नाग एट अल. (सं.), एप्लाइड कम्प्यूटिंग फॉर सॉफ्टवेयर एंड स्मार्ट सिस्टम्स (पृ. 145-160)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-9762-2_9	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
237	मोहंता, ए., रॉय, एसडी, नाथ, एन., और भौमिक, एमके (2025)। स्तन असामान्यता वर्गीकरण के लिए हैंडीक्रॉफ्ट बनावट और रंग सुविधाओं का उपयोग करके बहु-श्रेणी ऊतक विज्ञान छवि विश्लेषण। ए. के. नाग एट अल (सं.) में, एप्लाइड कम्प्यूटिंग फॉर सॉफ्टवेयर एंड स्मार्ट सिस्टम्स (पीपी. 129-143)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-9762-2_8	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
238	सरकार, एस., रॉय, एसडी, और भौमिक, एमके (2024)। मशीन लर्निंग का उपयोग करके छवि फोरेंसिक अनुप्रयोगों के लिए सामाजिक हानिकारक घटनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली डीपफेक सामग्री का पता लगाना। चौथे आईईईई डिजिटल प्लेटफॉर्म और सामाजिक नुकसान (डीपीएसएच) की कार्यवाही में (पीपी 1-8)। आईईई। https://doi.org/10.1109/DPSH60098.2024.10775081	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
239	देब, डी., चक्रवर्ती, एस., और मजूमदार, ए. (2025)। IDAIP: हाइपरलेजर फैब्रिक का उपयोग करके बौद्धिक संपदा अधिकार के लिए पहचान प्रमाणीकरण। एच. शर्मा एट अल (सं.), डेटा साइंस एंड एप्लीकेशन (पीपी. 281-293) में। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-2299-3_19	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
240	चक्रवर्ती, एस., और मजूमदार, ए. (2025)। बीईईपी: परिसर के लिए ब्लॉकचेन-आधारित प्रवेश, निकास और पार्किंग प्रबंधन प्रणाली। एच. शर्मा एट अल (सं.), डेटा साइंस एंड एप्लीकेशन (पीपी. 119-128) में। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-2299-3_9	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
241	भौमिक, ए., देबनाथ, एस., चौंगसांगपुई, आर., और मजूमदार, पी. (2024)। क्राउडसोर्सिंग वातावरण के लिए एक रिंग सिगनेचर-बेस्ड वर्क टास्क मैचिंग स्कीम। जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी, 12, 865-875।	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
242	रोसांगलियाना, एम., देबनाथ, एस., चावांगसांगपुई, आर., और लिंगदोह, जे. (2025)। क्लाउड स्टोरेज में वित्तीय अभिलेखों के सुरक्षित भंडारण के लिए एक कुशल तरीका। डेटा, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (पीपी 375-386)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-8476-9_27	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
243	भौमिक, ए., देबनाथ, एस., मजूमदार, पी., और चौंगसांगपुई, आर. (2025)। हस्ताक्षर-उन्मुख एन्क्रिप्शन तकनीक के साथ एफिसिएन्ट टास्क मैचिंग स्कीमा। यूटिलिटस मैथेमेटिका, 122, 2378-2394।	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
244	भौमिक, ए., देबनाथ, एस., पॉल, ए., मजूमदार, एस., देब, डी., और काउलेसुर, एसके (2024)। क्राउडसोर्सिंग प्लेटफॉर्म में ब्लॉकचेन का उपयोग करके ऑनलाइन ब्लड बैंक प्रणाली। उन्नत संचार और मशीन इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (पीपी. 513-521)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-6222-4_42	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी

245	भौमिक, ए., गोस्वामी, पी., गोगोई, एम., देबनाथ, एस., और खान, ए.के. (2024)। भीड़ मंच में कार्य मिलान के लिए एक प्रभावी हस्ताक्षर-उन्मुख मॉडल। उन्नत कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स और इंटरनेट प्रौद्योगिकियों पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (पीपी 1-13)।	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
246	मैती, पी., मन्ना, के., चक्रवर्ती, ए.के., खान, आर., और ग्वाला, जी. (2025)। रेसोरसिनारेन डेरिवेटिव्स के संश्लेषण, विशेषता और इन विट्रो गतिविधि अध्ययन। इंडियन ड्रग्स, 62, 21-25।	भेषज विज्ञान
247	जमातिया, के., मजूमदार, आर., इकबाल, ए.एम.ए., और मन्ना, के. (2024)। क्रोमोलेना ओडोराटा (एल.) आरएम किंग और एच. रॉब। (एस्टेरसिया): फाइटोकेमिस्ट्री, फार्माकोलॉजी और इसकी औषधीय क्षमता की एक व्यापक वैज्ञानिक समीक्षा। मेडिसिनल रिसर्च- नेचुरल प्रोडक्ट्स, 5, 100098। https://doi.org/10.1016/j.prenap.2024.100098	भेषज विज्ञान
248	मन्ना, के., देबनाथ, बी., बोरगोहेन, आर., सिंह, डब्ल्यू.एस., साहा, एस., इकबाल, ए.एम.ए., और साहू, एल. (2024)। त्रिपुरा, भारत के खाद्य पौधों के घटकों का उपयोग करके नए हर्बल एंटीडायबिटिक न्यूट्रास्युटिकल पाउडर डोजेज का निर्माण और मूल्यांकन। डिस्कवर फुड, 4. https://doi.org/10.1007/s44187-024-00158-9	भेषज विज्ञान
249	इकबाल, ए.एम.ए., सिंह, डब्ल्यू.एस., मन्ना, के., देबनाथ, बी., पॉल, के., मजूमदार, आर., और राजखोवा, ए. (2024)। क्रोटन जौफ्रा के पत्तों के तीन अलग-अलग विलायक अर्क के फाइटोकेमिकल अनुमान, एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीडायबिटिक गतिविधि का मूल्यांकन: असम का एक औषधीय पौधा। जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज, 9, 264-272। https://doi.org/10.4103/jdras.jdras_85_24	भेषज विज्ञान
250	मजूमदार, आर., चौधरी, डी., सरकार, ए., घोष, ए., देबनाथ, एस., देबनाथ, बी., और घोष, आर. (2024)। एचएमजी-सीओए रिडक्टेस इनहिबिटर के रूप में मशरूम से संभावित टेट्रासाइक्लिक ट्राइटरपेनोइड्स की पहचान के लिए सिलिको दृष्टिकोण में। एसपेक्ट्स ऑफ मॉलिकुलर मेडिसिन, 4, 100053। https://doi.org/10.1016/j.amolm.2024.100053	भेषज विज्ञान
251	सरकार, के., देबबर्मा, एम., देबनाथ, एस., घोष, आर., और सील, एसके (2024)। एंटीट्यूमर एजेंट के विकास के लिए फार्माकोफोर मॉडलिंग, आणविक डॉकिंग और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन अध्ययन द्वारा दोहरे एचडीएसी 8 और एमएमपी 9 अवरोधकों की सिलिको पहचान। इंटरैक्शन, 245, 1-24। https://doi.org/10.1007/s10751-024-02083-w	भेषज विज्ञान
252	अकोइजम, एस., और थिंगुजम, एनएस (2025)। मणिपुर में कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच मुकाबला करने की प्रवृत्ति। इंडियन जर्नल ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी, 16(1), 26-30।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
253	रॉय, ए., भौमिक, एम., और भट्टाचार्जी, ए. (2025)। जनजातीय लोगों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य। मन और समाज, 14(1), 47-55।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
254	घोष, टी., भट्टाचार्जी, ए., दास, आई., और देबबर्मा, आर. (2024)। क्या व्यक्तित्व और आत्मघाती विचार एबीओ रक्त समूहों के अनुसार भिन्न होते हैं? एक पूछताछ। इंस्पा जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड स्कूल साइकोलॉजी, 6(1), 367-375।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
255	देबनाथ, एन., देब, जी., कुमार, ए., चौधरी, एम., और राज, पी. (2024)। कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य सूचना पोर्टल स्वीकृति में विश्वास की भूमिका: एक सममित-असममित पथ विश्लेषण। द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 4-बी (विशेष अंक), 712-719।	व्यवसाय प्रबंधन
256	देबनाथ, एन., दास, जे., कुमार, ए., और राज, पी. (2024)। एक एकीकृत टीएएम-टीपीबी दृष्टिकोण के माध्यम से शोरूमिंग और वेबरूमिंग खरीद व्यवहार की ओर खरीदारों के झुकाव की जांच करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन। द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 8 (विशेष अंक), 1-38।	व्यवसाय प्रबंधन
257	देबनाथ, एन., देब, जी., कुमार, ए., चौधरी, एम., और राज, पी. (2024)। इको-टूरिज्म में स्थानीय सामुदायिक जुड़ाव को समझना: त्रिपुरा में व्यक्तिपरक मानदंडों, व्यवहार नियंत्रण और व्यवहार संबंधी इरादों की भूमिका। द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 8 (विशेष अंक), 392-428।	व्यवसाय प्रबंधन
258	अंसारी, ए., और उपाध्याय, डी. (2025)। समाचारों की सुर्खियों में जलवायु परिवर्तन: विश्व पर्यावरण दिवस पर समाचार पत्रों के कवरेज का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च ट्रेंड्स एंड इनोवेशन, 10(4), डी110-डी119।	पत्रकारिता और जनसंचार
259	कलाई, एस. (2024)। गेन्स और सारंगी: परंपराएं, डिजिटल मीडिया और उभरते सांस्कृतिक परिवर्तन। ह्यूमनिटी एंड सोसल साइंस स्टडीज, 12(2), 39-48।	पत्रकारिता और जनसंचार
260	पांडा, एस., दास, पी., और महापात्रा, आरके (2024)। मुक्त शैक्षिक संसाधन (ओईआर): ओडिशा के तकनीकी विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों द्वारा मुद्दे और समस्याएं। पर्ल- ए जर्नल ऑफ एलआईएस, 18(3), 177-183। https://doi.org/10.5958/0975-6922.2024.00021.1	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
261	चक्रवर्ती, जे., और महापात्रा, आरके (2024)। त्रिपुरा में नर्सिंग कॉलेजों के संकायों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल सूचना संसाधनों के बारे में जागरूकता और उपयोग: एक अध्ययन। ज्ञानकोष: द जेएलआईएम, 15(1-2), 19-32।	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान

262	सरमा, एजे (2024)। असामाजिक सामाजिकता और अच्छाई के प्रति हमारी प्रवृत्ति: कांटियन परिप्रेक्ष्य। फिलॉसॉफिकल पेपर्स, 20, 73-83।	दर्शनशास्त्र
263	सरमा, एजे (2024)। वेदांत और भारतीय जीवन का पुनरुत्थान: विवेकानंद का दृष्टिकोण। आधुनिक समय में वैदिक ज्ञान के अभिनव अनुप्रयोगों में (पृ. 105-113)।	दर्शनशास्त्र
264	सरमा, एजे (2024)। हेगेल में अलगाव की समस्या और उस पर नियंत्रण। इन द क्वेस्ट ऑफ कॉन्सियसनेस: इंडियन एंड क्रॉस कल्चरल पर्सपेक्टिव(खंड 1, पृष्ठ 151-166)।	दर्शनशास्त्र
265	पौडयाल, एस. (2024)। व्यक्तिपरकता का पारगमन: पीआर सरकार के नवमानववाद में ज्ञानमीमांसीय सामाजिक स्व की एक समकालीन खोज। इन द क्वेस्ट ऑफ कॉन्सियसनेस: इंडियन एंड क्रॉस कल्चरल पर्सपेक्टिव (खंड 1, पृष्ठ 167-183)।	दर्शनशास्त्र
266	पौडयाल, एस. (2025)। समकालीन विश्वदृष्टि और स्थिरता की चुनौतियाँ: स्वदेशी ज्ञान प्रणाली में एक विकल्प की खोज। इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम एंड कन्टीनुअस डेवलपमेंट (पीपी 297-301)।	दर्शनशास्त्र
267	श्रीवास्तव, पी., और बिस्वास, एसके (2025)। Ni-उत्प्रेरित C-H सक्रियण का हालिया विकास। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल, फार्मास्युटिकल एंड सस्टेनेबल साइंस, 1(2), 21-38।	रसायन विज्ञान
268	अली, एस. (2025)। विकास में अधिकार-आधारित दृष्टिकोण को एकीकृत करना: चुनौतियां, अवसर और 'विशिष्ट भारत' का मामला। इंडियन जर्नल ऑफ थ्योरी एंड एप्लाइड ग्राफिक्स (आईजेटीएजी), 12. आईएसएसएन 2395-4337।	शिक्षा विद्यापीठ
269	गुस्ताफसन, पी.यू., लौक्का, पी., एल्फेनबीन, एचए, और थिंगुजम, एनएस (2025)। भाषा की समझ के साथ और बिना श्रोताओं द्वारा प्रत्यक्षदर्शी सटीकता के मुखर संकेतों का पता लगाना। कम्युनिकेशन साइकोलॉजी, 3, अनुच्छेद 65।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
270	पांडे, एके (2024)। संत काव्य आलोचना और पीतांबरदत्त बडथ्वाल। अपनी माटी, 53.	हिंदी
271	कुमार, आर. (2024)। केदारनाथ सिंह के काव्य में मनवेतर प्राणी और उसकी संवेदना। अपनी माटी, 57, 270-275.	हिंदी
272	कुमार, आर. (2024)। रामदरश मिश्रा : 'अलोचना की परिधि में। भाषा, 316, 68-75.	हिंदी
273	कुमार, आर. (2025)। प्रो. महेंद्र मधुकर से रजनीश कुमार की बातचीत। दोआब, 53, 123-135.	हिंदी
274	प्रधान, के. (2024)। ओडिशा में भक्ति आंदोलन का उद्भव और विकास। द्विभाषी राष्ट्र सेवक, 7, 76-82.	हिंदी
275	प्रधान, के. (2025)। उड़िया लोकगीतों में रामविवाह की परंपरा। हिंदी अनुशीलन, 25, 215-224.	हिंदी
276	मिश्रा, वी.के., और प्रधान, के. (2025)। भोजपुरी और उड़िया के संस्कारपरक लोकगीतों का तुलनात्मक अध्ययन। हिंदी अनुशीलन, 1, 31-40.	हिंदी
277	देबबर्मा, एस. (2025)। त्रिपुरा में जनजातीय विकास: अतीत और वर्तमान। यूरोपीयन इकोनॉमिक लेटर्स, 15(1), 1669-1674।	इतिहास
278	मिश्रा, एम. (2024)। रियासत त्रिपुरा में त्रिपुरी मध्यम वर्ग: इसके उद्भव और विश्वदृष्टि पर एक नोट। ऐतिह्या-द हेरिटेज, 15(2), 64-75।	इतिहास
279	मिश्रा, एम. (2024)। सबाल्टर्न एंड द स्टेट: डेवलपमेंट इन औपनिवेशिक और पोस्ट-इंडिपेंडेंस इंडिया इन ए हिस्टोरिकल पर्स्पेक्टिव। इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 6(6), 1-7।	इतिहास
280	रियांग, एल. (2024)। रियांग के धार्मिक विश्वास में परंपरा और समकालीन परिवर्तन। जर्नल ऑफ हिस्टोरिकल स्टडीज एंड रिसर्च, 4(2), 132-143।	इतिहास
281	रियांग, एल. (2024)। त्रिपुरा रियासत में 1942-1943 के रियांग विद्रोह पर ऐतिहासिक विश्लेषण। ईस्ट इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 8(1), 105-115।	इतिहास
282	रियांग, एल. (2024)। त्रिपुरा में जनजातीय विकास योजना (2016-2019) पर एक विश्लेषणात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमनिटी एंड सोसल साइंस, 12(9), 113-117।	इतिहास
283	रियांग, एल. (2024)। होजागिरी नृत्य: रियांग (ब्रू) सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। अक्षरा मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल, 14(1), 42-47।	इतिहास
284	रियांग, एल. (2024)। त्रिपुरा के पिलक और उनाकोटी के पुरातात्विक स्थलों पर एक ऐतिहासिक अध्ययन। जर्नल ऑफ हिस्ट्री, आर्कियोलॉजी एंड कल्चरल हेरिटेज, 1(2), 125-131।	इतिहास
285	रियांग, एल. (2024)। रियांग (ब्रू) समुदाय की सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान: त्रिपुरा का एक विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह (पीवीटीजी)। साउथ एशियन हिस्ट्री, कल्चर एवं आर्कियोलॉजी, 4(2), 215-219।	इतिहास
286	रियांग, एल. (2024)। चौराहे पर महिलाएं: त्रिपुरा में विद्रोह और आंतरिक विस्थापन। जर्नल ऑफ पीपुल्स हिस्ट्री एंड कल्चर, 10(2), 58-69।	इतिहास
287	रियांग, एल. (2024)। त्रिपुरा में आदिवासियों का धर्म और सांस्कृतिक गतिशीलता: मुद्दे और चुनौतियां। जनजातीय अध्ययन: ए जर्नल ऑफ कोट्स, 12(2), 5-12।	इतिहास

288	रियांग, एल. (2024)। आदिवासी संघर्षों के संदर्भ में त्रिपुरा में स्वायत्तता और आत्मनिर्णय। आज का इतिहास: जर्नल ऑफ हिस्ट्री एंड हिस्टोरिकल आर्कियोलॉजी, 25, 131-139।	इतिहास
289	रियांग, एल. (2025)। त्रिपुरा में विलय से पहले और बाद में प्रशासनिक प्रणाली। क्वार्टरली रिव्यू ऑफ हिस्टोरिकल स्टडीज, 64(3-4), 108-119।	इतिहास
290	धर, बी. (2022-23)। कमलादेवी चट्टोपाध्याय और उनका समय। विद्यासागर यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ हिस्ट्री, 11, 11-12।	इतिहास
291	बड़ासेठ , आर. (2024)। शहरों की ऐतिहासिक समझ और सिद्धांत पर फिर से गौर: मध्ययुगीन काल के दौरान एक शहरी केंद्र के रूप में पुरी के विकास का एक अध्ययन। शहरी भारत, 44(2), 6-17।	इतिहास
292	राय, आर. (2024)। जवाहरलाल नेहरू और हिंदू कोड बिल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हिस्ट्री, 6(2), 23-25।	इतिहास
293	भट्टाचार्य, ए., और बासुमतारी, बी. (2024)। पहचान संबंधी मुद्दों को पुनर्परिभाषित करना: असम में बोडो लोगों के बीच विवाद; स्वायत्तता आंदोलन और राजनीति। इनक्लूसिव, 2, 43-53.	राजनीति विज्ञान
294	घोषाल, टी., और भट्टाचार्य, ए. (2025)। परिक्षेत्रों का विघटन और राजनीति के बदलते स्वरूप: दुआर्स और असम के चाय बागानों पर एक अध्ययन। जर्नल ऑफ कोलकाता सोसाइटी फॉर एशियन स्टडीज, 11.	राजनीति विज्ञान
295	सरमा, आर., और डार्लोंग, वी. (2024)। नागरिकता की स्थिति और मतदाता मतदान के बीच की कड़ी की खोज: असम में मतदाता मतदान पैटर्न का विश्लेषण। इनक्लूसिव, 2, 1088-1099।	राजनीति विज्ञान
296	चटर्जी, आर., मुखर्जी, डी., भट्टाचार्जी, ए., और चौधरी, एआर (2025)। टीजीबी-आरएसईटीआई द्वारा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण और विकास पहल: राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति डेटाबेस से एक विश्लेषण। वेदिका-एन इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल, 11, 64-75। https://doi.org/10.48001/veethika.1101005	सीएसएसईआईपी
297	चटर्जी, आर., मुखर्जी, डी., भट्टाचार्जी, ए., और चौधरी, एआर (2024)। ग्रामीण उद्यमिता प्रबंधन और सामाजिक समावेशन: आरएसईटीआई के लिए एक संवादात्मक दृष्टिकोण। ईटी-केस, केस सेंटर। https://www.etcases.com/rural-entrepreneurship-management-and-social-inclusion.html	सीएसएसईआईपी
298	चटर्जी, आर., दास, जे., भट्टाचार्जी, ए., चौधरी, एआर, और दत्ता, बी. (2024)। पूर्वोत्तर भारत में छठी अनुसूची के तहत स्वायत्त जिला परिषद के समावेशी दृष्टिकोण को अपनाना। एकेडमिक एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस, 30(5), 15550। https://doi.org/10.53555/kuey.v30i5.9872	सीएसएसईआईपी
299	देब, आर. (2024)। भारतीय लेखा परीक्षकों की लेखा परीक्षा को सीमित करना। जिंदल जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 13(2), 198-212।	वाणिज्य
300	देब, आर. (2025)। धोखाधड़ी की रोकथाम और लेखा परीक्षकों का इस्तीफा: भारतीय साक्ष्य। मेटामोर्फोसिस: ए जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च, 24(1), 21-30।	वाणिज्य
301	साहू, आर., और देब, आर. (2024)। लेखापरीक्षा समिति का वैज्ञानिक मानचित्रण: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण। मेटामोर्फोसिस: ए जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च, 23(2), 103-116।	वाणिज्य
302	देबबर्मा, ए. (2025)। 'संवैधानिक समाधान' की खोज में: भारत के पूर्वोत्तर त्रिपुरा में अलग राज्य आंदोलन की मांग को पुनर्जीवित करना। उन्नत अनुसंधान के लिए सामाजिक विज्ञान जर्नल, 5(2), 124-133। https://doi.org/10.5281/zenodo.15201970	समाजशास्त्र
303	मौर्य, ए. (2024)। स्वतंत्रतापूर्व हिंदी लेखिकाओं की कहानियों में नारी संवेदना। शोध-ऋतु, 5, 66-68.	हिंदी
304	नागपाल, जी., नागपाल, ए., दास, एम., साहा, वी., और इनानी, एसके (2025)। डिनेरो में न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद का शुभारंभ। एमराल्ड इमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज, 15(2), 16-28। https://doi.org/10.1108/EEMCS-07-2024-0313	व्यवसाय प्रबंधन
305	नागपाल, जी., नागपाल, ए., दास, एम., सिंह, एस., और इनानी, एसके (2025)। मिरा की रसोई में बाजार की टोकरी विश्लेषण और उत्पाद बंडलिंग। एमराल्ड इमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज, 15(2), 1-16। https://doi.org/10.1108/EEMCS-08-2024-0343	व्यवसाय प्रबंधन
306	सरमा, डी., पॉल, एस., रियांग, एम., बैष्णब, बी., बासुमतारी, पी., और दत्ता, बीके (2025)। फसलों में बीज के अंकुरण और प्रारंभिक विकास मंदता पर लैंटाना कैमारा एल का प्रभाव। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल, फार्मास्युटिकल एंड सस्टेनेबिलिटी साइंस, 2(1), 39-49।	वनस्पति विज्ञान
307	धार, सी.के., और मजूमदार, ए. (2024)। आई सिक्यूर हेल्थ: IoMT उपकरणों का उपयोग करके स्वास्थ्य डेटा का आदान-प्रदान करने की एक कुशल और सुरक्षित तकनीक। स्मार्ट हेल्थ, 33, 100504। https://doi.org/10.1016/j.smhl.2024.100504	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
308	करमाकर, टी., दास विश्वास, एस., भट्टाचार्जी, एस., नंदी, सी., और दास, बी. (2024)। बिजली प्रणाली में बिजली की गुणवत्ता में सुधार के लिए बहुस्तरीय इनवर्टर में हार्मोनिक शमन। एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, XXXX, 1-10। https://doi.org/10.1063/5.0234391	विद्युत अभियांत्रिकी

309	दास बिस्वास, एस., दास, बी., और नंदी, सी. (2024)। बहुस्तरीय इनवर्टर का उपयोग करके बिजली की गुणवत्ता में सुधार के लिए अनुकूलन तकनीकों की व्यापक समीक्षा। एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, XXXX, 1-16। https://doi.org/10.1063/5.0234302	विद्युत अभियांत्रिकी
310	दास, यू., और नंदी, सी. (2024)। पावर टू एक्स: आने वाली दुनिया के लिए एक कार्बन-तटस्थता। आईईईई सिलचर उपखंड सम्मेलन (SILCON) की कार्यवाही में (पृष्ठ 1-6)। आईईई। https://doi.org/10.1109/SILCON63976.2024.10910696	विद्युत अभियांत्रिकी
311	दास बिस्वास, एस., दास, बी., और नंदी, सी. (2024)। कैस्केड एच-ब्रिज मल्टीलेवल इनवर्टर में टीएचडी कमी के लिए न्यूटन-रैफसन विधि का उपयोग करके अनुकूलित स्विचिंग कोण नियंत्रण। आईईईई सिलचर उपखंड सम्मेलन (SILCON) की कार्यवाही में (पृष्ठ 1-6)। आईईई। https://doi.org/10.1109/SILCON63976.2024.10910788	विद्युत अभियांत्रिकी
312	दास, एस., देबनाथ, एस., सिन्हा, एन., और भौमिक, बीबी (2025, 27-28 फरवरी)। मैक-ज़ेंडर इंटरफेरोमेट्रिक संरचना के साथ सहायता करता वाले मल्टी-वेवलेंथ ने एमआरआर का उपयोग करके ऑप्टिकल हाफ-एडर सर्किट को बढ़ाना । इंटेलिजेंट सिस्टम्स, एडवांस्ड कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन (ISACC) पर 2025 के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में। आईईई।	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
313	देबनाथ, एस., अचार्जी, आर., दास, एस., सिन्हा, एन., और भौमिक, बीबी (2025)। दोहरी सिलिकॉन माइक्रोरिंग गुंजयमान यंत्र सहायक MZI संरचना का उपयोग करके इलेक्ट्रो-ऑप्टिक XOR और XNOR गेट्स का कार्यान्वयन। इंटरैक्शन में: इंजीनियरिंग और भौतिक प्रणालियों में कार्यवाही (खंड 246, पृष्ठ 36)।	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
314	चौधरी, बी.डी., सरकार, ए., पॉल, एन., और देबनाथ, बी. (2024)। त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत में स्वस्थ और संक्रमित अगरवुड पेड़ों की राइजोस्फीयर मिट्टी का एक तुलनात्मक भौतिक-रासायनिक अध्ययन। वेजिटॉस। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s42535-024-01123-8	वानिकी और जैव विविधता
315	चौधरी, बी.डी., देबनाथ, ए., और देबनाथ, बी. (2024)। फेनोलॉजी, विविधता, सामुदायिक विशेषताएं, और एक लुप्तप्राय पेड़ की पुनर्जनन स्थिति, त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत के होमगार्डन में एक्विलेरिया मैलाकेंसिस। एशियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री, 8(2), 136-146। https://doi.org/10.13057/asianjfor/r080204	वानिकी और जैव विविधता
316	देबनाथ, ए., मजूमदार, एस., चौधरी, बी.डी., सरकार, ए., दास, एस.के., और देबनाथ, बी. (2024)। त्रिपुरा के उष्णकटिबंधीय जंगल में वृक्ष प्रजातियों की विविधता और जनसंख्या की गतिशीलता और पुनर्जनन की स्थिति: भारत-बर्मी जैव विविधता हॉटस्पॉट का संगम। वेजिटॉस। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s42535-024-01046-4	वानिकी और जैव विविधता
317	मजूमदार, आर., चौधरी, डी., सरकार, ए., घोष, ए., देबनाथ, एस., देबनाथ, बी., और घोष, आर. (2024)। एचएमजी-सीओए रिडक्टेस इनहिबिटर के रूप में मशरूम से संभावित टेट्रासाइक्लिक ट्राइटरपेनोइड्स की पहचान के लिए सिलिको दृष्टिकोण में। एसपेक्ट्स ऑफ मॉलिकुलर मेडिसिन, 4, 100053। https://doi.org/10.1016/j.amolm.2024.100053	वानिकी और जैव विविधता
318	कैंतुरा, डी., दासगुप्ता, एस., और चौहान, डीएस (2024)। पश्चिमी हिमालय में तटवर्ती वनस्पति की संरचना और विविधता पर जलविद्युत-प्रेरित प्रवाह परिवर्तन के प्रभाव: उत्तराखंड, भारत में एक केस स्टडी। जर्नल ऑफ माउंटेन साइंस, 21(4), 1272-1286।	वानिकी और जैव विविधता
319	रियांग, बी.बी., हजारिका, एच., देवी, एच.बी., और दासगुप्ता, एस. (2024)। आर्द्रभूमि और उनकी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का आकलन। अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, 6(15), 6886-6905।	वानिकी और जैव विविधता
320	हजारिका, एच., रियांग, बी.बी., देवी, एचबी, और पटारी, पी. (2025)। शहरी पर्यावरण में तितली पार्कों का महत्व: एक समीक्षा। इकोलॉजी, इन्वायर्नमेंट एंड कंजरवेश, 31 (आपूर्ति), S45-S49।	वानिकी और जैव विविधता
321	हजारिका, एच., और दासगुप्ता, एस. (2025)। पर्यावरणीय चर के लिए पैपिलियो क्लाइटिया और यूप्लोआ कोर की प्रतिक्रिया: एक प्रारंभिक अध्ययन। इन्वार्नमेंट एंड इकोलॉजी, 43(1)।	वानिकी और जैव विविधता
322	महतो, एस., दासगुप्ता, एस., और टोडारिया, एनपी (2025)। क्या ओक वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रावधान सेवाएं (ईंधन और चारा) गढ़वाल हिमालय, भारत में जंगल के आकार के अनुसार भिन्न होती हैं? ट्रॉपिकल इकोलॉजी, 66(1), 81-90।	वानिकी और जैव विविधता
323	नायक, ए., रामासामी, आरके, थंगामुथु, पीके, सुब्बाइन, डीपी, पेरुमल, के., सेलवन, टी., बलैयन, एस., बुद्धि, बीएसएस, पाटिल, पी., आशिक, आर., सुब्बियन, एच., पलानीस्वामी, आर., और चिन्नास्वामी, यू. (2024)। ऊर्जा के स्रोत के रूप में वुडी बायोमास की वर्तमान परिदृश्य, चुनौतियां और संभावनाएं। फ्रेसेनियस इन्वायर्नमेंट बुलेटिन, 33, 1021-1042।	वानिकी और जैव विविधता
324	सेलवन, टी., चक्रवर्ती, पी., और पनमेई, एल. (2024)। अर्ध-शहरी परिदृश्य में बांस आधारित कृषि प्रणालियों की कार्बन-पृथक्करण क्षमता। इंडियन जर्नल ऑफ इकोलॉजी, 51, 1160-1166। https://doi.org/10.55362/IJE/2024/4371	वानिकी और जैव विविधता

325	देबबर्मा, एस., और देबबर्मा, एम. (2024)। कोकबोरोक भाषा के विशेष संदर्भ में त्रिपुरा की अल्पसंख्यक भाषाएं: त्रिपुरा, भारत की भाषा जनसांख्यिकी पर एक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ लैंग्वेज एंड लिंग्विस्टिक्स, 5(2), 53-68। https://doi.org/10.54392/ijll2425	भूगोल और आपदा प्रबंधन
326	देबबर्मा, एम., और देबबर्मा, एस. (2024)। त्रिपुरा में प्रवास: त्रिपुरा, भारत के भाषा वितरण और भाषाई विविधता के पैटर्न पर प्रभाव। ट्रांजेक्शन्स, 46(2), 231-244।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
327	शाह, ए.आई., और पैन, एनडी (2024)। उत्तर-पश्चिमी हिमालय, भारत के झेलम बेसिन में बाढ़ आवृत्ति विश्लेषण के लिए संभाव्यता वितरण विधियों का मूल्यांकन। क्लीनर वाटर, 2, 10004। https://doi.org/10.1016/j.clwat.2024.10004	भूगोल और आपदा प्रबंधन
328	शाह, ए.आई., और पैन, एनडी (2024)। झेलम नदी बेसिन का बाढ़ संवेदनशीलता मूल्यांकन: टीओपीएसआईएस, विकोर और ईडीएएस विधियों का तुलनात्मक अध्ययन। जियोसिस्टम्स एंड जियोएनवायरनमेंट, 3(4), 100304। https://doi.org/10.1016/j.geogeo.2024.100304	भूगोल और आपदा प्रबंधन
329	मलिक, एम., कृष्णैया, वाई.वी., पांजा, के., राय, डी., दास, डी., हाटी, एम., और चकमा, ए. (2024)। भारत के जलपाईगुड़ी जिले के चाय बागान क्षेत्रों में मिट्टी के कटाव संवेदनशीलता क्षेत्रों का आकलन: आरयूएसएलई और डब्ल्यूएलसी मॉडल का एक एकीकृत दृष्टिकोण। इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग का जर्नल। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s12524-024-02078-8	भूगोल और आपदा प्रबंधन
330	पंज, के., कृष्णैया, वाई.वी., दास, डी., मलिक, एम., हाटी, एम., राय, डी., और चकमा, ए. (2024)। पश्चिम त्रिपुरा जिले, त्रिपुरा, भारत में भूजल संभावित क्षेत्रों के लिए एएचपी तकनीक का एक अनुप्रयोग: एक केस स्टडी। इंडियन जर्नल ऑफ सॉइल कंजर्वेशन, 52(2), 160-171।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
331	दास, डी., कृष्णैय्या , वाई.वी., पंजा, के., मलिक, एम., हाटी, एम., राय, डी., और चकमा, ए. (2024)। एक बहु-मॉडल दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए हिमालयी राज्य त्रिपुरा, भारत में भूस्खलन संवेदनशीलता का आकलन। करेन्ट वर्ल्ड इन्वायर्नमेंट, 19(2), 883-901। https://dx.doi.org/10.12944/CWE.19.2.29	भूगोल और आपदा प्रबंधन
332	रॉय, एस., माजुल्ला, जी., होरे, एस., और मित्रा, एस. (2024)। यात्रियों की सामाजिक-आर्थिक संरचना और त्रिपुरा, भारत में रेलवे बुनियादी ढांचे और सेवाओं की धारणा पर इसके प्रभाव की खोज। पब्लिक ट्रांसपोर्ट, 16(1), 213-240। https://doi.org/10.1007/s12469-023-00328-5	भूगोल और आपदा प्रबंधन
333	देबनाथ, पी., रॉय, एस., होरे, एस., और मित्रा, एस. (2024)। भूस्खलन संभावित क्षेत्र की आर्थिक व्यवहार्यता को बनाए रखने के लिए हाइब्रिड वीएनएस एल्गोरिदम का उपयोग करके इष्टतम माल मार्ग का मानचित्रण: त्रिपुरा का एक केस स्टडी। नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स, 47(1), 103-109। https://doi.org/10.1007/s40009-023-01273-4	भूगोल और आपदा प्रबंधन
334	रॉय, एस., चाबेरेक, जी., और मित्रा, एस. (2024)। त्रिपुरा, भारत में नए रेलवे स्टेशनों की व्यवहार्यता का आकलन करना। ट्रांजेक्शन ऑफ इंस्टीट्यूट इंडियन जियोग्राफर्स, 46 (2)।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
335	पलानियांडी, एम., और महतो, डी. (2024)। भूमि उपयोग/भूमि का स्थानिक और अस्थायी विश्लेषण रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का उपयोग करके परिवर्तनों को कवर करता है: बिजॉय नदी बेसिन, त्रिपुरा, भारत से एक केस स्टडी। जर्नल ऑफ जियोग्राफी, एनवायरनमेंट एंड अर्थ साइंस इंटरनेशनल, 28(9), 152-165। https://doi.org/10.9734/jgeesi/2024/v28i9818	भूगोल और आपदा प्रबंधन
336	पलानियांडी, एम. (2024)। वेक्टर जनित रोग पारिस्थितिकी और पर्यावरण: नियंत्रण और प्रबंधन के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस: एक व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल ऑफ जियोग्राफी, एनवायरनमेंट एंड अर्थ साइंस इंटरनेशनल, 28(9), 172-188। https://doi.org/10.9734/jgeesi/2024/v28i9820	भूगोल और आपदा प्रबंधन
337	पलानियांडी, एम. (2024)। भारत में महामारी नियंत्रण और प्रबंधन के लिए डेंगू निगरानी के लिए वास्तविक समय वेब मैपिंग जीआईएस अनुप्रयोगों की तत्काल आवश्यकता। एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन इन्फेक्शियस डिजीज, 15(11), 55-64। https://doi.org/10.9734/ajrid/2024/v15i11392	भूगोल और आपदा प्रबंधन
338	पलानियांडी, एम. (2024)। एडीज जीनस पर दैनिक मौसम का प्रभाव (कुलिसिडे: डिप्टेरा) आर्थ्रोपोड मच्छर वैक्टर प्रचुरता और डेंगू महामारी संचरण: एक व्यवस्थित समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट चेंज, 14(11), 356-369। https://doi.org/10.9734/ijecc/2024/v14i114551	भूगोल और आपदा प्रबंधन
339	दास, बी., रेजी, ए.के., रे, टी.के., और बोरल, ई. (2024)। CO2 उत्सर्जन के संदर्भ में अगरतला शहर की वायु गुणवत्ता को बदलने में संपीड़ित प्राकृतिक गैस का प्रभाव। ट्रांजेक्शन ऑन केमिकल इंजीनियरिंग, 111, 661-666। https://doi.org/10.3303/CET24111111	भूगोल और आपदा प्रबंधन
340	घोष, एस., दास, बी., और बोराल, ई. (2024)। जटिल यातायात वातावरण में सर्वोत्तम मार्ग का जीआईएस-आधारित मूल्यांकन: कोलकाता नगर निगम का प्रकरण। इंडोनेशियाई जर्नल ऑफ जियोग्राफी, 56(2), 188-197।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
341	घोष, एस., बोराल, ई., दास, बी., और रे, टीके (2024)। कोलकाता में वाहनों के उत्सर्जन पर सड़क ज्यामितीय तत्वों और यातायात विशेषताओं का प्रभाव। अर्बन इंडिया, 44(1), 16-30।	भूगोल और आपदा प्रबंधन

342	शाह, ए.आई., दास, के., और पैन, एनडी (2025)। पूर्वोत्तर भारत के हाओरा नदी बेसिन का बाढ़ आवृत्ति विश्लेषण और संवेदनशीलता क्षेत्र। रिवर, 4(1), 116-133। https://doi.org/10.1002/rvr2.70001	भूगोल और आपदा प्रबंधन
343	दास, बी., तुहिन, के., और बोरल, ई. (2025)। सामाजिक-आर्थिक विकास में क्षेत्रीय असमानताएं: जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिलों का मामला। पॉपुलेशन जियोग्राफी, 47(1), 101-117।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
344	राय, डी., कृष्णैय्या , वाई.वी., पंजा, के., चकमा, ए., मलिक, एम., दास, डी., और हाटी, एम. (2025)। सिक्किम में इकोटूरिज्म के लिए नए क्षितिज: एक एकीकृत एमसीडीए दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज, 51(1), 95-110। https://doi.org/10.55863/ijees.2025.0454	भूगोल और आपदा प्रबंधन
345	हाटी, एम., कृष्णैया, वाई.वी., पंजा, के., चकमा, ए., मलिक, एम., राय, डी., दास, डी., और मंडल, वी. (2025)। भारत के पश्चिम बर्धमान जिले की भूमि सतह के तापमान पर भूमि उपयोग भूमि आवरण परिवर्तन का प्रभाव। करेन्ट वर्ल्ड इनवायर्नमेंट, 20(1), 310-328। http://dx.doi.org/10.12944/CWE.20.1.24	भूगोल और आपदा प्रबंधन
346	हाटी, एम., कृष्णैया, वाई.वी., दास, डी., मलिक, एम., मंडल, वी., पंजा, के., और चकमा, ए. (2025)। पश्चिम बंगाल, भारत के पश्चिम बर्धमान जिले के प्रमुख शहरी ताप द्वीप में थर्मल आराम और गर्मी के जोखिम का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज, 51, 449-470। https://doi.org/10.55863/ijees.2025.0707	भूगोल और आपदा प्रबंधन
347	बिस्वास, ए., देबनाथ, पी., रॉय, एबी, चटर्जी, एल., मित्रा, बी., मित्रा, एस., और चौधरी, पी. (2025)। पक्षी जीवों की विविधता की जांच करना और रुद्रसागर झील के गीले परिदृश्य में और उसके आसपास उनके संभावित खतरों की खोज करना: एक भारतीय रामसर स्थल। वेटलैंड्स इकोलॉजी एंड मैनेजमेंट, 33(2), 22. https://doi.org/10.1007/s11273-025-10037-4	भूगोल और आपदा प्रबंधन
348	बनिक, बी., रॉय, एस., पॉल, एस., रियांग, एम., मजूमदार, के., बैष्णव, बी., मित्रा, एस., और दत्ता, बीके (2025)। MaxEnt का उपयोग कर पर्यावास विशेषताओं और मॉडलिंग वर्तमान और भविष्य के संभावित वितरण कैनरियम स्ट्रिक्टम का उपयोग: पूर्वोत्तर का एक संकटग्रस्त सामाजिक आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पौधा। लैंडस्केप और इकोलॉजिकल इंजीनियरिंग, 21, 1-28। https://doi.org/10.1007/s11355-025-00647-8	भूगोल और आपदा प्रबंधन
349	देबबर्मा, जे. (2025)। त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत की विभिन्न भौगोलिक इकाइयों में विद्युत प्रतिरोधकता का उपयोग करके भूजल संभावनाओं का आकलन। डेक्कन जियोग्राफी, 63(3), 384-392।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
350	गोगोई, पी., और देबबर्मा, जे. (2025)। भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके शहरी विकास के स्थानिक अस्थायी पैटर्न का आकलन: कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिला, असम, भारत। एशिया-पैसिफिक जर्नल ऑफ रीजनल साइंस। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन। https://doi.org/10.1007/s41685-025-00384-8	भूगोल और आपदा प्रबंधन
351	उद्दीन, एमजे, पटारी , पी., बसु, एस., सिल, एस.के., और नाग, एसके (2024)। म्यूकुना इम्ब्रिकेट (एमआई) डीसी. एक्स बेकर टिंचर का भौतिक-रासायनिक लक्षण वर्णन और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि। सामग्री विज्ञान पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित। (खंड 245)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/s10751-024-02156-w	मानव शरीर विज्ञान
352	सरकार, के., देबबर्मा, एम., देबनाथ, एस., घोष, आर., और सील, एसके (2024)। एंटीट्यूमर एजेंट के विकास के लिए फार्माकोफोर मॉडलिंग, आणविक डॉकिंग और आणविक डॉकिंग सिमुलेशन अध्ययन द्वारा दोहरे एचडीएसी 8 और एमएमपी9 अवरोधकों की सिलिको पहचान। सामग्री विज्ञान पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (खंड 245)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/s10751-024-02083-w	मानव शरीर विज्ञान
353	सरकार, एस., चौधरी, पीआर, और चौधरी, डी. (2024)। "नर विस्टर चूहों पर बम्बुसा बुल्गारिस के मेथनॉलिक पत्ती के अर्क की तीव्र और उप-तीव्र विषाक्तता का मूल्यांकन"। एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड क्लिनिकल रिसर्च, 17(5), 72-77।	मानव शरीर विज्ञान
354	पाल, एस., चक्रवर्ती, एस., और मंडल, एस. (2024)। विस्टार चूहों में पॉलीस्टाइनिन माइक्रोप्लास्टिक (पीएस-एमपी) के संपर्क में आने के बाद यकृत और मस्तिष्क ग्लूकोज चयापचय में खुराक-निर्भर परिवर्तन। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, 76(1), 32-39। https://doi.org/10.55184/ijpas.v76i01.213	मानव शरीर विज्ञान
355	पाल, एस. (2024)। त्रिपुरा, भारत की झुग्गियों में रहने वाली महिलाओं की रजोनिवृत्ति के बाद स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं। साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट (एसएएपी) बुलेटिन, 7(3), 11-16।	मानव शरीर विज्ञान
356	पाल, एस. (2024)। माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण: स्तनधारियों में चयापचय व्यवधान के लिए एक शक्तिशाली खतरा। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, 76(2), 22-26। https://doi.org/10.55184/ijpas.v76i02.226	मानव शरीर विज्ञान

357	सूत्रधार, एस., और ज्योति, आर. (2024)। त्रिपुरा की शारीरिक रूप से सक्रिय और शारीरिक रूप से गैर-सक्रिय पुरुष छात्राओं के बीच शारीरिक फिटनेस सूचकांक और अधिकतम ऑक्सीजन ग्रहण के संदर्भ में अधिकतम एरोबिक क्षमता का निर्धारण और तुलना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्पोर्ट, एक्सरसाइज एंड हेल्थ रिसर्च, 8(2), 65-70। https://doi.org/10.31254/sportmed.820	मानव शरीर विज्ञान
358	बिस्वास, सी., चक्रवर्ती, एस., पाट्रो, के., नैन, जे., चक्रवर्ती, ए., रॉय, आर., दास, बी., कसारी, पीआर, मजूमदार, एस., दास, जे., और बिस्वास, एसके (2024)। नकारात्मक अनुक्रम वर्तमान इंजेक्शन आधारित सक्रिय आइलैंडिंग डिटेक्शन विधि। उद्योग अनुप्रयोगों पर आईईईई ट्रांजेक्शन , 61(3), 2093-2102। https://doi.org/10.1109/TIA.2024.3523870	सूचना प्रौद्योगिकी
359	दास, एस., चक्रवर्ती, एस., मिश्रा, एम., और मजूमदार, एस. (2024)। "यू-नेट मॉडल का उपयोग करके रेटिना रक्त वाहिका विभाजन का आकलन: एक गहन शिक्षण दृष्टिकोण"। फ्रैंकलिन ओपन, 8, 100143। https://doi.org/10.1016/j.fraope.2024.100143	सूचना प्रौद्योगिकी
360	दास, एस., मिश्रा, एम., और मजूमदार, एस. (2024)। "डीप लर्निंग मॉडल, मोबाइलनेट का उपयोग करके रेटिना फंडस छवियों से ग्लूकोमा की पहचान"। कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी पर ईसीटीआई ट्रांजेक्शन, 18(3), 371-380। https://doi.org/10.37936/ecti-cit.2024183.256182	सूचना प्रौद्योगिकी
361	बिस्वास, सी., बर्मन, एस., चक्रवर्ती, ए., और मजूमदार, एस. (2024)। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के साथ गैर-जैव प्रेरित अनुकूलन तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण। मोबाइल नेटवर्क और वायरलेस संचार (ICMNWC) पर 4 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में। आईईई। https://doi.org/10.1109/ICMNWC63764.2024.10872272	सूचना प्रौद्योगिकी
362	करमाकर, पी., रक्षित, आर., रॉय, ए., और पलाई, पीके (2025)। पानी के नीचे वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए क्यू-लर्निंग-आधारित ऊर्जा-कुशल कस्टम सहकारी रूटिंग प्रोटोकॉल। विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल, 13(1), 237-243।	सूचना प्रौद्योगिकी
363	देवी, एम., सहारिया, एस., भट्टाचार्य, डी.के., रॉय, ए., और चरणुर, पी. (2024)। एमसीएम-वीबीएफ: दृष्टि-आधारित सुविधाओं के साथ डांस हैंड जेस्चर रिकग्निशन। डिस्कवर इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 4(18)। https://doi.org/10.1007/s43926-024-00072-7	सूचना प्रौद्योगिकी
364	मंडल, पी., रॉय, ए., नाथ, एच., और धार, एम. (2024)। निरंतर जल गुणवत्ता निगरानी के लिए बुद्धिमान IoT प्रणाली। 2024 आईईईई सिलचर उपखंड सम्मेलन (SILCON) की कार्यवाही में। आईईई। https://doi.org/10.1109/SILCON63976.2024.10910322	सूचना प्रौद्योगिकी
365	धार, एम., रॉय, ए., और मंडल, पी. (2024)। IoT का उपयोग करके स्मार्ट अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली। 2024 आईईईई सिलचर उपखंड सम्मेलन (SILCON) की कार्यवाही में। आईईई। https://doi.org/10.1109/SILCON63976.2024.10910604	सूचना प्रौद्योगिकी
366	मजूमदार, पी., और मित्रा, एस. (2025)। आरएफ-पीएसओ और संशोधित बीएसीओ आधारित सुविधा चयन का उपयोग करके मिट्टी की नमी की भविष्यवाणी को अनुकूलित किया गया। एसएन कंप्यूटर साइंस, 6, 26. https://doi.org/10.1007/s42979-025-04162-3	सूचना प्रौद्योगिकी
367	साहा, एसडी, कुमारी, वी., और नंदी, एस. (2025)। क्रोनिक किडनी रोग की भविष्यवाणी के लिए उन्नत मशीन लर्निंग दृष्टिकोण: एक पहनावा मशीन लर्निंग मॉडल के साथ एक तुलनात्मक और व्यापक अध्ययन। स्कोप, XV(I), 1373-1406।	सूचना प्रौद्योगिकी
368	दास, डी., और राउत, पीके (2025)। परिवेशीय तापमान पर उपचारित फ्लाई ऐश आधारित जियोपॉलिमर सामग्रियों की यांत्रिक और सूक्ष्मसंरचनात्मक विशेषताएं। एप्लाइड केमिस्ट्री में बायोइंटरफेस रिसर्च, 15(2), 1-22। https://doi.org/10.33263/BRIAC152.020	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
369	दास, डी., और राउत, पीके (2025)। फ्लाई ऐश आधारित जियोपॉलिमर के यांत्रिक और माइक्रोस्ट्रक्चरल गुणों पर सोडियम हाइड्रॉक्साइड सांद्रता का प्रभाव। बायोइंटरफेस रिसर्च इन एप्लाइड केमिस्ट्री, 15(1), 1-25। https://doi.org/10.33263/BRIAC151.013	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
370	हलदर, एस.बी., और दास, एस. (2025)। परिवर्तनीय परिशुद्धता प्रभुत्व किसी न किसी सेट दृष्टिकोण का उपयोग करके निर्णय विश्लेषण के लिए एक नए दृष्टिकोण पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू, 12(2), 797-808।	गणित
371	भौमिक, एस. (2024)। मानव मस्तिष्क की सोच प्रक्रिया पर एक तार्किक मॉडल।बुलेटिन ऑफ केरल मैथमेटिकल सोसायटी, 18(2), 95-104।	गणित
372	दास, ए.के., गुप्ता, एन., महमूद, टी., त्रिपाठी, बीसी, दास, आर., और दास, एस. (2025)। शहरी नदी के पानी की गुणवत्ता पर मानवजनित प्रभावों का विश्लेषण करने के लिए एक अभिनव बहु-मानदंड निर्णय लेने वाला मॉडल। ईरान जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंस, 8, 103-124। https://doi.org/10.1007/s42044-024-00211-x	गणित
373	दास, ए.के., दास, आर., दास, एस., देबनाथ, बी.के., ग्रेनाडोस, सी., शील, बी., और दास, आर. (2025)। "न्यूट्रोसोफिक सुपरहाइपर बीसीआई-सेमीग्रुप्स और उनके बीजगणितीय महत्व का एक व्यापक अध्ययन"। फजी सेट और सिस्टम पर ट्रांजेक्शन , 4(2), 80-101। https://doi.org/10.71602/tfss.2025.1198050	गणित

374	पलवन, ई., देबबर्मा, एस., और रॉय चौधुरी, एस. (2025)। हस्तनिर्मित पेपरमेकिंग के माध्यम से कृषि अपशिष्ट मूल्यांकन: एक स्थायी वैकल्पिक आजीविका दृष्टिकोण।ट्रेन्ड्स इन एग्रीकल्चर साइंस, 4(2), 163-169।	सूक्ष्मजैविकी
375	बोरठाकुर, डी., चौधरी, आर., और शर्मा, बी. (2025)। पूर्वोत्तर भारत के पारंपरिक किण्वित खाद्य पदार्थों से अलग किए गए जीवाणु उपभेदों द्वारा उत्पादित बीयर की विशेषता और सांख्यिकीय विश्लेषण। संचार प्रणालियों और नेटवर्क प्रौद्योगिकियों पर आईईईई 14वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (सीएसएनटी) (पीपी 674-679)। आईईई। https://doi.org/10.1109/CSNT64827.2025.10967867	सूक्ष्मजैविकी
376	बोरठाकुर, डी., बारलास्कर, ई., मेधी, एस.पी., और शर्मा, बीके (2024)। पूर्वोत्तर भारत के पारंपरिक किण्वित भोजन और पेय पदार्थों से सुगंध और स्वाद पैदा करने वाले बैक्टीरिया और खमीर की जांच और लक्षण वर्णन। ए.के.बी., एस.आर., और पी.के.एस. (सं.), संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकी पर एनआईईएलआईटी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (खंड 1022, पृष्ठ 455-476)। स्प्रिंगर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-3601-0_33	सूक्ष्मजैविकी
377	सिन्हा, आर., दत्ता, ए., और शर्मा, बीके (2024)। भारत में पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण कानून: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ लॉ एंड ह्यूमन बिहेवियर, 10(2), 116-126। https://dx.doi.org/10.21088/ijlhb.2454.7107.10224.7	सूक्ष्मजैविकी
378	बोरठाकुर, डी., मेधी, एस.पी., चौधरी, आर., सिन्हा, एस., शर्मा, बी.के., और आइच, जे. (2025)। ग्राम-पॉजिटिव और ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया के बीच स्वचालित भेदभाव के लिए सीएनएन-आधारित आर्किटेक्चर का उपयोग करना। प्रोसेडिया कंप्यूटर साइंस, 258, 3900-3909। https://doi.org/10.1016/j.procs.2025.04.642	सूक्ष्मजैविकी
379	अचार्जी, एस., दास, एम., देब, एस., सरकार, ए., घोष, सी., और भट्टाचार्जी, एस. (2024)। "परिवर्तित ऑस्टियोप्रोटेगेरिन/RANKL अनुपात रुमेटीइड गठिया में प्राथमिक यकृत की शिथिलता और हड्डियों के नुकसान में योगदान देता है: अतिरिक्त-आर्टिकुलर अभिव्यक्तियों में अंतर्दृष्टि"। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, 76(4)। https://doi.org/10.55184/ijpas.v76i04.286	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
380	शंकरनारायणन, पी., जी, डीजेडी, पीए, ए., मणिकंदन, एम., और घोष, ए. (2025)। ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर के खिलाफ संभावित फाइटोकेमिकल लीड अणु की पहचान करने के लिए आणविक डॉकिंग और एमडी सिमुलेशन दृष्टिकोण। F1000रिसर्च, 13, 1271-1297। https://doi.org/10.12688/f1000research.155657.2	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
381	दास, ए., बनिक, एच., हुसैन, एसए, मैती, डी., अख्तर, टी., पॉल, बी., देबनाथ, पी., सिएरोन, एल., भट्टाचार्य, ए., भौमिका, केएल, मैनियुकीविक्ज़, डब्ल्यू., और देबनाथ, पी. (2025)। मिश्रित लिगैंड के साथ निकेल (II) कॉम्प्लेक्स: संश्लेषण, वॉर्म मेमोरी अनुप्रयोग, और एंटीकैंसर और एंटिफंगल एजेंटों के रूप में संभावित जैविक अनुप्रयोग। इंडियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 64(5), 528। https://doi.org/10.56042/ijc.v64i5.17716	भौतिक विज्ञान
382	देब, आर., भट्टाचार्जी, डी., डी., डी., यू.सी., और हुसैन, एसए (2024)। ग्रेफाइट लेपित पेपर सब्सट्रेट पर कूमारिन आधारित गैर-वाष्पशील वॉर्म डिवाइस। इंटरैक्शन, 244, 167. https://doi.org/10.1007/s10751-024-02118-2	भौतिक विज्ञान
383	देबनाथ, ए., भट्टाचार्जी, एस.के., सूत्रधार, आर., देबनाथ, सी., भट्टाचार्जी, डी., और हुसैन, एसए (2024)। डाई-संवेदनशील सौर सेल में एक संवेदक के रूप में प्राकृतिक रंगों पर एक समीक्षा। इंटरेक्शन, 245, 325। https://doi.org/10.1007/s10751-024-02172-w	भौतिक विज्ञान
384	देबनाथ, ए., देबनाथ, सी., भट्टाचार्जी, एस.के., भट्टाचार्जी, डी., और हुसैन, एसए (2024)। नैनो क्ले प्लेटलेट्स और लैंगमुइर ब्लॉगेट फिल्म में आणविक समुच्चय के माइक्रेलर-प्रेरित नियंत्रण पर एक समीक्षा। इंटरैक्शन, 245, 327। https://doi.org/10.1007/s10751-024-02166-8	भौतिक विज्ञान
385	हुसैन, एस., मजूमदार, एस., भट्टाचार्जी, डी., डीई, यू.सी., और हुसैन, एसए (2024)। वाष्पशील कार्बनिक यौगिक का पता लगाने के लिए वर्णमिति सेंसर। इंटरैक्शन, 245, 303। https://doi.org/10.1007/s10751-024-02144-0	भौतिक विज्ञान
386	दास, ए., बनिक, एच., हुसैन, एसए, मैती, डी., अख्तर, टी., पॉल, बी., देबनाथ, पी., सिएरोन, एल., भट्टाचार्य, ए., भौमिका, केएल, मैनियूकिविक्ज़, डब्ल्यू., और देबनाथ, पी. (2024)। एस और एन-डोनर लिगैंड के साथ संक्रमण धातु परिसर: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, ल्यूमिनसेंट गुण, वर्तमान-वोल्टेज विशेषताओं, एफईएसईएम अध्ययन, जीवाणुरोधी और एंटिफंगल गतिविधियां। एशियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 36(6), 1348-1358। https://doi.org/10.14233/ajchem.2024.31336	भौतिक विज्ञान
387	देब, आर., भट्टाचार्जी, डी., और हुसैन, एसए (2024)। जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल ने एक कूमारिन आधारित गैर-वाष्पशील मेमोरी डिवाइस के प्रदर्शन को बढ़ाया। एसीएस एप्लाइड इंजीनियरिंग मटेरियल, 2(4), 1141-1152। https://doi.org/10.1021/acsaenm.4c00132	भौतिक विज्ञान
388	बिस्वास, एन., भट्टाचार्जी, एस.के., देबनाथ, सी., हुसैन, एसए, और भट्टाचार्जी, डी. (2024)। एक ऑर्गेनो-क्ले हाइब्रिड लैंगमुइर-ब्लॉगेट फिल्म की बढ़ी हुई प्रतिदीप्ति दक्षता। इंटरैक्शन, 245, 151. https://doi.org/10.1007/s10751-024-01974-2	भौतिक विज्ञान

389	दत्ता, जे., और सिन्हा, पी. (2024)। इंटरपोलेशन का उपयोग करके जनगणना की आयु रिटर्न को सुचारू करना। एशियन जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड एप्लीकेशन, 1(2), 57-70।	सांख्यिकी
390	कार्की, पी., रॉय, एस., मित्रा, एस., रॉय, एन., और होरे, एस. (2025)। एमएडीएम रणनीति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सीमा को खोलने का भू-राजनीतिक विश्लेषण: एनसी नगर क्षेत्र, त्रिपुरा का एक केस स्टडी। जर्नल ऑफ़ ज़िडियन यूनिवर्सिटी, 19(4), 628-651। https://doi.org/10.5281/zenodo.15260432	सांख्यिकी
391	सरकार, ए., चक्रवर्ती, ए., भौमिक, एस., देबनाथ, बी., सिंह, एस.एस., घोष, आर., जकी, एमईए, अल-हुसैन, एसए, और देबनाथ, एस. (2024)। पार्किया जावानिका खाद्य फली एक एंटी-डायबिटिक एजेंट के रूप में क्षमता प्रकट करती है: यूएचपीएलसी-क्यूटीओएफ-एमएस/एमएस -आधारित रासायनिक प्रोफाइलिंग, सिलिको में, इन विट्रो में, विवो में, और ऑक्सीडेटिव तनाव अध्ययन। फार्मास्यूटिकल्स, 17(7), 968।	प्राणीविज्ञान
392	सरमा, एस., कश्यप, ए., चक्रवर्ती, ए., और सिंह, एसएस (2024)। क्वेरसेटिन ने चूहों की प्लीहा में एंटीऑक्सीडेंट एंजाइमों और एनआरएफ-2/एचओ-1 अक्ष के अपग्रेडेशन के माध्यम से मधुमेह के तनाव को कम किया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड ड्रग रिसर्च, 16(6), 1004-1012।	प्राणीविज्ञान
393	दासगुप्ता, पी. (2025)। वैष्णव पाद संकलनग्रन्थोः उत्तोर औपनिबेशिक भब्नाय। प्रोटिधोनी द इको, 13.	बांग्ला
394	दासगुप्ता, पी. (2024)। अंचोलिक इतिहास ओ ग्राफिक अक्खान: सेनापोती रॉयकाचग। प्रोटिधोनी द इको, 4.	बांग्ला
395	देब, एम. (2024)। उत्तर भाषा का उच्चारण उत्तर आधुनिक भाषा में किया जाता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस स्टडीज, 10, 30-38।	बांग्ला
396	देब, एम. (2024)। देखी नई आग: एकता ओबोलोको। अन्वेशा, 11, 103-112.	बांग्ला
397	देब, एम. (2024)। रामकुमार नंदी मजूमदारर जात्रपाल। त्रिपुरा थियेटर, 19, 44-52।	बांग्ला
398	देब, एम. (2025)। बोइपोरा ओ मनोसिक शांति। गोमती, 1, 33-39.	बांग्ला
399	चकमा, पीके (2024)। चकमा लोककथाओं में नैतिकता। हेरिटेज एक्सप्लोरर, 23, 55-59.	बांग्ला
400	चकमा, पीके (2024)। दो अरण्य: मुंड आदिवासीर जीवन और संस्कृति। अन्वेशा, 11, 62-69.	बांग्ला
401	चकमा, पीके (2024)। चकमा वशर लिखितो मोहिनी मोहन चकमार 'शेष न्यन्यबेरा' नाटक: एकता पथ। त्रिपुरा थिएटर, 19, 72-78।	बांग्ला
402	चकमा, पीके (2025)। चकमा जनजाति के साहित्य और संस्कृति का संक्षिप्त परिचय। प्राची, 1, 94-102.	बांग्ला
403	गुप्ता, ए. (2024)। पीले चावल और एक मिथ्या नाम: अगरतला के शहरी क्षेत्र में बांग्ला बिरयानी की अतियथार्थता, आर्मचेयर पुरानी यादों और शरणार्थी की पहचान। साहित्यिक ओरेकल, 8(2), 34-45।	अंग्रेज़ी
404	सिंह, केपी (2024)। देवताओं का अभिनय: मणिपुर के लाई हारोबा में होओबा नूराबी प्रकरण का प्रदर्शन। शोधकोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, 5(1), 82-96। https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.il.2024.725	अंग्रेज़ी
405	सिंह, केपी (2025)। अकथनीय घाव: मणिपुरी महिलाओं की कविता में आघात और मानसिक स्वास्थ्य। स्रोतास्विनी: यूजीसी केयर सूचीबद्ध द्विवार्षिक द्विभाषी अनुसंधान जर्नल, 7, 327-340।	अंग्रेज़ी
406	बनिक, एस. (2025)। त्रिपुरा की पहाड़ी जनजातियों के अनुष्ठानों में परिलक्षित होने वाली लोक मान्यताएं: बोरोक के विशेष संदर्भ के साथ। द क्राइटेरियन: ऐन इंटरनेशनल जर्नल ऑन इंगलिश, 16 (1)।	अंग्रेज़ी
407	पांडे, एके (2024)। लोक का आलोक। शिक्षा समाचार।	हिंदी
408	पांडे, एके (2024)। अमृतकाल में हिंदी और पूर्वोत्तर की भाषाएं। राजभाषा भारती, 248-254.	हिंदी
409	मौर्य, ए. (2025)। स्त्रियों की मुक्ति में स्त्री-दर्पण की भूमिका। सांकल्य, 1, 25-29.	हिंदी
410	देबबर्मा, एस. (2024)। कोकबोरोक नेटोकर इतिहास। बालार्क, 19(1), 32-43.	कोकबोरोक
411	देबबर्मा, एस. (2025)। कोकबोरोक जदुनी: सोंगखिप्तो अलुचोना। बालार्क, 2(1), 162-173।	कोकबोरोक
412	देबबर्मा, बी. (2024)। कोकबोरोक में विलोम शब्दों का वर्गीकरण। नेपाली भाषाविज्ञान, 38(1), 156-163।	कोकबोरोक
413	देबबर्मा, बी. (2025)। कोकबोरोक में पहलू। एसईएल (वाक मंथन), 10(1), 35-43।	कोकबोरोक
414	देबबर्मा, बी. (2025)। कोकबोरोक लिपि (एक संशोधित अंग्रेजी वर्णमाला)। कोकबोरोक साहित्य सभा, 123-136।	कोकबोरोक
415	देबबर्मा, जे. (2024)। मैं अपने आप को 'स्वकाल साबो' के रूप में जानता हूं? त्रिपुरा थियेटर, 19(1), 139-144।	कोकबोरोक
416	देबबर्मा, जे. (2025)। कोकबोरोक चुटोगोलपो 'उकोलोक ब्वास्कांग मलखुंग': एकटी निबीर पथ। बालार्क, 2(1), 157-161.	कोकबोरोक

417	देबबर्मा, डीके (2024)। कोकबोरोक नेटोकर इटिहास। त्रिपुरा थियेटर, 19(1), 32-43।	कोकबोरोक
418	देबबर्मा, डीके (2025)। कोकबोरोक जदुनी: सोंगखिप्तो अलुचोना। बालार्क, 2(1), 162-173।	कोकबोरोक
419	देबबर्मा, बी. (2025)। सुनील देबबर्मर कोकबोरोक चुटोगोलपो 'बुसु': एकता निबिर पथ। बालार्क, 2(1), 151-156।	कोकबोरोक
420	सिंह, एसआई (2025)। तिब्बती-बर्मी भाषाओं में अंकों की संरचना। जादवपुर जर्नल ऑफ लैंग्वेजेज एंड लिंग्विस्टिक्स, 7(2), 165-181।	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
421	सिंह, एसआई (2025)। कोकबोरोक में क्लासिफायर की संरचना। वाक मंथन, 10(2), 90-97.	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
422	चक्रवर्ती, एन. (2025)। भाषा की जीवन शक्ति और लुप्तप्राय: त्रिपुरा की मोग भाषा का एक केस स्टडी। जर्नल ऑफ नेटिव इंडिया एंड डायवर्सिटी स्टडीज, 2(1), 99-111।	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
423	चक्रवर्ती, एन. (2025)। भाषा जीवन शक्ति और लुप्तप्राय: उचोई का एक केस स्टडी। वाक मंथन, 10(2), 50-60.	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
424	चक्रवर्ती, एन. (2025)। उचोई में शब्द निर्माण। " द एकेडमिक जर्नल, 3(4), 142-153।	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
425	चक्रवर्ती, एन. (2025)। उचोई में क्लासिफायर। वाक मंथन, 10(2), 16-27।	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
426	सिन्हा, आरएम (2025)। उचोई में क्लासिफायर। वाक मंथन, 10(2), 16-27।	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
427	सिन्हा, आरएम (2024)। दिमासा मौखिक आख्यानों और डिजिटल संग्रह का दस्तावेजीकरण। वाक मंथन, 9(2), 1-13।	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
428	सिन्हा, आरएम (2025)। एक बहुभाषी डेटासेट (मल्टीएमडब्ल्यूपी) और गणित शब्द समस्या निर्माण के लिए बेंचमार्क। ऑडियो, स्पीच और लैंग्वेज प्रोसेसिंग पर आईईईई ट्रांजेक्शन , 33. एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन।	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
429	देबबर्मा, पी. (2025)। कोकबोरोक में क्लासिफायर की संरचना। वाक मंथन, 10(2), 90-97.	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
430	पाणिग्रही, डी. (2024)। संस्कृतकाव्ये ऋतुसौन्दर्यम् : दिगम्बरमहापात्रकृत-ऋतुचक्रमिति खण्डकाव्यसंदर्भे [संस्कृत कविता में ऋतुओं की सुंदरता: दिगंबर महापात्र की लघु कविता ऋतुचक्र के संदर्भ में]। अम्बेडकर कॉलेज रिसर्च जर्नल, 5, 75-78।	संस्कृत
431	तिवारी, एसएन (2024)। संस्कृत साहित्य में नाटककार श्रीहर्ष का अवदान [संस्कृत साहित्य में नाटककार श्रीहर्ष का योगदान]। वाक सुधा, 42.	संस्कृत
432	तिवारी, एसएन (2024)। वैदिक और लौकिक साहित्य में आयुषचिन्तन [वैदिक और धर्मनिरपेक्ष साहित्य में दीर्घायु पर विचार]। वाक सुधा, 41.	संस्कृत
433	तिवारी, एसएन (2025)। भारतीयज्ञानपरम्परायां विवाहसंस्कार: [भारतीय बौद्धिक परंपरा में विवाह संस्कार]। वाक सुधा, 44.	संस्कृत
434	तिवारी, एसएन (2025)। अलंकारों की परम्परा में समासोक्ति अलंकार [आभूषणों की परंपरा में समसूक्ति का अलंकार]। ग्लोबल थॉट, 36.	संस्कृत
435	साहा, जे., और बंधु, वी. (2025)। निरुक्त-मीमांसा तदीयवृत्तिटीकावार्त्तिकालोके [निरुक्त की वृत्ति, टीका और वार्तिका के प्रकाश में एक जांच]। इंद्रा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र का कलाकल्प द्वि-वार्षिक जर्नल, 9 (2), 193-199।	संस्कृत
436	डे, एस., और सूत्रधार, एस. (2024)। आधुनिक युग में कालीघाट चित्रकला की निरंतरता - एक अध्ययन। अनहद लोक, (जुलाई-दिसंबर)।	ललित कला
437	डे, एस., और जेईई, आर. (2024)। कला की अवधारणा के रूप में सामग्री का विनियोग। आईजेवीएएससी, 21, 44-51.	ललित कला
438	जीई, आर. (2024)। कला में सामग्री का नव वियोग पेपर। अपाणी माटी जर्नल, 55, 157-162.	ललित कला
439	डे, एस. (2024)। आधुनिक भारतीय कला में पौराणिक संकर रूपों के चित्रण पर एक अध्ययन। रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी, 9(12), 153-163।	ललित कला
440	भराली, आर. (2025)। एक संगीत रूप के रूप में चर्यापद: एक अध्ययन। स्टॉम, (जनवरी)।	संगीत
441	खुंद्रकपम, जेआर (2025)। काओथे और दायमाबाद के सावल्डा क्षितिज से चीनी मिट्टी की चीज़ें का तुलनात्मक अध्ययन। द साउथ ईस्ट एशियन रिव्यू, 49, 91-109। https://doi.org/10.32381/SEAR.2024.49.7	पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति
442	साहा, पी.के., और मिंज, एसएम (2024)। तटीय बंगाल में बौद्ध धर्म के प्रसार में ताम्रलिप्त का ऐतिहासिक महत्व और दक्षिण पूर्व एशिया पर इसका प्रभाव। विरासत: जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज इन आर्कियोलॉजी, 11(1), 1172-1180।	पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति

443	साहा, पी.के., और बिस्वास, बी. (2024)। पुनर्वास वास्तविकताएं: मालदा जिले में शरणार्थियों के संकट को उजागर करना (1947-1971)। जर्नल ऑफ़ इंडियन हिस्ट्री एंड कल्चर, 33, 369-392।	पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति
444	साहा, पीके (2025)। मोगलमारी और समुद्री बौद्ध नेटवर्क: प्रारंभिक मध्ययुगीन काल के दौरान तटीय बंगाल, उड़ीसा और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक बातचीत। द महा बोधि, द इंटरनेशनल बुद्धिस्ट जर्नल, महा बोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, 134(1), 69-85।	पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति
445	दास, एस., और होक, ए. (2024)। कोविड-19 महामारी पर विशेष जोर देने के साथ फार्मास्यूटिकल्स में भारत-सार्क व्यापार का विश्लेषण। विद्यासागर यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, 28, 118-136।	अर्थशास्त्र
446	भौमिक, के., दास, एस., और दास, एस. (2025)। भारत में गेहूं की उत्पादकता पर जलवायु परिवर्तन और कृषि आदानों का प्रभाव: दीर्घकालिक और अल्पकालिक गतिशीलता। आईएएसएसआई क्वार्टरली, 44(2), 265-277।	अर्थशास्त्र
447	वनलालरेमा, के., और भौमिक, आई. (2025)। त्रिपुरा में वृक्षारोपण आधारित झुमिया पुनर्वास: संकटों पर काबू पाने में चुनौतियों और पारंपरिक प्रथाओं की खोज। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रोफोरेस्ट्री, 27(2), 96-108।	अर्थशास्त्र
448	अहमद, एम., साहा, पी., और माझी, पी. (2024)। कृषि में अनुकूलन रणनीतियाँ: क्षेत्र सर्वेक्षण से साक्ष्य। इकोलॉजी, इन्वार्यनमेंट एंड कंजरवेशन, 30, एस68-एस74।	अर्थशास्त्र
449	बरुआ, एम., और साहा, पी. (2024)। असम में हथकरघा आधारित सूक्ष्म उद्यमों में श्रम उत्पादकता के निर्धारक। सोसल चेन्ज् एंड डेवलपमेंट, 21(2), 12-25।	अर्थशास्त्र
450	बरुआ, एम., साहा, पी., और अहमद, एम. (2024)। असम, भारत में पारंपरिक हथकरघा आधारित सूक्ष्म उद्यमों की उत्पाद प्रथाएं और उत्पादन प्रदर्शन। इकोनॉमिक अफेयर्स, 69(4), 1553-1559।	अर्थशास्त्र
451	माझी, एसके (2024)। उत्तरी ओडिशा में पीवीटीजी के आंकड़ों पर एक व्यापक समीक्षा। लिसेयुम इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंस, 1, 54-80।	अर्थशास्त्र
452	माझी, एसके (2024)। खनन और महिलाओं का स्वास्थ्य: जोड़ा ब्लॉक, क्योंझर जिला, ओडिशा की एक केस स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एथिक्स, 10, 139-148।	अर्थशास्त्र
453	माझी, एसके (2025)। सरकारी कार्यक्रमों के प्रभावों को मापना और कृषि उत्पादकता को प्रभावित करने वाले निर्धारकों को समझना : त्रिपुरा में आदिवासी किसानों का एक केस स्टडी। ट्राइबल स्टडी: ए जर्नल ऑफ कोट्स, 13.	अर्थशास्त्र
454	दास, पी., देबनाथ, एस., और गोप, टीडी (2025)। शैक्षणिक उपलब्धि की अवधारणा: सफलता के रास्ते। द सोशल साइंस रिव्यू, ए मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल, 3(3), 187-190।	शिक्षा
455	कुमार, डी., और कुमार, एन. (2025)। गंजम जिला: लोक प्रदर्शन की एक खिड़की: प्रह्लाद नाटक के विशेष संदर्भ में। स्टोम, 25, 102-106.	मुक्त कला
456	रॉय, एल. (2025)। भारत में महिलाएं: शक्ति का प्रतीक या बेड़ियों में जकड़ दिया? मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च के लिए इंटरनेशनल जर्नल, 7(1)।	मुक्त कला
457	रॉय, एल. (2025)। भारत के विभाजन पर बी.आर. अम्बेडकर का आलोचनात्मक दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 13(1)।	मुक्त कला
458	पाल, ए., और रॉय, एल. (2025)। ग्रामीण महिलाओं पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: दक्षिण त्रिपुरा में एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 13(1)।	मुक्त कला
459	पाल, ए., और रॉय, एल. (2025)। टीआरएलएम के माध्यम से त्रिपुरा के सांस्कृतिक विकास में महिलाओं की भूमिका: जमीनी स्तर से नेतृत्व तक एक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 13(1)।	मुक्त कला
460	देबनाथ, एस. (2025)। शैक्षणिक उपलब्धि की अवधारणा: सफलता के रास्ते। द सोशल साइंस रिव्यू, 3(3), 187-190।	मुक्त कला
461	पौडयाल, एस. (2024, अक्टूबर)। भारत में वैज्ञानिक प्रवचनों को समझने में भारतीय भाषाएं। शैक्षिक मंथन, 34-35।	दर्शनशास्त्र
462	पौडयाल, एस. (2025, फरवरी)। सतत विकास लक्ष्य और पर्यावरण: इसके सामाजिक पहलुओं का विश्लेषण। शैक्षिक मंथन, 35-37।	दर्शनशास्त्र
463	पौडयाल, एस. (2024)। भारतीय बच्चों पर मोबाइल फोन का मनोवैज्ञानिक प्रभाव: विकास पर मोबाइल फोन के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का एक अध्ययन। प्रोसीडिंग्स ऑफ द इंटरनेशनल साइंटिफिक एंड प्रैक्टिकल कॉन्फ्रेंस सदर्न फेडरल यूनिवर्सिटी (रोस्तोव-ऑन-डॉन), रूस (वॉल्यूम 12, पीपी 390-398)।	दर्शनशास्त्र
464	भट्टाचार्य, ए., और बासुमतारी, बी. (2025)। बोडो आंदोलन की जड़ के रूप में ब्रह्म धर्म। जर्नल ऑफ रिलिजन एंड सिख स्टडीज, 12, 91-101।	राजनीति विज्ञान
465	सरमा, आर., और डार्लोंग, वी. (2024)। भारत में हाल के दिनों में युवाओं के प्रति राजनीतिक संस्कृति और चुनावी घोषणापत्र प्रतिबद्धताएं। इंटरनेशनल क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12, 444-453।	राजनीति विज्ञान

466	सरमा, आर., और डार्लोंग, वी. (2025)। भारत में घोषणापत्र पठनीयता: राजनीतिक संचार के लिए लोकलुभावन बनाम जटिल दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ ज़िडियन यूनिवर्सिटी, 19, 650-660।	राजनीति विज्ञान
467	देबनाथ, बी. (2024)। दावे से आवास तक: इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए चीन की उभरती प्रतिक्रिया की व्याख्या करना। जर्नल ऑफ पॉलिटी एंड सोसाइटी, 16, 3-24।	राजनीति विज्ञान
468	देबनाथ, बी. (2024)। जेम्मा इस्लामिया: उदय, गिरावट और पुनरुत्थान का प्रयास। फॉल्टलाइन्स: द केपीएस गिल जर्नल ऑफ कॉन्फ्लिक्ट एंड रिज़ॉल्यूशन, 33, 103-135।	राजनीति विज्ञान
469	जमातिया, जे., और थिंगुजम, एनएस (2025)। अविवाहित जोड़ों के बीच पारस्परिक आकर्षण और भावनात्मक बुद्धिमत्ता। इंडियन जर्नल ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी, 16(1), 69-72।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
470	बरुआ, आर., और थिंगुजम, एनएस (2025)। असम में युवा वयस्क पुरुषों के बीच शराब की लालसा का व्यक्तित्व सहसंबंधित है। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलबीइंग, 16(1), 86-88।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
471	देवी, के., और थिंगुजम, एनएस (2025)। असम में चाय बागान श्रमिकों के बीच अवसाद, चिंता और शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं के साथ संबंध। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलबीइंग, 16(1), 97-101।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
472	गणेशन, आर., और गोगोई, आरआर (2025)। उपलब्धि की आवश्यकता पर माइंडफुलनेस-आधारित योग प्रशिक्षण का प्रभाव, शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण और वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के बीच कार्य विधियों। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एंड साइकोलॉजिकल थेरेपी, 25(1), 111-125।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
473	सरकार, पीएस (2025)। व्हीट पैराडॉक्स - एक समग्र समाज की दिशा में टैगोर के लेखन पर एक विश्लेषण। वश-साहित्य - शिल्पो - संस्कृति ओ सोमोयर अभिघात (खंड 2, पृष्ठ 299-305) में।	ग्रामीण प्रबंधन और विकास
474	दास, एस. (2025)। त्रिपुरा में बीएड प्रशिक्षुओं की प्रसन्नता को प्रभावित करने वाले कारक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 13, 1646-1654।	शिक्षा विद्यापीठ
475	देबनाथ, एन. (2024)। त्रिपुरा की जनजातियों की शैक्षिक उपलब्धियों का अतीत और वर्तमान परिदृश्य: एक विश्लेषण। असम वैली इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड कल्चरल स्टडीज, XIV(II), 127-137।	सीएसएसईआईपी
476	सेंटिएनला और देबनाथ, एन. (2025)। त्रिपुरा में हथकरघा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति और विकास की संभावना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज स्टडीज, 10(3), 30-38।	सीएसएसईआईपी
477	सेंटिएनला और देबनाथ, एन. (2025)। त्रिपुरा में बांस हस्तशिल्प: परंपरा, आजीविका और जलवायु परिवर्तन शमन। इनक्लूसिव, II(27)।	सीएसएसईआईपी
478	हुसैन [एट अल। (2025). बिम्सटेक सदस्य देशों के संबंध में भारतीय प्याज बाजार की व्यापार विशेषज्ञता और प्रतिस्पर्धात्मकता। अनबर जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, 23(I), 470-492। https://doi.org/10.32649/ajas.2025.155429.1486	वाणिज्य
479	पांडे, बी.एम., और नाहा, एम. (2024)। भारतीय न्याय संहिता, 2023 का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च, 13(2), 39-47।	विधि
480	देबबर्मा, एस., भट्टाचार्जी, और महापात्रा, आरके (2024)। पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण: त्रिपुरी जनजातियों के बीच कटहल के बीजों पर भोजन (गोदक) तैयार करने की विधि पर प्रलेखन। पुस्तकालयों से परे मार्चिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: नेतृत्व, रचनात्मकता और नवाचार (पीपी 739-743)।	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
481	संगमा, सी.डी., चक्रवर्ती, जे., साहू, ए.के., और महापात्रा, आर.के. (2024)। महाराजा बीर बिक्रम विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा के छात्रों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग: एक अध्ययन। पुस्तकालयों से परे मार्चिंग पर सम्मेलन की कार्यवाही में: नेतृत्व, रचनात्मकता और नवाचार (पीपी 277-286)।	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
482	पैट्रो, बी.बी.के., साहू, जी., और महापात्रा, आर.के. (2024)। KIIT University में नवीन सर्वोत्तम प्रथाओं पुस्तकालय सहायता सेवाओं का लाभ उठाना: एक अवलोकन। पुस्तकालयों से परे मार्चिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: नेतृत्व, रचनात्मकता और नवाचार (पीपी 335-348)।	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
483	जमातिया, बी., गायन, एम.ए., और महापात्रा, आर.के. (एन.डी.)। विद्वानों के संचार को बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण: एक व्यवस्थित समीक्षा के आधार पर एक अन्वेषण। पुस्तकालयों में इनाइरा: अनुप्रयोग और परिप्रेक्ष्य, 12वें कन्वेंशन प्लानर 2024 की कार्यवाही (पृष्ठ 28-38)।	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
484	देबबर्मा, एस., मोग, आरके, और गायन, एमए (एनडी)। भारत में स्नातकोत्तर छात्रों के बीच एआई साक्षरता, जागरूकता और उपयोग: त्रिपुरा विश्वविद्यालय का एक अध्ययन। प्रोसीडिंग्स में श्रीलंका के यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन एसोसिएशन का 14वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पीपी. 35-52)।	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
485	पाल, एस.के., भट्टाचार्जी, एस., और सिन्हा, एमके (2024)। 2012 से 2021 तक पर्यावरण विज्ञान पर डॉक्टरेट थीसिस का विश्लेषण: तेजपुर विश्वविद्यालय, असम में गहन स्रोत समीक्षा। आरबीयू जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 26, 187-198।	केंद्रीय पुस्तकालय
486	गोस्वामी, पी., पाल, एस.के., और भट्टाचार्जी, एस. (2024)। पुस्तकालय निर्माण के लिए टिकाऊ वास्तुशिल्प डिजाइन पर एक अवलोकन: मुद्दे और अवसर। ओ. एन. चौबे, पी. राय, डी. कुमार, ए. सिन्हा, और एस. के. सिंह (सं.) में, भविष्य के निर्माण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: क्षमता निर्माण के माध्यम से स्थिरता के लिए पुस्तकालयों को बदलना (पृष्ठ 885-891)। इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन। आईएसबीएन: 9788195664399	केंद्रीय पुस्तकालय

क्रम सं.	प्रकाशित पुस्तकें	विभाग
1	राजन, के., मावली, एस., सेंथिल, एस.पी., और साहा, पी.के. (2024)। परंपरा को पाठ: प्रारंभिक तमिल देश में बौद्ध धर्म। मित्तल प्रकाशन।	पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति
2	देब, एम., और डे, डी. (2025)। त्रिपुरा बांग्ला भाषा ओ साहित्य [त्रिपुरा में बंगाली भाषा और साहित्य]। तुलसी पब्लिशिंग हाउस।	बांग्ला
3	देब, एम., और डे, डी. (2025)। बराक उपत्याकर मंगलचंद्र जागोरन [बराक घाटी में मंगलचंद का जागरण]। तुलसी पब्लिशिंग हाउस।	बांग्ला
4	मित्रा, एस., साहा, ए.के., और मजूमदार, एस. (सं.)। (2025). नयू होराइजन ऑन हायर एजुकेशन एंड रिसर्च : मल्टीडिसिप्लीनरी इंटरफेस । आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस।	रसायन विज्ञान
5	मिश्रा, सी. (2025)। अकादमिक पुस्तकालयों में साक्ष्य-आधारित नवाचार: ट्रांसफॉर्मिंग सेवाएं और प्रथाएं। रीडर पैराडाइज, नई दिल्ली। आईएसबीएन: 978-93-5977-229-5 (प्रिंट बुक)।	केंद्रीय पुस्तकालय
6	दास, एस., शाह, एस., और डैश, पी. (सं.)। (2025). भारत और पड़ोसी देशों के बीच विकास सहयोग: संभावनाएं और चुनौतियां। संबद्ध प्रकाशक।	अर्थशास्त्र
7	सरकार, एस., बनिक, डी., और डार्लोंग, एसटी (2024)। शिक्षा पर स्वामी विवेकानंद के विचार और विचार। लक्ष्मी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।	शिक्षा
8	देबबर्मा, डी., और मित्रा, एस. (2024)। परिवहन का भूगोल: अगरतला शहर की सामग्री के ऑटो रिक्शा का एक अध्ययन। ईबीएच प्रकाशक।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
9	मित्रा, एस., साहा, ए.के., और मजूमदार, एस. (सं.)। (2024). नयू होराइजन ऑन हायर एजुकेशन एंड रिसर्च : मल्टीडिसिप्लीनरी इंटरफेस । आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
10	देसाई, एम., मित्रा, एस., और हलदर, एस. (सं.)। (2024). जलवायु परिवर्तन की गतिशीलता: इतिहास और संस्कृति पर भारतीय परिदृश्य परिप्रेक्ष्य। ईबीएच प्रकाशक।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
11	मित्रा, एस. (सं। (2025). ग्रामीण आवास, पर्यावरण और विकास: बदलती प्रकृति और चुनौतियां। ईबीएच प्रकाशक।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
12	मजूमदार, पी., दास, जे., मजूमदार, डी., और मित्रा, एस. (2025)। ब्लॉकचेन के मूल सिद्धांत। डीप साइंस।	सूचना प्रौद्योगिकी
13	कलाई, एस. (2024)। कोकबोरोक सिनेमा, संस्कृति और स्वदेशिता। ईस्टर्न बुक हाउस।	पत्रकारिता और जनसंचार
14	देबबर्मा, बी. (2024)।फांग काइदी नांगमा थांगदी। खुम्बुई बिजाप करीमा नोक।	कोकबोरोक
15	देबबर्मा, बी. (2024)। रॉग्नो पोहोर्नी लामा। खुम्बुई बिजाप करीमा नोक।	कोकबोरोक
16	देबबर्मा, बी. (2025)। श्यामलाल देबबर्मानी थुंगनुक थाइथम। खुम्बुई बिजाप करीमा नोक।	कोकबोरोक
17	देबबर्मा, बी. (2025)। कोकबोरोक कोक ते कोक्रबाई चुबाचु बिजप। खुम्बुई बिजाप करीमा नोक।	कोकबोरोक
18	देबबर्मा, डीके (2024)। जोरानी याकपालो ताबुक। कोकबोरोक साहित्य सभा।	कोकबोरोक
19	देबबर्मा, डीके (2025)। तिपरा लुकु हुकुमनी मारी। कोकबोरोक साहित्य सभा।	कोकबोरोक
20	देबबर्मा, डीके (2025)। कोकबोरोक कोकवाखालनी खुमतांग। कोकबोरोक साहित्य सभा।	कोकबोरोक
21	देबबर्मा, डीके (एनडी)। बिसिरानी मलखुल। कोकबोरोक साहित्य सभा।	कोकबोरोक
22	सिन्हा, आरएम (2025)। सांस्कृतिक शब्दकोश बनाने के लिए प्रश्नावली (आईसीएसएसआर का एक हिस्सा डिजिटल भाषा और सांस्कृतिक विरासत पर प्रमुख शोध परियोजना प्रायोजित है)। मोनाली लोंगमलाई।	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
23	रॉय चौधुरी, एस. (2025)। एप्लीकेशन ऑफ माइक्रोबियल टेक्नॉलाजी इन वेस्टवाटर ट्रीटमेंट एंड बॉयोइनर्जी रिकवरी। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड	सूक्ष्मजैविकी
24	सरमा, एजे (2024)। कांट का नैतिक विश्वास। मोतीलाल बनारसीदास।	दर्शनशास्त्र
25	पौडयाल, एस. (2024)। शंकर, लेविनास और परंपरा का महत्वपूर्ण विनियोग: नैतिकता और एपोफैसिस के विशेष संदर्भ में। मोतीलाल बनारसीदास।	दर्शनशास्त्र
26	फारूक, एसएम, युमखैबम, एएच, और दास, पीके (2024)। मूल्य और पर्यावरण शिक्षा। आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस।	शारीरिक शिक्षा

27	मित्रा, एस., और दास, पीके (2025)। शिक्षण और कोचिंग पाठ्यक्रमों के लिए बास्केटबॉल का आवश्यकतायें। आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस।	शारीरिक शिक्षा
28	मित्रा, एस., दास, पी.के., और बन्योपाध्याय, एन. (2022)। शिक्षण और कोचिंग पाठ्यक्रमों के लिए बास्केटबॉल की मूल बातें। आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस।	शारीरिक शिक्षा
29	मित्रा, एस., दास, पी.के., और बन्द्योपाध्याय, एन. (2023)। शिक्षण और कोचिंग पाठ्यक्रमों के लिए बास्केटबॉल खेलने की रणनीति। आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस।	शारीरिक शिक्षा
30	हुसैन, एसए (2025)। लैंगमुइर-ब्लोडगेट फिल्में: अनुप्रयोगों के लिए बुनियादी बातें। एल्सेवियर।	भौतिक विज्ञान
31	बंधु, वी. (2025)। धर्मशास्त्रस्य अधुनिकविधिविज्ञानस्य च अन्तःसम्बन्धः [धार्मिक शास्त्रों और आधुनिक विज्ञान के बीच अंतर्संबंध]। श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय।	संस्कृत
32	अली, एस. (2018)। अल्पसंख्यक राजनीतिः त्रिपुरा का एक व्यवहार अध्ययन। व्यासदेब पब्लिशर्स।	शिक्षा विद्यापीठ

क्रम सं.	प्रकाशित पुस्तक अध्याय	विभाग
1	देब, एम. (एनडी)। 'हेमेंद्र कुमार रोयर किशोर-भौतिक गोलपो'। टी. एस. महापात्रा और आर. इस्लाम (सं.), 'भूतकथा' (पृ. 234-258) में। ओबुओप्रोयस।	बांग्ला
2	देब, एम. (2024, 13 अक्टूबर)। 'वर्षा परंपरा, अध्यात्मिकता ओ साहित्याचार्याय दरवेश मवाला'। एम. एम. एन. अल कुरैशी (सं.), 'नक्षत्रराजिर अस्ताचल' (पृ. 178-188) में। नूरिया बिशु दरबार शरीफ।	बांग्ला
3	चकमा, पीके (2024, 13 अक्टूबर)। 'प्रोक्रितो मानुष होयर खेतरे दरवेश मओला (राह) एर शिखा। एम. एम. एन. अल कुरैशी (सं.), 'नक्षत्राजिर अस्ताचल' (पृ. 189-191) में। नूरिया बिशु दरबार शरीफ।	बांग्ला
4	चकमा, पीके (2024, अगस्त)। 'लोकसांगस्कृतिबिड निर्मल दास'। आर. सी. पॉल (सं.) में, 'निर्मल दास: जीवन ओ साहित्य (सम्माननोन ग्रंथो) (पृष्ठ 25-33)। पुरबामेग प्रकाशन।	बांग्ला
5	धार, सी., और चक्रवर्ती, के. (2025)। जैव नियंत्रण एजेंट के रूप में ट्राइकोडर्मा की प्रभावकारिता। डी. दास (सं.), इकोलॉजी एंड बॉयोडॉयवर्सिटी (पृ. 10-25) में। भूमि प्रकाशन।	वनस्पति विज्ञान
6	रियांग, एम., और चक्रवर्ती, के. (2025)। हॉजसोनिया मैक्रोकार्पा (कुकुर्बिटेसी): त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत से एक कमजोर पारंपरिक अखरोट और संभावित उच्च उपज वाला तिलहन। डी. दास (सं.), इकोलॉजी एंड बॉयोडॉयवर्सिटी (पृ. 95-101) में। भूमि प्रकाशन।	वनस्पति विज्ञान
7	चक्रवर्ती, के., और दास, पी. (2025)। अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल कवक: टिकाऊ कृषि के लिए एक संभावित माइकोराइजोस्फेरिक कवक। डी. दास (सं.), इकोलॉजी एंड बॉयोडॉयवर्सिटी (पृ. 131-142) में। भूमि प्रकाशन।	वनस्पति विज्ञान
8	चक्रवर्ती, के., और पॉल, सी. (2025)। त्रिपुरा में कृमि रोगों के इलाज के लिए उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक औषधीय पौधों का एक नृवंशशास्त्रीय अध्ययन। डी. दास (सं.), इकोलॉजी एंड बॉयोडॉयवर्सिटी (पृष्ठ 153-170) में। भूमि प्रकाशन।	वनस्पति विज्ञान
9	धार, सी., और चक्रवर्ती, के. (2025)। औषधीय रूप से महत्वपूर्ण फाइटोरिसोर्सेज के जर्मप्लाज्म संरक्षण के लिए रणनीतियाँ। एस. सी. नाइक (सं.) में, इमर्जिंग ट्रेंड्स इन मेडिकल साइंसेस (पृष्ठ 97-118)। एकीकृत प्रकाशन।	वनस्पति विज्ञान
10	रियांग, एम., और चक्रवर्ती, के. (2024)। स्वदेशी ज्ञान का दोहन: त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न समुदायों के बीच नृवंशविज्ञान ज्ञान और पौधे आधारित चिकित्सा। ए. मिद्या और एस. गुरुनाथन (सं.) में, एडवांसेस रिसर्च इन एग्रीकल्चरल साइंसेस (पीपी. 1-21)। कॉर्नस प्रकाशन।	वनस्पति विज्ञान
11	भगवती, एम., धार, सी., सरमा, डी., दास, एम., और दत्ता, बीके (2024)। बेहतर कृषि स्थिरता की दिशा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एकीकरण। एस. अधिकार, एम. भट्टाचार्जी, और ए. सिन्हा (सं.), साइंस फॉर इन्क्लूजिव डेवलपमेंट, प्रौद्योगिकी और नवाचार की एक बुनियादी पुस्तिका (पृष्ठ 71-85) में। आईएपीएच।	वनस्पति विज्ञान
12	मिली, एम., डोले, टी., दास, एस., और दत्ता, बीके (2025)। क्लियोम हौटैना Schltdl के प्रजनन लक्षणों की खोज: एक अत्यधिक औषधीय सड़क कगार वाला पौधा। इमर्जिंग पैराडिग्म इन बॉयोलॉजिकल साइंसेस। नेशनल प्रेस एसोसिएट्स।	वनस्पति विज्ञान
13	बोस, ए., दास, एस., मिली, एम., और दत्ता, बीके (2025)। परागण पारिस्थितिकी और अर्गेरिया कैपिटिफॉर्मिस(पॉइर.) की संगतता प्रणाली ओस्टस्ट्र। डी. दास (सं.), इकोलॉजी एंड बॉयोडॉयवर्सिटी । भूमि प्रकाशन।	वनस्पति विज्ञान
14	भगवती, एम., और दत्ता, बीके (एन.डी.)। पीने के पानी के स्रोतों से आर्सेनिक (एएस) का नैनोपार्टिकल-सहायता प्राप्त माइक्रोबियल हटाना। [पुस्तक का शीर्षक] में। [प्रकाशक]।	वनस्पति विज्ञान
15	बैद्य, एस., नाथ, एच., और साहू, ए. (2024)। एक सामान्य फ्लूइडाइज्ड बेड कॉलम के एंसिस और एस्पेन प्लस सिमुलेशन का तुलनात्मक अध्ययन-पर्यावरणीय स्थिरता के लिए उन्नत हरित दृष्टिकोण। एम. पी. शाह एंड ए. पी. दास (सं.), एडवांस ग्रीन टेक्नॉलॉजी फॉर इन्वायर्नमेंट सस्टेनेबिलिटी एंड सर्कुलर इकोनॉमी(पीपी 1-17)। टेलर और फ्रांसिस।	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग
16	नाथ, एच., और रियांग, एस. (2024)। एकीकृत यूएफ और आरओ झिल्लियों का उपयोग करके असंसाधित जल से सर्फेक्टेंट और पीने योग्य पानी की पुनर्प्राप्ति - अपशिष्ट पुनर्चक्रण, पुन: उपयोग और मूल्यवर्धित उत्पादों की पुनर्प्राप्ति की एक विशिष्ट विधि। एम. पी. शाह और ए. पी. दास (सं.) में, एडवांस ग्रीन टेक्नॉलॉजी फॉर इन्वायर्नमेंट सस्टेनेबिलिटी एंड सर्कुलर इकोनॉमी (पीपी 18-32)। टेलर और फ्रांसिस।	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग

17	मोहंती, एम., मोहंती, जे., प्रियदर्शिनी, एस., रोड्रिग्ज-डियाज़, जेएम, यादव, एस., कैब्रल-पिंटो, एमएमएस, नाथ, एच., राम, डीके, रेड्डी, जीके, और दास, एपी (2025)। पर्यावरण हाइड्रोकार्बन प्रदूषक: स्रोत, परिवहन और मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव। आई. डी. बेहरा और ए. पी. दास (सं.) में, इन्वायर्नमेंटल हाइड्रोकॉर्बन पॉलूसन एंड जीरो वेस्ट एप्रेच दुवर्ड्स ए सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट। स्प्रिंगर।	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग
18	स्वैन, एस., सुधा, एमपी, डे, एस., बाडू, वाई., भोई, एसआर, अलरेशिदी, एमए, कासिम, एमटी, नाथ, एच., राम, डीके, और दास, एपी (2025)। समुद्री निकायों में सूक्ष्म और नैनो प्लास्टिक हाइड्रोकार्बन प्रदूषकों के स्रोत और उनका उपचार। आई. डी. बेहरा और ए. पी. दास (सं.) में, इन्वायर्नमेंटल हाइड्रोकॉर्बन पॉलूसन एंड जीरो वेस्ट एप्रेच दुवर्ड्स ए सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट (पृष्ठ 21-44)। स्प्रिंगर।	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग
19	रेड्डी, केजी, अल्लम, एस.एस.टी., गेसेम, ए., गोविंद, जी., तुम्मालाचार्ला, पी., रामकृष्णन, जी., यादव, के.के., नाथ, एच., राम, डी.के., और दास, एपी (2025)। औद्योगिक हाइड्रोकार्बन और अपशिष्ट प्रबंधन में शून्य अपशिष्ट पहल। आई. डी. बेहरा और ए. पी. दास (सं.) में, इन्वायर्नमेंटल हाइड्रोकॉर्बन पॉलूसन एंड जीरो वेस्ट एप्रेच दुवर्ड्स ए सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट (पृष्ठ 45-68)। स्प्रिंगर।	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग
20	कोटेश्वर, जी.आर., भार्गवी, एस., यमुना, डी., देवी, एमए, कुमार, जी.जे.एल., मानस, टी., आदर्श, एस., साई, वी.बी., नाथ, एच., अलरेशिदी, एमए, टोगुन, एच., राम, डी.के., और दास, एपी (2025)। समुद्री हाइड्रोकार्बन और प्लास्टिक प्रदूषकों के उपचार में हाल की प्रगति। आई. डी. बेहरा और ए. पी. दास (सं.) में, इन्वायर्नमेंटल हाइड्रोकॉर्बन पॉलूसन एंड जीरो वेस्ट एप्रेच दुवर्ड्स ए सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट (पृष्ठ 105-126)। स्प्रिंगर।	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग
21	दास, ए., डे, एस., गेसेम, ए., यादव, केके, नाथ, एच., राम, डी.के., और दास, एपी (2025)। ठोस हाइड्रोकार्बन सोर्सिंग में क्रांति: प्लास्टिक की कचरे से पुनर्चक्रित खजाने तक की यात्रा। आई. डी. बेहरा और ए. पी. दास (सं.) में, इन्वायर्नमेंटल हाइड्रोकॉर्बन पॉलूसन एंड जीरो वेस्ट एप्रेच दुवर्ड्स ए सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट (पृष्ठ 127-142)। स्प्रिंगर।	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग
22	साहू, टी., श्रीवास्तव, पी., चंद्रा, ए., बिस्वास, एस.के., और सुब्बा रेड्डी, बीवी (2024)। मौखिक रूप से सक्रिय कोविड-19 (SARS-CoV-2) एंटीवायरल दवा मोल्नुपिराविर की जैविक गतिविधि और संश्लेषण। एस. अधिकारी, एम. भट्टाचार्य, एवं ए. सिन्हा (सं.), साइंस फॉर इन्क्लूसिव डेवलपमेंट, प्रौद्योगिकी और नवाचार की आधारभूत हस्तपुस्तिका में। (खंड 1, पृष्ठ 13-39)। इंटरनेशनल एकेडमिक पब्लिशिंग हाउस (आईएपीएच)।	रसायन विज्ञान
23	देब, आर. (2024)। भारतीय विश्वविद्यालयों में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में सफल होना। एस. सी. दास (सं.) में,रिसर्च इनवायर्नमेंट इन सोसल साइंस सब्जेक्ट्स इन इंडिया (पृष्ठ 93-105)। रिलायंस पब्लिशिंग हाउस।	वाणिज्य
24	रॉय, सी. (2025)। त्रिपुरा में हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के बुनकरों और कारीगरों की वर्तमान स्थिति पर अध्ययन। एस. बनिक, ए. दास, और ए. नाथ (सं.), स्पेक्ट्रम क्रिटिकल एप्रोचेज ऑन डेवलपमेंट एंड गवर्नेंस इन इंडिया(पृष्ठ 263-276)। पैंस्टर प्रकाशन।	वाणिज्य
25	चक्रवर्ती, एस., चक्रवर्ती, एस., और मजूमदार, ए. (2024)। शार्डिंग का उपयोग करके ब्लॉकचेन की स्केलेबिलिटी। पी. डशोर और आर. डशोर (सं.) में,इन्स्यूरिंग सिक्योरिटी एंड इंड टु इंड विजिबिलिटी थ्रू ब्लॉकचेन एंड डिजिटल ट्विन्स (पीपी 326-349)। आईजीआई ग्लोबल।	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
26	चटर्जी, आर. (2024)। त्रिपुरा में सतत ग्रामीण आजीविका विकास पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का प्रभाव। ए. चक्रवर्ती, जी. चक्रवर्ती, और ए. एस. चक्रवर्ती (सं.), इंडिजेनेटी, डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी: पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम नॉर्थईस्ट इंडिया (पीपी. 395-422) में। स्प्रिंगर।	सीएसईआईपी
27	दास, एस., और होक, ए. (2025)। नई पेटेंट व्यवस्था में भारत की दवाओं और फार्मास्युटिकल उद्योग की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता: सार्क देशों के विशेष संदर्भ में एक अनुभवजन्य विश्लेषण। एस. दास, एस. शाह, और पी. दास (सं.), भारत और पड़ोसी देशों के बीच विकास सहयोग: संभावनाएं और चुनौतियां (पृष्ठ 55-82)। संबद्ध प्रकाशक।	अर्थशास्त्र
28	दास, एस., और भौमिक, के. (2024)। बिम्सटेक देशों के बीच अनाजों की उत्पादकता में बदलाव और व्यापार संबंधों में बदलाव। आर. सी. दास (सं.) में, सतत कृषि प्रथाएं: आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव (पृष्ठ 11-26)। पन्ना प्रकाशन। https://doi.org/10.1108/9781836083368	अर्थशास्त्र
29	दास, एस., और दास, एम. (2025)। बराक घाटी में ग्रामीण और शहरी डिग्री कॉलेजों में बुनियादी ढांचे, प्रदर्शन और नामांकन की मांग। एस. मित्रा (सं.), ग्रामीण आवास, पर्यावरण और विकास: बदलती प्रकृति और चुनौतियाँ (पृष्ठ 159-181) में। ईबीएच प्रकाशक।	अर्थशास्त्र
30	दास, एस. (2024)। भारत के कमोडिटी डेरिवेटिव बाजार के भौगोलिक फैलाव को प्राप्त करना - इसमें क्या लगता है। एच. के. भानवाला (सं.) में, कमोडिटी इनसाइट्स: ईयर बुक 2024 (पृष्ठ 62-65)। आईआईएम, बैंगलोर और एमसीएक्स लिमिटेड	अर्थशास्त्र

31	शाह, एस., सैकिया, बी., और दास, पी. (2025)। स्वास्थ्य और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा: भारत और चीन के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन। एस. दास, एस. शाह, और पी. दास (सं.) में, भारत और पड़ोसी देशों के बीच विकास सहयोग: संभावनाएं और चुनौतियां (पृष्ठ 41-54)। संबद्ध प्रकाशक।	अर्थशास्त्र
32	देबनाथ, एन., और शाह, एस. (2025)। घरेलू स्तर के आंकड़ों का उपयोग करते हुए ग्रामीण और शहरी के बीच बहुआयामी मानव गरीबी: भारतीय राज्यों का एक अध्ययन। एस. मित्रा (सं.), ग्रामीण आवास, पर्यावरण और विकास: बदलती प्रकृति और चुनौतियाँ (पृ. 197-219)। ईबीएच प्रकाशक।	अर्थशास्त्र
33	अहमद, एम., और साहा, पी. (2025)। कृषि पर जलवायु परिवर्तन का आर्थिक प्रभाव: भारत और बांग्लादेश का एक अनुभवजन्य अध्ययन। एस. दास, एस. शाह, और पी. दास (सं.) में, भारत और पड़ोसी देशों के बीच विकास सहयोग: संभावनाएं और चुनौतियां (पृष्ठ 151-182)। संबद्ध प्रकाशक।	अर्थशास्त्र
34	देब, जी. (2024)। प्रतिक्रियाशील शक्ति आधारित विधियों का उपयोग करके एक मल्टीबस पावर सिस्टम की सबसे कमजोर बस पहचान। एस. मित्रा, ए. के. साहा, और एस. मजूमदार (सं.), न्यू होराइजॉन इन हायर एजुकेशन एंड मल्टीडिसिप्लीनरी रिसर्च इंटरफेस (पीपी. 73-83)। आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस।	विद्युत अभियांत्रिकी
35	गुप्ता, पीएस (2024)। लक्ष्मी और अलक्ष्मी: द्वंद्व की खोज की गई [अनुवाद]। एन. गोखले और एम. लाल (सं.), ट्रेजर्स ऑफ लक्ष्मी: द देवी हू गिव्स (पृ. 275-278) में। पेंगुइन बुक्स।	अंग्रेज़ी
36	दास, ए. (2024)। भारत में अंग्रेजी अध्ययन: मैकाले से 2047 तक। ए. गोप, ए. दास, एट अल (सं.), विकसित भारत: ए विजन फॉर द फ्यूचर (पृ. 29-32) में। नया पुस्तक महल।	अंग्रेज़ी
37	सिन्हा, ए.के., रियांग, एम.के., और देब, एस. (2024)। झाड़ू घास का प्रसंस्करण और क्षमता (थायसानोलेना लैटिफोलिया)। टी. ए. सिंह, पी. सारंगी, और बी. सिंह (सं.) में, वैल्यू प्लांट्स: नोवेल इनसाइट्स एंड बायोटेक्नोलॉजिकल एडवांसेज। ऐप्पल एकेडमिक प्रेस, टेलर और फ्रांसिस ग्रुप।	वानिकी और जैव विविधता
38	बर्मन, पी., देब, एस., घोष, जे., और गोसावी, वी. (2024)। पूर्वोत्तर भारत के त्रिपुरा के धलाई जिले में जल सुरक्षा के लिए स्प्रिंगशेड प्रबंधन। एम. एस. लोधी (सं.) में, एनविस बुलेटिन-हिमालयन पारिस्थितिकी (पृष्ठ 120-124)। जीबीपी-एनआईएचई कोसी-कतरमल, अल्मोड़ा, उत्तराखंड।	वानिकी और जैव विविधता
39	चौधरी, बी.डी., भट्टाचार्जी, ए., और देबनाथ, बी. (2024)। "अगरवुड तेल उत्पादन में एंडोफाइटिक रोगाणु Aquilaria malaccensis Lam. सामाजिक आर्थिक विकास के लिए जैव-संसाधनों को विकसित करना। एम. पी. शाह और ए. पी. दास (सं.) में, एडवांस्ड ग्रीन टेक्नॉलॉजी फॉर इन्वायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड सर्कुलर इकोनॉमी (पृष्ठ 278)। सीआरसी प्रेस। https://doi.org/10.1201/9781003517108	वानिकी और जैव विविधता
40	देबनाथ, पी., और मित्रा, एस. (2025)। मशीन लर्निंग तकनीक के माध्यम से परिदृश्य परिवर्तन पर सड़क टोपोलॉजी की स्थानिक व्यवस्था का प्रभाव: सबरूम, भारत और रामगढ़, बांग्लादेश से साक्ष्य। एस. दास, एस. शाह, और पी. दास (सं.) में, भारत और पड़ोसी देशों के बीच विकास सहयोग: संभावनाएं और चुनौतियां। संबद्ध प्रकाशक।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
41	राय, डी., और कृष्णैया, वाईवी (2025)। सिक्किम में पर्यटन विकास और अर्थव्यवस्था के बीच संबंधों का विश्लेषण: एक व्यापक विश्लेषण और भविष्य के रुझान। एस. एन. बिस्वास, के. एन. एल. कुमार, एस. के. सक्सेना, और पी. कुमार (सं.), पूर्वोत्तर भारत में सतत पर्यटन: शिक्षा, नवाचार और उभरते रुझान (पृष्ठ 25-38) में। एविंसेपब पब्लिशिंग।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
42	मिश्रा, एम. (2024)। प्रो महादेव चक्रवर्ती- जैसा कि मैं जानता था सर। यू. बंद्योपाध्याय, टी. चक्रवर्ती, और ए. चक्रवर्ती (सं.), फुरे जा ता फुरे सुधु छोखे (पृ. 55-59) में। अभिभावक प्रकाशन।	इतिहास
43	रियांग, एल. (2024)। स्वदेशी समाज में स्वदेशी ज्ञान और संरक्षण प्रथाएं। आर. एन. सेन (सं.) में, स्वदेशी ज्ञान और अभ्यास (पृष्ठ 3-5)। आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस।	इतिहास
44	सिंह, के.एन., सिंह, एस.ए., कीशम, एन., थोंगम, के., और मजूमदार, एस. (2025)। इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम का उपयोग करके सीखने के आधार पर अतालता वर्गीकरण को स्थानांतरित करें। एस. एल. त्रिपाठी, एम. महमूद, वी. ई. बालास, और एस. बनर्जी (सं.), मशीन लर्निंग मॉडल एंड आर्किटेक्चर फॉर बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग (पीपी. 43-65) में। अकादमिक प्रेस।	सूचना प्रौद्योगिकी
45	दास, एस., मिश्रा, एम., और मजूमदार, एस. (2024)। सीएनएन मॉडल रेसनेट -50 का उपयोग करके रेटिना फंडस छवियों से मधुमेह रेटिनोपैथी का पता लगाना। एन. एच. सिंह, यू. कोसे, और एस. पी. गोछायात (सं.), डीप लर्निंग इन बायोमेडिकल सिग्नल एंड मेडिकल इमेजिंग (पीपी. 1-13)। सीआरसी प्रेस।	सूचना प्रौद्योगिकी

46	दास, एस., मिश्रा, एम., और मजूमदार, एस. (2024)। "कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क मॉडल, Xception का उपयोग करके रेटिना फंडस छवियों से ग्लूकोमा का स्वचालित पता लगाना"। पी. के. शुक्ला, एच. शर्मा, और आर. मल्लीपेड्डी (सं.), वर्ल्ड कॉन्ग्रेस इन स्मार्ट कंप्यूटिंग: डब्ल्यूसीएससी 2024 में। स्मार्ट टेक्नोलॉजीज में अध्ययन (पीपी 195-204)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।	सूचना प्रौद्योगिकी
47	प्रमाणिक, ए.के., पाल, जे., और सेन, बी. (2025)। QCA में नियमित क्लॉकिंग-आधारित पूर्ण सबट्रैक्टर का संश्लेषण और विश्लेषण। एस. कामिल्या, एस. दास, और ई. फोरमेंटी (सं.),कम्युनिकेशन इन कंप्यूटर एंड इन्फर्मेशन साइंसेस (पीपी. 219-228) में। स्प्रिंगर, चाम।	सूचना प्रौद्योगिकी
48	दास, बी., हुसैन, एमआर, रॉय, एस., गोडी, आरके, सेन, बी., पाल, जे., और दास, ए. (2025)। विशेष रूप से सक्षम व्यक्ति के लिए सांकेतिक भाषा आधारित आभासी सहायक: एक एचसीआई परिप्रेक्ष्य। जी. एच. एल., एफ. फ्लेमिनी, और एसजे (सं.), डेटा साइंस एंड एक्स्प्लोरेशन इन आर्टीफीसियल इंटेलीजेंस(पीपी. 501-507) में। सीआरसी प्रेस।	सूचना प्रौद्योगिकी
49	दास, बी., और पाल, जे. (2024)। सहायक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एसटीईएम को विशेष रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अधिक सुलभ बनाने की चुनौतियों और अवसरों की खोज करना। एनआईसीईडीटी 2024 में पी. शिवकुमार, एस. महंत, और वाई. जे. सिंह (सं.)। नेटवर्क और सिस्टम में व्याख्यान नोट्स (पीपी 497-511)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।	सूचना प्रौद्योगिकी
50	रहमान, एम., और उपाध्याय, डी. (2025)। डिजिटल युग में पत्रकारिता को बनाए रखना: डिजिटल समाचार मीडिया में सदस्यता मॉडल का उदय। पी. देबनाथ और एस. डे (सं.) में, 21वीं सदी में व्यापार, अर्थशास्त्र, मीडिया और वित्तीय सेवाओं के उभरते आयाम (पृष्ठ 120-132)। भारती प्रकाशन।	पत्रकारिता और जनसंचार
51	रॉय, एन., और गायन, एमए (2025)। दक्षिण-एशियाई राष्ट्रीय पुस्तकालयों में वेब-ओपीएसी की पहुंच और तकनीकी दक्षता। आर. सी. गौर एट अल (सं.), विरासत में गर्व करना: विकसित भारत के लिए पुस्तकालय और अभिलेखागार (पृष्ठ 84-98)। एक्सेल इंडिया।	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
52	सुआंक, के. (2025)। स्वदेशी ज्ञान के संचरण में सांस्कृतिक मान्यताओं का महत्व: वैफेई समुदाय का एक केस स्टडी। एस. मैत्रा और एम. भट्टाचार्य (सं.), द फोक कल्चर्स ऑफ इंडिया: ए मीडियम फॉर इंडिजिनस नॉलेज फॉर्मेशन (पृ. 12-19) में। वैश्विक लेखक प्रकाशन।	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
53	मैती, डी., डी., डी., और खान, जीजी (2025)। ब्लैक फास्फोरस समाधान-चरण तैयारी और ऊर्जा रूपांतरण में अनुप्रयोग। एम. सिंह, ए. के. सिंह, और बी. पानी (सं.) में, लेयर्ड नैनोमटेरियल्स फॉर सॉल्यूसन प्रोसेस्ड ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स(पीपी. 251-294)। सीआरसी प्रेस।	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
54	मजूमदार, डी., और रूपा, पीकेपी (2025)। एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्लूरोनिक F-127 आधारित एल्यूमिना स्याही की तैयारी और गुण। एस. चक्रवर्ती, आर. डी. मिश्रा, पी. के. पटोवारी, और पी. चक्रवर्ती (सं.), एडवांसेज इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग (पीपी. 1-8) में। स्प्रिंगर प्रकृति।	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
55	मजूमदार, डी., और रूपा, पीकेपी (2024)। एल्यूमिना का तीन अंतराल थिक्सोट्रॉपी परीक्षण (3ITT) 14 wt% प्लूरोनिक F-127 हाइड्रोजेल में और पीवीए के साथ योजक के रूप में फैलाव। पी. साहू और टी. के. बर्मन (सं.), एडवांसेस इन मटेरियल मैनुफैक्चरिंग एंड डिजाइन (पृष्ठ 105-118)। स्प्रिंगर प्रकृति।	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
56	पाल, पी., और रूपा, पी.के.पी. (2025)। प्रत्यक्ष स्याही लेखन के लिए Al2O3-TiO2 मिश्रित स्याही की रियोलॉजिकल विशेषताएं। ए. मुखोपाध्याय और के. घोष (सं.), एडवांसेस इन थर्मो-फ्लुइड इंजीनियरिंग (पृष्ठ 447-487) में। स्प्रिंगर प्रकृति।	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
57	मजूमदार, डी., और रूपा, पीकेपी (2024)। प्लूरोनिक F-127 आधारित Al2O3 स्याही की मुद्रण क्षमता के पहलू। एस. मित्रा, ए. के. साहा, और एस. मजूमदार (सं.),न्यू होराइजन इन हायर एजुकेशन एंड रिसर्च: मल्टीडिसिप्लीनरी इंटरफेस (पीपी. 281-291)। आकांक्षा पब्लिशिंग।	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
58	पाल, पी., और रूपा, पी.के.पी. (2024)। 1 wt.% मिथाइल सेलुलोज़ के साथ 97Al2O3-3TiO2 मिश्रित स्याही का मुद्रण क्षमता अध्ययन। एस. मित्रा, ए. के. साहा, और एस. मजूमदार (सं.), न्यू होराइजन ऑन हायर एजुकेशन एंड रिसर्च : मल्टीडिसिप्लीनरी इंटरफेस (पृष्ठ 292-302)। आकांक्षा पब्लिशिंग।	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
59	दास, एस., दास, आर., त्रिपाठी, बी.सी., और प्रमाणिक, एस. (2024)। अंतराल-मूल्यवान न्यूट्रोसोफिक टोपोलॉजिकल स्पेस के माध्यम से, अंतराल-मूल्यवान न्यूट्रोसोफिक बी-ओपन सेट। एफ. स्मरंडाचे और एस. प्रमाणिक (सं.) में, न्यू ट्रेन्ड्स इन न्यूट्रोसोफिक थ्योरीज एंड एप्लीकेशन्स (पृष्ठ 1-10)। ज़ेनोडो। https://doi.org/10.5281/zenodo.12510823	गणित

60	दास, ए.के., गुप्ता, एन., महमूद, टी., त्रिपाठी, बीसी, दास, आर., और दास, एस. (2025)। जल प्रदूषण रेटिंग के लिए भारित झिझक फजी सॉफ्ट सेट का उपयोग करके एक कुशल जल गुणवत्ता मूल्यांकन मॉडल। ए. कुमार, पी. कुमार, एस. राठी, और बी. कुमार (सं.), मेक्ट्रोनिक्स: कॉन्सेप्ट्स, टूल्स, एप्लीकेशन एंड न्यू ट्रेंड्स (पृष्ठ 17) में। सीआरसी प्रेस। https://doi.org/10.1201/9781003494478-10	गणित
61	दास, ए.के., दास, आर., दत्ता, आर., और ग्रेनाडोस, सी. (2025)। भारित हाइपरसॉफ्ट विशेषज्ञ प्रणाली के आधार पर समूह निर्णय लेने के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण। एफ. स्मारंडचे, एम. जेडीआईडी, और एम. लेवा-वाज़क्वेज़ (सं.), एप्लाइड गणित के लिए न्यूट्रोसोफिक और प्लिथोजेनिक इन्वेंट्री मॉडल (पीपी. 483-518) में। आईजीआई ग्लोबल। https://doi.org/10.4018/979-8-3693-3204-7.ch019	गणित
62	रॉय चौधुरी, एस., गोगोई, एम., मोदक, ए., और दास, एस. (2024)। डेयरी अपशिष्ट जल को मूल्य वर्धित उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए माइक्रोबियल गठजोड़ एम. पी. शाह और ए. पी. दास (सं.) में, एडवांस्ड ग्रीन टेक्नॉलॉजी फॉर इन्वायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड सर्कुलर इकोनॉमी (पीपी 48-63)। टेलर और फ्रांसिस।	सूक्ष्मजैविकी
63	रॉय चौधुरी, एस., बिस्वास, टी., और मुखर्जी, आई. (2024)। स्व-सफाई मछलीघर: अमोनिया बायोरेमेडिएशन के लिए माइक्रोबियल बायोफिल्म दृष्टिकोण। एच. ठटोई, एस. महापात्र, एस. के. दास, और एस. के. प्रधान (सं.), एप्लाइड बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइन्फॉर्मेटिक्स (पीपी. 347-368) में। विली।	सूक्ष्मजैविकी
64	रॉय चौधुरी, एस., गोगोई, एम., मोमिन, जी., चंदा, सी., देबबर्मा, ए., श्रीनिवास, पी., और सुदर्शन, एम. (2025)। डेयरी अपशिष्ट जल उपचार के लिए उन्नत रणनीतियाँ: एक दृष्टिकोण। आर. कास्ट्रो-मुनोज़ (सं.), एडवांस टेक्नॉलॉजीज इन वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट फुड, फॉर्मास्युटिकल एंड केमिकल इंडस्ट्री। खाद्य, दवा और रासायनिक उद्योग (पीपी 273-310)। एल्सेवियर।	सूक्ष्मजैविकी
65	बोरठाकुर, डी., शर्मा, बी.के., और अजमेरा, एस. (2025)। "किण्वित खाद्य पदार्थों से स्वाद उत्पादन के लिए जिम्मेदार ग्राम-पॉजिटिव बैक्टीरिया का अलगाव"। ए. एस. नारायणन (सं.) में, ग्राम पॉजिटिव बैक्टीरियल फुड बोर्न पैथोजेन्स (पीपी. 33-39)। स्प्रिंगर।	सूक्ष्मजैविकी
66	बसु, एस., भट्टाचार्य, आर., और शर्मा, बीके (2024)। चिकित्सा विज्ञान में बायोमार्कर की भूमिका। आईआईपी बोर्ड ऑफ एडिटर्स (एड) में, फ्यूचर ट्रेंड्स इन बॉयो टेक्नॉलाजीज खंड 3 पुस्तक में (पीपी 1-41)। पुनरावृत्त अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक।	सूक्ष्मजैविकी
67	युमनम, बी.ए., बसु, एस., बोरगोहेन, के., और शर्मा, बीके (2024)। पूर्वोत्तर भारत में किण्वन प्रौद्योगिकी अभ्यास - किण्वित खाद्य पदार्थ और मादक पेय। आईआईपी बोर्ड ऑफ एडिटर्स (एड.) में, फ्यूचर ट्रेंड्स इन एग्रो इंजीनियरिंग एंड फुड साइंसेस खंड 3 पुस्तक 8 (पृष्ठ 21-31)। पुनरावृत्त अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक।	सूक्ष्मजैविकी
68	बोरगोहेन, के., धार, आर., और शर्मा, बीके (2024)। बायोरेमेडिएशन के तरीके और हरित और टिकाऊ पर्यावरण को बढ़ाने के लिए उनकी हालिया प्रगति। आईआईपी बोर्ड ऑफ एडिटर्स (एड) में, फ्यूचर ट्रेंड्स इन बॉयो टेक्नॉलाजीज खंड 3, पुस्तक 24, भाग 2 (पृष्ठ 222-231) में। इटरेटिव अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक।	सूक्ष्मजैविकी
69	बोरगोहेन, के., डे, पी., भुयान, आर., नाथ, एस., और शर्मा, बीके (2025)। सूक्ष्म शैवाल और मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्र के स्थायी स्वास्थ्य के लिए इसकी भूमिका और महत्व: एक अवलोकन। एक्सप्लोरिंग द क्रियेटिव नेक्सस खंड 1 (पृष्ठ 87-112)।	सूक्ष्मजैविकी
70	बसु, एस., रिंबाई, एमए, देब, पी., रॉय, ए., और शर्मा, बीके (2025)। खतरनाक सिंथेटिक प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए माइक्रोबियल मूल के पर्यावरण के अनुकूल प्लास्टिक की संभावना। एक्सप्लोरिंग द क्रियेटिव नेक्सस, खंड 1 (पृष्ठ 113-138)।	सूक्ष्मजैविकी
71	युमनम, बी.ए., दास, एस.के., पोद्दार, एस., डे, एस., और शर्मा, बीके (2025)। पॉलिमर चांदी के नैनोकणों को संयुग्मित करता है: बहु-दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया से निपटने के लिए एक आशाजनक हरित दृष्टिकोण। एक्सप्लोरिंग द क्रियेटिव नेक्सस, खंड 1 (पृष्ठ 19-37)।	सूक्ष्मजैविकी
72	राय, एस., दत्ता, बी., अहमद, एस., दहल, एन., और कुमार, आर. (2025)। जलवायु परिवर्तन और कृषि पारिस्थितिकी तंत्र: रोगाणुओं और मिट्टी की माइक्रोबियल विविधता पर अनदेखे परिणाम। यू. पंकज, पी. बेबेले, और ए. के. सिंह (सं.), प्लांट माइक्रोबॉयोम इंटरैक्शन फॉर क्लाइमेंट रेसिलेन्ट एग्रीकल्चर (पीपी. 41-72) में। स्प्रिंगर नेचर।	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
73	दास, एस., रियांग, ए., और घोष, ए. (2025)। कार्बोहाइड्रेट-सक्रिय एंजाइमों से जुड़े संरचना, कक्षाएं, डेटाबेस और जैव सूचना विज्ञान उपकरण। ए. के. वर्मा (सं.), कार्बोहाइड्रेट एक्टिव एंजाइम (CAZymes): बॉयोटेक्नॉलॉजिकल एप्लीकेशन फॉर मिटिगेशन ऑफ क्लाइमेंट चेन्ज। सीआरसी प्रेस।	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान

74	देबनाथ, एस., प्रमाणिक, एस., सेठ, डी., मुखर्जी, एन., एनजी, जेसी, अवुआ, डब्ल्यूए, अब्दुल-रहमान, टी., लैंसिऑक्स, ई., नज़ीर, ए., तेनकोरांग, पीओ, मुस्तफा, एमजे, कलमनोविच, जे., सिकोरा, के., नारली, एफ., शर्मा, आर., घोष, ए., अशरफ, जीएम, और एलेक्सियो, ए. (2024)। इमर्जिंग नैनोटेक्नोलॉजीज इन ड्रग डिस्ट्रीब्यूशन : इनसाइट एंड रेगुलेटरी चैलेन्जेज। डब्ल्यू. एम. वाई. मोहम्मद (एड.) में, न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के लिए आवश्यक गाइड (पीपी. 377-395)। अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर।	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
75	अवुआ, डब्ल्यूए, योंग, बीएमओ, मिखाइलोवा, टी., एनजी, जेसी, अब्दुल-रहमान, टी., यारलागड्डा, आर., टेडेस्ची, एजे, मिटेउ, जीडी, गर्ग, टी., डेविड, एल., लैंसिऑक्स, ई., हुआंग, एच., नानसुबुगा, ई., ई., आनंद, ए., सिकोरा, के., इसिक, ए., देबनाथ, एस., प्रमाणिक, एस., सेठ, डी., एलेक्सियो, ए. (2024)। रिसेन्ट ट्रेन्ड्स ऑफ कम्प्यूटेशनल टूल्स एंड आर्टीफीसियल इंटेलीजेंस इन जेनेरिक मेडिसिन द्वावस्था चिकित्सा में कम्प्यूटेशनल उपकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वर्तमान रुझान। डब्ल्यू. एम. वाई. मोहम्मद (एड.) में,एसेन्सियल गाइड टु न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसॉर्डर (पीपी. 363-374)। अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर।	आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान
76	इचुदौले, मजूमदार, आर., घोष, आर., और मन्ना, के. (2024)। संभावित कैंसर विरोधी एजेंटों की पहचान के लिए रस चिनेंसिस से फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट्स के सिलिको अध्ययन में। एस. मित्रा, ए. के. साहा, और एस. मजूमदार (सं.), नयू होराइजन ऑन हायर एजुकेशन एंड रिसर्च : मल्टीडिसिप्लीनरी इंटरफेस (पृष्ठ 339-368)। आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस।	भेषज विज्ञान
77	देबबर्मा, जी., और आचार्य, पीसी (2024)। कैनबिस और उसके डेरिवेटिव: चिकित्सा अनुप्रयोग और नियामक चुनौतियों के लिए गाइड। आर. शुक्ला, एम. हांडा, डी. पी. सिंह, और ए. धीर (सं.), कैनबिस एंड इट्स डेरिवेटिव: गाइड टू मेडिकल एप्लीकेशन एंड रेगुलेटरी चैलेंजेज (पीपी 37-91)। अकादमिक प्रेस।	भेषज विज्ञान
78	सरमा, एजे (2024)। विवेकानन्द ने भारतीय संस्कृति बनाम धर्म पर विचार किया। एस. वर्गीज (सं.), संस्कृति, परंपराएं और दर्शन (पृष्ठ 290-297) में। लेखक प्रेस।	दर्शनशास्त्र
79	सरमा, एजे (2024)। अहिंसा और शांति पर गांधी। एस. वर्गीज (सं.) में, शांति के अभ्यास: गांधीवादी अध्यात्म के समकालीन रूप (पृष्ठ 59-64)। लेखक प्रेस।	दर्शनशास्त्र
80	देबबर्मा, बी., और देबबर्मा, एन. (2024)। मनुष्य और प्रकृति के बीच संबंध। एस. शर्मा और ए. के. आचार्य (सं.) में, आज शास्त्रीय भारतीय दर्शन की प्रासंगिकता (पृष्ठ 54-62)। AAYU प्रकाशन।	दर्शनशास्त्र
81	पौडयाल, एस. (2024)। नारीवाद और भारत में पिछले दशक के इसके पहलू: अतिशोषित लोकप्रिय संस्कृति का विश्लेषण। बी. राभा, आर. सरकार, और आर. नायडिंग (सं.), महिला शिक्षा और समाज (पृष्ठ 36-41) में। मनब प्रकाशन।	दर्शनशास्त्र
82	धार, के., और फारूक, एसएम (2025)। लैक्टेट के कई दृष्टिकोणों पर सैद्धांतिक चिंतन: एक कथा समीक्षा। एल. टी. सिंह (सं.) में, एक्सप्लोरिंग करेंट ट्रेंड्स इन फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (पृष्ठ 27-44)। सनमर्ग पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।	शारीरिक शिक्षा
83	दास, पीके, और फारूक, एसएम (2025)। त्रिपुरा में खेल और सामाजिक विकास में महिलाओं की यात्रा। एल. टी. सिंह (सं.) में, एक्सप्लोरिंग करेंट ट्रेंड्स इन फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (पृष्ठ 45-64)। सनमर्ग पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।	शारीरिक शिक्षा
84	बिस्वास, एन., भट्टाचार्जी, एस.के., हुसैन, एस.ए., और भट्टाचार्जी, डी. (2025)। लैंगमुइर-ब्लॉगेट फिल्म-आणविक इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रति एक दृष्टिकोण। एसए हुसैन (एड) में, लैंगमुइर-ब्लॉगेट फिल्में: फंडामेंटल्स टू एप्लीकेशन्स (पीपी 571-601)। एल्सेवियर।	भौतिक विज्ञान
85	हुसैन, एस., मजूमदार, एस., बनिक, एच., भट्टाचार्जी, डी., और हुसैन, एसए (2025)। Langmuir-Blodgett तकनीक का आवेदन polydiacetylene चरण व्यवहार का अध्ययन करने के लिए. एसए हुसैन (एड.) में, लैंगमुइर-ब्लॉगेट फिल्में: फंडामेंटल्स टू एप्लीकेशन्स (पीपी 553-569)। एल्सेवियर।	भौतिक विज्ञान
86	देब, आर., सरकार, एस., रहमान, एफवाई, और हुसैन, एसए (2025)। प्रतिरोधक स्विचिंग उपकरणों के लिए एक उन्नत उपकरण के रूप में Langmuir-Blodgett तकनीक। एसए हुसैन (एड.), लैंगमुइर-ब्लॉगेट फिल्में: फंडामेंटल्स टू एप्लीकेशंस (पीपी 439-455)। एल्सेवियर।	भौतिक विज्ञान
87	खंडेलवाल, के., और देबनाथ, बी. (2024)। इंडो पैसिफिक में क्वाड और चीन के बीच: भारत और आसियान के लिए निहितार्थ। एस. सिंह (सं.) में, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया एक बदलती दुनिया में: एक स्थायी भविष्य के लिए संबंधों की संभावनाओं की खोज (पृष्ठ 44-56)। रूटलेज।	राजनीति विज्ञान
88	देबनाथ, बी. (2024)। म्यांमार में जातीय विभाजन और सशस्त्र विद्रोही समूह। एसएन रोमानुइक (एड.), आतंकवादी और विद्रोही समूहों की पुस्तिका: खतरों, रणनीति और विशेषताओं का एक वैश्विक सर्वेक्षण (पृष्ठ 719-728)। रूटलेज।	राजनीति विज्ञान

89	घोष, टी., और भट्टाचार्जी, ए. (2025)। किशोरों में स्वस्थ आत्मसम्मान को आकार देना: माता-पिता और साथियों के साथ लगाव की शक्ति। ए. शुक्ला और ए. दुबे (सं.), स्कूल सेटिंग्स में मानसिक स्वास्थ्य (पृष्ठ 333-351) में। मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशिंग हाउस।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
90	भौमिक, एम. (2025)। सकारात्मक मनोविज्ञान हस्तक्षेप: मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए पश्चिमी और भारतीय दृष्टिकोणों को संश्लेषित करना। आर. जोशी, आर. तिवारी, एल. एम. पंत, और डी. के. गुप्त (सं.), भारतीय और पश्चिमी आध्यात्मिक प्रतिमानों में सकारात्मक मनोविज्ञान (पृष्ठ 290-315)। ओपस प्रकाशक।	मनोविज्ञान (साइकोलॉजी)
91	गोस्वामी, एस. (2025)। पारिस्थितिकी तंत्र की वस्तुओं और सेवाओं का आर्थिक मूल्यांकन। ए. के. मंडल और ए. निकोडेमस (सं.), वन विज्ञान की पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ 407-414) में। स्प्रिंगर प्रकृति।	ग्रामीण प्रबंधन और विकास
92	सरकार, पीएस (2025)। रूब्रिक बनाने के लिए सेलफोन का उपयोग: त्रिपुरा में किशोर शिक्षा और सामाजिक सद्भाव में सुधार। एस. जानकी (सं.) में, 21वीं सदी में शांति शिक्षा (पृष्ठ 147-155)। रेडशाइन प्रकाशन।	ग्रामीण प्रबंधन और विकास
93	सरकार, पीएस (2025)। डेयरी क्षेत्र में महिला उद्यमिता। एस. बनर्जी और पी. बनर्जी (सं.), नंगे पांव उद्यमी से यूनिकॉर्न (पृष्ठ 165-185) में। रीगल प्रकाशन।	ग्रामीण प्रबंधन और विकास
94	पाणिग्रही, डी. (2024)। भारतीय दर्शन में आत्मा की प्रेरणा। एस. शर्मा और ए. आचार्य (सं.), शास्त्रीय भारतीय दर्शन की प्रासंगिकता (पृष्ठ 30-35) में। आयुः प्रकाशन।	संस्कृत
95	सील, पीएस (2024)। स्थिरचरविमर्शः [Sthiracharavimarshaḥ]. एस. के. शुक्ला (सं.), अहोरात्रवादविमर्श [अहोरात्रवादविमर्श] (पृ. 169-176) में। डीके प्रिंटवर्ल्ड।	संस्कृत
96	सील, पीएस (2024)। प्रेमभावना के वर्णन में अनुपम् कवि प्रो. अरुण रञ्जन मिश्र : एक अवलोकन [प्रेमभवन के वर्णन में अनुपम कवि प्रो. अरुण रंजन मिश्र : एक अवलोकन]। एम. वी. रमण (सं.) में, ए.आर. मिश्रा संस्कृत साहित्य में एक उत्तर आधुनिकतावादी (पृष्ठ 82-87)। शिवालिक प्रकाशन।	संस्कृत
97	दत्ता, एस., और डी, टी. (2024)। आईसीटी । जीवन विज्ञान शिक्षण के लाभ और चुनौतियां। एस. मित्रा, ए. के. साहा, और एस. मजूमदार (सं न्यू होराइजन इन हायर एजुकेशन एंड रिसर्च : मल्टी डिसिप्लीनरी इंटरफेस (पीपी. 432-444)। आकांक्षा पब्लिकेशन हाउस।	शिक्षा विद्यापीठ
98	अली, एस. (2016)। मुस्लिम अल्पसंख्यक का शैक्षिक विकास: त्रिपुरा का एक अध्ययन। एस. इस्लाम और टी. डे (सं.), [पुस्तक का शीर्षक] में। नया अकादमिक प्रकाशक।	शिक्षा विद्यापीठ
99	अली, एस. (2019)। मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को समझना। ए. एफ. ए. मलिक (सं.), मानवाधिकार में। गोरखाज्योति प्रकाशन और डिगबॉय महिला महाविद्यालय।	शिक्षा विद्यापीठ
100	अली, एस. (2020)। त्रिपुरा में जमातिया महिलाओं की स्थिति: एक मानवाधिकार दृष्टिकोण। एस. चक्रवर्ती (सं.), [पुस्तक का शीर्षक] में। एबीएस प्रकाशन।	शिक्षा विद्यापीठ
101	चकमा, पी. (2024)। त्रिपुरा में समाजशास्त्र। बी. के. नगला (सं.), भारत में समाजशास्त्र: क्षेत्र और इतिहास। रावत।	समाजशास्त्र
102	नाग, पी., और होरे, एस. (2025)। क्या ई-इष्टतमता ANCOVA मॉडल के तहत ज्ञात सहसंयोजकों के साथ संतुलन सुनिश्चित करती है? एस. मित्रा, ए. के. साहा, और एस. मजूमदार (सं.), न्यू होराइजन इन हायर एजुकेशन एंड रिसर्च (पृष्ठ 387-396) में। आकांक्षा पब्लिशर्स।	सांख्यिकी
103	दास, एस., और सिंह, एसएस (2024)। पश्चिम त्रिपुरा के जैविक और अकार्बनिक चाय बागानों में कीट चाय कीट प्रबंधन। एस. मित्रा, ए. के. साहा, और एस. मजूमदार (सं.), न्यू होराइजन इन हायर एजुकेशन एंड रिसर्च : मल्टी डिसिप्लीनरी इंटरफेस (पीपी. 410-444)। आकांक्षा प्रकाशन।	प्राणीविज्ञान

त्रिपुरा विश्वविद्यालय को प्राप्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं								
क्रम सं.	विभाग	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक	प्रायोजक संस्था	परियोजना का शीर्षक	कुल अनुदान (लाख रुपये में)	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान (लाख रुपये में)	कार्यकाल (वर्षों में)
01	भेषज विज्ञान	डॉ. प्रताप चंद्र आचार्य	-	डीबीटी	पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक ड्रग मेटाबोलॉमिक्स प्रयोगशाला स्थापन	476.26 लाख	430 लाख	5 साल
02	भौतिक विज्ञान	प्रो. अनिर्बान गुहा	-	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), भारत	भारत में एरोसोल रेडिएटिव फोर्सिंग	182 लाख	20 लाख	सतत
03	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी और सूचना प्रौद्योगिकी	डॉ. सोमेन देबनाथ और डॉ. अभिषेक मजूमदार	प्रो. स्वानिर्भर मजूमदार, डॉ. जयन्ता पाल	आईबीआईटीएफ (आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार की जनजातीय क्षेत्र उप योजना (टीएसपी) योजना	"इन्सेम्बल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके त्रिपुरा के हस्तशिल्प सशक्तिकरण के लिए एक मंच का विकास" संदर्भ संख्या: आईबीआईटीएफ/नोट/टीएसपी/स्वीकृति पत्र/2024-25/0093 दिनांक: 7 मार्च'2024	81.00 लाख	55.00 लाख	2 साल
04	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	1. डॉ. मोरेल वी.एल. नुंगसांगा, बिक्री सहायक प्राध्यापक, विभाग आईटी का, मिजोरम विश्वविद्यालय	1. डॉ. राकेश मातम, सह-प्राध्यापक, विभाग सीएसई, आईआईआईटी गुवाहाटी 2. डॉ. सोमेन देबनाथ, सह-प्राध्यापक , विभाग सीएसई, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 3. डॉ. आर. लालचन-हिमा, सहायक प्राध्यापक विभाग, आईटी, मिजोरम विवि 4. डॉ. वनलाल-मुआनसंगी केएचटी. सहायक प्राध्यापक आईटी विभाग मिजोरम विवि	एनएम-आईसीपीएस, डीएसटी	आइजोल और उसके बाहर शहरी गतिशीलता के लिए टिकाऊ स्मार्ट पार्किंग का विकास	77.95 लाख	33.84 लाख	2 साल

05	सूक्ष्मजैविकी	प्रो. शाओन रॉयचौधुरी	ऋचिक घोष ठाकुर	डीएसटी सीड	टिकाऊ और कुशल लेमनग्रास कटाई और कम कार्बन तेल निष्कर्षण के माध्यम से त्रिपुरा की ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना	74.50 लाख	46.79 लाख	2 साल
06	रसायन विज्ञान	डॉ. अनिर्बान चंद्रा	शून्य	एएनआरएफ-पीएमईसीआरजी	"उच्च दक्षता वाले इलेक्ट्रोकैटलिटिक जल-विभाजन के लिए एपिटैक्सियल हेटेरोमेटेलिक 3डी-SURMOF थिन फिल्मों का निर्माण, लक्षण वर्णन और स्पेक्ट्रोस्कोपिक जांच: स्वच्छ हाइड्रोजन उत्पादन के लिए एक स्थायी समाधान"	68.10 लाख	36.00 लाख	3 साल
07	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	डॉ. मृणाल कांति भौमिक, सह प्राध्यापक, सीएसई विभाग, त्रिविवि प्रो. देबोतोष भट्ट-चार्जी, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता 700032.	डॉ. रंजन गुप्ता, सह प्राध्यापक , रुमेटोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली 110029। डॉक्टर। सत्यव्रत नाथ, सहायक प्राध्यापक और एचओडी (स्वतंत्र प्रभार), शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर) विभाग, एजीएमसी और जीबीपी अस्पताल, पश्चिम त्रिपुरा, 799006। प्रो. असीम डे, रेडियो-डायग्नोसिस विभाग, एजीएमसी और जीबीपी अस्पताल, पश्चिम त्रिपुरा 799006	जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार।	गठिया के स्वचालित निदान और रोग की गंभीरता की भविष्यवाणी के लिए गहन शिक्षण दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए मल्टीमॉडल गैर-इनवेसिव छवि विश्लेषण	अनुदान की राशि: 60.89 लखत्रिपुरा विश्वविद्यालय: 39.91 लाखजादवपुर विश्वविद्यालय: 20.98 लाख	15.96 लाख	3.6 वर्ष
08	रसायन विज्ञान	डॉ. स्वपन कुमार बिस्वास	शून्य	एएनआरएफ-डीएसटी नई दिल्ली	"बहु-घटक प्रतिक्रियाओं (एमसीआर) के माध्यम से पाइराज़ोल डेरिवेटिव का हरित संश्लेषण [2,3-सी] और औषधीय रसायन विज्ञान में उनके अनुप्रयोग"	54.17 लाख	--	3 साल

09	मानव शरीर विज्ञान	समीर कुमार सील	परिमल करमाकर	डीबीटी	एक्सोसोम मीडियेटेड टार्गेट डिलेवरी एपोप्टोसिस-इन्ड्यूसिंग एजेन्ट टु प्रोस्टेट कैंसर	40.99 लाख	14.35 लाख	3 साल
10	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी और रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग	डॉ. पंतुला करुणा पूर्णपु रूपा	डॉ. सचिन भालाधारे	एसईआरबी	प्रत्यक्ष स्याही लेखन के लिए थर्मल उत्तरदायी सेलूलोज़ आधारित सिरेमिक स्याही का विकास	39.97 लाख	6.50 लाख	3.6 वर्ष
11	भौतिक विज्ञान	प्रो. एस. ए. हुसैन	-	एसईआरबी डीएसटी, भारत सरकार	कार्बनिक अणुओं, ऑर्गेनो-क्ले और कार्बनिक-अकार्बनिक संकरों के स्विचिंग और मेमोरी अनुप्रयोगों का थिन फिल्मों पर एकत्रण	38.27 लाख	6 लाख	3 साल
12	सूक्ष्मजैविकी	प्रो. शाओन रॉयचौधुरी	डॉ. दीपक एस संघाई एमडी एसडी इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	डीएसटी, भारत सरकार	तरल सीवेज उपचार प्रणाली "रैपिडेक्स" विकसित करना	34.25 लाख	25 लाख	2 साल
13	सूचना प्रौद्योगिकी	प्रो. एस. मजूमदार	डॉ. जयंत पाल	एसईआरबी (वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार एसईआरबी-सीआरजी (कोर रिसर्च ग्रांट) के तहत	"त्रिपुरा के श्रवण बाधित लोगों के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) के लिए कोकबोरोक रिपॉजिटरी का विकास" सीआरजी/2023/002076 दिनांक 18 जनवरी, 2024	30.18 लाख	11.79 लाख	3 साल
14	वनस्पति विज्ञान	डॉ. पन्ना दास	-	डीबीटी	जैव उर्वरकों के विकास के लिए पूर्वोत्तर भारत में देशी फलियों की खोज और संबंधित नाइट्रोजन फिक्सिंग माइक्रोसिम्बियोंट्स की विशेषता	26 लाख	8.53 लाख	3 साल
15	भौतिक विज्ञान	प्रो सैयद अरशद हुसैन	-	सीएसआईआर, भारत सरकार	कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए उपयुक्त कुछ कार्बनिक अणुओं के ऑप्टिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रोकेमिकल गुणों का अध्ययन	22 लाख	3.77 लाख	3 साल

16	भौतिक विज्ञान	प्रो. अनिर्बान गुहा	-	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), भारत	चंद्र एक्सोस्फीयर में पानी और हाइड्रॉक्सिल अणुओं की उत्पत्ति	20.32 लाख	5.18 लाख	3 साल
17	भेषज विज्ञान	डॉ. प्रताप चंद्र आचार्य	-	आईसीएमआर	कोलन कैंसर को लक्षित करने के लिए जी-क्वाड्रुप्लेक्स लिगैंड की खोज	19.71 लाख	19 लाख	3 साल
18	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	डॉ. अंजन कुमार धुआ, अतिरिक्त प्राध्यापक, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-नई दिल्ली, अंसारी नगर, दिल्ली-110029, भारत	डॉ. मृणाल कांति भौमिक, सह प्राध्यापक , सीएसई विभाग, त्रिविवि	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भारत सरकार।	बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा घाव थर्मोग्राफिक प्रोफाइल के इन्फ्रारेड सिगनेचर और बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-नई दिल्ली, भारत के सहयोग से स्वचालित छवि विभाजन के लिए सर्जिकल साइट संक्रमण की भविष्यवाणी करने और गहन शिक्षण आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के विकास के लिए प्रारंभिक चरण का परीक्षण-सटीकता अध्ययन	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के लिए अनुदान की राशि 19.27 लाख	15.22 लाख	3 साल
19	इतिहास	डॉ. प्रियब्रत साहू, अर्थशास्त्र विभाग, बीएचयू	डॉ. रंजीता बड़ासेठ , टी.यू.	आईसीएसएसआर, नई दिल्ली	ओडिशा के पीवीटीजीएस के बीच आईसीडीएस की प्रभावशीलता: रायगडा जिले के डांगरिया कोंध के बीच गरीबी और कुपोषण की एक केस स्टडी।	18 लाख	13.5 लाख	1 वर्ष
20	वाणिज्य	डॉ. देवी बरुआ (आरजीयू)	डॉ. रजत देब	आईसीएसएसआर	अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में एमएसएमई के बीच फिनटेक को अपनाना	16 लाख	8 लाख	2 साल
21	रासायनिक और पॉलिमर इंजीनियरिंग	हरजीत नाथ		एमएसएमई	सूटकेस जल शोधक	16 लाख	3.82 लाख	3 साल
22	इतिहास	डॉ. लिंकन रियांग, टीयू	डॉ. रंजीता बड़ासेठ, टी.यू.	आईसीएसएसआर, नई दिल्ली	त्रिपुरा के रियांग की सांस्कृतिक विरासत: चुनौतियों और समाधानों की खोज	15 लाख	7.50 लाख	2 साल
23	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ	खलसनकिम सुआंतक	-	आईसीएसएसआर-इंडिया	दक्षिण-मध्य तिब्बती-बर्मन (कुकी-चिन) भाषाओं में अंक आधारों और अंक वर्गीकरणकर्ताओं की भिन्नता पर अध्ययन	11.28 लाख	10 लाख	2 साल

24	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	डॉ. शॉउली बर्धन, सह प्राध्यापक , कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, भारत	डॉ. मृणाल कांति भौमिक, सह प्राध्यापक , सीएसई विभाग, त्रिविवि	ऑटोनॉमस नेविगेशन और डेटा एक्विजिशन सिस्टम पर टिहान फाउंडेशन टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब, आईआईटी - हैदराबाद	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग महेशखोला, आनंदनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा के सहयोग से वायु प्रदूषण कणों का पता लगाने और लेबलिंग के लिए यूएवी आधारित छवि अधिग्रहण और विश्लेषण	अनुदान की कुल राशि: 10.92 लाख टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग , अगरतला के लिए।	शून्य	1.8 वर्ष
25	गणित	डॉ. एन. गुप्ता	डॉ. ए.के. दास	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद	मल्टी नॉर्म्ड निर्णय लेने और मशीन लर्निंग दृष्टिकोण के साथ त्रिपुरा में जनजातीय समुदायों के पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के संदर्भ में सतत जल संसाधन प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण	10 लाख	5.0 लाख	1 वर्ष
26	सूक्ष्मजैविकी	प्रो. शाओन रॉयचौधुरी	-	इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर	कम आयनकारी विकिरण-उजागर माइक्रोमोनोस्पोरासिट्रिया SRCHD01 और माइक्रोकोकस ल्यूटियस SRCHD02 द्वारा दूषित सीवेज पानी से हेक्साम हटाने की प्रभावकारिता को समझना	9.75 लाख	1.90 लाख	3 वर्ष
27	संस्कृत	डॉ. सुमन के.स.	-	आईसीपीआर, नई दिल्ली	द्वैत परिप्रेक्ष्य में प्रमुख उपनिषदों का समूहन	9 लाख	3.60 लाख	3 साल
28	सूक्ष्मजैविकी	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	प्रो. अनिंदिता चक्रवर्ती	यूजीसी-डीएई सीएसआर	लागत प्रभावी जैव-इथेनॉल उत्पादन के लिए उनकी अल्कोहल सहनशीलता क्षमता को बढ़ाने के लिए गामा विकिरण के साथ पूर्वोत्तर भारत की पारंपरिक चावल बियर से अलग किए गए कुछ संभावित स्वदेशी खमीर स्पॉट्स के म्यूटेंट का आनुवंशिक मॉड्यूलेशन और विश्लेषण	8.55 लाख	3.95 लाख	3 साल

29	वनस्पति विज्ञान	प्रो. बी. के. दत्ता	-	एयू एनईसी डॉल्फिन परियोजना (ऑस्ट्रेलिया)	सोनेबील का सामाजिक, पारिस्थितिक, पर्यावरण और आर्थिक विश्लेषण; सतत प्रबंधन के लिए निहितार्थ	7.95 लाख	7.95 लाख	1 वर्ष
30	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	डॉ. गोबिंदगोपाल खान	शून्य	यूजीसी-डीएई सीएसआर, इंदौर सेंटर	सौर ऊर्जा और ईंधन के लिए इंजीनियर्ड नैनोस्ट्रक्चर	6.79 लाख	शून्य	3 साल
31	भौतिक विज्ञान	डॉ. रतन दास	डॉ. फौरन सिंह	आईयूएसी, नई दिल्ली	एक्सआरडी पीक प्रोफाइल विश्लेषण से दुर्लभ पृथ्वी धातु के डोप्ड पतला चुंबकीय अर्धचालकों के एसएचआई विकिरण प्रेरित अव्यवस्था घनत्व का निर्धारण और ऑप्टिकल, विद्युत और चुंबकीय गुणों पर इसका प्रभाव।	6.75 लाख	1.58 लाख	3 साल
32	अर्थशास्त्र	डॉ. सुभ्रबरन दास	-	16वां वित्त आयोग, भारत सरकार	त्रिपुरा राज्य के लिए वित्त के मूल्यांकन पर अध्ययन	6.5 लाख	6.5 लाख	0.6 वर्ष
33	भौतिक विज्ञान	प्रो. एस. ए. हुसैन	-	यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम	पॉलीडायसिटिलीन (पीडीए) की रंगीन प्रतिक्रिया का अध्ययन और कम लागत वाले वर्णमिति सेंसर डिजाइन करने की दिशा में इसके अनुप्रयोग का प्रदर्शन	4.56 लाख	1.21 लाख	3 साल
34	वानिकी और जैव विविधता	प्रो. सब्यसाची दासगुप्ता	-	त्रिपुरा वन विभाग, त्रिपुरा सरकार	गौर और हूलॉक गिब्बोनिन तृष्णा वन्यजीव अभयारण्य और बाइसन राष्ट्रीय उद्यान, त्रिपुरा की संरक्षण स्थिति और आवासन विशेषताएं	4.0 लाख	-	1 साल
35	वानिकी और जैव विविधता	प्रो. सब्यसाची दासगुप्ता	-	त्रिपुरा वन विभाग, त्रिपुरा सरकार	क्लाउडेड तेंदुआ राष्ट्रीय उद्यान और सिपाहीजाला वन्यजीव अभयारण्य में प्रमुख प्रजातियों के लिए भोजन की उपलब्धता, आहार संरचना और पर्यावास विशिष्ट संरक्षण आवश्यकताओं का व्यापक मूल्यांकन।	3.4 लाख	-	1 साल

36	संस्कृत	डॉ. विश्व बंधु	-	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय	एक ऑनलाइन रिपॉजिटरी के साथ यास्क की निरुक्त का एक व्यापक और महत्वपूर्ण संस्करण	3 लाख	1.2 लाख	3 साल
37	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान	डॉ. मिठु अंजलि गायन	-	आईसीएसएसआर	त्रिपुरा के विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच सूचना साक्षरता कौशल सुधार: पूर्व और बाद के मूल्यांकन पर आधारित एक इंटरवेंशनल अध्ययन रेफरी फाइल नंबर 02/107/2022-23/RP/MN। दिनांक 10/मार्च/2023	2.93 लाख	1.17 लाख	1 वर्ष
38	रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी	सचिन भालाधारे	-	यूजीसी-डीएई (संदर्भ: सीआरएस/2022-23/02/822)	नियंत्रित और लक्ष्य-विशिष्ट दवा वितरण के लिए पीएच उत्तरदायी, स्थिर और जैव-संगत चिटोसन-आधारित नैनोजेल	1.35 लाख	0.45 लाख	3 साल
39	संस्कृत		डॉ. सुमन के.एस.	श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति	वैदिक विज्ञान में प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	1 लाख	0.5 लाख	1 वर्ष
40	विद्युत अभियांत्रिकी	डॉ. अभिषेक मजूमदार सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, टीयू	संगीता दास बिस्वास सहायक प्राध्यापक, विभाग विद्युत अभियांत्रिकी , टीयू	एआईसीटीई	त्रिपुरा में पर्यटन के लिए एक सेमी ऑनलाइन आधारित एंड्रॉइड आधारित एप्लिकेशन का विकास	2.86 लाख	2.81 लाख	3 साल

त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त परामर्श परियोजनाएं							
विभाग	**प्रधान परामर्थदाता**	**सह-भागीदार**	**प्रायोजक संस्था**	**परियोजना का शीर्षक**	**प्राप्त परामर्श शुल्क (लाख रुपये में)**	**वर्ष के दौरान प्राप्त परामर्श शुल्क (लाख रुपये में)**	**कार्यकाल (वर्षों और महीनों में)**
सूचना प्रौद्योगिकी	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	डॉ. अलक रॉय डॉ. जयंत पाल डॉ. एस. नंदी श्री एस. साहा डॉ. ए. मजूमदार डॉ. बी. बी. भौमिक	एनईआईएलआईटी, अगरतला के माध्यम से एमईआईटीवाई	"रोजगार के अवसरों और कौशल को बढ़ाने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण" का प्रभाव मूल्यांकन	3.86 लाख	3.86 लाख	1 वर्ष
संस्कृत	(डॉ. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, सीएसयू, नई दिल्ली)	डॉ. सुमन के. एस.	इन्फिनिटी फाउंडेशन इंडिया, चेन्नई	राजीव मल्होत्रा द्वारा "संस्कृत के लिए संघर्ष" (संस्कृत में अनुवाद)	-	0.40 लाख	1 वर्ष
अर्थशास्त्र	दिलीप कुमार राणा	-	खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली- 110111	त्रिपुरा राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिविधि , 2013 के कार्यान्वयन का समवर्ती मूल्यांकन	0.53 लाख	रु.0.53 लाख	3 साल

विश्वविद्यालय प्रशासन

सांविधिक समितियाँ

द कोर्ट (जैसा 1.12.2025 को था)

पदेन सदस्य

श्री अहमद जावेद - पदेन अध्यक्ष
कुलाधिपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

प्रो. श्यामल दास - पदेन सदस्य
कुलपति (प्रभारी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय

सम कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (रिक्त) - पदेन सदस्य

प्रो. सोमदेव बनिक - पदेन सदस्य
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण परिषद, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

डॉ. दीपक शर्मा - पदेन सदस्य सचिव
कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

श्री देबाशीष पाल - पदेन सदस्य
वित्त अधिकारी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

संकाय एवं विभागों का प्रतिनिधित्व

(दो संकायाध्यक्ष, प्रत्येक संकाय से वरिष्ठता के अनुसार चक्रीयक्रम से)

प्रो. चिन्मय रॉय - सदस्य
संकायाध्यक्ष, वाणिज्य, विधि, प्रबंधन एवं सूचना विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

प्रो. देबज्योति भट्टाचार्जी - सदस्य
संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

दो प्राध्यापक अध्यादेश में दी गई विधि से नियुक्त (रिक्त) - सदस्य

शैक्षणिक विभागों के दो अध्यक्ष जो प्राध्यापक न हों जो वरिष्ठता के आधार पर चक्रीय क्रम में कुलपति द्वारा नियुक्त किये गये हों (रिक्त) - सदस्य

एक सह-प्राध्यापक/रीडर, जो कि विभागाध्यक्ष न हो एवं एक सहायक प्राध्यापक/ प्रवक्ता जिसे कि अध्यादेश में विहित विधि से नियुक्त किया गया हो। (रिक्त) - सदस्य

संबद्ध महाविद्यालयों के प्रतिनिधि

संबद्ध महाविद्यालयों के दो प्राचार्य जिनमें से एक महिला होनी चाहिए वरिष्ठता के आधार पर चक्रीय क्रम से जिसका निर्धारण संबंधित महाविद्यालय की स्थापना की तिथि के आधार पर हो, कुलपति द्वारा नामित किये जायें। (रिक्त) - सदस्य

दो शिक्षक संबद्ध महाविद्यालयों से जिनमें से एक महिला हो कुलपति द्वारा नामित किये जायें। - सदस्य (रिक्त)

विद्वत व्यवसायों का प्रतिनिधित्व करने वाले एवं विशेष रुचि वाले व्यक्ति

उद्योग, वाणिज्य, व्यापार संघ, बैंक एवं कृषि का प्रतिनिधित्व करने वाले दो सदस्य जो विद्वत व्यवसायों एवं विशेष रुचि रखते हों, कुलाध्यक्ष द्वारा नामित। (रिक्त) - सदस्य

पंजीकृत स्नातकों के प्रतिनिधि

विश्वविद्यालय के पंजीकृत स्नातकों के दो प्रतिनिधि, जिनका चयन अध्यादेश में विहित विधि से किया जायेगा। (रिक्त) - सदस्य

संसद का प्रतिनिधित्व

संसद के दो प्रतिनिधि, जिनमें से एक लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उसके सदस्यों में से नामित किया जायेगा दूसरा सदस्य राज्यसभा के सभापति द्वारा उसके सदस्यों से नामित किया जायेगा। तथापि यदि सदस्य को मंत्रिमंडल का सदस्य लोकसभा अध्यक्ष/ राज्यसभा का उपसभापति चुना जाता है तो सदस्य की सदस्यता सांविधिक समिति से स्वत:समाप्त मान ली जायेगी। (रिक्त) - सदस्य

स्नातकोत्तर विभाग के छात्रों के प्रतिनिधि

दो सदस्य जिनमें एक महिला होनी चाहिए, निर्वाचित होनी चाहिए (रिक्त) - सदस्य

अन्य सदस्य

एक सदस्य से अधिक को कुलाध्यक्ष द्वारा नामित नहीं किया जा सकता

प्रो. नांगमाईथेम तेजमणि सिंह - सदस्य

वाणिज्य विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल

गैर शैक्षणिक सदस्य का प्रतिनिधि - सदस्य

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों में से दो सदस्य जिनमें एक सदस्य महिला होनी चाहिए, निर्वाचित किये जाने चाहिए (रिक्त)

राज्य सरकार के प्रतिनिधि

श्री अनिमेष देबबर्मा

निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग त्रिपुरा सरकार सदस्य - सदस्य

कार्य-परिषद के बचे हुए सदस्य

कार्यपरिषद से सदस्य जो एक से अधिक न हों, साथ ही कोर्ट के सदस्य भी न हों। (रिक्त) - सदस्य

कार्य परिषद (जैसा 1.12.2025 को था)

प्रो. श्यामल दास - पदेन अध्यक्ष
कुलपति (प्रभारी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय

सम कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - पदेन सदस्य
(रिक्त)

दो संकायाध्यक्ष, प्रत्येक संकाय से एक, वरिष्ठता के चक्रीय-क्रम के अनुसार:

1. **प्रो. चिन्मय रॉय** - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, वाणिज्य, विधि, प्रबंधन एवं सूचना विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

2. **प्रो. देबज्योति भट्टाचार्जी** - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

एक प्राध्यपक, वरिष्ठता के चक्रीय क्रम से नामित संकायाध्यक्ष के अतिरिक्त, कुलपति द्वारा नामित

प्रो. बादल कुमार दत्त - सदस्य
वनस्पति विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

सचिव, उच्च शिक्षा विभाग - सदस्य
त्रिपुरा सरकार

कोर्ट के दो सदस्य कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किये जायेंगे जो कि विश्वविद्यालय या उससे संबद्ध अथवा मान्यता प्राप्त महाविद्यालय के सदस्य न हों (रिक्त)

कुलाध्यक्ष द्वारा नामित तीन सदस्य

1. **प्रो. दीपज्योति राजखोवा** - सदस्य
   संयुक्त निदेशक, आईसीएआर रिसर्च कॉम्प्लवेक्स एनईएच रीजन नागालैंड केन्द्र
2. **प्रो. निर्माल्य नारायण चक्रवर्ती** - सदस्य
   रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. **प्रो. स्मृति कुमार सिन्हा** - सदस्य
   कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम

सचिव(उच्च शिक्षा) अथवा उनके प्रतिनिधि - पदेन सदस्य
शिक्षा विभाग, भारत सरकार

डॉ दीपक शर्मा - पदेन सचिव
कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

शैक्षणिक परिषद (जैसा 1.12.2025 को था)

प्रो. श्यामल दास - पदेन सभापति
कुलपति (प्रभारी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय

सम कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (रिक्त) - पदेन सदस्य

दो संकायाध्यक्ष, प्रत्येक संकाय से वरिष्ठता के अनुसार चक्रीयक्रम से

1. **प्रो. चिन्मय रॉय** - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, वाणिज्य, विधि, प्रबंधन एवं सूचना विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

2. **प्रो. देबज्योति भट्टाचार्जी** - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

प्रत्येक संकाय से शैक्षणिक विभागों के दो अध्यक्ष वरिष्ठता के आधार पर कुलपति द्वारा नामित किये गये हों

1. **प्रो. स्वनिर्भर मजुमदार** - सदस्य
   अध्यक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग त्रिपुरा विश्वविद्यालय

2. **प्रो. श्यामल दास** - सदस्य
   अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग त्रिपुरा विश्वविद्यालय

दो प्राध्यापक जो कि विभागाध्यक्ष न हो कुलपति द्वारा नामित किये जायेंगे

1. **प्रो. अशेष गुप्त** - सदस्य
   अंग्रेजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

2. (रिक्त)

संबद्ध महाविद्यालयों के दो प्राचार्य विश्वविद्यालय के विवेकाधिकार पर कुलपति द्वारा नामित

1. **प्राचार्य** - सदस्य
   हॉली क्रॉस महाविद्यालय, अगरतला

2. **प्राचार्य** - सदस्य
   टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अगरतला

विश्वविद्यालय के दो शिक्षक जो उपरोक्त (i) से (v) के अंतर्गत न हों वरिष्ठता के चक्रीय क्रम में जिनमें एक सह-प्राध्यापक/रीडर तथा दूसरा सहायक प्राध्यापक/प्रवक्ता होना चाहिए।

1. सह-प्राध्यापक, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (रिक्त)

2. **डॉ. दिलीप कुमार राणा**
   सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - सदस्य

कुलाध्यक्ष द्वारा नामित 4 सदस्य

1. **प्रो. महेश चन्द्र गोविल,** निदेशक, राप्रौसं., सिक्किम - सदस्य

2. **प्रो. ज्योत्स्ना तिवारी,** कला एवं सौदर्यशास्त्र में शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली - सदस्य
3. **डॉ. प्रसन्न कुमार पाठक**, संकायाध्यक्ष, पादप अभिजनन एवं अनुवांशिकता विभाग, असम कृषि विश्वविद्यालय जोरहाट - सदस्य
4. **प्रो. जी सिंगैय्याह,** प्रबंधन विभाग, नेहू, शिलांग - सदस्य

विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों से दो शिक्षक जिनमें से एक महिला होगी, उन्ही में से चयनित किये जाने हैं (रिक्त)

विश्वविद्यालय के एक शोधार्थी और दो स्नातकोत्तर छात्र- एक विज्ञान से और एक मानविकी/वाणिज्य से एक अध्यादेश द्वारा निर्धारित तरीके से अकादमिक योग्यता के आधार पर चुने जाएँगे (रिक्त)

डॉ दीपक शर्मा - पदेन सचिव
कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

महाविद्यालय विकास परिषद (जैसा 1.12.2025 को था)

1) **प्रो. श्यामल दास,** कुलपति (प्रभारी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय - अध्यक्ष (पदेन)

2) **सम कुलपति** (रिक्त) - सदस्य (पदेन)

3) दो शिक्षक प्राध्यापक/सह प्राध्यापक श्रेणी के, एक कला /वाणिज्य संकाय, एक विज्ञान संकाय, कुलपति द्वारा क्रमिक आधार पर नामित:

   (i) **प्रो. श्यामल दास**, अंग्रेजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - सदस्य

   (ii) **प्रो. शाओन राय चौधुरी**, सूक्ष्मजैविकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - सदस्य

4) संबद्ध महाविद्यालयों से तीन प्राचार्य जिनमे एक सामान्य महाविद्यालय से, एक तकनीकी महाविद्यालय से एवं अन्य एक व्यावसायिक महाविद्यालय से कुलपति द्वारा महाविद्यालय की सेवा में वरिष्ठता के आधार पर चक्रीय क्रम से नामित:
   (रिक्त)

5) संबद्ध महाविद्यालयों से तीन शिक्षक, एक कला विभाग से, एक विज्ञान विभाग से तथा एक वाणिज्य/ तकनीकी/ व्यावसायिक विभागों से वरिष्ठता के आधार पर क्रमिक रूप से कुलपति द्वारा नामित :
   (रिक्त)

6) **श्री अनिमेष देबबर्मा**, निदेशक, उच्च शिक्षा, त्रिपुरा सरकार - सदस्य

7) **परीक्षा नियंत्रक**, त्रिविवि - सदस्य

8) **श्री देबाशीष पाल**, **वित्त अधिकारी**, त्रिविवि - सदस्य

9) **प्रो. सोमदेव बनिक, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण**, त्रिविवि - सदस्य

10) **निदेशक, महाविद्यालय विकास परिषद**, त्रिविवि - सदस्य

11) **डॉ. दीपक शर्मा**, कुलसचिव, त्रिविवि - सचिव (पदेन)

वित्त-समिति (जैसा 1.12.2025 को था)

प्रो. श्यामल दास - पदेन अध्यक्ष
कुलपति (प्रभारी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय

सम कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (रिक्त) - पदेन सदस्य

कोर्ट द्वारा नामित एक सदस्य (रिक्त) - सदस्य

कार्य परिषद द्वारा नामित तीन सदस्य जिनमें से कम से कम एक सदस्य कार्य परिषद का सदस्य होना चाहिए

1. **डॉ दीपक शर्मा** - सदस्य
   कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

2. **प्रो. बी. के. दत्ता** - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

3. **डॉ. नीरज त्रिपाठी** - सदस्य
   भूतपूर्व कुलसचिव, बनारस हिन्दू विवि वाराणसी, उप्र

तीन सदस्य कुलाध्यक्ष द्वारा नामित

1. **संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार अथवा उनके प्रतिनिधि** - सदस्य
   अवर सचिव से कम स्तर के नहीं, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

2. **संयुक्त सचिव (केविवि) अथवा उनके प्रतिनिधि** - सदस्य
   अवर सचिव से कम स्तर के नहीं, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

3. **संयुक्त सचिव (केविवि) अथवा अन्य अधिकारी** - सदस्य
   अवर सचिव से कम स्तर के नहीं, विअआयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित

श्री देबाशीष पाल
वित्त अधिकारी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - पदेन सचिव

संकायाध्यक्ष समिति (जैसा 1.12.2025 को था)

1. **प्रो. श्यामल दास** - अध्यक्ष
   कुलपति (प्रभारी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय

2. **प्रो. देबज्योति भट्टाचार्जी** - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

3. **प्रो. चिन्मय रॉय** - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, वाणिज्य, विधि, प्रबंधन एवं सूचना विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

4. **परीक्षा नियंत्रक**, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - सदस्य

5. **डॉ दीपक शर्मा** - सचिव
   कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

<u>शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के कार्यक्रमों की सूची</u>

- ई-कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम (ईसीएमएस) की कार्यक्षमता पर दो दिवसीय कार्यशाला। आंगुआप्र त्रिपुरा विश्वविद्यालय और त्रिपुरा विश्वविद्यालय के ईसीएमएस अनुभाग द्वारा आयोजित स्थान: काउंसिल हॉल, कुलपति सचिवालय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय पहला सत्र: सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक, दूसरा सत्र: दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक। दिनांक 23-24 जुलाई 2024।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय में 10वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। इसका आयोजन भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय और आंगुआप्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के तहत बुनकर सेवा केंद्र द्वारा किया जाता है। स्थान: सम्मेलन हॉल, प्रथम तल केंद्रीय ग्रंथागार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय। दिनांक 3 अगस्त 2024, समय- सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक। प्रतिभागी- 85.
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा "जैविक उद्यमशीलता: समृद्ध भारत 2047 की आवश्यकता" पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थान: एमबीबी ऑडिटोरियम, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, समय: सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक, 13 अगस्त 2024।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय में "रेमी पर विचार-मंथन सत्र: वर्तमान परिदृश्य और आगे का रास्ता" पर कार्यक्रम, स्थान: गेस्ट हाउस में सेमिनार हॉल, समय: सुबह 10.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक, 14 अगस्त 2024। आंगुआप्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय और एमएसएमई द्वारा आयोजित किया गया। प्रतिभागी- 15.
- आंगुआप्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से "बांस की उद्यमिता और मूल्यवर्धन" पर संयुक्त उद्योग अकादमिक पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र पर कार्यक्रम आयोजित किया गया; दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार सृजन केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय और जी-क्यूब, अगरतला। स्थान: सम्मेलन हॉल, प्रथम तल केंद्रीय ग्रंथागार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय। समय: सुबह 10.30 बजे, 11 सितंबर 2024। प्रतिभागी- 56.
- शैक्षणिक और पर्यटक उद्देश्यों के लिए वीजा आवेदन पर आउटरीच कार्यक्रम" वक्ता: वाइस कांसुलर ली एन सिम्स, आंगुआप्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय और अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, स्थान: सम्मेलन हॉल, प्रथम तल सेंट्रल लाइब्रेरी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, समय: दोपहर 12 बजे, 6 सितंबर 2024। प्रतिभागी- 85.
- अमेरिका में शैक्षिक अवसरों पर आउटरीच कार्यक्रम" वक्ता: सुश्री एलिजाबेथ ली; सुश्री ऐश्वर्या मंडल। आंगुआप्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय और अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, स्थान: काउंसिल हॉल, कुलपति सचिवालय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, समय: दोपहर 3 बजे, 11 सितंबर 2024। प्रतिभागी- 30.
- डीटीईजीआरसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उद्योग प्रस्ताव पाठ्यक्रम का समापन सत्र; माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी ग्रुप, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय; और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आंगुआप्र), त्रिपुरा विश्वविद्यालय। विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में 1 मंजिल पर सेमिनार हॉल। समय: शाम 4.30 बजे, 25 सितंबर 2024।
- अकादमिक लेखा परीक्षा (विज्ञान और अभियांत्रिकी) की निकास बैठक, स्थान: त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिषद हॉल, 9 जनवरी, 2025। समय: दोपहर 2.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आंगुआप्र) और अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विभिन्न अनुप्रयोग-आधारित अमेरिकी सरकार के आदान-प्रदान कार्यक्रमों पर वर्चुअल जानकारी-सत्र। कार्यक्रम ज़ूम के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित, दिनांक 13 जनवरी 2025, समय: दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक। प्रतिभागी- 101.
- आंगुआप्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय और उद्योग और वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उद्यमशीलता ज्ञान कार्यक्रम पर कार्यक्रम। स्थान: एमबीबी ऑडिटोरियम हॉल, त्रिपुरा विश्वविद्यालय। समय: 16 जनवरी 2025 को रात 10:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक। प्रतिभागी - 180.
- 27 जनवरी 2025 को हरित, ऊर्जा और पर्यावरण लेखा परीक्षा के साथ-साथ जेंडर ऑडिट आयोजित किया गया था।

- साहित्य संकाय, सामाजिक विज्ञान संकाय, वाणिज्य, कानून, प्रबंधन और सूचना विज्ञान संकाय, संगीत और ललित कला संकाय के लिए 29 जनवरी 2025 को सम्मेलन कक्ष, भूतल, परीक्षा भवन में अकादमिक लेखा परीक्षा।
- 2023 से 2025 के दौरान आंगुआप्र के कामकाज की रिपोर्टिंग के लिए 44वीं आंगुआप्र बैठक 10 फरवरी 2025 को सुबह 10 बजे से काउंसिल हॉल, कुलपति सचिवालय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में आयोजित की जाएगी।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय में फुलब्राइट मेंटरिंग कार्यशाला। द्वारा आयोजित: आंगुआप्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय और संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत शैक्षिक फाउंडेशन (यूएसआईईएफ) स्थान: सम्मेलन हॉल, प्रथम तल , केंद्रीय ग्रंथागार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय। दिनांक 24 अप्रैल 2025 समय: दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक। प्रतिभागी- 26.
- "रेमी: कटाई और प्रसंस्करण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम। सूक्ष्मजैविकी विभाग/आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आंगुआप्र), त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, स्थान: डीटीईजीआरसी, भूतल, समय: दोपहर 3.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक, दिनांक: 9 जून 2025। प्रतिभागी- 7.
- आम चुनावों के लिए त्रिपुरा के नागरिकों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार (केएपी) के अंतिम सर्वेक्षण के संबंध में बातचीत। आंतरिक आश्वासन सेल गुणवत्ता (आंगुआप्र), त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित। स्थान: सम्मेलन हॉल, परीक्षा शाखा, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, समय: दोपहर 3.00 बजे, 10 जून 2025। प्रतिभागी- 44.
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के इंटरनल एश्योरेंस सेल क्वालिटी (आंगुआप्र) द्वारा "कबीगुरु रवींद्रनाथ टैगोर के सामाजिक-राजनीतिक विचार" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। स्थान: कोर्ट रूम, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, समय: रात 11 बजे, 10 जून 2025। प्रतिभागी- 53.
- "कैसे एपिजेनेटिक यादें हमें बीमारी के लिए प्रेरित करती हैं? - मनुष्यों से क्लैमाइडोमोनास तक सीखना"। अनुसंधान और विकास, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, स्थान: सम्मेलन हॉल, भूतल, सीओई भवन, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, समय: दोपहर 3.00 बजे, 23 जून 2025। यह अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।
- आंगुआप्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय और महाराजा बीर बिक्रम विश्वविद्यालय, अगरतला त्रिपुरा के सहयोग से विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेघालय द्वारा "एनईपी-2020 के संदर्भ में करियर के अवसर" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्थान: एमबीबी ऑडिटोरियम, त्रिपुरा विश्वविद्यालय। दिनांक: 27 जून 2025। प्रतिभागी- 68

विश्वविद्यालय
विभाग एवं केन्द्र

विज्ञान संकाय

वनस्पति विज्ञान विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. सुरोचिता बसु
स्थापना वर्ष : 2007
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.एससी., पीएचडी
प्रवेश क्षमता : 30 (27+3)

विभाग का ध्येय: शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, मूल्यांकन, शोध एवं नवाचार में उच्च स्तर की गुणवत्ता हासिल करना।

प्रमुख उपलब्धियां: वनस्पति विज्ञान विभाग भारत के विभिन्न राज्यों से योग्य छात्रों को एमएससी एवं पीएचडी उपाधियाँ प्रदान करता है। विभागीय संकाय सदस्य सक्रिय शोधकार्य में रत हैं तथा वर्तमान में प्रतिष्ठित केंद्रीय संस्थानों के साथ संयुक्त रूप से से दो प्रमुख शोध परियोजनाएँ संचालित कर रहे हैं। शोध उत्कृष्टता के लिए विभाग को आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण हेतु डीएसटी (एफआईएसटी) एवं यूजीसी (एसएपी) से अलग-अलग अनुदान प्राप्त हुए हैं। हमारा लक्ष्य त्रिपुरा के वनस्पति संसाधनों का सूचीकरण एवं डिजिटल डेटाबेस की स्थापना है। विभाग का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शोध में श्रेष्ठता प्राप्त कर उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित होना है। साथ ही, 2007 से विभाग बांस संवर्धन एवं संसाधन अनुप्रयोग (बीसीआरयू) में कौशल-उन्मुख स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
प्रो. बी.के. दत्ता	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	वर्गीकरण और जैव विविधता	30	12	09	90	11	1553	20
डॉ. एस. बसु	पीएच.डी.	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कोशिका आनुवंशिकी	17	01	0	39	3	362	8
डॉ. पी. दास	पीएच.डी.	साहयक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कीटाणु-विज्ञान	15	07	01	60	9	750	15
डॉ. एन. बालासुब्रमणियन	पीएच.डी.	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कवक विज्ञान	17	0	02	10	08	1530	19
डॉ. कृपामॉय चक्रवर्ती	पीएच.डी.	अतिथि संकाय	अतिथि	-	3	-	-	-	-	57	4
डॉ. सरमा काउच	पीएच.डी.	अतिथि संकाय	अतिथि	-	1	-	-	-	-	77	5
डॉ. सुप्रिया अधिकारी	पीएच.डी.	अतिथि संकाय	अतिथि	-	1	-	-	-	-	7	1

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों /अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थीयों की सहभागिता :

नाम	शिक्षक विद्यार्थी/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
एन.बालसुब्रमण्यन	शिक्षक	01	01	-

3. किसी संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्म-शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थानों/विश्वविद्यालयों	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
बालासुब्रमण्यम एन और थमिल प्रिया वी	क्रोमपेट, चेन्नई, तमिलनाडु	20 दिसंबर 2024	श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल	डोडोना विस्कोसा (एल.) जैक- जैवचिकित्सा क्षमता वाला एक पारंपरिक औषधीय पौधा

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (पाठ्यक्रम प्रारंभ करने वाले)/शोधप्रबंध/प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण-पत्र जारी करने वाले) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक पूर्णकालिक	शोध का विषय (अस्थायी)	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
विश्वजीत बिश्वास	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में पाई जाने वाली ऑर्किड की विविधता पर अध्ययन, विशेष रूप से चयनित प्रजातियों के प्रजनन जीवविज्ञान के संदर्भ में	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
स्मिता देबबर्मा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में पाई जाने वाली फाईकस विविधता, विशेष रूप से उनके परागण जीव विज्ञान और पारंपरिक औषधीय महत्व के संदर्भ में।	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
बिप्लब बनिक	पूर्णकालिक	पूर्वोत्तर भारत के त्रिपुरा में चयनित संकटग्रस्त प्रजातियों की मेटापॉपुलेशन गतिशीलता और पर्यावास उपयुक्तता का मानचित्रण और मॉडलिंग	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
अशोक कुमार सूत्रधार	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में पाए जाने वाले पॉलीगोनेसी कुल के दो सदस्यों का आकारिकी, कोशिकाविज्ञान और ऊतक संवर्धन अध्ययन।	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
सुमन पॉल	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में शहरीकरण के विभिन्न स्तरों के साथ पादप-परागकण अंतःक्रिया नेटवर्क; सह-पुष्पन और परागणकर्ता साझाकरण के परिणामों का आकलन	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
मुक्तधर रियांग	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के स्वदेशी जैवसंसाधनों का आकलन, जैव अन्वेषण और सतत उपयोग की संभावनाओं के विशेष संदर्भ में।	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
अपराजिता दास	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में पाई जाने वाली डेट्रा प्रजातियों की कुछ की प्रजनन जैविका का अध्ययन जनसंख्या स्थिति के संदर्भ में	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
प्रसेनजीत देबबर्मा	पूर्णकालिक	पूर्वोत्तर भारत के त्रिपुरा में पाए जाने वाले एस्टेरेसी कुल के चयनित इनवैसिव पौधों में कवक एंडोफाइट्स की विविधता	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
बिभाष नाथ	पूर्णकालिक	त्रिपुरा की दो किस्मों मूसा प्रजातियों में आकारिकी, जैव रासायनिक और ऊतक संवर्धन अध्ययन	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
राहुल साहा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में अपरंपरागत जैव अपघटनीय अपशिष्ट का उपयोग करके जंगली खाद्य मशरूम की खेती के लिए प्रोटोकॉल विकास और लागत-लाभ अनुपात तथा पोषण स्थिति का विश्लेषण	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
सम्राट त्रिपुरा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा की चयनित *टर्मिनलिया* प्रजातियों का कवक एंडोफाइट्स की संरचना का आकलन पादप वृद्धि संवर्धन के लिए जैव अनुप्रयोगों के संदर्भ में अध्ययन	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
जादबेन्द्र मालाकार	पूर्णकालिक	भारत के त्रिपुरा राज्य के पश्चिमी त्रिपुरा जिले की पुष्पीय वनस्पति	प्रो. बी.के. दत्ता	प्रदत्त
रोई सिंघा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के चयनित फर्नों के अंतःपादक कवक: एक संवर्धन आधारित विविधता विश्लेषण	डॉ. पन्ना दास	प्रदत्त
अंतरा बोस	पूर्णकालिक	सोलानेसी कुल की जंगली और संवर्धित प्रजातियों में पुष्पीय लक्षणों का तुलनात्मक विश्लेषण	प्रो. बी. के. दत्ता	पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू किया)

फरीदा बेगम	पूर्णकालिक	अंतःरोगी कवकों का पृथक्करण और लक्षण वर्णन	डॉ. एन. बालासुब्रमणियन	पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू किया)
रिया रॉय	पूर्णकालिक	त्रिपुरा की कुछ चयनित फसलों में परागणकर्ताओं की प्रभावशीलता और प्रजनन सफलता	प्रो. बी. के. दत्ता	पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू किया)
राजदीप धर	पूर्णकालिक	पादप वृद्धि को बढ़ावा देने वाले जीवाणुओं का पृथक्करण और लक्षण वर्णन	डॉ. एन. बालासुब्रमणियन	पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू किया)
तनुश्री सिंघा	पूर्णकालिक	लैमिएसी कुल की चुनिंदा औषधीय महत्व वाली प्रजातियों में परागण पारिस्थितिकी और प्रजनन रणनीतियाँ	प्रो. बी.के. दत्ता	पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू किया)
सुभ्रानिल रे	अंशकालिक	त्रिपुरा में पाए जाने वाले रतनों के भौगोलिक वितरण, विविधता और पर्यावास संरचना का मानचित्रण।	प्रो. बी.के. दत्ता	पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू किया)

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी/ व्याख्यान/ वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण कोर्स/ सेमिनार/सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	27 - 28 मार्च, 2025	02	उत्तर पूर्वी भारत में जैविक विज्ञान में हाल के रुझान-2025 विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन	राष्ट्रीय संगोष्ठी	राष्ट्रीय	198

5.2 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
डॉ. एस. बसु	नए आपराधिक कानून अल्पकालिक पाठ्यक्रम	एमएमटीटीसी लखनऊ विश्वविद्यालय	8 दिन	3 मार्च, 2025 से 10 मार्च, 2025

6. शोध का प्रमुख क्षेत्र:
   1. त्रिपुरा के पादप संसाधनों पर एक डिजिटल डेटाबेस विकसित करना
   2. चयनित टैक्सोनों का साइटोलॉजिकल और फाइटोकेमिकल अध्ययन
   3. मिट्टी की उर्वरता और संबंधित पौधों के विकास व्यवहार के संदर्भ में चयनित टैक्सोन के राइजोस्फीयर में पादप-सूक्ष्मजीव संबंधों का आकलन।
   4. बांस की प्रजातियों का संरक्षण और प्रसार

7. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
08	02	06

8. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:

क) जियस माइक्रोस्कोप (फोटोग्राफिक अटैचमेंट सहित)
ख) अल्टा माइक्रोस्कोप
ग) फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप
घ) यूवी-वीआईएस स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस
ङ) नैनोड्रोप
च) थर्मल साइक्लर
छ) बर्कार्ड वॉल्यूमेट्रिक एयर सैम्पलर और एंडरसन सैम्पलर
ज) डीप फ्रीजर (-40 और -80)

झ) मिली-क्यू जल शोधक
ञ) कोल्ड सेंट्रीफ्यूज
ट) आइस फ्लेक मशीन
ठ) शेकर-सह-इनक्यूबेटर
ड) वैक्यूम इवेपोरेटर
ढ) जेल डॉक्ट
ण) लायोफिलाइज़र

9. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ संयुक्त शोध

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के नाम	परियोजना पर संयुक्तता	वर्ष
डॉ. पन्ना दास	जेएनवीयू, एनबीआरआई, नेहु, एयू, आईबीएसडी, नेरिस्ट	छात्रों और संस्कृति के अलगाव का आदान-प्रदान	2024-25

10. शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभाग से विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले छात्र:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां/नहीं)	संगठन का नाम/ संस्था	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
दिगांता पेगु	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी	नेट- जेआरएफ

परीक्षा सहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र; *परीक्षा रहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र।

11. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां/नहीं)	संगठन का नाम/ संस्था	पद का नाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
स्वरूप दत्ता	पुरुष	सामान्य	नहीं	ग्रीन यात्रा ट्रस्ट	वरिष्ठ परियोजना समन्वयक	एनजीओ	एनजीओ का मानव संसाधन विभाग
पपीया देवन	महिला	अनुसूचित जनजाति	नहीं	भारतीय स्टेट बैंक	कनिष्ठ सहयोगी	भारत सरकार	एसबीआई क्लर्क परीक्षा
मौसमी सरमा	महिला	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	इमामी लिमिटेड	प्रशिक्षु, गुणवत्ता विकास	निजी कंपनी	इमामी लिमिटेड

रासायनिक एवं पॉलिमर अभियांत्रिकी विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. सचिन भलाधरे
स्थापना वर्ष : 2016
प्रस्तावित कार्यक्रम : प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर (एम.टेक.) और डॉक्टरेट (पीएच.डी.)
प्रवेश क्षमता : एम.टेक.-15 +2 (ईडब्ल्यूएस), पीएच.डी. उपलब्धता के अनुसार

विभाग का ध्येय: विभाग का लक्ष्य शिक्षण, शोध, नवाचार एवं सामाजिक सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करना है। इससे पर्यावरण-अनुकूल, सामाजिक-आर्थिक रूप से व्यवहार्य एवं नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास कर रासायनिक एवं पॉलिमर इंजीनियरिंग शिक्षा के स्तर को उन्नत किया जा सके तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया जा सके।

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग का प्राथमिक लक्ष्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनना है, जहाँ सशक्त शोध एवं शिक्षण वातावरण उपलब्ध हो। विभाग छात्रों को वैचारिक ज्ञान एवं तकनीकी कौशल प्रदान कर अकादमिक, औद्योगिक एवं शोध क्षेत्रों में श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए सक्षम बनाता है। लक्ष्य प्राप्ति हेतु विभाग शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का निरंतर संशोधन करता है तथा 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए नए शोध क्षेत्र विकसित करता है।

वर्तमान में विभाग में लगभग 42 लाख रुपये की दो वित्तपोषित परियोजनाएँ संचालित हैं, जो अकादमिक एवं शोध सुविधाओं के विस्तार में सहायक हैं। संकाय सदस्यों के प्रयासों से नई परियोजनाएँ प्राप्त हुई हैं, जिससे आधुनिक प्रयोगशालाएँ एवं यंत्र स्थापित किए गए हैं। छात्रों को सम्मेलनों, सेमिनारों एवं प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इसके अलावा, रसायन एवं पॉलिमर अभियांत्रिकी विभाग ने जल शोधन प्रणालियों के डिजाइन एवं कार्यान्वयन पर अनेक भारतीय पेटेंट प्राप्त किए हैं। विभाग ने एचएन टेक्नोवेशन्स एलएलपी नामक स्टार्ट-अप सफलतापूर्वक प्रारंभ किया है, जो भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों मंत्रालय के अधीन सीमित देयता भागीदारी के रूप में पोर्टेबल जल शोधन मशीनों द्वारा आपदा प्रबंधन पर केंद्रित है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
सचिन भालाधरे	पीएच.डी.	साहयक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	पॉलिमर संश्लेषण, जैवआधारित और जैवअपघटनीय पॉलिमर, हाइड्रोजेल, नैनोजेल, कार्बनिक अर्धचालक, दवा वितरण	9	1	2	2	-	537	10
हरजीत नाथ	एम.टेक., पीएच.डी. (जारी)	साहयक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	झिल्ली विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, बायोचार उत्पादन एवं उपयोग	9	-	-	1	1	389	10

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थीयों की सहभागिता :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
पायरोएशिया 2024	हरजीत नाथ (शोधार्थी/शिक्षक)	1	-	-

जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में प्रकृति, संस्कृति, राजनीति और प्रौद्योगिकी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी: आगे का रास्ता	हरजीत नाथ (शोधार्थी/शिक्षक)	-	-	1
सतत पर्यावरण के लिए द्रवीकृत बिस्तर प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	हरजीत नाथ (शोधार्थी/शिक्षक)	-	1	-
जल उपचार के लिए टिकाऊ प्रौद्योगिकियां	हरजीत नाथ (शोधार्थी/शिक्षक)	-	1	-
2 रसायन विज्ञान के उभरते क्षेत्रों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सुलगना भट्टाचार्य (शोधार्थी)	-	-	1

3. संकाय/ अतिथि शिक्षण द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
हरजीत नाथ	शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ और एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित एनआईटी अगरतला में "नवाचार और उद्यमिता" पर एक पूर्णकालिक विकास कार्यक्रम (एफ डीपी) आयोजित किया गया	25/03/2025	एन.आई.टी, अगरतला	लीन स्टार्टअप को समझना
हरजीत नाथ	विश्व बौद्धिक संपदा दिवस, आईईआई त्रिपुरा राज्य केंद्र और आईसीएफ एआई विश्वविद्यालय के संयुक्तता से मनाया गया	28/04/2025	आईसीएफ एआई विश्वविद्यालय	आईपी की मूल बातें
हरजीत नाथ	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में उद्यमिता विकास और इनक्यूबेशन केंद्र	60/05/2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	उद्यमिता, ऊष्मायन और बौद्धिक संपदा अधिकार

4. पेटेंट/कॉपीराइट आवेदित/स्वीकृत:

नाम	पेटेंट का शीर्षक	आवेदित/ स्वीकृत	पेटेंट संख्या	आवेदन की तिथि/स्वीकृति तिथि (दिन/माह/वर्ष)	लाइसेंस अथवा नहीं
हरजीत नाथ	डिस्टीलाईजेशन सह जल तापन बोतल	स्वीकृत	415468-001	17/07/2024	नहीं
हरजीत नाथ, पंतुला करुणा पूर्णपु रूपा, देबब्रता मजूमदार	आईओटी यूएसबी आधारित प्रकाश आश्रित प्रतिरोधक सेंसर सह डेटा लॉगर	स्वीकृत	416199-001	16/01/2025	-
हरजीत नाथ, अभिनव कांत	जल उपचार के लिए बांस से निर्मित सेडीमेंट फ़िल्टर मॉड्यूल	स्वीकृत	417454-001	24/07/2024	-
हरजीत नाथ	जीवाश्म ईंधन आधारित जल पंप संचालित पॉलीप्रोपाइलीन प्रीफिल्टर और खोखले फाइबर अल्ट्रा फिल्ट्रेशन मेम्ब्रेन पर आधारित पेयजल शुद्धिकरण प्रणाली	स्वीकृत	419684-001	22/10/2024	-
हरजीत नाथ	पावर बैकअप और सोलर चार्जिंग सुविधा से लैस पोर्टेबल जल शोधन इकाई	आवेदित	430538-001	14/09/2024	-
हरजीत नाथ	पोर्टेबल प्री-फ़िल्टर और डुअल यूएफ़ आधारित जल शोधन सेट	स्वीकृत	431403-001	11/11/2024	-
हरजीत नाथ, एचएन टेक्नोवेशन्स एलएलपी	फोल्डिंग सोलर पैनल, यूएसबी आउटपुट और बैकवॉश सुविधा वाला सूटकेस वाटर प्यूरीफायर	स्वीकृत	432526-001	21/02/2025	-
लक्ष्मी के. सिंह, हरजीत नाथ, बिष्णु प्रसाद कोइरी	थिन फिल्म निक्षेपण के लिए सीवीडी प्रणाली	स्वीकृत	432653-001	13/06/2025	-
हरजीत नाथ	आईओटी आधारित सौर स्मार्ट ड्रिप कृषि प्रणाली	स्वीकृत	434930-001	16/12/2024	-

हरजीत नाथ	कम लागत वाला डबल ड्रम बायोचार भट्टी	स्वीकृत	434931-001	03/02/2025	-
हरजीत नाथ एचएन टेक्नोवेशन्स एलएलपी	पोर्टेबल टेबल माउंटेड मॉड्यूलर 4-स्टेज जल शोधन सेट	आवेदित	437597-001	17/11/2024	-
हरजीत नाथ, एचएन टेक्नोवेशन्स एलएलपी	सोलर हाइब्रिड पोर्टेबल आउटडोर स्मार्ट वाटर फिल्टर सिस्टम कम इमरजेंसी पावर बॉक्स	आवेदित	437859-001	19/11/2024	-
जुपिटर चकमा, हरजीत नाथ	सौर पेनल	स्वीकृत	440699-001	21/02/2025	-
हरजीत नाथ, अभिनव कांत	जल उपचार के लिए बांस से निर्मित फ़िल्टर मॉड्यूल	स्वीकृत	441475-001	14/02/2025	-
हरजीत नाथ, एचएन टेक्नोवेशन्स एलएलपी	अस्पताल उपयोगिता के लिए रोबोट	आवेदित	441944-001	25/12/2024	-
हरजीत नाथ, एचएन टेक्नोवेशन्स एलएलपी	पेडल से संचालित हाथ धोने और पानी की पुनः प्राप्ति का सेटअप (सेट)	आवेदित	443121-001	04/01/2025	-
हरजीत नाथ, एचएन टेक्नोवेशन्स एलएलपी	हैंड सेनिटाइज़र डिस्पेन्सर	आवेदित	442990-001	04/01/2025	-
हरजीत नाथ, एचएन टेक्नोवेशन्स एलएलपी	पोर्टेबल डिस्टीलाईजेशन प्रणाली (सेट)	आवेदित	446494-001	03/02/2025	-

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (पाठ्यक्रम प्रारंभ करने वाले)/शोधप्रबंध/पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
दीपांकर दास	पूर्णकालिक	कृषि अनुप्रयोग के लिए सेलुलोज-आधारित हाइड्रोजेल का संश्लेषण	डॉ. सचिन भालाधारे	प्रदत्त

6. शोध के प्रमुख क्षेत्र: जैव-आधारित जैव-अपघट्य पॉलिमर, औषधि वितरण प्रणाली, कार्बनिक अर्धचालक, नैनोजेल, हाइड्रोजेल, बायोचार-आधारित मृदा संशोधन, अपशिष्ट जल उपचार, गैसीकरण एवं पायरोलिसिस द्वारा स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, अनुकरण एवं अनुकूलन।

7. नई पहल/नवाचार: नवीकरणीय ऊर्जा हेतु लचीले, स्थिर एवं कुशल नॉन-फुलरिन आधारित कार्बनिक फोटोवोल्टिक सेल (पीवी) का विकास; सैन्य एवं आपदा राहत के लिए पोर्टेबल जल शोधन प्रणालियों की श्रृंखला, जल गुणवत्ता सेंसर एवं विआयनीकृत जल प्रणाली आदि का विकास।

8. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (A+B)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
5	3	2

9. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र: कण आकार विश्लेषक (होरीबा एल.ए-350A), फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस (शिमाज़ू आईआर स्पिरिट), डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरीएमटीएस (नेट्ज़श डीएससी 214 पॉलीमा), यूवी-दृश्य स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस (एपेनडॉर्फ बायो-स्पेक्ट्रोएमटीएस), एपेनडॉर्फ पीसीआर मशीन (मास्टर साइक्लर नेक्सस ग्रेडिएंट), एपेनडॉर्फ फर्मेंटर/बायोरिएक्टर (न्यू ब्रंसविक), उच्च तापमान ट्यूबलर फर्नेस, मृदा निगरानी स्टेशन, फ्रीज ड्रायर।

10. वर्ष 2024-25 में अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ संयुक्त शोध:

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के नाम	परियोजना पर संयुक्तता	वर्ष
हरजीत नाथ	सीएसआईआर सीआईएमएफ आर	रबर की लकड़ी का गैसीकरण/पायरोलिसिस	2024-25
हरजीत नाथ	एनआईटी, राउरकेला	एस्पेन प्लस सिमुलेशन	2024-25

रसायन विज्ञान विभाग

विभाग प्रमुख	:	प्रो. यू.सी. दे
स्थापना वर्ष	:	1976 में सीयूपीजी केंद्र के रूप में और 1987 से एक पूर्ण विकसित विभाग के रूप में स्थापित हुआ।
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	i) रसायन विज्ञान में एम.एससी. (चार सेमेस्टर) ii) रसायन विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम
प्रवेश क्षमता	:	एम. एससी i) 38 (अना. 17+एसटी 9+एससी 7+ओबीसी 1+ईडब्ल्यूएस 4) पीएचडी ii) यूजीसी के मानदंडों के अनुसार

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/दृष्टि: विभाग को प्रतिवर्ष नेट/स्लेट/गेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र तैयार करने का गौरव प्राप्त है। स्थापना काल से ही विभाग प्रमुखता से शोध में सक्रिय रूप से संलग्न रहा है तथा यूजीसी, सीएसआईआर, आईसीएमआर, डीबीटी एवं डीएसटी जैसे भारत सरकार के अनुदान संस्थानों से प्रमुख शोध परियोजनाओं हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करता रहा है। हाल ही में विभाग को डीएसटी से दो प्रमुख परियोजनाएँ प्राप्त हुई हैं।

प्रमुख शोध क्षेत्रों में फाइटोकेमिस्ट्री, सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, सिंथेटिक एवं संरचनात्मक अकार्बनिक रसायन, समन्वय रसायन, क्वांटम रसायन, सर्फेक्टेंट एवं कोलाइड्स आदि सम्मिलित हैं। संकाय सदस्य प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित करते हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एफ आईएसटी कार्यक्रम (स्तर-1) के अंतर्गत 400 मेगाहर्ट्ज एनएमआर यंत्र को मंजूरी प्राप्त हुई है, जो वर्तमान में स्थापित एवं कार्यरत है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ संविदा*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
डॉ. आर. के. नाथ	एम.एससी, पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सरफेस रसायन विज्ञान	अध्यापन: 30 वर्ष। शोध: 35 वर्ष	00	01	00	शून्य	328	13
डॉ. आर.एन. दत्त पुरकायस्थ	एम.एससी, पीएच.डी	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सिंथेटिक और संरचनात्मक अकार्बनिक रसायन विज्ञान	अध्यापन: 37 वर्ष शोध: 43 वर्ष	01	00	00	शून्य	96	10
डॉ. एस. मजूमदार	एम.एससी पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	जैविक हरित संश्लेषण	अध्यापन: 21 वर्ष शोध: 30	01	03	05	शून्य	710	22
डॉ. यू. सी. दे	एम.एससी, पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	प्राकृतिक उत्पाद और औषधीय रसायन विज्ञान	अध्यापन: 23 वर्ष, शोध: 26 वर्ष	00	04	05	शून्य	627	13
डॉ. एस.के. बिस्वास	एम.एससी, पीएच.डी	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	नए कार्बनिक पदार्थों का संश्लेषण और कार्यप्रणाली	अध्यापन: 9 वर्ष, शोध: 21 वर्ष	00	00	04	शून्य	120	10
डॉ. ए. भट्टाचार्य	एम.एससी. पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	स्पेक्ट्रोस्कोपी, पदार्थ रसायन विज्ञान	अध्यापन: लगभग 2 साल शोध: 12 वर्ष	00	00	00	शून्य	436	14
डॉ. ए. चंद्र	एम.एससी. पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	उत्प्रेरण, जैव अकार्बनिक रसायन विज्ञान	अध्यापन: लगभग 2 वर्ष शोध: 14 वर्ष	00	00	00	शून्य	302	06

**उल्लेख अनिवार्य*

2. अभ्यागत शिक्षक/अभ्यागत अध्येता:

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/ व्याख्यानों के विषय	संप्रति/पूर्व (यदि सेवानिवृत्त हों) में जिस संस्थान से संबद्ध हों
डॉ. एस. चौधरी	(i) रसायन विज्ञान 701सी- समरूपता और समूह सिद्धांत-12एल (iii) केईएम 901सी-एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी-12एल	रसायन विज्ञान विभाग, गौर बंगा विश्वविद्यालय, मालदा, पश्चिम बंगाल
प्रो. एम. के. पॉल	(i) रसायन विज्ञान 703सी- क्वांटम यांत्रिकी (ii) सी.एच.ई.एम 903सी: रासायनिक गतिकी-II- 12L	रसायन विज्ञान विभाग असम विश्वविद्यालय, सिलचर, कछार, असम

3. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थीयों की सहभागिता :

नाम	शिक्षक विद्यार्थी/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
प्रो. एस. मजूमदार	शिक्षक	02	00	00
प्रो. यू.सी.डी.	शिक्षक	01	00	00
डॉ. एस.के. बिस्वास	शिक्षक	01	01	00
डॉ. ए. चंद्र	शिक्षक	01	00	00
डॉ. ए. भट्टाचार्य	शिक्षक	01	00	00
सौरव चक्रवर्ती	शोधार्थी	02	-	00
स्मृति रेखा बरुआ	शोधार्थी	01	-	00
सुसांत दास बैष्णब	शोधार्थी	01	-	00
सुतापा देब	शोधार्थी	01	-	00
बरनाली दास	शोधार्थी	02	01	00
राजेश देबनाथ	शोधार्थी	02	01	00
समीर देबनाथ	शोधार्थी	01	00	00
अनुरोध चटर्जी	शोधार्थी	01	00	00
मयूरी डे	शोधार्थी	01	00	00

4. संकाय सदस्यों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए आमंत्रित व्याख्यान: 01

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. अर्घ्यदीप भट्टाचार्य	ऑनलाइन वार्ता	08.05.2025	वीआईटी एपी विश्वविद्यालय	अणुओं के साथ लेगो खेलना: एक स्पेक्ट्रोस्कोपिक दृष्टिकोण
डॉ. स्वपन कुमार बिस्वास	हाबरा-उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल	18.02.2025	श्री चैतन्य महाविद्यालय,	अच्छी खान-पान की आदतें और बेहतर जीवनशैली कई प्रकार के कैंसर के खतरे को कम कर सकती हैं

5. शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/शोधप्रबंध/पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

क्रम सं.	शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसीस जमा/उपाधि प्रदत्त
1	श्री सौरव चक्रवर्ती	पूर्णकालिक (यूजीसी)	कुछ कार्बन-कार्बन बंध निर्माण प्रतिक्रियाओं के लिए टिकाऊ माध्यम के विकास पर अध्ययन	प्रो. एस. मजूमदार	उपाधि प्रदत्त
2	श्रीमती बिजयश्री मिश्रा	अंशकालिक	कुछ नए एंथ्राक्विनोन व्युत्पन्नों का संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन	प्रो. यू.सी. डी	उपाधि प्रदत्त
3	सुश्री बरनाली दास	पूर्णकालिक (रेट)	द्वि-विषमचक्रीय यौगिकों और अन्य संबंधित यौगिकों के संश्लेषण के लिए नवीन मार्गों के विकास की दिशा में सतत रणनीति	प्रो. एस. मजूमदार	सार्वजनिक संगोष्ठी संपन्न हुई
4	श्रीमती स्मृति रेखा बोरुआ	पूर्णकालिक (रेट)	मोलिब्डेनम और टंगस्टन कॉम्प्लेक्सों पर संश्लेषण, संरचनात्मक स्पष्टीकरण और प्रतिक्रियाशीलता अध्ययन	प्रो. आर. एन. दत्ता पुरकायस्था	उपाधि प्रदत्त

5	श्री सुसांत दास बैश्नब	अंशकालिक	वैनेडियम के नाइट्रोजन और ऑक्सीजन दाता संकुलों का संश्लेषण, संरचना, प्रतिक्रियाशीलता और सैद्धांतिक अध्ययन	डॉ. ए. चंद्र	पंजीकृत 20.10.2020
6	सुतापा देब	पूर्णकालिक (रेट)	अल्ट्रा थिन फिल्मों में एकत्रित कुछ रंगों और अन्य कार्बनिक अणुओं के भौतिक-रासायनिक गुणों पर एक जांच	डॉ. ए. भट्टाचार्य	थीसिस प्रस्तुत
7	श्री बिजय कृष्ण दास	अंशकालिक	पौधों द्वारा निर्मित धातु नैनोकणों का जैवसंश्लेषण, उनका लक्षण वर्णन और जैविक संभावनाओं का अध्ययन	प्रो. यू.सी. डी	सार्वजनिक संगोष्ठी संपन्न हुई
8	समीर देबनाथ	अंशकालिक	कुछ कार्बनिक हेटरोसाइकलों का संश्लेषण और जैविक अध्ययन	प्रो. यू.सी. डी	पंजीकृत 15.12.2022
9	राजेश देबनाथ	पूर्णकालिक (रेट)	फाइटो अणुओं से संयुग्मित धातु नैनोकणों का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और जैविक जांच।	प्रो. यू.सी. डी	पंजीकृत 07.03.2023
10	सुमन चक्रवर्ती	अंशकालिक	विभिन्न पदार्थों से अवशिष्ट रसायनों के पृथक्करण और लक्षण वर्णन पर अध्ययन फोरेंसिक नमूने	प्रो. यू. सी. डी	पंजीकृत
11	देवाशीष रॉयचौधरी	अंशकालिक	-	प्रो. एस. मजूमदार डॉ. सुधन देबनाथ	पंजीकृत
12	अनुरोध चटर्जी	पूर्णकालिक (रेट)	विषय तय नहीं किया गया है	डॉ. ए, चंद्र	पीएच.डी. कोर्स वर्क परीक्षा परिणाम प्रतीक्षित
13	मयूरी डे	पूर्णकालिक (रेट)	विषय तय नहीं किया गया है	प्रो. एस. मजूमदार	पीएच.डी. कोर्स वर्क परीक्षा परिणाम प्रतीक्षित

6. विभाग के बढ़ते कदम :

6.1.व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का स्तर
प्रो. आर. के. नाथ	त्रिपुरा केमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
	भारतीय विज्ञान कांग्रेस	आजीवन सदस्य
	भारतीय सतही विज्ञान और प्रौद्योगिकी सोसायटी	आजीवन सदस्य
आर एन दत्त पुरकायस्थ	भारतीय रसायन सोसायटी	आजीवन सदस्य
	त्रिपुरा केमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
	मेघालय विज्ञान सोसायटी	आजीवन सदस्य
प्रो. एस. मजूमदार	त्रिपुरा केमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
	भारतीय विज्ञान संवर्धन संघ	आजीवन सदस्य
प्रो. यू. सी. डी	भारतीय विज्ञान संवर्धन संघ	आजीवन सदस्य
	भारतीय रसायन सोसायटी	आजीवन सदस्य
	त्रिपुरा केमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. एस.के. बिस्वास	त्रिपुरा केमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. ए. भट्टाचार्य	त्रिपुरा केमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. ए. चंद्र	त्रिपुरा केमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य

6.2.संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
डॉ. अनिर्बान चंद्र	एनईपी 2020 अभिमुखीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम (एम.एम.सी-049-2024-मई-B-00510) मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम-टीटीपी) के अंतर्गत, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)	ऑनलाइन (कालीकट विश्वविद्यालय, थेनहिपालम-673635) केरल)	10 दिन	20.05.2024 - 29.05.2024

डॉ. अनिर्बान चंद्र	12 संकाय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम-टीटीपी) के अंतर्गत प्रेरण कार्यक्रम	रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र	28 दिन	30-12-2024 - 25-01-2025
डॉ. अर्घ्यदीप भट्टाचार्य	12 संकाय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम-टीटीपी) के अंतर्गत प्रेरण कार्यक्रम	रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र	28 दिन	30-12-2024 - 25-01-2025

7. शोध के प्रमुख क्षेत्र: सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, हरित रसायन विज्ञान, औषधीय रसायन विज्ञान, सिंथेटिक और संरचनात्मक अकार्बनिक रसायन विज्ञान, स्पेक्ट्रोस्कोपी, सर्फेक्टेंट और कोलाइड, थिन फिल्म और नैनो विज्ञान।

8. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
05+05 = 10	03 (स्नातकोत्तर व्यावहारिक प्रयोगशालाएँ) 02 (वाद्य यंत्र कक्ष)	05

9. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:
   i) वन फ्लैश क्रोमैटोग्राफी (बायोटेज, स्वीडन, डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)
   ii) एक यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस (हिताची, यूएच5300, जापान, डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)
   iii) एक वैक्यूम कंसंट्रेटर (एप्पेंडॉर्फ, जर्मनी, डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)
   iv) यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस - 02 (शिमाज़ू - 1800 और 1900)
   v) चुंबकीय तराज़ू (शेरवुड)
   vi) एचपीएलसी - डायोनेक्स
   vii) चक्रीय वोल्टएमटीएस
   viii) एलबी फिल्म बैलेंस (एपेक्स इंस्ट्रूमेंट)।
   ix) 400 मेगाहर्ट्ज एनएमआर स्पेक्ट्रोएमटीएस (ब्रुकर), जो कि विश्वविद्यालय के केंद्रीय यंत्र केंद्र में स्थापित है।
   x) आईआर (उपयोगकर्ता)
   xi) आरएफ -6000 शिमाद्ज़ू फ्लोरीएमटीएस
   xii) एक स्पिन कोटिंग मशीन

10. वर्ष 2024-25 के दौरान अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ संयुक्त शोध

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/ उद्योगों के नाम	परियोजना पर संयुक्तता	वर्ष (2023-24)
डॉ. अर्घ्यदीप भट्टाचार्य	बर्मिंघम विश्वविद्यालय, यूके	कुछ स्व-निर्मित अणुओं की एक्साइटेड स्टेट प्रोसेस	2024 से जारी
डॉ. अर्घ्यदीप भट्टाचार्य	कलकत्ता विश्वविद्यालय, भारत	कुछ स्व-निर्मित अणुओं की एक्साइटेड स्टेट प्रोसेस	2023- वर्तमान तक
डॉ. अर्घ्यदीप भट्टाचार्य	मर्सिया विश्वविद्यालय, स्पेन	कुछ सुगंधित अणुओं का प्रतिदीप्ति जीवनकाल इमेजिंग	2025 से जारी
डॉ. अर्घ्यदीप भट्टाचार्य	इकोले पॉलिटेक्निक, फ्रांस	ठोस-अवस्था प्रकाश उपकरणों के लिए संयुग्मित उत्सर्जक पॉलिमर	2024 से जारी

11. अन्य उपलब्धियां: हर साल इस विभाग के कुछ उत्तीर्ण छात्र विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश ले रहे हैं, कुछ को शिक्षा, प्रशासन, बैंकिंग आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी नौकरी मिली है।

संगणक (कम्प्यूटर) विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

विभाग प्रमुख	:	डॉ. मृणाल कांति भौमिक
स्थापना वर्ष	:	2005
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	1. कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में एम.टेक.
		2. कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में पीएचडी
प्रवेश क्षमता	:	एम.टेक: 15+2 (ईडब्ल्यूएस) [एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित]

विभाग का ध्येय :

1. संयुक्त और अंतःविषयक समस्या समाधान को प्रोत्साहित करना।
2. छात्रों को ज्ञान की खोज और समाज के लाभ के लिए उसके अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करना।

प्रमुख उपलब्धियां: कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग ने 19 अगस्त 2005 को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) से अनुमोदन प्राप्त कर अपनी यात्रा आरंभ की। समर्पित संकाय सदस्यों के कठोर पर्यवेक्षण एवं कुशल छात्रों के संयुक्त प्रयासों से विभाग निरंतर प्रगति कर रहा है तथा उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित कर रहा है। विभाग के संकाय सदस्य एआईसीटीई (नई दिल्ली), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), एआईसीटीई की मॉडरोब-एनईआर योजना, भारतीय चिकित्सा शोध परिषद (आईसीएमआर) एवं आईआईटी हैदराबाद के तिहान फाउंडेशन प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र से वित्तपोषित विविध परियोजनाओं से जुड़े हैं। विभाग ने "इमेज प्रोसेसिंग ऑपरेटर्स टू सीएनएन" विषय पर कार्यशाला आयोजित की, जिसमें राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एफ एनए.एससी.) एवं भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी (एफ एनएई) के विशेषज्ञ प्राध्यापक (सेवानिवृत्त), कंप्यूटर एवं संचार विज्ञान, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता को छात्रों एवं पीएचडी शोधार्थियों हेतु आमंत्रित किया गया।

चित्र: **"इमेज प्रोसेसिंग ऑपरेटर्स से सीएनएन तक"** कार्यशाला पर**,** विशेषज्ञ वक्ता **प्रो. भाबतोष चंदा** नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (एफएनए.एससी.) और इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (एफएनएई) के फेलो, प्राध्यापक (सेवानिवृत्त), कंप्यूटर और संचार विज्ञान, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता, भारत, ने 9 को यह व्याख्यान दिया। अगस्त, 2024

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ संविदा*	शोध क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी मे कुल वर्षों का अनुभव	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	बी.ई (सीएसई), एम.टेक (सीएसई), पीएच.डी. (इंजीनियरिंग), पीएच.डी. के बाद का अनुभव, डीएसटी-एसईआरबी इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस (एसआईआरई) फेलोशिप के साथ	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	इमेज प्रोसेसिंग, मेडिकल इमेज प्रोसेसिंग, बायोमेट्रिक्स और फेस रिकग्निशन	17+	7	4	107	6	1635	20
डॉ. अभिषेक मजूमदार	बी.ई. (सीएसई), एम.टेक (आईटी), पीएच.डी.	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	वायरलेस एड-हॉक नेटवर्क, वायरलेस मेश नेटवर्क, आईओटी, मशीन लर्निंग	17+	1	5	34	3	1083	16
डॉ. सोमेन देबनाथ	बी.ई.(सीएसई), एम.टेक. (सीएसई), पीएचडी.	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सूचना सुरक्षा	14+ (7 दिसंबर, 2023 को टीयू में शामिल हुए)	1 (मिजोरम विश्व-विद्यालय)	3 (मिजोरम विश्व-विद्यालय)	-	1	138	7
श्रीमती शर्मिष्ठा चक्रवर्ती	बी.ई (सीएसई), एम.टेक (सीएसई)	अभ्यागत शिक्षक	अतिथि	इमेज प्रोसेसिंग, पैटर्न पहचान, चिकित्सा छवि प्रसंस्करण	9+	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	19	1

**उल्लेख अनिवार्य*

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों /अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/छात्रों/शोधार्थीयों की सहभागिता :

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	संकाय	01	शून्य	शून्य
डॉ. सौरव डे रॉय	शोध सहयोगी	02	शून्य	शून्य
सुश्री पूजा दास	पीएच.डी. शोधार्थी	01	शून्य	शून्य
श्री शांतनु दास	पीएच.डी. शोधार्थी	01	शून्य	शून्य
सुश्री अनिंदिता मोहंता	पीएच.डी. शोधार्थी	01	शून्य	शून्य
श्री दीपक हृषि दास	पीएच.डी. शोधार्थी	01	शून्य	शून्य

3. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	व्याख्यान/वार्ता का शीर्षक
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) के विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग	मार्च, 2025	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)	एफडीपी में "विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रौद्योगिकी में हाल के रुझान" विषय पर एक आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
डॉ. सोमेन देबनाथ	यूजीसी, एमएमटीटीसी, मिजोरम विश्वविद्यालय	जनवरी, 2025	मिजोरम विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)	सूचना एवं संचार विषय पर एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम में क्लाउड स्टोरेज में सुरक्षित एक्सेस कंट्रोल पर प्रौद्योगिकी विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
डॉ. सोमेन देबनाथ	यूजीसी, एमएमटीटीसी, असम विश्वविद्यालय	अगस्त 2024	असम विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)	उच्च शिक्षा में एमओओसी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत कम्प्यूटेशनल गणित और अनुप्रयोगों पर अंतः विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।
डॉ. सोमेन देबनाथ	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला	8-9 नवंबर, 2024	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला	नेटवर्क एप्लीकेशन और सुरक्षा पर तकनीकी सत्र के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अमृत -2024 में सत्र अध्यक्ष।
डॉ. सोमेन देबनाथ	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला	15-17 नवंबर, 2024	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और कंप्यूटिंग ट्रैक के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईईईई सिलिकॉन -2024 में सत्र अध्यक्ष

4. पेटेंट/कॉपीराइट आवेदित / प्राप्त :

नाम	पेटेंट का शीर्षक	आवेदित/ स्वीकृत	पेटेंट संख्या	आवेदन की तिथि/स्वीकृति तिथि (दिन/माह/वर्ष)	लाइसेंस अथवा नहीं
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	प्रतिकूल वातावरण में वस्तु का पता लगाने के लिए डीप कनवोल्यूशनल लेयर में खराब हुई छवि को पुनर्स्थापित करने की प्रणाली और विधि	स्वीकृत	543945	01/07/2024	-
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	स्तन के थर्मोग्राम से संदिग्ध हाइपरथर्मिक क्षेत्रों को अलग करने के लिए प्रणाली और विधि	स्वीकृत	555354	28/11/2024	-
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	अनेक जोड़ों में संदिग्ध हॉट स्पॉट क्षेत्रों को अलग करने की विधि और प्रणाली	आवेदित	पेटेंट आवेदन संख्या: 202431062925	20/08/2024	-
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	स्तन संबंधी असामान्यताओं का पता लगाने की विधि और प्रणाली	आवेदित	पेटेंट आवेदन संख्या: 202431055003	18/07/2024	-

5. अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/शोधप्रबंध जमा/पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
शांतनु दास	पूर्णकालिक	वीडियो में नेटसाजी का पता लगाना।	डॉ. मृणाल कांति भौमिक	प्री-पीएच.डी सेमिनार
दीपक हृषि दास	समय तक	सेब की कटाई के दौरान चोट के निशान का पता लगाने के लिए आईआर इमेज विश्लेषण तकनीकों का अध्ययन और विकास।	डॉ. मृणाल कांति भौमिक	थीसिस प्रस्तुत
जॉयदीप रॉय	पूर्णकालिक	अभी निर्णय होना बाकी है	पीएच.डी. पाठ्यक्रम का कार्य जारी है	कोर्स वर्क शुरू किया

जाग्रिता पॉल	पूर्णकालिक	अभी निर्णय होना बाकी है	पीएच.डी. पाठ्यक्रम का कार्य जारी है	कोर्स वर्क शुरू किया
रूपक शर्मा	पूर्णकालिक	अभी निर्णय होना बाकी है	पीएच.डी. पाठ्यक्रम का कार्य जारी है	कोर्स वर्क शुरू किया
शर्मिष्ठा चक्रवर्ती	समय तक	अभी निर्णय होना बाकी है	पीएच.डी. पाठ्यक्रम का कार्य जारी है	कोर्स वर्क शुरू किया
शिबप्रसाद चक्रवर्ती	पूर्णकालिक	अभी निर्णय होना बाकी है	पीएच.डी. पाठ्यक्रम का कार्य जारी है	कोर्स वर्क शुरू किया

6. विभाग के बढ़ते कदम :

6.1.विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	9 अगस्त, 2024	1 दिन	इमेज प्रोसेसिंग ऑपरेटर्स से सीएनएन तक	कार्यशाला	राष्ट्रीय	17
2.	11-13 नवंबर, 2024	3 दिन	त्रिपुरा के कारीगरों के हस्तशिल्प सशक्तिकरण के लिए संयुक्त प्रौद्योगिकी का उपयोग	प्रशिक्षण कार्यक्रम	राष्ट्रीय	75
3.	16 जुलाई 2024	1 दिन	ब्लॉकचेन और मशीन लर्निंग आधारित डिजिटल मार्केटिंग प्लेटफॉर्म	प्रशिक्षण कार्यक्रम	राष्ट्रीय	30
4.	21 फरवरी 2025	1 दिन	हस्तशिल्प कारीगरों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म	प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम	राष्ट्रीय	100
5.	25 फरवरी 2025	1 दिन	हस्तशिल्प कारीगरों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म	प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम	राष्ट्रीय	60
6.	28 फरवरी 2025	1 दिन	हस्तशिल्प कारीगरों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म	प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम	राष्ट्रीय	70

6.2.व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	आईईईई	वरिष्ठ सदस्य
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	एसीएम	सदस्य
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	एसपीआईई	सदस्य
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	इंस्टीट्यूशंस ऑफ इंजीनियर (आईई)	स्नातक सदस्य
डॉ. अभिषेक मजूमदार	इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग इंडिया (लेना)	संबद्ध सदस्य
डॉ. सोमेन देबनाथ	इंजीनियर्स संस्थान (आईईआई) (एम-1702348)	आजीवन सदस्य
डॉ. सोमेन देबनाथ	भारतीय तकनीकी शिक्षा सोसायटी (आईएसटीई) (109049)	आजीवन सदस्य
डॉ. सोमेन देबनाथ	कंप्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) (एफ 8004119)	संकाय सदस्य
डॉ. सौरव डे रॉय	आईईईई	छात्र सदस्य
सस्वता सरकार	आईईईई	छात्र सदस्य
शांतनु दास	आईईईई	छात्र सदस्य
पूजा दास	आईएपीआर	आजीवन सदस्य
जॉयदीप रॉय	आईईईई	छात्र सदस्य

6.3.संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
श्रीमती शर्मिष्ठा चक्रवर्ती	इंजीनियरिंग और शिक्षा प्रबंधन में एआई के प्रभाव पर एफडीपी (फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम)	टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अगरतला	छह दिन (42 घंटे)	24/03/2025 से 29/03/2025 तक

7. शोध का प्रमुख क्षेत्र:
   - बायोमेट्रिक्स और चेहरा पहचान
   - डेटा साइंस में कंप्यूटर विज़न
   - मेडिकल इमेजिंग:
     - असामान्यताओं का पता लगाने के लिए सूक्ष्मदर्शी कोशिका इमेजिंग
     - असामान्यताओं का पता लगाने के लिए मल्टीमोडैलिटी इमेजिंग
     - मस्कुलोस्केलेटल रेडियोलॉजी इमेजिंग
   - साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक्स
   - वायरलेस नेटवर्क
   - आईओटी
   - यंत्र अधिगम

8. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
06	02	04

9. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:
   - **उपलब्ध उपकरण शिक्षणप्रयोगशाला (भूतल):**10 चालू कंप्यूटर उपलब्ध हैं
   - **उपलब्ध उपकरण शिक्षणप्रयोगशाला (तृतीय तल):** 8 चालू कंप्यूटर उपलब्ध हैं
   - **बायोमेट्रिक्स प्रयोगशाला में उपलब्ध प्रमुख उपकरण (प्रथम तल)**

     (**वित्तपोषित संस्था:**(इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार)
     - सिम्प्लेक्स फ्लैश, रेडियो ट्रिगर, एमएल-3 (इन्फ्रारेड मल्टीट्रिगर) और ट्राइपॉड (कैमरा स्टैंड) सहित 5 निकॉन डी 5100 वीआर किट कैमरे।
     - 2.13GHz इंटेल ज़ेनॉन क्वाड कोर प्रोसेसर वाला 1 रैक अधिकतम 4U सर्वर (HP/DL580)।
     - 1 डेल स्टूडियो एक्सपीएस 1640 लैपटॉप, जिसमें 2.40GHz 789 मेगाहर्ट्ज इंटेल कोर 2 डुओ प्रोसेसर और 4GB फिजिकल मेमोरी है।
     - 2.80GHz, 3.00GHz, 2.66GHz कोर 2 डुओ प्रोसेसर और क्रमशः 2GB, 2GB, 1GB फिजिकल मेमोरी वाले 3 एचपी कॉम्पैक डेस्कटॉप कंप्यूटर।
     - ऑनलाइन यूपीएस, 3.0 केवीए।
     - आरटीजी005- यूएसबी से जुड़ा एफपीजीए और पावर पीसी इमेज प्रोसेसिंग सिस्टम।
     - सोनी कंपनी का कैमरा लिंक कैमरा, मोनोक्रोम, यूनिवर्सल पावर सप्लाई के साथ 4 मिमी मेगा पिक्सल लेंस, मिनी 26 पिन कैमरा लिंक कनेक्टर।
     - एचपी लेजर जेट एम1522 एनएफ प्रिंटर सह स्कैनर सह कॉपियर सह फैक्स।
     - एचपी लेजर जेट प्रिंटर पी1008।

चित्र: बायोमेट्रिक्स प्रयोगशाला

➢ **<u>बायोमेडिकल इन्फ्रारेड इमेज प्रोसेसिंग प्रयोगशाला में उपलब्ध प्रमुख उपकरण (प्रथम तल)</u>**
(**वित्तपोषित संस्था:**जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), ट्विनिंग परियोजना, भारत सरकार।

- T650sc इन्फ्रारेड थर्मल कैमरा, संवेदनशीलता (30°C पर): <20 mK @ 30°C, दृश्य क्षेत्र (FOV)/न्यूनतम फोकस दूरी: 25° x 19° / 0.25 एमटीएस, स्पेक्ट्रल रेंज: 7.5 से 14 ग्राम, और कैमरे का बजट लगभग 22 लाख रुपये है।
- एफएलआईआर E60 थर्मो-विजन कैमरा, जिसकी संवेदनशीलता <0.05°C है, और डिजिटल कैमरा फ्लैश, बिल्ट-इन लेजर, सॉफ्टवेयर और ट्राइपॉड माउंटिंग की सुविधा के साथ आता है।
- एपीसी 6केवीए ऑनलाइन यूपीएस
- एक एनवीडिया टाइटन आरटीएक्स जीपीयू एचपी जेड4 वर्कस्टेशन से जुड़ा हुआ है।
- 24TB HDD के साथ एक क्लाउड स्टोरेज प्लान

चित्र: जैव-चिकित्सा अवरक्त छवि प्रसंस्करण प्रयोगशाला

➢ **<u>कंप्यूटर विज़न प्रयोगशाला में उपलब्ध प्रमुख उपकरण (प्रथम तल)</u>**
(वित्तपोषित संस्था: रक्षा शोध एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारत सरकार**)**

- एक एनवीडिया टाइटन एक्सपी ग्राफिक्स कार्ड, जिसमें जीपीयू आर्किटेक्चर पास्कल, फ्रेम बफर 12 जीबी जी5एक्स, मेमोरी स्पीड 11.4 जीबीपीएस और बूस्ट क्लॉक 1582 मेगाहर्ट्ज है।
- एक एचपी जेड420 वर्कस्टेशन, 3.7 GHz स्पीड के साथ
- दो पीटीजेड हाई रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे
- 24TB HDD के साथ एक क्लाउड स्टोरेज प्लान
- एक 6 केवीएसी ऑनलाइन यूपीएस।
- एक 49 इंच का पैनासोनिक डिस्प्ले मॉनिटर।

चित्र: कंप्यूटर विज़न प्रयोगशाला

- <u>**मोबाइल कंप्यूटिंग प्रयोगशाला में उपलब्ध प्रमुख उपकरण (तृतीय तल)**</u>

(**वित्तपोषित संस्था:**(इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार)

- डेल प्रेसिजन टॉवर 5810 वर्कस्टेशन।
- ऑनलाइन यूपीएस, 3.0 केवीए।
- सैमसंग एक्सप्रेस एम2876एनडी ऑल-इन-वन लेजर प्रिंटर।
- आईओटी किट (आर्डिनो किट, रास्पबेरी पाई किट)
- नासा टेक रोबोटिक किट
- डेल टी40 एज सर्वर।
- डेल प्रेसिजन टी3610 वर्कस्टेशन

चित्र: मोबाइल कंप्यूटिंग प्रयोगशाला

10. प्रदत्त /पदक/सम्मान#शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्राप्त (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर के) प्रदत्त :

शिक्षक का नाम	पुरस्कारों/पदकों/ सम्मानों के नाम	पुरस्कारों/पदकों/ सम्मानों की तिथि	पुरस्कार प्रदान करने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणी
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता	02/09/2024	विज्ञान एवं इंजीनियरिंग शोध बोर्ड (एसईआरबी) अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता (आईटीएस) योजना	-

खेलों के मामले में, अंतर-विश्वविद्यालय एवं क्षेत्रीय स्तर के आयोजन भी विचारणीय होंगे।।

11. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ संयुक्त शोध

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/ उद्योगों के नाम	परियोजना पर संयुक्तता	वर्ष
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	बाल शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (एआईएमएस)-नई दिल्ली, भारत	भारतीय चिकित्सा शोध परिषद (आईसीएमआर), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना का शीर्षक है "बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा घावों के थर्मोग्राफिक प्रोफाइल के इन्फ्रारेड सिग्नेचर और शल्य चिकित्सा स्थल संक्रमण की भविष्यवाणी के लिए प्रारंभिक चरण परीक्षण-सटीकता अध्ययन और स्वचालित छवि विभाजन के लिए डीप लर्निंग आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का विकास"।	2024-2025
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, भारत	"वायु प्रदूषण कणों का पता लगाने और लेबलिंग के लिए यूएवी आधारित छवि अधिग्रहण और विश्लेषण" नामक परियोजना, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) - हैदराबाद के स्वायत्त नेविगेशन और डेटा अधिग्रहण प्रणालियों पर टीआईएचएएन फाउंडेशन प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र द्वारा वित्त पोषित है।	2024-2025
डॉ. सोमेन देबनाथ	मिजोरम विश्वविद्यालय	ब्लॉकचेन और मशीन लर्निंग का उपयोग करके मिज़ो किसानों के कृषि उत्पादों के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (32 लाख रुपये) परियोजना, आईबीआईटीएफ द्वारा सह-प्रवेशक के रूप में वित्त पोषित।	2024-2025
डॉ. सोमेन देबनाथ	मिजोरम विश्वविद्यालय	मिजोरम में असंगठित श्रमिकों के लिए स्मार्ट कार्य प्रबंधन (30 लाख रुपये) परियोजना, आईबीआईटीएफ द्वारा सह-प्रबंधक के रूप में वित्त पोषित।	2024-2025
डॉ. सोमेन देबनाथ	मिजोरम विश्वविद्यालय	आइजोल शहर के लिए सतत स्मार्ट पार्किंग समाधान (30 लाख रुपये) आईबीआईटीएफ द्वारा सह-प्रबंधक के रूप में वित्त पोषित	2024-2025

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

विभाग प्रमुख	:	डॉ. चंपा नंदी
स्थापना वर्ष	:	2005
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	1) विद्युत अभियांत्रिकी में एम.टेक. 2) विद्युत इंजीनियरिंग में पीएचडी
प्रवेश क्षमता	:	18 (एम.टेक) और 4 (पीएच.डी.)

विभाग का ध्येय:

विभाग का ध्येय स्वयं को उत्कृष्टता का केंद्र बनना तथा ज्ञान, संस्कृति और मूल्यों के प्रति गहन प्रतिबद्धता के साथ, विद्युत अभियांत्रिकी की क्षमता का सदुपयोग कर वैज्ञानिक एवं ज्ञान-आधारित शिक्षा में उत्कृष्टता के माध्यम से समाज की सेवा करना।

प्रमुख उपलब्धियां (जुलाई 2024 - जून 2025):

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने शैक्षणिक, अनुसंधान तथा व्यावसायिक विकास संबंधी गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की।

शोध और प्रकाशन:

संकाय सदस्यों, शोधार्थियों एवं छात्रों ने संयुक्त रूप से प्रतिष्ठित एससीआई/एससीआईई एवं स्कोपस -सूचीबद्ध पत्रिकाओं में अनेक शोध-पत्र प्रकाशित किए, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध-पत्र प्रस्तुत किए तथा अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों के अध्यायों में योगदान दिया। इन शोध निष्कर्षों से नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली, विद्युत पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोग्रिड सुरक्षा तथा उभरती विद्युत अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकियों जैसे उन्नत विषयों पर विभाग के बढ़ते फोकस का स्पष्ट संकेत मिलता है।

कार्यशालाएँ और एफ डीपी:

विभाग ने "विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स तथा संचार प्रौद्योगिकी में हाल के रुझान" विषय पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफ डीपी) का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अकादमिक विशेषज्ञों, उद्योग पेशेवरों एवं शोधकर्ताओं ने अत्याधुनिक प्रगतियों पर अपने विचार साझा किए, जिससे शिक्षकों एवं छात्रों दोनों को तकनीकी ज्ञान तथा अनुसंधान क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि का लाभ मिला।

छात्रों की उपलब्धियां:

कई वर्तमान एवं पूर्व छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सराहनीय सफलता अर्जित की है। कुछ छात्रों का चयन सरकारी सेवाओं, विशेषकर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के पदों पर हुआ है, जो विभाग द्वारा प्रदान की जा रही तकनीकी शिक्षा एवं मार्गदर्शन की उच्च गुणवत्ता को प्रतिबिंबित करता है।

उद्योग और शैक्षणिक क्षेत्र में अनुभव:

छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ एनआईटी अगरतला के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में स्थित मानव-कंप्यूटर अंतःक्रिया (एचसीआई) एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रयोगशालाओं का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरे से उन्हें उभरती प्रौद्योगिकियों का व्यवहारिक अनुभव प्राप्त हुआ तथा अंतर्विषयक अधिगम को प्रोत्साहन मिला।

व्यावसायिक एवं संस्थागत योगदान:

संकाय सदस्यों ने विशेषज्ञ वक्ता, तकनीकी समितियों के विशेषज्ञ सदस्य तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सत्र अध्यक्ष के रूप में अकादमिक समुदाय में सक्रिय रूप से योगदान दिया। उन्होंने तकनीकी मूल्यांकन के लिए विभिन्न सरकारी एवं संस्थागत पैनलों में भी भाग लिया।

इन उपलब्धियों के माध्यम से विद्युत अभियांत्रिकी विभाग त्रिपुरा विश्वविद्यालय की दृष्टि के अनुरूप शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार तथा सामाजिक योगदान के अपने मिशन को सतत रूप से आगे बढ़ा रहा है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ संविदा*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
संगीत दास बिश्वास	एम.टेक. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मल्टीलेवल इन्वर्टर के साथ विद्युत गुणवत्ता में सुधार	21(+) वर्ष	शून्य	शून्य	30	1	26	3
डॉ. चंपा नंदी	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	ऊर्जा प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, माइक्रोग्रिड संरक्षण	15+ साल	3	3	39	3	743	15
डॉ. गागरी देब	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी	सहायक प्राध्यापक (अनुबंध)	अनुबंध	विद्युत प्रणाली की वोल्टेज स्थिरता	16 साल	शून्य	शून्य	34	3	266	7

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों /अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/छात्रों/शोधार्थीयों की सहभागिता :

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
डॉ. चंपा नंदी	संकाय	1	2	0
संगीता दास बिश्वास	संकाय	3	0	1
उत्तरा दास	शोधार्थी	1	1	1
बिलियन उचोई	छात्र	-	8	-
हमारी जमातिया	छात्र	-	10	-
धनया माणिक्य जमातिया	छात्र	-	9	-
केरी देबबर्मा	छात्र	-	10	-
तिथि दास	छात्र	-	8	-
शम्पिली देबर्मा	छात्र	-	9	-
पृथ्वीराज रॉय	छात्र	-	9	-
शुभंकर दास	छात्र	-	10	-

3. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. चंपा नंदी	खुमलुंग, राधापुर, पश्चिम त्रिपुरा, भारत	26/11/2024	टीटीएडीसी पॉलिटेक्निक संस्थान	किफायती और विस्तार योग्य सौर ऊर्जा ग्रिड से वंचित ग्रामीण क्षेत्रों के लिए घरेलू प्रणालियाँ
डॉ. चंपा नंदी	अगरतला, त्रिपुरा, भारत	5/09/2024	एईज़ (सहायक अभियंता) एवं जेईज़ (कनिष्ठ अभियंता), एएमसी एवं ट्यूडा	सौर छत परियोजनाओं को बढ़ावा देकर भवन ऊर्जा अनुकूलन उपायों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करना।

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/ शोधप्रबंध/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
संगीता बैद्य	पूर्णकालिक	सौर पीवी आधारित डीसी माइक्रोग्रिड के लिए संरक्षण योजना	डॉ. चंपा नंदी	प्रदत्त
ब्रह्मानंद ठाकुर	अंशकालिक	हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के साथ बेहतर ऊर्जा प्रबंधन योजना के लिए इंटेलिजेंस कंट्रोलर का डिजाइन	डॉ. चंपा नंदी	पंजीकृत
उत्तरा दास	पूर्णकालिक	एक हरित ऊर्जा संयंत्र के उत्सर्जन में कमी को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा उत्पादन तकनीक का डिजाइन और विश्लेषण	डॉ. चंपा नंदी	पंजीकृत
संगीता दास बिश्वास	अंशकालिक	बहुस्तरीय इन्वर्टर का उपयोग करके विद्युत शक्ति गुणवत्ता संवर्धन विश्लेषण और हार्मोनिक मिटिगेशन	डॉ. चंपा नंदी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय एवं डॉ. ए.एस. बिक्रम दास, एनआईटी, अगरतला	पंजीकृत

5. विभाग के बढ़ते कदम:

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	17/3/2025-21/3/2025	5 दिन	विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रौद्योगिकी में हाल के रुझान	संकाय विकास कार्यक्रम	राष्ट्रीय	34

5.2 उद्योग/स्वयंसेवी संगठन/शासन संस्थान के साथ संपर्क : (छात्रों हेतु)

विभाग का नाम	दौरा किए गए उद्योगों/गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	दौरा किए गए उद्योग/ गैर-सरकारी संगठन का नाम	आने का उद्देश्य
विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	1	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी अगरतला	एचसीआई और एआई लैब का दौरा करें (क्षेत्र की यात्रा)

5.3 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
संगीता दास बिश्वास	इंजीनियर्स संस्थान (भारत)	सदस्य
डॉ. चंपा नंदी	आईईआई (भारत)	सदस्य
डॉ गार्गी देब	आईईआई (भारत)	सदस्य

5.4 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
संगीता दास बिस्वास	उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशन की कला	उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशन की कला पर संकाय विकास कार्यक्रम, जिसका आयोजन द्वारा किया गया हैआईआईटी गुवाहाटी स्थित ई एंड आईसीटी अकादमी, उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश के संयुक्तता से।भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा समर्थित।	1 सप्ताह	6 जनवरी - 10 जनवरी, 2025

6. शोध के प्रमुख क्षेत्र: ऊर्जा प्रबंधन, माइक्रोग्रिड संरक्षण, हाइब्रिडनवीकरणीय ऊर्जा, विद्युत प्रणाली

7. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
2	2	शून्य

8. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र: घरेलू विद्युत वायरिंग प्रशिक्षण प्रणाली, सोलर ग्रिड टाइड इन्वर्टर डेमोंस्ट्रेशन किट 300 वाट, सोलर एनर्जी ट्रेनर, फ्लाई-कन्वर्टर और अन्य प्रकार के कन्वर्टरपी.एस.सी.ए.डी., लैब व्यू, मैटलैब/सिमुलिंक सॉफ्टवेयर आदि

9. शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभाग से विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले छात्र:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां नहीं)	संगठन का नाम/ संस्था	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
उर्मिला त्रिपुरा	म	अनुसूचित जनजाति	नहीं	लोक निर्माण विभाग	टीपीएससी (टीईएस)
रूबी देबबर्मा (पासआउट)	म	अनुसूचित जनजाति	नहीं	लोक निर्माण विभाग	टीपीएससी (टीईएस)
शुभम मजूमदार (पासआउट)	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	लोक निर्माण विभाग	टीपीएससी (टीईएस)
स्वागता चक्रवर्ती (पासआउट)	म	सामान्य	नहीं	लोक निर्माण विभाग	टीपीएससी (टीईएस)

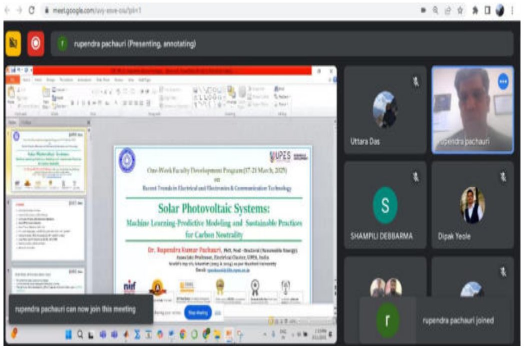

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 'इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी में हालिया रुझान' पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, एनआईटी अगरतला में मानव-कंप्यूटर इंटरैक्शन (एचसीआई) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रयोगशालाओं के क्षेत्र भ्रमण के दौरान छात्र और संकाय सदस्य

1. डॉ. चंपा नंदी, संकाय , विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सत्र अध्यक्ष के रूप में सेवारत हैं, और सुश्री उत्तरा दास, एडीएफ पीएचडी स्कॉलर, 15 नवंबर 2024 को एनआईटी अगरतला में आयोजित आईईईई सम्मेलन सिल्कॉन 2024 में अपना पेपर प्रस्तुत करते हुए
2. डॉ. चंपा नंदी, संकाय, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 5 सितंबर 2024 को एएमसी, अगरतला, त्रिपुरा में 'सोलर रूफटॉप को बढ़ावा देने के माध्यम से ऊर्जा अनुकूलन उपायों के निर्माण के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का मुकाबला' विषय पर प्रशिक्षण के दौरान एएमसी और टीयूडीए के सहायक अभियंतों, कनिष्ठ अभियंताओं और जोनल अधिकारियों के लिए एक विशेषज्ञ वक्ता सत्र में ।
3. डॉ. चंपा नंदी 26 नवंबर 2024 को एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ के सहयोग से 'ग्राम विकास के लिए नवीन प्रौद्योगिकियां' (25-29 नवंबर 2024) पर अल्पकालिक कार्यक्रम के दौरान टीटीएडीसी पॉलिटेक्निक संस्थान में एक विशेषज्ञ सत्र में ।

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक
स्थापना वर्ष : 2016
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.टेक (ईसीई), पीएचडी
प्रवेश क्षमता : 17

विभाग का ध्येय:

विभाग का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करके उन्हें शोध की ओर अग्रसर करते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है। विभाग का लक्ष्य उद्योग के अत्याधुनिक मानकों के अनुरूप शिक्षण वातावरण स्थापित करके इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में वर्तमान तकनीकी प्रगति की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम इंजीनियरों को तैयार करना है। विभाग का ध्येय छात्रों को ऐसी तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है जो वास्तविक जीवन में आने वाली समस्याओं और परिस्थितियों में सीधे तौर पर लागू हो सके और इस प्रकार एक सफल करियर को बढ़ावा दे सके।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ संविदा*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	माइक्रोवेव, एंटेना और प्रसार	18 वर्ष	4	1	3	-	1113	20
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	ऑप्टिकल फाइबर संचार और फोटोनिक्स	9 साल	1	3	3	-	223	8

**उल्लेख अनिवार्य*

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थीयों की सहभागिता :

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	शिक्षक	3	-	-
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	शिक्षक	2	-	-

3. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	24/02/2025 01/03/2025 तक	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	कम शक्ति वाले उपकरणों को ऊर्जा प्रदान करने के लिए रेडियो आवृत्ति ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों हेतु एंटेना और आरएफ सर्किट
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	27/01/2025 01/02/2025 तक	एबेकस इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट	सेमीकंडक्टर

डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	असम	27/02/2025 से 28/02/2025 तक	असम विश्वविद्यालय, सिलचर	मच-ज़ेन्डर इंटरफेरोमेट्रिक संरचना की सहायता से एमआरआर का उपयोग करके मल्टी-वेवलेंथ एन्हांस्ड ऑप्टिकल हाफ-एडर सर्किट
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	ऑनलाइन	16/01/2025 से 09/02/2025 तक	सतत ग्रामीण विकास के लिए वैश्विक मंच और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मलंग, इंडोनेशिया	चैटजीपीटी में महारत हासिल करना

4. पेटेंट/कॉपीराइट के लिए आवेदन/प्राप्त पेटेंट/कॉपीराइट:

नाम	पेटेंट का शीर्षक	आवेदित/ स्वीकृत	पेटेंट संख्या	आवेदन की तिथि/स्वीकृति तिथि (दिन/माह/वर्ष)	लाइसेंस अथवा नहीं
श्रीकांत दास; नीतीश सिन्हा; बिशांक ब्रत भौमिक; संदीपन देबनाथ; सयंतिका दास; अंकुर सरकार; हरजीत नाथ	ऑप्टिकल फाइबर आधारित बेंडिंग एंगल डिटेक्शन सिस्टम	लागू किया गया	आवेदन संख्या 202531055752 ए	20/06/2025	-

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/शोधप्रबंध/पीएच.डी शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
श्रीकांत दास	अंशकालिक	ऑप्टिकल सिग्नल प्रोसेसिंग के लिए माइक्रोरिंग रेज़ोनेटर आधारित यंत्र और उनका लक्षण विश्लेषण	डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	थीसिस प्रस्तुत

6. विभाग के बढ़ते कदम :

6.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/सेमिनार/सम्मेलन/ कार्यशाला/संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	24-2-2025 से 1-3-2025 तक	6 दिन	कम विद्युत शक्ति वाले उपकरणों को ऊर्जा प्रदान करने के लिए रेडियो आवृत्ति ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों हेतु एंटेना और आरएफ सर्किट	संकाय विकास कार्यक्रम	राष्ट्रीय	110
2.	17-02-2025 से 21-03-2025 तक	5 दिन	विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रौद्योगिकी में हाल के रुझान	संकाय विकास कार्यक्रम	राष्ट्रीय	48

6.2 उद्योग/ गैर सरकारी संगठन/ सरकारी संगठन के साथ अंतःक्रिया: (संकाय सदस्यों के लिए)

क्रम सं.	संकाय सदस्यों के नाम	उद्योग/गैर-सरकारी संगठन का नाम	उद्योग का स्थान	समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो गए? (हां नहीं)	क्या कोई अनुदान प्राप्त हुआ है? (यदि हाँ, तो मूल्य लाखों में बताएं)	क्या छात्र को नौकरी मिल गई है? (यदि हाँ, तो संख्या निर्दिष्ट करें)
1	डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	एनआईटी, अगरतला	जिरानिया, अगरतला	नहीं	नहीं	नहीं

6.3 उद्योग जगत/ गैर सरकारी संगठन/ सरकारी संगठन के साथ संपर्क : (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	दौरा किए गए उद्योगों/गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	दौरा किए गए उद्योग/ गैर-सरकारी संगठन का नाम	आने का उद्देश्य
ईसीई विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	1	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, एनआईटी अगरतला	एचसीआई और एआई लैब के साथ-साथ अन्य लैब का दौरा, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उद्यमिता के दायरे और संभावनाओं पर एक सत्र के लिए।

6.4 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	आईईईई	वरिष्ठ सदस्य
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	इंजीनियर्स संस्थान	स्नातक सदस्य

6.5 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	एज्यूर का उपयोग करके डेटा इंजीनियरिंग का परिचय	ऑनलाइन कार्यशाला	2 दिन	26/04/2025 से 27/04/2025 तक
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	मैटलैब और सिमुलिंक पर ऑनलाइन कोर्स	राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, केरल	10 दिन / 10 घंटे	23/04/2025 से 06/04/2025 तक
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	ई-गवर्नेंस मानक एवं दिशानिर्देश	अगरतला	2 दिन	20/12/2024 से 21/12/2024 तक
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	इंजीनियरों के लिए ऑटोकैड	राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, कोलकाता	5 दिन	26/08/2024 से 30/08/2024 तक
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी यंत्र	राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, कोलकाता	3 दिन	16/04/2025 से 18/04/2025 तक
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	एआई और एमएल के साथ अभिनव शिक्षण पद्धति: बुद्धिमान मॉडल की खोज पूर्वानुमान नियंत्रण	नेताजी सुभाष इंजीनियरिंग कॉलेज	6 दिन	06/01/2025 से 11/01/2025 तक

7. शोध के प्रमुख क्षेत्र: माइक्रोवेव और एंटेना, आरएफ का उपयोग करके आईओटी, ऑप्टिकल फाइबर संचार, मुक्त अंतरिक्ष प्रकाशिकी, ऑप्टिकल संचार में मशीन लर्निंग

8. नई पहल/नवाचार: वायरलेस अनुप्रयोगों के लिए एमआईएमओ एंटेना और डाइइलेक्ट्रिक रेज़ोनेटर एंटेना।

9. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए + बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
3	2	1 (एंटीना मापन प्रयोगशाला)
	1 (ऑप्टिकल फाइबर संचार प्रयोगशाला)	
	1 (आरएफ और सीएडी लैब)	

10. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र: माइक्रोवेव बेंच सेटअप, फाइबर ऑप्टिक पावर एमटीएस, एड स्ड फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क ट्रेनिंग मॉड्यूल, ड्यूल वेवलेंथ फाइबर ऑप्टिक लेजर सोर्स और डिटेक्टर, ओटीडीआर, फ्यूजन स्प्लिसिंग मशीन, एसएमएफ क्लीवर, वेक्टर नेटवर्क एनालाइजर, फाइबर ऑप्टिक ट्रेनर किट फॉर एजुकेशन (सीडब्ल्यूडीएम)।

11. प्रदत्त /पदक/सम्मान #शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्राप्त (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर के) प्रदत्त :

शिक्षक का नाम	पुरस्कारों/पदकों/ सम्मानों के नाम	पुरस्कारों/पदकों/ सम्मानों की तिथि	पुरस्कार प्रदान करने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणी
बिशांक ब्रत भौमिक	सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रदत्त	27-28 फरवरी, 2025	'तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन इंटेलिजेंट सिस्टम्स, 'एड स्ड कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन' का आयोजन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम, भारत द्वारा किया गया।	-

#खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, ज़ोनल पर भी विचार किया जाए।

12. शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभाग से विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले छात्र:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ईडब्ल्यूएस/अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
सुमन देबनाथ	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	त्रिपुरा सरकार	टीपीएससी

परीक्षा सहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र; *परीक्षा रहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र।

13. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां / नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पद का नाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
सुमन देबनाथ	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	त्रिपुरा सरकार	पंचायत कार्यकारी अधिकारी	टीपीएससी	टीपीएससी संयुक्त प्रथम एवं द्वितीय परीक्षा

14. प्रदत्त /पदक/सम्मान#शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर) उपलब्धियाँ:

छात्रों के नाम	पुरस्कारों/पदकों/सम्मानों के नाम	पुरस्कारों/पदकों/सम्मानों की तिथि	पुरस्कार प्रदान करने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणी
निपा पांचाल बिस्वास	निबंध प्रतियोगिता में पहला स्थान	9 अगस्त 2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय का महिला अध्ययन केंद्र	-

खेलों के मामले में, अंतर-विश्वविद्यालयीय और क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं पर भी विचार किया जा सकता है।

वानिकी एवं जैवविविधता विभाग

विभाग प्रमुख	:	प्रो. सब्यसाची दासगुप्ता
स्थापना वर्ष	:	2011
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	वानिकी और जैव विविधता में एम.एससी. वानिकी और जैव विविधता में पीएचडी
प्रवेश क्षमता	:	एम.एससी. 27 + 03, पीएच.डी. - उपलब्धता के अनुसार (सहायक प्राध्यापक - 04, सह प्राध्यापक - 06, और प्राध्यापक - 08)

विभाग का ध्येय: वानिकी और जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभरना।

प्रमुख उपलब्धियां: वानिकी एवं जैव विविधता विभाग की स्थापना सितंबर 2011 में विज्ञान संकाय के अंतर्गत वन एवं जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में हुई। विभाग का उद्देश्य इस क्षेत्र में उभरते मुद्दों के अनुरूप समाधान-आधारित वन शोध करना है। इस विभाग ने कृषि वानिकी, वनस्पति संवर्धन एवं वृक्ष सुधार, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं, पारिस्थितिक मॉडलिंग, पुनर्स्थापन पारिस्थितिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधे और वन संसाधन अनुप्रयोग के क्षेत्र में 19 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। इस वर्ष प्रति संकाय औसतन लगभग 5 शोध पत्र प्रकाशित हुए। उत्तीर्ण छात्रों में से कुछ को विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों में रोजगार प्राप्त हुआ है। विभाग किसानों/बागवानों, राज्य वन विभागों और विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों जैसे उपयोगकर्ताओं को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में भी सहायता प्रदान करता है। विभाग दक्षिण पूर्व एशिया पर विशेष जोर देते हुए उष्णकटिबंधीय वानिकी एवं जैव विविधता शोध के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का प्रयासरत है। संकाय सदस्य वानिकी एवं पर्यावरण संबंधी मुद्दों से निपटने वाली विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की समितियों में प्रतिनिधित्व करते हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ संविदा*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/ काम के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
प्रो. बिमल देबनाथ	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	जैव विविधता, जैव प्रौद्योगिकी, औषधीय और सुगंधित पौधे, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग	21 साल	02	04	43	3	380	09
प्रो. सब्यसाची दासगुप्ता	एम.एससी., पीएच.डी. (वानिकी)	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	पर्यावरण और पारिस्थितिकी/ ईआईए/ वन्यजीव संरक्षण	19 वर्ष का शिक्षण और नौकरी का अनुभव, 23 वर्ष का शोध कार्य और 13 वर्ष का परामर्श कार्य।	03	06	40	3	748	12
डॉ. थिरु सेल्वन	वानिकी में पीएच.डी.	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	वन जीवविज्ञान एवं वृक्ष सुधार, वन बीज प्रौद्योगिकी, लकड़ी की संरचना, वन संसाधन प्रबंधन एवं उपयोग	शिक्षण- 16 वर्ष शोध-17 वर्ष कुल-18 वर्ष	02	03	45	3	369	09
डॉ. सौरभ देब	एम.एससी. पीएच.डी. (पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विज्ञान)	सहायक प्राध्यापक (तीसरा चरण)	पूर्ण-कालिक	कृषि वानिकी, जल संसाधन प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं और वन पारिस्थितिकी	14 वर्ष का शिक्षण अनुभव, 13 वर्ष का शोध अनुभव	02	03	49	03	1330	20

डॉ. अमल देबनाथ	एम.एससी. वानिकी और जैव विविधता पीएच.डी.		अतिथि संकाय	जैव विविधता, वन पारिस्थितिकी, वन जीवमापन, वन संरक्षण	3 वर्ष का शिक्षण अनुभव और 5 वर्ष का शोध अनुभव	-	-	-	-	182	08

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थीयों की सहभागिता :

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
डॉ. थिरु सेल्वन	शिक्षक	01	02	02
लुमगैलु पनमेई	विद्यार्थी	01	-	-
किरण कुमार मुरासिंग	विद्यार्थी	01	-	-
बिज्ञान बिकास रियांग	शोधार्थी	01	-	-
कनिका देबबर्मा	शोधार्थी	01	02	-

3. संकाय सदस्यों/ संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालयों आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए आमंत्रित व्याख्यान:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ थिरु सेल्वन	नौनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश, भारत	05.03.2025	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बांस के बागान पारिस्थितिकी तंत्र की क्षमता
डॉ. सौरभ देब	इटानगर, अरुणाचल प्रदेश	25 जून, 2025	सेवा इंटरनेशनल	एचआईएम संवाद 2025: भूजल और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
	असम विश्वविद्यालय	2 दिसंबर, 2024	एमएमटीटीसी, असम विश्वविद्यालय	जलवायु प्रभाव और आपदा प्रबंधन पर बहुविषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
	अगरतला	27 नवंबर, 2024	सीएफ एलई, आईसीएफ आरई, अगरतला	त्रिपुरा में स्थानीय समुदायों की आजीविका के लिए वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं
	अगरतला	2, 16 , 22 नवंबर, 2024	राज्य लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान अगरतला	स्कूल शिक्षकों के बीच जलवायु साक्षरता

4. विभाग के बढ़ते कदम :

4.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता:

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतरराष्ट्रीय /राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
01	28/03/2024	एक दिन	पादप संसाधन अनुप्रयोग और जैव विविधता शोध	जर्मनी के जेना स्थित एफ एस विश्वविद्यालय के डॉ. क्लाउस-जे. एपेंरोथ और भारत के पेरिये स्थित केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग की डॉ. के. सौजन्या श्री द्वारा विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।	राष्ट्रीय	40

4.2 उद्योग जगत/ गैर सरकारी संगठन/ सरकारी संगठन के साथ संपर्क : (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	दौरा किए गए उद्योगों/गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	दौरा किए गए उद्योग/गैर-सरकारी संगठन का नाम	आने का उद्देश्य
वानिकी और जैव विविधता	01	मुथा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, बैम्बू पार्क क्षेत्र, बोधजंगनगर, अगरतला- 799008, त्रिपुरा, भारत।	छात्रों में वन आधारित संसाधनों के उपयोग और उद्यमिता विकास के बारे में ज्ञान/विचार उत्पन्न करना।
	01	नागीचेरा रबर लकड़ी प्रसंस्करण केंद्र भारत के त्रिपुरा में स्थित है और यह त्रिपुरा वन विकास और वृक्षारोपण निगम (टीएफ डीपीसी) की एक परियोजना है।	छात्रों में रबर की लकड़ी के प्रसंस्करण, उपयोग और उद्यमिता विकास के बारे में ज्ञान/विचार उत्पन्न करना।

4.3 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
डॉ. थिरु सेल्वन	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	आजीवन सदस्य
	भारतीय पारिस्थितिकी सोसायटी	आजीवन सदस्य
	भारतीय वृक्ष वैज्ञानिक समाज	आजीवन सदस्य
	भारतीय कृषि वानिकी सोसायटी	आजीवन सदस्य
	एकीकृत पर्वतीय पहल	आजीवन सदस्य
	भारतीय आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन सोसायटी	आजीवन सदस्य
	भारत की बांस सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ बिमल देबनाथ	पूर्वी हिमालयी शुक्राणुजनन वर्गीकरण सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ सौरभ देब	राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी	आजीवन सदस्य
	भारतीय कृषि वानिकी सोसायटी	आजीवन सदस्य

4.4 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
डॉ सौरभ देब	कृषि वानिकी पर ऑनलाइन पुनश्चर्या कोर्स	आईसीएआर एवं सीएएफआरआई, झांसी	21 दिन	17 जून 2023 से 6 तक जुलाई, 2023

5. शोध का प्रमुख क्षेत्र:

- अग्रोफॉरिस्ट्री
- पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं
- औषधीय और सुगंधित पौधे
- जैव विविधता और संरक्षण
- वन्य जीवन की बातचीत
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
- वन आनुवंशिक संसाधन और वन से जुड़ी आजीविका
- जल संसाधन प्रबंधन
- कार्बन प्रबंधन
- वन संसाधन उपयोग
- वन जैव प्रौद्योगिकी
- परिस्थितिकी
- वृक्ष सुधार

6. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
07	03	04

7. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:

1. रेमी मिनी रोटरी शेकर
2. रेफ्रिजरेटर
3. प्रशीतित सेंट्रीफ्यूज
4. पर्यावरण परीक्षण कक्ष
5. स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस (मिनी)-मैनुअल
6. इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस
7. आसवन इकाई
8. डिजिटल चालकता एमटीएस
9. मॅग्नेटिक स्टीरर
10. लैमिनर वायु प्रवाह
11. बीओडी
12. प्रयोगशाला सेंट्रीफ्यूज
13. पीएच एमटीएस
14. त्रिनोकुलर माइक्रोस्कोप
15. केल्डाहल नाइट्रोजन विश्लेषक (डीएसटी-एआईसीपी परियोजना)
16. मफल फर्नेस (डीएसटी-एआईसीपी परियोजना)
17. गर्म हवा वाला ओवन (डीएसटी-एआईसीपी परियोजना)
18. सभी संकायों के लिए पीसी
19. आर्क जीआईएस सॉफ्टवेयर से लैस कंप्यूटर (डीएसटी-एआईसीपी परियोजना)

भूगोल एवं आपदा प्रबंधन विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. वाई.वी. कृष्णैय्या
स्थापना वर्ष : 2004
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.एससी. और पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.एससी.-(36+4 ईडब्ल्यूएस) 40

विभाग का ध्येय:
भूगोल की विविध शाखाओं में अकादमिक और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना और इस विषय में कुशल छात्रों और पेशेवरों को तैयार करके नागरिकों को जारी खतरों के प्रति जागरूक करना।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एम.फिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ संविदा*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
डॉ. निबेदिता दास (पान)	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	नदीय भू-आकृति विज्ञान, नदीय खतरे और आपदा प्रबंधन, भूमि उपयोग/भूमि आवरण परिवर्तन	कॉलेज में बिताए 12 वर्षों सहित कुल 34 वर्ष	09	02	111	-	364	10
डॉ. वाई. वी. कृष्णैय्या	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	भू-आकृति विज्ञान, अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान, जल विज्ञान, शोध संसाधन और जीआईएस का अनुप्रयोग	कॉलेज में बिताए 2 साल सहित कुल 22 साल	09	03	53	-	54	5
डॉ. सप्तर्षि मित्रा	पीएच.डी.	सह-प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	क्षेत्रीय योजना, शहरी और ग्रामीण योजना एवं विकास, पर्यटन भूगोल, राजनीतिक भूगोल, प्राकृतिक आवास, परिवहन भूगोल	16 साल	09	01	81	-	450	13
डॉ. पलानीयांडी मासिमलाई	एम.एससी., (भूगोल) एम.टेक., (रिमोट सेंसिंग) पीएच.डी. (भूगोल: स्वास्थ्य और चिकित्सा भूगोल)	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा भूगोल, रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस, भूमि उपयोग/भूमि उपयोग, पर्यावरणीय महामारी विज्ञान, अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान	1.5 वर्ष का शिक्षण और 27 वर्षों का शोध/कार्य अनुभव	-	01	07	-	883	15
डॉ. जिम्मी देबबर्मा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अनुप्रयुक्त संसाधन और पर्यावरण	21 साल	-	03	36	-	102	5

डॉ. मौसमी देबबर्मा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मानव भूगोल	स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर 17 वर्ष 2 महीने का शिक्षण अनुभव।	02	-	46	-	6	1
डॉ. ईशिता बोराल (लिएन पर)	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	शहरी और परिवहन भूगोल	11 साल 8 महीने	02	02	25	-	9	2

**उल्लेख अनिवार्य*

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूलों मे शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
आसिफ इकबाल शाह	शोधार्थी	-	05	-
मौमिता हाती	शोधार्थी	01	-	-
देवाशीष दास	शोधार्थी	01	01	-
वजना मंडल	शोधार्थी	02	-	-
बुल्टी दास	शोधार्थी	02	-	-
पिक्सी गोगोई	शोधार्थी	01	-	-

3. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. निबेदिता दास (पान)	अगरतला, त्रिपुरा	13 दिसंबर 2024	एमबीबी विश्वविद्यालय के अंतर्गत एमबीबी कॉलेज	भू-आकृतिक प्रक्रियाओं और परिणामस्वरूप बनने वाली भू-आकृतियों पर जलवायु का प्रभाव
डॉ. जिम्मी देबबर्मा	कट्टनकुलथुर, चेन्नई, तमिलनाडु	17 और 18 जून, 2025	एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु	व्यावसायिक स्वास्थ्य के लैंगिक आयाम: उत्तर पूर्वी भारत में महिला कामगारों के लिए चुनौतियाँ और अवसर

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले) शोधार्थी / शोधप्रबंध / पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वाले (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी करने वाले):

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
अतोशी चकमा	अंशकालिक	त्रिपुरा के अगरतला शहर में जल गुणवत्ता पर शहरीकरण का प्रभाव।	प्रो. वाई.वी. कृष्णैय्या	सम्मानित 24.10.2024
मनिका मल्लिक	पूर्णकालिक	पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में चाय बागानों का विकास और भूमि एवं जल पर इसका प्रभाव।	प्रो. वाई.वी. कृष्णैय्या	प्रदत्त 28.02.2025
जेम्स देववर्मा	अंशकालिक	अगरतला नगर निगम क्षेत्र में साइकिल रिक्शा चालकों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति: एक भौगोलिक मूल्यांकन।	डॉ. मौसमी देबबर्मा	प्रदत्त 28.02.2025
दीपा राय	पूर्णकालिक	सिक्किम में पर्यटन का पर्यावरण और स्थानीय समुदाय पर प्रभाव।	प्रो. वाई.वी. कृष्णैय्या	प्रदत्त 28.02.2025

सजल घोष	पूर्णकालिक	कोलकाता नगर निगम क्षेत्र की सड़क अवसंरचना और यातायात विशेषताएँ: एक भौगोलिक विश्लेषण	डॉ. एशिता बोराल	प्रदत्त 27.03.2025
सुदेष्ना देबबर्मा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में बोरोक समुदाय के बीच द्विभाषिता और भाषा परिवर्तन का स्थानिक आयाम।	डॉ. मौसमी देबबर्मा	प्रदत्त 24.07.2025
आसिफ इकबाल शाह	पूर्णकालिक	भारत के कश्मीर हिमालय में झेलम नदी बेसिन में बाढ़ के जोखिम का आकलन और संबंधित शमन उपाय	प्रो. निबेदिता दास (पान)	थीसिस प्रस्तुत
काजल सरकार	पूर्णकालिक	-	डॉ. जिम्मी देबबर्मा	पीएच.डी. कोर्स वर्क
प्रभु बोरो	पूर्णकालिक	-	डॉ. पी. मासिमालाई	पीएच.डी. कोर्स वर्क
तिलोत्तमा चटर्जी	पूर्णकालिक	-	डॉ. सप्तर्षि मित्रा	पीएच.डी. कोर्स वर्क
https://docs.google.com/document/d/1IfoITQIRQ5IxPm7g0UGg0Sw8DR_MIkzbg1TI8cGzC1I/edit?usp=sharing				

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
प्रो. वाई.वी. कृष्णैय्या	प्रकृति शोध सोसायटी, उदयपुर	साधारण सदस्य

6. शोध का प्रमुख क्षेत्र:

1. नदीय भू-आकृति विज्ञान, जिसमें खतरों के विश्लेषण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियों पर विशेष ध्यान दिया गया है।
2. अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान, भूमि एवं जल संसाधन एवं जलसंभर प्रबंधन
3. रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का अनुप्रयोग
4. पर्यावरण, जनसंख्या और संसाधन भूगोल
5. क्षेत्रीय योजना एवं विकास
6. ग्रामीण विकास और योजना
7. शहरी ग्रामीण विकास और योजना
8. परिवहन विकास और योजना
9. पर्यटन भूगोल
10. विकास पर केंद्रित जनसंख्या अध्ययन
11. भौगोलिक अध्ययन में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का अनुप्रयोग
12. पर्यावरण संक्रमण और मानव स्वास्थ्य
13. शहरी प्रवासन, यात्राएँ और मानव स्वास्थ्य
14. एक स्वास्थ्य (महिलाएं और बच्चे): भौगोलिक दृष्टिकोण
15. उष्णकटिबंधीय संक्रामक रोग, वेक्टर पारिस्थितिकी, वेक्टर जनित रोग
16. भूमि उपयोग/भूमि आवरण परिवर्तन अध्ययनों में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का अनुप्रयोग
17. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा भूगोल, भू-स्थानिक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय महामारी विज्ञान

7. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
04	रिमोट सेंसिंग और जीआईएस प्रयोगशाला	क्षेत्रीय योजना, शहरी एवं ग्रामीण विकास प्रयोगशाला। (डीएसटी, डीबीटी, आईसीएसएसआर)
	संसाधन एवं पर्यावरण प्रबंधन प्रयोगशाला में व्यावहारिक अध्ययन।	
	नदीय आपदा विश्लेषण प्रयोगशाला।	

8. शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभाग से विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले छात्र:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां / नहीं)	संगठन का नाम/ संस्था	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
खाफुइहा रियांग	पु	अनुसूचित जनजाति	नहीं	यूजीसी	नेट
तुलक्सियार मिर्थोंग	म	अनुसूचित जनजाति	नहीं	यूजीसी	नेट
समरजीत दास	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	यूजीसी	नेट
अमन कुमार चौधरी	पु	सामान्य	नहीं	यूजीसी	नेट
जुगल पायेंग	पु	अनुसूचित जनजाति	नहीं	यूजीसी	नेट
राहुल सरकार	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	यूजीसी	नेट
सुरेन्द्र त्रिपुरा	पु	अनुसूचित जनजाति	नहीं	यूजीसी	नेट
पिंकी रांखल	म	अनुसूचित जनजाति	नहीं	यूजीसी	नेट
बाबियांगपोर्शिशा मारबानियांग	म	अनुसूचित जनजाति	नहीं	यूजीसी	नेट

परीक्षा सहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र; *परीक्षा रहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र।

9. प्रदत्त / पदक/ सम्मान# शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर) धनराशि:

छात्रों के नाम	पुरस्कारों/पदकों/ सम्मानों के नाम	पुरस्कारों/पदकों/ सम्मानों की तिथि	पुरस्कार प्रदान करने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणी
सुश्री वजना मंडल, शोधार्थी	सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति प्रदत्त	24 फरवरी, 2025	XIX डीजीएसआई, गया, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार	-
श्री देवाशीष दास, शोधार्थी	प्राध्यापक बी. हेमा मालिनी युवा भूगोलवेत्ता प्रदत्त -2024	7 मार्च, 2024	XVIII डी.जी.एस.आई. अंतर्राष्ट्रीय भूगोल कांग्रेस, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	-

#खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, ज़ोनल पर भी विचार किया जाए।

मानव शारीरिकी विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. समीर कुमार सील
स्थापना वर्ष : 2007
प्रस्तावित कार्यक्रम : मानव शरीर क्रिया विज्ञान में एम.एससी. और पीएचडी.
प्रवेश क्षमता : 37

विभाग का ध्येय: विभाग का उद्देश्य मानव शरीरक्रिया विज्ञान में ज्ञान-प्रसार का अग्रणी केंद्र बनना है, जिसमें सशक्त शोध उत्पादन एवं नवाचार पर बल हो।

प्रमुख उपलब्धियां:

1. शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं के माध्यम से मानव शरीर विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
2. जैव चिकित्सा क्षेत्र में शोध और विकास के लिए विभाग को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करना।
3. उद्योग-उन्मुख कार्यों को पूरा करने के लिएस्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में अंतःविषयक शोध।
4. ज्ञान के वैश्विक आदान-प्रदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय संयुक्तता स्थापित करना।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/अनुबंध	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण: प्रदत्त	पीएचडी पर्यवेक्षण: जारी	स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण: पर्यवेक्षण	स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण: जारी	साइटेशन	एच इंडेक्स
प्रो. समीर कुमार सील	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कोशिका संकेतन, जैव रसायन, घाव भरने की क्रियाविधि, कैंसर जीवविज्ञान, आणविक आनुवंशिकी	27 वर्ष	01	06	06 एम.एससी. परियोजनाएँ	10	1221	27
प्रो. देवाशीष मैती	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	प्रतिरक्षा विज्ञान, कैंसर जीवविज्ञान और कोशिका संकेतन	शिक्षण में 11 वर्ष का अनुभव 19 वर्षों का शोध कार्य	0	03	06 एम.एससी. परियोजनाएँ	-	214	13
प्रो. दीपायन चौधरी	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	एंडोक्रिनोलॉजी और प्रजनन शरीर क्रिया विज्ञान	शिक्षण में 30 वर्ष 33 वर्षों का शोध	0	03	06 एम.एससी. परियोजनाएँ	-	750	09
डॉ. सुदीप्ता पाल	पीएच.डी.	संबद्ध करना प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	जैव रासायनिक विष विज्ञान और सामुदायिक पोषण	20 वर्ष (शोध और अध्यापन)	4	3	70	06	439	10
डॉ. आर. ज्योति	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	एर्गोनॉमिक्स और खेल शरीर क्रिया विज्ञान	1 वर्ष और 6 महीने	शून्य	शून्य	4	3	1	1

**उल्लेख अनिवार्य*

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूलों मे शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता :

नाम	शिक्षक विद्यार्थी/ शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या: अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
समीर कुमार सील	शिक्षक	-	1	-
अचिंता सिंघा	शोधार्थी	-	1	-

अचिंता सिंघा	शोधार्थी	-	1	-
काकाली सरकार	शोधार्थी	1	-	-
काकाली सरकार	शोधार्थी	-	1	-
मारिया देबबर्मा	शोधार्थी	-	1	-
मारिया देबबर्मा	शोधार्थी	1	-	-
मारिया देबबर्मा	शोधार्थी	-	1	-
अद्रिता नंदी	शोधार्थी	-	1	-
कनक चक्रवर्ती	शोधार्थी	-	1	-
देवाशीष मैती	शिक्षक	01	-	-
सुदीप्ता पाल	शिक्षक	-	01	02
डॉ. आर ज्योति	शिक्षक	01	-	-

3. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
समीर कुमार सील	अगरतला	15 - 17 नवंबर, 2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पूर्वोत्तर भारत के त्रिपुरा में हेपेटाइटिस बी वायरस (एचबीवी) से लेकर ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) तक: आणविक प्रक्रियाओं का विश्लेषण विविधता और रोग प्रबंधन
देबाशीष मैती	सूर्यमनिनगर, अगरतला	15-17 नवंबर '24	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सूजन संबंधी लौकिक विश्लेषण कैंसरजनकों द्वारा प्रेरित ट्यूमरजनन में प्रतिक्रियाएं और ऑक्सीडेटिव तनाव
देवाशीष मैती	मिदनापुर, पश्चिम बंगाल	28 फरवरी - 01 मार्च 2025	विद्यासागर विश्वविद्यालय	बेंज़ो(ए)पाइरीन द्वारा फेफड़ों में प्रेरित सूजन और कैंसरजनक तथा आईएल-27 और IL-28B का संयोजन द्वारा इसका निवारण
देवाशीष मैती	बरहामपुर, पश्चिम बंगाल	25 मार्च 2025	बरहामपुर गर्ल्स कॉलेज	आशा का संचार: नए युग का कैंसर उपचार

4. पेटेंट/कॉपीराइट के लिए आवेदन/प्राप्त पेटेंट/कॉपीराइट:

नाम	पेटेंट का शीर्षक	आवेदित/ स्वीकृत	पेटेंट संख्या	आवेदन की तिथि/स्वीकृति तिथि (दिन/माह/वर्ष)	लाइसेंस अथवा नहीं
अचिंता सिंघा, समीर कुमार सील व अनिर्बान चक्रवर्ती	जैवअपघटनीय पॉलिमर कर्क्यूमिन नैनोकण और इसके इसे तैयार करने की विधि।	लागू किया गया	2017310 09651	30.01.2024	नहीं

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/ शोधप्रबंध/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
मारिया देबबर्मा	पूर्णकालिक	-	प्रो. समीर कुमार सील	पंजीकृत
ज्योतिर्मोय साहा	पूर्णकालिक	-	डॉ. सुदीप्ता पाल	पंजीकरण के लिए (कोर्स वर्क पूर्ण किया हुआ)

6. विभाग के बढ़ते कदम :

6.1 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
देवाशीष मैती	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	आजीवन सदस्य
देवाशीष मैती	भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसायटी	आजीवन सदस्य
देवाशीष मैती	भारतीय शरीर क्रिया विज्ञान सोसायटी	आजीवन सदस्य
देवाशीष मैती	भारतीय कोशिका जीवविज्ञान सोसायटी	आजीवन सदस्य
देवाशीष मैती	जैव प्रौद्योगिकीविदों के लिए सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. सुदीप्ता पाल	भारतीय शरीर क्रिया विज्ञान सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. सुदीप्ता पाल	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	आजीवन सदस्य
डॉ. सुदीप्ता पाल	भारत में शरीर क्रिया विज्ञानियों और औषध विज्ञानियों का संघ (एपीपीआई)	आजीवन सदस्य
डॉ. सुदीप्ता पाल	भारतीय रजोनिवृत्ति सोसायटी	आजीवन सदस्य

7. प्रमुख शोध क्षेत्र: देबाशीष मैती: फेफड़े के कैंसर के विकास के दौरान प्रतिरक्षा परिवर्तन तथा मैक्रोफेज / एनके कोशिका/ सीटीएल और लेप्टिन की फेफड़े के कैंसर विकास में भूमिका।

8. प्रदत्त /पदक/सम्मान#शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्राप्त (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर के) प्रदत्त :

शिक्षक का नाम	पुरस्कारों/पदकों/सम्मानों के नाम	तिथि प्रदत्त /पदक/ सम्मान	पुरस्कार प्रदान करने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणी
देवाशीष मैती	भारतीय शरीर क्रिया विज्ञान सोसायटी के फेलो	13 जुलाई, 2025	भारतीय शरीर क्रिया विज्ञान सोसायटी	-
डॉ. सुदीप्ता पाल	श्रीमती शकुंतला दासगुप्ता स्मृति वार्ता प्रदत्त	02.11.2023	भारतीय शरीर क्रिया विज्ञान सोसायटी	-

#खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, ज़ोनल पर भी विचार किया जाए।

9. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ संयुक्त शोध

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के नाम	परियोजना पर संयुक्तता	वर्ष
समीर कुमार सील	जादवपुर विश्वविद्यालय	एक्सोसोम और प्रोस्टेट कैंसर	2025-2028
देवाशीष मैती	नेओटिया विश्वविद्यालय	बायोफिल्म और प्राकृतिक उत्पाद	2022 से अब तक

10. शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभाग से विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले छात्र:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
त्रिदीपा गन चौधरी	म	सामान्य	नहीं	सामाजिक एवं परिवार कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीपीएससी
पौशाली नंदी	म	सामान्य	नहीं	भारतीय डाक, भारत सरकार	-
स्वप्ना दास	म	अनुसूचित जाति	नहीं	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीआरबीटी
राहुल पाल	पु	सामान्य	नहीं	स्वास्थ्य विभाग, त्रिपुरा सरकार	जेआरबीटी
राजिब देब	पु	ईडब्ल्यूएस	नहीं	टीयू, एमएचआरडी, भारत सरकार	टीयू
सुजीत सरकार	पु	सामान्य	नहीं	टीयू, एमएचआरडी, भारत सरकार	टीयू
अद्रिता नंदी	म	सामान्य	नहीं	स्लेट	स्लेट
अर्पिता कर्माकर	म	सामान्य	नहीं	गेट	गेट
मैक्सिना देबबर्मा	म	अनुसूचित जनजाति	नहीं	गेट	गेट

परीक्षा सहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र; *परीक्षा रहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र।

11. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पद का नाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
त्रिदीपा गनचौधरी	महिला	सामान्य	नहीं	सामाजिक एवं परिवार कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार	सीडीपीओ	टीपीएससी	-
पौशाली नंदी	महिला	सामान्य	नहीं	भारतीय डाक, भारत सरकार	शाखा पोस्ट मास्टर	-	-
स्वप्ना दास	महिला	अनुसूचित जाति	नहीं	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी- शिक्षक	टीआरबीटी	-
राहुल पाल	पु	सामान्य	नहीं	स्वास्थ्य विभाग, त्रिपुरा सरकार	एलडीसी	जेआरबीटी	-
राजिब देब	पु	ईडब्ल्यूएस	नहीं	टीयू, एमटीएस, भारत सरकार	एमटीएस	टीयू	-
सुरजीत सरकार	पु	सामान्य	नहीं	टीयू, एमटीएस, भारत सरकार	प्रयोगशाला परिचारक	टीयू	-

12. प्रदत्त /पदक/सम्मान शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर) धनराशि:

छात्रों के नाम	पुरस्कारों/पदकों/सम्मानों के नाम	तिथि प्रदत्त / पदक/ सम्मान	पुरस्कार प्रदान करने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणी
काकाली सरकार	वर्ष 2024 में युवा वैज्ञानिकों के बीच सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति के लिए पीएसआई, विद्यासागर विश्वविद्यालय (मिदनापुर) पदक प्रदत्त	15-17 नवंबर, 2024	भारतीय शरीर क्रिया विज्ञान सोसायटी	सर्वश्रेष्ठ पेपर
मारिया देबबर्मा	फिजिकॉन 2024, सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रदत्त	15-17 नवंबर, 2024	भारतीय शरीर क्रिया विज्ञान सोसायटी	सर्वश्रेष्ठ पोस्टर

#खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, ज़ोनल पर भी विचार किया जाए।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

विभाग प्रमुख	:	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार
स्थापना वर्ष	:	2009
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में पीएचडी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में एम.टेक. मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए)
प्रवेश क्षमता	:	आईटी में एम.टेक (20+2) और एमसीए (45+5)

विभाग का ध्येय: ज्ञान, संस्कृति और मूल्यों के प्रति गहरी लगन के साथ सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमता का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक और ज्ञान-आधारित शिक्षा में उत्कृष्टता के माध्यम से उत्कृष्टता का केंद्र बनना और समाज में योगदान देना।

प्रमुख उपलब्धियां: यह विभाग सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में 2 वर्षीय एम.टेक और एआईसीटीई से संबद्ध 2 वर्षीय मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी में पीएचडी भी संचालित करता है। विभाग विश्वविद्यालय के सभी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए अनिवार्य कंप्यूटर कौशल आधारभूत पाठ्यक्रमों की आवश्यकता को पूरा करता रहा है। विभाग के स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड (बीपीजीएस) से संबद्ध एनईआईएलआईटी, अगरतला द्वारा संचालित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में एम.एससी का पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम जैसे कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक (बीसीए) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में बीएससी विभाग के स्नातक अध्ययन बोर्ड (बीयूजीएस) द्वारा संचालित होते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से दोनों पाठ्यक्रमों के प्रस्तावित पाठ्यक्रम को एनईपी 2020 के अनुसार संशोधित किया गया है। त्रिपुरा राज्य के लिए एनईसी, शिलांग द्वारा प्रायोजित 5जी लैब की स्थापना के लिए एमटरॉन गुवाहाटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार और डॉ. अलक रॉय ने राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ) स्तर - 5 के अनुरूप प्रोजेक्ट इंजीनियर - 5जी नेटवर्क (टी. ई.एल/Q6306) - वी2.0 योग्यता पैक के लिए मास्टर ट्रेनर के रूप में अपना ट्रेनर आईडी 21/07/2023 से प्राप्त किया, जिसकी वैधता 21/07/2025 तक है। त्रिपुरा सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी) की सुविधा के लिए, विश्वविद्यालय ने पिछले शैक्षणिक वर्ष से डॉ. जयंता पाल के समन्वय में नेक्स्ट जेनरेशन इनोवेशन नेटवर्क (एनजीआईएन) लैब स्थापित करने के लिए स्थान उपलब्ध कराया है। एनजीआईएन समिति स्टार्टअप्स को उनके टीआरएल स्तर को स्तर 5/6 या उससे ऊपर तक बढ़ाने के लिए प्रारंभिक चरण में पर्यवेक्षण करती है और साथ ही उनके नवोन्मेषी विचारों को पोषित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। दो नए संकाय सदस्य: डॉ. रक्तिम देब और डॉ. परिजाता मजूमदार ने 16 दिनांक को विभाग में कार्यभार संभाला। जून 2025 तक, उन्होंने विभाग के दो सहायक प्राध्यापक पदों को भर दिया, जो 2017 से लंबे समय से खाली थे।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ संविदा*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	पीएचडी, एम.टेक, बी.टेक	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	इमेज प्रोसेसिंग, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग, एआई, एनएलपी	19	7	6	32	02	1034	16

डॉ. अलक रॉय	पीएचडी, एम.टेक, बी.टेक	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	वायरलेस नेटवर्क, अंडरवाटर ध्वनिक संचार, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कंप्यूटर नेटवर्क में एआई/एमएल अनुप्रयोग	15	1	3	25	04	613	11
डॉ. जयंता पाल	पीएचडी, एम.टेक, बी.टेक	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	क्वांटम-डॉट सेलुलर ऑटोमेटा, संज्ञानात्मक विज्ञान, सहायक प्रौद्योगिकी	12	शून्य	2	21	05	296	9
डॉ. रक्तिम देब	पीएचडी, एम.टेक, एम.सी.ए.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सॉफ्टवेयर डिफाइंड नेटवर्क, कंप्यूटर नेटवर्क, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी	0.3	शून्य	शून्य	0	0	180	4
डॉ. परिजाता मजूमदार	पीएचडी, एम.टेक, बी.टेक	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अनुकूलन तकनीकें, ब्लॉकचेन	7	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	311	9
डॉ. स्वरूप नंदी	पीएचडी, एम.टेक, बी.टेक	सहायक प्राध्यापक	संविदा	डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन लर्निंग, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग, माइक्रोप्रोसेसर	21.5	कोई नहीं	कोई नहीं	30	03	10	2
श्री सुमंता सहा	एम.टेक, एमसीए	सहायक प्राध्यापक	संविदा	छवि प्रसंस्करण, फजी सेट और तर्क	17.5	कोई नहीं	कोई नहीं	24	02	9	2
श्री सुकांत चक्रवर्ती	पीएचडी (अध्ययनरत), एम.टेक, एमसीए	अभ्यागत शिक्षक	अतिथि	आईओटी, ब्लॉकचेन, डीप लर्निंग, वायरलेस नेटवर्क, सुरक्षा	2.5	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	16	1
श्री श्रीकांत दास	पीएचडी (प्रस्तुत), एम.टेक, बी.टेक	अभ्यागत शिक्षक	अतिथि	फोटोनिक्स, ऑप्टिकल सेंसर, गेट्स, संचार, फोटोनिक एकीकृत सर्किट	2	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	11	2

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूलों मे शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
डॉ. अलक रॉय	शिक्षक	01	0	0
डॉ. जयंता पाल	शिक्षक	0	02	0
प्रो. एस. मजूमदार	शिक्षक	05	01	0

3. त्रिपुरा विश्वविद्यालय से अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों में अतिथि संकाय:

नाम	से (दिन/माह/वर्ष)	तक (दिन/माह/वर्ष)	संस्थान/ विश्वविद्यालय	विभाग/विद्यालय का नाम (जहां अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया हो)
डॉ. जयंता पाल	01-03-2024	24-04-2024	एनआईटी, अगरतला	विद्युत अभियन्त्रण
डॉ. जयंता पाल	19-03-2024	30-04-2024	एनआईटी, अगरतला	इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग
डॉ. अलक रॉय	अगस्त 2024	दिसंबर 2024	टिप्स, अगरतला	अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर
प्रो. एस. मजूमदार	अगस्त 2024	दिसंबर 2024	टिप्स, अगरतला	अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर

4. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. एस. मजूमदार	24 मई 2025 को अरुणाचल प्रदेश, निरजुली में	24-05-2025	आईईआई, एनईआरआईएसटी में अरुणाचल प्रदेश राज्य अध्याय, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश	जैवचिकित्सा शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग
	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, एनईएचयू, शिलांग	24-04-2025	एनईपी 2020 का पर्यवेक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम 21 से 30 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किया जाएगा।	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विषय के अंतर्गत "सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के लिए स्वयम/एनपीटीईएल का उपयोग"
	इंजीनियरिंग और प्रबंधन शिक्षा में एआई के प्रभाव पर 6 दिवसीय एफ डीपी (विदेशी प्रौद्योगिकी कार्यक्रम) 24 से - 29 मार्च 2025 को शुरू	24-03-2025	सीएसई और सीई विभाग, टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अगरतला	कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का परिचय
	इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी में उन्नत नवोन्मेषी शोध पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईकेयरट-2024)	13-03-2025	इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी विद्यालय, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम	शोधपत्र: "डीप लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके फेफड़ों के कैंसर का पता लगाना"
	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एआई/एमएल के मॉडलिंग और अनुप्रयोग पर 5 दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफ डीपी), 17 22 तक^वां^दिसंबर 2024	20-12-2024	चिकित्सा एवं चिकित्सा विभाग, एनआईटी अगरतला	"एआई-सहायता प्राप्त 3डी प्रिंटिंग"
	4 आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मोबाइल नेटवर्क्स एंड वायरलेस कम्युनिकेशन (आईसीएमएनडब्ल्यूसी-2024)	04-12-2024	ईटीसीई विभाग, श्री सिद्धार्थ प्रौद्योगिकी संस्थान, तुमकुरु	शोधपत्र: "नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के साथ गैर-जैविक प्रेरित अनुकूलन तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण"
	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला	28-11-2024	गुरु-दक्षता द्वारा 26 दिनांक से शुरू होने वाला चार सप्ताह का ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफ आईपी) 23 नवंबर^तृतीय^दिसंबर, 2024	मॉड्यूल 4: आई-जेनरेशन के शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी - स्वयं आधारित क्रेडिट हस्तांतरण
	आईओटी और कनेक्टेड टेक्नोलॉजीज पर 9 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईओटीसीटी 2024) 27 और 28 सितंबर 2024	27-09-2024	ईसीई विभाग, एनआईटी मिजोरम	"5जी में आई.ओ.टी. के उपयोग के उदाहरण"
	एटीएएल एफ डीपी का 9 दिनांक से "आईओटी की शक्ति का दोहन: रुझान और प्रौद्योगिकियां" विषय पर कार्यक्रम। 14 तक सितंबर 2024	11-09-2024	गोमती जिला पॉलिटेक्निक, फुलकुमारी, उदयपुर, गोमती, त्रिपुरा।	"एआई-आईओटी और 5जी के उपयोग के उदाहरण"
	एटीएएल एफ डीपी का 9 दिनांक से "आईओटी की शक्ति का दोहन: रुझान और प्रौद्योगिकियां" विषय पर कार्यक्रम। 14 तक सितंबर 2024	13-09-2024	गोमती जिला पॉलिटेक्निक, फुलकुमारी, उदयपुर, गोमती, त्रिपुरा।	"5जी और आईओटी"
	26 से 31 अगस्त 2024 तक "एआई और डेटा एनालिटिक्स फॉर हेल्थकेयर: ट्रांसफॉर्मिंग द फ्यूचर ऑफ मेडिसिन" विषय पर अटल एफडीपी	30-08-2024	ईसीई विभाग, एनईआरआईएसटी (मानित विश्वविद्यालय), निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश	मधुमेह रेटिनोपैथी में एआई का उपयोग

डॉ. अलक रॉय	राज्य लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईपीएआरडी), अगरतला	6 मई, 2025	राज्य लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईपीएआरडी), अगरतला	सुशासन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका
	एआईसीटी का 6 दिवसीय एफडीपी कार्यक्रम “आई.ओ.टी. की शक्ति का दोहन: रुझान और प्रौद्योगिकियाँ” विषय पर।	09-14 सितंबर, 2024	गोमती जिला पॉलिटेक्निक, त्रिपुरा सरकार	आईओटी में भविष्य के रुझान
	एआईसीटी का 6 दिवसीय एफडीपी कार्यक्रम “आई.ओ.टी. की शक्ति का दोहन: रुझान और प्रौद्योगिकियाँ” विषय पर।	09-14 सितंबर, 2024	गोमती जिला पॉलिटेक्निक, त्रिपुरा सरकार	आईओटी का अनुप्रयोग
	एआईसीटी का 6 दिवसीय एफडीपी कार्यक्रम “आई.ओ.टी. की शक्ति का दोहन: रुझान और प्रौद्योगिकियाँ” विषय पर	09-14 सितंबर, 2024	गोमती जिला पॉलिटेक्निक, त्रिपुरा सरकार	स्प्रिंगर ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स के अनुप्रयोगों पर एक संपादित खंड प्रकाशित किया।
डॉ. जयंता पाल	16 से 18 जुलाई, 2025 तक "प्रशासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का परिचय" विषय पर कार्यशाला	7 मई 2025	सिपार्ड, अगरतला	“स्मार्ट, तेज और कागज रहित कार्यालय कार्य के लिए एआई अनुप्रयोग”
	इंजीनियरिंग और प्रबंधन शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव पर 6 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम	24 मार्च 2025	टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अगरतला (टीसीईए), त्रिपुरा	“इंजीनियरिंग और प्रबंधन शिक्षा में एआई का प्रभाव”
	एक सप्ताह का एनएसएस विशेष शिविर	19 फरवरी, 2025	गोमती जिला पॉलिटेक्निक, उदयपुर	साइबर सुरक्षा: जागरूकता और सुरक्षा संबंधी सुझाव
	साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता पर एक सप्ताह का प्रमाणपत्र कार्यक्रम	13 जून 2024	राष्ट्रीयरक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू), पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	“एथिकल हैकिंग: बुनियादी अवधारणा और कुछ उपयोगी यंत्र”
डॉ. परिजाता मजूमदार	सिपार्ड, अगरतला	20-06-2025	मानव संसाधन प्रशिक्षण	“डिजिटल शासन यंत्र”

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/ शोधप्रबंध/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	समय तक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त
श्री नीलाद्री दास	अंशकालिक (विश्वेश्वरीय पीएचडी योजना)	क्लाउड वातावरण में बी.ए.ए.एस प्रोटोकॉल में बायोमेट्रिक्स की जीवंतता का पता लगाना	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	जारी
सुश्री पायल कर्मकार	अंशकालिक	“जलमग्न सेंसर नेटवर्क के लिए रूटिंग प्रोटोकॉल पर एक अध्ययन”	डॉ. अलक रॉय	जारी
सुश्री सुष्मिता दास	अंशकालिक	कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके फेफड़ों की असामान्यताओं का पता लगाने पर एक अध्ययन	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	जारी
सुश्री स्मिता दास	अंशकालिक	“स्वास्थ्य मूल्यांकन के लिए फंडस इमेज विश्लेषण पर एक अध्ययन”	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	प्रदत्त 19 दिसम्बर 2024
श्री चिरंजीत बिस्वास	पूर्णकालिक (एआईसीटीई डॉक्टरेट योजना)	"सोलर पीवी कनेक्टेड इन्वर्टर में आइलैंडिंग का पता लगाने और उसे नियंत्रित करने के लिए अनुकूलन तकनीकों का अध्ययन और विश्लेषण"	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	जारी
सुश्री मुनमुन दास	अंशकालिक	क्वांटम-डॉट सेलुलर ऑटोमेटा में दोष सहिष्णुता विश्लेषण के साथ लॉजिक सर्किट का अहसास	डॉ. जयंता पाल	पंजीकृत 25 अप्रैल 2025
श्री सुब्रता मजूमदार	अंशकालिक	अभी तक पंजीकृत नहीं है	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	कोर्स वर्क पूर्ण

श्रीमती संहिता दासगुप्ता	अंशकालिक	"जलजलीय वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए एम.ए.सी प्रोटोकॉल के डिजाइन पहलुओं पर जांच"	डॉ. अलक रॉय	जारी
श्री बिनॉय दास	अंशकालिक	"विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए आभासी वातावरण आधारित सहायक प्रौद्योगिकी पर एक अध्ययन"	डॉ. जयंता पाल	जारी
श्री राहुल सुत्रधार	पूर्णकालिक (एआईसीटीई डॉक्टरेट योजना)	अभी तक पंजीकृत नहीं है	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	नवंबर 2024 में प्रवेश प्राप्त
श्री सुमन देबबर्मा	पूर्णकालिक	अभी तक पंजीकृत नहीं है	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	नवंबर 2024 में प्रवेश प्राप्त
सुस्मिता सरकार	पूर्णकालिक	अभी तक पंजीकृत नहीं है	डॉ. अलक रॉय	नवंबर 2024 में प्रवेश प्राप्त

6. विभाग के बढ़ते कदम :

6.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	19-25 मई 2025	1 सप्ताह	"5जी पाठ्यक्रम और उत्पाद विकास गतिविधियों" पर कार्यशाला	अमंत्या टेक्नोलॉजीज, गुड़गांव के साथ कार्यशाला	राष्ट्रीय	40
2	3-5 मार्च 2025	3 दिन	त्रिपुरा के हस्तशिल्पों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए तीन (03) दिवसीय कार्यशाला और जागरूकता कार्यक्रम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के साथ कार्यशाला	राष्ट्रीय	40
3	24 फरवरी से 1 मार्च 2025	1 सप्ताह	अगली पीढ़ी के संचार पर ऑनलाइन एटीएएल एफ डीपी: एंटीना और आरएफ डिजाइन "कम शक्ति वाले उपकरणों को ऊर्जा प्रदान करने के लिए रेडियो आवृत्ति ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों के लिए एंटीना और आरएफ सर्किट"	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के ईसीई विभाग के साथ कार्यशाला	राष्ट्रीय	50
4	28 फरवरी 2025	1 दिन	बिरचंद्र मनु में हस्तशिल्प कारीगरों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के साथ जागरूकता कार्यशाला	राष्ट्रीय	50
5	25 फरवरी 2025	1 दिन	सिमना में हस्तशिल्प कारीगरों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के साथ जागरूकता कार्यशाला	राष्ट्रीय	50
6	21 फरवरी 2025	1 दिन	अमरपुर में हस्तशिल्प कारीगरों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के साथ जागरूकता कार्यशाला	राष्ट्रीय	50
7	30-31 जनवरी 2025	2 दिन	कोकबोरोक भाषा के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) पर 2 दिवसीय एसएसआर कार्यशाला	कार्यशाला	राष्ट्रीय	25
8	7-13 जनवरी 2025	1 सप्ताह	स्वास्थ्य सेवा में प्रौद्योगिकी और एआई पर ऑनलाइन कार्यशाला	अमंत्या टेक्नोलॉजीज, गुड़गांव के साथ कार्यशाला	राष्ट्रीय	48
9	18-22 नवंबर 2024	1 सप्ताह	7 शोध में उभरते उपकरणों और प्रौद्योगिकियों पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला (ईटीटीआर 2024)	कार्यशाला	राष्ट्रीय	145
10	11-13 नवंबर 2024	3 दिन	समूह प्रौद्योगिकी के उपयोग से हस्तशिल्प कारीगरों के सशक्तिकरण पर कार्यशाला	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के साथ कार्यशाला	राष्ट्रीय	100

11	26-31 अगस्त 2024	1 सप्ताह	अगरतला स्थित एनएफ एसयू के छात्रों और संकाय के लिए "डिजिटल फोरेंसिक्स और साइबर सुरक्षा में 5जी अनुप्रयोगों का उपयोग" विषय पर एक सप्ताह का कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम।	अमंत्या टेक्नोलॉजीज, गुड़गांव के साथ कार्यशाला	राष्ट्रीय	39

6.2 व्यवसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/ शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
डॉ. अलक रॉय	आईईईई (इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स) सोसायटी	सदस्य
	एसीएम (एसोसिएशन फॉर कंप्यूटिंग मशीनरी) सोसायटी	सदस्य
	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स (आईएईएनजी) के सदस्य	सदस्य
	अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविद संघ (आईएएएसएसई)	कार्यकारी सदस्य
प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	आईईईई (इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स) सोसायटी	वरिष्ठ सदस्य
	एसीएम (एसोसिएशन फॉर कंप्यूटिंग मशीनरी) सोसायटी	सदस्य
	आईएससीए (भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ)	आजीवन सदस्य
	आईएसएसी (इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एप्लाइड कंप्यूटिंग)	साथी
	आईईआई (इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया)	साथी
	आईईटीई (इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स)	संबद्ध सदस्य
	आईएसटीई (भारतीय तकनीकी शिक्षा सोसायटी)	आजीवन सदस्य
	IAENG (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स)	आजीवन सदस्य
	आईएएसईडी (इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग फॉर डेवलपमेंट)	वरिष्ठ सदस्य
	अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविद संघ (आईएएएसएसई)	कार्यकारी सदस्य
स्वरूप नंदी	अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविद संघ (आईएएएसएसई)	कार्यकारी सदस्य

6.3 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
डॉ. जयंता पाल	इंजीनियरिंग शिक्षा में संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता	रोहिणी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	5 दिन	06/01/2025 से 11/01/2025 तक

7. शोध का प्रमुख क्षेत्र:

डॉ. अलक रॉय	वायरलेस नेटवर्क, जलमग्न ध्वनिक संचार, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कंप्यूटर नेटवर्क में एआई/मशीन लर्निंग अनुप्रयोग।
डॉ. जयंता पाल	क्वांटम-डॉट सेलुलर ऑटोमेटा, संज्ञानात्मक विज्ञान, सहायक प्रौद्योगिकी
प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	इमेज प्रोसेसिंग, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग।
डॉ. स्वरूप नंदी	डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन लर्निंग, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग

8. नई पहल/नवाचार:

- डीएलटी लैब्स के संयुक्तता से ब्लॉकचेन में उत्कृष्टता केंद्र
- त्रिपुरा सरकार के डीआईटी द्वारा प्रायोजित एनजीआईएन इनक्यूबेशन सेंटर का कार्यान्वयन
- 5जी लैब को एन.ई.सी द्वारा एएमट्रॉन गुवाहाटी के माध्यम से वित्त पोषित किया गया है।

9. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
6	4	2

10. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:

a) सर्वर, 5जी रेडियो एक्सेस नेटवर्क (आर.ए.एन) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) उपकरणों के साथ 5जी नेटवर्क इन ए बॉक्स (एनआईएबी)
b) एआर/वीआर हेडसेट
c) नेटवर्क ट्रेनर किट
d) कार्य केंद्र
e) डिजिटल ट्रेनर किट, 8085, 8086 और 8051 माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर किट

11. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ संयुक्त शोध

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के नाम	परियोजना पर संयुक्तता	वर्ष
डॉ. जयंता पाल	डॉ. बिभाष सेन, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर, भारत	शोध प्रकाशन	2019-वर्तमान
	डॉ. अपू कुमार साहा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अगरतला, भारत	शोध प्रकाशन	2015-वर्तमान
	डॉ. सैयद-सजाद अहमदपुर, कादिर हस यूनिवर्सिटी, इस्तांबुल, तुर्की	शोध प्रकाशन	2021-वर्तमान
	डॉ. अमित कुमार प्रमाणिक, दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज, झारखंड, भारत	शोध प्रकाशन	2020-वर्तमान
डॉ. अलक रॉय	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम, 784028 (प्रोफेसर)सरत सहरियाप्रो.ध्रुबा कुमार भट्टाचार्य)	शोध प्रकाशन	2023-2024
	राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय त्रिपुरा परिसर, राधानगर, अगरतला - 799001 (डॉ. मम्पी देवी)	शोध प्रकाशन	2023
	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, भारत (राजशेखर रक्षित)	शोध प्रकाशन	2023
	बीर बिक्रम मेमोरियल कॉलेज, अगरतला, त्रिपुरा, 799004 (संहिता दासगुप्ता)	पीएचडी पर्यवेक्षण	2023-2024
प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	एनआईटी अगरतला (डॉ. अबनीश्वर चक्रवर्ती)	पीएचडी सह-पर्यवेक्षण और प्रकाशन	2022-24
	आरआईएमएस, मणिपुर (सुश्री एन. डी. देवी)	बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग से संबंधित शोध	2020-24
	धनमंजरी विश्वविद्यालय, मणिपुर (डॉ. एस. ए. सिंह)	बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग से संबंधित शोध	2020-24
	एनईआरआईएसटी, अरुणाचल प्रदेश (डॉ. माधुसूदन मिश्रा)	स्वरूप नंदी और स्मिता दास द्वारा स्वास्थ्य सेवा में पीएचडी के सह-पर्यवेक्षण और प्रकाशन	2020-24
	कलकत्ता विश्वविद्यालय (डॉ. सौरभ पाल)	सुस्मिता दास के पीएचडी शोध का सह-पर्यवेक्षण और प्रकाशन	2021-24
	डॉ. अपू कुमार साहा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अगरतला, भारत	पीएचडी के सह-पर्यवेक्षण और प्रकाशन	2024-वर्तमान
	नीलिट, अगरतला (श्री नीलाद्रि दास)	पीएचडी पर्यवेक्षण और प्रकाशन	2020-24
	एमबीबी कॉलेज, अगरतला (सुश्री स्मिता दास)	पीएचडी पर्यवेक्षण और प्रकाशन	2020-24
	रामठाकुर कॉलेज, अगरतला (सुश्री सुस्मिता दास)	पीएचडी पर्यवेक्षण और प्रकाशन	2020-24
डॉ. स्वरूप नंदी	एनईआरआईएसटी, अरुणाचल प्रदेश (डॉ. मधुसूदन मिश्रा)	शोध प्रकाशन	2019-24

12. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पु/ म)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां/ नहीं)	संगठन/ संस्था का नाम	पद का नाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
दिपांजय मजूमदार	पु	सामान्य	नहीं	आईसीएफ एआई विश्वविद्यालय	अतिथि संकाय	अतिथि संकाय	अतिथि संकाय
तन्मय देबबर्मा	पु	अनुसूचित जनजाति	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	शोध सहायक	भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के आईबीआईटीएफ (आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन) की जनजातीय क्षेत्र उप योजना (टीएसपी) योजना	"संयोजक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए त्रिपुरा के हस्तशिल्प सशक्तिकरण के लिए एक मंच का विकास" आईबीआईटीएफ / नोट/ टीएसपी/ स्वीकृति पत्र/ 2024-25/0093
सुमित्रा देबबर्मा	म	अनुसूचित जनजाति	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	शोध सहयोगी		
नितीश कुमार रियांग	पु	अनुसूचित जनजाति	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	शोध सहयोगी		
सुशांत दास	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	आर्यावर्त अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	सहायक प्राध्यापक	-	-
सुमन देबबर्मा	पु	अनुसूचित जनजाति	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	शोध सहयोगी	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार एसईआरबी सीआरजी प्रोजेक्ट सीआरजी/2023/002076	त्रिपुरा के श्रवण बाधित लोगों के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) के कोकबोरोक भंडार का विकास
समीर कुमार	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	शोध सहयोगी	डीआईटी, त्रिपुरा	स्टार्टअप समन्वयक, एनजीआईएन लैब, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
सरवर जहान बरभुईया	पु	सामान्य	नहीं	डेलॉइट टौचे तोहमात्सू इंडिया एलएलपी	विश्लेषक	डेलॉयट	साइबर और रणनीतिक जोखिम
अन्वेषा पाल	म	सामान्य	नहीं		विश्लेषक	डेलॉयट	
गुलिस्ता खानम	म	ईडब्ल्यूएस	नहीं		विश्लेषक	डेलॉयट	
कृतिदीप्ता सेनगुप्ता	म	सामान्य	नहीं		विश्लेषक	डेलॉयट	
साहिल हेमंत गेदम	पु	अनुसूचित जाति	नहीं		विश्लेषक	डेलॉयट	
अमरेश आदक	पु	सामान्य	नहीं		विश्लेषक	डेलॉयट	एनालिटिक्स और कॉग्निटिव
अंशुमान साहू	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं		विश्लेषक	डेलॉयट	
चंचल कुमार	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं		विश्लेषक	डेलॉयट	
करण बोरो	पु	अनुसूचित जनजाति	नहीं		विश्लेषक	डेलॉयट	
निशु पल्लवी	म	सामान्य	नहीं		विश्लेषक	डेलॉयट	
इंद्राणी देबनाथ	म	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं		विश्लेषक	डेलॉयट	साइबर: डेटा और गोपनीयता
होमदीप भौमिक	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा सरकार	स्तर	त्रिपुरा सरकार	जेआरबीटी, त्रिपुरा सरकार
विक्रम दुबे	पु	ईडब्ल्यूएस	नहीं	aivi.in	डेटा विश्लेषक	aivi.in (ऑडियो-इमेज-वीडियो-इंटेलिजेंस)	aivi.in
गोंगड़ा नागराजू	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	सिस्टम समाधान उत्पाद	परियोजना प्रशिक्षु	सिस्टम समाधान उत्पाद	सिस्टम समाधान उत्पाद

13. अन्य उपलब्धियां:

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में छात्रों द्वारा एम.ओ.ओ.सी.एस में पूर्ण किए गए पाठ्यक्रम और क्रेडिट ट्रांसफर का विकल्प चुनने वाले पाठ्यक्रम।

क्र.	विषय	नाम
1	ब्लॉकचेन और इसके अनुप्रयोग	श्याम कुमार पंडित
2	क्लाउड कम्प्यूटिंग	पाइनशैटबोर रबोन, परेश कुमार पलाई, साहिल गेदाम, श्याम कुमार पंडित, अंकित कुमार तिवारी, हिमांशु सिंह, पृथी देबबर्मा, साहिल जायसवाल, भास्वती हलदर, रूमा दास, अक्षता भौमिक, प्रागज्योतिष दत्ता, प्रसेनजीत भौमिक, रुमाना खातून, सईद इब्ने अबू साहेद, श्रेयांश गुप्ता, श्याम कुमार पंडित, तन्मय सरकार
3	क्लाउड कंप्यूटिंग और वितरित सिस्टम	पूर्णेन्दु मंडल, सुस्मिता दत्ता, तन्मय सरकार
4	साइबर सुरक्षा और गोपनीयता	दीप्तनु दास, इम्नासुंगित, मुहम्मद हासिम एस, पूर्णेंदु मंडल
5	पायथन के साथ डेटा विश्लेषण	प्रिंस कुमार, श्रीयंश गुप्ता, श्याम कुमार पंडित, सुस्मिता दत्ता
6	इंजीनियरों के लिए डेटा साइंस	अक्षता भौमिक, प्रसेनजित भौमिक
7	सॉफ्ट स्किल्स और व्यक्तित्व का विकास करना	भास्वती हलदर, सौरव कर्मकार, दीप्तनु दास, इम्नासुंगित, मुहम्मद हासिम एस, श्याम कुमार पंडित, सुष्मिता दत्ता
8	वितरित प्रणालियाँ	परेश कुमार पलाय, प्रिंस कुमार, श्याम कुमार पंडित, अक्षता भौमिक, श्रीयंश गुप्ता, राहुल दास
9	प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अंग्रेजी भाषा	शाफरू मोग
10	सॉफ्ट स्किल्स और व्यक्तित्व को निखारना	परेश कुमार पलाई, अभिक भौमिक
11	नैतिक हैकिंग	पूर्णेंदु मंडल, सागर दीप साहा, सिद्धार्थ बोरा
12	ग्राफ सिद्धांत	मणिमय डे
13	ग्राफिक डिजाइन का परिचय	दीप्तमान देबनाथ, खालिद अहमद
14	इंटरनेट ऑफ थिंग्स का परिचय	साहिल गेदाम, आलोक कुमार, फरदीन अहमद, एमडी इमाद फजल, भास्वती हलदर, रूमा दास, धृतिविकाश बोरठाकुर, परेश कुमार पलाई, प्रिंस कुमार, सिद्धार्थ बोरा, सुष्मिता दत्ता, तन्मय सरकार, सागर दीप साहा
15	मशीन लर्निंग का परिचय - IITKGP	प्रसेनजित भौमिक, राहुल दास
16	ऑनलाइन सोशल मीडिया में गोपनीयता और सुरक्षा	दीप्तानु दास, सागर दीप सहा
17	सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट	सईद इब्ने अबू साहेद, बिप्रजीत पॉल, फरदीन अहमद, हिमांशु सिंह, जॉयदीप मलिक, मेगावत अरविंद कुमार, मनोजीत धर, सुभम पॉल, साहिल जायसवाल, एमडी इमाद फजल, रूमा दास, प्रागज्योतिष दत्ता
18	करियर और जीवन के प्रबंधन के लिए योग और सकारात्मक मनोविज्ञान	पूर्णेंदु मंडल

एमसीए अंतिम सेमेस्टर के छात्र श्री पूर्णेंदुल मंडल ने अमान्त्या, एनईआरकॉम और एनईसी द्वारा आयोजित बैंगलोर में एनईआर टेक हैकथॉन 2.0 में भाग लिया। उन्हें गुवाहाटी में आयोजित प्रतियोगिता के लिए चुना गया था, जिसे बाद में यहाँ प्रस्तुत करने के लिए चुना गया था। #HackathonJourney #TechDreams #NER2025

एसटीपीआई, अगरतला में सीओई ने 11 अप्रैल 2025 को डीओआईटी त्रिपुरा विश्वविद्यालय के मेंटर प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार और डॉ. जयंत पाल और एनआईटी अगरतला के डॉ. सुमन देब की उपस्थिति में संभावित स्टार्टअप "डेटा एनालिटिक्स और एआई" पर ओसीपी के लॉन्च कार्यक्रम का आयोजन किया। आवेदन जमा करने का लिंक https://sayuj.net/apply-contest/Agt-OCP1

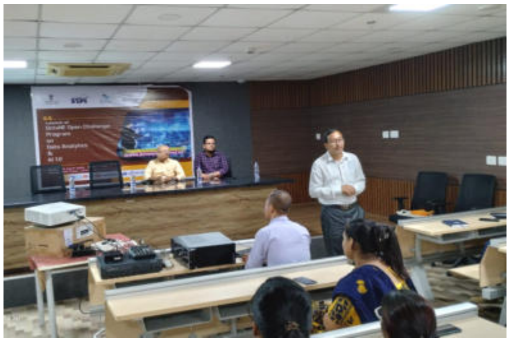

त्रिपुरा स्टार्टअप नीति सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शुभारंभ के दौरान, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने 5 शॉर्टलिस्ट की गई एनजीआईएन परियोजनाओं में से दो प्रस्तुत कीं। पहला डॉ. जयंत पाल के नेतृत्व में समीर कुमार द्वारा और दूसरा प्रोफेसर एस. मजूमदार के नेतृत्व में सुमन देबबर्मा और राहुल सूत्रधार द्वारा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार एसईआरबी-सीआरजी और एएनआरजी द्वारा प्रायोजित कोकबोरोक के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा के लिए हमारी वेबसाइट के उद्घाटन के लिए माननीय मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के बहुत आभारी हैं। यह शुरू में डीआईटी, अमित डे और निशु पल्लवी की माई गव त्रिपुरा एनजीआईएन परियोजना के पास थी और बाद में अब बड़े पैमाने पर इसे पूरा किया गया है। शुक्र है कि हमारे सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री प्रांजीत सिंघा रॉय त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अन्य संकाय और छात्रों के साथ भी उपस्थित थे। 24-01-2025

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित छात्रों स्कूली छात्रों और हेतु 3 से 5 मार्च 2025 तक छात्रों को त्रिपुरा के हस्तशिल्प के बारे में जागरूक करने के लिए 3 दिवसीय कार्यशाला और संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

अमरपुर ग्रामीण विकास-ब्लॉक के पहाड़पुर में (21 फरवरी'2025), सिमना व हेजामारा (25 फरवरी'2025) और 28 फरवरी'2025 में कार्यक्रम।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के जनजातीय क्षेत्र उपयोजना के तहत आईआईटी भिलाई द्वारा वित्त पोषित त्रिपुरा के अमरपुर रोड-ब्लॉक क्षेत्र के कारीगरों के लिए हस्तशिल्प के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के आईटी विभाग के डॉ. जयंत पाल और हमारे अंशकालिक शोध छात्र के साथ-साथ एसटीओ, एनआईईएलआईटी अगरतला श्री बिनॉय दास ने 19-02-2025 को गोमती जिला पॉलिटेक्निक में 1 (एक) सप्ताह के एनएसएस विशेष शिविर में जागरूकता उद्देश्यों के लिए "साइबर सुरक्षा" पर एक सत्र पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की वैज्ञानिक और सामाजिक उत्तरदायित्व (एसएसआर) पहल के तहत डीन, विज्ञान संकाय (पीजी/पीएचडी)) की सहायता से डीन, विज्ञान संकाय की उपस्थिति में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सभी संकाय/विद्यार्थियों (पीजी/पीएचडी) के सहयोग से "कोकबोरोक भाषा के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) पर 2 (दो) दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी ।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण थे:

पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. पन्तुला करुणा पूर्णपु रूपा
स्थापना वर्ष : 2016
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.टेक. सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग,
पीएच.डी. पदार्थ विज्ञान और इंजीनियरिंग
प्रवेश क्षमता : एम.टेक. 17, पीएचडी रिक्ति के आधार पर

विभाग का ध्येय: विभाग का उद्देश्य सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में मजबूत शोध उत्पादन और नवाचार के साथ शिक्षण और सीखने का एक अग्रणी केंद्र बनना है।

प्रमुख उपलब्धियां:त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) का पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग नए शिक्षण एवं शोध विभागों में से एक है, जिसकी स्थापना 2016 में हुई थी। इसे यूजीसी द्वारा स्वीकृत बारहवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया था। यह विभाग पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में चार सेमेस्टर का एम.टेक. कार्यक्रम (17 छात्रों की प्रवेश क्षमता) और पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। अभियांत्रिकी की यह अनूठी धारा छात्रों को पदार्थ लक्षण वर्णन और उसके संरचना-गुण संबंधों के माध्यम से धातुओं, अर्धचालकों, सिरेमिक, पॉलिमर और कंपोजिट जैसे विभिन्न प्रकार के पदार्थों का तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने में सहायता करती है। साथ ही, छात्र महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों, ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स में अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न प्रकार के पदार्थों का गहन ज्ञान प्राप्त करते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध पर जोर दिया जाता है। विभाग के शोध क्षेत्रों में शामिल हैं: ऊर्जा संचयन और भंडारण के लिए कार्यात्मक नैनोमैटेरियल्स, स्पिनट्रॉनिक्स नैनोमैटेरियल्स, उन्नत सिरेमिक, पाउडर धातु विज्ञान, संक्षारण, औद्योगिक ठोस अपशिष्ट उपयोग और प्रबंधन तथा कंपोजिट। विभाग को डीएसटी, एसईआरबी, आईईआरपी-जीबीपीएनिशेड, यूजीसी-डीएई-सीएसआर जैसी वित्तपोषण एजेंसियों से बाहरी परियोजनाएं/शोध अनुदान प्राप्त हुए हैं। वर्तमान में, सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग में तीन संकाय सदस्य हैं जिन्हें सिरेमिक प्रसंस्करण, ऊर्जा भंडारण और संचयन के लिए नैनोमैटेरियल्स, औद्योगिक अपशिष्ट का उपयोग, सतह अभियांत्रिकी और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्रों में शोध का अनुभव है। संकाय सदस्यों ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं (एससीआई) में अपने शोध कार्य प्रकाशित किए हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
डॉ. पन्तुला करुणा पूर्णपु रूपा	पीएचडी	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सिरेमिक प्रसंस्करण, डायरेक्ट इंक राइटिंग, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग	17	1	2	01	01	335	11
डॉ. प्रशान्त कुमार राउत	एम.टेक, पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	औद्योगिक ठोस अपशिष्ट का उपयोग और प्रबंधन, धातु और मिश्र धातुओं का क्षरण, सिरेमिक प्रसंस्करण, मिश्रित सामग्री	12	01	01	01	02	1123	17
डॉ. गोबिंद गोपाल खान	एम.टेक, पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कार्यात्मक नैनोसंरचनाएं, ऊर्जा सामग्री, सौर ईंधन, पर्यावरण सामग्री, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स	15	01	01	01	02	3310	32

उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूलों मे शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
डॉ. गोबिंद गोपाल खान	शिक्षक	01	00	00
सुश्री मुनमुन मजूमदार	शोधार्थी (पीएचडी)	01	00	00
सबसे बड़ा दोस्त	शोधार्थी (पीएचडी)	02	00	00

3. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. गोबिंद गोपाल खान	त्रिवेंद्रम, केरल (ऑनलाइन मोड)	14/12/2024	त्रिवेंद्रम इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी	सौर ऊर्जा संचयन में TiO_2 नैनोरॉड फोटोएनोड के डिजाइन के लिए इंजीनियर किया गया एकल-परमाणु उत्प्रेरक

4. पेटेंट/कॉपीराइट के लिए आवेदन/ प्राप्त पेटेंट/ कॉपीराइट:

नाम	पेटेंट का शीर्षक	आवेदित/ स्वीकृत	पेटेंट संख्या	आवेदन की तिथि/स्वीकृति तिथि (दिन/माह/वर्ष)	लाइसेंस अथवा नहीं
हरजीत नाथ, पन्तुला करुणा पूर्णपु रूपा, देबब्रत मजूमदार	यूएसबी आधारित आईओटी प्रकाश आश्रित प्रतिरोधक सेंसर सह डेटा लॉगर	स्वीकृत	416199-001	16/01/2025	नहीं

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/ शोधप्रबंध/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
देबाशीष पाल	पूर्णकालिक	सौर ऊर्जा के लिए टाइटेनियम डाइऑक्साइड-आधारित नैनोसंरचनाओं का निर्माण किया गया	डॉ. गोबिंद गोपाल खान	प्रदत्त
सैकत दास	पूर्णकालिक	Al Zn-Mg-Cu/SiC कंपोजिट के एजिंग और संक्षारण व्यवहार पर सिक कणों का प्रभाव	डॉ. प्रशांता कुमार राउत	प्रदत्त
देबब्रत मजूमदर	पूर्णकालिक	ऊष्मीय रूप से प्रतिक्रियाशील पॉलिमर आधारित सिरेमिक स्याही का अध्ययन	डॉ. पन्तुला करुणा पूर्णपु रूपा	प्रदत्त

6. विभाग के बढ़ते कदम :

6.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	24/02/2025	2 घंटे	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सामग्रियों में प्रगति और चुनौतियाँ	विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान 2025	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ/ व्याख्यान	35

6.2 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
डॉ. गोबिंद गोपाल खान	इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी ऑफ इंडिया (ईएमएसआई), भारत	आजीवन सदस्य
डॉ. गोबिंद गोपाल खान	भारत की सामग्री शोध सोसायटी (एमआरएसआई), भारत	आजीवन सदस्य
डॉ. प्रशांता कुमार राउत	इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, इंडिया	आजीवन सदस्य

7. शोध का प्रमुख क्षेत्र:

ऊर्जा, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, सौर ऊर्जा और ईंधन के लिए कार्यात्मक नैनोसंरचनाएं। औद्योगिक ठोस अपशिष्ट का उपयोग, संक्षारण, सिरेमिक प्रसंस्करण, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग।

8. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
4	2	2

9. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:

ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, भट्टियां ($1300^{o}C$), इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, रियोएमटीएस, 3डी प्रिंटर, कम गति वाली कटिंग मशीन, स्पिन कोटिंग सिस्टम, संपीडन परीक्षण मशीन

10. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ संयुक्त शोध

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के नाम	परियोजना पर संयुक्तता	वर्ष
डॉ. गोबिंद गोपाल खान	ऊर्जा संस्थान, बैंगलोर	-	2023-28

गणित विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी
स्थापना वर्ष : 1976
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.एससी., पीएच.डी., आईएमडी
प्रवेश क्षमता : एम.एससी.: 55, आईएमडी: 11

विभाग का ध्येय : देश में गणित के लिए एक अग्रणी शिक्षण और शोध केंद्र बनना।

प्रमुख उपलब्धियाँ :

(क) प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी 2020 से 2022 तक स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा प्रकाशित सूची के अनुसार विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की भारतीय वैज्ञानिकों की सूची में सामान्य गणित श्रेणी में शामिल हैं।

(ख) रिसर्च.कॉम डेटा विश्लेषण के अनुसार, शोधकर्ताओं के लिए एक प्रमुख शैक्षणिक मंच, गणित क्षेत्र में वैज्ञानिकों की 2022 संस्करण डेटा विश्लेषण में प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी भारत में 26 में से #16 और विश्व में #2265 स्थान पर हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
प्रो. बी.सी. त्रिपाठी	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कार्यात्मक विश्लेषण, टोपोलॉजी, फजी सेट, मल्टी सेट, अनिश्चितता सिद्धांत, न्यूट्रोसोफी सेट	38 वर्ष	26 2016 से	09	55	05	9039 (गूगल स्कॉलर) 4841 (स्कोपस)	54 (गूगल स्कॉलर) 42 (स्कोपस)
प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	रफ सेट, डेटा माइनिंग	23 साल	13	3	हर साल 6 से 8	6	112	5
प्रो. श्यामल देबनाथ	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अनुक्रम अभिसरण	21	8	5	72	6	869	16
डॉ. सुब्रता भौमिक	पीएच.डी.	सह-प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	तर्कशास्त्र, स्थलाकृति विज्ञान, बीजगणित, ज्यामिति	19	1	0	150	5	112	7
डॉ. पुन्नम-चंदर बिटला	पीएच.डी.	सह-प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	व्यावहारिक गणित	12	0	1	11	6	122	6

डॉ. अजय कांति दास	पीएच.डी.	सह-प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	बहु-मानदंड निर्णय-निर्माण	13 साल	0	3	11	6	549 (गूगल स्कॉलर) 221 (स्कोपस)	12 (गूगल स्कॉलर) 9 (स्कोपस)
डॉ. शौभिक भट्टाचार्य	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	फजी लॉजिक, फजी क्यूइंग कंट्रोल, बीजगणित	अध्यापन: 16 वर्ष	शून्य	1	54 (एमएससी परियोजना)	05 (एमएससी परियोजना)	-	-
डॉ. हरीश डी.	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अवकल ज्यामिति, रीमैन ज्यामिति अनुक्रम स्थान	8.5 वर्ष	-	1	35	5	2	1
डॉ. रूपक दत्ता	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	फजी नियंत्रण सिद्धांत	4.5 वर्ष	0	1	8	6	209	7

**उल्लेख अनिवार्य*

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन विद्यालय जिनमें विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों ने भाग लिया हो, लेकिन जिनके पूर्ण शोधपत्र प्रकाशित न हुए हों:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
प्रो. बी.सी. त्रिपाठी	शिक्षक	1	2	0
डॉ. शौभिक भट्टाचार्य	शिक्षक	1	1	0
डॉ. ए.के. दास	शिक्षक	0	1	0
डॉ. हरीश डी	शिक्षक	0	0	1
श्री अभिजीत सरकार	शोधार्थी	1	0	0

3. संकाय सदस्यों/ संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालयों आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए आमंत्रित व्याख्यान:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
शौभिक भट्टाचार्य	महिला महाविद्यालय, अगरतला	21-22 नवंबर, 2024	महिला महाविद्यालय, अगरतला और एमटीटीएस ट्रस्ट	'एमटीटीएस ओवरचर' कैंप में एक फैकल्टी के रूप में 'गणित की बुनियाद' पर व्याख्यान दिए।
शौभिक भट्टाचार्य	भट्टदेव विश्वविद्यालय, बजाली, पाठशाला, असम	08-09 जनवरी, 2025	भट्टादेव विश्वविद्यालय और एमटीटीएस ट्रस्ट	'एमटीटीएस ओवरचर' कैंप में स्थायी संकाय सदस्य के रूप में 'गणित की मूलभूत बातें' विषय पर व्याख्यान दिए गए।

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/शोधप्रबंध/पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
श्री सुभजित बेरा	पूर्णकालिक	द्वि-जटिल संख्याओं के अनुक्रमों का सांख्यिकीय अभिसरण	प्रो. बी.सी. त्रिपाठी	प्रदत्त
सुश्री दीक्षा देबबर्मा	अंशकालिक	फलनों के अनुक्रमों का सापेक्षिक एकसमान अभिसरण	प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	प्रदत्त

श्री सुजीत कुमार	पूर्णकालिक	द्वि-जटिल संख्याओं के दोहरे अनुक्रम	प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	थीसिस प्रस्तुत
श्रीमती बिभज्योति तामुली	पूर्णकालिक	अनुक्रमों का लैकुनरी कमजोर अभिसरण	प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	थीसिस प्रस्तुत
श्रीमती मौसमी दास	अंशकालिक	विश्वसनीयता सिद्धांत में अनुक्रमों के कुछ आदर्श अभिसरण पर।	प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	पंजीकृत
श्री अशोक दत्ता	पूर्णकालिक	गैर-न्यूटनियन संख्याओं के अनुक्रम	प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी और हरीश डी.	पंजीकृत
मिस तापसी देब	पूर्णकालिक	द्वि-जटिल संख्याओं के अनुक्रमों का आदर्श अभिसरण	प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	पंजीकृत
श्री सुजान मुहुरी	पूर्णकालिक	मैट्रिक्स लक्षण वर्णन द्वि-जटिल संख्याओं के अनुक्रम	प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	पंजीकृत
श्री अभिजीत सरकार	अंशकालिक	*एन*-नॉर्मड स्पेसेस में अनुक्रमों का दुर्बल अभिसरण	प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	पंजीकृत
श्रीमती कलावती डी.	पूर्णकालिक	अभी निर्णय नहीं लिया गया है	प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	कोर्स वर्क पूर्ण
श्री तथागत चक्रवर्ती	पूर्णकालिक	अभी निर्णय नहीं लिया गया है	प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	कोर्स वर्क पूर्ण
तंद्रा सरकार	अंशकालिक	इमेज प्रोसेसिंग पर आधारित सहज ज्ञान युक्त फजी सेट हाइब्रिड दृष्टिकोण पर एक अध्ययन	प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर	प्रदत्त
सूरज रॉय	पूर्णकालिक	छवि प्रसंस्करण समस्याओं में एल्गोरिदम" पर आधारित अनुकूलन के अनुप्रयोगों पर एक अध्ययन	प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर	पंजीकृत
शांतनु दास	अंशकालिक	डोमिनेंस रफ सेट दृष्टिकोण का उपयोग करके निर्णय लेने के विश्लेषण के नए दृष्टिकोण पर एक अध्ययन	प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर	पंजीकृत
अमित हल्दर	पूर्णकालिक	जटिल अनिश्चित अनुक्रमों के आई-अभिसरण का अध्ययन और उसका सामान्यीकरण	प्रो. एस. देबनाथ	प्रदत्त
संतोनु देबनाथ	पूर्णकालिक	न्यूट्रोसोफिक वातावरण के अंतर्गत सांख्यिकीय अभिसरण अवधारणाओं पर अध्ययन	प्रो. एस. देबनाथ	प्रदत्त
चयन शर्मा	पूर्णकालिक	अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है	प्रो. एस. देबनाथ	कोर्स वर्क शुरू किया
मिजानुर रहमान	पूर्णकालिक	अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है	प्रो. एस. देबनाथ	कोर्स वर्क शुरू किया
रिपन देवनाथ	पूर्णकालिक	अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है	प्रो. एस. देबनाथ	कोर्स वर्क शुरू किया
सनातन मंडल	अंशकालिक	बेलनाकार पाइपों में अमिश्रणीय द्रवों के कुछ स्थिर और अस्थिर प्रवाहों पर एक अध्ययन	डॉ. पुन्नमचंदर बिटला	कोर्स वर्क शुरू किया
सुमन पात्रा	पूर्णकालिक	अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है	डॉ. ए.के. दास	कोर्स वर्क शुरू किया
रजत दास	पूर्णकालिक	अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है	डॉ. ए.के. दास	कोर्स वर्क शुरू किया
मोहम्मद साहिद आलम	अंशकालिक	अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है	डॉ. ए.के. दास	कोर्स वर्क शुरू किया
सागर पाल	पूर्णकालिक	रिंग और मॉड्यूल (शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है)	डॉ. शौभिक भट्टाचार्य	कोर्स वर्क शुरू किया
राजर्षि नाथ	पूर्णकालिक	फजी नियंत्रण सिद्धांत और इसके अनुप्रयोग	डॉ. रूपक दत्ता	कोर्स वर्क किया
पॉपी मजूमदार	पूर्णकालिक	गैर-न्यूटनियन वास्तविक संख्याओं के दोहरे अनुक्रम	हरीश डी	पंजीकृत

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	28.12.2024 से 30.12.2024 तक	3 दिन	माधव गणित प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के लिए समस्या समाधान शिविर	कार्यशाला	राष्ट्रीय	37
2.	03.01.2025 से 05.01.2025 तक	3 दिन	भारतीय राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (आईएनएमओ) प्रशिक्षण शिविर	कार्यशाला	राष्ट्रीय	34

5.2 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	अमेरिकी गणितीय सोसायटी	वार्षिक सदस्यता
प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	भारतीय गणितीय सोसायटी	आजीवन
प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	भारत गणित परिषद, लखनऊ	आजीवन
प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	भारतीय गणित अकादमी	आजीवन
प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	त्रिपुरा गणितीय सोसायटी	आजीवन
प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय गणितीय सोसायटी	आजीवन
प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	असम गणित अकादमी	आजीवन
प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	मराठवाड़ा गणितीय सोसायटी	आजीवन
प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	कलकत्ता गणितीय सोसायटी	आजीवन
प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी	फजी रफ सेट एसोसिएशन	आजीवन (कोषाध्यक्ष)
प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर	त्रिपुरा गणितीय सोसायटी	आजीवन
प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर	एफ आरएसए, त्रिपुरा	आजीवन
प्रो. श्यामल देबनाथ	अमेरिकी गणितीय सोसायटी	वार्षिक सदस्यता
प्रो. श्यामल देबनाथ	भारतीय गणितीय सोसायटी	आजीवन
प्रो. श्यामल देबनाथ	कलकत्ता गणितीय सोसायटी	आजीवन
प्रो. श्यामल देबनाथ	त्रिपुरा गणितीय सोसायटी	आजीवन
शौभिक भट्टाचार्य	त्रिपुरा गणितीय सोसायटी	आजीवन
शौभिक भट्टाचार्य	ब्रेकथ्रू साइंस सोसायटी	वार्षिक सदस्यता
हरीश डी	त्रिपुरा गणितीय सोसायटी	आजीवन
डॉ. रूपक दत्ता	भारतीय गणितीय सोसायटी	आजीवन (एल/2023/069)
डॉ. रूपक दत्ता	रामानुजन गणितीय सोसायटी	आजीवन (एल/1858)

5.3 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
डॉ. पुन्नमचंदर बिटला	संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफ आईपी) गुरु-दक्षता	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, त्रिपुरा, भारत	28 दिन	26 नवंबर-23 दिसंबर, 2024
डॉ. ए.के. दास	संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफ आईपी) गुरु-दक्षता	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, त्रिपुरा, भारत	28 दिन	26 नवंबर-23 दिसंबर, 2024
हरीश डी	संकाय विकास पाठ्यक्रम	ऑनलाइन	5 दिन	25/01/2025 से 30/01/2025 तक
हरीश डी	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	ऑनलाइन	2 सप्ताह	24/06/2024 से 06/07/2024 तक
डॉ. रूपक दत्ता	संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफ आईपी) गुरु-दक्षता	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, त्रिपुरा, भारत	28 दिन	26 नवंबर-23 दिसंबर, 2024

6. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ संयुक्त शोध

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के नाम	परियोजना पर संयुक्तता	वर्ष
डॉ. रूपक दत्ता	डॉ. रामासामी सरवनकुमार, एमएसयू-बीआईटी-एसएमबीयू संयुक्त अनुप्रयुक्त गणित शोध केंद्र, शेन्ज़ेन एमएसयू-बीआईटी विश्वविद्यालय, शेन्ज़ेन 518172, चीन	ताकागी-सुगेनो फजी सिस्टम के लिए नमूना-डेटा नियंत्रक डिजाइन	2025
डॉ. रूपक दत्ता	डॉ. प्रताप अनबलगन, कॉलेज ऑफ मेकाट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, और साथ ही कॉलेज ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, शेन्ज़ेन यूनिवर्सिटी, शेन्ज़ेन 518060, चीन	फ़ज़ी पवन टरबाइन प्रणाली के लिए घटना-आधारित नियंत्रण तकनीक	2025

7. शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभाग से विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले छात्र:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
अरुप दत्ता	पु	सामान्य	नहीं	टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, बेंगलुरु	एसडब्ल्यूटी
पंचदीप सिन्हा	पु	सामान्य	नहीं	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिलचर	एसडब्ल्यूटी
चंदन देबनाथ	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	सीएसआईआर-एनटीए	नेट (पीएचडी)
चयन शर्मा	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	एसडब्ल्यूटी
मिजानुर रहमान	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	एसडब्ल्यूटी
सागर पाल	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	एसडब्ल्यूटी
अरुणावा भट्टाचार्जी	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	एसडब्ल्यूटी
रिपन देबनाथ	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	एसडब्ल्यूटी
जयनारायण नाथ	पु	-	नहीं	त्रिपुरा शिक्षक भर्ती बोर्ड	अन्य (टीईटी-II)
बरनाली मजूमदार	म	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा शिक्षक भर्ती बोर्ड	अन्य (टीईटी-II)
पलाश भट्टाचार्य	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा शिक्षक भर्ती बोर्ड	अन्य (टीईटी-II)
मॉन्टी भौमिक	म	-	नहीं	त्रिपुरा शिक्षक भर्ती बोर्ड	अन्य (टीईटी-II)
अर्घदीप देबनाथ	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	त्रिपुरा शिक्षक भर्ती बोर्ड	अन्य (टीईटी-II)
पूर्णव्रत सूत्रधार	पु	-	नहीं	त्रिपुरा शिक्षक भर्ती बोर्ड	अन्य (टीईटी-II)

परीक्षा सहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र; *परीक्षा रहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र।

8. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां/ नहीं)	संगठन/ संस्था का नाम	पद का नाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
प्रशांत शर्मा	पु	सामान्य	नहीं	भारतीय केंद्रीय बैंक	पी.ओ.	आईबीपीएस	आईबीपीएस पीओ
देबज्योति नाग	पु	सामान्य	नहीं	भारतीय केंद्रीय बैंक	पी.ओ.	आईबीपीएस	आईबीपीएस पीओ
बिजय देबनाथ	पु	अन्य पिछड़ा वर्ग	नहीं	भारतीय केंद्रीय बैंक	पी.ओ.	आईबीपीएस	आईबीपीएस पीओ
मीतन पॉल	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा ग्रामीण बैंक	लिपिक	आरआरबी	आरआरबी क्लर्क

सूक्ष्म जैविकी विभाग

विभाग प्रमुख	:	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा
स्थापना वर्ष	:	2011
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	एम.एससी. और पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता	:	एमएससी में 31 और पीएच.डी. में 16

विभाग का ध्येय: सूक्ष्म जैविकी में वास्तव में उत्कृष्ट शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान का सृजन करना, जो शैक्षणिक जगत की सेवा करे, उद्योगों से संबंध स्थापित करे तथा राष्ट्र निर्माण में सहायक हो।

प्रमुख उपलब्धियां: विज्ञान संकाय के अंतर्गत सूक्ष्म जैविकी विभाग, जिसकी स्थापना सितंबर 2011 में हुई थी, शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान अकादमिक और शोध उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। प्रतिवर्ष 31 छात्रों के प्रवेश के साथ, विभाग सेमेस्टर और विकल्प-आधारित क्रेडिट प्रणाली के तहत एम.एससी. और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें तीन समर्पित संकाय सदस्य और एक गैर-शिक्षण कर्मचारी कार्यरत हैं। विभाग की विशेषज्ञता जैव विविधता के क्षेत्र में फैली हुई है। किण्वित उत्पादों की स्क्रीनिंग, जीनोमिक पहचान, जैव-विश्लेषण, अपशिष्ट जल उपचार प्रणालियों का विकास, जीवाणुओं के निरंतर प्रकोप से निपटने के लिए दवाओं का पुन: उपयोग और जीवाणु तनाव प्रतिक्रियाओं का स्पष्टीकरण। इस वर्ष विभाग ने एक पुस्तक प्रकाशित की है जिसका शीर्षक है *अपशिष्ट जल उपचार और जैव ऊर्जा पुनर्प्राप्ति में सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग* इसके साथ ही, प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में दस पुस्तक अध्याय और उच्च-प्रभाव वाले अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में नौ शोध लेख प्रकाशित हुए हैं, जिससे इसकी शोध दृश्यता मजबूत हुई है। संकाय और छात्रों ने कई सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, जबकि संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित वैज्ञानिक मंचों पर चार आमंत्रित व्याख्यान दिए। वर्तमान में, 14 शोधार्थी पीएचडी शोध के लिए पंजीकृत हैं और 27 एमएससी छात्र संकाय की देखरेख में शोध परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं, जो मजबूत शोध वातावरण को दर्शाता है। विभाग ने छात्रों के लिए अकादमिक संवर्धन और कौशल विकास प्रदान करने वाले पांच व्याख्यान और प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए। संकाय सदस्य कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर और शोधार्थी समाजों के सदस्य भी हैं, जो उनकी अकादमिक प्रतिष्ठा को उजागर करता है। इसके अलावा, विभाग ने शैक्षिक दौरों के माध्यम से उद्योग, गैर सरकारी संगठनों और सरकारी संगठनों के साथ संपर्क स्थापित करने में मदद की, जिससे छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और पेशेवर नेटवर्किंग सुनिश्चित हुई। चार शोध परियोजनाएं अभी भी जारी हैं।समकालीन चुनौतियों से निपटने वाली परियोजनाओं के माध्यम से, विभाग प्रभावशाली शोध और नवोन्मेषी समाधानों को बढ़ावा देना जारी रखता है। ये सभी उपलब्धियाँ अकादमिक उत्कृष्टता, शोध नवाचार और छात्रों के समग्र विकास के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं, जिससे सूक्ष्म जैविकी में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में इसकी भूमिका मजबूत होती है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ संविदा*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
शाओन रॉय चौधुरी	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी	20 साल	12	5	86	-	1248	21
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	सफेद और पीली जैव प्रौद्योगिकी	21 साल	3	5	72	12	1711	14
डॉ. आशुतोष कुमार	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	सूक्ष्मजीव अनुकूलन	11 साल, 06 महीने और 15 दिन	0	2	38	15	1204	14

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन विद्यालय जिनमें विभाग के शिक्षकों/ छात्रों /शोधार्थियों ने भाग लिया हो और जिनके पूर्ण शोधपत्र प्रकाशित न हुए हों: 6

नाम	शिक्षक विद्यार्थी/ शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
प्रो शाओन रॉय चौधुरी (एनएएसी बैंगलोर द्वारा 23 जुलाई 2024 को आयोजित उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला)	शिक्षक	-	1 (क्षेत्रीय)	-
सुश्री स्पाइट पलवान	शोधार्थी	-	1 (राष्ट्रीय)	-
एस के वसीम अहमद	शोधार्थी	-	1 (राष्ट्रीय)	-
सुश्री चैताली चंदा	शोधार्थी	-	1 (राष्ट्रीय)	-
श्री अबिनाश देबबर्मा	शोधार्थी	-	1 (राष्ट्रीय)	-
सुश्री सौम्या सामल	शोधार्थी	-	1 (राष्ट्रीय)	-

3. संकाय सदस्यों/ संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालयों आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए आमंत्रित व्याख्यान :

नाम	जगह	दिनांक	संस्थानों/ विश्वविद्यालयों	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	कोलकाता	21 अप्रैल 2025	हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस पर "सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी के माध्यम से एक स्थायी भविष्य का निर्माण" विषय पर प्रस्तुति।
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	कोलकाता	6 अगस्त 2024	सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में महिलाओं पर आयोजित संगोष्ठी में "सूक्ष्मजीव: एक हरित भविष्य की हमारी कुंजी" विषय पर प्रस्तुति।
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	गुवाहाटी	10-11 जनवरी 2025	गौहाटी विश्वविद्यालय	अंतर्राष्ट्रीय जैव-विनिर्माण शिखर सम्मेलन में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित: जैव-विनिर्माण के लिए रामी एक संभावित उम्मीदवार के रूप में
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	त्रिपुरा	11 फरवरी 2025	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पर्यावरण के लिए सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर "पोषण" विज्ञान में महिलाएं और लड़कियां

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/ शोधप्रबंध/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
सुश्री चैताली चंदा	पूर्णकालिक	बायोफिल्म आधारित बायोरिएक्टर प्रणाली में माइक्रोबियल फॉर्मूलेशन का उपयोग करके सल्फेट दूषित अपशिष्ट जल उपचार का अनुकूलन	शाओन रॉय चौधुरी	पंजीकृत
सुश्री इस्पिता पलवान	पूर्णकालिक	आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण तीन पौधों के कृषि संबंधी मापदंडों और उपज पर जीवाणु जैव-उर्वरक फॉर्मूलेशन की प्रभावकारिता का सत्यापन	शाओन रॉय चौधुरी	पंजीकृत
सुश्री सौम्या सामल	पूर्णकालिक	अमोनिया युक्त अपशिष्ट जल के उपचार के लिए एक प्रभावी जैव उपचारात्मक प्रणाली का विकास।	शाओन रॉय चौधुरी	पंजीकृत
श्री अबिनाश देबबर्मा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में उगाई गई लेमनग्रास की चयापचय प्रोफ़ाइल पर विभिन्न उर्वरक व्यवस्थाओं के प्रभाव को समझना	शाओन रॉय चौधुरी	पंजीकृत
एसके वसीम अहमद	पूर्णकालिक	अपशिष्ट जल से हेक्सामाइन को हटाने के लिए जीवाणु फार्मूलेशन का विकास	शाओन रॉय चौधुरी	पंजीकृत
श्री संबुद्ध चक्रवर्ती	पूर्णकालिक	चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण जीवाणुओं के बायोफिल्म के खिलाफ बैक्टीरियोफेज-आधारित उपचार पद्धति का विकास।	अश्विनी चौहान और शाओन रॉय चौधुरी	प्रदत्त
सुश्री संगीता जेना	पूर्णकालिक	चिकित्सा उपकरणों से जुड़े संक्रमणों को रोकने के लिए जेडएनओ नैनोकणों का उपयोग करके जीवाणुरोधी और एंटीबायोफिल्म कोटिंग विकसित करना।	अश्विनी चौहान और शाओन रॉय चौधुरी	पंजीकृत
सुश्री देबाश्री बोरठाकुर	अंशकालिक	पूर्वोत्तर भारत के किण्वित खाद्य पदार्थों से पृथक किए गए सूक्ष्मजीव मूल के स्वाद उत्पन्न करने वाले यौगिकों पर अध्ययन	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पंजीकृत
श्री अभिजीत दत्ता	अंशकालिक	उत्तरी त्रिपुरा के रबर बागानों से पत्तों के कचरे के अपघटन में कवक विविधता, पोषक तत्व रिलीज पैटर्न और रबर को प्रभावी ढंग से विघटित करने वाले कवक उपभेदों की स्क्रीनिंग पर अध्ययन।	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पंजीकृत
सुश्री संचिता बसु	पूर्णकालिक	पूर्वोत्तर भारत की पारंपरिक चावल की बीयर से प्राप्त कुछ स्वदेशी खमीर आइसोलेट्स का गामा विकिरण द्वारा मॉड्यूलेशन करके किफायती बायोएथेनॉल उत्पादन करना।	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पंजीकृत
सुश्री कृष्णा बुरागोहेन	पूर्णकालिक	असम की कुछ प्रमुख जनजातियों के पारंपरिक किण्वित खाद्य पदार्थों से पृथक किए गए रोगाणुरोधी खमीर यौगिकों का अध्ययन	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पंजीकृत
सुश्री बिजय आनंदी यौमनाम	पूर्णकालिक	चिटोसन का उपयोग करके सिल्वर नैनोपार्टिकल-आधारित बायोकॉन्जुगेट्स बनाने और विभिन्न बायोफिल्म उत्पादक बैक्टीरिया के खिलाफ उनकी प्रभावशीलता का आकलन करने पर अध्ययन।	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पंजीकृत
सुश्री अभीप्सा सेनगुप्ता	पूर्णकालिक	हॉलोफिलिक जीवाणुओं के डीएनए पॉलीमरेज़ III में अनुकूलन-प्रेरित आणविक विकास का अध्ययन	डॉ. आशुतोष कुमार सह-मार्गदर्शक: डॉ. यूसुफ अख्तर	पंजीकृत
सुश्री कुनवाली दास	पूर्णकालिक	जैव उपचार में शामिल लवण-प्रेमी जीवाणुओं के ऑर्गनोफॉस्फेट हाइड्रोलिसिस और नाइट्रिलिसिस में संरचनात्मक अनुकूलन का अध्ययन	डॉ. आशुतोष कुमार	पंजीकृत

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/सेमिनार/सम्मेलन/ कार्यशाला/संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	14 अगस्त 2024	दोपहर 3.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक	शोध में हाल के रुझान	वार्ता	विभागीय	87
2	28 फरवरी 2025	सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक	कृषि अपशिष्ट का उपयोग करके हस्तनिर्मित कागज बनाने का प्रदर्शन	डीटीईजीआरसी और टीयू के संयुक्तता से संयुक्त रूप से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	विभागीय	26
3	3 - 4 मार्च 2025	सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक	लेमनग्रास की खेती और तेल निष्कर्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।	प्रशिक्षण कार्यक्रम	विभागीय	30
4	9 जून 2025	दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक	रेमी: कटाई और प्रसंस्करण	प्रशिक्षण कार्यक्रम	विभागीय	7
5	5 जुलाई 2024	सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक	ग्रंथसूची संबंधी डेटा विश्लेषण	प्रशिक्षण कार्यक्रम	विभागीय	8

शोध में हाल के रुझान

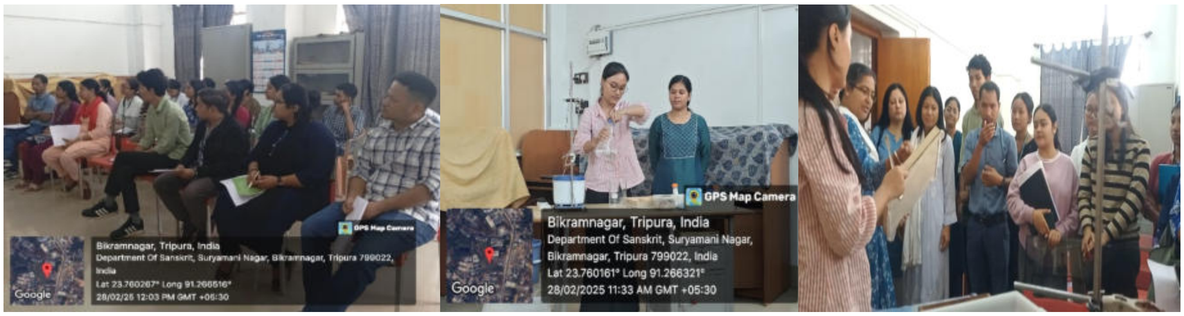

कृषि अपशिष्ट का उपयोग करके हस्तनिर्मित कागज बनाने का प्रदर्शन

लेमनग्रास की खेती और तेल निष्कर्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

रेमी: कटाई और प्रसंस्करण

ग्रंथसूची संबंधी डेटा विश्लेषण

5.2 उद्योग जगत/ गैर सरकारी संगठन/ सरकारी संगठन के साथ संपर्क: (संकाय सदस्यों के लिए)

क्रम सं.	संकाय सदस्यों के नाम	उद्योग/गैर-सरकारी संगठन का नाम	उद्योग का स्थान	समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो गए? (हां/नहीं)	क्या कोई अनुदान प्राप्त हुआ है? (यदि हाँ, तो मूल्य लाखों में बताएं)	क्या छात्र को नौकरी मिल गई है? (यदि हाँ, तो संख्या निर्दिष्ट करें।)
1	प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	एनबीआईआरटी	पश्चिम त्रिपुरा	नहीं	हाँ	2
2	प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	आईआईटी खड़गपुर	पश्चिम बंगाल	नहीं	हाँ	1
3	प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	आईयूएसी	नई दिल्ली	नहीं	हाँ	1

5.3 उद्योग जगत/ गैर सरकारी संगठन/ सरकारी संगठन के साथ संपर्क : (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	दौरा किए गए उद्योगों/गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	उद्योग का नाम/ एनजीओ ने दौरा किया	आने का उद्देश्य
सूक्ष्म जैविकी विभाग	1	एनबीआईआरटी	हाशिए पर रहने वाली महिला किसानों के लिए जैव उर्वरक आधारित खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने में संयुक्त रूप से सहायता करना
सूक्ष्म जैविकी विभाग	1	जी-क्यूब फाउंडेशन	बांस के उद्यमिता और मूल्यवर्धन पर एक पाठ्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन किया गया।

GPS Map Camera
Bikramnagar, Tripura, India
P7m8+fq3 Sekerkote Bridge, Shillong - Agartala - Sabrum Rd, Bikramnagar, Tripura 799130, India
Lat 23.733561° Long 91.267351°
06/03/25 01:22 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Bikramnagar, Tripura, India
P7m8+fq3 Sekerkote Bridge, Shillong - Agartala - Sabrum Rd, Bikramnagar, Tripura 799130, India
Lat 23.733584° Long 91.267326°
06/03/25 01:10 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Sekerkote, Tripura, India
P7pc+88h, Sekerkote, Bikramnagar, Tripura 799130, India
Lat 23.733258° Long 91.271042°
27/02/25 12:53 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Gakulnagar, Tripura, India
P7cf+q9v, Champamura Bazar Rd, Gakulnagar, Tripura 799130, India
Lat 23.722233° Long 91.27334°
27/02/25 03:16 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Agartala, Tripura, India
V8QQ+7C2, Bamboo Park Main Rd, Bodhjung Nagar, Agartala, Radhakishorenagar, Tripura 799008, India
Lat 23.889914°
Long 91.3378°
04/07/24 12:55 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Radhakishorenagar, Tripura, India
Gamcha Kobra - Nandan Nagar Rd, Nandan Nagar, Radhakishorenagar, Tripura 799006, India
Lat 23.890128°
Long 91.337041°
18/09/24 08:47 AM GMT +05:30
Google

5.4 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	भारत की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी	फेलो, सदस्य
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	पश्चिम बंगाल विज्ञान और प्रौद्योगिकी अकादमी	फेलो
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	अनुप्रयुक्त जैव प्रौद्योगिकी सोसायटी	फेलो
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	यूरेशियन पर्यावरण विज्ञान अकादमी	फेलो
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	अमेरिकन केमिकल सोसायटी	सदस्य
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	अमेरिकन सोसायटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी	सदस्य
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया	आजीवन सदस्य
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसायटी ऑफ इंडिया	ईसी सदस्य और आजीवन सदस्य
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	बायोटेक रिसर्च सोसाइटी इंडिया	सदस्य
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	अखिल भारतीय सूक्ष्मजीवविज्ञानी संघ	आजीवन सदस्य
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	रोगाणुरोधी शोध सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी, इंडिया	आजीवन सदस्य

6. शोध का प्रमुख क्षेत्र: सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी

7. नई पहल/नवाचार:

   i. कृषि अपशिष्ट का सदुपयोग करके मशरूम, हस्तनिर्मित कागज और बायोप्लास्टिक का उत्पादन करना। कौशल विकास और जागरूकता गतिविधियों के अंतर्गत छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों और आसपास के गांवों के लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

   ii. लेमनग्रास एसेंशियल ऑयल जैसे मूल्यवान कृषि उत्पादों के विकास का प्रशिक्षण। कौशल विकास और जागरूकता गतिविधियों के अंतर्गत छात्रों और आसपास के गांवों के ग्रामीणों को यह प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

   iii. भारत की राष्ट्रीय अकादमियों की ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के अंतर्गत अन्य राज्यों के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

   iv. जागरूकता अभियान के अंतर्गत, स्थानीय ग्रामीणों और उद्यमियों को रामी की खेती और रेशे के प्रसंस्करण का प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही, स्थानीय किसानों को रामी की जड़ें भी वितरित की गई हैं।

8. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
1	-	1 (सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला)

9. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के साथ संयुक्त शोध :

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योगों के नाम	परियोजना पर संयुक्तता	वर्ष
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	जी क्यूब फाउंडेशन, अगरतला	अपशिष्ट का सदुपयोग, उद्यमिता प्रोत्साहन	2024 से आगे
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक तंतु इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, आईसीएआर, कोलकाता	समझौता ज्ञापन	2022 से आगे
प्रो. शाओन रॉय चौधुरी	केआईआईटी टीबीआई, भुवनेश्वर	समझौता ज्ञापन	2020 से आगे

10. शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभाग से विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले छात्र:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां/ नहीं)	संगठन/ संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
क्वाथर देबबर्मा	पु	अनुसूचित जनजाति	नहीं	एनआईटी अगरतला	पीएचडी
रिक्थाई देबबर्मा	म	अनुसूचित जनजाति	नहीं	एनआईटी अगरतला	पीएचडी

परीक्षा सहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र; *परीक्षा रहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र।

11. अन्य उपलब्धियां:

त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 में (रामी फाइबर का) व्यावसायीकरण करने वाला पहला विभाग होने की परंपरा को जारी रखते हुए, हम 19 दिनांक को विश्वविद्यालय द्वारा (स्वदेशी रूप से उत्पादित लेमनग्रास एसेंशियल ऑयल का) एक उद्योग को दूसरा व्यावसायीकरण करके इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। मई 2025।

आणविक जैविकी और जैवसूचना विज्ञान विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.एससी. और पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : 30

विभाग का ध्येय: सभी छात्रों के लिए सशक्त शैक्षिक अनुभव प्रदान करना और जीवित जगत से संबंधित विज्ञान में अभूतपूर्व प्रगति के माध्यम से समाज को रूपांतरित करना।

प्रमुख उपलब्धियां: 2024-25 के दौरान, आणविक जैविकी और जैवसूचना विज्ञान विभाग ने प्रभावशाली पहलों और सहयोगों के माध्यम से अपनी अकादमिक और शोध उत्कृष्टता को मजबूत किया। विशेष रूप से, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट छात्रों के लिए उन्नत शोध और प्रशिक्षण अवसरों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, आईसीएआर रांची और एसएनयू कोलकाता के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। शोध गतिविधियों में तेजी आई, संकाय सदस्यों ने साइटोकाइन, माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस, एडवांस्ड हेल्थकेयर मैटेरियल्स, फूड केमिस्ट्री और जर्नल ऑफ हैज़र्डस मैटेरियल्स जैसे उच्च-प्रभाव वाले अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन किए। प्रकाशनों में संक्रमण जीवविज्ञान, मेजबान-रोगजनक अंतःक्रिया, बायोफिल्म अवरोधन, नैनोमेडिसिन और पर्यावरण सूक्ष्मजीवविज्ञान सहित विविध क्षेत्र शामिल थे। संकाय सदस्यों ने स्प्रिंगर नेचर, एल्सेवियर और सीआरसी प्रेस द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पुस्तकों में अध्याय भी लिखा। अगली पीढ़ी के टीके के डिजाइन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस एक कॉम्पैक्ट कंप्यूटिंग यंत्र पर पेटेंट प्राप्त करके नवाचार का प्रदर्शन किया गया। संकाय की उपलब्धियों में डॉ. अरबिंदा घोष का एल्सवियर-स्टैनफोर्ड द्वारा जैवभौतिक विज्ञान और जैवचिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल होना शामिल है। विभाग ने सफलतापूर्वक दो पीएचडी उपाधियाँ प्रदान कीं और कई नए डॉक्टरेट शोधार्थियों का स्वागत किया। संकाय ने कोलंबो विश्वविद्यालय, टेक्नो इंडिया विश्वविद्यालय और होली क्रॉस कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में आमंत्रित व्याख्यान दिए, साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और मल्टी-ओमिक्स अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय कार्यशालाओं का नेतृत्व किया। इसके अतिरिक्त, विभाग ने शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें देशभर से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे इसकी दृश्यता और पहुंच में और वृद्धि हुई। ये सभी उपलब्धियाँ अत्याधुनिक शोध, नवाचार और प्रशिक्षण में विभाग के बढ़ते योगदान को उजागर करती हैं, जिससे आणविक जैविकी और जैवसूचना विज्ञान में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में इसकी भूमिका और मजबूत होती है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	पीएच.डी.	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	होस्ट-पैथोजेन अंतःक्रिया, प्रतिरक्षा विज्ञान	15	7	2	75	8	5433	34
डॉ. रक्षक कुमार	पीएचडी	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	पर्यावरण आणविक सूक्ष्मजीवविज्ञान	9	2	4	7	5	1898	25
डॉ. नंदिता नाथ	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	किण्वन एवं औद्योगिक सूक्ष्मजीवविज्ञान	1.5	0	1	10	0	91	5
अरबिंद घोष	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	संरचनात्मक और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान	2	0	2	24	14	3157	31

**उल्लेख अनिवार्य*

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन विद्यालय जिनमें विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों ने भाग लिया हो, लेकिन जिनके पूर्ण शोधपत्र प्रकाशित न हुए हों:

नाम	शिक्षक/छात्र / शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
डॉ. नंदिता नाथ	शिक्षक		1	एनएससीई 2025
अरघजित सरकार	शोधार्थी	1	1	आईआईएसएफ 2024, एनसीआरटीबीएसएनईआई 2025
सुश्री वर्षा घोष	शोधार्थी	1	1	आईआईएसएफ 2024, एनसीआरटीबीएसएनईआई 2025
श्री देबज्योति दत्ता	शोधार्थी	1	1	आईआईएसएफ 2024, एनसीआरटीबीएसएनईआई 2025
सुश्री दिप्तानी साहा	शोधार्थी	1	1	आईआईएसएफ 2024, एनसीआरटीबीएसएनईआई 2025
सुश्री मौमिता देबनाथ	शोधार्थी	1	1	आईआईएसएफ 2024, एनसीआरटीबीएसएनईआई 2025
श्री सुमन पॉल	शोधार्थी	1	1	आईआईएसएफ 2024, एनसीआरटीबीएसएनईआई 2025
श्रीमती संघमित्रा गोस्वामी	शोधार्थी	1	1	आईआईएसएफ 2024
श्री अभिजीत रियांग	शोधार्थी	-	1	एनसीआरटीबीएसएनईआई 2025
श्री संदीप दास	शोधार्थी	1	1	आईआईएसएफ 2024, एनसीआरटीबीएसएनईआई 2025

3. त्रिपुरा विश्वविद्यालय से अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों में अतिथि संकाय:

नाम	से (दिन/माह/वर्ष)	को (दिन/माह/वर्ष)	संस्थान/ विश्वविद्यालयों	विभाग/विद्यालय का नाम (जहां अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया हो)
डॉ. अरबिंदा घोष	30/06/2024	05/07/2025	कोलंबो विश्वविद्यालय	जैव रसायन और आणविक जैविकी संस्थान

4. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालयों	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	रवीन्द्रनाथ ठाकुर महाविद्यालय, सेफिजाला, त्रिपुरा	18/03/2025	रवीन्द्रनाथ ठाकुर महाविद्यालय	अगली पीढ़ी की चिकित्सा पद्धतियाँ: संक्रामक रोगों के खिलाफ लड़ाई में भारत के युवाओं को सशक्त बनाना
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा	07/08/2025	टेक्नो इंडिया विश्वविद्यालय	जिज्ञासा से इलाज तक: रोगाणुओं और प्रतिरक्षा की दुनिया में एक शोधकर्ता की यात्रा
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	होली क्रॉस कॉलेज, अगरतला	11/06/2025	होली क्रॉस कॉलेज	कंप्यूटर आधारित औषधि डिजाइनिंग पर शिक्षकों के लिए दो दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम
डॉ. रक्षक कुमार	गंगा सभागार, इंदिरा पर्यावरण भवन, एमओईएफसीसी, नई दिल्ली	11-12-2024	आईयूसीएन	हिमालय के लिए युवा: अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस 2024 के लिए नवाचार करें, प्रेरणा दें और प्रभाव डालें
डॉ. अरबिंदा घोष	कोलम्बो, श्रीलंका	28/09/2024	जैव रसायन एवं आणविक जैविकी संस्थान, कोलंबो विश्वविद्यालय	औषधि खोज के लिए क्यूएसएआर मॉडलिंग
डॉ. नंदिता नाथ	त्रिपुरा, भारत	12/04/2025	SHoDH, उत्तर पूर्वी क्षेत्र	शोध में उद्देश्यों और नैतिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना

5. पेटेंट/ कॉपीराइट आवेदित/ प्राप्त :

नाम	पेटेंट का शीर्षक	आवेदित/ स्वीकृत	पेटेंट संख्या	आवेदन की तिथि/ स्वीकृति तिथि (दिन/माह/वर्ष)	लाइसेंस अथवा नहीं
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	कृत्रिम बुद्धिमत्ता से युक्त एक कॉम्पैक्ट कंप्यूटिंग डिवाइस। अगली पीढ़ी के टीकों के डिजाइन के लिए सिस्टम और विधियाँ।	स्वीकृत	2024/08182	28/05/2025	नहीं

6. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/ शोधप्रबंध/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
श्रीमती संघमित्रा गोस्वामी	पूर्णकालिक	जैव-अनुकूल हाइड्रोजेल और नैनोजेल फॉर्मूलेशन के माध्यम से फाइटोकेमिकल्स की रोगाणुरोधी और एंटी-बायोफिल्म प्रभावकारिता।	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	सम्मानित
डॉ. चंदन रे बर्मन	पूर्णकालिक	गैबापेंटिन और प्रीगैबलिन का एंटी-प्रोलिफेरेटिव और जीवाणुरोधी एजेंटों के रूप में पुनः उपयोग	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	प्रदत्त
श्री सुमन पॉल	पूर्णकालिक	फ्लेवोनोइड समूह के फाइटोकेमिकल्स का उपयोग करके विब्रियो कोलेरा के संक्रमण और रोगजनकता को कम करने के लिए एक नई चिकित्सीय रणनीति का विकास।	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	पंजीकृत
डॉ. एपशिता घोष	अंशकालिक	मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित रोगियों में लार के जैव रासायनिक और सूक्ष्मजीव प्रोफाइल, विशेष रूप से स्टैफिलोकोकस ऑरियस, और एंडोडॉंटिक रोगों के बीच सहसंबंध: त्रिपुरा के दंत रोगियों के बीच एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	पंजीकृत
श्री मिहिर लाल दास	अंशकालिक	-	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	कोर्सवर्क चल रहा है
श्री अर्घ जित सरकार	पूर्णकालिक	-	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	कोर्सवर्क चल रहा है
सुश्री वर्षा घोष	पूर्णकालिक	-	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	कोर्सवर्क चल रहा है
श्री देबज्योति दत्ता	पूर्णकालिक	-	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	कोर्सवर्क चल रहा है
सुश्री दिप्तानी साहा	पूर्णकालिक	-	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	कोर्सवर्क चल रहा है
सुश्री मौमिता देबनाथ	पूर्णकालिक	-	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	कोर्सवर्क चल रहा है
सुश्री बरशा दत्ता	पूर्णकालिक	-	डॉ. रक्षक कुमार	कोर्सवर्क चल रहा है
मिस सायस्ता अहमद	पूर्णकालिक	-	डॉ. रक्षक कुमार	कोर्सवर्क चल रहा है
कुमारी सुरुचि राय	पूर्णकालिक	-	डॉ. रक्षक कुमार	कोर्सवर्क चल रहा है
श्री प्रीतम छेत्री	पूर्णकालिक	-	डॉ. रक्षक कुमार	कोर्सवर्क चल रहा है
श्रीमती अन्वेषा साहा	पूर्णकालिक	-	डॉ. नंदिता नाथ	कोर्सवर्क चल रहा है
श्री अभिजीत रियांग	पूर्णकालिक	-	डॉ. अरबिंदा घोष	कोर्सवर्क चल रहा है
श्री संदीप दास	पूर्णकालिक	-	डॉ. अरबिंदा घोष	कोर्सवर्क चल रहा है

7. विभाग के बढ़ते कदम :

7.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/सेमिनार/सम्मेलन/ कार्यशाला/संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	06/07/2024	-	मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अनुप्रयोग	कार्यशाला	राष्ट्रीय	53

2	28/09/2024	-	औषधि विकास से लेकर नैदानिक परीक्षणों तक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर गहन शिक्षण तक का उपयोग	कार्यशाला	राष्ट्रीय	49
3	09/01/2025	-	भारतीय किण्वित खाद्य पदार्थों की कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य लाभों को समझने में मल्टी-ओमिक्स का अनुप्रयोग	व्याख्यान	राष्ट्रीय	49

7.2 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
डॉ. नंदिता नाथ	एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमआई)	आजीवन सदस्य
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी	पूर्व छात्र सदस्य
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्य	भारतीय कोशिका जीवविज्ञान सोसायटी	आजीवन सदस्य

7.3 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
डॉ. अरबिंदा घोष	प्रेरण कार्यक्रम "गुरु-दक्षता"	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	1 महीना	26 नवंबर - 23 दिसंबर, 2024
डॉ. नंदिता नाथ	प्रेरण कार्यक्रम "गुरु-दक्षता"	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	1 महीना	26 नवंबर - 23 दिसंबर, 2024

8. शोध के प्रमुख क्षेत्र: संक्रमण जीवविज्ञान, प्रतिरक्षाविज्ञान और जीवाणु जैवफिल्म, प्रणाली जीवविज्ञान, औषधि डिजाइनिंग

9. अध्यापन प्रयोगशाला/ शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए + बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
4	2	2

10. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:

1. बीओडी इनक्यूबेटर,
2. जैव-सुरक्षा कैबिनेट,
3. पीसीआर मशीन,
4. कोल्ड सेंट्रीफ्यूज,
5. वेस्टर्न ब्लॉट यंत्र,
6. ऊतक संवर्धन कक्ष,
7. जल शोधन प्रणाली
8. स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस
9. सर्वर कंप्यूटर
10. बाइनोकुलर माइक्रोस्कोप
11. हीट ब्लॉकर
12. शेकर इनक्यूबेटर
13. परिसंचारी जल स्नान
14. 4°C रेफ्रिजरेटर
15. -20°C फ्रीजर
16. बर्फ़ का टुकड़ा
17. -80° सेल्सियस फ्रीजर

11. प्रदत्त /पदक/ सम्मान# शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्राप्त (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर के) प्रदत्त :

शिक्षक का नाम	पुरस्कारों/पदकों/सम्मानों के नाम	प्रदत्त /पदक/सम्मान की तिथि	पुरस्कार प्रदान करने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणी
डॉ. अरबिंदा घोष	जैवभौतिक विज्ञान और जैवचिकित्सा विज्ञान में विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में से एक।	16/09/2024	एल्सवियर और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	प्रकाशित सूची के अनुसार सम्मान

#खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, ज़ोनल पर भी विचार किया जाए।

भेषज विज्ञान विभाग

विभाग प्रमुख	:	प्रो. कुंतल मन्ना
स्थापना वर्ष	:	2011
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में एम.फार्मा और पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता	:	15 (पीसीआई के अनुसार)

विभाग का ध्येय: भेषज विज्ञान विभाग पर त्रिपुरा विश्वविद्यालय औषधीय रसायन विज्ञान, औषधि खोज और औषध विश्लेषण के क्षेत्र में ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अकादमिक उत्कृष्टता, नवोन्मेषी शोध और उद्योग-उन्मुख कौशल पर विशेष बल देते हुए, यह विभाग ऐसे पेशेवरों को तैयार करता है जो शिक्षा, उद्योग और शोध के विभिन्न क्षेत्रों में अपने करियर के लिए भलीभांति सक्षम हैं। यह एक जीवंत शिक्षण वातावरण प्रदान करता है जो सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुप्रयोगों के साथ एकीकृत करता है, जिससे वैज्ञानिक जिज्ञासा, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा मिलता है।

हमारा नज़रिया-

- **शिक्षा में उत्कृष्टता**- सक्षम पेशेवरों को तैयार करने के लिए फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना।
- **नवोन्मेषी शोध**- औषधि खोज, डिजाइन और विकास में अत्याधुनिक शोध को बढ़ावा देना।
- **उद्योग संयुक्तता**- व्यावहारिक अनुभव और नवाचार के लिए दवा उद्योग के साथ मजबूत साझेदारी स्थापित करें।
- **नैतिकता और गुणवत्ता**- सभी शैक्षणिक और शोध गतिविधियों में नैतिक प्रथाओं और वैश्विक गुणवत्ता मानकों का पालन करें।
- **सामाजिक प्रभाव**- वैज्ञानिक नवाचार के माध्यम से समाज के लाभ के लिए स्वास्थ्य सेवा में प्रगति में योगदान देना।

प्रमुख उपलब्धियां: त्रिपुरा विश्वविद्यालय का भेषज विज्ञान विभाग अपनी स्थापना से ही अकादमिक और शोध उत्कृष्टता का केंद्र रहा है। औषधीय रसायन विज्ञान, औषधि खोज और फार्मास्युटिकल विश्लेषण के अध्ययन के लिए समर्पित यह विभाग फार्मास्युटिकल विज्ञान में कैरियर बनाने के इच्छुक छात्रों को एक मजबूत आधार प्रदान करता है। अनुभवी शिक्षकों, आधुनिक प्रयोगशालाओं और एक कठोर पाठ्यक्रम के संयोजन से यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान और विशेषज्ञता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त हो। विभाग सिंथेटिक रसायन विज्ञान, पादप रसायन विज्ञान और विश्लेषणात्मक विधि विकास में अत्याधुनिक शोध पर जोर देता है, जो औषधीय विज्ञान की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देता है। संकाय सदस्य प्रतिस्पर्धी शोध अनुदान प्राप्त करने, उच्च-प्रभाव वाले जर्नलों में प्रकाशन करने और उद्योगों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ संयुक्तता करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। एचपीएलसी, एफ टीआईआर और यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस जैसे उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों से सुसज्जित, विभाग छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिससे औद्योगिक और शोध अनुप्रयोगों के लिए उनके कौशल में वृद्धि होती है। यह नवाचार, नैतिक प्रथाओं और सामाजिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को भी बढ़ावा देता है।

पिछले कुछ वर्षों में, विभाग ने शैक्षणिक उपलब्धियों, शोध उत्पादकता और सामुदायिक सहभागिता में उल्लेखनीय प्रगति की है, और इस क्षेत्र में फार्मास्युटिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा सुधार में एक मान्यता प्राप्त योगदानकर्ता के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है।

- **शैक्षणिक उत्कृष्टता:** फार्मास्युटिकल विज्ञान में शीर्ष क्रम के स्नातकोत्तर और पीएचडी विद्वानों को तैयार करने का निरंतर रिकॉर्ड।
- **शोध में योगदान:** प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में उच्च-प्रभाव वाले शोध पत्रों का प्रकाशन, विशेष रूप से औषधि डिजाइन, पादप रसायन विज्ञान और विश्लेषणात्मक विधि विकास के क्षेत्रों में।

- **वित्त पोषित परियोजनाएँ:** डीएसटी, डीबीटी, आयुष, यूजीसी और आईसीएमआर जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित शोध परियोजनाओं का सफल क्रियान्वयन।
- **अवसंरचना विकास:** एचपीएलसी, एफ टीआईआर, यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस और माइक्रोवेव सिंथेसाइज़र जैसे उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाओं की स्थापना।
- **उद्योग और शैक्षणिक संबंध:** प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और संयुक्त परियोजनाओं के लिए दवा उद्योग और शोध संस्थानों के साथ संयुक्तता।
- **छात्र प्लेसमेंट और प्रगति:** प्रतिष्ठित दवा कंपनियों में स्नातकों का प्लेसमेंट और भारत और विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए पूर्व छात्रों का प्रवेश।
- **सामुदायिक एवं स्वास्थ्य सेवा संबंधी संपर्क:** स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी,औषधीय पौधों पर शोध और दवा विस्तार गतिविधियां जिनसे स्थानीय समुदाय को लाभ होता है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/अतिथि/ अनुबंध*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
प्रो. कुन्तल मन्ना	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	फार्मास्युटिकल रसायन शास्त्र	22	3	4	39	2	1693	16
डॉ. जगदीश कुमार साहू	पीएचडी	सह - प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	औषधीय एवं कार्बनिक रसायन विज्ञान	17	1	1	9	2	545	11
डॉ. रजत घोष	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	फार्मास्युटिकल रसायन शास्त्र	14	0	1	37	3	329	10
डॉ. प्रताप चंद्र आचार्य	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	औषधीय रसायन शास्त्र	12	1	3	27	3	450	12

*उल्लेख अनिवार्य

2. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. जगदीश कुमार साहू	गुयाना विश्वविद्यालय, बर्बिस परिसर	24 जून, 2025	अंतःविषयक शोध सम्मेलन 2025, गुयाना विश्वविद्यालय, बरबिस परिसर द्वारा आयोजित।	नॉवेल 6-फिनाइल-7 घं-[1,2,4] ट्रायज़ोलो [3,4-b][1,3,4] थायाडियाज़ीन व्युत्पन्न: फार्माकोफोर-आधारित वर्चुअल स्क्रीनिंग और आणविक डॉकिंग
डॉ. जगदीश कुमार साहू	फार्मा अन्वेषण 2025, अगरतला	6 मार्च, 2025	भारत फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी, अगरतला	राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस
डॉ. रजत घोष	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा	15-17 नवंबर 2024	फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के 35वें वार्षिक सम्मेलन, फिजिकॉन 2024 के अंतर्गत "उभरते स्वास्थ्य मुद्दे और चुनौतियाँ: पूर्वोत्तर भारत के परिप्रेक्ष्य से" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।.	दवाओं का पुनः उपयोग: चिकित्सीय बदलाव के लिए उभरता हुआ दृष्टिकोण
डॉ. रजत घोष	भारत फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी, अगरतला, त्रिपुरा	21-25 अक्टूबर, 2024	औषध विज्ञान शिक्षा और शोध में तकनीकी प्रगति की खोज पर संकाय विकास कार्यक्रम	औषधीय शिक्षा और शोध में तकनीकी प्रगति का अन्वेषण

3. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/ शोधप्रबंध/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त
सुश्री इचुडौले	पूर्णकालिक	फाइटोकेमिकल एंड फार्मकोलॉजिकल एवैल्युएसन ऑफ *पिक्रिया फेल टेरेस लौर एंड कैम्फेरिया पार्विफ्लोरा*वॉल. एक्स बेकर- एनथनो मेडिसनल प्लांट्स ऑफ नॉर्थईस्ट इंडिया	प्रो. कुन्तल मन्ना	पंजीकृत
सुश्री कुलुंगती जमातिया	पूर्णकालिक	त्रिपुरा से चयनित औषधीय पौधों का पादप रासायनिक और औषधीय मूल्यांकन, खुराक के स्वरूप के डिजाइन और अनुकूलन के लिए।	प्रो. कुन्तल मन्ना	पंजीकृत
श्री ऋषभ मजूमदार	पूर्णकालिक	नेप्टुनिया प्रोस्ट्रेट (लैम.) बाएल का फाइटोकेमिकल और फार्माकोलॉजिकल मूल्यांकन।	डॉ. रजत घोष	पंजीकृत
श्री सुब्रता दास	अंशकालिक	त्रिपुरा में साक्ष्य आधारित मादक द्रव्यों के दुरुपयोग की रोकथाम को अपनाने के मूल्यांकन के लिए कार्यप्रणाली	प्रो. कुन्तल मन्ना	पंजीकृत

4. विभाग के बढ़ते कदम :

4.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण कोर्स/सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/ संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	24/06/2025	01 दिन	कुपोषण से लड़ने के लिए एक पोषण उत्पाद का विकास: अकादमिक जगत से एक उद्यमशीलता यात्रा।	प्राध्यापक संजय के. बनर्जी, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एनआईपीईआर, गुवाहाटी द्वारा विशेष व्याख्यान।	राष्ट्रीय	-

4.2 व्यवसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
प्राध्यापक कुंतल मन्ना (संकाय)	इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन, मुंबई, भारत	आजीवन सदस्य
प्राध्यापक कुंतल मन्ना (संकाय)	पश्चिम बंगाल फार्मेसी परिषद, लायंस रेंज, कोलकाता।	पंजीकृत फार्मासिस्ट
डॉ. प्रताप चंद्र आचार्य (संकाय)	ओडिशा राज्य फार्मेसी परिषद	पंजीकृत फार्मासिस्ट
डॉ. प्रताप चंद्र आचार्य (संकाय)	इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन, मुंबई, भारत	आजीवन सदस्य
डॉ. रजत घोष (संकाय)	एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई)	त्रिपुरा राज्य शाखा के अध्यक्ष
डॉ. रजत घोष (संकाय)	एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई)	आजीवन सदस्य
डॉ. रजत घोष (संकाय)	त्रिपुरा राज्य फार्मेसी परिषद	पंजीकृत फार्मासिस्ट
डॉ. रजत घोष (संकाय)	इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन (आईपीए), मुंबई	आजीवन सदस्य
डॉ. जगदीश कुमार साहू	मध्य प्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद	पंजीकृत फार्मासिस्ट
डॉ. जगदीश कुमार साहू	एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई)	आजीवन सदस्य
डॉ. जगदीश कुमार साहू	भारतीय फार्मास्युटिकल एसोसिएशन (आईपीए)	आजीवन सदस्य
डॉ. जगदीश कुमार साहू	फार्मास्युटिकल शिक्षा और शोध सोसायटी (एसपीईआर)	आजीवन सदस्य

4.3 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
डॉ. जगदीश कुमार साहू	एनईपी 2020: उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा वित्तीय निहितार्थ और संसाधन जुटाना	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	दो दिन	20-21 दिसंबर 2024

5. शोध का प्रमुख क्षेत्र:
   - प्राकृतिक उत्पादों पर आधारित औषधि खोज
   - कैंसर रोधी और मधुमेह रोधी दवाओं की खोज।
   - विश्लेषणात्मक विधि विकास
   - हेटेरोस्टेरॉइड संश्लेषण और स्टेरॉइड संशोधन
   - कैंसर और तंत्रिका अपक्षयी रोगों को लक्षित करने के लिए लिपिड-ड्रग बायोकॉन्जुगेट्स और हेटरोसाइक्लिक छोटे अणुओं का संश्लेषण
   - कैंसर रोधी दवाओं की नैनो डिलीवरी के लिए ग्लाइकोलिपिड का संश्लेषण

6. नई पहल/नवाचार:
   - **ड्रग मेटाबोलॉमिक्स प्रयोगशाला** उन्नत औषधि चयापचय शोध के लिए डीबीटी-आरआरएसएफ पी-एसएएचएजे के अंतर्गत।
   - **दवा डिजाइन, नैनोडिलिवरी सिस्टम और फाइटोफार्मास्यूटिकल्स में शोध** अत्याधुनिक उपकरणों के साथ।
   - **वित्त पोषित परियोजनाएं** नवीन कैंसररोधी एजेंटों, औषधीय पौधों के बायोएक्टिव्स और अगरवुड के मूल्यवर्धन पर।
   - **शोध-उन्मुख एम.फार्म पाठ्यक्रम** आधुनिक विश्लेषणात्मक और औषधि खोज प्रशिक्षण के साथ।

7. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
11 प्रयोगशालाएँ	02 एम.फार्मा और प्रोजेक्ट लैब के लिए प्रयोगशाला। 01. पीएच.डी. शोध प्रयोगशाला। 06 व्यक्तिगत संकाय शोध के लिए प्रयोगशाला	02 एलसीएमएस/एमएस और अन्य के लिए प्रयोगशाला (डीबीटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना)

8. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:
   - एटीआर-एफ टीआईआर अल्फा, ब्रुकर, जर्मनी।
   - हॉट प्लेट सहित डिजिटल मैग्नेटिक स्टिरर, टार्सन, भारत।
   - डिजिटल गलनांक यंत्र।
   - डिजिटल पीएच एमटीएस, मेटलर, यूएसए।
   - धुएं का हुड
   - हॉट एयर ओवन, लैबमैन, भारत।
   - बर्फ़ के टुकड़े करने वाली मशीन सिमाग, इटली।
   - मैकेनिकल ओवरहेड स्टिरर, आईकेए, जर्मनी।
   - गलनांक यंत्र, सनसिम एंड स्टुअर्ट, भारत।
   - मेटलर टोलेडो बैलेंस, मेटलर, संयुक्त राज्य अमेरिका।
   - तेल सह जल स्नान एसएनएस, भारत।
   - पोलारिमीटर
   - चिलर सहित रोटरी इवेपोरेटर, आईकेए, जर्मनी।
   - रोटरी वेन वैक्यूम पंप, टार्सन, भारत।
   - अल्ट्रासोनिक घोल
   - टीएलसी के लिए यूवी चैंबर।
   - यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, शिमाद्ज़ू-1800, जापान।
   - यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, शिमाद्ज़ू-1900i, जापान।
   - पानी का स्नान।
   - जल आसवन इकाई, रिवेरा, भारत।
   - आरटी-पीसीआर

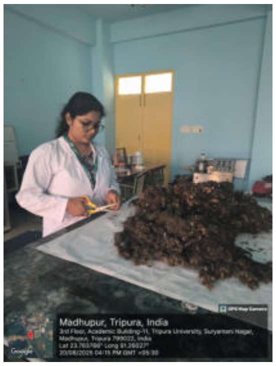

9. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां/नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पद का नाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
अंकिता भौमिक	म	सामान्य	नहीं	बीर बिक्रम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, खयेरपुर, अगरतला	सहायक प्राध्यापक	स्वयं की परीक्षा संस्था	-
भारत यादव	पु	सामान्य	नहीं	श्री राम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बरेली, यूपी	सहायक प्राध्यापक	स्वयं की परीक्षा संस्था	-
चिन्मय सेनापति	पु	सामान्य	नहीं	भारत फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी, अमताली, अगरतला	सहायक प्राध्यापक	स्वयं की परीक्षा संस्था	-
एन. टैगियांग्लिउ	म	अनुसूचित जनजाति	नहीं	एशियन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, घरी, इम्फाल, मणिपुर।	सहायक प्राध्यापक	स्वयं की परीक्षा संस्था	-
राहुल कुमार	पु	सामान्य	नहीं	इनविट्रॉन एड स्ड एनालिटिक्स, हैदराबाद	स्नातकोत्तर प्रशिक्षु (शोध एवं विकास)	स्वयं की परीक्षा संस्था	-
साबिर हुसैन	पु	ईडब्ल्यूएस	नहीं	हिमालयन विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	सहायक प्राध्यापक	स्वयं की परीक्षा संस्था	-
समीमा नसरीन रहमान	म	सामान्य	नहीं	अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज, नामसाई, अरुणाचल प्रदेश	सहायक प्राध्यापक	स्वयं की परीक्षा संस्था	-
सुभाश्री भोई	म	अनुसूचित जाति	नहीं	डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, रासामान्यकेला, ओडिशा।	सहायक प्राध्यापक	स्वयं की परीक्षा संस्था	-
तुषारिका पाल	म	सामान्य	नहीं	बीर बिक्रम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, खयेरपुर, अगरतला	सहायक प्राध्यापक	स्वयं की परीक्षा संस्था	

भौतिक विज्ञान विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. अनिर्बान गुहा
स्थापना वर्ष : 1990
प्रस्तावित कार्यक्रम : भौतिक विज्ञान में एम.एससी., भौतिक विज्ञान में पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : भौतिक विज्ञान में एम.एससी.: प्रत्येक सेमेस्टर में 33 सीटें (दो सेमेस्टर में कुल 33 + 33 = 66)

विभाग का ध्येय:

- भौतिक विज्ञान के विभिन्न प्रासंगिक क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र विकसित करना।
- कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाना

प्रमुख उपलब्धियां:

नेट/स्लेट उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	21
पीएचडी धारकों की संख्या	29
सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	221
प्रकाशित पुस्तकों की संख्या	04
विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन/पुनश्चर्या कोर्स की संख्या	17
विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यानों की संख्या	09
कुल शोध अनुदान	512.22 लाख रुपये
संकाय सदस्यों और विद्वानों द्वारा की गई विदेशी यात्राओं की संख्या	10
5 लाख रुपये से अधिक लागत वाले उपकरणों की संख्या	25
संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त पुरस्कारों/सम्मानों की संख्या	07
विभागीय मान्यता	एफ आईएसटी-डीएसटी का समर्थन (दो बार: 2002-06 और 2014-19) यूजीसी-एसएपी का समर्थन (2018-23)
संकाय सदस्यों और शोधार्थियों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला	209
भारत के भीतर शोध सहयोगों की संख्या	10
भारत के बाहर शोध सहयोगों की संख्या	07
हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों की संख्या	04
पेटेंट प्रदान किया गया	04

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
देबज्योति भट्टाचार्जी	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	थिन फिल्म और नैनोमैटेरियल्स का प्रकाशीय और विद्युतीय अध्ययन	स्नातकोत्तर शिक्षण - 26 वर्ष शोध- 33 वर्ष	9	4	45	-	2096	24

प्रो. सूर्य चट्टोपाध्याय	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान और पदार्थ विज्ञान	23 साल	8	2	0	0	410	12
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	थिन फिल्म और नैनो विज्ञान	21 साल	12	7	43	0	2404	26
प्रो. अनिर्बान गुहा	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	वायुमंडलीय और ग्रहीय भौतिक विज्ञान	19 वर्ष	8	4	43	0	1497	20
डॉ. रतन दास	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक (तीसरा चरण)	पूर्ण-कालिक	नैनोविज्ञान और नैनोप्रौद्योगिकी	13 साल	6	2	0	0	3179	25
डॉ. मनसा कल्ला	पीएचडी	अतिथि संकाय	पूर्ण-कालिक	सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान	1 वर्ष	0	0	3	0	31	3

**उल्लेख अनिवार्य*

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन विद्यालय जिनमें विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों ने भाग लिया हो, लेकिन जिनके पूर्ण शोधपत्र प्रकाशित न हुए हों:

नाम	शिक्षक विद्यार्थी/ शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
श्याम कुमार भट्टाचार्जी	शोधार्थी	2	-	-
कोशिक नाहा	शोधार्थी	1	-	-
नीलिमा बिस्वास	शोधार्थी	1	-	-
संगीता मजूमदार	शोधार्थी	1	-	-
स्वागता गौतम	शोधार्थी	-	1	-
शाज़िदुल हुसैन	शोधार्थी	2	-	-
हृतिनवा बनिक	शोधार्थी	2	-	-
फरहाना यास्मीन रहमान	शोधार्थी	1	-	-

3. त्रिपुरा विश्वविद्यालय से अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों में अतिथि संकाय:

नाम	से (दिन/माह/वर्ष)	को (दिन/माह/वर्ष)	संस्थान/ विश्वविद्यालय	विभाग/विद्यालय का नाम (जहां अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया हो)
प्रो. अनिर्बान गुहा	07/10/24	21/11/24	मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी)	सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग

4. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	शोधार्थियों/संकाय सदस्यों के लिए छह दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम, जिसका विषय है कार्बनिक अर्धचालक नवाचार: एक संकाय विकास पहल तमिलनाडु	9वें से 14वें दिसंबर, 2024 तक	तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय	अगली पीढ़ी के मेमोरी उपकरणों के रूप में मेमरिस्टर
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	उत्तर-पूर्वी भौतिक विज्ञान अकादमी का चौदहवाँ द्विवार्षिक सम्मेलन (वहाँ हैंतेजपुर विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाला कार्यक्रम	12-14 नवंबर 2024	तेजपुर विश्वविद्यालय	बहुक्रियाशील ऑर्गेनो-क्ले हाइब्रिड: ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोगों के लिए एक प्रॉमिसिंग कैंडिडेट
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	असम के डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन “कंडेंस्ड मैटर डेज़ (सीएमडेयस-2024)” का 32 संस्करण।	4-6 नवंबर, 2024	डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय	बायोमेमरिस्टर अगली पीढ़ी के मेमोरी उपकरणों के रूप में

प्रो. सैयद अरशद हुसैन	एशियाई विज्ञान परिषद का 23 सम्मेलन (23 एससीएसी)बांग्लादेश विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित	26-28 अक्टूबर, 2024	बांग्लादेश विज्ञान अकादमी	जैवसामग्रियों द्वारा प्रेरित मेमरिस्टर: अगली पीढ़ी के जैवइलेक्ट्रॉनिक्स के लिए पोटेंशियल कैंडेट
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन- सामग्री से चिप्स तक", यह आयोजन भारत के नोएडा स्थित उत्तर प्रदेश के एमिटी विश्वविद्यालय में एमिटी इंस्टीट्यूट फॉर एड स्ड रिसर्च एंड स्टडीज (मटेरियल्स एंड डिवाइसेस) और एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी द्वारा सोसाइटी ऑफ सेमीकंडक्टर डिवाइसेस (एसएसडी) और सेमीकंडक्टर सोसाइटी (इंडिया) के संयुक्त रुप से किया जा रहा है।	18-20 सितंबर 2024	अमिटी विश्वविद्यालय में नैनोटेक्नोलॉजी संस्थान	Si आधारित मेमोरी की दिशा में प्रतिरोधक स्विचिंग एक प्रॉमिसिंग अल्टरनेटिव है।
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर आईआईटी इंदौर के धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं सामग्री विज्ञान विभाग द्वारा आईआईटी कानपुर और गौहाटी विश्वविद्यालय के संयुक्तता से आयोजित "ऊर्जा एवं पर्यावरण सामग्री (ई2M-2024)" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।	11-13 जुलाई, 2024	आईआईटी कानपुर और गौहाटी विश्वविद्यालय	क्षणिक इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग के लिए प्रोटीन का उपयोग करते हुए आरआरएएम
प्रो. अनिर्बान गुहा	ओडिशा के फकीर मोहन विश्वविद्यालय में "बिजली गिरने के खतरों को कम करना: निगरानी, पूर्वानुमान, सुरक्षा और सामुदायिक लचीलेपन को बढ़ावा देना" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।	13-15 फरवरी, 2025	फकीर मोहन विश्वविद्यालय	आंधी-तूफान चेतावनी प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षा को बढ़ावा देना: मानक, कार्यप्रणाली और अनुप्रयोग

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/ शोधप्रबंध/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
नीलिमा बिस्वास	अंशकालिक	आयनिक रंगों की जटिल और संकर अतिपतली फिल्मों का प्रकाशीय और विद्युतीय लक्षण वर्णन और प्रतिदीप्ति जांच और प्रतिरोधक स्विचिंग उपकरणों में उनके संभावित अनुप्रयोग	प्रो. देबज्योति भट्टाचार्य	पंजीकृत
श्याम कुमार भट्टाचार्जी	पूर्णकालिक	यंत्र अनुप्रयोगों के लिए आणविक पतली फिल्मों का निर्माण और उनके प्रकाशीय और विद्युत लक्षण वर्णन	प्रो. देबज्योति भट्टाचार्य	पंजीकृत
कोशिक नाहा	पूर्णकालिक	प्रतिरोधक मेमोरी उपकरणों और न्यूरोमॉर्फिक गणना के लिए कार्बनिक सामग्री का उपयोग करके थिन फिल्म का विद्युत लक्षण वर्णन	प्रो. देबज्योति भट्टाचार्य	कोर्सवर्क चल रहा है
सैकत दास	पूर्णकालिक	पतली फिल्मों का विद्युतीय लक्षण वर्णन और कार्बनिक रंगों के साथ सिनैप्टिक व्यवहार में उनका संभावित अनुप्रयोग	प्रो. देबज्योति भट्टाचार्य	कोर्सवर्क चल रहा है
डॉ. बिमल देबनाथ	पूर्णकालिक	कुछ द्विआधारी क्षारीय-पृथ्वी चालकोजेनाइड यौगिकों और उनके विभिन्न प्रकार के त्रिआधारी मिश्रधातुओं के भौतिक गुणों पर घनत्व कार्यात्मक जांच।	प्रो. सूर्य चट्टोपाध्याय	प्रदत्त
श्री सुभेंदु दास	अंशकालिक	विभिन्न प्रकार के पेरोवस्काइट यौगिकों और उनके मिश्र धातुओं के भौतिक गुणों की घनत्व कार्यात्मक गणनाएँ	प्रो. सूर्य चट्टोपाध्याय	पंजीकृत
श्री करण देबनाथ	पूर्णकालिक	हाइड्रोजन भंडारण और अन्य अनुप्रयोगों के लिए डबल पेरोवस्काइट हाइड्राइड का सैद्धांतिक अध्ययन	प्रो. सूर्य चट्टोपाध्याय	कोर्सवर्क चल रहा है
हृतिनवा बनिक	पूर्णकालिक	जैवअपघटनीय और क्षणिक मेमोरी अनुप्रयोगों के लिए प्रतिरोधक स्विचिंग घटना का अध्ययन	प्रो. सैयद अरशद हुसैन	थीसिस प्रस्तुत
फरहाना यास्मीन रहमान	पूर्णकालिक	थिन फिल्मों पर एकत्रित प्राकृतिक पादप अर्क में प्रतिरोधक स्विचिंग घटना का अध्ययन	प्रो. सैयद अरशद हुसैन	थीसिस लेखन
राहुल देब	पूर्णकालिक	यंत्र अनुप्रयोगों के लिए पाई-इलेक्ट्रॉन समृद्ध इंडोल और कौमारिन व्युत्पन्नों का विद्युत और प्रकाशीय लक्षण वर्णन	प्रो. सैयद अरशद हुसैन	पंजीकृत
शाज़िदुल हुसैन	पूर्णकालिक	संवेदन अनुप्रयोगों के लिए पॉलीडायसेटलीन के चरण व्यवहार और रंग प्रतिक्रिया को समायोजित करना	प्रो. सैयद अरशद हुसैन	पंजीकृत

संगीता मजूमदार	पूर्णकालिक	पॉलीडायसेटिलीन (पीडीए) और एफ आरईटी का उपयोग करके सेंसर विकसित करना	प्रो. सैयद अरशद हुसैन	पाठ्यक्रम जारी है
देबजानी चक्रवर्ती	पूर्णकालिक	प्राकृतिक जैवसामग्री आधारित ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक यंत्र	प्रो. सैयद अरशद हुसैन	कोर्सवर्क चल रहा है
स्वागता गौतम	पूर्णकालिक	कार्बनिक अणुओं का विद्युत एवं विद्युतरासायनिक लक्षण वर्णन और थिन फिल्म का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का निर्माण	प्रो. सैयद अरशद हुसैन	कोर्सवर्क चल रहा है
डॉ. जॉयदेब साहा	पूर्णकालिक	गहरी संवहन गतिविधि और ऊपरी क्षोभमंडलीय जल वाष्प के साथ इसका स्थानिक-सामयिक संबंध	प्रो. अनिर्बान गुहा	प्रदत्त
डॉ. परमिंदर कौर	पूर्णकालिक	उत्तर-पूर्वी भारत में वायुमंडलीय एरोसोल की विशेषताओं और उनके विकिरण बल का विश्लेषण	प्रो. अनिर्बान गुहा	प्रदत्त
डॉ. अरूप पटारी	अंशकालिक	भूमध्यरेखीय आयनीकरण विसंगति (ईआईए) शिखर क्षेत्र पर जीपीएस से प्राप्त आयनमंडल की कुल इलेक्ट्रॉन सामग्री (टीईसी) और सौर-स्थलीय और भूभौतिक विज्ञान य घटनाओं के प्रति इसकी प्रतिक्रिया	प्रो. अनिर्बान गुहा	प्रदत्त
दीपांजना दे	पूर्णकालिक	बिजली गिरने की गतिविधि और विभिन्न भूभौतिक विज्ञान य घटनाओं के बीच अंतर्संबंध का अध्ययन	प्रो. अनिर्बान गुहा	पंजीकृत
मैरीलिना दास	पूर्णकालिक	चंद्रमा पर पाए जाने वाले जल और हाइड्रॉक्सिल अणुओं पर शोध: प्रचुरता और उत्पत्ति	प्रो. अनिर्बान गुहा	पंजीकृत
सुप्रतिम चटर्जी	पूर्णकालिक	मंगल ग्रह के वायुमंडल से गैस का रिसाव	प्रो. अनिर्बान गुहा	कोर्सवर्क चल रहा है
सुकन्या भट्टाचार्य	पूर्णकालिक	भारत में एरोसोल विकिरण प्रदूषण	प्रो. अनिर्बान गुहा	कोर्सवर्क चल रहा है
डॉ. संहिता बसाक	पूर्णकालिक	कुछ समूह II-VI अर्धचालक नैनोक्रिस्टलों के संरचनात्मक, विद्युत और प्रकाशीय गुणों पर अध्ययन के साथ-साथ तीव्र भारी आयन विकिरण के प्रभाव का विश्लेषण।	डॉ. रतन दास	प्रदत्त
सुश्री सुआरी देबनाथ	पूर्णकालिक	जल से विषैले तत्वों का पता लगाने और उन्हें हटाने के लिए चांदी के नैनोकणों का हरित संश्लेषण, साथ ही महत्वपूर्ण जैव चिकित्सा अनुप्रयोग।	डॉ. रतन दास	पंजीकृत
श्री चिंगस्कंग देबबर्मा	पूर्णकालिक	एसएचआई विकिरणित अर्धचालक नमूना	डॉ. रतन दास	कोर्सवर्क चल रहा है

6. विभाग के बढ़ते कदम :

6.1 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	वहाँ हैं	उपाध्यक्ष, आजीवन सदस्य
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	लेकिन	आजीवन सदस्य
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	एमआरएसआई	आजीवन सदस्य
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	एजीयू	आजीवन सदस्य
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एड स्ड मैटेरियल्स (आईएएएम) की भारतीय परिषद	बोर्ड सदस्य
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	एसीएस	वार्षिक सदस्य
प्रो. अनिर्बान गुहा	वहाँ हैं	आजीवन सदस्य
प्रो. अनिर्बान गुहा	एजीयू	सदस्य
प्रो. अनिर्बान गुहा	सैलनेट	सदस्य
डॉ. रतन दास	उत्तर पूर्व भौतिक विज्ञान अकादमी (पी.ए.एन.ई)	पी.ए.एन.ई की कार्यकारी समिति के सदस्य

7. शोध का प्रमुख क्षेत्र:

(i) **पतली फिल्मों और नैनो विज्ञान शोध समूह:**

लैंगमुइर-ब्लोडगेट (एलबी) फिल्में, स्व-संयोजित (एलबीएल) फिल्में, ऑर्गेनो-क्ले हाइब्रिड, एफ आरईटी, प्रतिरोधक स्विचिंग यंत्र, कार्बनिक मेमोरी, ऑप्टिकल सेंसर, बायो सेंसर, बायोमिमेटिक सतह, लैंगमुइर फिल्में आदि।

(ii) **नैनोभौतिक विज्ञान और नैनोप्रौद्योगिकी शोध**:

विभिन्न प्रकार के नैनोकणों का संश्लेषण, जिनमें उत्कृष्ट धातु नैनोकण, अर्धचालक नैनोकण और चुंबकीय नैनोकण शामिल हैं। सूक्ष्मसंरचनात्मक अध्ययन के लिए एक्स-रे विवर्तन विश्लेषण और रमन स्पेक्ट्रल विश्लेषण में विशेष रुचि। बैंड गैप इंजीनियरिंग, चरण संक्रमण और एसएचआई विकिरण द्वारा दोष निर्माण। कीटनाशकों, रंगों, फ्लोराइड जैसे विषैले रसायनों के सेंसर और निष्कासन एजेंट के रूप में नैनोमैटेरियल्स के अनुप्रयोगों में सक्रिय रूप से कार्यरत। नैनोएलईडी, सौर सेल, सॉफ्ट मैग्नेटिक मैटेरियल्स में अनुप्रयोग। जीवाणुरोधी एजेंट, नैनो बायोफर्टिलाइजर, कैंसर कोशिकाओं पर साइटोटॉक्सिक अध्ययन, एंटीफंगल गतिविधि जैसे नैनोमैटेरियल्स के जैवचिकित्सा अनुप्रयोग।

(iii) **वायुमंडलीय विद्युत, बिजली का भौतिक विज्ञान , एरोसोल विकिरण बल, मंगल और चंद्रमा का वायुमंडल**.

(iv) **सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान और सामग्री विज्ञान**विभिन्न यौगिकों, मिश्र धातुओं, मिश्रित संरचनाओं, फिल्मों और परतों का अनुकरण करना और घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत (डीएफ टी) का उपयोग करके उनके विभिन्न भौतिक गुणों का अध्ययन करना तथा उनके अनुप्रयोगों का अध्ययन करना।

8. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
08	04	04

9. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:

(a) थिन फिल्म और नैनोसाइंस प्रयोगशाला:

लैंगमुइर-ब्लोडगेट (एलबी) फिल्म डिपोजिशन यंत्र से जुड़ा फ्लोरेसेंस इमेजिंग माइक्रोस्कोप (एपेक्स इंस्ट्रूमेंट्स, भारत)

ब्रूस्टर एंगल माइक्रोस्कोप (BAM) को LB ट्रफ (ep3BAM, Accurion Scientific) के साथ संलग्न किया गया है।

लैंगमुइर-ब्लोडगेट (एलबी) फिल्म डिपोजिशन यंत्र (एपेक्स इंस्ट्रूमेंट्स, भारत) (दो इकाइयाँ)

स्वचालित कंप्यूटर नियंत्रित डिप कोटर (एपेक्स इंस्ट्रूमेंट्स, भारत)

प्रोग्रामेबल स्पिन कोटर (एपेक्स इंस्ट्रूमेंट्स, भारत)

वैक्यूम डिपोजिशन यूनिट (HindHiVac)

फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस (पर्किन एल्मर)

यूवी-विज़ अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस (पर्किन एल्मर)

यूवी-विज़ अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस (शिमाज़ू)

एफ टीआईआर स्पेक्ट्रोफोटोएमटीएस (पर्किन एल्मर)

विद्युत रासायनिक कार्य स्टेशन

मिलिपोर जल शोधन प्रणाली (मिलिपोर)

कीथली स्रोत एमटीएस (स्थिर धारा स्रोत, नैनो-वोल्टएमटीएस, आई-वी स्रोत एमटीएस)

नियंत्रित विद्युत आपूर्ति (0 - 30 वोल्ट)

नैनो एएमटीएस और पिको एएमटीएस

(b) सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिक विज्ञान और सामग्री विज्ञान

डेल टी-440 वर्कस्टेशन

(c) नैनोफिजिक्स और नैनोटेक्नोलॉजी शोध प्रयोगशाला।

टीजीए-डीटी विश्लेषक (मॉडल-टीजीए 1000)
ड्यूएटा-फ्लोरेसेंस और एब्जॉर्बेंस स्पेक्ट्रोएमटीएस - होरिबा
स्रोत एमटीएस (मॉडल-2400, कीथली)
प्रेसिजन इंपीडेंस एनालाइजर (मॉडल- 6500बी)

(d) वायुमंडलीय शोध प्रयोगशाला

जीएनएसएस रिसीवर
अरामिस जी.एन.एन.एस रिसीवर फ्रंट एंड मॉड्यूल
बर्नीज़ सॉफ्टवेयर जीपीएस एमईटी 4ए सेंसर
भारतीय क्षेत्रीय नौवहन प्रणाली (आईआरएनएसएस)/जीपीएस/एसबीएएस रिसीवर
वीएलएफ /एलएफ रिसीवर
वायुमंडलीय विद्युत क्षेत्र मॉनिटर (बोल्टेक ईएफ एम - 100)
तीन घटक चुंबकमापी (LEMI 30)
विश्वव्यापी बिजली स्थान नेटवर्क डेटा (WWLLN)
जीपीएस-कुल इलेक्ट्रॉन सामग्री (जीपीएस टीईसी)
माइक्रोटॉप्स II सूर्य फोटोएमटीएस
एथलोएमटीएस (मॉडल AE31)
नेट रेडिओएमटीएस (मॉडल नं. CNR4 V1007)
हाई वॉल्यूम एयर सैम्पलर (HVS) मॉडल TFIA-2
बहुतरंगदैर्घ्य सौर रेडियोएमटीएस (एमडब्ल्यूआर)
स्वचालित मौसम स्टेशन डब्ल्यूएस, मॉडल संख्या: DCPAWSO2
सॉफ्टपाल वीएलएफ रिसीवर

10. प्रदत्त /पदक/सम्मान#शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर) उपलब्धियाँ:

छात्रों के नाम	पुरस्कारों/पदकों/ सम्मानों के नाम	पुरस्कारों/पदकों/ सम्मानों की तिथि	पुरस्कार प्रदान करने वाली एजेंसी/ संस्था	टिप्पणी
संगीता मजूमदार	सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति	03/12/2024	आईआईएसएफ	-
शाज़िदुल हुसैन	सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति	14/02/2025	विले	-
कोशिक नाहा	सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति	14/02/2025	विले	-
श्याम कुमार भट्टाचार्जी	सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति	14/02/2025	विले	-

#खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, ज़ोनल पर भी विचार किया जाए।

सांख्यिकी विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : एमएससी, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.एससी: 16+2 (ईडब्ल्यूएस)

विभाग का ध्येय: विभाग ने वर्ष 2011 में एमएससी और पीएचडी की शुरुआत की और शैक्षणिक सत्र 2012-13 से पाठ्यक्रम शुरू किए। अब विभाग द्वारा एकीकृत मास्टर डिग्री (आईएमडी) भी प्रदान की जाती है। इन वर्षों के दौरान, हमने क्षेत्रीय कार्यशालाओं और दो उत्तर-पूर्वी कार्यक्रमों (भारतीय सांख्यिकी संस्थान द्वारा प्रायोजित) का आयोजन किया है। विभाग के छात्रों और शोधार्थियों ने अन्य राज्यों में आयोजित कई उत्तर-पूर्वी कार्यक्रमों (भारतीय सांख्यिकी संस्थान द्वारा प्रायोजित) में भी भाग लिया है। दो छात्रों ने नेट/सेट परीक्षा उत्तीर्ण की है।

प्रमुख उपलब्धियां:

1. पूर्व स्नातकोत्तर छात्र गौरव देब को चेन्नई स्थित यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी में डेटा एनालिटिक्स प्रशासनिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।
2. शोधार्थी प्रतिभा कार्की ने पीएचडी के लिए डीएसटी-वाइज फेलोशिप प्राप्त की।
3. शोधार्थी तन्समैहा रियांग ने त्रिपुरा सरकार के कृषि विभाग (पंचायत) में पंचायत कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/अतिथि/ अनुबंध*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	बीमांकिक विज्ञान, बायेसियन	14	02	03	05	01	87	4
डॉ. सम्राट होरे	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	प्रयोगों का इष्टतम डिज़ाइन	13	01	03	04	02	298	9
डॉ. बिमल शील	पीएचडी	अतिथि संकाय	अतिथि	संभाव्यता सिद्धांत	03	-	-	-	-	177	6

**उल्लेख अनिवार्य*

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूलों मे शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
डॉ. सम्राट होरे	शिक्षक	02	-	-

3. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थानों/विश्वविद्यालयों	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. सम्राट होर	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	22 दिसंबर, 2024	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	एक एफिसियेन्ट नेबरहुड सर्च एल्गोरिदम का परिचय और इसका वास्तविक जीवन में अनुप्रयोग।
डॉ. सम्राट होर	त्रिपुरा कॉलेज ऑफ नर्सिंग	28 जनवरी, 2025	त्रिपुरा कॉलेज ऑफ नर्सिंग	ऑप्टीमाइजिंग सैम्पलिंग साइज और तकनीक का अनुकूलन: सटीक डेटा संग्रह के लिए रणनीतियाँ

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/ शोधप्रबंध/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
बिमल शील	अंशकालिक	लगभग निश्चित अभिसरण और संभाव्यता सिद्धांत पर अध्ययन	डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा	दिनांक 24 जुलाई, 2024 को प्रदान किया गया
जयंता दत्ता	अंशकालिक	जनगणना आंकड़ों में आयु संबंधी रिपोर्टिंग में त्रुटियां: माप और निवारण	डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा	दिनांक 23 अप्रैल, 2025 को सम्मानित किया गया
परंतप नाग	अंशकालिक	इष्टतमता को ध्यान में रखते हुए ज्ञात सहचरों वाली प्रायोगिक इकाइयों का आवंटन	डॉ. सम्राट होरे	09 अप्रैल, 2025 को प्रदान किया गया
आकाश सिन्हा	पूर्णकालिक	कोर्स वर्क शुरू किया	डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा	पंजीकृत
हितब्रत चक्रबर्ती	पूर्णकालिक	कोर्स वर्क शुरू किया	डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा	पंजीकृत

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
डॉ. सम्राट होरे	भारतीय संभाव्यता एवं सांख्यिकी सोसायटी	आजीवन सदस्य

5.2 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा	02 (एफ डीपी)	मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर (ऑनलाइन)	प्रत्येक 1 सप्ताह	27-31/8/2024 23-27/6/2025
डॉ. सम्राट होरे	01 (एफ डीपी)	मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर (ऑनलाइन)	1 सप्ताह	27-31/8/2024

6. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए +बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
01	01	00

प्राणी शास्त्र विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. शिव शंकर सिंह
स्थापना वर्ष : 2007
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.एससी., पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : रिक्ति के अनुसार 29 (एम.एससी.), पीएच.डी.

विभाग का ध्येय: प्राणी विज्ञान में अधिगम, शोध और नवाचार के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभरना।

प्रमुख उपलब्धियां: त्रिपुरा से कीटों की कुल 41 नई प्रजातियों की रिपोर्ट की गई है। इनके लिए प्रेरित प्रजनन और संरक्षण रणनीति अपनाई जा रही है। ओम्पोक पाबो और चिताला चिताला प्रजातियों को विकसित किया गया है। स्पेराटा एओर के लिए कैप्टिव प्रजनन तकनीक विकसित की गई है।
केंचुओं की कुल 3 नई प्रजातियों की सूचना मिली है। इनमें से दो प्रजातियों में वर्मीकम्पोस्टिंग की क्षमता पाई गई है। त्रिपुरा में पाई जाने वाली केंचुओं की एक प्रजाति में नगरपालिका अपशिष्ट प्रबंधन की क्षमता है।
मधुमेह से प्रेरित ऑक्सीडेटिव क्षति के खिलाफ मेलाटोनिन और इंसुलिन की सुरक्षात्मक प्रभावकारिता स्थापित हो चुकी है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/अतिथि/ अनुबंध	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
डॉ. एस. बनिक	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक (30.06.2025 को सेवानिवृत्त)	मत्स्यपालन और कैप्टिव प्रजनन	36	13	02	5	0	528	9
डॉ. एस. एस. सिंह	पीएच.डी.	सह - प्राध्यापक	पूर्णकालिक	अंतःस्रावी विज्ञान-प्रतिरक्षा विज्ञान	21	05	04	7	10	438	14
डॉ. एस. के. श्रीवास्तव	पीएच.डी.	सह - प्राध्यापक	पूर्णकालिक	पशुजन्य रोग, जन स्वास्थ्य, कैंसर जीवविज्ञान	16	00	02	04	05	07	01
डॉ. ब्रॉनसन के खंगेंबम	पीएच.डी.	सह - प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मत्स्य जीवविज्ञान	10	02	01	5	03	220	07
डॉ. अनिमेष डे	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	पारिस्थितिकी और जैव विविधता	1.5	00	01	08	09	277	09

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूलों मे शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लेने वालों की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थानिक स्तर
डॉ. एस. एस. सिंह	शिक्षक	01	0	0
डॉ. एस. के. श्रीवास्तव	शिक्षक	01	03	0
डॉ. बी. के. खंगेंबम	शिक्षक	0	02	0
डॉ. अनिमेष डे	शिक्षक	02	0	0
सुभ्रता शर्मा	शोधार्थी	01	01	0
अर्जिता चक्रबर्ती	शोधार्थी	01	01	0
अनुभूति कश्यप	शोधार्थी	02	01	0
दीपशिखा मोहन	शोधार्थी	01	01	0
दिपांजना रे	शोधार्थी	0	01	0

प्रज्ञा यादव	शोधार्थी	0	01	0
सोफिया एल. इनबुओन	शोधार्थी	0	01	0
दिप्तानु दास	विद्यार्थी	1	0	0
निबेदिता देबबर्मा	विद्यार्थी	1	0	0
श्रीयांका दास	विद्यार्थी	1	0	0
सैकत मजूमदार	विद्यार्थी	1	0	0
मयूख चक्रवर्ती	विद्यार्थी	1	0	0
अंबिका देबनाथ	विद्यार्थी	1	0	0
अशातोरा सरमा	विद्यार्थी	0	1	0
कुणाल भौमिक	विद्यार्थी	0	1	0
लीना डोले	विद्यार्थी	0	1	0
पुबाली सैकिया	विद्यार्थी	0	1	0
सैमुअल देबबर्मा	विद्यार्थी	0	1	0
निवेदिता भवाल	विद्यार्थी	0	1	0
देबबर्मा अलक	विद्यार्थी	0	1	0
बरेन्द्र त्रिपुरा	विद्यार्थी	0	1	0
नाओरेम सोनाली देवी	विद्यार्थी	0	1	0
सचिन दहल	विद्यार्थी	0	1	0
मृण्मयी गर्ग	विद्यार्थी	0	1	0
बसुमिता भट्टाचारी	विद्यार्थी	0	1	0
दीक्षिता नाथ	विद्यार्थी	0	1	0
तनुप्रिया डेका	विद्यार्थी	0	1	0
प्रिज्म पराश बयान	विद्यार्थी	0	1	0
सुमित दास	विद्यार्थी	0	1	0

3. किसी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालय आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. शिव शंकर सिंह	प्राणीशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय	24 अक्टूबर, 2024	जम्मू विश्वविद्यालय	उच्च रक्त शर्करा वाले प्रयोगशाला चूहों में एलपीएस-प्रेरित विषाक्तता के विरुद्ध मेलाटोनिन की सुरक्षात्मक प्रभावकारिता
डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव	लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, लखनऊ	21-24 अक्टूबर, 2024	एलपीसीपीएस, लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय	शोध में उन्नत समस्या-समाधान दृष्टिकोण
डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव	लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, लखनऊ	5-7 दिसंबर, 2024	एलपीसीपीएस, लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय	स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग
डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव	गुयाना विश्वविद्यालय, दक्षिण अमेरिका	23-26 जून, 2025	गुयाना विश्वविद्यालय, बर्बिस परिसर, दक्षिण अमेरिका	भारत के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में स्थित असम के जोरहाट की प्रजनन आयु की महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) का अनुप्रस्थ अध्ययन
डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव	श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (एसएसआईपीएस), लखनऊ	27 जून, 2025	श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (एसएसआईपीएस), लखनऊ	मानसिक स्वास्थ्य और खुशी के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण
डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव	श्री गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज, लखनऊ	20 जून, 2025	श्री गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज, लखनऊ	जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ और भविष्य में इसके परिणाम
डॉ. खांगेम्बम ब्रॉनसन कुमार	बोकाखाट, असम 785612/ऑनलाइन (हाइब्रिड मोड)	6 जनवरी, 2025	चंद्र नाथ बेजबरुआ (सीएनबी) कॉलेज, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, असम के संयुक्तता से	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "सतत विश्व के लिए अंतःविषयक दृष्टिकोण" (आईआईएस 25) में "सतत मत्स्यपालन के लिए मछली के चारे में वैकल्पिक प्रोटीन स्रोत के रूप में पौधे" विषय पर प्रस्तुति।

डॉ. खांगेम्बम ब्रॉनसन कुमार	महाराजा श्रीराम चंद्र भांजा देव विश्वविद्यालय, ताकतपुर, बारीपदा-757003, मयूरभंज, ओडिशा	2-3 मई, 2025	पी.जी. प्राणीशास्त्र विभाग, महाराजा श्रीराम चंद्र भांजा देव विश्वविद्यालय, ताकतपुर, बारीपदा-757003, मयूरभंज, ओडिशा	सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में प्राणीशाएफय शोध की भूमिका पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सतत मत्स्य पालन के लिए एक्वाफीड में वैकल्पिक प्रोटीन स्रोत के रूप में पौधों की खोज' विषय पर प्रस्तुति दी गई।
डॉ. अनिमेष डे	प्रज्ञा भवन	22 मई, 2025	त्रिपुरा जैव विविधता बोर्ड (टीबीबी)	प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीएचडी के लिए पंजीकृत (कोर्स वर्क शुरू करने वाले)/ शोधप्रबंध/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
सुश्री पापरी दास	अंशकालिक	भारत के त्रिपुरा में पाए जाने वाले ओम्पोक पब्दा (हैमिल्टन, 1822) का प्रजनन, शरीरक्रिया विज्ञान और पारिस्थितिकी	प्रो. एस. बनिक	प्रदत्त
सुश्री पार्वती दासगुप्ता	अंशकालिक	भारत के त्रिपुरा की फेनी नदी के वालगो अट्टू (ब्लोच और स्नाइडर, 1801) की जैविकी और पारिस्थितिकी	प्रो. एस. बनिक	थीसिस प्रस्तुत

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/ सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता:

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम/सेमिनार/सम्मेलन/ कार्यशाला/संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	12.08.2024 - 17.08.2024	6 दिन	प्रयोगशाला तकनीकों पर कार्यशाला	कार्यशाला	राष्ट्रीय	10
2	27.03.2025 - 28.03.2025	2 दिन	उत्तर-पूर्वी भारत में जैविक विज्ञान में नवीनतम रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन-2025	सम्मेलन	राष्ट्रीय	206

5.2 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अभिविन्यास/पुनश्चर्या /संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	कोर्स में भाग लिया	जगह	अवधि	दिनांक
डॉ. अनिमेष डे	एफ आईपी - गुरु दक्षता	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	चार सप्ताह	26/11/2024 से 23/12/2024 तक

6. शोध का प्रमुख क्षेत्र:

- उत्तर-पूर्वी भारत की लुप्तप्राय और संकटग्रस्त मछली प्रजातियों का संरक्षण, मानकीकरण*पूर्व सीट्ट*उत्तर-पूर्वी भारत की लुप्तप्राय मछली प्रजातियों की बंदी प्रजनन तकनीक
- अंतःस्रावी विज्ञान और स्तनधारी प्रजनन
- परजीवी विज्ञान और मानव रोग
- मत्स्यु जैविकी
- पारिस्थितिकी और जैव विविधता

7. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (A+B)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
07	02	05

8. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:

- फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप
- स्टीरियो ज़ूम माइक्रोस्कोप
- माइक्रोटोम
- प्रशीतित सेंट्रीफ्यूज
- जेल प्रलेखन प्रणाली
- एलिसा रीडर
- उलटा माइक्रोस्कोप
- थर्मल साइक्लर
- जल शोधन प्रणाली
- CO_2 इनक्यूबेटर
- यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोएमटीएस
- अति निम्न तापमान फ्रीजर

9. शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभाग से विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले छात्र:

नाम	सेक्स (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां नहीं)	संगठन का नाम/ संस्था	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
लीना डोले	म	अनुसूचित जनजाति	नहीं	प्राणी विज्ञान विभाग, टीयू	सीएसआईआर-नेट
नाओरेम सोनाली देवी	म	अनुसूचित जाति	नहीं	प्राणी विज्ञान विभाग, टीयू	यूजीसी नेट
अनिला देवी	म	ईडब्ल्यूएस	नहीं	प्राणी विज्ञान विभाग, टीयू	स्लेट
अजय कुमार दास	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	प्राणी विज्ञान विभाग, टीयू	स्लेट
नयन सरकार	पु	सामान्य	नहीं	प्राणी विज्ञान विभाग, टीयू	गेट
नाओरेम सोनाली देवी	म	अनुसूचित जाति	नहीं	प्राणी विज्ञान विभाग, टीयू	गेट
दिप्तानु दास	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	प्राणी विज्ञान विभाग, टीयू	गेट
अनिला देवी	म	ईडब्ल्यूएस	नहीं	प्राणी विज्ञान विभाग, टीयू	गेट

परीक्षा सहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र; *परीक्षा रहित उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले छात्र।

10. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पुरुष/ महिला)	श्रेणी (सामान्य/ अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ अल्पसंख्यक)	शारीरिक रूप से विकलांग (हां/ नहीं)	संगठन का नाम/ संस्था	पद का नाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
अंकुर भट्टाचार्जी	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड	सहायक प्रबंधक	आईबीपीएस	आईबीपीएस भर्तियां
रेहाना बेगम	म	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड	एमटीएस	आईबीपीएस	आईबीपीएस भर्तियां

11. प्रदत्त /पदक/सम्मान#शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर) उपलब्धियाँ:

छात्रों के नाम	पुरस्कारों/पदकों/ सम्मानों के नाम	तिथि प्रदत्त/पदक/ सम्मान	पुरस्कार प्रदान करने वाली एजेंसी/ संस्था	टिप्पणी
अनुभूति कश्यप	डॉ. ए.जी. दत्ता मेमोरियल बेस्ट मौखिक प्रस्तुति पदक-2024	17.11.2024	फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, कोलकाता	XXXIV फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन और उभरते स्वास्थ्य मुद्दों और चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: उत्तर-पूर्वी भारत के परिप्रेक्ष्य से, 15 - 17 नवंबर, 2024
अरिजिता चक्रवर्ती	सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति	17.11.2024	फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, कोलकाता	XXXIV फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन और उभरते स्वास्थ्य मुद्दों और चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: उत्तर-पूर्वी भारत के परिप्रेक्ष्य से, 15 - 17 नवंबर, 2024
दिप्तानु दास	सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति	1 अक्टूबर, 2024	आईसीएसएसआर, असम विश्वविद्यालय	सीसीईएसएमएचएल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - 2024; 30 सितंबर - 1 अक्टूबर (पारिस्थितिकी और जैव विविधता खंड)
श्रीयांका दास	सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति	28 मार्च, 2025	एनसीआरटीबीएसएन ईआई, टीयू	आरटीबीएसएनईआई पर राष्ट्रीय सम्मेलन - 2025; 27 और 28 मार्च (पारिस्थितिकी और जैव विविधता खंड)
कुणाल भौमिक	सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति	28 मार्च, 2025	एनसीआरटीबीएसएन ईआई, टीयू	आरटीबीएसएनईआई पर राष्ट्रीय सम्मेलन - 2025; 27 और 28 मार्च (पारिस्थितिकी और जैव विविधता खंड)

#खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, ज़ोनल पर भी विचार किया जाए।

रबर प्रौद्योगिकी में बी.वोक

विभाग प्रमुख : प्रो. यू. सी. डे
स्थापना वर्ष : 2015
प्रस्तावित कार्यक्रम : व्यावसायिक रबर प्रौद्योगिकी में स्नातक
प्रवेश क्षमता : 50

विभाग का ध्येय: भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में रबर विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभरना।

प्रमुख उपलब्धियां: त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2015 में बी. वोक. रबर टेक्नोलॉजी कार्यक्रम शुरू किया गया था। यह यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त है और किसी भी तीन वर्षीय स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम के समकक्ष है। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (एनएसडीसी) और रबर कौशल विकास परिषद (आरएसडीसी) के संयुक्त रूप से शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को लेटेक्स संग्रहण, संरक्षण, रबर शीट निर्माण से लेकर लेटेक्स, रबर और रबर उद्योग से संबंधित रसायनों के परीक्षण तक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। यह पाठ्यक्रम रबर प्रौद्योगिकी के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं पर जोर देता है। पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य कुशल कर्मियों को रबर और संबंधित उद्योगों में प्रवेश पाने के लिए आवश्यक दक्षता प्रदान करके तैयार करना और उन्हें उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह पाठ्यक्रम बहुत लचीला है, जहां छात्र एक वर्ष पूरा करने के बाद "रबर प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा" प्रमाण पत्र प्राप्त करके पाठ्यक्रम छोड़ सकते हैं। जो छात्र दो वर्ष पूरे करने के बाद पाठ्यक्रम छोड़ते हैं, उन्हें "रबर प्रौद्योगिकी में उन्नत डिप्लोमा" से सम्मानित किया जाएगा और तीन वर्ष पूरे करने के बाद छात्रों को "रबर प्रौद्योगिकी में बी. वोक." की उपाधि प्रदान की जाएगी। यह पाठ्यक्रम विज्ञान पृष्ठभूमि वाले 10+2 छात्रों के लिए है। बी. वोक. रबर टेक्नोलॉजी का पूरा पाठ्यक्रम छह सेमेस्टर का है। पहले बैच के छात्रों का 100% प्लेसमेंट हो चुका है और तीसरे बैच के छात्रों को सेमेस्टर के अंत में औद्योगिक परियोजना के लिए अगरतला स्थित अरिस्टो-टेक्सकॉन भेजा गया है। त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने छात्रों के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के लिए विभिन्न उद्योगों और संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एनएसडीसी, आरएसडीसी, रबर बोर्ड और एआईआरआईए के साथ भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अलावा, बी. वोक. रबर टेक्नोलॉजी में स्नातक की डिग्री पूरी करने के बाद छात्र रबर और पॉलिमर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा संबंधित शाखाओं जैसे सामग्री विज्ञान, पेंट, एडहेसिव टेक्नोलॉजी और नैनो टेक्नोलॉजी में उच्च शिक्षा (एम.एससी) का विकल्प चुन सकते हैं। जेआईएस विश्वविद्यालय, कोलकाता ने एम.एससी पॉलिमर विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्रता मानदंडों में से एक के रूप में बी. वोक. रबर टेक्नोलॉजी डिग्री को शामिल किया है। हमारे तीन उत्तीर्ण छात्र एम.जी. विश्वविद्यालय, केरल, केंद्रीय विद्युत शोध संस्थान (सीपीआरआई), कोलकाता और जेआईएस विश्वविद्यालय, कोलकाता जैसे संस्थानों में पॉलिमर विज्ञान में पीएचडी कर रहे हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पद का नाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	शोध क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	पर्यवेक्षण	जारी		
डॉ. बिष्णु प्रसाद कोइरी	एम.टेक, पीएच.डी (रबर प्रौद्योगिकी)	सहायक प्राध्यापक	अनुबंध	पॉलिमर संश्लेषण, स्व-सफाई और दूषण-रोधी कोटिंग्स, पॉलिमर कंपोजिट	11	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	359	09
श्री मोनिंद्र कोलोई	बी.टेक, एम.टेक (पॉलिमर और केमिकल इंजीनियरिंग)	अतिथि संकाय	अतिथि संकाय	पॉलिमर विज्ञान	05	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

2. अभ्यागत शिक्षक/अभ्यागत अध्येता:

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/व्याख्यानों के विषय	संबद्ध संस्था
श्री जयंता आचार्य	आरटी-503: बिक्री एवं खरीद	वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
श्री जयंता आचार्य	आरटी-504: उद्यमिता कौशल	त्रिपुरा विश्वविद्यालय का वाणिज्य विभाग
डॉ. स्वरूप नंदी	बीवीआरटी- 102: कंप्यूटर अनुप्रयोग के मूल सिद्धांत	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. तुषार कांति आचार्य	बीवीआरटी-101: संचार कौशल	बी. वोकेशनल प्रोग्राम विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
सुश्री अंकिता दास	बीवीआरटी-301: सांख्यिकीय विधियाँ	सांख्यिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

3. संकाय सदस्यों/ संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन विद्यालयों आदि में संकाय सदस्यों/ अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए आमंत्रित व्याख्यान:

नाम	जगह	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. बिष्णु प्रसाद कोइरी	प्रज्ञा भवन, अगरतला	18/03/2025	सीआईपीईटी: सीएसटीएस-अगरतला	सिंथेटिक रबर: एक अवलोकन

4. पेटेंट/ कॉपीराइट आवेदित/ प्राप्त :

नाम	पेटेंट का शीर्षक	आवेदित/ स्वीकृत	पेटेंट संख्या	आवेदन की तिथि/ स्वीकृति तिथि (दिन/माह/वर्ष)	लाइसेंस अथवा नहीं
डॉ. बिष्णु प्रसाद कोइरी	थिन फिल्म निक्षेपण के लिए सीवीडी प्रणाली	स्वीकृत	432653-001	03/10/2024	नहीं

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 उद्योग जगत/ गैर सरकारी संगठन/ सरकारी संगठन के साथ संपर्क : (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	दौरा किए गए उद्योगों/गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	दौरा किए गए उद्योग/गैर-सरकारी संगठन का नाम	आने का उद्देश्य
बी. वोक रबर टेक्नोलॉजी	07	एनआईआरटी, रबर बोर्ड, अगरतला	छात्रों का कौशल आधारित प्रशिक्षण
		सीआईपीईटी, अगरतला	छात्रों का कौशल आधारित प्रशिक्षण
		पलप्पिलिल टेक्नो रबर्स, रबर पार्क, त्रिपुरा	छात्रों का कौशल आधारित प्रशिक्षण
		अरिस्टो टेक्सकॉन प्राइवेट लिमिटेड, रबर पार्क, त्रिपुरा	छात्रों का कौशल आधारित प्रशिक्षण
		डीएस ग्रुप, रबर पार्क, त्रिपुरा	छात्रों का कौशल आधारित प्रशिक्षण
		टीएफ डीपीसी, तकमाछेरा	उद्योग दौरा
		मास लेटेक्स, रबर पार्क, त्रिपुरा	-

5.2 व्यवसायिक/विद्वत समितियों की सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	संस्था का नाम	सदस्यता का स्तर
डॉ. बिष्णु प्रसाद कोइरी	सोसाइटी फॉर पॉलीमर साइंस, इंडिया (एसपीएसआई)	आजीवन सदस्य
डॉ. बिष्णु प्रसाद कोइरी	ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (AIRIA), (पूर्वी क्षेत्र)	सदस्य

6. शोध के प्रमुख क्षेत्र: पॉलिमर संश्लेषण, पॉलिमर कंपोजिट

7. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी) (परियोजना निधि के साथ निर्माण करें)
03	03	शून्य

8. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र: मूनी विस्कोमीटर; ऑसिलेटिंग डिस्क रियोमीटर; टू-रोल मिल; यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन (यूटीएम); डीआईएन एब्रेडर; ब्रुकफील्ड विस्कोमीटर; उब्बेल्होडे विस्कोमीटर; सैंपल डाई कटिंग प्रेस।

बांस संवर्धन और संसाधन अनुप्रयोग केंद्र (बीसीआरयू)

विभाग प्रमुख : प्रो. बी. के. दत्ता
स्थापना वर्ष : 2006
प्रस्तावित कार्यक्रम : बांस संवर्धन और संसाधन अनुप्रयोग (बीसीआरयू) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडी)
प्रवेश क्षमता : 20 सीटें

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/दृष्टि:
बांस संवर्धन एवं संसाधन अनुप्रयोग केंद्र की स्थापना वर्ष 2006 में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय), भारत सरकार और त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संयुक्त वित्तीय सहयोग से की गई थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में बांस संवर्धन पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करना, छात्रों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना और बांस संवर्धन एवं विकास तथा जर्मप्लाज्म संरक्षण के लिए आवश्यक अवसंरचना विकसित करना है। तब से वनस्पति विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय और संस्थान के बाहर के अन्य संकाय सदस्यों के संयुक्तता से दो सेमेस्टर का एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है।

1. अभ्यागत शिक्षक/अभ्यागत अध्येता:

नाम	पाठ्यक्रम/व्याख्यानों के विषय त्रिपुरा विश्वविद्यालय में	वर्तमान/पूर्व में संबद्ध संस्था (यदि सेवानिवृत्त हो चुके हों)
प्रो. बी. के. दत्ता	पादप वर्गीकरण एवं पारिस्थितिकी	वनस्पति विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
प्रो. आर. के. सिन्हा	कोशिकाजननाकी और पादप ऊतक संवर्धन	वनस्पति विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
प्रो. ए. के. साहा	कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	वनस्पति विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. एस. बसु	कोशिका विज्ञान	वनस्पति विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. पी. दास	कीटाणु-विज्ञान	वनस्पति विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. एन. बालासुब्रमणियन	पादप रसायन विज्ञान और सूक्ष्मजीव विज्ञान	वनस्पति विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. कृपामॉय चक्रवर्ती	पादप शरीर क्रिया विज्ञान एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान	वनस्पति विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. कौशिक मजूमदार	परिस्थितिकी	वनस्पति विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

2. शोध के प्रमुख क्षेत्र: बांस की विविधता, वृहद और सूक्ष्म स्तर पर प्रवर्धन, वन पारिस्थितिकी।

3. नई पहल/नवाचार:
राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन (एनएसडीएम) के तहत बांस आधारित कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए पहल की गई है ताकि प्रशिक्षण प्रदाता (टीपी) के रूप में पंजीकरण कराया जा सके।

4. ए. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला:

प्रयोगशालाओं की कुल संख्या (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशालाओं की संख्या (ए)	शोध प्रयोगशालाओं की संख्या (बी)
03	02	01

4. बी. विभाग में उपलब्ध प्रमुख यंत्र:
लैमिनर एयर फ्लो, जीपीएस, उच्च परिशुद्धता तराजू, यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, बांस की छड़ियों को पॉलिश करने की मशीन, बांस की गांठें हटाने और चांदी बनाने की मशीन, बांस काटने की मशीन, बांस को चीरने की मशीन, जीआईएस प्रयोगशाला और प्रोजेक्टर सुविधाएं, बांस से संबंधित अन्य छोटे शिल्प और नर्सरी यंत्र आदि।

साहित्य संकाय

बंगाली विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. परमाश्री दासगुप्ता
स्थापना वर्ष : 1977
प्रस्तावित कार्यक्रम : पीएचडी, एमए, आईएमडी
प्रवेश क्षमता : पीजी- 90 + ईडब्ल्यूएस 9 = 99, आईएमडी- 15, पीएच.डी.-रिक्ति के अनुसार

विभाग का विजन :

- विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान जैसे बंगाली कथा, नाटक, कविता, भाषा विज्ञान, पांडुलिपि अध्ययन, साहित्यिक सिद्धांत, लोककथा, महिला अध्ययन, आदिवासी अध्ययन, तुलनात्मक भारतीय साहित्य, उत्तर-पूर्वी बंगाली साहित्य का विशेष महत्व। उत्तीर्ण छात्रों का विभिन्न क्षेत्रों में नियोजन। लोकगीत अध्ययन केंद्र
- टैगोर अनुसंधान केंद्र
- विभिन्न विश्वविद्यालयों, उद्योगों और संगठनों के साथ सहयोग
- विभागीय अनुसंधान पत्रिका
- साहित्य, भाषा और संस्कृति के अनछुए क्षेत्रों में अनुसंधान
- ई-लर्निंग पद्धति विकसित करना

प्रमुख उपलब्धियां:

1. बंगाली विभाग ने सितंबर, 2024 में प्रो. सिराजुद्दीन अहमद स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया है। जिसमें व्याख्यान त्रिपुरा के प्रख्यात लेखक और आलोचक श्री धबलकृष्ण देबबर्मा ने दिया।
2. बंगाली विभाग ने 24 सितंबर से 25 सितंबर, 2024 तक 'उन्नीसवीं शताब्दी: निर्माण और विनिर्माण' पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया है। असम विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रियकांत नाथ ने मुख्य भाषण दिया।
3. बांग्ला विभाग ने महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से 25 नवंबर, 2024 को 'महिला के खिलाफ हिंसा का उन्मूलन' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया है। ओडिशा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (आरटीईडी) श्री सुभाशीष तलपात्रा ने यह विशेष व्याख्यान दिया।
4. बांग्ला विभाग ने 29 नवंबर से 30 नवंबर, 2024 तक 'भारत की नाटकीय परंपराओं' पर 'त्रिपुरा थिएटर' पत्रिका के सहयोग से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया है। मुख्य व्याख्यान प्रसिद्ध नाटककार प्रो. सौमित्र बसु ने दिया।
5. बंगाली विभाग ने नवंबर, 2024 में डॉ. ब्रजगोपाल रॉय स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया है। यह व्याख्यान ओडिशा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री सुभाशीष तलपात्रा ने दिया।
6. बांग्ला विभाग ने 17 फरवरी 2025 से 21 फरवरी 2025 तक 'भाषा शिक्षण की चुनौतियां और संभावनाएं' पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया है।
7. बांग्ला विभाग ने 27 फरवरी 2025 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया है। इसमें व्याख्यान पद्मश्री सम्मानित, प्रसिद्ध लेखक और शिक्षाविद्, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अरुणोदय साहा द्वारा दिया गया था।
8. बांग्ला विभाग ने "समकालीन बंगाली उपन्यास और लघु कथाएँ" पर एक विशेष वार्ता का आयोजन किया है। यह व्याख्यान 22 नवंबर 2024 को प्रख्यात लेखक किन्नर रॉय द्वारा दिया गया था।
9. बांग्ला विभाग ने 3 अप्रैल, 2025 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया है। व्याख्यान लेखक सुनंदा भट्टाचार्जी, प्रख्यात लेखक ने दिया था।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि / अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	गाइड-निर्देशित	जारी		
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	एमए, पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	पूर्व आधुनिक बंगाली साहित्य, महिला अध्ययन	पीजी -14 वर्ष	05	04	-	-	-	-
डॉ. सायक मुखर्जी	एमए, पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	आधुनिक बंगाली साहित्य	पीजी -13 वर्ष	01	03	-	-	-	-
डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	एमए, पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	उपन्यास, जनजातीय अध्ययन	पीजी -12 वर्ष	03	04	-	-	-	-
डॉ. मलय देब	एमए, पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	मध्यकालीन बंगाली साहित्य, तुलनात्मक भारतीय साहित्य	यूजी -3 वर्ष पीजी-5 वर्ष	03	04	-	-	-	-
डॉ. देवजानी घोष	एमए, पीएच.डी.	अतिथि व्याख्याता	अतिथि	आधुनिक बंगाली उपन्यास	1 साल	-	-	-	-	-	-
डॉ. देबरती डे	एमए, पीएच.डी.	अतिथि व्याख्याता	अतिथि	आधुनिक बंगाली कविता	1 साल	-	-	-	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	तिथि	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	अगरतला प्रेस क्लब	20 अप्रैल 2025	सोब्दो कोलकाता पब्लिशिंग हाउस	'ग्रंथ कीरत कन्या: एकता पोर्जालोचोना' पर आमंत्रित वार्ता
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	लोकपारा महाविद्यालय, बर्दवान	23 मार्च 2025	लोकपारा महाविद्यालय	'उनिश बिश सोतोके बंगाली नारी : सोमाजे ओ साहित्ये' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	आईसीवी कॉलेज, बेलोनिया	18 जनवरी 2025	आईसीवी कॉलेज, बेलोनिया	'साओली मित्रेर नाथवती अनाथवत' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	एमबीबी विश्वविद्यालय, अगरतला	14-15 नवंबर 2024	एमबीबी विश्वविद्यालय, अगरतला	'रॉयल त्रिपुरा में भक्ति आंदोलन और महिला साहित्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	अभिजन पब्लिशर्स, कोलकाता	22 नवंबर से 14 दिसंबर 2024	अभिजन पबिशर्स, कोलकाता	महिलाओं के अध्ययन पर रचनात्मक लेखन कार्यशाला
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	29 नवंबर-30 नवंबर 2024	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से त्रिपुरा थिएटर जर्नल	"भारत की नाटकीय विरासत" पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	24 सितंबर-25 सितंबर 2024	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	'19वीं सदी: निर्माण और विखंडन' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
डॉ. सायक मुखर्जी	एमबीबी विश्वविद्यालय, अगरतला	14-15 नवंबर 2024	एमबीबी विश्वविद्यालय, अगरतला	राष्ट्रीय संगोष्ठी रवींद्रनाथ और विवेकानंद के दार्शनिक विचारों के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत में राष्ट्रीय एकता

डॉ. सायक मुखर्जी	एस.आर. फतेपुरिया कॉलेज	6 मार्च 2025	एस.आर. फतेपुरिया कॉलेज	प्रायोगिक खेत्रे बांग्ला थियेटर-एर सिमाबद्धता ओ उत्तरानेर उपे पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
डॉ. सायक मुखर्जी	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	29 नवंबर-30 नवंबर 2024	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से त्रिपुरा थिएटर जर्नल	"भारत की नाटकीय विरासत" पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
डॉ. सायक मुखर्जी	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	24 सितंबर-25 सितंबर 2024	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	'19वीं सदी: निर्माण और विखंडन" पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
डॉ. मलय देब	डीपीकेए, प्रसार भारती	22nd मई 2025	डीपीकेए, प्रसार भारती	राजा राममोहन राय
डॉ. मलय देब	अंग्रेजी विभाग, एमबीबी विश्वविद्यालय	14-15 नवंबर 2024	अंग्रेजी विभाग, एमबीबी विश्वविद्यालय (स्पॉन। आईसीपीआर द्वारा)	राष्ट्रीय संगोष्ठी 'पूर्वोत्तर भारत का साहित्य और संस्कृति: एक दार्शनिक परिप्रेक्ष्य'
डॉ. मलय देब	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	20-21 मार्च 2025	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से हेरिटेज फाउंडेशन, गुवाहाटी	राष्ट्रीय संगोष्ठी 'होजागिरी: पूर्वोत्तर भारत का एक पारंपरिक नृत्य रूप'
डॉ. मलय देब	बंगाली, अंग्रेजी और शिक्षा विभाग, एएमबीएस महाविद्यालय, अमरपुर	19 -20 दिसंबर 2024	बंगाली, अंग्रेजी और शिक्षा विभाग, एएमबीएस महाविद्यालय, अमरपुर के सहयोग से बांग्ला अकादमी, अगरतला	'लोकसंस्कृति बिश्लेशोने भारतीय ओतिहायर अनुसरन: प्रसंग अमलेंदु भट्टाचार्य गोबेसन' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
डॉ. मलय देब	राममोहन कॉलेज, कोलकाता	18-19 फरवरी 2025	राममोहन कॉलेज, कोलकाता	'उत्तर-पूर्व भारते बंगाली जतिस्ता एबंग समकालिक बांग्ला साहित्य' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
डॉ. मलय देब	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	23-25 अप्रैल 2025	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय टीआरसीआई, त्रिपुरा सरकार के सहयोग से	तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया 'पूर्वोत्तर भारत के जनजातीय व्यंजन: विरासत पोषण और सांस्कृतिक महत्व' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया 'त्रिपुरा में चयनित जनजातीय भोजन का पोषण और सांस्कृतिक महत्व'
डॉ. मलय देब	गुरुचरण कॉलेज	25-29 जून 2025	गुरुचरण कॉलेज	'पांडुलिपि और पुरालेखविज्ञान' पर एक सप्ताह की बुनियादी स्तर की कार्यशाला
डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	24-25 सितंबर 2024	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सभापति दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'उन्नीसवीं शताब्दी: निर्माण और विखंडन'
डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	18-19 दिसंबर, 2024	बंगाली विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सभापति दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'लोक साहित्य, संस्कृति और शिक्षा: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य'
डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	20-21 मार्च 2025	हिंदी, बंगाली, कोकबरॉक और अंग्रेजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से हेरिटेज फाउंडेशन, गुवाहाटी	'चकमा जनजाती ज्ञान पोरोमपोराई बुनन शिल्प: अतित ओ बर्तमान' दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पूर्वोत्तर भारत की पारंपरिक प्रणाली' पर एक पेपर प्रस्तुत किया
डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	23-25 अप्रैल 2025	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से जनजातीय अनुसंधान और सांस्कृतिक संस्थान, त्रिपुरा सरकार	'पूर्वोत्तर भारत के जनजातीय व्यंजन: विरासत, पोषण और सांस्कृतिक महत्व' पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 'चकमा जनजाती दैनंदिन खद्या तालिकाई सब्जी ओ तार रांधन प्रानाली' पर एक पेपर प्रस्तुत किया

डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	नजरुल कालाक्षेत्र, अगरतला	24 मई 2025	साहित्य अकादमी, नजरुल कालाक्षेत्र, अगरतला	'चकमजनजाती समसामयिक मौखिक साहित्य' एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चकमा, हलम, कोकबरॉक, लुसाइबोंग मोग वाशर सोमोसामयक मौखिक साहित्य' पर एक पेपर प्रस्तुत किया
डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	6 फरवरी 2025	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से विदवत परिषद विद्या भारती, पूर्वोत्तर क्षेत्र, गुवाहाटी	एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विशिष्ट भारत: 2047 और सामाजिक परिवर्तन मानदंड' में 'शिक्षा ब्याबोस्थाई सामाजिक मूल्यबोधेर अंतरवुक्ति' पर एक पेपर प्रस्तुत किया

3. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ थीसिस प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित
स्वरूपानंद स्वर्णाकर	पूर्णकालिक	लिंग अध्ययन	डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	कोर्सवर्क आरंभ
रबी रॉय	पूर्णकालिक	आधुनिक बंगाली उपन्यास	डॉ. सायक मुखर्जी	कोर्सवर्क आरंभ
सुस्मिता दास	पूर्णकालिक	आधुनिक बंगाली उपन्यास	डॉ. मलय देब	कोर्सवर्क आरंभ
सुप्रिया मोग	अंशकालिक	आधुनिक बंगाली उपन्यास	डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	कोर्सवर्क आरंभ
प्रगोटिचेटोना बख्शी	पूर्णकालिक	मध्यकालीन साहित्य	डॉ, मलय देब	प्रदत्त
अंकुर देबबर्मा	अंशकालिक	त्रिपुरा का इतिहास और साहित्य	डॉ. पद्माकुमारी चकमा	प्रदत्त

4. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

4.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता :

क्रम संख्या	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/अभिविन्यास पाठ्यक्रम/संगोष्ठी/सम्मेलन/ वर्कशॉप/संगोष्ठी व्याख्यान/बात	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	24 सितंबर से 25 सितंबर 2024	दो दिन	'उन्नीसवीं शताब्दी: निर्माण और विखंडन'	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	अंतरराष्ट्रीय	200
2	29 नवंबर से 30 नवंबर 2024	दो दिन	'भारत की नाटकीय परंपराएं'	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	अंतरराष्ट्रीय	200
3	17 फरवरी से 21 फरवरी 2025	पांच दिन	'भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ और संभावनाएँ'	राष्ट्रीय संगोष्ठी	राष्ट्रीय	200
4	23 सितंबर 2025	एक दिन	प्रो. सिराज उद्दीन अहमद स्मृति व्याख्यान	राष्ट्रीय व्याख्यान	राष्ट्रीय	150
5	13 फरवरी 2025	एक दिन	डॉ. ब्रजगोपाल रॉय स्मृति व्याख्यान	राष्ट्रीय व्याख्यान	राष्ट्रीय	150
6	25 नवंबर 2025	एक दिन	'महिला के खिलाफ हिंसा का उन्मूलन'	राष्ट्रीय वार्ता	राष्ट्रीय	150
7	27 फरवरी 2025	एक दिन	त्रिपुरा का साहित्य	राष्ट्रीय वार्ता	राष्ट्रीय	150
8	22 नवंबर 2024	एक दिन	समकालीन बंगाली उपन्यास और लघु कथाएँ	राष्ट्रीय वार्ता	राष्ट्रीय	150
9	3 अप्रैल 2025	एक दिन	समकालीन बंगाली साहित्य	राष्ट्रीय वार्ता	राष्ट्रीय	150

5. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र : बंगाली कथा, नाटक, कविता, पांडुलिपि अध्ययन, साहित्यिक सिद्धांत, लोककथाएं, महिला अध्ययन, जनजातीय अध्ययन, तुलनात्मक भारतीय साहित्य, पूर्वोत्तर भारत का बंगाली साहित्य।

6. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामा/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हां/नहीं)	संगठन /संस्था का नाम	पद का नाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
राकेश दास	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा सरकार	ग्रुप सी	जेआरबीटी	जेआरबीटी
पिपाशा सरकार	म	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा सरकार	स्टाफ़	त्रिपुरा स्टेट राइफल्स	-
रिमी चक्रवर्ती	म	सामान्य	नहीं	एमएमडी कॉलेज, सुब्रम	अतिथि संकाय	-	-
जूली देबबर्मा	म	अजजा	नहीं	एमबीबी कॉलेज, अगरतला	अतिथि संकाय	-	-
केया दास	म	अनुसूचित जाति	नहीं	बीबीएम कॉलेज, अगरतला	अतिथि संकाय	-	-
किशन नमो	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	रामकृष्ण महाविद्यालय, कैलाशर	अतिथि संकाय	-	-
पार्थमॉय देब	पु	सामान्य	नहीं	नेताजी सुभाष महाविद्यालय	अतिथि संकाय	-	-

अंग्रेजी विभाग

विभाग प्रमुख	:	प्रो. श्यामल दास
स्थापना वर्ष	:	1990
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	आईएमडी (इंटीग्रेटेड मास्टर डिग्री), पीजी, पीएचडी
प्रवेश क्षमता	:	99

विभाग का विजन: अंग्रेजी विभाग, अपनी सभी गतिविधियों और उपलब्धियों में, हमेशा अंग्रेजी में साहित्य, भाषा और सांस्कृतिक अध्ययन के अन्वेषण के माध्यम से महत्वपूर्ण विचार को प्रोत्साहित करने में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के बड़े दृष्टिकोण और मिशन पर खरा उतरा है। इसके अलावा, विभाग अपने भाषा-आधारित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों जैसे ईएलटी और आधुनिक व्याकरण, और लिंग, लोकप्रिय संस्कृति और दलित अध्ययन जैसे अंतःविषयक पाठ्यविवरणों के माध्यम से समकालीन भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन में अंतर-अनुशासनात्मक अध्ययन को प्रोत्साहित करता है। अंग्रेजी विभाग ने पिछले शैक्षणिक सत्र के बाद से, एनईपी 2020 के विजन और मिशन के अनुसरण में, स्नातकोत्तर स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक विशेष वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किया है, जिसका शीर्षक "भारतीय अध्ययन" है।

प्रमुख उपलब्धियां: अंग्रेजी विभाग ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के संकाय सदस्यों की सहायता से अपने स्नातक अध्ययन बोर्ड के माध्यम से, एनईपी 2020 के अधिदेश के अनुसार पूर्ण स्नातक 4-वर्षीय यूजी बीए मेजर प्रोग्राम और अनुसंधान के साथ बीए मेजर के साथ आवश्यक संशोधनों के साथ पूर्ण पाठ्यक्रम सामग्री को सफलतापूर्वक अंतिम रूप दिया है। एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें आवश्यक रूप से विभिन्न स्तरों पर विचार-मंथन और कई ड्राफ्ट शामिल हैं। इसके अलावा, विभाग के सदस्यों ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय से संबद्ध त्रिपुरा के स्नातक कॉलेजों में एनईपी 2020 के तहत अंग्रेजी में 4 वर्षीय बीए कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने और लागू करने में त्रिपुरा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की ईमानदारी से सहायता की है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में, 20 छात्रों (1 जेआरएफ के साथ) ने कुशल और योग्य विभागीय संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में नवीनतम एनटीए नेट विनियम 2024 के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में यूजीसी एनटीए नेट परीक्षा उत्तीर्ण की, और उनमें से कुछ त्रिपुरा में निजी विश्वविद्यालयों में संविदा संकाय सदस्यों के रूप में भी सेवा में शामिल हुए। 19 छात्रों ने अपनी शोध पात्रता परीक्षा के आधार पर पीएचडी कार्यक्रम में दाखिला लिया। नेट स्कोर और उसके बाद मौखिक परीक्षा परीक्षाएं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएच.डी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
श्यामल दास	एमए, पीजीडीटीई, एमफिल, पीएचडी	वरिष्ठ प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष	पूर्ण-कालिक	भाषाविज्ञान, साहित्य और ईएलटी	37 वर्ष	2	8	8	2	-	-
अशेष गुप्ता	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अंग्रेजी में भारतीय लेखन, अमेरिकी भाषा लोकप्रिय लिट एंड कल्चर, मॉडर्न पोएट्री, रिसर्च मेथडोलॉजी, नॉर्थ ईस्टर्न लिटरेचर एंड कल्चर, परफॉर्मेंस एंड थिएटर	27 वर्ष	0	08	-	-	5	2

पार्थ सारथी गुप्ता	एमए, एम.फिल., पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	नाटक अध्ययन, भारतीय सौंदर्यशास्त्र और आधुनिक आलोचनात्मक सिद्धांत	23 साल	1	8	19	14	-	-
सोमदेव बनिक	एमए, पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	ब्रिटिश फिक्शन, अंग्रेजी में भारतीय लेखन उत्तर औपनिवेशिक साहित्य भारतीय अध्ययन	21 वर्ष	2	4	11	1	-	-
क्षेत्रीमायुम प्रेमचंद्र सिंह	एमए, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	19 वीं शताब्दी का ब्रिटिश साहित्य, लोककथाओं का अध्ययन, पूर्वोत्तर से लेखन	13 साल 11 महीने	शून्य	4	64	3	1	1
चैताली गोराई	एमए, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अंग्रेजी में नए साहित्यकार, रोमांटिक और विक्टोरियन साहित्य, महत्वपूर्ण सिद्धांत	14 वर्ष, 9 महीने	शून्य	4	35	09	-	-
अपर्णा दास	एमए, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	भारतीय अंग्रेजी साहित्य	11 साल	शून्य	02	16	11	-	-
देबरती दास	एमए, एम.फिल।	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	भारतीय साहित्य, आधुनिकतावादी कविता, विकलांगता अध्ययन	9.5 वर्ष	शून्य	शून्य	15	17	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
अपर्णा दास	शिक्षक	-	06	-

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थानों/ विश्वविद्यालयों	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. अशेष गुप्ता	कोलकाता	28-30 अगस्त 2024	तुलनात्मक भारतीय भाषा और साहित्य विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय और बंगाली विभाग, गुरुदास कॉलेज, कोलकाता	पूर्ण वार्ता: 'पूर्वोत्तर का विचार' 'आइडिया ऑफ इंडिया एंड इंडियन लिटरेचर' में।
प्रो. अशेष गुप्ता	ऑनलाइन (मैसूर)	16-29 अक्टूबर, 2024	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - मालवीय मिशन, शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र- यूजीसी- पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संगठन। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर द्वारा।	सत्र: 'द रेटोरिक ऑफ रिकॉल'; उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने में: अंग्रेजी भाषा और साहित्य में अभिनव शिक्षण अभ्यास और एक प्रवचन रणनीति के रूप में बहुभाषावाद
प्रो. अशेष गुप्ता	असम विश्वविद्यालय, सिलचर	24-25, फरवरी, 2025	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) - एनईआरसी, पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी), शिलांग और मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान (मकायास) द्वारा प्रायोजित उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण कार्यालय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग समिति का कार्यालय, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) - एनईआरसी, पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी), शिलांग और मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान (मकायास) द्वारा प्रायोजित	पूर्ण वार्ता: 'द विवेकानंद विज़ुअल्स: पेंटिंग, फोटोग्राफ और कैलेंडर आर्ट में प्रतिनिधित्व'; 'समकालीन विश्व में स्वामी विवेकानंद की भूमिका की पुनर्कल्पना: संघर्ष समाधान और शांति-निर्माण का मार्ग

प्रो. अशेष गुप्ता	ऑनलाइन	19-20 मार्च, 2025	अंग्रेजी विभाग, जनता कॉलेज, काबूगंज के सहयोग से मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता	पूर्ण वार्ता: 'द बेट्रेयल बिफोर एंड द एगनी आफ्टर: सर्कम्स्क्राइबिंग नेशन इन द **बंगाली** रिफ्यूजी साइके ऐज दीनदयाल'; "पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दृष्टिकोण की खोज: 21वीं सदी में एकात्म मानव विकास की दिशा में एक प्रयास" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में
प्रो. अशेष गुप्ता	डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम	19 - 21 फरवरी 2025	अंग्रेजी और इतिहास विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय	संसाधन व्यक्ति और पैनलिस्ट: ' द साइलेंट विस्पर: रजिस्टरिंग क्लाइमेंट चेन्ज एक्रॉस अ डाक्यूमेंटरी ऑन डाइंग लेक एंड द पोएट्री ऑफ ए टाउन इन ट्रांसफॉर्मेशन' "जलवायु परिवर्तन और वैश्विक पूंजीवाद: नए हस्तक्षेप" विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में
पार्थ सारथी गुप्ता	पश्चिम बंगाल	29-30 मार्च 2025	बंगाली विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय और जन संस्कृति, उत्पीड़ितों के रंगमंच के लिए केंद्र	29 मार्च 2025 को "भारतीय नाटक: समाज-संस्कृति, परंपरा और विरासत" पर 2 दिवसीय **अंतरराष्ट्रीय** संगोष्ठी और कार्यशाला का मुख्य भाषण
पार्थ सारथी गुप्ता	त्रिपुरा	10 दिसंबर 2024	एमएमएमटी केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	संकाय प्रेरण कार्यक्रम में व्याख्यान "गुरु-व्याख्यान का शीर्षक: "अनुसंधान के लिए लेखन के विशेष संदर्भ के साथ अंग्रेजी में प्रभावी अकादमिक संप्रेषण का एक परिचय" सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक
पार्थ सारथी गुप्ता	संबलपुर, ओडिशा	21-22 फरवरी 2025	अंग्रेजी विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय ओडिशा	पूर्ण वार्ता का शीर्षक: 22 फरवरी 2025 को "लिट स्टडीज में अंतःविषयता": "पाठ, पाठ्य और अंतःविषयता: आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद और उससे परे"
श्यामल दास	सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	18 दिसंबर 2024	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय	वैश्वीकरण और इसके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ) / थीसिस प्रस्तुत / प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच. डी शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक / पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित
दलिम दास	अंशकालिक	सेसिटी में प्रतिमान बदलाव की खोज: एक घटनात्मक दृष्टिकोण	प्रो. अशेष गुप्ता	कोर्सवर्क आरंभ
डोली देबबर्मा	पूर्णकालिक	चुनिंदा त्रिपुरी लोककथाओं में एसएफ तत्व	प्रो. अशेष गुप्ता	कोर्सवर्क आरंभ
तीर्थंकर लस्कर	पूर्णकालिक	चुनिंदा त्रिपुरा बांग्ला ग्रंथों में विभाजन और शरणार्थी प्रतिमान	प्रो. अशेष गुप्ता	कोर्सवर्क आरंभ
अभिजीत देबनाथ	पूर्णकालिक	'नोआखली भाषा की ध्वन्यात्मकता बांग्ला की बोली'	प्रो. श्यामल दास	शोधप्रबंध जमा
ओलिविया सरकार	अंशकालिक	अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ के सदस्यों के चुनिंदा लेखों में 'आधुनिकता' का प्रतिनिधित्व	प्रो. पार्थ सारथी गुप्ता	प्रदत्त
शुभ्रज्योति दास	पूर्णकालिक	चार्ल्स बुकोव्स्की की काल्पनिक कृतियाँ	प्रो. पार्थ सारथी गुप्ता	कोर्सवर्क आरंभ
अग्निवेश चक्रवर्ती	अंशकालिक	भारत से विज्ञान कथा	प्रो. पार्थ सारथी गुप्ता	कोर्सवर्क आरंभ
आकाश लोध	अंशकालिक	आर.के. लक्ष्मण की साहित्यिक कृतियाँ	प्रो. पार्थ सारथी गुप्ता	कोर्सवर्क आरंभ

तिमिर मजूमदार	पूर्णकालिक	अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है	डॉ. चैताली गोराई	कोर्सवर्क आरंभ
मधुमिता घोष	अंशकालिक	अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है	डॉ. चैताली गोराई	कोर्सवर्क आरंभ
सौरव मुरासिंग	पूर्णकालिक	टेमसुला एओ की कविता का शैलीगत विश्लेषण	प्रो. श्यामल दास	कोर्सवर्क आरंभ
जूही त्रिपुरा	पूर्णकालिक	नाइटोंग बोली में आकृति विज्ञान	प्रो. श्यामल दास	कोर्सवर्क आरंभ
कृष्ण सिंह	पूर्णकालिक	त्रिपुरा मणिपुरी भाषा की ध्वन्यात्मकता	प्रो. श्यामल दास	कोर्सवर्क आरंभ
रनीला देबबर्मा	पूर्णकालिक	कोकबरॉक अंग्रेजी की बोधगम्यता	प्रो. श्यामल दास	कोर्सवर्क आरंभ
संहिता शर्मा	पूर्णकालिक	सिलेटी बोलने वालों के बीच द्विभाषावाद और पहचान	प्रो. श्यामल दास	कोर्सवर्क आरंभ
परमिता बनिक	पूर्णकालिक	पद्म पुराण में पहचान के लिए सबाल्टर्न संघर्ष	डॉ. अपर्णा दास	कोर्सवर्क आरंभ
देबब्रत देबनाथ	अंशकालिक	डिजिटल युग में बंगाली ग्रामीण लोक गीतों के शहरी रूपांतरण:	डॉ. अपर्णा दास	कोर्सवर्क आरंभ
शताब्दी चकमा	पूर्णकालिक	-	डॉ. प्रेमचंद्र सिंह	कोर्सवर्क आरंभ
मैरी देबबर्मा	पूर्णकालिक	-	डॉ. प्रेमचंद्र सिंह	कोर्सवर्क आरंभ
सुखेंदु मरजीत	जेआरएफ-पूर्णकालिक	अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है	प्रो सोमदेव बनिक	कोर्सवर्क आरंभ
यूरेका डोंडर दखार	अंशकालिक	अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है	प्रो सोमदेव बनिक	कोर्सवर्क आरंभ
पौमिता पॉल	अंशकालिक	अश्विन सांघी के चुनिंदा उपन्यासों में "अतीत" अनिवार्यता	प्रो सोमदेव बनिक	21.2.2025 को प्रदत्त
रति मोहन त्रिपुरा	अंशकालिक	त्रिपुरा में बोरोक लोगों के संस्कार में ओरेचर और संस्कृति	प्रो सोमदेव बनिक	21.2.2025 को प्रदत्त

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता :

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	14 फरवरी 2025	दोपहर 2 बजे से	"एज्रा पाउंड और इमेजिस्ट आंदोलन"	मणिपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक रतन कुमार सिंह का विशेष व्याख्यान	राष्ट्रीय	विभाग के दोनों सेमेस्टर के छात्रों के लगभग 120 श्रोताओं ने भाग लिया
2.	6 फरवरी 2025	दोपहर 1.45 बजे से	"बीसवीं सदी का पश्चिमी नाटक: ग्रंथ और संदर्भ"	असम विश्वविद्यालय, सिलचर के अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक दीपेंदु दास का विशेष व्याख्यान	राष्ट्रीय	अगरतला में अन्य कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों सहित लगभग 150 श्रोताओं ने भाग लिया

5.2 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रों अशेष गुप्ता	रोटरी इंटरनेशनल, रोटरी क्लब ऑफ एस्पायरिंग अगरतला	फरवरी 2025 तक चार्टर सचिव

5.3 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. अपर्णा दास	"21 वीं सदी के लिए बहु-विषयक अध्ययन और शिक्षण पद्धतियों" पर संकाय प्रेरण कार्यक्रम	असम विश्वविद्यालय, सिलचर (ऑनलाइन)	4 सप्ताह	27-08-2024 से 30-09-2024 तक

6. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

विभिन्न श्रेणियों में यूजीसी एनटीए नेट: 2024 जून और दिसंबर में नेट पास करने वाले छात्रों की संख्या 20

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामा/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (जी हां/ नहीं)	संगठन/ संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ एसएलई/ गेट/ सीएटी/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी* / एसडब्ल्यूओ**
बी. लुंगोई डारलोंग	महिला	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 2 आवेदन संख्या: 240510007801
एलेन हरंगखॉल	महिला	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 2; आवेदन संख्या: 240510458174
तिमिर मजूमदार	पुरुष	सामान्य	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 2; आवेदन संख्या: 240510072852
नाइसिंग जमातिया	महिला	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 3; आवेदन संख्या: 240510799550
मैरी देबबर्मा	महिला	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 3; आवेदन संख्या: 240510051117
प्रियंका देबबर्मा	महिला	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 3; आवेदन संख्या: 240510070592
अर्पण देबनाथ	पुरुष	सामान्य	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 3; आवेदन संख्या: 240510140107
सुआरी देबबर्मा	महिला	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 3; आवेदन कोई 240510078595
कौटिल्य सिन्हा	पुरुष	ओबीसी (एनसीएल)	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 3; लागू कोई 240510677246
चंद्रिमा दास	महिला	अनुसूचित जाति	नहीं	-	यूजीसी नेट दिसंबर 2024 श्रेणी 3; आवेदन कोई 240520134790
डोली देबबर्मा	महिला	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 3; आवेदन संख्या: 240510072852
देबांग्शी देब	महिला	सामान्य	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 3; आवेदन संख्या: 240510629479
अबंस रियांग	पुरुष	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 2; आवेदन कोई 240510042494
सौरव मुरासिंह	पुरुष	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट जून 2024 श्रेणी 1 जेआरएफ: नहीं: 240510051117
त्रिशन देब	पुरुष	सामान्य	नहीं	-	यूजीसी नेट दिसंबर 2024 श्रेणी 3; आवेदन संख्या: 240520748756
दिव्यद्रिता देब	पुरुष	सामान्य	नहीं	-	यूजीसी नेट दिसंबर 2024 श्रेणी 3; आवेदन संख्या: 240520632908
मिलन पेगु	पुरुष	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट दिसंबर 2024 श्रेणी 2; आवेदन संख्या: 240520008377
गीतावली डेका	महिला	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट दिसंबर 2024 श्रेणी 3; आवेदन संख्या: 240520387376
बिनित कुमार चकमा	पुरुष	अजजा	नहीं	-	यूजीसी नेट दिसंबर 2024 श्रेणी 2; आवेदन संख्या: 240520948416
कस्तूरी सरकार	महिला	सामान्य	नहीं	-	यूजीसी नेट दिसंबर 2024 श्रेणी 2

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र

7. कोई अन्य उपलब्धियां:

संकाय का नाम	क्षमता	जर्नल	प्रकाशक	अवधि
प्रो. अशेष गुप्ता	संपादक	सारस्वत: त्रिपुरा यूनिवर्सिटी रिसर्च जर्नल	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	जारी
प्रो. अशेष गुप्ता	सहकर्मी समीक्षक	इंटरचेंज	स्प्रिंगर जर्नल्स संपादकीय कार्यालय	जारी
प्रो. अशेष गुप्ता	सहकर्मी समीक्षक	कोजेंट आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज	टेलर और फ्रांसिस	जारी
प्रो. अशेष गुप्ता	सहकर्मी समीक्षक	सामाजिक पहचान: नस्ल, राष्ट्र और संस्कृति के अध्ययन के लिए जर्नल	टेलर और फ्रांसिस	जारी
प्रो. अशेष गुप्ता	बाहरी सदस्य	डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी बोर्ड ऑफ अंडरग्रेजुएट स्टडीज	डिब्रगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम	आज तक

हिंदी विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. मिलनरानी जमातिया
स्थापना वर्ष : 2006
प्रस्तावित कार्यक्रम : आईएमडी, एमए, पीएचडी और पीजीडीटी
प्रवेश क्षमता : आईएमडी - 11, एमए - 30, पीजीडीटी - 30 और पीएचडी (यूजीसी मानदंडों के अनुसार)

विभाग का विजन: भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित त्रिपुरा विश्वविद्यालय के विभाग का दृष्टिकोण समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना, हिंदी भाषा और साहित्य के माध्यम से पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान को संरक्षित और आगे बढ़ाना, अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, समुदायों को सशक्त बनाना और नवीन अनुसंधान और बाह्य गतिविधियों के माध्यम से सतत क्षेत्रीय विकास में योगदान करना है।

प्रमुख उपलब्धियां: हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय गतिविधि का एक केंद्र है, जो शैक्षणिक और सामुदायिक जुड़ाव दोनों पर केंद्रित विभिन्न कार्यक्रमों की मेजबानी करता है। 6 फरवरी को विभाग ने विद्वत परिषद के सहयोग से विकसित भारत: 2047 और सामाजिक परिवर्तन मानदंड पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इसके बाद 21 फरवरी को पूर्व छात्रों की संगोष्ठी हुई, जिससे पूर्व छात्रों के बीच समुदाय की भावना को बढ़ावा मिला। 11 मार्च को प्रो अखिलेश कुमार शंखधर और डॉ. मनीषा मिश्र की एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला के साथ अकादमिक संवर्धन जारी रहा, जिन्होंने भारतीय ज्ञान परंपराओं और हिंदी साहित्य पर व्याख्यान दिया। 20-21 मार्च तक एक प्रमुख संयुक्त कार्यक्रम हुआ, जब विभाग ने हेरिटेज फाउंडेशन के साथ बांग्ला, कोकबरॉक और अंग्रेजी विभागों के साथ पूर्वोत्तर भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की सह-मेजबानी की। 1 अप्रैल, 2025 को एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां मेधावी छात्रों को यूको बैंक के सहयोग से कुलपति और भाषा संकाय के डीन द्वारा प्रदत्त।
इनके अलावा, हिंदी विभाग ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय के डीन और अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में 30 सितंबर, 2024 को विभागीय वॉल मैगज़ीन यानी खंड 4, 30 सितंबर, 2024 का प्रकाशन किया है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो. विनोद कुमार मिश्र	एम.फिल और पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	भक्ति काव्य, भारतीय साहित्य	34+	08	07	-	शून्य	शून्य	शून्य
प्रो. मिलन रानी जमातिया	एम.फिल और पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. काली चरण झा	एम. फिल और पीएचडी	सह-प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	आधुनिक हिंदी कविता और उपन्यास	17 वर्ष और 02 महीने	3	2	32	शून्य	शून्य	शून्य

डॉ. बीना देबबर्मा	एमफिल, पीएच.डी.	सह-प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	लोक साहित्य, कथा साहित्य, तुलनात्मक अध्ययन	14 वर्ष	-	03	04	शून्य	शून्य	शून्य
डॉ. मनोज कुमार मौर्य	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	हिंदी कथा साहित्य, अलोचना, कविता	8 साल, 09 महीने	01	02	04	शून्य	शून्य	शून्य
डॉ. आलोक कुमार पांडेय	एम.फिल और पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	मध्यकालीन हिंदी कविता और आलोचना	01+	-	01	04	शून्य	शून्य	शून्य

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/ शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
प्रो. विनोद कुमार मिश्र	शिक्षक	03	15	-
प्रो. मिलन रानी जमातिया	शिक्षक	-	-	-
डॉ. काली चरण झा	शिक्षक	-	04	-
डॉ. बीना देबबर्मा	शिक्षक	-	05 (संगोष्ठी)	त्रिपुरा विश्वविद्यालय/रामठाकुर कॉलेज
डॉ. मनोज कुमार मौर्य	शिक्षक	शून्य	03	-
डॉ. आलोक कुमार पांडेय	शिक्षक	शून्य	06	-
रजनीश कुमार	शोधार्थी	शून्य	1	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली नालंदा ज्ञानकुंभ 2024 में
कैलाश प्रधान	शोधार्थी	-	1	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली नालंदा ज्ञानकुंभ 2024 में
अनुराधा मौर्य	शोधार्थी	1	-	दिल्ली विश्वविद्यालय सांस्कृतिक समिति व आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला -साहित्य का रचनाकर्म (30 सितम्बर 2024 से 04 अक्तूबर 2024)

3. किसी भी संगोष्ठी / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. काली चरण झा	अगरतला	14-15 नवंबर, 2024	एमबीबी विश्वविद्यालय	भक्ति आंदोलन और विद्यापति एवं शंकरदेव एक विश्लेषण
	ऑनलाइन (बीएसएफ एचओ/पंजाब फ्रंटियर)	27 नवम्बर, 2024	बीएसएफ के मुख्यालय/पंजाब फ्रंटियर, जालंधर कैंट।	हिंदी की संवादात्मक स्थिति
डॉ. मनोज कुमार मौर्य	बलिया, उत्तर प्रदेश	11-12 मार्च, 2025	सतीश चंद्र कॉलेज	जयशंकर प्रसाद और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद
डॉ. आलोक कुमार पांडेय	नई दिल्ली	14 मई, 2025	भारतीय भाषा समिति आईआईटी दिल्ली	भारतीय भाषाओं में पुस्तक लेख
	अगरतला	21-22 मार्च, 2025	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	हिंदी साहित्य में लोक युग शास्त्र
	बलिया, उत्तर प्रदेश	11-12 मार्च, 2025	एसएमएमटीपीजी कॉलेज	ललित निबन्ध और हजारी प्रसाद द्विवेदी
	अगरतला	18 जनवरी, 2025	डीडीके अगरतला	राज बशर प्रचार ओ प्रसार

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ) / थीसिस प्रस्तुत / प्रदत्त(अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच. डी शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित
आरती रियांग	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
वर्षा दास	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
जितेंद्र रियांग	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
लालजी सोनारी	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
मोलिना देबबर्मा	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
मुन्नी चकमा	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
नम्रता बनिक	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
निखिल	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
निखिल पांडे	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
पल्लवी कुमारी	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
रक्तिम डेका	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
रीता त्रिपुरा	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
सैमसन देबबर्मा	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क आरंभ	-	पंजीकृत
अनुराधा मौर्य	पूर्णकालिक	स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रिका में स्त्री-लेखन का विश्लेषणात्मक अध्ययन	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	पंजीकृत
प्रतिभा त्रिपाठी	पूर्णकालिक	इंदिरा गोस्वामी और प्रभा खेतान के उपन्यासों में अभिव्यक्त, स्त्री यथार्थ का तुलनमक अध्ययन	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	पंजीकृत
पार्वती भट्टाचार्जी	पूर्णकालिक	मुझे चाँद चाहिए उपन्यास में अभियुक्त स्त्री जीवन	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	पंजीकृत
कैलाश प्रधान	पूर्णकालिक	भोजपुरी और ओडिया लोकगीतों का तुलनात्मक अध्ययन	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	पंजीकृत
रजनीश	पूर्णकालिक	केदारनाथ सिंह के काव्य में मानवेत्तर संवेदना; एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	पंजीकृत
कीर्ति उपाध्याय	पूर्णकालिक	समकालीन हिंदी और नेपाली उपन्यासों में अभिव्यक्त समाज और संस्कृति	प्रो. मिलन रानी जमातिया	पंजीकृत
दीना रंगखल	अंशकालिक	रांखल लोक कथाओं में अभिव्यक्त समाज और संस्कृति	प्रो. मिलन रानी जमातिया	प्रदत्त (27.03.2025)
रायसाहब पॉल	पूर्णकालिक	हिंदी और बांग्ला की चयनित आत्मकथाओं का तुलनतकक अध्ययन	प्रो. मिलन रानी जमातिया	प्रदत्त (27.03.2025)
पूजा	पूर्णकालिक	हिंदी के साहित्यिक इतिहास में इलाहाबाद: बिसावें सादी का पूर्ववर्ध (1901-1950)	प्रो. मिलन रानी जमातिया	प्रदत्त (27.03.2025)
ओम प्रकाश झा	अंशकालिक	नागार्जुन के उपन्यासों में लोक-संस्कृति	डॉ. काली चरण झा	प्रदत्त (13.03.2025)
श्रीमती तृष्णा रॉय	पूर्णकालिक	बांग्ला लोकगीतों का संकलन, हिंदी संवाद एवं विश्लेषण (त्रिपुरा के विशेष संदर्भ में)	डॉ. कालीचरण झा	पंजीकृत
श्री राम प्रकाश यादव	अंशकालिक	राजभाषा कार्यवयन और अनुवाद: एक अध्ययन	डॉ. कालीचरण झा	पंजीकृत
श्रीमती पॉली भौमिक	अंशकालिक	मातृयी पुष्पा और आशा पूर्णादेवी की कहानिओं में अभिव्यक्त स्त्री: एक तुलनाटमक अध्ययन	डॉ. कालीचरण झा	पंजीकृत
शिव कुमार	पूर्णकालिक	राजकमल चौधरी की हिंदी कहानी का समाजशास्त्रीय अध्ययन	डॉ. मनोज कुमार मौर्य	प्रदत्त(30.01.2025)
पासांग रुक्कू	पूर्णकालिक	अरुणाचल प्रदेश के बोरक जनजाति के लोकगितों का सम्मान अनुभव एवं सांस्कृतिक अनुशीलन	प्रो. मिलन रानी जमातिया	प्रदत्त

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता :

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय /राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	20-21 मार्च, 2025	02 दिन	पूर्वोत्तर भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली	परिसंवाद	राष्ट्रीय	224
2.	11 मार्च, 2025	01 दिन	भारतीय ज्ञान परंपराएं और हिंदी साहित्य	विशेष व्याख्यान	-	72
3.	06 फरवरी, 2025	01 दिन	विकसित भारत: 2047 और सामाजिक परिवर्तन मानदंड	परिसंवाद	राष्ट्रीय	256

5.2 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो. विनोद कुमार मिश्र	महामन मालवीय मिशन, नई दिल्ली	आजीवन
	एनआईओएस, नई दिल्ली	सलाहकार समिति के सदस्य
	विश्व शिक्षा मिशन ट्रस्टी, नोएडा	सदस्य
	विकास और योजना बोर्ड, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सदस्य
	कॉलेज निरीक्षण समिति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सभापति
	हिंदी साहित्य भारती, झांसी, उ.प्र.	जीवन काल
डॉ. काली चरण झा	महामन मालवीय मिशन, नई दिल्ली	आजीवन

5.3 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. बीना देबबर्मा	संकाय विकास पाठ्यक्रम	कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय, गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सिद्धपुर, गुजरात	7 दिन	17 - 23 अप्रैल, 2025
डॉ. मनोज कुमार मौर्य	पुनश्चर्या कोर्स	बीएचयू, वाराणसी	14	27 जनवरी 2025 से 08 फरवरी 2025 तक

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र हैं: भारतीय भाषा, साहित्य और संस्कृति, समग्र अध्ययन, मध्यकालीन काव्य, समकालीन साहित्य, लोक साहित्य, आदिवासी विमर्श, दलित साहित्य, आधुनिक कविता, प्रवासी साहित्य, उपन्यास, सिनेमा, आलोचक।

7. नई पहल/नवाचार: एनईपी-2020 के अनुसार तैयार यूजी (बीए और आईएमडी) पाठ्यक्रम, 30 सितंबर, 2024 को विभागीय वॉल पत्रिका का एक खंड प्रकाशित किया गया।

8. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामा/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (जी हां/ नहीं)	संगठन/ संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट / एसएलई / गेट / सीएटी / एसएससी / यूपीएससी / टीपीएससी / अन्य / एसडब्ल्यूटी * / एसडब्ल्यूओ **
जितेंद्र रियांग	पुरुष	अजजा	नहीं	एनटीए	नेट (सहायक प्राध्यापक के लिए योग्य)
पल्लवी कुमारी	महिला	सामान्य	नहीं	एनटीए	नेट (सहायक प्राध्यापक के लिए योग्य)
आरती रियांग	महिला	अजजा	नहीं	एनटीए	केवल पीएचडी में प्रवेश के लिए योग्य
वर्षा दास	महिला	अनुसूचित जाति	नहीं	एनटीए	नेट (सहायक प्राध्यापक के लिए योग्य)
निखिल	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	एनटीए	जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्राध्यापक के पुरस्कार के लिए योग्य)
मोमिता बोरा	महिला	ओबीसी	नहीं	एनटीए	केवल पीएचडी में प्रवेश के लिए योग्य

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र।

कोकबरॉक विभाग

विभाग प्रमुख	:	डॉ. समीर देबबर्मा
स्थापना वर्ष	:	2015
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	एमए, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता	:	60

विभाग का विजन:

कोकबरॉक विभाग सत्र 2015-16 से शुरू हुआ। विभाग का दृष्टिकोण कोकबरॉक भाषा और साहित्य पर शोध करना और त्रिपुरा की लुप्तप्राय भाषाओं का दस्तावेजीकरण करना है। त्रिपुरा की अन्य जनजातीय भाषाओं की भाषाओं और साहित्य पर भी जोर दिया जाएगा। साथ ही कोकबरॉक और सह भाषाओं जैसे बोडो, गारो, दिमासा, राभा, तिवा आदि पर तुलनात्मक शोध करना। विभाग ने सत्र 2018-2019 से पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया है। विभाग विभागीय साहित्यिक पत्रिका शुरू करेगा। विभाग की संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों का आयोजन करने और स्कूलों और कॉलेजों के कोकबरॉक शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। विभाग का दृष्टिकोण सीआईआईएल, टीआरआई, यूजीसी आदि जैसे कई संस्थानों और संगठनों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान शुरू करना है। छात्रों को कोकबरॉक भाषा, साहित्य आदि पर शोध करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाता है। अब तक कोकबरॉक में कुल 31 स्नातकोत्तर शिक्षक और कोकबरॉक में 18 सहायक प्रोफेसरों को नियुक्त किया गया है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
श्रीमती खुमतिया देबबर्मा	एमए-हिंदी, स्लेट	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	प्रेमचंद/कोकबरॉक साहित्य	19 साल 8 महीने	-	-	92	-	-	-
डॉ. समीर देबबर्मा	एमए-भाषाविज्ञान, यूजीसी-नेट, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	तिब्बती-बर्मी भाषाएँ, भाषा प्रलेखन, कोकबरॉक भाषाविज्ञान	9 साल 10 महीने	-	03	121	-	8	1
श्री नंद कुमार	-	अतिथि शिक्षक	अतिथि	नाटक, उपन्यास और कविता	9 साल	-	-	119	-	-	-
श्रीमती विक्टो देबबर्मा	एमए-शिक्षा, एसएलईटी, कोकबरॉक में पीजी डिप्लोमा	अतिथि शिक्षक	अतिथि	उपन्यास, कविता	7 साल 6 महीने	-	-	14	-	-	-
डॉ. बिमान देवबर्मा	एमए-अंग्रेजी, भाषाविज्ञान, कोकबरॉक में पीजी डिप्लोमा, भाषाविज्ञान में पीएचडी	भाषा अधिकारी	शिक्षण में सहायता के लिए विभाग में प्रतिनियुक्त	स्वर विज्ञान, आकृति विज्ञान, वाक्यविन्यास, शब्दार्थ, कविता, साहित्यिक सिद्धांत और आलोचना	9 साल 10 महीने	-	-	164	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता :

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. समीर देबबर्मा	शिक्षक	-	-	01 (प्रस्तुत)
डॉ. बिमान देवबर्मा	शिक्षक	01 (प्रस्तुत)	03 (प्रस्तुत)	-
	शिक्षक	-	01 (भाग लिया)	-
खुमतिया देबबर्मा	शिक्षक	-	04 (प्रस्तुत)	02 कार्यशाला में भाग लिया
डॉ. बिप्लब देबबर्मा	अतिथि संकाय	01 (प्रस्तुत)	-	-
दीप्रा किशोर देबबर्मा	शोधार्थी	01 (प्रस्तुत)	-	-

3. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ) / थीसिस प्रस्तुत / प्रदत्त(अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच. डी शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित
बिप्लब देबबर्मा	पूर्णकालिक	सुधन्वा देबबरमणि लैंगमा ते कोक्रबैनो चेर्वी स्विमंग	डॉ. समीर देबबर्मा	प्रदत्त
दीपरा किशोर देबबर्मा	पूर्णकालिक	कोकबरॉक कोथोमा ब्वासाओ होडाहुकुमुनि ग्वरंग	डॉ. समीर देबबर्मा	पंजीकृत
जहर देबबर्मा	पूर्णकालिक	कोकबरॉक सनैरोगनी हुकुमु रकजाक मनवी	डॉ. समीर देबबर्मा	पंजीकृत

4. विभाग की बाहय गतिविधियाँ :

a. व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. समीर देबबर्मा	द्रविड़ भाषाविज्ञान संघ	आजीवन सदस्यता
	लिंग्विस्टिक सोसाइटी ऑफ इंडिया (एलएसआई)	आजीवन सदस्यता
	लुप्तप्राय और कम ज्ञात भाषाओं के लिए समाज (एसईएल)	आजीवन सदस्यता
डॉ. बिमान देवबर्मा	लिंग्विस्टिक सोसाइटी ऑफ इंडिया (एलएसआई)	आजीवन सदस्यता
	लुप्तप्राय और कम ज्ञात भाषाओं के लिए समाज (एसईएल)	आजीवन सदस्यता
	द्रविड़ भाषाविज्ञान संघ	आजीवन सदस्यता
	स्कॉलर्स एकेडमिक एंड साइंटिफिक सोसाइटी	आजीवन सदस्यता (साथी सदस्य)

5. किसी भी संगोष्ठी / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय / अतिथि संकाय / अनुसंधान विद्वान द्वारा आमंत्रित वार्ता या संसाधन व्यक्ति:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थानों/ विश्वविद्यालयों	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. बिमान देवबर्मा	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, खुमलुंग	29 - 30 अक्टूबर, 2024	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, खुमुलविंग	कोकबरॉक साहित्य और भाषाविज्ञान से बाहर की नज़र के रूप में
	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, गुवाहाटी विश्वविद्यालय	21 और 22 नवंबर, 2024	गौहाटी विश्वविद्यालय, असम	(2 व्याख्यान) कोकबरॉक भाषा, साहित्य और संस्कृति (पुनश्चर्या पाठ्यक्रम)
	ऑनलाइन	8 जून, 2025	टिब्लानी	कोकबरॉक ऑर्थोग्राफी: भाषाई प्रतिनिधित्व और स्क्रिप्ट पसंद की राजनीति

	बोडो विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, असम	29 और 30 अप्रैल, 2025	बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, बीटीआर, असम	कोकबरॉक भाषा की भाषा, साहित्य और संस्कृति का विकास
	कोकबरॉक विभाग, सरकारी डिग्री कॉलेज खुमुलवांग	29 और 30 अक्टूबर, 2024	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज खुमुलविंग	कोकबरॉक साहित्य और भाषाविज्ञान के रूप में
	कोकबरॉक और अन्य अल्पसंख्यक भाषा शिक्षा विभाग निदेशालय, शिक्षा भवन, त्रिपुरा सरकार, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा	18-05-2025 से 01-06-2025	कोकबरॉक और ओएमएल निदेशालय, त्रिपुरा सरकार	कोकबरॉक ऑनलाइन लर्निंग कोर्स
दीप्रा किशोर देबबर्मा	डी.आई.ई.टी., काकराबन, गोमती जिला, त्रिपुरा	12 दिसंबर 2024	डी.आई.ई.टी., काकराबन	ब्रिटिश औपनिवेशिक के खिलाफ जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी

6. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय/ अनुसंधान विद्वान द्वारा सत्र की अध्यक्षता/समन्वयक/संपादक:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय/संगठन
डॉ. समीर देबबर्मा	सभापति		
	कोकबरॉक विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	14 और 15 सितंबर, 2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, त्रिपुरा
डॉ. बिमान देबबर्मा	सभापति		
	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, खुमलुंग	29 - 30 अक्टूबर, 2024	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, खुमलुंग, टीटीएडीसी
	भाषाविज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय	4 और 5 मार्च, 2025	गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी
	समन्वयकर्ता		
	कोकबरॉक विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	14 और 15 सितंबर, 2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, त्रिपुरा
	संपादक		
	कृष्णानगर, अगरतला, त्रिपुरा	24 मई 2025	कोकबरॉक साहित्य सभा

7. अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र: कोकबरॉक भाषा, साहित्य और लोक साहित्य

भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषा विभाग

विभाग प्रमुख	:	डॉ. इंद्रकुमार सिंह
स्थापना वर्ष	:	2016
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	एमए और पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता	:	20

विभाग का विजन: भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषा विभाग भाषाई अध्ययन के सभी अग्रणी क्षेत्रों में अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव के व्यापक, गतिशील, अभिनव, टिकाऊ और विस्तार योग्य कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने और बनाए रखने का प्रयास करता है।

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग तिब्बती-बर्मी भाषा परिवार के बोडो-गारो-कोच और कुकी-चिन-नागा उपसमूहों की भाषाओं से संबंधित अनुसंधान कार्य और भाषा प्रलेखन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। विभाग के पूर्व छात्रों ने सरकारी सेवाओं में नियुक्ति पाई है। आईसीएसएसआर के तहत संयुक्त अनुसंधान परियोजना को मंजूरी दी गई। अन्य अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ अनुसंधान सहयोग प्रगति पर है। संकायों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कई वार्ताएं प्रस्तुत कीं। संकायों, शोधार्थियों और छात्रों ने संकाय विकास कार्यक्रम और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया, और विभिन्न संस्थानों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में शोध पत्र प्रस्तुत किया। यूजीसी केयर पियर रिव्यूड पत्रिकाओं में प्रकाशित कई शोध पत्रों को सूचीबद्ध किया गया है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. ख्वालसोंकिम सुआंतक	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	स्वर विज्ञान, मॉर्फोसिंटैक्स, समाजशास्त्र, तिब्बती-बर्मन अध्ययन	09	-	03	05	-	21	02
डॉ. इंद्रकुमार सिंह	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	शब्दरूप विज्ञान मॉर्फोसिंटैक्स, वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, तिब्बती-बर्मी देश की भाषा	09	-	03	05	-	11	02
डॉ. निरंजन उप्पुर	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	द्रविड़ भाषाएँ, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, वाक्यविन्यास	09	-	02	04	-	02	01
डॉ. राजकुमारी मणिमाला सिन्हा	पीएच.डी.	संकाय	अतिथि	तुलनात्मक भाषाविज्ञान, मॉर्फोसिंटैक्स	20 अगस्त 2024 को शामिल हुए	-	-	-	-	-	-
श्री निलॉय चक्रवर्ती	एमए (यूजीसी-नेट)	संकाय	अतिथि	वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, समाजशास्त्र	13 अगस्त 2024 को शामिल हुए	-	-	-	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
ख्वालसोंकिम सुआंतक	शिक्षक	02	01	-

सगोलसेम इंद्रकुमार सिंह	शिक्षक	02	-	-
निरंजन उप्पुर	शिक्षक	02	-	-
राजकुमारी मणिमालासिन्हा	अतिथि शिक्षक	01	03 (01 राष्ट्रीय संगोष्ठी और 02 कार्यशाला)	
निलॉय चक्रवर्ती	अतिथि शिक्षक	03	05	-
प्रिया देबबर्मा	शोधार्थी	02	-	-
रिंकिमोनी राभा	शोधार्थी	01	02 (01 सप्ताह का मेंटरशिप प्रोग्राम और 01 सर्टिफिकेट कोर्स ऑन इमर्सिव लैंग्वेज लेररिंग, आर्टिकुलेटरी फोनेटिक्स एंड इंट्रोडक्शन टू टोन)	-

3. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

3.1 व्यावसायिक / विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
स. इंद्रकुमार सिंह	लुप्तप्राय और कम ज्ञात भाषाओं के लिए समाज (एसईएल)	सेल-एम-122
राजकुमारी मणिमाला सिन्हा	लुप्तप्राय और कम ज्ञात भाषाओं के लिए समाज (एसईएल)	सेल-एम-133

3.2 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता:

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
निरंजन उप्पुर	फोरेंसिक भाषाविज्ञान की खोज पर एक सप्ताह का ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर का संकाय विकास कार्यक्रम: भाषा, कानून और साक्ष्य	ऑनलाइन	07 दिन	01-05-2025 से 07-05-2025

4. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र : अनुसंधान के क्षेत्रों में स्वर विज्ञान, आकृति विज्ञान, शब्दार्थ, समाजभाषाविज्ञान, वाक्यविन्यास, अनुवाद, शब्दकोष, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, तिब्बती-बर्मन और द्रविड़ भाषाओं की भाषाएं शामिल हैं।

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पदक/सम्मान# (राज्य/राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर):

शिक्षक का नाम	पुरस्कारों/पदक/ सम्मानों का नाम	पुरस्कार/पदक/ सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणियां
डॉ. निरंजन उप्पुर	प्रो. वेनेलकांति प्रकाशम पुरस्कार 2025	21-06-2025	द्रविड़ लिंग्विस्टिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, तिरुवनंतपुरम, केरल	सिस्टमैटिक फंक्शनल लिंग्विस्टिक्स (फोनोलॉजी, लेक्सिकोग्रामर, सिमेंटिक्स और प्रैग्मैटिक्स) पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार

खेलों के मामले में अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

6. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योग के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/ संस्थानों/ उद्योग के नाम	परियोजना पर सहयोग	सालों
निरंजन उप्पुर	नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर जापानी लैंग्वेज एंड लिंग्विस्टिक्स (एनआईएनजीएएल), जापान	सैद्धांतिक, फील्डवर्क, ऐतिहासिक और द्वंद्वात्मक परिप्रेक्ष्य से नाममात्रीकरण की टाइपोलॉजी का अनुभवजन्य अध्ययन	अप्रैल 2022-मार्च 2028

7. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामा/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (जी हां/ नहीं)	संगठन/ संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ एसएलई/ गेट/ सीएटी/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी */ एसडब्ल्यूओ **
प्रणय दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	यूजीसी-नेट पीएचडी प्रवेश के लिए योग्य

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र।

संस्कृत विभाग

विभाग प्रमुख	:	प्रो. (डॉ.) देबराज पाणिग्राही
स्थापना वर्ष	:	1977
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	एमए, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता	:	80+8 (ईडब्ल्यूएस) = 88

विभाग का विजन : संस्कृत विभाग उन नए विभागों में से एक है जिसके साथ कलकत्ता विश्वविद्यालय (सी.यू.पी.जी. केंद्र) के तहत त्रिपुरा में स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र ने 1977 में काम करना शुरू किया था। त्रिपुरा रियासत में पारंपरिक संस्कृत शिक्षा का आंरभ शाही संरक्षण में शुरुआती समय से ही प्रमुखता से थी। आधुनिक शिक्षा के आगमन के साथ, संस्कृत कॉलेजों में स्नातक स्तर पर पढ़ाया जाने लगा। विभाग ने 1977 से स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत पढ़ाना शुरू किया। अपनी स्थापना के बाद से संस्कृत विभाग को कई प्रसिद्ध शिक्षकों द्वारा चलाया जा रहा है। कई प्रतिष्ठित अतिथि व्याख्याताओं ने भी लंबे समय तक विभाग की सेवा की। 80 छात्रों के प्रवेश के साथ विभाग पाठ्यक्रम के सीबीसीएस पैटर्न में संस्कृत में पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग में अनुसंधान कार्य को भी प्रमुख महत्व दिया जाता है। विभाग में अच्छी संख्या में शोधार्थी काम कर रहे हैं और विभिन्न विद्वान संस्थान के बाहर से आकर व्याख्यान देते हैं। उनमें से कई ने बहुमूल्य अकादमिक व्याख्यान दिए हैं। प्रो. रामरंजन मुखर्जी, प्रो. ध्यानेश नारायण चक्रवर्ती, प्रो. भवानी प्रसाद भट्टाचार्य, प्रो. सीतानाथ आचार्य, प्रो. अशोक चटर्जी, प्रो. करुणासिंधु दास, प्रो. नबानारायण बंद्योपाध्याय, प्रो. दीप्ति एस. त्रिपाठी, डॉ. कामेश्वर शुक्ला, प्रो. मृणाल कांति गंगोपाध्याय, प्रो. रत्ना बसु, प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, प्रो. निर्माल्य नारायण चक्रवर्ती, प्रो. गिरिशनाथ थाई, प्रो. श्री किशोर मिश्र, प्रो. सत्यनारायण आचार्य, प्राध्यापक सत्यजीत लास्यक, प्राध्यापक गोपाल चंद्र मिश्र, प्राध्यापक नलिनी देवी मिश्र, प्राध्यापक गोपबंधु मिश्र, प्रो अरुणा रंजन मिश्र सहित अन्य शामिल हैं।

प्रमुख उपलब्धियां:

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि / अनुबंध *	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो (डॉ) देबराज पाणिग्राही	एम. फिल / पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	शास्त्रीय साहित्य/व्याकरण आदि।	17 वर्ष/ 14 वर्ष	06	04	00	-	-	-
डॉ. शंकर नाथ तिवारी	एम. फिल और पीएच.डी.	एसोसिएट प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	साहित्य एवं काव्यशास्त्र	15 साल	02	02	04	-	-	-
डॉ. विश्व बंधु	पीएच.डी.	एसोसिएट प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	संस्कृत भाषा और साहित्य	9 साल	4	2	10	-	-	-
डॉ. सुमन के.एस.	एमए, सेट, नेट, पीजीडी-एमएसएस, पीएच.डी.,	एसोसिएट प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	वेदांत और व्याकरण	19 वर्ष	2	2	3	-	-	-
डॉ. जय साहा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	संस्कृत भाषाविज्ञान, संस्कृत और आधुनिक भारतीय भाषाएं, शाक्त तंत्र, पूर्वोत्तर में संस्कृत परंपरा	10 साल, 5 महीने		02	05	-	-	-
डॉ पार्थ सारथी सील	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	भारतीय दर्शन, भगवद्गीता	10 साल	शून्य	02	07	-	-	-
डॉ. अमोल रामेश्वर बोरेकर	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	संस्कृत व्याकरण	14 दिन	-	-	-	-	-	-

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता :

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
प्रो. (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	शिक्षक	1	5	-
डॉ. शंकर नाथ तिवारी	शिक्षक	-	2	-
डॉ. विश्वबंधु	शिक्षक	-	2	-
डॉ. सुमन के.एस.	शिक्षक	-	19	2
डॉ. जय साहा	शिक्षक	1	2	-
डॉ. पार्थ सारथी सील	शिक्षक	1	4	-
चंद्र कांत दास	शोधार्थी	1	2	-
देबोश्री देबनाथ	शोधार्थी	2	3	-
रूपम सरकार	शोधार्थी	1	2	-
संजय रॉय	शोधार्थी	1	1	-
संजू कुमार दास	शोधार्थी	-	2	-
सुभद्रा दत्ता	शोधार्थी	1	-	-
सुपर्णा पॉल	शोधार्थी	3	3	-

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थानों/ विश्वविद्यालयों	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	बंगाली विभाग, टीयू	29-30/11/2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	भरतेर नाट्य इतिहास: वैदिक ओ संस्कृत साहित्यर प्रेक्षितेति एकटि आलोचना
	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिषद, अगरतला	29-31/01/2025	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिषद, अगरतला	वेद और समाज: एक पर्यावलोचन
	पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	18-19/02/2025	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	विकास भारत में विरासत और सत्यवाद: एक परिप्रेक्ष्य
	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिषद, अगरतला	09/03/2025	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिषद, अगरतला	एनईपी 2020 और उच्च शिक्षा प्रणाली को फिर से तैयार करने में इसकी क्षमता
	संस्कृत विभाग, टीयू	21-22/03/2025	आईसीएसएसआर और त्रिपुरा विश्वविद्यालय	संस्कृत और लोक संस्कृति: पुनर्विचार पर एक अध्ययन
	संस्कृत विभाग, एमएमडी कॉलेज, सबरूम, त्रिपुरा	20/06/2025	आईसीपीआर, नई दिल्ली	योग, कल्याण और विकास के अभ्यास में संस्कृत ज्ञान
डॉ. विश्व बंधु	हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी	1/5/2025	हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी	गुरवाणी की विदेशी भाषा में अननुवाद्यता
	जगत गुरु नानक देव पंजाब राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, पटियाला	07/04/2025	जगत गुरु नानक देव पंजाब राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, पटियाला	युवा पीढी को भगवान् श्री परशुराम जी का सन्देश
	सर्वदर्शन विभागः, कुमार भास्करवर्म संस्कृत-पुरातनाध्ययन विश्वविद्यालयः	09/05/2025	सर्वदर्शन विभागः, कुमार भास्करवर्म संस्कृत-पुरातनाध्ययन विश्वविद्यालयः	रवीन्द्रनाथस्य औपनिषदिकी दृष्टिः
डॉ. सुमन के.स.	लखनऊ	10-5-2024	बीबीएयू, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	समकालीन संस्कृत पर एमओओसी और अनुप्रयोग को समझना
	लखनऊ	28-8-2024	बीबीएयू, उत्तर प्रदेश	वैश्विक परिप्रेक्ष्य में संस्कृत का महत्व
	लखनऊ (ऑनलाइन)	05-09-2024	बीबीएयू और सीएसयू	हम एसटीसी से क्या सीख सकते हैं
	लखनऊ	20-10-2024	प्रसार भारती, लखनऊ	वेदेशु प्राकृतम् प्रकृतिमाहात्म्यम्
	नई दिल्ली	17-12-2024 से 19-12-2024 तक	सीएसयू, जनकपुरी, नई दिल्ली	'संस्कृत के लिए संघर्ष' का अनुवाद
	पानीपत (ऑनलाइन)	19-12-2024	आईबीपीजी कॉलेज, पानीपत	अर्वाचीन संस्कृत काव्यांशु राष्ट्रभक्ति जागृतिः
	लेम्बुचेरा, अगरतला	13-01-2025	एमएआरएफ, त्रिपुरा और एकलव्य परिसर, सीएसयू, अगरतला	"अगस्त्यर"
	लेम्बुचेरा, अगरतला	29-01-2025 से 31-01-2025	एमएसआरवीवी, उज्जैन और एकलव्य कैंपस, सीएसयू, अगरतला	वैदिक सहिते सस्यानाम् वैष्णवम्
	चेन्नई	27-2-2025	शासुन जैन कॉलेज फॉर वुमन, चेन्नई	उपनिषदों का एक संकलन
	चेन्नई	28-2-2025	एसडीएनबीवी कॉलेज फॉर वीमेन, चेन्नई	वृक्षआयुर्वेद

	लगमा, बिहार	24-2-2025	जेएनबी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, लगमा	समकालीन दुनिया में संस्कृत गुरुकुलों का महत्व
	लखनऊ	21-2-2025	एलपीसीपीएस, लखनऊ	भगवद गीता में प्रबंधकीय तकनीक
	लेम्बुचेरा, अगरतला	19-02-2025	एकलव्य कैंपस, सीएसयू, अगरतला	भारतीय ज्ञान प्रणाली
	मैसूर	19-3-2025	एसवीएम- सोसाले, मैसूर, कर्नाटक	व्यासराज वैभवम्
	नई दिल्ली	24-3-2025	एसएलबीएस, नई दिल्ली	ऋषभ देव
	नई दिल्ली	25-3-2025	एसएलबीएस, नई दिल्ली	श्री पट्टाभिराम शास्त्रीनाम मीमांसाशास्त्रीयम् योगदानम्
	नंबोल, मणिपुर	29-03-2025 और 30-03-2025	आरएमएएसएम, नंबोल, मणिपुर	महात्मा प्रह्लादेन बोधिता विष्णु परम्य विषयः
	कुरनूल, ए.पी.	15-4-2025 से 19-05-2025	एसजीएसवी, मंत्रालयम, कुरनूल, आंध्र प्रदेश	हरिकथामृतसार की व्याधि संधि
	बेंगलुरु	22-4-2025 से 25-4-2025	एसबीएमजेईसी, वीवी पुरम, बेंगलुरु	भारतीय ज्ञान प्रणाली
	अथुर, चेंगलपट्टू, टी.एन.	10-4-2025	एससीवीजीवीएसएम, अथुर, चेंगलपट्टू, टी.एन.	वैदिक व्याकरनाशस्य वैशिष्टम्
डॉ. जय साहा	अगरतला, त्रिपुरा	21 फरवरी, 2025	टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा	अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस
डॉ पार्थ सारथी सील	कमलपुर, त्रिपुरा	27/12/2024	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कमलपुर, त्रिपुरा	भारतीय ज्ञान परंपरा- सामाजिक विज्ञान: उत्पत्ति और विकास
	जामिनी मजूमदार कॉलेज, पश्चिम बंगाल	22/02/2025	जैमिनी मजूमदार कॉलेज, पश्चिम बंगाल	प्राचीन भारतीय साहित्य में सामाजिक तत्व
	द्विजेंद्रलाल कॉलेज, पश्चिम बंगाल	12/03/2025	दर्शनशास्त्र विभाग, द्विजेंद्रलाल कॉलेज, पश्चिम बंगाल	भारतीय विचारकों के दार्शनिक प्रतिबिंब
	गलसी महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल	22/03/2025	संस्कृत विभाग, गलसी महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल	प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में महिलाओं का योगदान
	सलडीहा कॉलेज, बांकुड़ा, पश्चिम बंगाल	11/04/2024	सलडीहा कॉलेज, बांकुड़ा, पश्चिम बंगाल	भारतीय ज्ञान प्रणाली में धर्म की अवधारणा

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ) / थीसिस प्रस्तुत / प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित
सेबिका रियांग	अंशकालिक	आचार्यमूलशङ्करमाणेकलालयाज्ञिक विरचित संयोगिता स्वयम्वर नाटकस्य तथा महामहोपाध्याय- पण्डित श्री मथुराप्रसाद दीक्षित प्रणीत वीर पृथ्वीराज विजय नाटकस्य च तुलनामूलक मध्ययनम्	प्रो. (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	पंजीकृत
देबोश्री देबनाथ	पूर्णकालिक	ऋग्वेदसंहिता के 10वें मांडल में दर्शाए गए मनोवैज्ञानिक पहलू: एक संपूर्ण अध्ययन	प्रो. (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	पंजीकृत
संजू कुमार दास	पूर्णकालिक	निर्वाचितेषु वेदपुराणेषु लक्ष्मीदेव्याः स्वरूपविमर्शः	प्रो. (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	पंजीकृत
जशिम देबबर्मा	पूर्णकालिक	ऋत्रु संहार तथा रुरुचक्रायुधः तुलनात्मका मध्यणम्	प्रो. (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	कोर्सवर्क आरंभ

संजय रॉय	पूर्णकालिक	उमापति द्विवेदि प्रणीतस्य पारिजात हरण महाकाव्यस्य विश्लेषणात्मक मध्ययनम्	प्रो. (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	पंजीकृत
कुहेली करमाकर	पूर्णकालिक	-	डॉ. शंकर नाथ तिवारी	कोर्सवर्क आरंभ
श्रीता डे	पूर्णकालिक	-	डॉ. शंकर नाथ तिवारी	कोर्सवर्क आरंभ
सुजीत बर्मन	पूर्णकालिक	अभी तय नहीं हुआ है	विश्व बंधु	कोर्सवर्क आरंभ
सुब्रत मंडल	पूर्णकालिक	अभी तय नहीं हुआ है	विश्व बंधु	कोर्सवर्क आरंभ
सुधा आर एस अय्यर	पूर्णकालिक	"संस्कृत साहित्य संगीत शास्त्र च नवग्रहनाम स्थानम्"	डॉ. सुमन के.एस.	दिसंबर 2024 में मद्रास विश्वविद्यालय में प्रदत्त
रूमा गोराई	पूर्णकालिक	अभी तय नहीं हुआ है	डॉ. सुमन के.एस.	पंजीकृत
पम्पी जमातिया	अंशकालिक	अभी तय नहीं हुआ है	डॉ. सुमन के.एस.	पंजीकृत
सुभद्रा दत्ता	पूर्णकालिक	भारतीनृत्यशास्त्र परिशीलनम्: अशोक मल्लकृतनृत्याध्यायस्य विशेषसन्दर्भे	डॉ. जय साहा	पंजीकृत
सुपर्णा पॉल	पूर्णकालिक	संस्कृत परम्परानिष्ठ मूर्त्तिशास्त्रालोके त्रिपुरा राज्यीय पुरातन मूर्त्तिसम्पद आलोचनात्मकम् अध्ययनम्	डॉ. जय साहा	कोर्सवर्क आरंभ
चैना दास	पूर्णकालिक	-	डॉ. जय साहा	कोर्सवर्क आरंभ
कांगकोन बोरगोहेन	पूर्णकालिक	-	डॉ. जय साहा	कोर्सवर्क आरंभ
चंद्र कांत दास	पूर्णकालिक	निर्वाचित शाक्तोपनिषदां समीक्षात्मकमध्ययनम्	डॉ. पार्थ सारथी सील	पंजीकृत
रूपम सरकार	पूर्णकालिक	निर्वाचित शैवोपनिषदां समीक्षात्मकमध्ययनम्	डॉ. पार्थ सारथी सील	पंजीकृत
सुभा बैरागी	पूर्णकालिक	-	डॉ. पार्थ सारथी सील	कोर्सवर्क आरंभ

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता :

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	15/07/2024	1 दिन	भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में पूर्वोत्तर के विद्वानों का योगदान	एक दिवसीय संगोष्ठी	राष्ट्रीय	55
2	26/07/2024	1 दिन	व्यास-पूजा उत्सव	एक दिवसीय कार्यक्रम	संस्थागत	40
3	30/08/2024	1 दिन	संस्कृत दिवस समारोह	एक दिवसीय कार्यक्रम	संस्थागत	30
4	06/10/2024	1 दिन	वेद और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान	विशेष व्याख्यान	राष्ट्रीय	300
5	14/11/2024	1 दिन	उपनिषदिक अध्ययन करने की प्रासंगिकता और महत्व	विशेष व्याख्यान	राष्ट्रीय	40
6	24/01/2025	1 दिन	शंकर वेदांत और छात्रों के जीवन का इसका निहितार्थ	विशेष व्याख्यान	राष्ट्रीय	200
7	21-22/03/2025	2 दिन	संस्कृत एवं लोकसंस्कृति : संस्कृत वाङ्मय का सांस्कृतिक पुनर्मूल्यांकन	दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	राष्ट्रीय	80

5.2 ई-कंटेंट निर्माण/ई-पीजी पाठशाला, एनएमई-आईसीटी, एमओओसी जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी:

क्रम संख्या	संकाय नाम	ई-सामग्री का शीर्षक	घंटों की संख्या	उपलब्ध है या नहीं
1	डॉ. सुमन के.एस.	• समग्र और बहु-विषयक शिक्षा -1	90 मिनट	उपलब्ध
2	डॉ. सुमन के.एस.	संस्कृत ग्रंथों में महिला और लिंग भूमिकाएं-1 (प्राचीन संस्कृत साहित्य में महिलाओं के चित्रण और लिंग की भूमिका की जांच)	90 मिनट	उपलब्ध
3	डॉ. सुमन के.एस.	संस्कृत ग्रंथों में महिला और लिंग भूमिकाएं-2 (लैंगिक समानता और सामाजिक भूमिकाओं की समकालीन व्याख्याएं)	90 मिनट	उपलब्ध
4	डॉ. सुमन के.एस.	कला में संस्कृत: रंगमंच, नृत्य और कविता -1	90 मिनट	उपलब्ध
5	डॉ. सुमन के.एस.	कला में संस्कृत: रंगमंच, नृत्य और कविता -2	90 मिनट	उपलब्ध

5.3 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/ शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो. (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	टीवीएसएस (एबीआरएसएम के तहत), टीयू	कोषाध्यक्ष
	पुरुषोत्तम रिसर्च एकेडमी ऑफ इंडोलॉजी, पुरी, ओडिशा	संस्थापक सदस्य
	अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन	आजीवन सदस्य
	नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली	सदस्य
	रवींद्र परिषद, अगरतला	आजीवन सदस्य
	वागर्थ	समीक्षा समिति में सदस्य
	प्राचीप्रज्ञा	संपादकीय निकाय में सदस्य
	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा का आईक्यूएसी	सदस्य
	स्थानीय अनुसंधान समिति, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा	सदस्य
	ईसी सदस्य (विजिटर नॉमिनी), एनईएचयू	सदस्य
	कोर्ट के सदस्य (विजिटर नॉमिनी), नेहू	सदस्य
	योजना एवं विकास बोर्ड (विजिटर नामित), असम विश्वविद्यालय, सिलचर	सदस्य
डॉ. शंकर नाथ तिवारी	अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन	जीवन काल
	नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया	जीवन काल
डॉ. सुमन के.एस.	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (संस्कृत विमर्श- जर्नल)	संपादकीय सलाहकार सदस्य
	राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मणिपुर (सीएसयू, नई दिल्ली से संबद्ध)	चयन समिति के सदस्य
	इन्फिनिटी फाउंडेशन, चेन्नई और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (संस्कृत के लिए संघर्ष पुस्तक)	संपादकीय सदस्य
	श्री शंकर कॉलेज, कलाडी (जर्नल-सद्विद्या जर्नल ऑफ रिसर्च इन संस्कृत)	संपादकीय सलाहकार सदस्य
	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (संस्कृत विमर्श- जर्नल)	संपादकीय सलाहकार सदस्य
डॉ. जय साहा	विवेकानंद कल्याण केंद्र	सामान्य सदस्य
	रवींद्र परिषद, त्रिपुरा	सामान्य सदस्य
डॉ पार्थ सारथी सील	अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन	आजीवन सदस्य

5.4 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ पार्थ सारथी सील	मानविकी और सामाजिक विज्ञान में हाल के रुझानों और नवाचारों पर बहु-विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	एमएमटीटीसी, ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, प्रयागराज	दो हफ्ते	22/05/2025-08/06/2025

6. अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र: शास्त्रीय संस्कृत साहित्य, आधुनिक संस्कृत साहित्य, संस्कृत व्याकरण, वेद, दर्शन आदि।

7. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण: 8 कंप्यूटर, चार प्रिंटर, स्मार्ट बोर्ड आदि।

8. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योग के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योग के नाम	परियोजना पर सहयोग	वर्ष
डॉ. सुमन के.एस.	बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ	संस्कृत में व्यावसायिक प्रशिक्षण पर एमओओसी विकसित करना	2024

9. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामा/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/अ ल्पसं)	पीएच (जी हां/नहीं)	संगठन/ संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ एसएलई/ गेट / सीएटी/ एसएससी/ यूपीएससी / टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी */ एसडब्ल्यूओ **
सुभद्रा दत्ता	महिला	ओबीसी	नहीं	यूजीसी	जाल
संजू कुमार दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	यूजीसी	जाल

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र; **बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र।

जनजातीय भाषाओं के लिए केंद्र

केंद्र समन्वयक	:	डॉ. समीर देबबर्मा
सहायक समन्वयक	:	श्रीमती खुमतिया देबबर्मा
स्थापना वर्ष	:	1999
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	कोकबरॉक में पीजी डिप्लोमा, कोकबरॉक में सर्टिफिकेट कोर्स
प्रवेश क्षमता	:	100

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/विजन:

जनजातीय भाषा केंद्र की स्थापना वर्ष 1999 में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अंतर्गत की गई थी। केंद्र कोकबरॉक भाषा और साहित्य में 1 (एक) वर्षीय पीजी डिप्लोमा कोर्स प्रदान करता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स जुलाई से जून के बीच हर शैक्षणिक सत्र में प्रदान किया जाता है। पीजी डिप्लोमा सिलेबस में 100 अंकों के 5 (पांच) पेपर होते हैं।

पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी और गैर-आदिवासी समुदायों के छात्रों को कोकबरॉक भाषा, साहित्य और संस्कृति का ज्ञान प्रदान करना है। इसके अलावा, पाठ्यक्रम में फील्ड वर्क का एक व्यावहारिक पेपर है जो कोकबरॉक की आठ बोलियों पर सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं और तुलनात्मक अध्ययन का अध्ययन करने के लिए तैयार किया गया है। केंद्र वर्ष 2013 से "खेरंगबार" नामक एक पत्रिका प्रकाशित करता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स के पास आउट छात्र वर्तमान में एमए (कोकबरॉक) में प्रवेश ले रहे हैं, वे त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के सरकारी डिग्री कॉलेजों और राज्य के स्कूलों में अतिथि शिक्षक के रूप में पढ़ा रहे हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
श्रीमती खुमतिया देबबर्मा	एमए-हिंदी, स्लेट	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	प्रेमचंद/कोकबरॉक साहित्य	19 साल 8 महीने	-	-	-	-	-	-
डॉ. समीर देबबर्मा	एमए-भाषाविज्ञान, यूजीसी-नेट, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	तिब्बती-बर्मी भाषाएँ, भाषा प्रलेखन, कोकबरॉक भाषाविज्ञान	9 साल 10 महीने	-	-	-	-	-	-

संगीत और ललित कला संकाय

ललित कला विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. राजेश भौमिक
स्थापना वर्ष : 2009
प्रस्तावित कार्यक्रम : पेंटिंग में एम.एफ.ए., मूर्तिकला में एम.एफ.ए और पी.एच.डी.
प्रवेश क्षमता : 26 (छब्बीस)

विभाग का विजन: कलात्मक उत्कृष्टता के एक अग्रणी केंद्र के रूप में उभारना जो रचनात्मकता, नवाचार और सांस्कृतिक मूल्यों का पोषण करे, कलाकारों और विद्वानों को बढ़ावा दे, जो विरासत को संरक्षित करे, समकालीन प्रथाओं को अपनाये और समाज और वैश्विक कला समुदाय में सार्थक योगदान प्रदान करे।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित किया	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो. राजेश भौमिक	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	पूर्वोत्तर की कला और शिल्प	22	04	08	55	-	-	-
डॉ. सुब्रत डे	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	भारतीय समकालीन कला	14	-	04	65	-	-	-
श्री मुकुलेंदु पाठक	नेट, मूर्तिकला में एमएफए	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	-	14	-	-	-	-	-	-
श्री शिशिर थापा	नेट, मूर्तिकला में एमएफए	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	-	08	-	-	-	-	-	-
श्री नीलकांत दास	कला के इतिहास में नेट	अतिथि संकाय	अतिथि संकाय	लोक कला	03	-	-	-	-	-	-

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता :

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
श्री रमाकांत जी	शोधार्थी	2	1	हाँ

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशालाओं आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. राजेश भौमिक	धलाई, त्रिपुरा	27 नवंबर 2024	जवाहर नवोदय विद्यालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, धलाई, त्रिपुरा	कला शिक्षा में संभावनाएँ और चुनौतियाँ

प्रो. राजेश भौमिक	बिलासपुर, छत्तीसगढ़	23 जनवरी 2025	शिक्षा विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान प्रणाली के एकीकरण पर रिफ्रेशर कोर्स में 'पूर्वोत्तर क्षेत्र के पारंपरिक कला रूप' (गूगल मीट के माध्यम से)
प्रो. राजेश भौमिक	बिलासपुर, छत्तीसगढ़	13-14 फरवरी 2025,	शिक्षा विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	टेक्सटाइल कार्टोग्राफी और कला और संस्कृति के अन्य रूपों *के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन* पर मुख्य वक्ता (Mschtt-2025)
प्रो. राजेश भौमिक	असम विश्वविद्यालय सिलचर	10 अप्रैल 2025,	असम विश्वविद्यालय, सिलचर	पूर्वोत्तर भारत की पांडुलिपि पेंटिंग (गूगल मीट के माध्यम से) भारतीय समाज पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम परिवर्तन में संस्कृति और परंपरा: 21वीं सदी के संदर्भ में चुनौतियां"

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/ थीसिस प्रस्तुत/ सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक / पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित
सुश्री अस्मिता आलम शम्मी	पूर्णकालिक	बांग्लादेश प्रिंट मेकिंग का इतिहास	डॉ. सुब्रत डे	कोर्सवर्क आरंभ
श्री ए. कोदंड राव	पूर्णकालिक	नागालैंड के कोन्याक नागा समुदाय के धातु शिल्प	प्रो. राजेश भौमिक	कोर्सवर्क आरंभ
सुश्री फरहाना फिरदौसी	पूर्णकालिक	बांग्लादेश के कृषि फाइबर आधारित शिल्प	प्रो. राजेश भौमिक	कोर्सवर्क आरंभ
सुश्री नमीरा फरजाना	पूर्णकालिक	बांग्लादेश की मिट्टी से बनी पारंपरिक रंगीन वस्तुएं	प्रो. राजेश भौमिक	कोर्सवर्क आरंभ

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ:

5.1 व्यावसायिक/विद्वत समितियों में सदस्यता:

संकाय/विद्वान का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो. राजेश भौमिक	नॉर्थ-ईस्ट एसोसिएशन ऑफ विजुअल आर्ट एजुकेटर्स (NEAVAE)	सचिव और संस्थापक सदस्य,
डॉ. सुब्रत डे	नॉर्थ-ईस्ट एसोसिएशन ऑफ विजुअल आर्ट एजुकेटर्स (NEAVAE)	सदस्य

5.2 अभिमुखीकरण/पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता:

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
प्रो. राजेश भौमिक	-	एनआईटी, जिरानिया, त्रिपुरा	7 (सात) दिन	-

6. शिक्षण प्रयोगशाला/अनुसंधान प्रयोगशाला:

प्रयोगशाला/स्टूडियो की संख्या (ए+बी)	शिक्षण प्रयोगशाला की संख्या (क)	अनुसंधान प्रयोगशाला की संख्या (बी) (प्रोजेक्ट फंडिंग के साथ बिल्ड अप)
05	05	शून्य

संगीत विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. उत्पल बिस्वास
स्थापना वर्ष : 2009
प्रस्तावित कार्यक्रम : 1. संगीत में एमए - गायन
2. संगीत में एमए - नृत्य
3. संगीत में पीएचडी
सेवन क्षमता : कुल = 40 (25 गायन, 15 कथक नृत्य), पीएचडी = 14

विभाग का विजन :

छात्रों को स्वदेशी दृष्टिकोण पर सचेत ध्यान देने में सक्षम बनाने वाले अकादमिक और कलात्मक उत्कृष्टता और अभिनव दृष्टिकोण के वातावरण को संरक्षित करना। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के भीतर मानवीय मूल्यों, प्रेम, करुणा और समभाव को उजागर करने और छात्रों के समग्र विकास के लिए संगीत कला के शिक्षण और प्रशिक्षण और सीखने की खोज के उच्च मानकों को विकसित करना है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित किया	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. उत्पल बिस्वास	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	नियमित पूर्णकालिक	गायन	15 वर्ष	-	-	-	-	-	-
डॉ. रबीन्द्र भराली	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	नियमित पूर्णकालिक	गायन	19 वर्ष	-	-	-	-	-	-
डॉ. अजयकुमार मछिंद्रनाथ सवने	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	नियमित पूर्णकालिक	भारतीय शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, भारतीय समकालीन नृत्य	13 वर्ष	-	-	-	-	-	-
डॉ. देवज्योति लश्कर	पीएच.डी.	अतिथि संकाय (कथक नृत्य)	अतिथि	कथक नृत्य	10	-	-	-	-	-	-
संपा राय	नेट	अतिथि संकाय (गायन)	अतिथि	गायन	10	-	-	-	-	-	-

2. पेटेंट/ कॉपीराइट के लिए लागू/ अनुदानित:

नाम	पेटेंट का शीर्षक	लागू/प्रदान किया गया	पेटेंट नं.	तिथि (लागू/दी गई) (डीडी/एमएम/वाईवाई)	लाइसेंस प्राप्त है या नहीं
1. डॉ. जयंत सरकार 2. डॉ. रवींद्र भराली 3. डॉ. अनिल राय	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्ट्रिंग वाद्ययंत्र	प्रदत्त	डिजाइन नंबर 435221-001	22/10/2024	हाँ

3. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/ थीसिस प्रस्तुत/ सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित
शौनक रॉय	अंशकालिक	रवींद्रनाथ टैगोर की संगीत रचनाओं में रागों के अनुप्रयोगों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।	डॉ. उत्पल बिस्वास	पंजीकृत
पहेली गोप	अंशकालिक	भारतीय सिनेमा संगीत में सचिन देव बर्मन का योगदान	डॉ. उत्पल बिस्वास	सम्मानित
श्रुति रॉय चौधरी	पूर्णकालिक	आधुनिक काल में समाज और साहित्य पर इसके प्रभाव के परिप्रेक्ष्य के साथ पश्चिम बंगाल के झूमुर संगीत का विकासवादी विश्लेषण	डॉ. उत्पल बिस्वास	शोधप्रबंध जमा
मुमताज देबबर्मा	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क पूर्ण	डॉ. अजयकुमार मछिंद्रनाथ सवाने	पंजीकृत
हेमंत देबबर्मा	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क पूर्ण	डॉ. अजयकुमार मछिंद्रनाथ सवाने	पंजीकृत
बिप्लब आचार्जी	अंशकालिक	कोर्सवर्क पूर्ण	डॉ. रबीन्द्र भराली	पंजीकृत
सौम्यदीप भट्टाचार्जी	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क पूर्ण	डॉ. रबीन्द्र भराली	पंजीकृत

4. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ:

4.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता :

क्रम संख्या	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	17-03-2025 से 21-03-2025 तक	5 दिन	भारतीय शास्त्रीय संगीत में ध्वनिकी के आयामों पर एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन	कार्यशालाओं	राष्ट्रीय	70
2	27-06-2025	1 दिन	प्रतिज्ञा	सम्मेलन	राष्ट्रीय	147
3	02-09-25 से 05-09-2025	3 दिन	कला धरोहर	कार्यशाला	राष्ट्रीय	115

प्रदर्शन कला विभाग

विभाग के प्रमुख : डॉ. उत्पल बिस्वास
स्थापना का वर्ष : 2019

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/विजन:
वर्ष 2019 में प्रदर्शन कला विभाग (नाटक) आरंभ किया गया था। इस विभाग की कक्षाएं 18 अगस्त 2019 को शुरू की गई थीं। इस अवधि के दौरान इस विभाग की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं:
छात्रों द्वारा हमारे समाज संबंधित विभिन्न जागरूकता के मुद्दों पर कई नाटकों का प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा, प्रसिद्ध नाटक कलाकार ने त्रिपुरा के बाहर से विजिटिंग फेलो के रूप में हमारे विभाग का भ्रमण किया। आमंत्रित अतिथियों में एक यूएसए से आये और हमारे छात्रों को प्रेरक व्याख्यान दिया।
हमारा भविष्य का दृष्टिकोण पूरे भारत में हमारे विभाग को सर्वश्रेष्ठ नाटकीय केंद्र में से एक के रूप में स्थापित करना है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि / अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/शोध/कार्य अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित किया	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. उत्पल बिस्वास	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	अतिरिक्त कर्तव्य	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत, उत्तर पूर्व भारत का संगीत	20	-	-	-	-	-	-

सामाजिक विज्ञान संकाय

पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति विभाग

विभाग प्रमुख : सुश्री ज्योत्ना रानी खुंद्रकपम
स्थापना वर्ष : 2019
प्रस्तावित कार्यक्रम : पीजी, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : पीजी के लिए 33 और पीएचडी के लिए 6

विभाग का दृष्टिकोण: त्रिपुरा राज्य और पूर्वोत्तर भारत में पुरातात्विक भौतिक संस्कृति का पता लगाने में योगदान देना और इस क्षेत्र के प्राचीन इतिहास के पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देना, जिसका अभी भी अन्वेषण नहीं किया गया है।

प्रमुख उपलब्धियां: प्रयोगशाला उपकरणों का प्रारंभिक सेट-अप किया गया है। हालाँकि, हम अभी भी पेट्रोलॉजी और खनन विज्ञान के लिए एक पूर्ण, कार्यात्मक प्रयोगशाला स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। विभाग के संकाय ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों, सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में पुस्तकें, पुस्तक अध्याय और लेख प्रकाशित किए हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि / अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
सुश्री ज्योत्सनारानी खुंद्रकपम	एमए	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	भारतीय प्रोटो इतिहास, सिरेमिक अध्ययन	1वर्ष 4 माह	00	0	00	00	4	-
डॉ. अशोक कुमार सिन्हा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	प्राचीन भारतीय संस्कृति	1 वर्ष 3 माह	00	2	00	00	-	-
डॉ. पंकज सिंह	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	पुरातत्व, पुरातत्व, नृवंशविज्ञान विज्ञान।	1 वर्ष 4 माह	00	2	00	00	102	3
डॉ. पलास कुमार साहा	एमफिल और पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	प्राचीन भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास, कला और धर्म इतिहास	1 वर्ष 3 माह	00	2	00	00	4	2

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता :

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी /शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. पलास कुमार साहा	शिक्षक	1	2	0
सुश्री ज्योत्सनारानी खुंद्रकपम	शिक्षक	1	3	0
डॉ. अशोक कुमार सिन्हा	शिक्षक	0	2	0
डॉ. पंकज सिंह	शिक्षक	1	2	0

शौनक कुमार	शोधार्थी	0	2	0
देबांजन मित्रा	शोधार्थी	1	1	0
कविता यादव	शोधार्थी	0	1	0
रेगी कीशिंग	शोधार्थी	0	1	0
प्रसेनजीत बर्मन	शोधार्थी	0	2	0
सुब्रत नंदी	शोधार्थी	0	2	0
ट्रेसी थरज़ाली मोल्सम	विद्यार्थी	0	1	0
सुमंत नंदी	विद्यार्थी	0	1	0
प्रिया नाथ	विद्यार्थी	0	1	0
लिसा देबबर्मा	विद्यार्थी	0	1	0
पल्लब कांति मालाकार	विद्यार्थी	0	1	0
ट्रेसी थरज़ाली मोल्सम	विद्यार्थी	0	1	0
शिवानी रांखल	विद्यार्थी	0	1	0
सुष्मिता देब	विद्यार्थी	0	1	0

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. पलास कुमार साहा	तमिलनाडु	14/08/2024	इतिहास विभाग, जयराम कला और विज्ञान कॉलेज, करूर, तमिलनाडु	अतीत का अन्वेषण: पुरातत्व का उद्देश्य और संभावना
डॉ. पलास कुमार साहा	पश्चिम बंगाल	19/09/2024	आईक्यूएसी और आईडीएएन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, पंस्कुरा, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित	एनईपी 2020 के तहत समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का कार्यान्वयन: तैयारी, चुनौतियां और नवाचार
डॉ. पलास कुमार साहा	पश्चिम बंगाल	20-21/12/2024	कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज और नेताजी नगर कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया	एआई के बहु-विषयक पहलू" (हाइब्रिड मोड)
डॉ. पलास कुमार साहा	तमिलनाडु	6-7/03/2025	जयराम आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, करूर, तमिलनाडु।	भाषा, साहित्य और संस्कृति में समकालीन रुझान
डॉ. पलास कुमार साहा	त्रिपुरा	21-22/03/2025	संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)	त्रिपुरा में बौद्ध कला और संस्कृति: प्राचीन भारतीय स्वदेशी परंपराओं का संगम
डॉ. पलास कुमार साहा	त्रिपुरा	05/04/2025	एसएचओडीएच, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय समिति द्वारा आयोजित	एक शोध लेख की संरचना: सर्वोत्तम अभ्यास और सामान्य गलतियाँ
डॉ. पलास कुमार साहा	असम	29/04/2025	बोंगाईगांव बी.एड. ईस्टर्न डुवर्स बी.एड. कॉलेज, पश्चिम बंगाल के सहयोग से कॉलेज असम	गुरुकुल से वैश्विक कक्षाओं तक: भारत की शिक्षा प्रणाली के विकास और समकालीन सामाजिक चुनौतियों के प्रति इसकी प्रतिक्रिया का पता लगाना
सुश्री ज्योत्सना रानी खुंद्रकपम	त्रिपुरा	21-22/03/2025	संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)	हड़प्पा विरासत की एक विचारशील खोज, विशेष रूप से धर्म के संबंध में

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त(अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
प्रसेनजीत बर्मन	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क जारी	डॉ. पलास कुमार साहा	पंजीकृत
कविता यादव	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क जारी	डॉ. पलास कुमार साहा	पंजीकृत

देबांजन मित्रा	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क जारी	डॉ. पंकज सिंह	पंजीकृत
रेगी कीशिंग	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क जारी	डॉ. पंकज सिंह	पंजीकृत
सौनक कुमार	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क जारी	डॉ. अशोक कुमार सिन्हा	पंजीकृत
सुब्रत नंदी	अंशकालिक	कोर्सवर्क जारी	डॉ. अशोक कुमार सिन्हा	पंजीकृत

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. पंकज सिंह	आर्टिफैक्चुअल आर्कियोलॉजिकल साइंसेज सोसाइटी (एएएसएस)	आजीवन
सुश्री ज्योत्सनारानी खुंद्रकपम	दक्षिण एशियाई पुरातत्व सोसायटी (एसओएसएए)	आजीवन
डॉ. पलास कुमार साहा	द मिरर, जर्नल ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री, सिनामारा कॉलेज, जोरहाट, असम	एसोसिएट एडिटर
डॉ. पलास कुमार साहा	अमित्रक्षर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड ट्रांसडिसिप्लिनरी रिसर्च (एआईजेआईटीआर), (ए सोशल साइंस, साइंस एंड इंडियन नॉलेज सिस्टम्स पर्सपेक्टिव) ओपन-एक्सेस, पीयर-रिव्यूड, रेफरीड, द्वि-मासिक, इंटरनेशनल ई-जर्नल	संपादकीय बोर्ड के सदस्य
डॉ. पलास कुमार साहा	एनईपी सारथी त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) के समन्वयक	समन्वयक

5.2 अभिमुखीकरण/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में सहभागिता	स्थान	अवधि	दिनांक
ज्योत्ना रानी खुंद्रकपम	एफआईपी	रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	28	16/12/2024-14/01/2025
डॉ. पलास कुमार साहा	एफआईपी	रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	28	16/12/2024-14/01/2025
डॉ. पंकज सिंह	एफआईपी	मानु, हैदराबाद	28	18/11/2024-14/12/2024
डॉ. अशोक कुमार सिन्हा	एफआईपी	मानु, हैदराबाद	28	18/11/2024-14/12/2024

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र : पुरातत्व विज्ञान और नृवंशविज्ञान विज्ञान, सिरेमिक अध्ययन, प्राचीन संस्कृति, कला और वास्तुकला, बौद्ध अध्ययन

7. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थी :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/एसटी/एससी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/ मॉइन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन का नाम/ संस्था	परीक्षा का नाम (नेट / एसएलईटी / गेट / सीएटी / एसएससी / यूपीएससी / टीपीएससी / अन्य / एसडब्ल्यूटी * / एसडब्ल्यूओ **
प्रसेनजीत बर्मन	पु.	अनुसूचित जाति	नहीं	यूजीसी	नेट/जेआरएफ/डब्ल्यूबीएसईटी

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी ;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी ।

अर्थशास्त्र विभाग

विभाग प्रमुख	:	प्रो. शुभ्रबरन दास
स्थापना वर्ष	:	1978
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	पीएचडी, एमए/एमएससी और आईएमडी
प्रवेश क्षमता	:	एमए/एमएससी- 40 और आईएमडी - 15

विभाग का विजन: अनुसंधान कार्य में प्रभावी योगदान और कौशल आधारित आउटरीच शिक्षण और अधिगम के माध्यम से शिक्षा प्रदान करना।

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एसएपी (डीआरएस-आई) प्राप्त करने वाला विश्वविद्यालय का पहला विभाग है और विभाग ने एसएपी (डीआरएस-II) को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। विभाग के संकाय सामाजिक क्षेत्र, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, लिंग मुद्दों, व्यापार, वित्तीय अर्थशास्त्र, औद्योगिक अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र आदि जैसे विविध अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। विभाग कौशल आधारित आउटरीच शिक्षण और अधिगम के कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा प्रदान करता है जो छात्रों को कुशलतापूर्वक राष्ट्र की सेवा करने में सहयोग करेगा। शिक्षण और सीखने की गतिविधियों के अलावा, विभाग विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम जैसे सेमिनार, कार्यशाला और विशेष आमंत्रित व्याख्यान आदि का आयोजन करता है। इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभाग 17-21 फरवरी, 2025 के दौरान भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और नीति संघ (आईएचईपीए) के सहयोग से स्वास्थ्य अर्थशास्त्र पर कार्यशाला आयोजित करता है। इस कार्यशाला में, राज्यों के विभिन्न संस्थानों से 37 छात्रों और शोध विद्वानों ने भाग लिया और देश भर के स्वास्थ्य अर्थशास्त्रियों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने संसाधकों के रूप में भाग लिया। इस कार्यशाला में आईएचईपीए के अध्यक्ष प्रो. उदय शंकर मिश्रा, जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रो. सुशील हलदर, मुंबई विश्वविद्यालय के प्राध्यापक सुब्रत मुखर्जी, असम के केके हांडिक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, असम के जयदीप बरुआ, इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ के डॉ. विलियम जो, एम.एस. रमैया विश्वविद्यालय की डॉ. मोनालिशा चक्रवर्ती ने बाह्य संसाधकों के रूप में भाग लिया। इसके अलावा, अर्थशास्त्र विभाग प्रमुख प्रो. शुभ्रबरण दास और कार्यशाला के समन्वयक प्रो. सलीम शाह ने भी कार्यशाला के संसाधकों के रूप में भाग लिया। त्रिपुरा मेडिकल कॉलेज के सीईओ श्री स्वपन साहा (सेवानिवृत्त आईएएस) और डॉ. बी.आर. अम्बेडकर मेमोरियल टीचिंग हॉस्पिटल ने समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

विभाग ने 19 फरवरी, 2025 को 'केंद्रीय बजट: 2025' शीर्षक से एक बजट चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया। दो प्रतिष्ठित वक्ताओं जैसे जादवपुर विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक और प्रमुख प्रो. अजिताभ रॉयचौधरी और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संस्थान, कोलकाता के निदेशक डॉ. धनपत राम अग्रवाल ने इस गरिमामयी सभा में अपने व्याख्यान पर विचार-विमर्श किया।

विभाग ने 24 फरवरी, 2025 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से आर्थिक विकास में लैंगिक मुख्यधारा पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। तीन प्रतिष्ठित वक्ताओं जैसे आईआईटी, गुवाहाटी में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के प्राध्यापक प्रो. राश्री बेदामट्टा, जादवपुर विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग प्रमुख प्रो. अमित कुंडू और पश्चिम बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक चंद्रलेखा घोष ने लैंगिक मुख्यधारा और आर्थिक विकास पर इसकी भूमिका के पहलू पर अपने बहुमूल्य व्याख्यान दिए। विभाग के संकाय योजना और सांख्यिकी विभाग, जनजातीय कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार, एसआईपीएआरडी, त्रिपुरा सरकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, भारत सरकार, अनुसंधान सूचना प्रणाली, नई दिल्ली, कट्स इंटरनेशनल आदि जैसे विभिन्न संगठनों के साथ सहयोगात्मक कार्यों से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। संकाय देश के अन्य शैक्षणिक संस्थानों/विश्वविद्यालयों के विभिन्न शैक्षिक निकायों में भी संबद्ध हैं। शिक्षा के अलावा विभाग के विद्यार्थी विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में लगे हुए हैं। छात्रों और शिक्षकों ने संस्थागत दौरे के एक भाग के रूप में लेम्बुचेरा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और कॉलेज ऑफ फिशरीज लेम्बुचेरा का दौरा किया। वे देश भर में विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं और खेल कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। विभाग ने जनवरी माह के पहले रविवार को पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन का आयोजन किया और डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स एलुमनी एसोसिएशन (डीईएए) नामक एक एसोसिएशन का गठन किया जो पंजीकरण प्रक्रिया के तहत है। भारत सरकार ने त्रिपुरा राज्य के लिए 16 वें वित्त आयोग की रिपोर्ट तैयार करने के लिए अर्थशास्त्र विभाग को सौंपा है। विभाग ने 'त्रिपुरा राज्य के लिए वित्त का मूल्यांकन' रिपोर्ट तैयार की है और इसे सोलहवें वित्त आयोग, भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया है। विभाग की खुशी है कि पूर्व विभागाध्यक्ष के साथ-साथ त्रिपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अरुणोदय साहा को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा 2025 में पद्मश्री पुरस्कार से प्रदत्त है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
आशीष नाथ	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और क्षेत्रीय अर्थशास्त्र	31	05	01	05	-	11	2
पारमिता साहा	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	जनसंख्या अध्ययन, सामाजिक क्षेत्रमुद्दे और लिंग	35	02	06	03	-	33	3
जहर देबबर्मा	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कृषि अर्थशास्त्र, रूरल देव, एनई इंडिया	29	02	06	04	-	-	-
इंद्रनील भौमिक	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कृषि अर्थशास्त्र, श्रम अर्थशास्त्र, एनई इंडिया	23	0	1	5	0	179	8
शुभ्रबरण दास	पीएच.डी., एम. फिल	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सार्वजनिक वित्त, उन्नत अर्थमिति,	22	0	07	04	-	143	7
सलीम शाह	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	गरीबी और स्वास्थ्य अर्थशास्त्र	21	04	04	06	-	36	3
संजीब कुमार माझी	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कृषि अर्थशास्त्र, अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र	17	शून्य	03	06	-	-	-
दिलीप कुमार राणा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	विकास अर्थशास्त्र, अर्थमितीय विश्लेषण	20	01	03	-	5	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी /शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
शुभ्रबरण दास	प्राध्यापक	-	3	2
आरिफुल हक	पीएच.डी. शोधार्थी	-	2	-
सुकांति रॉय	पीएच.डी. शोधार्थी	-	3	-
समर दास	पीएच.डी. शोधार्थी	-	2	-
शेखरन दास	पीएच.डी. शोधार्थी	-	3	-
किरण भौमिक	पीएच.डी. शोधार्थी	-	1	-
अलीम्पिया दास	पीएच.डी. शोधार्थी	-	1	-

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दिए गए आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
पारमिता साहा	ऑनलाइन	4 फरवरी, 2025	इम्प्रा, इम्पैक्ट एंड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली।	लैंगिक सामाजिक समावेशन और केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा में पैनलिस्ट
इंद्रनील भौमिक	अगरतला	जून 2025	5वां सीआईआई त्रिपुरा अनानास महोत्सव	त्रिपुरा की अनानास क्षमता का अन्वेषण: अनुसंधान, वित्त और किसानों से जुड़ने की आवश्यकता (अध्यक्ष के रूप में टिप्पणियाँ)

	अगरतला	अप्रैल 2025	त्रिपुरा रवींद्र प्रसाद	*बोर्तोमन सोमोये जुध्यार अबोहो ओ बिस्वा ऑर्थोनिती* (बांग्ला में)
	सिलचर	मार्च 2025	असम विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 25वां वार्षिक एनईए सम्मेलन आयोजित किया गया	भू-राजनीति, एक्ट ईस्ट नीति का भविष्य और पूर्वोत्तर भारत का विकास (पैनलिस्ट)
	शिलांग	मार्च 2025	अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या कोर्स, यूजीसी-एमएमटीटीसी, एनईएचयू,	प्रवासन पर
	शिलांग	मार्च 2025	अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या कोर्स, यूजीसी-एमएमटीटीसी, एनईएचयू,	'भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में शहरीकरण
	अगरतला	फरवरी, 2025	टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी- त्रिपुरा	केंद्रीय बजट 2025-26
	ऑनलाइन	फरवरी, 2025	सामाजिक विज्ञान में अंतर-अनुशासनात्मक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, यूजीसी- एमएमटीटीसी, मणिपुर विश्वविद्यालय	'केंद्रीय बजट 2025-26: एक अन्वेषण
	बैंगलोर	जनवरी 2025	आईएसईसी, बैंगलोर में आईएसएलई का 65वां वार्षिक सम्मेलन	'त्रिपुरा में रबर उत्पादकों की उभरती गतिशीलता की जांच
	गुवाहाटी	दिसंबर 2024	पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए एनईपी 2020 की चुनौतियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला, केकेएचएसओयू	'नामांकन बढ़ाने और समानता और पहुंच सुनिश्चित करने के मुद्दों पर
	बेलोनिया	नवंबर, 2024	ईश्वर चंद्र विद्यासागर कॉलेज, बेलोनिया, दक्षिण त्रिपुरा	कल के पेशेवरों को सशक्त बनाने पर
	सबरूम	नवंबर 2024	लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया	'पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वार के रूप में सबरूम: भारत-बांग्लादेश व्यापार और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना (पैनलिस्ट)
	ऑनलाइन	अक्टूबर, 2024	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, भारतीयार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर	'बहु-विषयक दृष्टिकोण और कौशल संवर्धन पर
	गुवाहाटी	अक्टूबर 2024	पूर्वोत्तर भारत की अर्थव्यवस्था पर संगोष्ठी: आगे की राह, ओकेडीआईएसीडी	शहरीकरण, प्रवासन और बुनियादी ढांचे का विकास (पैनलिस्ट)
	सूर्यमणिनगर	सितंबर 2024	अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	'एक्ट ईस्ट पॉलिसी एंड द एनईआर इकोनॉमी- ए रिव्यू
	अगरतला	सितंबर 2024	उन्नत अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी त्रिपुरा	'डेटा विश्लेषण
	कोलकाता	सितंबर 2024	राष्ट्रीय संगोष्ठी महिला कॉलेज, कोलकाता और बंगीय अर्थशास्त्र परिषद	'भारतीय अर्थव्यवस्था पर पुनर्विलोकन: विकास, असमानता और रोजगार- पूर्वोत्तर क्षेत्र का परिप्रेक्ष्य
	बालासोर	जुलाई 2025	फकीर मोहन विश्वविद्यालय	*केंद्रीय बजट 2024-25 पर राष्ट्रीय बहस: एक विश्लेषण (पैनलिस्ट)*
शुभ्रबरण दास	अगरतला	16 जून 2025	ओएनजीसी, अगरतला	निवेशक शिक्षा और संरक्षण कार्यशाला में 'इंजीनियरिंग वित्तीय क्षेत्र का लचीलापन और विकास: निवेशक शिक्षा महत्वपूर्ण है'
	अगरतला	फ़रवरी 17, 2025	अर्थशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	घरेलू उत्पादन मॉडल और स्वास्थ्य देखभाल का अनुमान
	अगरतला	सितम्बर 19, 2024	लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, भारत सरकार	"कार्यस्थल उत्पीड़न शिकायतों के प्रभावी संचालन और निवारण: गोपनीयता, तटस्थता और उचित प्रक्रिया को संतुलित करना" पर एक पैनलिस्ट के रूप में व्याख्यान दिया

	मिदनापुर, पश्चिम बंगाल	28-29 नवंबर, 2024	विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर (पश्चिम), पश्चिम बंगाल	आईसीएसएसआर-ईआरसी में "विवाहित महिलाओं के सशक्तिकरण की स्थिति: एक भारतीय राज्य त्रिपुरा में प्रमुख जनजातियों पर एक अध्ययन" पर आमंत्रित व्याख्यान प्रायोजित "सतत क्षेत्रीय विकास: मुद्दे और रास्ते" पर 55वां क्षेत्रीय विज्ञान संघ सम्मेलन, 2024
	नई दिल्ली	4 जून 2025	आरआईएस, नई दिल्ली	"ग्लोबल साउथ एंड त्रिकोणीय सहयोग: इमर्जिंग पैसेट्स" विषय पर सम्मेलन में सॉल्यूशंस हब-II: पूर्वोत्तर के विकास के लिए नेत्रा के साथ जुड़ाव में पैनलिस्ट के रूप में व्याख्यान देना
	वाराणसी, असम	मार्च 4, 2025	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	टीआईईएस के 59वें वार्षिक सम्मेलन में "भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग के प्रदर्शन पर उत्पाद पेटेंट का प्रभाव: एक फर्म-स्तरीय विश्लेषण"
आशीष नाथ	उदयपुर, त्रिपुरा	14 फरवरी 2025	वाणिज्य और अर्थशास्त्र विभाग, नेताजी सुभाष महाविद्यालय, त्रिपुरा	सरकारी बजट 2025-26: आम आदमी पर इसका प्रभाव
	सिपार्ड, त्रिपुरा	21 जनवरी 2025	राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर) एनईआरसी	कौशल विकास: कौशल और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना
	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	2 और 6 दिसंबर 2024	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	अनुसंधान, व्यावसायिक विकास और अकादमिक नेतृत्व
	असम राइफल्स, अगरतला	30 नवंबर 2024	मुख्यालय 21 सेक्टर, असम राइफल्स	इंडिया एंड नेबरहुड कॉन्क्लेव-2024
सलीम शाह	अगरतला	18/19/20 सितंबर, 2024	ईडीसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	उद्यमिता और अर्थव्यवस्था: बुनियादी अवधारणाएं, सामाजिक जागरूकता और आर्थिक प्रभाव
	अगरतला	11-15/18-22/25-29, नवंबर, 2024	ईडीसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में उद्यमिता विकास कार्यक्रम	ईडीपी फोकस और उद्यमिता की मूल बातें
	ऑनलाइन	5 दिसंबर, 2024	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइज़ोल	राज्य के वित्त के स्वास्थ्य की जांच
	नई दिल्ली	22 से 23 जनवरी, 2025	भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और नीति संघ (आईएचईपीए) द्वारा इंस्टीट्यूशन ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ (आईईजी) के सहयोग से "स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और नीति में नए प्रतिमान" पर आईएचईपीए का 12 वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया	राज्य से बाहर स्वास्थ्य देखभाल विकल्प: अगरतला, त्रिपुरा के रोगियों के लिए एक गुणात्मक अध्ययन
	अगरतला	17 से 21 फरवरी, 2025	आईएचईपीए विंटर स्कूल ऑन हेल्थ इकोनॉमिक्स, 2024-25, अर्थशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और नीति संघ (आईएचईपीए) के सहयोग से	पाठ्य विश्लेषण पर ध्यान देने के साथ स्वास्थ्य अर्थशास्त्र अनुसंधान में गुणात्मक दृष्टिकोण
	ऑनलाइन	21 फरवरी, 2025	अर्थशास्त्र विभाग, कलिंग विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़	केंद्रीय बजट 2025-26 पर ध्यान देने के साथ राज्य की वित्तीय स्थिति
	ऑनलाइन	1 अगस्त, 2025	ईडीसी उत्तरी त्रिपुरा जिला पॉलिटेक्निक, त्रिपुरा सरकार	उद्यमिता विकास: रणनीतियाँ और महत्वपूर्ण क्षेत्र

संजीब कुमार माझी	ओडिशा	6 और 7 जनवरी 2025	फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर, ओडिशा	आधुनिकीकरण, सामाजिक परिवर्तन और विकास: विशिष्ट भारत-2047 के लिए एक रास्ता
	ईडीसी त्रिपुरा विश्वविद्यालय	13 और 20 नवंबर 2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, अगरतला	मानव संसाधन योजना और प्रबंधन

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
सलीना अख्तर	पूर्णकालिक	-	परमिता साहा	कोर्सवर्क पूरा हुआ
आरिफुल हक	पूर्णकालिक	भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग के प्रदर्शन पर उत्पाद पेटेंट का प्रभाव	शुभ्रबरण दास	पंजीकृत
सुकांति रॉय	पूर्णकालिक	महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास की भूमिका: त्रिपुरा में जनजातीय विवाहित महिलाओं पर एक केस स्टडी	शुभ्रबरण दास	पंजीकृत
किरण भौमिक	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में जनजातीय कृषि किसानों की आजीविका पर फसल पैटर्न और कृषि उत्पादकता में बदलाव का प्रभाव	शुभ्रबरण दास	पंजीकृत
समर दास	पूर्णकालिक	अन्य ब्रिक्स देशों के साथ भारत के व्यापार संबंध: एक तुलनात्मक विश्लेषण	शुभ्रबरण दास	पंजीकृत
शेखरन दास	पूर्णकालिक	प्रस्तावित: असम में प्रमुख बागवानी फसलों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: एक जिला स्तरीय विश्लेषण	शुभ्रबरण दास	पंजीकृत
वकार अहमद	पूर्णकालिक	विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादकता और दक्षता - भारत के चयनित राज्यों का एक अध्ययन	आशीष नाथ	प्रदत्त
मोहम्मद कमरुल इस्लाम	पूर्णकालिक	सार्क देशों के साथ भारत का विदेश व्यापार: साफ्टा से पहले और बाद की अवधि का विश्लेषण	आशीष नाथ	प्रदत्त
किमनीथेम किपजेन	अंशकालिक	मोरेह अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र पर सीमा व्यापार का प्रभाव	आशीष नाथ	पंजीकृत
चंद्रा साहा रॉय	पूर्णकालिक	क्षैतिज असंतुलन और वित्त का हस्तांतरण: पूर्वोत्तर राज्यों के विकास पर विशेष ध्यान देने के साथ भारतीय संघ का एक अध्ययन	सलीम शाह	प्रदत्त
पुबाली दास	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में तृतीयक स्वास्थ्य सेवा: आवश्यकता, मांग और सार्वजनिक हस्तक्षेप का एक अध्ययन	सलीम शाह	पंजीकृत
सिद्दीका बानो	अंशकालिक	मातृ स्वास्थ्य की स्थिति और इसके निर्धारक: असम, भारत राज्य के लिए एक अलग बहुआयामी अध्ययन	सलीम शाह	पंजीकृत
पूनम चंदा	पूर्णकालिक	शहरवासी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन: अगरतला शहर का एक अध्ययन	परमिता साहा	पंजीकृत
मौमिता देब	अंशकालिक	पर्यटन और आर्थिक विकास: भारत और चयनित दक्षिण एशियाई देशों के बीच संबंध	परमिता साहा	पंजीकृत
पंकज कुमार खनाल	अंशकालिक	-	इंद्रनील भौमिक	पंजीकृत
सुमंत देबबर्मा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में शिक्षित बेरोजगारी की समस्या	जहर देबबर्मा	पंजीकृत
सिमंत गोगोई	पूर्णकालिक	असम में ग्रामीण गरीबी पर कृषि विकास का प्रभाव	दिलीप कुमार राणा	प्रदत्त
गार्गी सैकिया	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क में नामांकित (विषय अभी तय नहीं किया गया है)	परमिता साहा	कोर्सवर्क में नामांकित

अलीम्पिया दास	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क में नामांकित (विषय अभी तय नहीं किया गया है)	शुभ्रबरण दास	कोर्सवर्क में नामांकित
जिन्नतुल्लाह अहमद	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क में नामांकित (विषय अभी तय नहीं किया गया है)	सलीम शाह	कोर्सवर्क में नामांकित
हलीराम खेरकटारी	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क में नामांकित (विषय अभी तय नहीं किया गया है)	संजीब कुमार माझी	कोर्सवर्क में नामांकित
आदित्य रियांग	पूर्णकालिक	कोर्सवर्क में नामांकित (विषय अभी तय नहीं किया गया है)	सलीम शाह	कोर्सवर्क में नामांकित
जितेश साहा	अंशकालिक	कोर्सवर्क में नामांकित (विषय अभी तय नहीं किया गया है)	इंद्रनील भौमिक	कोर्सवर्क में नामांकित

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	फरवरी 17-21, 2025	5 दिन		भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और नीति संघ (आईएचईपीए) के सहयोग से स्वास्थ्य अर्थशास्त्र पर कार्यशाला	राष्ट्रीय	37
2	फ़रवरी 24, 2025	1 दिन	आर्थिक विकास में लैंगिक समानता को मुख्यधारा में लाने पर एक दिवसीय संगोष्ठी	प्राध्यापक राजश्री बेदामाटा, आईआईटी गुवाहाटी द्वारा वार्ता, प्राध्यापक अमित कुंडू, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा वार्ता, प्राध्यापक चंद्रलेखा घोष, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय द्वारा वार्ता	राष्ट्रीय	70
3	मार्च 19, 2025		केंद्रीय बजट: 2025	प्रो. अजीताभ राय चौधरी द्वारा वार्ता डॉ. धनपत राम अग्रवाल, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संस्थान द्वारा बातचीत	विश्वविद्यालय स्तर	70

5.2 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो. शुभ्रबरण दास	द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (TIES)	कार्यकारी सदस्य, टीआईईएस और आजीवन सदस्य
	नॉर्थ ईस्ट इकोनॉमिक एसोसिएशन (एनईईए)	आजीवन सदस्य
प्रो. आशीषनाथ	भारतीय आर्थिक संघ	आजीवन सदस्य
	नॉर्थ ईस्टर्न इकोनॉमिक एसोसिएशन	नॉर्थ ईस्टर्न इकोनॉमिक एसोसिएशन
प्रो. इंद्रनील भौमिक	इंडियन सोसाइटी ऑफ श्रम अर्थशास्त्र नॉमिक्स	आजीवन सदस्य
	नॉर्थ ईस्टर्न इकोनॉमिक एसोसिएशन	आजीवन सदस्य और सचिव (2 कार्यकाल)
	इकोनॉमिक साइंसेज सोसाइटी ऑफ त्रिपुरा	आजीवन सदस्य
प्रो. सलीम शाह	नॉर्थ ईस्टर्न इकोनॉमिक एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
	इकोनॉमिक साइंसेज सोसाइटी ऑफ त्रिपुरा	आजीवन सदस्य
	इंडियन हेल्थ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी एसोसिएशन	संयुक्त सचिव
	द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (TIES)	आजीवन सदस्य
डॉ. दिलीप कुमार राणा	भारतीय आर्थिक संघ	आजीवन सदस्य
	नॉर्थ ईस्टर्न इकोनॉमिक एसोसिएशन	
	द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (TIES)	
	भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन	
	इंडियन एसोसिएशन ऑफ हिल फार्मिंग	
प्रो. पारमिता साहा	नॉर्थ ईस्टर्न इकोनॉमिक एसोसिएशन	आजीवन सदस्य और सदस्य, कार्यकारी समिति
	इंडियन एसोसिएशन ऑफ वीमेन स्टडीज	आजीवन सदस्य

6. अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र : त्रिपुरा के विशेष संदर्भ में पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास

7. नई पहल/नवाचार: एनईपी 2020 के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रम की शुरुआत

8. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थी :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/ एसटी/एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन का नाम/ संस्था	परीक्षा का नाम (नेट/ एसएलई / गेट/ सीएटी / एसएससी / यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य / एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ **
समर दास	पुरुष	अनुसूचित जाति		पूर्वोत्तर एसएलईटी आयोग	स्लेट
आदित्या रियांग	महिला	एसटी		यूजीसी	नेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी ;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी ।

9. विभाग को ज्ञात विद्यार्थी के नियोजन का विवरण :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
प्रदीप चौहान	पुरुष	जनरल	नहीं	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा	सहायक प्राध्यापक	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा	साक्षात्कार
निरंजन देबनाथ	पुरुष	ओबीसी	नहीं	एसआरएम विश्वविद्यालय, सिक्किम	सहायक प्राध्यापक	एसआरएम विश्वविद्यालय, सिक्किम	साक्षात्कार
आरिफुल हक	पुरुष	जनरल		पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श महाविद्यालय, एरालीगूल-788723, करीमगंज, असम	सहायक प्राध्यापक	असम सरकार	साक्षात्कार
बनालता सैकिया	महिला	जनरल		गवर्नमेंट विमेन मॉडल कॉलेज, चेंगा, बारपेटा	सहायक प्राध्यापक	असम सरकार	साक्षात्कार
मनुज बरुआ	पुरुष	जनरल		मंडिया आंचलिक कॉलेज, मांडिया, बारपेटा	सहायक प्राध्यापक	असम सरकार	साक्षात्कार
मसूद अहमद	पुरुष	जनरल		केएनबी महिला कॉलेज, बदरपुर, करीमगंज	सहायक प्राध्यापक	असम सरकार	साक्षात्कार
सुशांत देबनाथ	पुरुष	ओबीसी	नहीं	तुलाशीखार राजनगर एचएस स्कूल, खोवर्ष त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
मनदीप सिंघा	पुरुष	ओबीसी	नहीं	चंपकनगर एचएस स्कूल, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
राजेश दत्ता	पुरुष	जनरल	नहीं	तेलियामुरा इंजी. एच.एस स्कूल, खोवाई त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
नारायण दत्ता	पुरुष	जनरल	नहीं	पेचरथल एचएस स्कूल, उनाकोटी त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
प्रसेनजीत देबनाथ	पुरुष	ओबीसी	नहीं	ऋष्यमुख एचएस स्कूल, दक्षिण त्रिपुरा।	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
सुब्रत बिस्वास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	मनु बंकुल एचएस स्कूल, सबरूम, दक्षिण त्रिपुरा।	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
ऋतुपर्णा दत्ता पोद्दार	महिला	जनरल	नहीं	डॉ. बी. आर. अंबेडकर मॉडल एचएस स्कूल, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी

राहुल नाथ	पुरुष	ओबीसी	नहीं	धनसिंह चौधरी मेमोरियल एचएस, स्कूल, उनाकोटी, त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
अन्वेशा मजूमदार साहा	महिला	जनरल	नहीं	संतीरबाजार एचएस स्कूल, दक्षिण त्रिपुरा।	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
प्रियंका बागची	महिला	जनरल	नहीं	मोहनपुर गर्ल्स एच। एस स्कूल, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
दीपक रियांग	पुरुष	एसटी	नहीं	सबरूम इंजी. मेड.एच.एस. स्कूल, दक्षिण त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
श्यामल पॉल	पुरुष	ओबीसी	नहीं	रायश्याबारी एचएस स्कूल, धलाई त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
शिल्पी मजूमदार	महिला	जनरल	नहीं	अमरपुर इंजी. मेड एचएस स्कूल, गोमती त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
कनिका भौमिक	महिला	जनरल	नहीं	मेलाघर इंजी.मेड.एच.एस. स्कूल, सिपाहीजाला, त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
सुसांता पॉल	पुरुष	ओबीसी	नहीं	श्रीनगर एचएस स्कूल, दक्षिण त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
सुष्मिता बेगम	महिला	जनरल	नहीं	सुकांत अकादमी इंजी. मेड एच.एस. स्कूल, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
पूनम पाल	महिला	ओबीसी	नहीं	मोहनपुर एचएस स्कूल, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
भबानी डे	महिला	जनरल	नहीं	बीरचंद्रपुर एचएस स्कूल, खोवाई त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
अनिंदिता नाथ	महिला	ओबीसी	नहीं	मंडई एचएस स्कूल, जिरानिया, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
एम्पुइया दार्लोंग	पुरुष	एसटी	नहीं	टीसीएस अधिकारी, त्रिपुरा सरकार	टीसीएस	त्रिपुरा सरकार	टीसीएस
पिंटू माझी	पुरुष	ओबीसी	नहीं	वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	अतिथि संकाय	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	साक्षात्कार
सुकांति रॉय	महिला	जनरल	नहीं	व्यवसाय प्रबंधन विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	अतिथि संकाय	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	साक्षात्कार
दीपराज चौधरी	पुरुष	जनरल	नहीं	त्रिपुरा उच्च न्यायालय	स्टेनोग्राफर	त्रिपुरा उच्च न्यायालय	चयन परीक्षा
सुकन्या सेन	महिला	जनरल	नहीं	होली क्रॉस कॉलेज	सहायक प्राध्यापक	होली क्रॉस कॉलेज	चयन परीक्षा
प्रदीप देबनाथ	पुरुष	ओबीसी	नहीं	परियोजना निगरानी और डीपीआर निर्माण के लिए मुख्य कार्यकारी		बीएपीसीएल, त्रिपुरा	साक्षात्कार
कौशिक पटारी	पुरुष	ओबीसी	नहीं	त्रिपुरा जलजीवन मिशन	पर्यवेक्षक	जलजीवन मिशन, त्रिपुरा	साक्षात्कार

10. कोई अन्य उपलब्धियां: विभाग ने 17-21 फरवरी, 2025 के दौरान भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और नीति संघ (आईएचईपीए) के सहयोग से स्वास्थ्य अर्थशास्त्र पर कार्यशाला आयोजित की है।

    दो (03) छात्रों ने यूजीसी-नेट पास किया है और एक (01) ने एनई-एसएलईटी (01) पास कर लिया है

    पीजी अंतिम वर्ष के 10 छात्रों (ओ4 गैर-अनुसूचित जनजाति और 06 अनुसूचित जनजाति के छात्रों) के लिए एक्जिम बैंक छात्रवृत्ति (प्रत्येक के लिए 10000 रुपये)

शिक्षा विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. टिंकू डे (गोप)
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : एमए, आईएमडी, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : शिक्षा में एमए में 40

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/विजन:

विश्वविद्यालय के शुरुआती विभाग में से एक होने के नाते, विभाग की उत्कृष्टता की खोज के विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य को पूरा करने के लिए अग्रणी मशाल वाहक होने के लिए इसे एक विशेषाधिकार मानता है। सत्र 2024 - 2025 के दौरान त्रिपुरा विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग ने उत्कृष्टता, नवाचार और प्रभावशाली योगदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों) में कई पत्र प्रकाशित किए हैं और विभिन्न सम्मेलनों में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। सत्र के दौरान अपना पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। उत्तीर्ण छात्रों में से कुछ विभिन्न कॉलेजों में अतिथि संकाय के रूप में शामिल हुए, अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को पहचानते हुए, विभाग ने विभिन्न सामुदायिक सेवाएं करके समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। विभाग का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थी आधारित समग्र शिक्षा का निर्माण करना है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो. टिंकू डे (गोप)	एमए, बीएड, पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	शिक्षक शिक्षा, समकालीन शिक्षा,	उच्च शिक्षा में 21 वर्ष, स्कूली शिक्षा में 7 वर्ष	-	6	17	-	-	-
प्रो. सुभाष सरकार	एमए, बीएड, पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	शिक्षा और रचनात्मकता में शैक्षिक मनोविज्ञान, मापन और मूल्यांकन।	21 साल	-	06	19	10	-	-
श्री अभिजीत देब	एमए, नेट और पीएचडी कर रहे हैं	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	शिक्षा में शैक्षिक मनोविज्ञान, बुद्धि और रचनात्मकता	2 महीने	-	-	-	-	-	-
प्रियजीत देबनाथ	एमए, बीएड, नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	-	-	-	-	-	-	-	-
वरमोइया दारलोंग	एमए, नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रीतम रुद्र पॉल	एमए, स्लेट	अतिथि संकाय	अतिथि	-	-	-	-	-	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी /शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
प्रो. सुभाष सरकार	शिक्षक	01	01	-

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. सुभाष सरकार	विद्या भारती शिक्षा समिति त्रिपुरा	13 मई, 2025	विद्या भारती शिक्षा समिति त्रिपुरा	योग्यता आधारित शिक्षा और मूल्यांकन
प्रो. सुभाष सरकार	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज संतीरबाजार, दक्षिण त्रिपुरा	10 जून, 2025	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज संतीरबाजार, दक्षिण त्रिपुरा	स्नातक छात्रों पर सोशल मीडिया का प्रभाव: सकारात्मक और नकारात्मक विश्लेषण
प्रो. सुभाष सरकार	धम्म दीपा अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध विश्वविद्यालय, सबरूम, दक्षिण त्रिपुरा	11 मई, 2025	धम्म दीपा अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध विश्वविद्यालय, सबरूम, दक्षिण त्रिपुरा।	जर्नल में अग्रिम अनुसंधान पद्धति और प्रकाशन
प्रो. सुभाष सरकार	जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी), कैलाशहर, उनाकोटी जिला, त्रिपुरा	27 सितंबर, 2025	जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी), कैलाशहर, उनाकोटी जिला, त्रिपुरा	कार्य अनुसंधान
प्रो. सुभाष सरकार	जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, काकराबन, गोमती जिला, त्रिपुरा	06/01/2025	जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, काकराबन, गोमती जिला, त्रिपुरा	अनुसंधान प्रस्ताव तैयार करना
प्रो. सुभाष सरकार	देबनारायण शिक्षा संस्थान (बीएड कॉलेज), दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल।	23 जून, 2025	देबनारायण शिक्षा संस्थान (बीएड कॉलेज), दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल।	शैक्षिक प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से शिक्षा में क्रांति लाना: अवसर, चुनौतियां और भविष्य की दिशाएं।
प्रो. सुभाष सरकार	केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से शिक्षा विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय	12 फरवरी 2025	केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से शिक्षा विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय	ऑनलाइन सम्मेलन "सामाजिक नवाचार, शिक्षा और स्थिरता पर वैश्विक शिखर सम्मेलन" में तकनीकी सत्र के अध्यक्ष।

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
देबाशीष देबबर्मा	अंशकालिक	त्रिपुरा के उच्च माध्यमिक छात्रों के संदर्भ में लैंगिक संवेदनशीलता, स्कूल वातावरण, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शैक्षणिक उपलब्धि पर अध्ययन	प्रो. टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क पूरा हुआ
पूजा दास	अंशकालिक	पेरेंटिंग शैली, स्कूल के माहौल, शैक्षणिक उपलब्धि प्रेरणा और छात्रों के तनाव के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर अध्ययन	प्रो. टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क पूरा हुआ

जयंती मालाकार	अंशकालिक	पारिवारिक वातावरण, अध्ययन की आदतों और उच्च माध्यमिक छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि प्रेरणा के संबंध में कैरियर की आकांक्षाओं और कैरियर निर्णय लेने पर अध्ययन	प्रो. टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क पूरा हुआ
अब्दुल मलक मिया	अंशकालिक	उच्च माध्यमिक शिक्षकों के संदर्भ में शिक्षण प्रभावशीलता कक्षा शिक्षण में आईसीटी एकीकरण के प्रति योग्यता और दृष्टिकोण	प्रो. टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क पूरा हुआ
सुप्रदीप दत्ता	अंशकालिक	सामाजिक समर्थन और खुशी के संबंध में किशोर लड़कियों के सशक्तिकरण पर अध्ययन	प्रो. टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क पूरा हुआ
बसंती शर्मा	पूर्णकालिक	अभी तक चयनित नहीं है	प्रो. टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क परीक्षा पूरी हुई
जंतू दास	अंशकालिक	त्रिपुरा में जेनरेशन जेड के छात्रों के बीच जोखिम लेने का व्यवहार, कथित रोजगार क्षमता और शैक्षणिक लचीलापन: एक मिश्रित विधि दृष्टिकोण	प्रो. सुभाष सरकार	कोर्स वर्क पूरा हुआ
गौतम दास	अंशकालिक	शैक्षणिक प्रदर्शन के संबंध में किशोर छात्रों की चिंता, एकाधिक बुद्धि और व्यक्तित्व चरित्र	प्रो. सुभाष सरकार	कोर्स वर्क पूरा हुआ
नीलमनी चक्रवर्ती	अंशकालिक	पश्चिम त्रिपुरा के उच्च माध्यमिक छात्रों की उनकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अध्ययन की आदतों और करियर परिपक्वता के संबंध में शैक्षणिक उपलब्धि	प्रो. सुभाष सरकार	कोर्स वर्क पूरा हुआ
अभिजीत देब	अंशकालिक	त्रिपुरा के खोवाई जिले में माध्यमिक स्तर पर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर संज्ञानात्मक क्षमता, उपलब्धि प्रेरणा और स्व-विनियमित शिक्षा का प्रभाव	प्रो. सुभाष सरकार	कोर्स वर्क पूरा हुआ
सेनजुती देब	अंशकालिक	त्रिपुरा में माध्यमिक छात्रों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के संदर्भ में पर्यावरण स्थिरता जागरूकता, विज्ञान में रुचि और विज्ञान में अकादमिक प्रदर्शन	प्रो. सुभाष सरकार	कोर्स वर्क पूरा हुआ
प्रियजीत देबनाथ	अंशकालिक	अभी तक चयनित नहीं है	प्रो. सुभाष सरकार	कोर्स वर्क परीक्षा पूरी हुई
डॉ. मधु चौबे (पोस्ट डॉक्टर फेलो)	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में प्री-स्कूल शिक्षा की वर्तमान स्थिति	प्रो. सुभाष सरकार	-

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में सहभागिता	स्थान	अवधि	दिनांक
प्रो. सुभाष सरकार	विघटनकारी डिजिटल प्रौद्योगिकियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम: टीईआई में एकीकरण	एनआईईपीए, नई दिल्ली	1 सप्ताह	21-25 अक्टूबर, 2024

6. विभाग को ज्ञात विद्यार्थी के नियोजन का विवरण :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/एसटी/एससी/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
आशीष सरकार	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, अंबासा	अतिथि संकाय	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, अंबासा	

इतिहास विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. मणिशंकर मिश्रा
स्थापना वर्ष : 1977
प्रस्तावित कार्यक्रम : आईएमडी, एमए, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : आईएमडी -30, एमए -88, पीएचडी- रिक्ति के अनुसार

विभाग का विजन: सामाजिक विज्ञान संकाय के हिस्से के रूप में इतिहास विभाग अपने छात्रों के बीच तर्कसंगत, वैज्ञानिक और महत्वपूर्ण सोच कौशल की भावना और विश्व, भारत और पूर्वोत्तर भारत के इतिहास के विभिन्न पहलुओं की समझ पैदा करने की दिशा में प्रयास करता है। यह विभिन्न स्रोतों, ग्रंथों और सार्थक अंतःविषय जुड़ाव की वैज्ञानिक खोज के माध्यम से प्रारंभिक समय से समकालीन समय तक मानव समाज के विकास की समग्र समझ को बढ़ावा देता है। इसका दृष्टिकोण छात्रों और शोधकर्ताओं को हमारे वर्तमान और भविष्य को आकार देने में अतीत के महत्व के प्रति जागरूक बनाना है। यह छात्रों को अतीत के बारे में सीखने के लिए आजीवन जुनून पैदा करके वैश्वीकरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाने का प्रयास करता है और इस तरह उन्हें अतीत, वर्तमान और भविष्य के अंतर्संबंध से अवगत कराता है।

प्रमुख उपलब्धियां: इतिहास में स्नातकोत्तर कक्षाएं पहली बार मार्च 1976 में एमबीबी कॉलेज, अगरतला के पीजी विंग में शुरू हुई। कलकत्ता विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र (सीयूपीजी सेंटर) 1977 में अस्तित्व में आया, जिसमें इतिहास विभाग में एक विद्यार्थी था। 1987 में सीयूपीजी केंद्र को त्रिपुरा विश्वविद्यालय में बदल दिया गया था। सबसे पहले, इतिहास विभाग को कलकत्ता विश्वविद्यालय के तहत आधुनिक इतिहास विभाग के रूप में जाना जाता था। बाद में, 2 अक्टूबर, 1987 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ, विभाग का नाम बदलकर इतिहास विभाग कर दिया गया। 1997 में, विभाग ने भाग- I और भाग- II प्रणाली के साथ अपने पाठ्यक्रम को संशोधित किया। वर्ष 2004 में यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार यूनिट प्रणाली के साथ पाठ्यक्रम को और संशोधित किया गया था और केन्द्रीय विश्वविद्यालय में परिवर्तन के बाद, शैक्षणिक सत्र 2008 से विभाग में एक सेमेस्टर प्रणाली शुरू की गई थी। विभाग के संकाय सदस्य और शोधार्थी विभिन्न शोध गतिविधियों में लगे हुए हैं। जो विद्यार्थी विशेष रूप से शिक्षण और अनुसंधान में रुचि रखते हैं, उन्हें यूजीसी-नेट परीक्षा के साथ-साथ एसईटी की तैयारी करने और पीएचडी कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इतिहास के यूजी/आईएमडी पाठ्यक्रम को एनईपी, 2020 को ध्यान में रखते हुए संशोधित किया गया है। इतिहास विभाग को हाल ही में आईसीएसएसआर से एक प्रमुख अनुसंधान परियोजना के लिए अनुदान प्राप्त हुआ है। वर्तमान में विभाग में 7 (सात) नियमित संकाय सदस्य और 02 (दो) गैर-शिक्षण कर्मचारी हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि / अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो. सुखेन्दु देबबर्मा	पीएच.डी	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक भारतीय इतिहास/पूर्वोत्तर भारत	30	00	05	-	-	-	-
डॉ. मणिशंकर मिश्रा	पीएच.डी	सह प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक भारत, प्राकृतिक आपदाओं का इतिहास, त्रिपुरा	21	00	02	-	-	-	-

डॉ. लिंकन रियांग	पीएच.डी	सह प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक भारत और त्रिपुरा का इतिहास	18	01	-	-	-	-	-
डॉ. रोशनी राय	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक भारतीय इतिहास/महिला अध्ययन	14	-	02	-	-	-	-
डॉ. बिदिशा धर	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक भारतीय इतिहास/श्रम इतिहास/लिंग इतिहास/आर्थिक इतिहास	9	-	03	-	-	-	-
डॉ. अभ्रदीप मुंशी	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	प्राचीन भारतीय इतिहास	1	-	-	-	-	-	-
डॉ. रंजीता बडासेठ	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मध्यकालीन भारतीय इतिहास	1	-	-	-	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी /शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. लिंकन रियांग	शिक्षक	-	01	-
डॉ. रोशनी राय	शिक्षक		01	-
डॉ. अभ्रदीप मुंशी	शिक्षक	-	01	01
डॉ. बिदिशा धर	शिक्षक	3	02	-
डॉ. रंजीता बडासेठ	शिक्षक	-	01	02
आलम्पिक देबबर्मा	शोधार्थी	2	2	1
रेनेसा रियांग	शोधार्थी	-	1	-
जेरेमी त्रिपुरा	शोधार्थी	-	1	-
एस्तेर टेरोनपी	शोधार्थी	-	1	-
राजीब दास	शोधार्थी	-	1	-
स्वाति चिंतला	शोधार्थी	-	2	-
सहेली देबबर्मा	शोधार्थी	-	4	-

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दिए गए आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. सुखेन्दु देबबर्मा	एमएमटीटीसी, मिजोरम विश्वविद्यालय	04/03/2025	मिजोरम विश्वविद्यालय	पूर्वोत्तर भारत: एक सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
डॉ. लिंकन रियांग	नई दिल्ली	23 अगस्त, 2024	वराहमिहिरा मल्टीडिसिप्लिनरी इंस्टीट्यूट, एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च	त्रिपुरा का इतिहास: भारतीय संघ में विलय से पहले और बाद में एक अध्ययन
डॉ. लिंकन रियांग	नई दिल्ली	24 अगस्त, 2024	वराहमिहिरा मल्टीडिसिप्लिनरी इंस्टीट्यूट, एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च	त्रिपुरा की जनजातियों पर एक सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास
डॉ. लिंकन रियांग	नई दिल्ली	26-27 फरवरी, 2025	इंडियन रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन	त्रिपुरा की जनजातियों का सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास
डॉ. लिंकन रियांग	सूर्यमणिनगर, त्रिपुरा	20 से 21 मार्च, 2025	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	स्वदेशी ज्ञान प्रणाली और रियांग: चुनौतियाँ और अवसर

डॉ. लिंकन रियांग	कावाथिंगडेंग लावांगथाई, मिजोरम	2-3 अप्रैल, 2025	ब्रू यापरी विकास संगठन (BYDO)	ब्रू प्रथागत कानून
डॉ. लिंकन रियांग	काकराबन, गोमती त्रिपुरा	10 और 11 अप्रैल, 2025	जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी)	रियांग (ब्रू) समुदाय की काऊ ब्रू भाषा को समझना
डॉ. लिंकन रियांग	अगरतला	29 अप्रैल, 2025	राज्य लोक प्रशासन और ग्रामीण विकास संस्थान (SIPARD)	त्रिपुरा का इतिहास और संस्कृति
डॉ. लिंकन रियांग	अगरतला	3 मई, 2025	राज्य लोक प्रशासन और ग्रामीण विकास संस्थान (SIPARD)	त्रिपुरा की संस्कृति और इतिहास का परिचय
डॉ. मणिशंकर मिश्रा	खोवाई, त्रिपुरा	17 जनवरी, 2025	डीडीएम कॉलेज	युगों में विस्थापन के मुद्दे का अध्ययन: एक इतिहासकार की नजर से
डॉ. मणिशंकर मिश्रा	अगरतला, त्रिपुरा	30 जनवरी, 2025	होली क्रॉस कॉलेज	गांधी की विरासत: शहादत, स्मृति और अर्थ
डॉ. मणिशंकर मिश्रा	मणिपुर विश्वविद्यालय	7 फरवरी, 2025	यूजीसी, एमएमटीटीसी	पश्चिमी शिक्षा में एक अकादमिक अनुशासन के रूप में इतिहास का विकास (शास्त्रीय ग्रीस से रैंक)
डॉ. बिदिशा धर	होली क्रॉस कॉलेज, अगरतला	1 मई, 2025	होली क्रॉस कॉलेज, अगरतला	श्रम का इतिहास: परिवर्तन और निरंतरता

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
दीप्ति देवी	अंशकालिक	अविभाजित दरांग जिले, असम के पुरातात्विक अवशेष धर्म और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ के विशेष संदर्भ में (सबसे प्राचीन समय से 12 वीं शताब्दी ईस्वी तक)	प्रो. सुखेंदु देबबर्मा	पंजीकृत
प्रदीप देबबर्मा	अंशकालिक	शिक्षा के क्षेत्र में ईसाई मिशनरियों का योगदान, 1943-2018	प्रो. सुखेंदु देबबर्मा	पंजीकृत
एस्थेर टेरोनपी	पूर्णकालिक	दीमा हसाओ (असम) की जनजातियों की पारंपरिक वेशभूषा और आभूषण: एक ऐतिहासिक अध्ययन	प्रो. सुखेंदु देबबर्मा	पंजीकृत
गीता रानी दास	अंशकालिक	असम के कामरूप जिले की ब्रहम संहिता के सत्र: एक सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन	प्रो. सुखेंदु देबबर्मा	पंजीकृत
आलमपिक देबबर्मा	पूर्णकालिक	पारंपरिक त्रिपुरी संस्कृति और व्यंजनों में एक ऐतिहासिक अंतर्दृष्टि	प्रो. सुखेंदु देबबर्मा	पंजीकरण की प्रक्रिया के तहत
राजीब दास	अंशकालिक	त्रिपुरा में आंतरिक विस्थापन (1972-2018)	डॉ. मणिशंकर मिश्रा	पंजीकृत
संदीप चक्रवर्ती	अंशकालिक	सुरमा-बराक घाटी का इतिहास और इतिहासकार (1860-1960 के दशक)	डॉ. मणिशंकर मिश्रा	पंजीकृत
स्वाति चिंतला	पूर्णकालिक	स्वतंत्रता आंदोलन का पुनर्विजन: आजाद हिंद फौज में तमिलों की भूमिका और योगदान पर एक अध्ययन	डॉ. रोशनी राय	पंजीकृत
सहेली देबबर्मा	पूर्णकालिक	हिल टिप्पेरा की अर्थव्यवस्था: एक ऐतिहासिक अध्ययन (1871-1949)	डॉ. रोशनी राय	पंजीकृत
रेनेसा रियांग	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में जनजातीय प्रशासनिक प्रणाली: परिवर्तन और निरंतरता: 1860-1999	डॉ. बिदिशा धर	पंजीकृत
गोपाल चंद्र दास	पूर्णकालिक	छोटा नागपुर क्षेत्र के एन्क्लेव में कुष्ठ रोग की भेद्यता: हीलिंग, सिविल सोसाइटी एंड द स्टेट (1872-1955)	डॉ. बिदिशा धर	पंजीकृत
जेरेमियाह त्रिपुरा	अंशकालिक	त्रिपुरा का पर्यावरण इतिहास	डॉ. बिदिशा धर	पंजीकृत

जोनोमटी रियांग	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के रियांग के बीच ईसाई धर्म का इतिहास: रियांग समाज पर इसका विकास और प्रभाव	डॉ. लिंकन रियांग	प्रदत्त
अग्निवा घोष	पूर्णकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. बिदिशा धर	कोर्सवर्क कार्य का जारी
शाश्वत भट्टाचार्य	पूर्णकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. मणिशंकर मिश्रा	कोर्सवर्क कार्य का जारी
अमलान सिंघा रॉय	पूर्णकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. मणिशंकर मिश्रा	कोर्सवर्क कार्य का जारी
संगीता रांखल	अंशकालिक	कोर्स वर्क	प्रो. सुखेंदु देबबर्मा	कोर्सवर्क कार्य का जारी
पुष्पाखी कश्यप	पूर्णकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. लिंकन रियांग	कोर्सवर्क कार्य का जारी
हिमांशी शंकर	पूर्णकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. लिंकन रियांग	कोर्सवर्क कार्य का जारी
प्रिया रॉय	पूर्णकालिक	कोर्स वर्क	प्रो. सुखेंदु देबबर्मा	कोर्सवर्क कार्य का जारी

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो. सुखेंदु देबबर्मा*	नॉर्थ ईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
	मिजो हिस्ट्री एसोसिएशन, आइजोल	आजीवन सदस्य
डॉ. मणिशंकर मिश्रा	नॉर्थ ईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
डॉ. लिंकन रियांग	नॉर्थ ईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
डॉ. बिदिशा धर	नॉर्थ ईस्ट इंडिया पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन	वार्षिक सदस्य
डॉ. रंजीता बडासेठ	भारतीय इतिहास कांग्रेस	वार्षिक सदस्य
डॉ. अभ्रदीप मुंशी	प्रागैतिहासिक और चतुर्धातुक अध्ययन के लिए भारतीय समाज	आजीवन सदस्य

*सदस्य, सलाहकार समिति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) - पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र (एनईआरसी), गुवाहाटी

5.2 अभिमुखीकरण/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में सहभागिता	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. रंजीता बडासेठ	चार सप्ताह का ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) "गुरु-दक्षता"	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	चार सप्ताह	26/11/2024 से 23/12/2024
डॉ. रंजीता बडासेठ	आईसीएसएसआर (नई दिल्ली) ने सामाजिक विज्ञान में दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम प्रायोजित किया	समाजशास्त्र विभाग, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू),	दस दिन	19-29 मई, 2025
डॉ. अभ्रदीप मुंशी	चार सप्ताह का ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) "गुरु-दक्षता"	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	चार सप्ताह	26/11/2024 से 23/12/2024
डॉ. अभ्रदीप मुंशी	पानी के नीचे पुरातत्व (मॉड्यूल 1)	पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान	चार दिन	1.7.2024 से 4.07.2024

6. अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र: पूर्वोत्तर भारत का इतिहास, त्रिपुरा का इतिहास, पर्यावरण इतिहास

7. नई पहल/नवाचार: एनईपी-2020 के अनुसार यूजी/आईएमडी पाठ्यक्रम 5वें और 6वें सेमेस्टर का संशोधन

8. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण: लेनोवो टैब K-10 और TRIPOD, WEBCAM के साथ एक स्मार्ट क्लास रूम

मुक्त कला विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. सुदीप्ता दास
स्थापना वर्ष : 2019
प्रस्तावित कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
प्रवेश क्षमता : 33

विभाग का विजन: विभागीय दृष्टिकोण रचनात्मक और सामूहिक कल्पना को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को समग्र और अनुभवात्मक शिक्षा के लिए प्रेरित करना है। विभाग प्रभावशाली समाधान, समझ और बहु-विषयक दृष्टिकोण के लिए सामाजिक लाभ के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय चिंताओं को बढ़ावा देना चाहता है। मुक्त कला शिक्षा सामग्री, विधि और सैद्धांतिक दृष्टिकोण की समझ को प्रोत्साहित करने और विभिन्न विषयों के कौशल बढ़ाने के दृष्टिकोण के साथ-साथ अनुशासनात्मक सीमाओं के पार ज्ञान को एकीकृत करने की क्षमता को प्रोत्साहित करना चाहती है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. सुदीप्ता दास	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	प्रबंधन और विकास, उद्यमिता और विकास, सीएसआर, समाजशास्त्र की बुनियादी	1 वर्ष	शून्य	01	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
डॉ. लिपिका रॉय	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	लिंग अध्ययन, संघर्ष और प्रवासन अध्ययन	1 वर्ष	शून्य	01	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
डॉ. नीरज कुमार	पीएच.डी नेट	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	प्रदर्शन अध्ययन, सिद्धांत और अभ्यास, प्रदर्शन और नए संदर्भ	1 वर्ष	शून्य	02	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
डॉ. सुजीत देबनाथ	पीएच.डी., यूजीसी नेट (3 बार), एसईटी (एनई क्षेत्र), जेआरएफ (आईसीपीआर)	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	आधुनिक पश्चिमी दर्शन	13 साल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला, पूरे पेपर के प्रकाशन के बिना:

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी /शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
अर्पित पांडे	शोधार्थी	1	-	-
भास्कर रंजन दास	शोधार्थी	-	1	-

सौम्या एस शर्मा	शोधार्थी	-	1	-
अर्नब पाल	शोधार्थी	-	3	-
डॉ. लिपिका रॉय	शिक्षक	-	5	-
डॉ. नीरज कुमार	शिक्षक	-	5	(सभी पांच)
डॉ. सुदीप्ता दास	शिक्षक	-	1	-
डॉ. सुजीत देबनाथ	शिक्षक	1	2	दो

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. लिपिका रॉय	त्रिपुरा, अगरतला	19/11/2024	टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, त्रिपुरा	सरदार वल्लभभाई पटेल और विविधता में अखंडता पर उनका दृष्टिकोण: राष्ट्र, एक भावना पर
डॉ. लिपिका रॉय	असम, कबुजन कछार	24/01/2025 से 25/01/2025	जनता कॉलेज, असम	भारत में महिलाएं: शक्ति का प्रतीक या बेड़ियों में जकड़ी
डॉ. लिपिका रॉय	असम	13/02/2025 से 14/02/2025	अंग्रेजी विभाग, असम विश्वविद्यालय	भारत के विभाजन पर बी.आर. अंबेकर का आलोचनात्मक दृष्टिकोण
डॉ. लिपिका रॉय	गुवाहाटी	22/02/2025	दर्शनशास्त्र विभाग, आर्य विद्यापीठ कॉलेज, गुवाहाटी	लिबरल आर्ट्स और इसका भविष्य का परिप्रेक्ष्य
डॉ. लिपिका रॉय	त्रिपुरा, अगरतला	21/03/2025 ते 22/03/2025 पर्यंत	संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	त्रिपुरा के जनजातीय लोक, संस्कृति, लोककथाओं, लोककथाओं और अन्य पूर्वोत्तर के साथ जनजातीय लोगों के बीच समानता
डॉ. लिपिका रॉय	त्रिपुरा, अगरतला	19/01/2025	कोकबोरोक और IQAC विभाग इंस्वर चंद्र विद्यासागर कॉलेज	उच्च शिक्षा में कोकबोरोक भाषा का महत्व
डॉ. लिपिका रॉय	त्रिपुरा	25/11/2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	अनुसंधान समस्या का चयन और निर्माण और अनुसंधान नैतिकता को समझना
डॉ. नीरज कुमार	त्रिपुरा	15/01/2025	डीजेएमसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	रंगमंच के माध्यम से सामाजिक समानता

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त(अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
अर्पित पांडे	पूर्णकालिक	पाठ्यक्रम के तहत	डॉ. नीरज कुमार	पंजीकृत
सौम्या एस शर्मा	पूर्णकालिक	पाठ्यक्रम के तहत	डॉ. नीरज कुमार	पंजीकृत
अर्नब पाल	पूर्णकालिक	पाठ्यक्रम के तहत	डॉ. लिपिका रॉय	पंजीकृत
भास्कर रंजन दास	पूर्णकालिक	पाठ्यक्रम के तहत	डॉ. सुदीप्ता दास	पंजीकृत

5. विभाग के बढ़ते कदम :

a. अभिमुखीकरण/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में सहभागिता	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. सुदीप्ता दास	संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) "गुरु-दक्षता"	एमएमटीटीपी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	चार सप्ताह	26//11/2024 से 23/12/2024
डॉ. लिपिका रॉय	संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) "गुरु-दक्षता"	एमएमटीटीपी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	चार सप्ताह	26//11/2024 से 23/12/2024

डॉ. नीरज कुमार	संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) "गुरु-दक्षता"	एमएमटीटीपी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	चार सप्ताह	26//11/2024 से 23/12/2024
डॉ. सुजीत देबनाथ	संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) "गुरु-दक्षता"	एमएमटीटीपी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	चार सप्ताह	26//11/2024 से 23/12/2024

6. शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/ पदक/ सम्मान# (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर):

शिक्षक का नाम	पुरस्कारों/पदक/सम्मानों का नाम	पुरस्कार/पदक/सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणियां
डॉ. लिपिका रॉय	आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में 30वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटीज राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2024-25 में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के टीम मैनेजर	24/01/2025 से 31/01/2025	आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा	-
डॉ. लिपिका रॉय	एमिटी यूनिवर्सिटी में 30वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटीज यूथ फेस्टिवल 2024-25 में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के टीम मैनेजर	03/03/2025 से 07/03/2025	एमिटी विश्वविद्यालय	-

खेलों के मामले में अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

7. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थी :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/ एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट / एसएलई / गेट / सीएटी / एसएससी / यूपीएससी / टीपीएससी / अन्य / एसडब्ल्यूटी * / एसडब्ल्यूओ **
अर्पित पांडे	पुरुष	जनरल	नहीं	मुक्त कला विभाग	प्रदर्शन कला नृत्य, नाटक, रंगमंच में जेआरएफ

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी ;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी।

दर्शनशास्त्र विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. मोहन देबबर्मा
स्थापना वर्ष : 1994
प्रस्तावित कार्यक्रम : आईएमडी, पीजी और पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : 100 (पीजी 80 + 20 आईएमडी)

विभाग का विजन: आलोचनात्मक सोच के संयोजन के माध्यम से सभी विषयों की जननी के रूप में दर्शन के महत्व को संवेदनशील बनाना, बड़े पैमाने पर समाज को समृद्ध करने के लिए सैद्धांतिक कौशल और इसके संबंधित अभ्यासों को प्रोत्साहित करना।

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग ने सेमिनार, संगोष्ठियों, व्याख्यानों, कार्यशालाओं आदि की व्यवस्था और आयोजन किया है। हर साल शिक्षक दिवस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में यह विभाग अपनी स्थापना के बाद से सेमिनार, चर्चा, व्याख्यान कार्यक्रम आदि का आयोजन और व्यवस्था करता रहा है। 2016 में, दर्शनशास्त्र विभाग ने विश्वविद्यालय के छात्रों, शोध विद्वानों और संकायों के बीच अकादमिक जुड़ाव पैदा करने के लिए पीयर ग्रुप एकेडेमिया नामक एक चर्चा मंच की शुरुआत की थी। इस विभाग ने महान दार्शनिक सुकरात के जन्म दिवस को मनाने के लिए नवंबर के महीने में विश्व दर्शन दिवस भी मनाना शुरू किया। विभाग अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण से भविष्य में यूजीसी विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) शुरू करने की योजना बना रहा है। विभाग निकट भविष्य में "प्रत्यय" नामक अपनी पत्रिका को भी जारी रखने जा रहा है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएच. डी. मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. मोहन देबबर्मा	एमए पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	संस्कृति और धर्म का दर्शन, समकालीन भारतीय दर्शन, नैतिकता, पश्चिमी दर्शन	28 वर्ष 4 महीने 12 दिन	10	6	-	-	-	-
डॉ. सत्यदेव मिश्र	एमए पीएचडी	सह प्राध्यापक	पूर्णकालिक	सांख्य और श्री अरबिंदो दर्शन	17 वर्ष	शून्य	1	शून्य	शून्य	-	-
डॉ. अरूप ज्योति सरमा	एमए पीएचडी	सहायक प्राध्यापक (चरण -III)	पूर्णकालिक	नैतिकता, पश्चिमी दर्शन	15 वर्ष 5 महीने	5	4	शून्य	शून्य	7	1
डॉ. भूपेश देबबर्मा	एमए पीएचडी	सहायक प्राध्यापक (चरण -III)	पूर्णकालिक	संस्कृति का दर्शन, धर्म का दर्शन, पश्चिमी नैतिकता, पर्यावरण नैतिकता, समकालीन भारतीय दर्शन	15 वर्ष 4 महीने	1	3	शून्य	शून्य	-	-
डॉ. सिंधु पौडयाल	एमए पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	समकालीन पश्चिमी दर्शन	9 वर्ष 8 महीने	1	3	शून्य	शून्य	-	-
डॉ. राखी सूत्रधार	एमए पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	समकालीन भारतीय दर्शन और नैतिकता	1 साल 7 महीने 8 दिन	शून्य	1	शून्य	शून्य	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी /शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
प्रो. मोहन देबबर्मा	शिक्षक	-	6	2
डॉ. सत्यदेव मिश्र	शिक्षक	-	01	-
डॉ. अरूप ज्योति सरमा	शिक्षक	3	4	1
डॉ. भूपेश देबबर्मा	शिक्षक	1	32	10
डॉ. सिंधु पौडयाल	शिक्षक	3	6	-
डॉ. राखी सूत्रधार	शिक्षक	-	-	2
बेरोलेका देबबर्मा	शोधार्थी	-	2	1
शांताराज देबबर्मा	शोधार्थी	-	3	(पेपर प्रकाशन 2)
नीतीश देबबर्मा	शोधार्थी		3	(पेपर प्रकाशन 1)
अपु दास	शोधार्थी	-	1	1
गोबिंद भट्टाचार्जी	शोधार्थी	-	6	2 (पेपर प्रकाशन 5 सर्टिफिकेट कोर्स 2)
निमाई सरकार	शोधार्थी	8	11	(पेपर प्रकाशन 9, सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार 1, एफडीपी 2, प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 4)
मदन कुमार त्रिपुरा	शोधार्थी	-	3	(आईसीपीआर फेलो मीट 1 कार्यशाला 1 सर्टिफिकेट कोर्स 1)
प्रबीर त्रिपुरा	शोधार्थी	-	3	पेपर प्रकाशन 3
नुरुल इस्लाम	शोधार्थी	-	6	पेपर प्रकाशन 3 कार्यशाला 3 सर्टिफिकेट कोर्स 3
नेम्नगैथेम डौंगेल	शोधार्थी	-	6	पेपर प्रकाशन 1 कार्यशाला 3
साहिना अख्तर मजूमदार	शोधार्थी	-	2	पेपर प्रकाशन 3 कार्यशाला 2 सर्टिफिकेट कोर्स 1
हिमाद्री सिंघा	शोधार्थी	-	5	पेपर प्रकाशन 3 सर्टिफिकेट कोर्स 3 कार्यशाला 3
स्वर्णाली मुखापाध्याय	शोधार्थी	2	3	कार्यशाला 4 पेपर प्रकाशन 1 सर्टिफिकेट कोर्स 1
देबज्योति गुप्ता	शोधार्थी	5	2	1 (पेपर प्रकाशन 2)
श्याम सुंदर सरकार	शोधार्थी	-	3	1 (प्रकाशन 1)
रुमन देबनाथ	शोधार्थी	-	1	पेपर प्रकाशन 1, पेपर प्रस्तुति 1 सर्टिफिकेट कोर्स 1

3. त्रिपुरा विश्वविद्यालय से अन्य संस्थानों/ विश्वविद्यालयों के लिए विजिटिंग फैकल्टी:

नाम	से (डीडी/एमएम/ वर्ष वर्ष)	सेवा मेरे (डीडी/एमएम/ वर्ष वर्ष)	संस्थान/ विश्वविद्यालय	विभाग/स्कूल का नाम (जहां विजिटिंग फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया है)
प्रो. मोहन देबबर्मा आरसी में संसाधन व्यक्ति/संकाय के रूप में	22 नवंबर 2024	23 नव॰ 2024	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल।	यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (पूर्ववर्ती यूजीसी एचआरडीसी) उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, दर्शनशास्त्र विभाग, एनबीयू

4. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. मोहन देबबर्मा भाषा और लिंग पहचान का दर्शन, राष्ट्रीय संगोष्ठी, आईसीपीआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित	फातिक्रॉय, उनोकोटी, त्रिपुरा	5 - 6 नवंबर 2024	दर्शनशास्त्र और अंग्रेजी विभाग, अम्बेडकर कॉलेज, फातिक्रॉय, उनोकोटी, त्रिपुरा	राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय पर मुख्य व्याख्यान : भाषा और लिंग पहचान का दर्शन,
प्रो. मोहन देबबर्मा संगोष्ठी का विषय: आईसीपीआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित पूर्वोत्तर भारत में भाषा, साहित्य और संस्कृति का दार्शनिक आधार	महाराजा बीर बिक्रम माणिक्य विश्वविद्यालय (एमबीबीयू), अगरतला, त्रिपुरा	14 - 15 नवंबर 2024	अंग्रेजी विभाग, एमबीबी विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा	"त्रिपुरा के बोरोक लोगों के संदर्भ में जातीय-सांस्कृतिक पहचान - एक वैचारिक विश्लेषण"
डॉ. मोहन देवबर्मा राष्ट्रीय संगोष्ठी "मूल्यों पर संवाद: भारतीय और पश्चिमी परिप्रेक्ष्य"	दर्शनशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल	27 और 28 मार्च, 2025	दर्शनशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल	है और होना चाहिए - मूल्य द्वंद्वात्मकता
डॉ. सत्यदेव मिश्र अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 2024 का उत्सव आईसीपीआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित	सोनामुरा, त्रिपुरा	22 जुलाई, 2024	दर्शनशास्त्र विभाग कवि नजरुल महाविद्यालय, सोनामुरा, त्रिपुरा	"*योग क्यों...?*"
डॉ. सत्यदेव मिश्र केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा के संकाय विकास केंद्र के तत्वावधान में "आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ आईकेएस के एकीकरण" पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) 17-21 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया	अगरतला, त्रिपुरा	20.02.2025	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा	"वर्तमान परिदृश्य के परिप्रेक्ष्य में श्री अरबिंदो की भारतीय ज्ञान प्रणाली और एकात्म शिक्षा"
सिंधु पौडयाल	केरल	10/7/2024	श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाडी	शंकर के अद्वैत में अपोफैसिस
सिंधु पौडयाल	रायगंज, पश्चिम बंगाल	21/8/2024	रायगंज विश्वविद्यालय, रायगंज, पश्चिम बंगाल	श्री श्री आनंदमूर्ति और समकालीन भारतीय दर्शन
सिंधु पौडयाल	पुरुलिया, पश्चिम बंगाल	19/9/2024	सिद्धो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल	आधुनिक मानवतावाद के विकल्प के रूप में नव मानवतावाद
सिंधु पौडयाल	रीवा, मध्य प्रदेश	19/10/2024	अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश	रमण महर्षि पर बंदोबस्ती व्याख्यान

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
सुपर्णा देब रॉय	अंशकालिक	एम.के. गांधी के विशेष संदर्भ में सत्य और ट्रस्टीशिप के सिद्धांतों का एक अध्ययन	प्रो. मोहन देबबर्मा	प्रदत्त
बिप्लब चंद्र दास	अंशकालिक	कार्य-कारण और स्वतंत्रता - बौद्ध परिप्रेक्ष्य (एक विश्लेषणात्मक अध्ययन)	प्रो. मोहन देबबर्मा	प्रदत्त
बेरोलेका देबबर्मा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के स्वदेशी लोगों का इको-दर्शन: एक सामाजिक-विश्लेषणात्मक अध्ययन	डॉ. भूपेश देबबर्मा	प्रदत्त
शांताराज देबबर्मा	अंशकालिक	नैतिक सदाचार की अवधारणा: प्लेटो और अरस्तू के संदर्भ में अच्छे जीवन पर एक अध्ययन	डॉ. भूपेश देबबर्मा	शोधप्रबंध जमा
अशरफुल इस्लाम	पूर्णकालिक	मार्जिन में महिलाएं: असम के चार क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण अध्ययन	डॉ. सिंधु पौडयाल (सह-पर्यवेक्षक)	प्रदत्त

6. विभाग के बढ़ते कदम :

6.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता :

क्रम संख्या	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय /	प्रतिभागियों की संख्या
1.	9 अगस्त 2024	एक दिन	"विज्ञान और तत्वमीमांसा"	व्याख्यान	राष्ट्रीय	90+
2.	2 दिसंबर 2024	एक दिन	"हमें नैतिक क्यों होना चाहिए?".	व्याख्यान	राष्ट्रीय	80+
3.	28-29 नवंबर, 2024	2 दिन	"श्री अरबिंदो का दर्शन और इसकी भविष्य की संभावनाएं"	परिसंवाद	राष्ट्रीय	30+

6.2 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो. मोहन देबबर्मा	(i) भारतीय दंड संहिता (इंडियन फिलोसोफिकल सोसाइटी) (ii) एनईएचयूए (नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन)	(i) आजीवन सदस्य (ii) आजीवन सदस्य
डॉ. सत्यदेव मिश्र	(i) भारतीय दार्शनिक कांग्रेस (ii) अखिल भारतीय दर्शन परिषद (iii)दर्शन परिषद (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़) (iv)श्री अरबिंदो सोसायटी पांडिचेरी	(i) आजीवन सदस्य (ii) आजीवन सदस्य (iii) आजीवन सदस्य (iv) 5 वर्ष
डॉ. अरूप ज्योति सरमा	जेआईसीपीआर (जर्नल ऑफ इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसॉफिकल रिसर्च)	आजीवन सदस्य
डॉ. भूपेश देबबर्मा	(i) भारतीय दंड संहिता (इंडियन फिलोसोफिकल सोसाइटी) (ii) एनईएचयूए (नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन)	(i) आजीवन सदस्य (ii) आजीवन सदस्य
डॉ. सिंधु पौडयाल	(i) मध्य प्रदेश और सीजी दर्शन परिषद (ii) अखिल भारतीय दर्शन परिषद (iii) अखिल भारतीय महिला दर्शनिक परिषद	(i) आजीवन सदस्य (ii) आजीवन सदस्य (iii) आजीवन सदस्य

6.3 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में सहभागिता	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. सत्यदेव मिश्र	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) के एमएमटीटीसी द्वारा यूजीसी के एमएमटीटीपी के तहत ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) "गुरु-दक्षता" का आयोजन किया गया	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय)	चार सप्ताह	26/11/2024 से 23/12/2024
डॉ. भूपेश देबबर्मा	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम-टीटीपी) के तहत एनईपी 2020 अभिमुखीकरण एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया	नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग	10 दिन	08/1/2025 से 17/1/2025
डॉ. भूपेश देबबर्मा	एमसीसी (मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज) रिसर्च कोलोक्वियम, चेन्नई द्वारा आयोजित "अनुक्रमित पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित करने की कला" पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन)	मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई	7 दिन	12 - 19 फरवरी 2025
डॉ. भूपेश देबबर्मा	एफडीपी (ऑनलाइन) "प्रौद्योगिकी में उच्च शिक्षा संस्थानों को सशक्त बनाना - सक्षम और मिश्रित शिक्षा" पर	(ख) अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केन्द्रों (एएडीसीएस) के अंतर्गत आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी, पटना के सहयोग से कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीओएल-सीईएमसीए) और द एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू)	5 दिन	7 - 12 अप्रैल, 2025।
डॉ. भूपेश देबबर्मा	एफडीपी (हाइब्रिड मोड) "शिक्षक - विद्यार्थी सलाह: अकादमिक उत्कृष्टता को अनलॉक करने की कुंजी" पर	जेपी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग में	5 दिन	21 अप्रैल 2025 - 25 अप्रैल 2025।
डॉ. भूपेश देबबर्मा	संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन) उद्देश्य के साथ प्रकाशित करें: अकादमिक लेखन की कला में महारत हासिल करना	एमसीसी रिसर्च कोलोक्वियम, एमसीसी (मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज), तमिलनाडु	10 दिन	जून 2 - 11, 2025
डॉ. भूपेश देबबर्मा	अनुसंधान पद्धति पर संकाय विकास कार्यक्रम (हाइब्रिड मोड): उत्कृष्टता के लिए एक मार्ग,	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग, जेपी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, तेनकासी	6 दिन	जून 20 - 25, 2025
डॉ. राखी सूत्रधार	संकाय प्रेरण कार्यक्रम,	नेहू, शिलांग	चार सप्ताह	13 फरवरी, 2025 से 15 मार्च, 2025 तक

7. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र : भारतीय दर्शन, पश्चिमी दर्शन, नैतिकता, संस्कृति और धर्म का दर्शन।

8. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थी :

क्रम	नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/एसटी/एससी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट / एसएलई / गेट / सीएटी / एसएससी / यूपीएससी / टीपीएससी / अन्य / एसडब्ल्यूटी * / एसडब्ल्यूओ **
1	एस्तेर लालरिनज़ुआली	महिला	एसटी	-	यूजीसी	नेट (अगस्त, 2024)
2	जयदा बेगम	महिला	सामान्य	-	यूजीसी	नेट (अगस्त, 2024)

3	खाकचांग देबबर्मा	पुरुष	एसटी	-	यूजीसी	नेट (अगस्त, 2024)
4	सुभाजीत पॉल	पुरुष	ओबीसी	-	यूजीसी	नेट (दिसंबर, 2024)
5	रुमन देबनाथ	पुरुष	ओबीसी	हाँ	यूजीसी	जेआरएफ के साथ नेट (दिसंबर 2024)
6	करिश्मा नारज़ारी	महिला	एसटी	-	यूजीसी	नेट (जून, 2025)
7	रोमियो रंगखल	पुरुष	एसटी	-	यूजीसी	नेट (जून, 2025)
8	ईश्वरंगाक हलम	महिला	एसटी	-	यूजीसी	नेट (जून, 2025)
9	सीमा देबबर्मा	महिला	एसटी	-	यूजीसी	नेट (जून, 2025)
10	देबब्रत सिंघा रॉय	पुरुष	ओबीसी	-	यूजीसी	नेट (जून, 2025)
11	पूजा फुकन	महिला	ओबीसी	-	यूजीसी	नेट (जून, 2025)

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी ;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी ।

9. विभाग को ज्ञात विद्यार्थी के नियोजन का विवरण :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/एसटी/ एससी/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
पिंटू देबबर्मा	पुरुष	एसटी	नहीं	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	जीटी	टीआरबीटी	टीईटी 2
सोमा देब	महिला	ओबीसी	नहीं	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	जी.पी. डी	जेआरबीटी	जेआरबीटी
अनिबेश दास	पुरुष	ओबीसी	नहीं	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	जीटी	टीआरबीटी	टीईटी 2
प्रियंका सरकार	महिला	अनुसूचित जाति	नहीं	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	जीटी	टीआरबीटी	टीईटी 2

10. शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पदक/सम्मान# (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर):

छात्रों के नाम	पुरस्कारों/पदक/सम्मानों का नाम	पुरस्कार/पदक/सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणियां
निमाई सरकार शोधार्थी	"डिजिटल व्यवधान के युग में सतत वैश्विक व्यापार नवाचार के लिए भारतीय ज्ञान प्रणालियों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समन्वय" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति का पुरस्कार	26 जून, 2025	प्रबंधन विभाग, आईटीएम, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, भारत	प्रशंसापत्र

खेलों के मामले में अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

11. कोई अन्य उपलब्धियां: डॉ. सत्यदेव मिश्र ने 27 अप्रैल, 2025 से अखिल भारतीय दर्शन परिषद के यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल दर्शनिक ट्राइमासिक के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में काम किया है।

राजनीति विज्ञान विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. गौतम चकमा (दिसंबर 2024 तक),
प्रो. अलक भट्टाचार्य (दिसंबर 2024 से)
स्थापना वर्ष : 1994
प्रस्तावित कार्यक्रम : आईएमडी, एमए, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एमए: 80, आईएमडी: 30, पीएचडी: 22

विभाग का विजन : राजनीति विज्ञान के विषय में क्षेत्रीय आवश्यकताओं के साथ उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित करना।

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग के संकाय सदस्यों ने मूल्यांकन अवधि के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों के साथ पुस्तकें, पत्रिकाओं में लेख और संपादित पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित किए हैं। संकाय सदस्यों ने भी कागजात प्रस्तुत किए हैं, एक सहारा व्यक्ति के रूप में कार्य किया है, और कई संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलनों में व्याख्यान/वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया है। विभागों के छात्रों ने नेट/एसएलईटी और अन्य राष्ट्रीय फेलोशिप योजनाओं में अर्हता प्राप्त की है। विभाग ने शैक्षणिक वर्ष के भीतर कई कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. अलक भट्टाचार्य	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	राजनीतिक विचार, राजनीति और विकास	27	01	03	-	-	-	-
डॉ. गौतम चकमा	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	दक्षिण एशियाई आर्थिक और संस्थागत व्यवस्था के संदर्भ में जनसंख्या विस्थापन	38	-	05	-	-	-	-
डॉ. वनलालमुआना **दारलांग**	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	लोक प्रशासन, विकास अध्ययन	18	-	02	-	-	-	-
डॉ. बिप्लब देबनाथ	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	अंतर्राष्ट्रीय संबंध	15	-	03	-		09	02
अनिंद्य सरकार	एमए, नेट	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	भारतीय राजनीति	09	-	-	-	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी /शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. गौतम चकमा	शिक्षक	1	4	1
डॉ. वनलालमुआना दारलोंग	शिक्षक	-	1	1

डॉ. बिप्लब देबनाथ	शिक्षक	3	-	-
श्री अनिंद्य सरकार	शिक्षक	1	1	1
श्री तुनीर घोषाल	शोधार्थी	-	1	-
सुश्री मोनिका मोल्सम	शोधार्थी	-	1	2
सुश्री रिया सरमा	शोधार्थी	-	1	-
श्री हमथा मुखोली	शोधार्थी	3	1	-
सुश्री फिडियारिटी खरुम्नुइड	शोधार्थी	-	2	-
श्री अजीत मित्रा	शोधार्थी	-	2	-
श्री धीमान रॉय	शोधार्थी	-	1	-
सुश्री निकिता राय	शोधार्थी	-	1	-
श्री राजा लोहार	शोधार्थी	-	1	2

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थानों/ विश्वविद्यालयों	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. अलक भट्टाचार्य	अगरतला	26.11.2024	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय	मुख्य अतिथि के रूप में भारत के संविधान पर व्याख्यान दिया
प्रो. अलक भट्टाचार्य	खोवर्ष	18.01.2025	दशरथ देब मेमोरियल कॉलेज	विकास और विस्थापन: प्रभाव, चुनौती और संभावनाएं
प्रो. अलक भट्टाचार्य	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	10.02.2025	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सामाजिक समावेशन और विशिष्ट भारत पर व्याख्यान
डॉ. वनलालमुआना दारलांग	अगरतला	30.11.2024	जस्ट, अगरतला	समान विचारधारा वाले लोगों में गैर सरकारी संगठनों, सीएसओ, एफबीओ के लिए नेटवर्किंग बैठक
डॉ. वनलालमुआना दारलांग	अगरतला	02.12.2024	सिपार्ड, अगरतला	त्रिपुरा के प्रशासनिक इतिहास और संस्कृति का परिचय
डॉ. वनलालमुआना दारलांग	पुराना अगरतला	10.12.2024	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, जिरानिया	'हमारे अधिकार, हमारा भविष्य अभी'
श्री अनिंद्य सरकार	मिदनापुर	12.07.2024	केडी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड जनरल डिग्री	भारत में मानवाधिकार: समस्याएं और संभावनाएं
श्री अनिंद्य सरकार	बर्दवान	30.01.2025	सर रासबिहारी घोष महाविद्यालय	श्रम प्रवासन और सामाजिक न्याय: पश्चिम बंगाल से परिप्रेक्ष्य
श्री अनिंद्य सरकार	ऑनलाइन	21.06.2025	पश्चिम बंगाल राजनीति विज्ञान संघ	नेविगेटिंग इनइक्विटी: एन एनालिसिस ऑफ माइग्रेंट लेबर फ्रॉम वेस्ट बंगाल
बिप्लब देबनाथ	नई दिल्ली	31 जनवरी 2025	हंसराज कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली	उभरते हिंद-प्रशांत क्षेत्रवाद में भारत और दक्षिण पूर्व एशिया: भारत के पूर्वोत्तर के लिए निहितार्थ
बिप्लब देबनाथ	गुवाहाटी	13 सितंबर, 2024	दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र, गुवाहाटी विश्वविद्यालय	संख्याओं से परे: त्रिपुरा में राजनीति में पहचान में प्रतिस्पर्धा और अभिसरण

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
अभिजीत डे	अंशकालिक	एनए	एनए	कोर्सवर्क कार्य शुरू किया
लकी टी लामा शेरपा	अंशकालिक	एनए	एनए	कोर्सवर्क कार्य शुरू किया

सुमन अली	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में अल्पसंख्यक और वोट बैंक की राजनीति	प्रो. अलक भट्टाचार्य	मार्च 2025 में प्रदत्त
अशरफुल इस्लाम	पूर्णकालिक	वंचना में महिलाएं: असम के चार क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण अध्ययन	प्राध्यापक चंद्रिका बसु मजूमदार (अब सेवानिवृत्त)	मई 2025 में प्रदत्त
धीमान राय	पूर्णकालिक	भारत की विदेश नीति में पैरा-डिप्लोमेसी: 2014 से पूर्वोत्तर राज्यों की भूमिका का एक अध्ययन	बिप्लब देबनाथ	पंजीकृत
राजा लोहार	पूर्णकालिक	बंगाल की खाड़ी में भारत की इंडो-पैसिफिक नीति के क्षमता निर्माण आयाम	बिप्लब देबनाथ	पंजीकृत

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता :

क्रम संख्या	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	13/02/25	1 दिन	राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन	व्याख्यान	राष्ट्रीय	150 (लगभग)
2.	13/03/25	1 दिन	अधिकार आधारित विकास दृष्टिकोण	व्याख्यान श्रृंखला	राष्ट्रीय	150 (लगभग)
3.	19/03/25	1 दिन	कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर कार्यशाला	कार्यगोष्ठी	राष्ट्रीय	120 (लगभग)
4.	25,28,29 -04/25	3 दिन	भारतीय संविधान पर प्रश्नोत्तरी	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	विश्वविद्यालय स्तर	180 (लगभग)
5.	25,28,29 -04/25	3 दिन	भारतीय संविधान पर व्याख्यान श्रृंखला	व्याख्यान श्रृंखला	विश्वविद्यालय स्तर	150 (लगभग.)

5.2 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो. अलक भट्टाचार्य	इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
	पश्चिम बंगाल राजनीति विज्ञान संघ	आजीवन सदस्य
गौतम चकमा	असम राजनीति विज्ञान संघ	आजीवन सदस्य
	पूर्वोत्तर राजनीति विज्ञान एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
बिप्लब देबनाथ	इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
बिप्लब देबनाथ	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ	ग्लोबल साउथ सदस्य
बिप्लब देबनाथ	इंडियन एसोसिएशन ऑफ एशियन एंड पैसिफिक स्टडीज	कार्यकारी समिति के सदस्य
अनिंद्य सरकार	पश्चिम बंगाल राजनीति विज्ञान संघ	आजीवन सदस्य
अनिंद्य सरकार	पूर्वोत्तर राजनीति विज्ञान एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
बिप्लब देबनाथ	इंडियन एसोसिएशन फॉर एशियन एंड पैसिफिक स्टडीज	संयुक्त सचिव
बिप्लब देबनाथ	इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन	आजीवन सदस्य

6. अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र :

- पूर्वोत्तर की राजनीति
- राजनीति और विकास
- जनजातीय विकास
- लिंग अध्ययन
- अंतर्राष्ट्रीय संबंध
- मानवाधिकार

7. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थी :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/ एसटी/ एससी/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ एसएलई/ गेट/ सीएटी/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ **
गायत्री गोगोई	महिला	ओबीसी	नहीं	यूजीसी	यूजीसी-नेट
लकी बोरा	महिला	एसटी	नहीं	यूजीसी	यूजीसी-नेट
आशिम नाथ	पुरुष	ओबीसी	नहीं	यूजीसी	यूजीसी-नेट
श्यामल दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	यूजीसी	यूजीसी-नेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी ;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी ।

8. विभाग को ज्ञात विद्यार्थी के नियोजन का विवरण :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/ एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
इला दास	महिला	अनुसूचित जाति	नहीं	शिक्षक भर्ती बोर्ड, त्रिपुरा	स्नातक शिक्षक	शिक्षक भर्ती बोर्ड, त्रिपुरा	शिक्षक पात्रता परीक्षा, पेपर II
प्रेम मुरासिंह	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा पुलिस	त्रिपुरा स्टेट राइफल्स	गृह विभाग, त्रिपुरा सरकार	त्रिपुरा पुलिस
सुजाता रॉय	महिला	जनरल	नहीं	त्रिपुरा पुलिस	कांस्टेबल	गृह विभाग, त्रिपुरा सरकार	त्रिपुरा पुलिस
अशरफुल इस्लाम	पुरुष	जनरल	नहीं	उच्च शिक्षा निदेशालय	सहायक प्राध्यापक	उच्च शिक्षा निदेशालय	एनए
सुब्रत दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	शिक्षक भर्ती बोर्ड, त्रिपुरा	स्नातक शिक्षक	शिक्षक भर्ती बोर्ड, त्रिपुरा	शिक्षक पात्रता परीक्षा, पेपर II

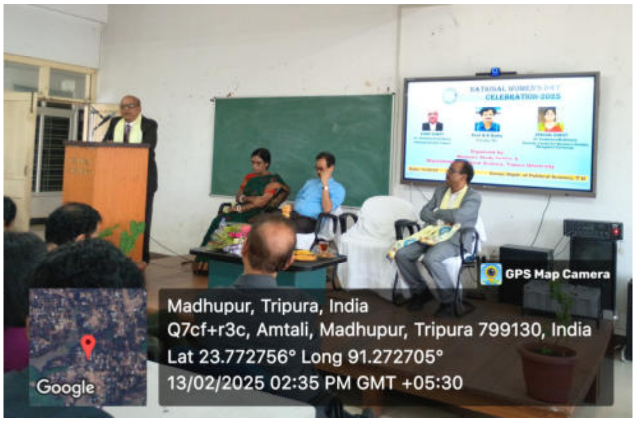

मनोविज्ञान विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : एमए मनोविज्ञान; पीएचडी मनोविज्ञान
प्रवेश क्षमता : एमए मनोविज्ञान के लिए 22 + 2 ईडब्ल्यूएस;
पीएचडी मनोविज्ञान के लिए यूजी नियम के अनुसार

विभाग का विजन: विभाग शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ और कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों का निर्माण करने के अंतिम उद्देश्य के साथ तनाव से ग्रस्त समाज में मानसिक स्वास्थ्य की चिंताओं को दूर करने के लिए रणनीतियों का अध्ययन करने, अनुसंधान करने, छात्रों को बढ़ावा देने और उन्हें सीखने और नवाचार करने के लिए तैयार करने के लिए एक अनुकूल शैक्षणिक माहौल की संकल्पना करता है।

प्रमुख उपलब्धियां:

1) रोजगार योग्य छात्रों का उत्पादन;
2) विदेशी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित संकाय;
3) संकाय संयुक्त शोध पत्र के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करना जारी रखते हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
नूतनकुमार एस. थिंगुजम	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सामाजिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान	23	टीयू-3 पूरा हो गया है	4	7	-	1191	15
डॉ. अंजना भट्टाचार्जी	एप्लाइड साइकोलॉजी में पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	किशोरों, युवा वयस्कों और महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक मनोविज्ञान	शिक्षण 17 साल	7	6	6 (एकेए-डेमिक वर्ष के दौरान)	-	301	10
डॉ. राजेश गणेशन	एमएस (आईएसए), पीएचडी (पीएसवाय)	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	व्यवहार संशोधन	23 वर्ष	8	3	7	-	22	3
डॉ. सोफिया अकोइजाम	पीएच.डी.	अतिथि संकाय	फरवरी से जुलाई 2025	साइकोमेट्रिक्स और परामर्श मनोविज्ञान	1/2 वर्ष	-	-	-	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी / शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
ऋषिका बरुआ	शोधार्थी	1	-	-
कंचन देवी	शोधार्थी	1	-	-

मिस मौतुशी भौमिक	शोधार्थी	2	1	1
सुश्री अरुंधति रॉय	शोधार्थी	1	-	-
मिस हिमा डेका	शोधार्थी	1	-	-

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	लैंड पोर्ट, अगरतला	26.6.2025	बीएसएफ 42 बीएन	तस्करी के पीड़ितों का बचाव और पुनर्वास
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	ऑनलाइन	20 मई, 202	श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, परिसर, गोपेश्वर मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), असम विश्वविद्यालय, सिलचर के तत्वावधान में	मानसिक स्वास्थ्य
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	असम विश्वविद्यालय, शिलचर	5 और 6 मई 2025	सामाजिक कार्य विभाग, असम विश्वविद्यालय और सक्षम दक्षिण असम	बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों के मुद्दे और चुनौतियां
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	तकरजाला	25.3.2025	जेएनवी स्कूल	कभी हार न मानें: खुद पर विश्वास रखें
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	ऑनलाइन	23.03.25	डीएम, दक्षिण त्रिपुरा जिला	किशोरों के मनोविज्ञान को समझना
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	त्रिपुरा स्पोर्ट्स स्कूल, बधरघाट	30.01.2025	त्रिपुरा बाल अधिकार संरक्षण आयोग, त्रिपुरा सरकार	मानसिक स्वास्थ्य को समझना
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	अगरतला	08.12.2025	त्रिपुरा न्यायिक अकादमी	बाल मनोविज्ञान और बाल देखभाल
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	ऑनलाइन	04.12.2024	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, टीयू	व्यक्तिगत-भावनात्मक विकास और परामर्श
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	अगरतला	20.11.2024	केटीडीएस पुलिस प्रशिक्षण अकादमी	पीड़ितों की महिला काउंसलिंग
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	अगरतला	20.11.2024	केटीडीएस पुलिस प्रशिक्षण अकादमी	घरेलू हिंसा के पीड़ितों के लिए लैंगिक संवेदनशील मनोवैज्ञानिक-सामाजिक समर्थन के सिद्धांत
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	अगरतला	11.1.2025	समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	लैंगिक संवेदनशीलता और लैंगिक गुणवत्ता
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	प्रगभवन, अगरतला	04.10.2024	राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और त्रिपुरा बाल अधिकार संरक्षण आयोग	संस्थागत बच्चों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की पहचान करना और परामर्शदाता की भूमिका
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	टाउन हॉल	22.09.2024	टाटा मोटर्स एंड एबी प्रोडक्शन द्वारा स्वास्थ्य सम्मेलन का आयोजन किया गया	मानसिक स्वास्थ्य
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	अगरतला	20.09.2024	केटीडीएस पुलिस प्रशिक्षण अकादमी	पीड़ितों की महिला काउंसलिंग
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	अगरतला	20.09.2024	केटीडीएस पुलिस प्रशिक्षण अकादमी	घरेलू हिंसा के पीड़ितों के लिए लैंगिक संवेदनशील मनोवैज्ञानिक-सामाजिक समर्थन के सिद्धांत

प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	लैंड पोर्ट, अगरतला	18.09.2024	लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया	लैंगिक जवाबदेही और समावेशिता
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	ऑनलाइन	10.09.2024	माइंड क्राफ्ट	आत्महत्या की रोकथाम
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	लैंड पोर्ट, अगरतला	29.08.24	लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया	अवसाद और आत्महत्या की रोकथाम
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	अगरतला	05.07.2024	केटीडीएस पुलिस प्रशिक्षण अकादमी	पीड़ितों की महिला काउंसलिंग
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	अगरतला	04.07.2024	केटीडीएस पुलिस प्रशिक्षण अकादमी	घरेलू हिंसा के पीड़ितों के लिए लैंगिक संवेदनशील मनोवैज्ञानिक-सामाजिक समर्थन के सिद्धांत
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	जम्पुइजाला, त्रिपुरा	03.07.2024	टीएसआर, 7वीं बीएन	तनाव का प्रबंधन

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
जीना जमातिया	पूर्णकालिक	अविवाहित जोड़ों के बीच रिश्ते की संतुष्टि का सहसंबंध	प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम	प्रदत्त
सोफिया अकोइजाम	पूर्णकालिक	भारतीय संदर्भ में करुणा को मापना	प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम	प्रदत्त
अलीशा छेत्री	पूर्णकालिक	देर से किशोरों, प्रारंभिक वयस्कता और देर से वयस्कता में गर्व में व्यक्तिगत अंतर	प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम	प्रदत्त
शालिनता राय	पूर्णकालिक	हिंदुओं और ईसाइयों में किशोरावस्था के अंत और बुजुर्गियत में क्षमा	प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम	शोधप्रबंध प्रस्तुत की गई
मिस मौतुशी भौमिक	अंशकालिक	त्रिपुरा के युवा वयस्कों में अवसाद की भविष्यवाणी	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	पंजीकृत
सुश्री अरुंधति रॉय	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच अत्यधिक इंटरनेट के उपयोग का पूर्वानुमान	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	पंजीकृत
मिस हिमा दास	पूर्णकालिक	पाठ्यक्रम कार्य जारी	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	पाठ्यक्रम कार्य जारी
सुश्री धृतिमा दत्ता	पूर्णकालिक	पाठ्यक्रम कार्य जारी	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	पाठ्यक्रम कार्य जारी
मिस बेबी सारा रियांग	पूर्णकालिक	पाठ्यक्रम कार्य जारी	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	पाठ्यक्रम कार्य जारी
सुश्री विजया थोकचोम	अंशकालिक	पाठ्यक्रम कार्य जारी	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	पाठ्यक्रम कार्य जारी
ऋतु राज गोगोई	अंशकालिक	वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के बीच उपलब्धि प्रेरणा को बढ़ाने के लिए माइंडफुलनेस-आधारित योग प्रशिक्षण	डॉ. राजेश गणेशन	प्री-पीएचडी सार्वजनिक संगोष्ठी का आयोजन 22.8.25 को
बरसा रानी साहू	पूर्णकालिक	स्नातक कॉलेज के छात्रों के बीच कल्याण को बढ़ाना (अस्थायी)	डॉ. राजेश गणेशन	कोर्सवर्क परीक्षा - पंजीकरण की प्रतीक्षा है
स्वर्णाली चक्रवर्ती	अंशकालिक	नर्सों के बीच लचीलापन बढ़ाना (अस्थायी)	डॉ. राजेश गणेशन	कोर्सवर्क परीक्षा - पंजीकरण की प्रतीक्षा है

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	24.01.2025	सुबह 11:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक	एक दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर हिमालय ऑप्टिकल, बारदोवाली, अगरतला के सहयोग से परामर्श केंद्र और महिला अध्ययन केंद्र, टीयू द्वारा आयोजित किया गया	नेत्र जांच शिविर	संस्थागत	175
2	06.03.2025	सुबह 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक	दिव्यांगता पुनर्वास और आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम-2016 पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम परामर्श केंद्र, टीयू द्वारा सक्षम और सीआरसी एसआरई - त्रिपुरा के सहयोग से आयोजित किया गया	जागरूकता कार्यक्रम	राज्य स्तर	120

5.2 ई-कंटेंट निर्माण/ई-पीजी पाठशाला, एनएमई-आईसीटी, एमओओसी जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी:

क्रम संख्या	संकाय नाम	ई-सामग्री का शीर्षक	घंटों की संख्या	उपलब्ध है या नहीं
1	डॉ. राजेश गणेशन	अनुसंधान पद्धति	दिनचर्या के अनुसार	सुलभ
2	डॉ. राजेश गणेशन	सकारात्मक मनोविज्ञान (इकाई- II)	दिनचर्या के अनुसार	सुलभ
3	डॉ. राजेश गणेशन	स्वास्थ्य मनोविज्ञान	दिनचर्या के अनुसार	सुलभ

5.3 उद्योग/गैर सरकारी संगठन/सरकारी संगठन के साथ संपर्क : (संकायों के लिए)

क्रम सं.	संकाय नाम	उद्योग/गैर सरकारी संगठन का नाम	उद्योग का स्थान	समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए? (हां नहीं)	कोई अनुदान प्राप्त हुआ? (यदि हां, तो मूल्य लाखों में)	विद्यार्थी रखा गया? (यदि हाँ, तो संख्या निर्दिष्ट करें।
1.	प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम	मॉडर्न साइकियाट्रिक इंस्टीट्यूट, पश्चिम त्रिपुरा	नरसिंहगढ़	नहीं	-	छात्रों की इंटर्नशिप
2.	प्रोफ़ेसर अंजना भट्टाचार्जी	मॉडर्न साइकियाट्रिक इंस्टीट्यूट, पश्चिम त्रिपुरा	नरसिंहगढ़	नहीं	-	छात्रों की इंटर्नशिप
3.	डॉ. राजेश गणेशन	मॉडर्न साइकियाट्रिक इंस्टीट्यूट, पश्चिम त्रिपुरा	नरसिंहगढ़	नहीं	-	छात्रों की इंटर्नशिप
4.	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	-
5.	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	-
6.	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	माइंडक्राफ्ट (एनजीओ)	दक्षिण भारत	नहीं	नहीं	-
7.	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	केटीडीएस पुलिस प्रशिक्षण अकादमी	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	-
8.	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	त्रिपुरा न्यायिक अकादमी	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	-
9.	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	त्रिपुरा बाल अधिकार संरक्षण आयोग	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	-

5.4 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	मन और समाज मनोविज्ञान और मानव व्यवहार के एक सहकर्मी समीक्षा रेफरी रिसर्च जर्नल)	संपादकीय बोर्ड के सदस्य (सहायक संपादकीय टीम)
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एंड एजुकेशन	सदस्य, संपादकीय बोर्ड
प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	इंटेलेक्चुअल फाउंडेशन ऑफ इंडिया	आजीवन सदस्य

6. अनुसंधान का प्रमुख जोर क्षेत्र: भावना, करुणा का मनोविज्ञान।

7. कोई अन्य उपलब्धियां:

क)

i) प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम ने नागालैंड विश्वविद्यालय में चयन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया

ii) प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम ने चयन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (एमआईटी-डब्ल्यूपीयू), पुणे

iii) प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम ने नागालैंड विश्वविद्यालय में पीएचडी शोधप्रबंध मूल्यांकन के बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया

iv) प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम ने मिजोरम विश्वविद्यालय में पीएचडी शोधप्रबंध मूल्यांकन के बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया

v) प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम ने कलकत्ता विश्वविद्यालय में पीएचडी शोधप्रबंध मूल्यांकन के बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया

vi) प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम ने राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल में पीएचडी शोधप्रबंध मूल्यांकन के बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया

vii) प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम ने आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा में पीएचडी शोधप्रबंध मूल्यांकन के बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया

viii) प्रो. नूतनकुमार एस. थिंगुजम को यूजीसी-एमएमटीटीसी, मणिपुर विश्वविद्यालय द्वारा मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर 6-दिवसीय अल्पकालिक कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था (26 जून, 2025 को भावनात्मक दमन बनाम भावना विनियमन: मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर व्याख्यान)

ख)

1. प्रो. अंजना भट्टाचार्जी ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर 26 जून 2025 और 30 जून 2025 को समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार द्वारा आयोजित जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता (गोमती जिला) के साथ-साथ अंतर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में न्यायाधीश के रूप में कार्य किया।
2. प्रो. अंजना भट्टाचार्जी ने 26-27 मार्च, 2025 को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित एप्लाइड साइकोलॉजी के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र (ऑनलाइन) की अध्यक्षता की
3. प्रो. अंजना भट्टाचार्जी ने 27 फरवरी 2025 को प्रज्ञा भवन, अगरतला में आरबीआई द्वारा आयोजित वित्तीय साक्षरता-महिला समृद्धि पर कार्यक्रम के उद्घाटन के रूप में कार्य किया
4. प्रो. अंजना भट्टाचार्जी ने 30-31 जनवरी 2025 को मनोविज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ICSSR प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र (ऑनलाइन) की अध्यक्षता की।

ग्रामीण प्रबंधन एवं विकास विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. जयंत चौधरी (मई, 2025 तक) और
डॉ. सम्राट गोस्वामी (जून, 2025 के बाद

स्थापना वर्ष : 2006

प्रस्तावित कार्यक्रम : ग्रामीण अध्ययन में आईएमडी, ग्रामीण अध्ययन में एमए और पीएच.डी. ग्रामीण अध्ययन में

प्रवेश क्षमता : आईएमडी (ग्रामीण अध्ययन)- 20, एमए (ग्रामीण अध्ययन)- 50
पीएचडी (ग्रामीण अध्ययन) - रिक्त सीटों के अनुसार

विभाग का विजन: ग्रामीण अध्ययन के क्षेत्र में एक अनुकरणीय संदर्भ बिंदु स्थापित करना।

प्रमुख उपलब्धियां:

1. राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यशाला तिथि: 9 अगस्त 2024
2. स्थान: ग्रामीण अध्ययन विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय गुवाहाटी विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ सहयोग। विवरण: छात्रों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
3. श्रीमंत शंकरदेव युवा और सामाजिक विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन दिनांक: 6 से 8 दिसंबर 2024, स्थान: गोलाघाट, असम, आयोजक: सामाजिक विकास मंच
   भागीदारी: विभाग के 36 छात्रों ने भाग लिया।
4. बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) पर आउटरीच प्रशिक्षण दिनांक: 21 जनवरी 2025
   आयोजक: डीपीआईआईटी-आईपीआर चेयर, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी एंड ज्यूडिशियल एकेडमी, असम विधि संकाय, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के सहयोग से
   भागीदारी: विभाग के 11 छात्रों ने भाग लिया।
5. ViksitBharat@Community-आधारित विकास पर कार्यशाला तिथि: 13 मार्च 2025
   आयोजक: ग्रामीण अध्ययन विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
   विवरण: विद्यार्थी और संकाय कार्यशाला में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।
6. फेस्ट-ओ-कश्मीर: पर्यटन और संस्कृति पर यूथ इंटरनेशनल कॉन्क्लेव दिनांक: 31 मार्च - 4 अप्रैल 2025, आयोजक: कश्मीर बरसात और केबी प्रोडक्शंस राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के सहयोग से, भाग लिया: विभाग के 14 छात्रों ने भाग लिया।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. जयंत चौधरी	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	समावेशी ग्रामीण विकास, माइक्रोफाइनेंस, स्थानीय स्वशासन, ग्रामीण आजीविका	19	06	01	16	-	82	3
डॉ. अरबिंदो महातो	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	-		04	02	-	-	38	3
डॉ. सम्राट गोस्वामी	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	जल और पर्यावरण प्रबंधन,	19	02	02	16	-	87	5

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी /शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
पार्थ सारथी सरकार	शोधार्थी	1	2	0
रेमरुआटपुई तोछांग	शोधार्थी	0	1	1
कौशिक साहा	शोधार्थी	0	1	1

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. सम्राट गोस्वामी	देहरादून	28 से 30 नवंबर, 2024	दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड	जल और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
डॉ. सम्राट गोस्वामी	त्रिपुरा	15 फरवरी, 2025	सिपाई, त्रिपुरा	जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर इसका प्रभाव

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
सुश्री अंकिता पॉल	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के संदर्भ में ग्रामीण विकास पर किशोर गर्भावस्था का प्रभाव	पर्यवेक्षक: डॉ. अरोबिंदो महतो सह-पर्यवेक्षक: डॉ. सम्राट गोस्वामी	प्रदत्त
श्री मनीष सरकार	अंशकालिक	वाटरशेड की दक्षता और त्रिपुरा की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव	डॉ. सम्राट गोस्वामी	प्रदत्त
श्री पार्थ सारथी सरकार	यूजीसी-नेट-जेआरएफ	अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है	-	पंजीकृत
सुश्री सुहा चकमा	अंशकालिक	अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है	-	पंजीकृत
कौशिक साहा	पूर्णकालिक	अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है	-	पंजीकृत

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 उद्योग/ गैर सरकारी संगठनों/सरकारी संगठनों के साथ संपर्क : (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	दौरा किए गए उद्योग/ गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	दौरा किए गए उद्योग/गैर-सरकारी संगठनों का नाम	यात्रा का उद्देश्य
ग्रामीण प्रबंधन और विकास विभाग	32	-	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में 3 सेमेस्टर के छात्रों के छात्रों के लिए एनजीओ प्लेसमेंट पूरा करने के लिए

6. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण: स्मार्ट बोर्ड और साउंड सिस्टम

7. विभाग को ज्ञात विद्यार्थी के नियोजन का विवरण :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/ एसटी/एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
मैनुद्दीन खान	पुरुष	मिनट	नहीं	AISECT लिमिटेड, त्रिपुरा शाखा	कार्यकारी प्लेसमेंट समन्वयक	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार

प्रियंका भट्टाचार्जी	महिला	जनरल	नहीं	त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन	क्लस्टर समन्वयक	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार
सोगत भट्टाचार्जी	महिला	जनरल	नहीं	बिशालगढ़ आर.डी. ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
बरनाली जमातिया	महिला	एसटी	नहीं	त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन	क्लस्टर समन्वयक	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार
सनाका दास	महिला	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा पुलिस	पुलिस कांस्टेबल	-	-
मैरी जोन्स मोल्सम	महिला	एसटी	नहीं	टेपानिया आरडी ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
समित जमातिया	पुरुष	एसटी	नहीं	अमरपुर आर.डी. ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
किशन देबनाथ	पुरुष	जनरल	नहीं	आईसीएफएआई विश्वविद्यालय त्रिपुरा	प्रशासनिक अधिकारी	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार
इंदिरा दत्ता	महिला	जनरल	नहीं	गोमती जिला, त्रिपुरा	जिला सूचना, शिक्षा और संचार विशेषज्ञ	-	-
रूपा जमातिया	महिला	एसटी	नहीं	किला आरडी ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
अश्विनी देबबर्मा	पुरुष	एसटी	नहीं	आईसीएसएसआर अनुसंधान परियोजना	क्षेत्र अन्वेषक	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार
सजली त्रिपुरा	महिला	एसटी	नहीं	सच्चंद आरडी ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
पुरबानी देबबर्मा	महिला	एसटी	नहीं	डाटा एंट्री ऑपरेटर	आईजीएम अस्पताल	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार
जिमा देबबर्मा	महिला	एसटी	नहीं	चरीलम आरडी ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
जयति भट्टाचार्जी	महिला	जनरल	नहीं	ओल्ड अगरतला आरडी ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
अर्पिता दास	महिला	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन	क्लस्टर समन्वयक	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार
बिंदिया देबबर्मा	महिला	एसटी	नहीं	जिरानिया आरडी ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
अनामिका पटवारी	महिला	जनरल	नहीं	मोहनपुर आर.डी. ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
पूर्व देब	महिला	जनरल	नहीं	ट्रेसप, मुंगियाकामी आरडी ब्लॉक	ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार
अनामिका सरकार	महिला	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन	आजीविका समन्वयक (गैर-कृषि)	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार
सुरजीत देबनाथ	पुरुष	जनरल	नहीं	बामुटिया आरडी ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
तुहिना रियांग	महिला	एसटी	नहीं	बोकाफा आरडी ब्लॉक	सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
उमरासुआंग मोग	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा पुलिस	पुलिस कांस्टेबल	-	-

सरोजिनी देबबर्मा	महिला	एसटी	नहीं	सेंट जेवियर्स हायर सेकेंडरी स्कूल	शिक्षक	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार
त्विचांगमा देबबर्मा	महिला	एसटी	नहीं	धम्म दीपा अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध विश्वविद्यालय	संकाय सदस्य	संबंधित विभाग/संगठन/संस्था	विभागीय परीक्षा / साक्षात्कार
जोवेल हलम	पुरुष	एसटी	नहीं	दुर्गाचोमुहानी आरडी ब्लॉक	पीडब्ल्यूडी-डीडब्ल्यूएस के तहत सहायक ब्लॉक समन्वयक	-	-
मृत्युंजय चक्रवर्ती	पुरुष	जनरल	नहीं	एमएसएमई-डीएफओ, अगरतला, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार	युवा पेशेवर	-	-
क्रुंगटी रियांग	महिला	एसटी	नहीं	देरगंगा महिला क्लस्टर बहुमुखी समबाया समिति लिमिटेड, दसदा आरडी ब्लॉक	सीएलएफ स्टाफ मैनेजर	-	-

8. कोई अन्य उपलब्धियां: डॉ. सम्राट गोस्वामी को केंद्र सरकार द्वारा तीन साल की अवधि के लिए राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

समाजशास्त्र विभाग

विभाग प्रमुख	:	प्रो. सुखेंदु देबबर्मा
स्थापना वर्ष	:	2011
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	एम.ए., आईएमडी (माइनर के रूप में) और पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता	:	40(36+4(ईडब्ल्यूएस)=40)

विभाग का विजन: त्रिपुरा विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग का प्रमुख जोर अंतःविषय शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। अनुशासन के लिए केंद्रीय विषयों और विषयों पर जोर देते हुए, विभाग की शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों को समकालीन प्रश्नों की ओर उन्मुख किया गया है जिनमें बुनियादी और व्यावहारिक दोनों आयाम हैं। शुरू से ही अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय परंपराओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को विकसित करने का प्रयास किया गया है। विभाग एमए, पीएचडी जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए संसाधन उपलब्ध कराने और छात्रों को प्रोत्साहित करने में सफल रहा है। विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देता है और समाज के लिए सामाजिक रूप से जागरूक और जिम्मेदार व्यक्तियों को तैयार करता है।

प्रमुख उपलब्धियां: समाजशास्त्र विभाग के साथ पूर्व विद्यार्थी समूह ने अपने रोगियों के लिए आश्रय बनाने और पारंपरिक और स्वदेशी ज्ञान को और प्रोत्साहित करने के लिए एक देशी चिकित्सा पेशेवर का समर्थन करने के लिए 50000 दान करके एक सामुदायिक विकास परियोजना में सफलतापूर्वक योगदान दिया है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
श्रीमती परमा चकमा	एम.ए.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	लिंग और जनजाति का समाजशास्त्र	7 साल और 9 महीने	एनए	एनए	एनए	-	-	-
डॉ. सुरजीत देबनाथ	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	राजनीतिक समाजशास्त्र, समाजशास्त्रीय सिद्धांत, भारतीय समाज, भारत में समकालीन सामाजिक समस्याएं।	13 साल	एनए	एनए	एनए	एनए	-	-
श्री अमरेश देबबर्मा	एमफिल, पीएचडी (प्रस्तुत)	अतिथि संकाय	अतिथि	सामाजिक आंदोलन, जनजातीय अध्ययन	10 महीने	एनए	एनए	एनए	एनए	5	1
डॉ. साइनम रांगखॉल	एमए, पीएच.डी	अतिथि संकाय	अतिथि	नए धार्मिक आंदोलन	2.5 वर्ष	एनए	एनए	एनए	एनए	-	-
डॉ. दिबेश देब बर्मा	एमफिल, पीएचडी	अतिथि संकाय	अतिथि	सामाजिक मुद्दे, विकासात्मक समाजशास्त्र, अपराध विज्ञान, सामूहिक हिंसा, मानव संसाधन	4 साल	एनए	एनए	एनए	एनए	-	-

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला, पूरे पेपर के प्रकाशन के बिना:

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी /शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. साइनेम हरंगखॉल	अतिथि संकाय	2	0	0
श्री अमरेश देबबर्मा	अतिथि संकाय	1	1	0
डॉ. दिबेश देब बर्मा	अतिथि संकाय	0	1	0
डॉ. सुरजीत देबनाथ	शिक्षक	0	1	0
परमा चकमा	शिक्षक	1	1	-

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
श्री अमरेश देबबर्मा	ढाका	26.02.2025	यूनेस्को, ढाका	स्वदेशी भाषाओं और उनकी चुनौतियों का संरक्षण: कोकबोरोक का मामला
परमा चकमा	सूर्यमणिनगर	23.04.2025	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	चकमा भोजन: इसकी स्थिरता और प्रतीकात्मक महत्व

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
लालनुंदिका दारलांग	पूर्णकालिक	(अनूकरण) बातचीत संबंधित और (आरई) जातीयता का निर्माण: त्रिपुरा में आंतरिक रूप से विस्थापित ब्रूस का एक अध्ययन	डॉ. शर्मिला छोटारे	प्रदत्त

5. विभाग के बढ़ते कदम :

5.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता :

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय /	प्रतिभागियों की संख्या
1	11.03.2025	1 दिन	तस्करी पर वृत्तचित्र फिल्म की स्क्रीनिंग	वृत्तचित्र फिल्म स्क्रीनिंग	महिला अध्ययन केंद्र और समाजशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	50

6. विभाग को ज्ञात विद्यार्थी के नियोजन का विवरण :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/ एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
श्री अमरेश देबबर्मा	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)	अतिथि संकाय	टीयू	टीयू
डॉ. लालनुंदिका दारलांग	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)	अतिथि संकाय	टीयू	टीयू
अंजलि देब	महिला	जनरल	नहीं	इंटास फाउंडेशन	परामर्श-दाता	मानव संसाधन, INTAS फाउंडेशन	इंटास फाउंडेशन (एनजीओ)

शिक्षा विद्यापीठ

विभाग प्रमुख : प्रो. सुभाष सरकार
स्थापना वर्ष : 2018
प्रस्तावित कार्यक्रम : दो वर्षीय बी. एड
प्रवेश क्षमता : 50

विभाग का विजन: *स्कूल ऑफ एजुकेशन, त्रिपुरा विश्वविद्यालय* एक परिवर्तनकारी शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने की कोशिश करता है जो भविष्य के शिक्षकों को छात्रों को आजीवन सीखने और सफलता की ओर प्रेरित करने और नेतृत्व करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और मूल्यों के साथ सशक्त बनाता है। हमारा उद्देश्य नवीन शिक्षण प्रथाओं को विकसित करना, समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा को बढ़ावा देना और अनुसंधान और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से शैक्षिक सिद्धांत और व्यवहार की उन्नति में योगदान करना है।

यह दृष्टि इस बात पर जोर देती है:

1. **सशक्तिकरण:** ऐसे शिक्षकों को तैयार करना जो अपने छात्रों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।
2. **नवाचार:** रचनात्मक और प्रभावी शिक्षण विधियों को प्रोत्साहित करना।
3. **समावेशिता:** सभी छात्रों के लिए समान शिक्षा को बढ़ावा देना।
4. **सामुदायिक संलग्नता:** सामुदायिक सेवाओं में सक्रिय भागीदारी।

संस्था के मूल्यों और लक्ष्यों के आधार पर विशिष्टताएँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन मूल विचार आम तौर पर सक्षम, प्रेरित और सामाजिक रूप से जिम्मेदार शिक्षकों को तैयार करने के इर्द-गिर्द घूमते हैं।

प्रमुख उपलब्धियां: सत्र 2024 - 2025 के दौरान *स्कूल ऑफ एजुकेशन डिपार्टमेंट*, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने उत्कृष्टता, नवाचार और प्रभावशाली योगदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

विभाग के कुछ संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों) में कई पत्र प्रकाशित किए हैं और विभिन्न सम्मेलनों में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। सत्र के दौरान अपना पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। उनमें से कुछ ने शिक्षक भर्ती परीक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं (राज्य और राष्ट्रीय स्तर) में भी उत्तीर्ण किया है। उनमें से कुछ ने चुने हुए क्षेत्रों में अपनी उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सीयूईटी परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को पहचानते हुए, विभाग ने अनाथालय के बच्चों को खाद्य पदार्थों और किराने का सामान वितरित करने जैसी विभिन्न सामुदायिक सेवाएं करके समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

1. संकाय सदस्य :

नाम (सभी अतिथि संकाय हैं)	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/ अनुसंधान/ नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. अमरजीत चंदा	एमएससी, बीएड, पीएचडी	अतिथि संकाय	अतिथि	अस्पष्ट तर्क	6 साल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	-	-
श्रीरूप रुद्र पॉल	एमए, बीएड,	अतिथि संकाय	अतिथि	-	6 साल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	-	-
जयति मालाकार	एमए, एमएड, पीएचडी (जारी)	अतिथि संकाय	अतिथि	आकांक्षाएं माध्यमिक शिक्षा	5 साल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	1	1
रिपा पॉल	एमएससी, बीएड, पीएचडी (जारी)	अतिथि संकाय	अतिथि	थिन फिल्म और नैनो विज्ञान	3 साल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	54	3
सुप्रदीप दत्ता	एमएससी, एमएड, पीएचडी (जारी)	अतिथि संकाय	अतिथि	किशोर लड़की सशक्तिकरण	9 साल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	1	1
सुजान दास	एमए, बीएड, नेट, जेआरएफ, सेट	अतिथि संकाय	अतिथि	शैक्षिक अनुसंधान (शिक्षक शिक्षा)	3 साल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	-	-
सागरिका मजूमदार	एमए, बीएड, एसईटी, नेट (केवल पीएचडी)	अतिथि संकाय	अतिथि	शैक्षिक अनुसंधान (शिक्षक शिक्षा)	2 साल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	-	-
डॉ. सुमन अली	पीएच.डी., एमए, बीएड, नेट, सेट	अतिथि संकाय	अतिथि	भारतीय राजनीति	11 साल	शून्य	शून्य	हाँ	शून्य	18	2

अर्चना सिंह	एमएससी, बी.एड,	अतिथि संकाय	अतिथि	-	-	-	-	-	-	-	-

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/विद्यार्थी /शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
सुप्रदीप दत्ता	शिक्षक	-	2	-
जींती मालाकार	शिक्षक	-	1	-
डॉ. सुमन अली	शिक्षक	-	3	3

3. विभाग के बढ़ते कदम :

3.1 उद्योग/गैर सरकारी संगठनों/सरकारी संगठनों के साथ संपर्क : (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	दौरा किए गए उद्योग/गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	दौरा किए गए उद्योग/ गैर-संगठनों का नाम	यात्रा का उद्देश्य
शिक्षा विद्यापीठ	वर्षवार छात्रों (अंग्रेजी और बंगाली माध्यम) और स्कूलों की संख्या पर निर्भर करता है	त्रिपुरा सरकार एच.एस. स्कूल	16 सप्ताह शिक्षण का अभ्यास करें

3.2 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. सुमन अली	भारतीय राजनीति विज्ञान संघ	आजीवन सदस्य

3.3 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में सहभागिता	स्थान	अवधि	दिनांक
सुप्रदीप दत्ता	एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम	एमएमटीटीसी, एनआईईपीए, नई दिल्ली	8 दिन	23-30 सितंबर 2024

4. शिक्षण प्रयोगशाला/अनुसंधान प्रयोगशाला:

कुल प्रयोगशाला की संख्या (A+B)	शिक्षण प्रयोगशाला की संख्या (क)	अनुसंधान प्रयोगशाला (बी) (परियोजना वित्त पोषण के साथ निर्माण)
5+0	05	-

5. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थी :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/एसटी/ एससी/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/मिन)	पीएच (हाँ /नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ एसएलई/ गेट/ सीएटी/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ **
रिया बैद्य	महिला	सामान्य	नहीं	टीआरबीटी	त्रिपुरा टीईटी
अर्घदीप देबनाथ	पुरुष	सामान्य	नहीं	टीआरबीटी	त्रिपुरा टीईटी
सौरव दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	टीआरबीटी	त्रिपुरा टीईटी
जलाल मिया	पुरुष	सामान्य	नहीं	टीआरबीटी	त्रिपुरा टीईटी
*अंतरा पुरकायस्थ	महिला	सामान्य	नहीं	टीयू	सीयूईटी
*सोलंकी रॉय	महिला	सामान्य	नहीं	टीयू	सीयूईटी

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी ;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थी।

6. विभाग को ज्ञात विद्यार्थी के नियोजन का विवरण :

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/एसटी/ एससी/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/मिन)	पीएच (हाँ/नहीं)	संगठन/ संस्था का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
रिया बैद्य	महिला	सामान्य	नहीं	टीआरबीटी	स्नातक शिक्षक के लिए योग्य	टीआरबीटी	त्रिपुरा टीईटी
अर्घदीप देबनाथ	पुरुष	सामान्य	नहीं	टीआरबीटी	स्नातक शिक्षक के लिए योग्य	टीआरबीटी	त्रिपुरा टीईटी
सौरव दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	टीआरबीटी	स्नातक शिक्षक के लिए योग्य	टीआरबीटी	त्रिपुरा टीईटी
जलाल मिया	पुरुष	सामान्य	नहीं	टीआरबीटी	स्नातक शिक्षक के लिए योग्य	टीआरबीटी	त्रिपुरा टीईटी

सामाजिक अपवर्जन और समावेशी नीति के अध्ययन के लिए केंद्र (सीएसएसईआईपी)

विभाग प्रमुख : डॉ. राजेश चटर्जी
स्थापना वर्ष : 2008
प्रस्तावित कार्यक्रम :
1. जनजातीय और जातीय अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीटीईएस) और
2. पीएच.डी. (सामाजिक अपवर्जन और समावेशी नीति में) सेमेस्टर प्रणाली सीबीसीएस पैटर्न के तहत.

प्रवेश क्षमता : पीजी डिप्लोमा-30 (पीजीडीटीईएस), पीएचडी: 08

विभाग का दृष्टिकोण: (क) विस्थापन, क्षेत्रीय असमानता और उद्यमिता के आधार पर भेदभाव, अपवर्जन और समावेशन की अवधारणा। (ख) भेदभाव और अपवर्जन की प्रकृति और गतिशीलता की समझ विकसित करना। (ग) इन समूहों के अधिकारों की रक्षा के लिए नीतियां तैयार करना और (सामाजिक) विस्तार कार्यकलापों की सहायता से अपवर्जन और भेदभाव की समस्या का उन्मूलन करना।

प्रमुख उपलब्धियां: सीएसएसईआईपी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय विस्तार गतिविधियों के साथ-साथ अनुसंधान और विकास के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। सीएसएसईआईपी, टीयू सामाजिक अपवर्जन और समावेशी नीति से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। यह केंद्र नवंबर, 2015 से विश्वविद्यालय के ग्रामीण अध्ययन विभाग जैसे शैक्षणिक विभाग से जुड़ा हुआ है। केंद्र ने अनुसंधान और विकास गतिविधियों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और सहायता के लिए खुद को त्रिपुरा विश्वविद्यालय का एक अकादमिक वाहन साबित किया है। यह समाज के वंचित और हाशिए पर रहने वाले वर्गों से संबंधित सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर जनजातीय (पीजीडीटीईएस), पीएचडी, सेमिनार और कार्यशालाओं पर पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। जबकि केंद्र भेदभाव, अभाव, शोषण और बहिष्कार पर मुद्दों की अवधारणा के लिए प्रयास कर रहा है, यह सामान्य रूप से भारतीय समाज और विशेष रूप से पूर्वोत्तर समाजों में सामाजिक न्याय, समानता, निष्पक्ष खेल और समावेशन को प्रभावित करने के तरीकों और साधनों की भी खोज कर रहा है। आशावाद और विश्वास के साथ, हम सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूजन एंड इनक्लूसिव पॉलिसी के निरंतर विकास और विकास के लिए तत्पर हैं।
जाति, कुल और धर्म से परे सामाजिक समावेशन के लिए समाज में ऐसा माहौल बनाने में इस केंद्र के अनुभवजन्य शोध परिणाम और कार्य अनुसंधान सहायक होंगे। केंद्र पूर्वोत्तर क्षेत्र में पीजीडीटीईएस पाठ्यक्रम शुरू करने में अग्रणी है। केंद्र की गतिविधियों को भारत सरकार के संस्थानों द्वारा अच्छी तरह से सराहा जाता है; यूजीसी-एनएएसी, एमएचआरडी और नाबार्ड, आईसीएसएसआर, ओएनजीसी, जनजातीय मामलों के मंत्रालय (जीओआई) जैसे संगठन इस प्रयास के वित्तीय भागीदारों के रूप में स्वयं शामिल हुए हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय और मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस के साथ जनजातीय स्वास्थ्य पर सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य के क्षेत्र में पहल शुरू की गई है। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जनजातीय अनुसंधान के क्षेत्र में सेंटर फॉर सोशल एक्सक्लूजन एंड इनक्लूसिव पॉलिसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की सूची में शामिल किया गया है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर शोधप्रबंध मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. राजेश चटर्जी	एमए, पीएचडी (ग्रामीण विकास)	सहायक प्राध्यापक -सह-सहायक निदेशक	पूर्ण-कालिक	ग्रामीण बुनियादी ढांचा, विस्तार शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक समावेश	19 साल	05	03	10	17	35	03

डॉ. ननीगोपाल देबनाथ	एम.एससी., पीएचडी (अर्थशास्त्र)	सहायक प्राध्यापक -सह-सहायक निदेशक	पूर्ण-कालिक	जनसंख्या अध्ययन, जनजातीय विकास और सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति	19 साल	01	03	10	17	14	02

*उल्लेख अनिवार्य

2. विजिटिंग शिक्षक /विजिटिंग फेलो:

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/व्याख्यानों के विषय	अभी/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त हो गया हो)
प्रो. अरूप रतन बंदोपाध्याय	जनजातीय स्वास्थ्य और एथनो मेडिसिन	कलकत्ता विश्वविद्यालय
प्रो. दीप्तेंदु चटर्जी	सहभागी अनुसंधान	कलकत्ता विश्वविद्यालय

3. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/ विद्यार्थी/ शोधार्थी	सम्मेलन का नाम/संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लिया		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्थागत स्तर
भास्कर दत्ता (कोर्स वर्क जारी)	शोधार्थी	'वित्तीय, डिजिटल और स्वास्थ्य समावेशन को आगे बढ़ाना: विक्सित Bharat@ 2047 की ओर कदम' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 11 फरवरी 2025 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।	-	-
	शोधार्थी	व्यवसाय प्रबंधन विभाग और नॉर्थ ईस्टर्न मैनेजमेंट एसोसिएशन (एनईएमए) द्वारा 4 और 5 जुलाई' 2025 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय में 'व्यवसाय प्रबंधन की पुनर्कल्पना: नवाचार, समावेशन और भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।	-	-

4. त्रिपुरा विश्वविद्यालय से अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों के लिए विजिटिंग फैकल्टी:

नाम	से (दिन/माह/वर्ष)	तक (दिन/माह/वर्ष)	संस्थान/विश्वविद्यालय	विभाग/स्कूल का नाम (जहां विजिटिंग फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया हो)
राजेश चटर्जी	03/03/2025	07/03/2025	कलकत्ता विश्वविद्यालय	मानव विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय
	23/06/2025	23/06/2025	एमबीबी विश्वविद्यालय, अगरतला	एनएसएस

5. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन अध्ययनशाला आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
राजेश चटर्जी	अगरतला, त्रिपुरा	08/01/2025	सिपार्ड	समावेशी मूल्य श्रृंखलाओं का परिचय
	अगरतला, त्रिपुरा	16/01/2025	सिपार्ड	निर्णय लेना और संघर्ष समाधान
	बेलोनिया, त्रिपुरा	09/01/2025	ईश्वर चंद्र विद्यासागर कॉलेज	कोकबोरोक दिवस में सम्मानित अतिथि
	गिरिडीह, झारखंड	27/08/2024	भारतीय सांख्यिकी संस्थान	ग्रामीण सेट-अप में व्यवसाय योजना कार्यान्वयन
	अगरतला, त्रिपुरा	06/02/2025	सिपार्ड	पीआरए: उपकरण और तकनीक
	अगरतला	14 सितंबर, 2024	रामठाकुर कॉलेज	विकास और शासन: सहस्राब्दी के बाद के भारत में असंख्य परिप्रेक्ष्य
ननीगोपाल देबनाथ	अगरतला	14.01.2025	नेहरू युवा केंद्र, पश्चिम त्रिपुरा	विक्षित भारत के लिए युवाओं की भूमिका
ननीगोपाल देबनाथ	सूर्यमणिनगर	07.02.2025	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	विक्षित भारत के लिए सामाजिक समावेशन

6. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ शोधप्रबंध प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोधप्रबंध प्रस्तुत/सम्मानित
अभ्रनिल भट्टाचार्जी	बराबर समय	ग्रामीण बुनियादी ढांचा और उद्यमिता विकास: एक खोजपूर्ण अध्ययन	राजेश चटर्जी	पंजीकृत
मोहम्मद अब्दुर रहमान चौधरी	बराबर समय	महिला उद्यमिता और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने में सरकारी उद्यमशीलता सहायता प्रणाली की भूमिका: त्रिपुरा में एक अध्ययन		पंजीकृत
जीवन दास	बराबर समय	पूर्वोत्तर भारत के मूल निवासियों पर छठी अनुसूची का प्रभाव: असम की कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद का एक केस स्टडी		शोधप्रबंध सबमिट की गई
शर्मिष्ठा रक्षित	बराबर समय	वृद्ध व्यक्ति और उनके अधिकार: त्रिपुरा में एक अध्ययन	ननीगोपाल देबनाथ	प्रदत्त
बीना रानी त्रिपुरा	बराबर समय	सामाजिक समावेशन और इसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर स्वामी विवेकानंद का दृष्टिकोण		प्रदत्त
सैंटिएनला	बराबर समय	त्रिपुरा के जनजातीय युवाओं के बीच हथकरघा और हस्तशिल्प के पारंपरिक ज्ञान के माध्यम से रोजगार सृजन		पंजीकृत
जेनेसिस देबबर्मा	बराबर समय	समावेशी शैक्षिक कार्यक्रम के माध्यम से जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाना: त्रिपुरा में एक अध्ययन		पंजीकृत
नटराज दास	पूर्णकालिक	व्यवहार के रूप में पोस्टर का प्रभाव घर के बिजली की खपत के व्यवहार पर कुहनी मारता है: एक क्षेत्र प्रयोग	ननीगोपाल देबनाथ (सह-गाइड)	पंजीकृत

7. विभाग के बढ़ते कदम :

7.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता :

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	4 - 10 फरवरी, 2025	4 घंटे/ दिन	विकसित भारत और सामाजिक समावेशन पर प्रशिक्षकों (ToT) का 7 दिवसीय प्रशिक्षण	व्याख्यान श्रृंखला	राष्ट्रीय	70
2	30 मई से 10 जून, 2025	6 घंटे/ दिन	ग्रामीण छात्रों के लिए विकसित भारत और सामाजिक समावेशन: स्वदेशी जागरण	ग्रीष्मकालीन शिविर	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के गोद लिए गए गांवों में आउटरीच गतिविधि	80
3	31/05/2025	6 घंटे	तंबाकू के लिए सोशल मीडिया और युवाओं का जुड़ाव - मुक्त भविष्य	परिसंवाद	राष्ट्रीय	50
4	28/03/2025	03 घंटे	बांस और बेंत उपकरण किट वितरण	प्रशिक्षण के बाद कार्यक्रम	आउटरीच कार्यक्रम	40
5	14 अप्रैल, 2025	02 घंटे	134वीं बीआर अम्बेडकर जन्मजयंती का विशेष व्याख्यान और अवलोकन	विशेष व्याख्यान	क्षेत्रीय	85
6	19-20 मार्च, 2025	08 घंटे / दिन	विकसित भारत और युवा संसद	कार्यगोष्ठी	क्षेत्रीय	137

7	31 जनवरी, 2025	04 घंटे	विकसित भारत और सामाजिक समावेशी 2047 पर प्रशिक्षकों (टीओटी) का प्रशिक्षण	कार्यगोष्ठी	क्षेत्रीय	350
8	19-27 मार्च, 2025	06 घंटे / दिन	गोद लिए गए गांवों की महिलाओं के लिए कढ़ाई प्रशिक्षण	कार्यगोष्ठी	क्षेत्रीय	40
9	30 जनवरी से 27 फरवरी, 2025	05 घंटे / दिन	विकसित भारत और सामाजिक समावेशन पर गोद लिए गए गांवों में एक महीने का जागरूकता कार्यक्रम	आउटरीच कार्यक्रम	क्षेत्रीय	1567
10	27/09/2024	02 घंटे	सामाजिक बहिष्कार का विरोध	प्रदर्शन	क्षेत्रीय	30

7.2 उद्योग/गैर सरकारी संगठन/सरकारी संगठन के साथ संपर्क : (संकायों के लिए)

क्रम सं.	संकाय नाम	उद्योग/गैर सरकारी संगठन का नाम	उद्योग का स्थान	समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए? (हां नहीं)	कोई अनुदान प्राप्त हुआ? (यदि हां, तो मूल्य लाखों में)	विद्यार्थी रखा गया? (यदि हाँ, तो संख्या निर्दिष्ट करें।
1	राजेश चटर्जी	स्कूल ऑफ स्टडीज	अगरतला	प्रक्रियाधीन	-	हाँ

7.3 उद्योग/गैर सरकारी संगठनों/सरकारी संगठनों के साथ संपर्क :(छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	दौरा किए गए उद्योग/गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	दौरा किए गए उद्योग/गैर-सरकारी संगठनों का नाम	यात्रा का उद्देश्य
सीएसएसईआईपी	रबर बोर्ड	रबर बोर्ड	एक्सपोजर विजिट

7.4 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का ग्रेड
ननीगोपाल देबनाथ	आजीवन सदस्य, इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी (आईएएस)।	-
राजेश चटर्जी	आजीवन सदस्य, इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी (आईएएस)	-

8. अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र : सामाजिक समावेशन

9. नई पहल/नवाचार: सिलाई और मोमबत्ती बनाने पर प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना

10. शिक्षण प्रयोगशाला/अनुसंधान प्रयोगशाला:

कुल प्रयोगशाला की संख्या (A+B)	शिक्षण प्रयोगशाला की संख्या (क)	अनुसंधान प्रयोगशाला की संख्या (बी) (प्रोजेक्ट फंडिंग के साथ बिल्ड अप)
01	01	-

11. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण: 30 सिलाई मशीनें और मोमबत्ती बनाने के लिए 20 डायस

12. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योग के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योग के नाम	परियोजना पर सहयोग	सालों
राजेश चटर्जी	मॉस्को विश्वविद्यालय और कलकत्ता विश्वविद्यालय	उत्तर पूर्व भारतीय मानव विज्ञान अनुसंधान	2019-2023

13. कोई अन्य उपलब्धियां:

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जनजातीय अनुसंधान के क्षेत्र में सेंटर फॉर सोशल एक्सक्लूजन एंड इनक्लूसिव पॉलिसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय को सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीओई) की सूची में शामिल किया गया है।

Bamboo and Cane Tool Kit Distribution
SOCIAL MEDIA & YOUTH ENGAGEMENT FOR A TOBACCO FREE FUTURE

12 DAY SUMMER CAMP
VIKSIT BHARAT AND SOCIAL INCLUSION
BHARAT 2047
PROTEST ON SOCIAL EXCLUSION
Social Inclusion

महिला अध्ययन केन्द्र

केंद्र के निदेशक : प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य (हलदर)
रिसर्च एसोसिएट : डॉ. असीम शील
स्थापना वर्ष : 2011

केंद्र का दृष्टिकोण: शिक्षण, अनुसंधान, सहयोग और ज्ञान के प्रसार के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के अध्ययन में उत्कृष्टता के लिए एक केंद्र बनना।

प्रमुख उपलब्धियां: त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र को 2011 में यूजीसी द्वारा मान्यता दी गई थी और 12वीं योजना अवधि से यूजीसी वित्त पोषण प्राप्त किया गया था। इससे पहले भी, 2006 में अपनी स्थापना के बाद से, एक प्रकोष्ठ के रूप में, यह महिलाओं के मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने, इन मुद्दों पर अनुसंधान करने, विस्तार गतिविधियों, सेमिनारों और कार्यशालाओं के आयोजन में लगा हुआ है। 2011 से, भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में महिलाओं के अध्ययन के विकास की यूजीसी योजना के तहत महिला अध्ययन केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने स्वतंत्र अनुसंधान, कानूनी वकालत, प्रलेखन, शिक्षण, प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रम पर काम करना शुरू कर दिया। अपनी गतिविधियों के दौरान, केंद्र विभिन्न सेमिनार, कार्यशालाओं और बातचीत कार्यक्रमों का आयोजन करके समाज में महिलाओं की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। केंद्र ने महिलाओं के मुद्दों की दृश्यता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और महामारी की अवधि के दौरान भी अनुसंधान और शिक्षण में बहु-विषयक सहयोग में संवाद के रास्ते खोले हैं। केंद्र द्वारा पहली बार जेंडर ऑडिट रिपोर्ट (2015-2020) तैयार की गई थी। 2024-25 के दौरान महिला अध्ययन केंद्र की गतिविधियों की विस्तृत सूची नीचे दी गई है:

गतिविधियों का सारांश

क्रम सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम
1.	9 अगस्त 2024	'भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं का योगदान' पर निबंध लेखन प्रतियोगिता
2.	12 अगस्त 2024	भारत के स्वतंत्रता आंदोलन, उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं और सामान्य ज्ञान पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
3.	30 अगस्त 2024	आरजी कर कांड के खिलाफ मौन मार्च
4.	19 सितंबर 2024	महिलाओं के लिए एक दिवसीय ईडीपी जागरूकता कार्यक्रम
5.	25 नवंबर 2024	महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर एक दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला
6.	8 दिसंबर 2024	'खड़े हो जाओ, लैंगिक समानता के लिए बोलो' पर बैठो और प्रतियोगिता बनाओ
7.	24 जनवरी, 2025	एक दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर
8.	11 फरवरी, 2025	विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर एक दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन
9.	13 फरवरी 2025	राष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव
10.	24 फरवरी 2025	आर्थिक विकास पर लैंगिक समानता को मुख्यधारा में लाने पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन
11.	3-5 मार्च 2025	3 - जनजातीय महिलाओं के लिए दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
12.	6-8 मार्च 2025	गैर-जनजातीय ग्रामीण महिलाओं के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम
13.	7 मार्च 2025	हाशिए पर रहने वाली महिला श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य और जागरूकता शिविर
14.	11 मार्च 2025	डॉक्यूमेंट्री फिल्म स्क्रीनिंग और तस्करी पर इंटरैक्टिव सत्र
15.	12 मार्च 2025	ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर
16.	19 मार्च 2025	कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर एक दिवसीय कार्यशाला
17.	2023-2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय की जेंडर ऑडिट रिपोर्ट तैयार की

1. 'भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं का योगदान' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता 9 अगस्त 2024

महिला अध्ययन केंद्र द्वारा अंग्रेजी, बंगाली, कोकबोरोक, हिंदी और संस्कृत विभागों के सहयोग से 9 अगस्त 2024 को 'भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं का योगदान' विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का

सफलतापूर्वक आयोजन किया गया त्रिपुरा विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को महिलाओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाने और प्रतिबिंबित करने के लिए प्रोत्साहित करना था। स्वतंत्रता के लिए भारत का संघर्ष। प्रतिभागियों को अंग्रेजी, बंगाली, हिंदी, कोकबोरोक या संस्कृत में निबंध लिखने का विकल्प दिया गया था, जिसने विविध भाषाई पृष्ठभूमि की अधिक समावेशिता और प्रतिनिधित्व की अनुमति दी। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और इसमें विभिन्न विभागों के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। इस कार्यक्रम ने न केवल महिला स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत का जश्न मनाया बल्कि युवाओं के बीच लैंगिक जागरूकता और ऐतिहासिक चेतना को भी बढ़ावा दिया।

प्रतियोगिता के दौरान छात्रों की भागीदारी

2. **भारत के स्वतंत्रता आंदोलन, उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं और सामान्य ज्ञान पर 12 अगस्त 2024 को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता**

   महिला अध्ययन केंद्र ने क्विज क्लब, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से 12 अगस्त 2024 को एमबीबी सभागार में 'भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाएं और सामान्य ज्ञान' विषय पर एक आकर्षक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 600 से अधिक छात्रों, शोध विद्वानों और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो परिसर में ज्ञान-आधारित इंटरैक्टिव कार्यक्रमों में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। प्रश्नोत्तरी का उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समृद्ध इतिहास के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना, विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं के योगदान का उत्सव मनाना और प्रतिभागियों के बीच सामान्य जागरूकता का परीक्षण करना है। यह कार्यक्रम एक बड़ी सफलता थी, जिसे सक्रिय जुड़ाव, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और प्रतिभागियों से भारी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

श्रोताओं के सत्र में प्रश्नोत्तरी मास्टर प्रो. इंद्रनील भौमिक

3. **आरजी कर घटना के खिलाफ 30 अगस्त 2024 को मौन मार्च**

   महिला अध्ययन केंद्र ने पुरातत्व और प्राचीन संस्कृति विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से हाल ही में आरजी कार की घटना के विरोध में 30 अगस्त 2024 को एक मौन मार्च का आयोजन किया। मार्च का उद्देश्य पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त करना और कार्यस्थलों पर हिंसा और अन्याय की बढ़ती घटनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। शांतिपूर्ण जुलूस में छात्रों, शोध विद्वानों, संकाय सदस्यों और विश्वविद्यालय के

कर्मचारियों सहित 200 से अधिक व्यक्तियों की भागीदारी देखी गई। प्रतिभागियों ने तख्तियां पकड़ी थीं और पूरे मार्च में मौन बनाए रखा, जो प्रतिरोध और सामूहिक चिंता का प्रतीक था।

आरजी कर कांड के खिलाफ मौन मार्च

4. महिला प्रतिभागियों के लिए 19 सितंबर 2024 को एक दिवसीय ईडीपी जागरूकता कार्यक्रम

महिला अध्ययन केंद्र ने उद्यमिता विकास और इनक्यूबेशन सेंटर (ईडीआईसी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से 19 सितंबर 2024 को एक दिवसीय **'उद्यमिता विकास जागरूकता कार्यक्रम'** का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यमशीलता जागरूकता को बढ़ावा देना और महिला छात्रों के बीच स्वरोजगार के अवसरों को प्रोत्साहित करना था। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की लगभग 80 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें ईडीआईसी के विशेषज्ञों और विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के नेतृत्व में इंटरैक्टिव सत्र, प्रेरक वार्ता और संसाधनपूर्ण चर्चाएं शामिल थीं। कार्यक्रम का समापन एक आकर्षक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जहां छात्रों ने सक्रिय रूप से वक्ताओं के साथ बातचीत की और उद्यमिता को करियर पथ के रूप में आगे बढ़ाने में रुचि व्यक्त की।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान एक सत्र लेते हुए प्रो. सलीम शाह

5. 25 नवंबर 2024 को महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर एक दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला

25 नवंबर 2024 को महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर, महिला अध्ययन केंद्र और त्रिपुरा विश्वविद्यालय के बंगाली विभाग ने संयुक्त रूप से इस दिवस को मनाने के लिए **'महिला, हिंसा और प्रतिरोध'** पर एक दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों ने भाग लिया। उड़ीसा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश और प्रसिद्ध साहित्यिक आलोचक न्यायमूर्ति सुभाशीष तलपात्रा मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता थे। संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. बादल कुमार दत्ता ने की। विशेष अतिथियों में टीयू के महिला अध्ययन केंद्र की पूर्व निदेशक डॉ. चंद्रिका बसु मजूमदार और शिक्षा उन्नत अध्ययन संस्थान में सहायक प्राध्यापक और त्रिपुरा महिला आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. अपर्णा डे शामिल थीं। महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर ने उद्घाटन व्याख्यान दिया, जिसमें केंद्र की यात्रा और भूमिका पर प्रकाश डाला गया। अपने मुख्य व्याख्यान में, न्यायमूर्ति तलपात्रा ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा के कारणों और रूपों पर चर्चा की और संवैधानिक और

मानवाधिकारों के महत्व पर जोर दिया। डॉ. बसु मजूमदार ने महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए प्रतिरोध रणनीतियों और कानूनी सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया। कार्यक्रम का समापन बांग्ला विभाग प्रमुख (प्रभारी) डॉ. परमश्री दासगुप्ता के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

कार्यक्रम के दौरान उड़ीसा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुभाशीष तलपात्रा अपना व्याख्यान देते हुए

6. 8 दिसंबर 2024 को बैठें और ड्रा प्रतियोगिता

महिला अध्ययन केंद्र ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग के सहयोग से 8 दिसंबर 2024 को रवींद्र भवन, अगरतला में **'स्टैंड अप, स्पीक आउट फॉर लैंगिक समानता'** विषय पर एक ड्राइंग प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से लैंगिक संवेदनशीलता और जागरूकता को बढ़ावा देना है, खासकर युवा दिमागों के बीच। प्रतियोगिता को शहर और आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न स्कूलों के 200 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। बच्चे कला के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और विचारों को चित्रित करने में उत्साहपूर्वक लगे हुए हैं, जो महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों की उनकी समझ को दर्शाते हैं। प्रतियोगिता ने बच्चों को कला के माध्यम से सामाजिक न्याय, पर्यावरण और लैंगिक समानता पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। युवाओं के बीच समानता, जागरूकता और रचनात्मकता के मूल्यों को पोषित करने के लिए माता-पिता, शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों द्वारा इस पहल की सराहना की गई।

प्रतियोगिता में छात्रों की भागीदारी

7. 24 जनवरी 2025 को एक दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के परामर्श केंद्र के सहयोग से महिला अध्ययन केंद्र ने हिमालय ऑप्टिक्स के उदार समर्थन से 24 जनवरी 2025 को एक दिवसीय नेत्र जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। शिविर विश्वविद्यालय परिसर के भीतर आयोजित किया गया था और विश्वविद्यालय समुदाय के सभी वर्गों से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी गई थी। इस पहल का उद्देश्य नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना और छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को सुलभ दृष्टि जांच सेवाएं प्रदान करना है। शिविर में मुफ्त आंखों की जांच, विशेषज्ञ ऑप्टोमेट्रिस्ट के साथ परामर्श और दृष्टि देखभाल पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस पहल से 500 से अधिक प्रतिभागियों को लाभ हुआ, जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थी, शोधार्थी, प्रशासनिक कर्मचारी और विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य शामिल हैं।

नेत्र शिविर में भाग लेने वाले

8. **विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर 11 फरवरी 2025 को एक दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन**

   विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को चिह्नित करने के लिए, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने 11 फरवरी 2025 को एक दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विज्ञान में महिलाओं के योगदान का जश्न मनाया गया, लैंगिक पूर्वाग्रहों को संबोधित किया गया और समावेशी संवाद को बढ़ावा दिया गया। प्रो. बादल कुमार दत्ता ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर ने स्वागत व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय की महिला वैज्ञानिकों को अनुसंधान में उनकी उत्कृष्टता के लिए प्रदत्त। प्रो. शाओन रॉयचौधुरी, श्री देबाशीष चक्रवर्ती और डॉ. सुदीप्त पाल सहित प्रख्यात वक्ताओं ने विज्ञान, परामर्श और नीति में लैंगिक समानता पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। इस कार्यक्रम में लगभग 70 उपस्थित लोगों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

कार्यक्रम के दौरान महिला वैज्ञानिकों को सम्मानित करते हुए प्रो. बादल कुमार दत्ता

9. **13 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह**

   त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से एक बैठक शुरू की है। राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया और 13 फरवरी 2025 को सरोजिनी नायडू की जयंती मनाई गई। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति (प्रभारी) प्राध्यापक बादल कुमार दत्ता और त्रिपुरा के महाधिवक्ता श्री शक्तिमय चक्रवर्ती ने मुख्य अतिथि के रूप में की। प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर ने लैंगिक जागरूकता को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालय की भूमिका पर जोर देते हुए स्वागत व्याख्यान दिया। मुख्य अतिथि ने सरोजिनी नायडू की विरासत पर विचार किया और प्रो. दत्ता ने लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने में शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। प्रो. अलक भट्टाचार्य ने उद्घाटन सत्र का धन्यवाद प्रस्ताव दिया। पहले तकनीकी सत्र में डॉ. सुदेशना मुखर्जी (बैंगलोर विश्वविद्यालय) ने आज के लैंगिक विमर्श में सरोजिनी नायडू की प्रासंगिकता और समावेशी नीतियों की आवश्यकता पर बात की। दूसरे सत्र में सहायक प्राध्यापक डॉ. परमश्री दासगुप्ता ने महिलाओं से संबंधित मुद्दों और भारत में राष्ट्रीय महिला दिवस के व्यापक महत्व के बारे में बात की। राजनीति विज्ञान विभाग की शोधार्थी सुश्री रिया शर्मा ने समकालीन समाज में महिलाओं की भूमिका और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। राजनीति विज्ञान विभाग की एमए की छात्रा सुश्री सोनाली भट्टाचार्य ने लैंगिक समानता पर युवाओं के दृष्टिकोण और लैंगिक संवेदीकरण कार्यक्रमों में सक्रिय विद्यार्थी

भागीदारी के महत्व पर अंतर्दृष्टि साझा की। डॉ. वीएम डार्लोंग ने धन्यवाद का अंतिम प्रस्ताव दिया, इसमें शामिल सभी लोगों के योगदान को स्वीकार किया और औपचारिक रूप से कार्यक्रम का समापन किया।

त्रिपुरा के महाधिवक्ता श्री शक्तिमय चक्रवर्ती अपना मुख्य व्याख्यान देते हुए

10. आर्थिक विकास पर लैंगिक समानता को मुख्यधारा में लाने पर 24 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

महिला अध्ययन केंद्र और अर्थशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 24 फरवरी 2025 को 'आर्थिक विकास में लैंगिक मुख्यधारा' **शीर्षक से एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी** का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य आर्थिक विकास रणनीतियों में लैंगिक दृष्टिकोण को शामिल करने के महत्व को संबोधित करना था। इसने पता लगाया कि कैसे पारंपरिक आर्थिक सिद्धांत अक्सर लिंग आयाम को नजरअंदाज कर देते हैं और न्यायसंगत और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए लिंग को मुख्यधारा में लाने की वकालत करते हैं। त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्राध्यापक शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर ने स्वागत व्याख्यान के साथ संगोष्ठी की शुरुआत की। अर्थशास्त्र विभाग प्रमुख, प्राध्यापक सुभ्रब्रत दास ने लिंग-संवेदनशील आर्थिक नीति निर्माण में मौलिक सिद्धांतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए संगोष्ठी को प्रासंगिक बनाया। त्रिपुरा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक बादल कुमार दत्ता ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और लिंग-संवेदनशील विकास मॉडल पर मूल्यवान दृष्टिकोण साझा किए। आईआईटी गुवाहाटी में मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्राध्यापक राजश्री बेदामात्ता ने अपने संबोधन में उत्पादकता बढ़ाने और कार्यबल में सौदेबाजी की शक्ति प्राप्त करने में कौशल वृद्धि के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यधारा के आर्थिक सिद्धांत अक्सर तटस्थता ग्रहण करते हैं, इस प्रकार लैंगिक वास्तविकताओं की अनदेखी करते हैं। जादवपुर विश्वविद्यालय की प्राध्यापक शर्मिष्ठा कुंडू ने "भारतीय महिलाओं के बीच रोजगार सृजन: गिग और अनौपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण क्षेत्रों में" पर चर्चा की।पश्चिम बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभाग की प्राध्यापक चंद्रलेखा घोष ने "लिंग और वित्तीय समावेशन" पर अंतर्दृष्टि प्रदान की। संगोष्ठी का समापन त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक जाहर देबबर्मा द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। चर्चाओं में लैंगिक असमानताओं को कम करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास और नीति संशोधन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया गया। इस कार्यक्रम में समान विकास और लैंगिक न्याय के उद्देश्य से नीतियों के माध्यम से भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदलने के लिए लैंगिक मुख्यधारा में लाने के निरंतर प्रयासों पर जोर दिया गया।

Seminar on Gender Mainstreaming in Economic Development Held at Tripura University

Agartala(Tripura): Tripura University recently hosted a significant seminar on 'Gender Mainstreaming in Economic Development,' jointly organized by the Women's Studies Centre and the Department of Economics. The seminar focused on critical issues such as occupational segregation and its impact on economic productivity, highlighting the necessity for inclusive economic policies.

The event featured esteemed scholars, including Professor Rajshree Bedamatta from the Humanities & Social Sciences Department at the Indian Institute of Technology, Guwahati, who served as the Guest of Honour. In her address, she emphasized the role of skill enhancement in boosting productivity and achieving the bargaining theory in economics. She pointed out that while economic theories often assume rationality, they frequently overlook the integration of gender mainstreaming principles.

The seminar commenced with a welcome address by Professor Sharmistha Bhattacharya Haldar, Director of the Women's Studies Centre at Tripura University. Professor Subhrabaran Das, Head of the Department of Economics, set the thematic context by elaborating on the importance and fundamental principles of gender mainstreaming in economic development.

Chief Guest Professor Badal Kumar Dutta, Senior Professor at Tripura University, provided deeper insights into gender and economic development. The seminar also included virtual lectures from eminent economists. Professor Amit Kundu, Head of the Department of Economics at Jadavpur University, Kolkata, spoke on 'Employment Generation among Indian Women in the Gig Economy: Importance of Formal and Informal Vocational Training.' Additionally, Professor Chandralekha Ghosh from the Department of Economics at West Bengal State University, Barasat, presented valuable insights on 'Gender and Financial Inclusion.' The event concluded with a vote of thanks delivered by Professor Jahar Debbarma from the Department of Economics, Tripura University. The discussions underscored the urgent need for skill enhancement and policy interventions to bridge gender disparities in economic participation. The seminar reinforced the importance of sustained efforts in gender mainstreaming within India's economic framework, advocating for inclusive policies that foster economic growth and equality.

एक प्रमुख अंग्रेजी स्थानीय दैनिक में सेमिनार की मीडिया रिपोर्ट

11. जनजातीय महिलाओं के लिए 3 से 5 मार्च 2025 तक 3 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने उद्यमिता विकास केंद्र, त्रिपुरा महिला कल्याण सोसायटी और जम्पुइजाला आर.डी. ब्लॉक के सहयोग से 3 से 5 मार्च 2025 तक '**जनजातीय महिलाओं के लिए 3-**

दिवसीय प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने के लिए जूट शिल्प बनाने में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करके आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाना है। डब्ल्यूएससी टीयू के रिसर्च एसोसिएट डॉ. आशिम शील ने अतिथि का स्वागत किया और महिला सशक्तिकरण में कौशल विकास की भूमिका पर जोर देते हुए कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर, प्रो. सलीम शाह, श्रीमती शिबानी देबनाथ और श्री ओबेद लुंगमुआना **दारलांग** सहित प्रमुख वक्ताओं ने जूट शिल्प की आर्थिक क्षमता, सरकारी सहायता योजनाओं और महिलाओं के समूह के महत्व पर प्रकाश डाला। जम्पुइजाला आरडी ब्लॉक के 30 प्रतिभागियों के साथ, कार्यक्रम ने पर्यावरण के अनुकूल शिल्प कौशल के माध्यम से उद्यमिता को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया। आयोजकों ने मेंटरशिप और मार्केट लिंकेज के माध्यम से निरंतर समर्थन के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की, जिससे यह ग्रामीण महिला सशक्तिकरण के लिए एक मॉडल पहल बन सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक सत्र

12. गैर-जनजातीय ग्रामीण महिलाओं के लिए 6 से 8 मार्च, 2025 तक 3 दिवसीय प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने उद्यमिता विकास केंद्र और इनक्यूबेशन सेंटर, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा महिला कल्याण सोसायटी, अगरतला और रामकृष्ण आश्रम, रानीरखमार के सहयोग से **'गैर-आदिवासी ग्रामीण महिलाओं के लिए 3-दिवसीय प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम'** का सफलतापूर्वक आयोजन किया 6 से 8 मार्च 2025 तक। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को जूट शिल्प बनाने में व्यावहारिक कौशल प्रदान करके सशक्त बनाना है, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता में वृद्धि हो और स्थायी आजीविका को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम की शुरुआत त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र के रिसर्च एसोसिएट डॉ. आशिम शील के स्वागत व्याख्यान से हुई, जिन्होंने महिलाओं के बीच आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया। महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर ने ग्रामीण विकास में स्वदेशी शिल्प की भूमिका पर प्रकाश डाला और महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्यमिता विकास केंद्र और इनक्यूबेशन सेंटर के समन्वयक प्रो. सलीम शाह ने लैंगिक समावेशी आर्थिक विकास की वकालत करते हुए जूट शिल्प के उद्यमशीलता के दायरे और प्रभावी विपणन रणनीतियों पर अंतर्दृष्टि साझा की। प्रशिक्षण में लगभग 30 ग्रामीण महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जो जूट शिल्प तकनीक सीखने में उत्साहपूर्वक लगी हुई थीं। यह पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आयोजकों ने प्रतिभागियों को अपने कौशल को व्यवहार्य व्यवसायों में बदलने में मदद करने के लिए अनुवर्ती प्रशिक्षण, परामर्श और बाजार लिंकेज के माध्यम से निरंतर समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध किया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक सत्र

13. हाशिए पर रहने वाली महिला श्रमिकों के लिए 7 मार्च 2025 को स्वास्थ्य और जागरूकता शिविर का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर, महिला अध्ययन केंद्र ने स्वास्थ्य केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से 7 मार्च 2025 को महिला श्रमिकों के लिए एक स्वास्थ्य और जागरूकता शिविर का आयोजन किया। यह शिविर त्रिपुरा विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित किया गया था। यह पहल विश्वविद्यालय की हाशिए पर रहने वाली महिला श्रमिकों पर केंद्रित थी, जिसमें सुलभ श्रमिकों पर विशेष ध्यान दिया गया था, जो परिसर की स्वच्छता और स्वच्छता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर का उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य जांच और आवश्यक दवाओं के मुफ्त वितरण की पेशकश करके उनके योगदान को पहचानना और उनकी भलाई को बढ़ावा देना था। स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य पेशेवरों ने सामान्य चिकित्सा परीक्षाएं आयोजित कीं, स्वास्थ्य सलाह प्रदान की और प्रतिभागियों की बुनियादी स्वास्थ्य चिंताओं को दूर किया। व्यक्तिगत स्वच्छता, पोषण और महिलाओं के स्वास्थ्य के मुद्दों पर भी जागरूकता बढ़ाई गई। शिविर में श्रमिकों की सक्रिय भागीदारी और सराहना देखी गई, और इसने अपने हाशिए पर रहने वाले कार्यबल के स्वास्थ्य और गरिमा के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह पहल एक अधिक समावेशी और सहायक परिसर वातावरण बनाने की दिशा में एक कदम थी।

शिविर के दौरान एक झलक

14. 11 मार्च 2025 को डॉक्यूमेंट्री फिल्म स्क्रीनिंग और तस्करी पर इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र और समाजशास्त्र विभाग ने द इम्पैक्ट एंड डायलॉग फाउंडेशन के सहयोग से 11 मार्च, 2025 को दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक स्मार्ट क्लासरूम, समाजशास्त्र विभाग, पहली मंजिल, डे केयर बिल्डिंग, टीयू में वृत्तचित्र फिल्म "ट्रेडेड" की स्क्रीनिंग का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में छात्रों, संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों सहित लगभग 100 उपस्थित लोगों की भागीदारी देखी गई। श्री हर्षित बावा द्वारा निर्देशित ट्रेडेड की स्क्रीनिंग ने मानव तस्करी की गंभीर वास्तविकताओं को सशक्त रूप से चित्रित किया, जिससे इस मुद्दे पर महत्वपूर्ण

जागरूकता बढ़ी। स्क्रीनिंग के बाद, इम्पैक्ट एंड डायलॉग फाउंडेशन की संस्थापक और निदेशक श्रीमती पल्लवी घोष और फिल्म के निर्देशक श्री हर्षित बावा के साथ एक संवादात्मक चर्चा आयोजित की गई। दोनों वक्ताओं ने मानव तस्करी से निपटने की चुनौतियों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की और सक्रिय युवा जुड़ाव और सामुदायिक जागरूकता के महत्व पर जोर दिया।

फिल्म स्क्रीनिंग के दौरान प्रतिभागियों का ध्यान

15. 12 मार्च 2025 को ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर

महिला अध्ययन केंद्र और पोषण जैव रसायन और विष विज्ञान प्रयोगशाला, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा 12 मार्च 2025 को कम्युनिटी हॉल, अश्विनी मार्केट, ईशानचंद्रनगर में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन डॉ. सुकोमल सरकार (एमएस ऑर्थो), प्राध्यापक शर्मिष्ठा भट्टाचार्य और डॉ. सुदीप्त पाल ने किया। डॉ. सरकार ने दो एजीएमसी नर्सों और एक बोन डेंसिटोमेट्री तकनीशियन के साथ चिकित्सा परामर्श और स्वास्थ्य मूल्यांकन प्रदान किया। शिविर में पुरुष और महिलाओं सहित कुल 103 ग्रामीणों ने भाग लिया। एंथ्रोपोमेट्रिक माप और यादृच्छिक रक्त शर्करा परीक्षण किए गए, और 86 ग्रामीणों ने रक्त के नमूने संग्रह के लिए सहमति व्यक्त की। जैव रासायनिक विश्लेषण (कैल्शियम, लिपिड प्रोफाइल) और अस्थि खनिज घनत्व परीक्षण किए गए। निष्कर्षों से पता चला है कि पुरुषों में ऑस्टियोपोरोसिस और हाइपोकैल्सीमिया और महिलाओं में ऑस्टियोपीनिया और कम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल का प्रसार है। मधुमेह का प्रसार दोनों लिंगों में समान था। कैल्शियम की गोलियां, विटामिन डी की खुराक और पाचन दवाओं सहित मुफ्त दवाएं वितरित की गईं। शिविर में वंचित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति ग्रामीणों को सफलतापूर्वक मुफ्त अस्थि स्वास्थ्य जांच, रक्त विश्लेषण रिपोर्ट और नैदानिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

शिविर के दौरान एक झलक

16. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर 19 मार्च 2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के महिला अध्ययन केंद्र और त्रिपुरा विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 19 मार्च 2025 को किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर यौन

उत्पीड़न को संबोधित करने के लिए कानूनी ढांचे और संस्थागत तंत्र पर जागरूकता बढ़ाना था। उद्घाटन सत्र की शुरुआत मंच के निर्माण और अतिथियों के अभिनंदन के साथ हुई। राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। राजनीति विज्ञान विभाग प्रमुख प्रो. अलक भट्टाचार्य ने कार्यशाला की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए स्वागत व्याख्यान दिया। महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्राध्यापक शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को रेखांकित किया। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा के रजिस्ट्रार प्रो. नचिकेता मित्तल ने पॉश अधिनियम, 2013 और न्यायिक अंतर्दृष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए मुख्य व्याख्यान दिया। कुलपति (प्रभारी) प्राध्यापक बादल के. दत्ता ने सुरक्षित कार्यस्थलों को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालय की भूमिका पर अध्यक्षीय व्याख्यान दिया। विधि विभाग की प्रभारी प्रमुख सुश्री रूमा दास ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. निबेदिता पान ने की और श्री सुभाष सिकदर ने संबोधित किया, जिन्होंने पॉश अधिनियम के तहत आईसीसी संरचनाओं, उत्पीड़न के रूपों और निवारण तंत्र पर चर्चा की। दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. टिंकू गोप ने की, जिसमें डॉ. मैत्रेयी चक्रवर्ती संसाधन व्यक्ति के रूप में थे, जिन्होंने कानूनी बारीकियों, प्रमुख निर्णयों और आईसीसी के कामकाज के बारे में विस्तार से बताया। समापन सत्र की शुरुआत मंच के गठन के साथ हुई। प्रो. अलक भट्टाचार्य ने स्वागत व्याख्यान दिया। मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री बिस्वजीत पालित ने उत्पीड़न निवारण पर न्यायिक दृष्टिकोण साझा किया। विशिष्ट अतिथि टीयू के वित्त अधिकारी देबाशीष पाल ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए प्रशासनिक जिम्मेदारियों पर जोर दिया। प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हलदर ने सत्र का अध्यक्षीय व्याख्यान दिया और डॉ. बिप्लब देबनाथ ने कार्यशाला के समापन के अवसर पर औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

कार्यक्रम में स्वागत व्याख्यान देते हुए प्रो. अलक भट्टाचार्य

17. अनुसंधान गतिविधियाँ

त्रिपुरा विश्वविद्यालय की जेंडर ऑडिट रिपोर्ट (2023-2024) महिला अध्ययन केंद्र, टीयू द्वारा तैयार की गई है। रिपोर्ट में लैंगिक अनुकूल वातावरण बनाने की दिशा में त्रिपुरा विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और पहलों पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में लैंगिक दृष्टिकोण से वास्तविक स्थिति का भी दस्तावेजीकरण किया गया है। रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया में, लिंग आधारित दृष्टिकोण अपनाने के लिए दक्षता हासिल करने के लिए संस्था के भीतर एक संवाद शुरू किया जाता है। यह निर्णय लिया गया है कि इस कार्य को वार्षिक आधार पर किया जाए।

जेंडर ऑडिट टीम ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति को अपनी रिपोर्ट सौंपी

वाणिज्य, विधि, प्रबंधन और सूचना विज्ञान संकाय

व्यापार प्रबंधन विभाग

विभाग प्रमुख	:	डॉ. मनीष दास
स्थापना वर्ष	:	बीबीए - 2002, एमबीए- 2005, पीएचडी - 2014
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	बीबीए, एमबीए, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता	:	बीबीए: 60, एमबीए: 80

विभाग का विजन: एक बेहतर समाज और एक समृद्ध राष्ट्र के लिए रचनात्मक, आत्मविश्वासी और दयालु प्रबंधकों और उद्यमियों का विभाग बनना।

प्रमुख उपलब्धियां:

1. विभाग ने 'पूर्वोत्तरण : पूर्वोत्तर भारत का उदय' मनाया

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग ने यूनिवर्सिटी कनेक्ट हब, रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस), नई दिल्ली और नेत्रा फाउंडेशन के सहयोग से त्रिपुरा राज्य के युवाओं के साथ जुड़ने के उद्देश्य से सांस्कृतिक विसर्जन कार्यक्रम 'पूर्वोत्तरन-द राइज ऑफ नॉर्थ-ईस्ट' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को उजागर करना और प्रासंगिक समकालीन मुद्दों पर बौद्धिक चर्चा की सुविधा प्रदान करना था। 22 फरवरी, 2025 को इस कार्यक्रम में कुल 350 (लगभग) युवाओं ने भाग लिया।

इस उत्सव में निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया: वाद-विवाद प्रतियोगिता, विज्ञापन निर्माण प्रतियोगिता, राज्य की सांस्कृतिक परिधानों को उजागर करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण अभियान और पूर्वोत्तर के क्षेत्रीय व्यंजनों पर प्रकाश डालने वाला खाद्य उत्सव। परिसंवाद "एआई और ऑटोमेशन: क्या वे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी का कारण बनेंगे?" विषय पर आयोजित किया गया। आठ प्रतिभागियों ने अच्छी तरह से शोध किए गए तर्क प्रस्तुत किए, जो एक उत्तेजक और व्यावहारिक चर्चा में योगदान देते हैं।

विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता में दस प्रतिभागियों ने अपने रचनात्मक कार्यों को प्रस्तुत किया। प्रस्तुतियों ने पूर्वोत्तर क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई दृष्टिकोणों और नवीन दृष्टिकोणों का प्रदर्शन किया।

विभाग ने एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया, जहां विश्वविद्यालय भर में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने एक बड़े उद्देश्य के लिए अपना रक्त दान किया।

विभाग के प्रदत्त पूर्व छात्रों के साथ वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया जाता है।

फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया जहां त्रिपुरा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों ने पारंपरिक व्यंजनों के साथ स्टॉल खोले और लगभग 1000 दर्शकों ने भोजन का आनंद लिया।

यूनिवर्सिटी कनेक्ट हब, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस), नई दिल्ली और नेत्रा फाउंडेशन के नोडल प्रमुख ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

2. एमबीए के छात्रों की एक अच्छी संख्या को फाइनल प्लेसमेंट और समर इंटर्नशिप दोनों में कई शीर्ष ब्रांडों में रखा गया

3. संकाय सदस्यों ने 10 से ऊपर इम्पैक्ट फैक्टर वाली शीर्ष पत्रिकाओं में अपने शोध परिणामों को प्रकाशित किया

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि / अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. मनीष दास	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	उपभोक्ता संस्कृति सिद्धांत, उपभोक्ता मनोविज्ञान, जिम्मेदार खपत, सेवा विपणन, खुदरा विपणन, जनरेटिव एआई	17	1	4	5	-	1303	गूगल स्कॉलर: 20, स्कोपस: 18, वेब ऑफ साइंस: 17

डॉ. निर्माल्य देबनाथ	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सेवा विपणन, खुदरा विपणन, स्थिरता	13	0	5	5	-	65	गूगल स्कॉलर: 3
डॉ. अंजना कलाई	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	संस्कृति, मिश्रित शिक्षा, मास्टिज	13	0	0	5	-	62	गूगल स्कॉलर: 2
जुवेल घोष	एमटीएम, एमबीए, नेट (जेआरएफ)	अतिथि संकाय	अतिथि	गंतव्य ब्रांडिंग, स्थिरता और पर्यावरण प्रबंधन	6	0	0	4	-	-	-
सुमित देबबर्मा	एमबीए, नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	धारणा, स्थिरता	1	0	0	4	-	-	
अंकिता चक्रवर्ती	एमबीए	अतिथि संकाय	अतिथि	दिमागीपन, स्थिरता	2	0	0	5	-	-	-
सुस्मिता डे	एमबीए	अतिथि संकाय	अतिथि	ब्लॉक-चेन, उपभोक्ता मनोविज्ञान	2	0	0	4	-	-	-
सौरव साहा	एम.कॉम, नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	तरलता, ईएसजी, व्यवहार वित्त	2	0	0	4	-	-	-
सुवर्णिता सरकार	एमबीए	अतिथि संकाय	अतिथि	भलाई, गिग अर्थव्यवस्था	1	0	0	4	-	-	-
सुकांति रॉय	अर्थशास्त्र में एमए	अतिथि संकाय	अतिथि	जेंडर इकोनॉमिक्स, डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स, ट्राइबल डेवलपमेंट	1	0	0	4	-	1	1
देबास्मिता मजूमदार	एमबीए	अतिथि संकाय	अतिथि	ई-कॉमर्स, बिग डेटा	1	0	0	5	-	-	-
दीप्तनु दास	एमबीए	अतिथि संकाय	अतिथि	एचआर एनालिटिक्स, स्टार्ट-अप	1	0	0	4	-	-	-

2. विजिटिंग संकाय/ विजिटिंग फेलो:

नाम	पाठ्यक्रमों के विषय / त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले व्याख्यान	अब/पूर्व से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त हैं)
प्रो. देबमाल्य घोष	संचालन प्रबंधन की बुनियादी बातें	प्रमुख, एमबीए, असम विश्वविद्यालय, सिलचर

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. मनीष दास	विषय: अनुसंधान में उभरते उपकरणों और प्रौद्योगिकियों पर 7वीं एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला (ईटीटीआर-2024) स्थान: आईटी विभाग	18/11/2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	उच्च गुणवत्ता वाले जर्नल प्रकाशनों के लिए गुणवत्ता पत्रिकाओं का चयन करना और लिखना

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ थीसिस प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
सुभ्रजीत पॉल	पूर्णकालिक	जिम्मेदार उपभोक्ता पर एक बड़े पैमाने पर विकास अध्ययन	मनीष दास	शोधप्रबंध जमा
अभिरूपा रॉय	पूर्णकालिक	मास्टिज ब्रांड के साथ उपभोक्ता जुड़ाव बढ़ाने के लिए एक लॉयल्टी प्रोग्राम डिजाइन करना	मनीष दास	प्रदत्त
मृणाल कांति पॉल	पूर्णकालिक	उपभोक्ताओं का पर्यावरणीय विघटन: कारण और परिणाम	मनीष दास	पंजीकृत
गंगुला शनमुक	अंशकालिक	त्रिपुरा में पर्यटन स्थलों के साथ हितधारकों के जुड़ाव में सक्षमता और बाधाएं - एक गुणात्मक विश्लेषण	मनीष दास	पंजीकृत
सौरव मजूमदार	पूर्णकालिक	तय किया जाना है	मनीष दास	पंजीकृत

गौतम देब	अंशकालिक	त्रिपुरा में ऑनलाइन स्वास्थ्य सूचना पोर्टल के प्रति अंगीकरण व्यवहार	निर्माल्य देबनाथ	थीसिस प्रस्तुत की गई
जयंता दास	अंशकालिक	शो रूमिंग या वेब रूमिंग: ग्राहकों के खरीदारी के इरादे को क्या ट्रिगर करता है और क्यों	निर्माल्य देबनाथ	पंजीकृत
शर्मिली चक्रवर्ती	अंशकालिक	हरित सौंदर्य प्रसाधन खरीद के इरादे और हरित कथित मूल्य की मध्यम भूमिका को प्रभावित करने वाले कारक	निर्माल्य देबनाथ	पंजीकृत
मौतुसी चौधरी	अंशकालिक	इकोटूरिज्म में सामुदायिक जुड़ाव: नियोजित व्यवहार और सामाजिक विनिमय सिद्धांत परिप्रेक्ष्य का एक सिद्धांत	निर्माल्य देबनाथ	पंजीकृत
जोबिर मंजुर	अंशकालिक	फर्जी खबरों के प्रसार को प्रभावित करने वाले कारक और उपयोगकर्ता की स्वीकृति की मध्यस्थता की भूमिका: बांग्लादेश से साक्ष्य	निर्माल्य देबनाथ	पंजीकृत

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

विभाग के एमबीए छात्रों के लिए आउटरीच गतिविधि के रूप में राज्य उद्योग दौरे का आयोजन किया गया

विभाग ने आउटरीच गतिविधि के रूप में विभाग के एमबीए छात्रों के लिए राज्य उद्योग के बाहर का दौरा किया

5.1 उद्योग/ गैर सरकारी संगठन/ सरकारी संगठन (संकायों के लिए) के साथ संपर्क :

क्रम सं.	संकाय नाम	उद्योग/गैर सरकारी संगठन का नाम	उद्योग का स्थान	समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए? (हां नहीं)	कोई अनुदान प्राप्त हुआ? (यदि हां, तो मूल्य लाखों में)	छात्र नियोजित? (यदि हाँ, तो संख्या निर्दिष्ट करें।
1	डॉ. निर्माल्य देबनाथ, सहायक प्राध्यापक , डीओबीएम, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	1. क्रिसेंट, कोलकाता, 2. स्विट्ज़ फूड्स प्राइवेट मियो अमोरे, कोलकाता, 3. कल्याणी फीड प्लांट, पश्चिम बंगाल, 4. वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर, 5. त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड, 6 मलाया रबड़ कंपनी, 7. आलवेज रूबेक्स प्राइवेट लिमिटेड, 8. जी क्यूब वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, 9. नॉर्थ ईस्ट वेनियर और प्लाईवुड एलएलपी, 10. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	कोलकाता, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा	नहीं	नहीं	नहीं

2	डॉ. मनीष दास, सहायक प्राध्यापक, डीओबीएम, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	1. त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड, 2. मलाया रबर कंपनी, 3. आलवेज रूबेक्स प्राइवेट लिमिटेड, 4. जी क्यूब वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, 5. नॉर्थ ईस्ट वेनियर और प्लाईवुड एलएलपी, 6.. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	नहीं
3	डॉ. अंजना कलाई, सहायक प्राध्यापक, डीओबीएम, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	1. क्रिसेंट, कोलकाता, 2. स्विट्ज़ फूड्स प्राइवेट मियो अमोरे, कोलकाता, 3. कल्याणी फीड प्लांट, पश्चिम बंगाल 4. वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर	कोलकाता, पश्चिम बंगाल	नहीं	नहीं	नहीं
4	सुष्मिता डे, अतिथि संकाय, डीओबीएम, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	1. त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड, 2. मलाया रबर कंपनी, 3. आलवेज रूबेक्स प्राइवेट लिमिटेड, 4. जी क्यूब वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, 5. नॉर्थ ईस्ट वेनियर और प्लाईवुड एलएलपी, 6.. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 7. संजीवनी एनजीओ, 8. IMA - त्रिपुरा	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	नहीं
5	अंकिता चक्रवर्ती, अतिथि संकाय, डीओबीएम, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	1. त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड 2. मलाया रबर कंपनी, 3. आलवेज रूबेक्स प्राइवेट लिमिटेड, 4. जी क्यूब वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, 5. नॉर्थ ईस्ट वेनियर और प्लाईवुड एलएलपी, 6. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	नहीं

5.2 उद्योग/गैर सरकारी संगठनों/सरकारी संगठनों के साथ संपर्क : (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	दौरा किए गए उद्योग/गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	दौरा किए गए उद्योग/गैर-सरकारी संगठनों का नाम	यात्रा का उद्देश्य
व्यवसाय प्रबंधन विभाग	32	1. क्रिसेंट, कोलकाता, 2. स्विट्ज़ फूड्स प्राइवेट मियो अमोरे, कोलकाता, 3. कल्याणी फीड प्लांट, पश्चिम बंगाल, 4. वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर, 5. त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड, 6 मलाया रबड़ कंपनी, 7. आलवेज रूबेक्स प्राइवेट लिमिटेड, 8. जी क्यूब वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, 9. नॉर्थ ईस्ट वेनियर और प्लाईवुड एलएलपी, 10. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 11. आईडीबीआई बैंक, 12. अमूल, 13. सिपार्ड, 14. पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान, 15. मोविड्ड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट, 16. अगरतला स्मार्ट सिटी, 17. त्रिपुरा कोऑपरेटिव बैंक, 18 भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, 19. तेल प्राकृतिक गैस निगम, 20. ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी, 21. ग्रीव्स कॉटन लिमिटेड, 22. इंडियन टोबैको कंपनी, 23. कांसी नेरोलैक पेंट लिमिटेड, 24. महालेखाकार, 25. इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक, 26. त्रिपुरा ग्रामीण बैंक, 27. रुबियान मेघा हाइपर मार्के, 28. इंडस मोटर्स कुट्टियाडी, 29. अखुआरा चेक पोस्ट, 30. वी मार्ट सुपर मार्केट, कक्कटिल, 31. रिलायंस ट्रेंड्ज़, 32. स्मार्ट बाजार, अगरतला	औद्योगिक यात्रा और परियोजना, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजना, आउटरीच गतिविधि

5.3 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/विद्वान का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. मनीष दास	इकोनॉमिक साइंस सोसाइटी ऑफ त्रिपुरा (ईएसएसओटी), नॉर्थ ईस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन (एनईएमए)	जीवन काल
डॉ. निर्माल्य देबनाथ	इकोनॉमिक साइंस सोसाइटी ऑफ त्रिपुरा (ईएसएसओटी), नॉर्थ ईस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन (एनईएमए), भारतीय आर्थिक संघ (आईईए)	जीवन काल
डॉ. अंजना कलाई	इकोनॉमिक साइंस सोसाइटी ऑफ त्रिपुरा (ईएसएसओटी), नॉर्थ ईस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन (एनईएमए), रोटरी क्लब ऑफ अगरतला सिटी	जीवन काल
सुश्री सुस्मिता डे	अगरतला शहर का रोटरैक्ट क्लब	जीवन काल

5.4 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
सुमित देबबर्मा	शिक्षा 4.0 में एआई का उपयोग	ऑनलाइन	6	22/01/24-28/01/24

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र हैं: उपभोक्ता संस्कृति सिद्धांत, उपभोक्ता मनोविज्ञान, नैतिकता और स्थिरता, जिम्मेदार उपभोग, खुदरा विपणन, सेवा विपणन, जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

7. नई पहल/नवाचार: प्रायोगिक और डिजाइन सोच आधारित शिक्षा

8. शिक्षण प्रयोगशाला/अनुसंधान प्रयोगशाला:

कुल प्रयोगशाला की संख्या (A+B)	शिक्षण प्रयोगशाला की संख्या (क)	अनुसंधान प्रयोगशाला की संख्या (बी) (प्रोजेक्ट फंडिंग के साथ बिल्ड अप)
1	1	-

9. अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योग के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योग के नाम	परियोजना पर सहयोग	सालों
मनीष दास	सनवे यूनिवर्सिटी सनवे बिजनेस स्कूल, मलेशिया	अनुसंधान	2024-2025
	ग्रिफ़िथ यूनिवर्सिटी, ग्रिफ़िथ बिजनेस स्कूल, ऑस्ट्रेलिया	अनुसंधान	2024-2025
	जाफना विश्वविद्यालय, श्रीलंका	अनुसंधान	2024-2025
	आरएमआईटी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया	अनुसंधान	2024-2025
	भारतीय प्रबंधन संस्थान, विजाग, भारत	अनुसंधान	2024-2025
	ओ पी जिंदल विश्वविद्यालय, हरियाणा, भारत	अनुसंधान	2024-2025
	सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे, भारत	अनुसंधान	2024-2025
	प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत	अनुसंधान	2024-2025
	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, बैंगलोर, भारत	अनुसंधान	2024-2025
	बिट्स पिलानी, भारत	अनुसंधान	2024-2025
	प्रबंधन संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, भारत	अनुसंधान	2024-2025
	जेके बिजनेस स्कूल गुड़गांव, भारत	अनुसंधान	2024-2025

10. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/एसटी/एससी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/ माइन)	पीएच (हां/नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट / एसएलई / गेट / सीएटी / एसएससी / यूपीएससी / टीपीएससी / अन्य / एसडब्ल्यूटी * / एसडब्ल्यूओ **
अभिनव पॉल	पुरुष	ईडब्ल्यूएस	नहीं	यूजीसी	जाल

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र; **बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र

11. विभाग को ज्ञात छात्र के नियोजन का विवरण

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/एसटी/एससी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/माइन)	दिव्यांग (हां/नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
मोहम्मद रफीउद्दीन ज़मादार	पुरुष	सामान्य	नहीं	आदित्य बिड़ला लाइफ इंश्योरेंस	प्रबंधन प्रशिक्षु	-	-
राजर्षि सिन्हा	पुरुष	सामान्य	नहीं	आदित्य बिड़ला लाइफ इंश्योरेंस	प्रबंधन प्रशिक्षु	-	-

शीतल देबबर्मा	महिला	एसटी	नहीं	आईडीबीआई बैंक	जूनियर सहायक प्रबंधक (ग्रेड ओ)	-	-
अभिनाबा पॉल	पुरुष	ईडब्ल्यूएस	नहीं	आईडीबीआई बैंक	जूनियर सहायक प्रबंधक (ग्रेड ओ)	-	-
सायंतन गून	पुरुष	ईडब्ल्यूएस	नहीं	आईडीबीआई बैंक	जूनियर सहायक प्रबंधक (ग्रेड ओ)	-	-
तुही चौधरी	महिला	सामान्य	नहीं	आईडीबीआई बैंक	जूनियर सहायक प्रबंधक (ग्रेड ओ)	-	-
सुभा बनिक	पुरुष	सामान्य	नहीं	आईडीबीआई बैंक	जूनियर सहायक प्रबंधक (ग्रेड ओ)	-	-
विशाल साहा	पुरुष	सामान्य	नहीं	आईडीबीआई बैंक	जूनियर सहायक प्रबंधक (ग्रेड ओ)	-	-
तापस त्रिपुरा	पुरुष	एसटी	नहीं	जैन योग	प्रबंधन प्रशिक्षु	-	-
लॉर्डड्यू जमातिया	पुरुष	एसटी	नहीं	जैन उद्योग	प्रबंधन प्रशिक्षु	-	-
प्रियम बानिक	पुरुष	सामान्य	नहीं	जैन उद्योग	प्रबंधन प्रशिक्षु	-	-
जुयेल देबबर्मा	पुरुष	एसटी	नहीं	जैन उद्योग	प्रबंधन प्रशिक्षु	-	-
जयश्री पॉल	महिला	सामान्य	नहीं	जैन उद्योग	ग्रेजुएट ट्रेनी	-	-
साग्निक चक्रवर्ती	पुरुष	सामान्य	नहीं	जैन उद्योग	प्रबंधन प्रशिक्षु	-	-
अमृता देबनाथ	महिला	ओबीसी	नहीं	रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी	प्रबंधन प्रशिक्षु	-	-
इंद्रजीत पॉल	पुरुष	सामान्य	नहीं	यस बैंक	बिक्री अधिकारी CASA और वरिष्ठ अधिकारी	-	-

12. कोई अन्य उपलब्धियां:

- विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष दास ने मानविकी और सामाजिक विज्ञान संचार, एक स्प्रिंगर नेचर जर्नल में एसोसिएट एडिटर के रूप में शामिल हुए।
- विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष दास श्रीलंका जर्नल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के संपादकीय बोर्ड में शामिल हुए, जो श्रीलंका के मुक्त विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय की एक पत्रिका है
- डॉ. अंजना कलाई को रोटरी क्लब ऑफ अगरतला, त्रिपुरा के 'सचिव' के रूप में नियुक्त किया गया।
- विभाग की पीएचडी स्कॉलर डॉ. अभिरूपा रॉय आईआईएम बैंगलोर में पोस्ट डॉक शोधार्थी के रूप में शामिल हुईं।

वाणिज्य विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. प्रह्लाद देबनाथ
स्थापना वर्ष : 1988
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.कॉम., वाणिज्य में आईएमडी, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एमकॉम (75), आईएमडीसी (30), पीएचडी (रिक्ति उपलब्धता के अनुसार)

विभाग का विजन : अपनी स्थापना के बाद से, विभाग उद्योग, व्यवसाय और सेवा क्षेत्र के लिए विश्व स्तर पर उपयुक्त सक्षम मानव संसाधन को शिक्षित और प्रशिक्षित करने के लिए व्यापार और वाणिज्य के सभी पहलुओं को एकीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध है; और उन्हें शहरी या ग्रामीण क्षेत्रों में अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने के लिए सुसज्जित और प्रोत्साहित करना जिससे समाज और जनता दोनों को लाभ हो।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो. प्रह्लाद देबनाथ	एम.कॉम., पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	लेखा, वित्त और प्रबंधन	35	0	2	70	0	20	2
प्रो. चिन्मय रॉय	एम.कॉम., पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	लेखा, वित्त और प्रबंधन	29	0	4	60	0	82	6
प्रो. सुबीर कुमार सेन	एमएससी, पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अर्थशास्त्र, संचालन अनुसंधान	20	2	5	60	0	35	3
डॉ. जॉय दास (ग्रहणाधिकार पर)	एम.कॉम., पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रजत देब	एम.कॉम., एमबीए, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	लेखा, कराधान और वित्त	17.6	2	4	70	10	310	10

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोध विद्वान	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. रजत देब	शिक्षक	3	3	-

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. रजत देब	ईडीसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	12, 19, 26 नवमबर 2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	नवोदित उद्यमियों के लिए खातों और वित्त का प्रबंधन
डॉ. एस. के. सेन	बर्दवान विश्वविद्यालय	21.06.2025	एमएमटीटीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ई-कॉमर्स, फिनटेक और डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम में आरसी	ई-कॉमर्स में लॉजिस्टिक समस्याओं में संचालन अनुसंधान मुद्दे
डॉ. एस. के. सेन	प्रबंधन विभाग, नेहू	13.06.2025	आईसीएसएसआर , नई दिल्ली ने प्रबंधन विभाग, नेहू द्वारा आयोजित युवा सामाजिक विज्ञान संकाय (9-20 जून, 2025) के लिए दो (2) सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम को प्रायोजित किया	डेटाबेस और डेटा तैयार करने के साथ काम करना और पैनल डेटा के साथ काम करना

डॉ. एस. के. सेन	वाणिज्य विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय	मार्च 17 -21, 2025	तेजपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा 17 से 21 मार्च, 2025 के दौरान "आर सॉफ्टवेयर: एक परिचय और व्यावहारिक अनुप्रयोग" पर पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया	आर सॉफ्टवेयर: एक परिचय और व्यावहारिक अनुप्रयोग
डॉ. एस. के. सेन	वाणिज्य विभाग, नागालैंड विश्वविद्यालय	11.03.2025	नागालैंड विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा "विकसित भारत@2047 - 1947 से 2047 तक की यात्रा" पर आईसीएसएसआर प्रायोजित संगोष्ठी का आयोजन किया गया	उक्त चर्चा में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया
डॉ. एस. के. सेन	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	19.12.2024	भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा संकाय प्रेरण कार्यक्रम 'गुरु-दक्षता' का आयोजन किया गया	मॉड्यूल 2, 4, 5, 8, 10 के लिए प्रतिभागियों के प्रस्तुति सत्र की अध्यक्षता की
डॉ. एस. के. सेन	यूएसआईपीएस एनईडी और ओआरएफ कोलकाता गुवाहाटी में	13.12.2024	यूएसआईपीएस एनईडी और ओआरएफ कोलकाता द्वारा "विश्व मंच पर पूर्वोत्तर भारत: भारत-अमेरिका संबंधों के लिए उच्च आधार" विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई	उक्त चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में कार्य किया
डॉ. एस. के. सेन	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	06.12.2024	भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा संकाय प्रेरण कार्यक्रम 'गुरु-दक्षता' का आयोजन किया गया	मॉड्यूल 6: अनुसंधान, व्यावसायिक विकास और अकादमिक नेतृत्व
डॉ. एस. के. सेन	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	21.11.2024	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ईटीटीआर	परिकल्पना और एनोवा का परीक्षण: कुछ पद्धतिगत मुद्दे

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ थीसिस प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक / पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
श्री जयंत आचार्य	पूर्णकालिक	लेखांकन	डॉ. रजत देब	कोर्स वर्क जारी
श्री माणिक्य जमातिया	पूर्णकालिक	लेखांकन	डॉ. रजत देब	कोर्स वर्क जारी
श्री रघुबीर साहू	अंशकालिक	लेखांकन	डॉ. रजत देब	पंजीकृत
श्री सौरव चक्रवर्ती	अंशकालिक	लेखांकन	डॉ. रजत देब	सार्वजनिक संगोष्ठी संपन्न
डॉ. अनीता बेहरा	पूर्णकालिक	ईएसजी और फर्म प्रदर्शन	डॉ. रजत देब	प्रदत्त
श्री हरसांगलियन हलम	अंशकालिक	क्षेत्रीय परिवहन नेटवर्क	डॉ. एस. के. सेन	सार्वजनिक संगोष्ठी संपन्न
मोहम्मद मंज़ूर हुसैन	पूर्णकालिक	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क	डॉ. एस. के. सेन	शोधप्रबंध जमा
श्री मानव कुमार चकमा	पूर्णकालिक	क्षेत्रीय परिवहन नेटवर्क	डॉ. एस. के. सेन	पंजीकृत
सुश्री प्रिया दास	पूर्णकालिक	वित्त	डॉ. एस. के. सेन	पंजीकृत
श्री अंकुर सरकार	पूर्णकालिक	वित्त	डॉ. एस. के. सेन	कोर्स वर्क जारी
सुश्री सेविका देबबर्मा	अंशकालिक	वित्त	प्रो. चिन्मय रॉय	पंजीकृत
श्री मृणाल चौधरी	अंशकालिक	लेखांकन	प्रो. चिन्मय रॉय	पंजीकृत
श्री असित दास	अंशकालिक	लेखांकन	प्रो. चिन्मय रॉय	पंजीकृत
श्री शंकर देबनाथ	अंशकालिक	लेखांकन	प्रो. चिन्मय रॉय	पंजीकृत
सुश्री तांगस्रांगती रियांग	अंशकालिक	वित्त	प्रो. पी. देबनाथ	पंजीकृत
श्री राजीव पुखरम सिंह	पूर्णकालिक	वित्त	प्रो. पी. देबनाथ	शोधप्रबंध जमा

5. विभाग की बाहय गतिविधियाँ :

5.1 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/विद्वान का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो. प्रहलाद देबनाथ	आईसीए, आईएए, एआईएमए	आजीवन सदस्यता
प्रो. चिन्मय रॉय	आईसीए, आईएए, एआईएमए	आजीवन सदस्यता

प्रो. सुबीर कुमार सेन	ओरसी, आईसीए, टाई	आजीवन सदस्यता
डॉ. जॉय दास (ग्रहणाधिकार पर)	आईसीए, आईएए, एआईएमए	आजीवन सदस्यता
डॉ. रजत देब	आईसीए, आईएए, एआईएमए, आईएएआरएफ, ईएसओटी, एआईएमएस-इंटरनेशनल	आजीवन सदस्यता

5.2 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. रजत देब	अटल एफडीपी	ऑनलाइन	6 दिन	24 फरवरी-1 मार्च, 2025

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र : लेखा, वित्त, कराधान, बैंकिंग, क्षेत्रीय अध्ययन

7. शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/ पदक/ सम्मान# (राज्य/ राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय स्तर):

शिक्षक का नाम	पुरस्कारों/पदक/ सम्मानों का नाम	पुरस्कार/पदक/ सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणियां
डॉ. रजत देब	सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार	09.12.2024	रेवेनशॉ विश्वविद्यालय	-
डॉ. सुबीर कुमार सेन	आईसीएआई अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कार 2024 (अर्थशास्त्र श्रेणी के तहत स्वर्ण पदक)	30.08.2024	अनुसंधान समिति, द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई)	आईसीएआई इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड्स 2024 में नामांकित शोध पत्र, "पूर्वोत्तर भारत में जियोटूरिम और जियोपार्क्स के लिए सर्किट डेवलपमेंट एप्रोच " को अर्थशास्त्र श्रेणी में स्वर्ण पदक से प्रदत्त है।

खेलों के मामले में अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

8. अन्य विश्वविद्यालयों/ संस्थानों/ उद्योग के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान :

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्योग के नाम	परियोजना पर सहयोग	सालों
डॉ. रजत देब	राजीव गांधी विश्वविद्यालय	आईसीएसएसआर-एमआरपी	2024-26

9. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/एसटी/ एससी/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/माइन)	पीएच (हां/नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट / एसएलई / गेट / सीएटी / एसएससी / यूपीएससी / टीपीएससी / अन्य / एसडब्ल्यूटी * / एसडब्ल्यूओ **
परितोष दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	एनई-स्लेट
अंकुर सरकार	पुरुष	ईडब्ल्यूएस	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	एनई-स्लेट
बिप्लब पॉल	पुरुष	ओबीसी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	एनई-स्लेट
सोमनाथ डे	पुरुष	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	एनई-स्लेट
जयंत अचार्जी	पुरुष	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	लेक्चरशिप के लिए यूजीसी-नेट [जून]
पार्थ अचार्जी	पुरुष	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	जेआरएफ के लिए यूजीसी-नेट [जून]
सोमनाथ डे	पुरुष	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	लेक्चरशिप के लिए यूजीसी-नेट [जून]
उचाई मोंग मोग	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	लेक्चरशिप के लिए यूजीसी-नेट [दिसंबर]
अशरफुल इस्लाम	पुरुष	ईडब्ल्यूएस	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पीएचडी के लिए यूजीसी-नेट [दिसंबर]
परितोष दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	लेक्चरशिप के लिए यूजीसी-नेट [दिसंबर]
अंकुर सरकार	पुरुष	ईडब्ल्यूएस	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पीएचडी के लिए यूजीसी-नेट [दिसंबर]
जयंत अचार्जी	पुरुष	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पीएचडी के लिए यूजीसी-नेट [दिसंबर]
प्रियंका डे	महिला	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पीएचडी के लिए यूजीसी-नेट [दिसंबर]
प्रीतम दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पीएचडी के लिए यूजीसी-नेट [दिसंबर]
प्रकाशग नंदा रियांग	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पीएचडी के लिए यूजीसी-नेट [दिसंबर]
बिप्लब पॉल	पुरुष	ओबीसी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	जेआरएफ के लिए यूजीसी-नेट [दिसंबर]

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र।

पत्रकारिता और जनसंचार विभाग

विभाग प्रमुख	:	डॉ. दीपक उपाध्याय
स्थापना वर्ष	:	2009 (7 अगस्त 2009)
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	जेएमसी में एमए, जेएमसी में पीएचडी
प्रवेश क्षमता	:	30+3 (ईडब्ल्यूएस)

विभाग का दृष्टिकोण: देश के दूर-दराज के क्षेत्र में स्थित, हम, छात्र और संकाय सदस्य, का संकल्प है कि त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पत्रकारिता और जनसंचार विभाग मानव संसाधनों को हमारे विनम्र तरीके से प्रशिक्षित करके राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक रूप से योगदान देने में सक्षम होगा, जो सक्षम मीडिया कर्मियों को तैयार करने की बढ़ती मांग को पूरा करेगा जो हमेशा चुनौतीपूर्ण मीडिया क्षेत्र में समायोजित होने के लिए तैयार हैं। त्रिपुरा राज्य में नहीं बल्कि भारत के राष्ट्रीय परिदृश्य में भी मीडिया जगत में उछाल आया है। आने वाले दिनों में, त्रिपुरा विश्वविद्यालय का पत्रकारिता और जनसंचार विभाग त्रिपुरा राज्य में एक नोडल मीडिया शिक्षण और अधिगम संस्थान के रूप में उभरेगा, जो राज्य के छात्रों की रचनात्मक क्षमताओं का दोहन करेगा, जिसके पास देश के तेजी से सिकुड़ते नौकरी बाजार परिदृश्य में मीडिया शिक्षा के साथ सशक्त कौशल-आधारित रोजगार क्षमता होगी।

प्रमुख उपलब्धियां: पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 2009 में स्थापित किया गया है, जो प्रिंट और वीडियो उत्पादन दोनों में भारत के पूर्वी भाग त्रिपुरा नामक एक छोटे से क्षेत्र के अप्रयुक्त क्षेत्र के स्वदेशी कला और संस्कृति के अनुसंधान और प्रलेखन पर जोर देता है। एक शैक्षणिक विभाग के जीवन में चौदह वर्ष की अवधि एक छोटी सी अवधि हो सकती है, फिर भी, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय वीडियो उत्पादन, जनसंचार, जनसंपर्क, विज्ञापन आदि में ज्ञान के सृजन और प्रसार के क्षेत्र में योगदान करने का प्रयास कर रहा है; और त्रिपुरा राज्य में मीडिया पेशे के उभरते क्षेत्र को संभालने में सक्षम कुशल-जनशक्ति के पोषण में मौजूदा अंतर को भरने का दायित्व पूरा कर रहा है। हमारे एनईपी 2020 पाठ्यक्रम के साथ, जो मीडिया पेशे के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रदर्शन की पेशकश के साथ मिश्रित है, हम नए शिक्षा परिदृश्य में हमारे विभाग की प्रासंगिकता को बढ़ाने के बारे में आश्वस्त हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
दीपक उपाध्याय	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	जलवायु परिवर्तन, न्यू मीडिया स्टडीज	16	1	2	7	-	-	-
सुनील कलाई	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	दृश्य संचार, कोकबोरोक सिनेमा, संस्कृति और इंडिजेनिटी न्यू मीडिया स्टडीज, सहभागी संचार अध्ययन	16	सतत; प्री-सबमिशन पूरा	3	7	-	-	-
धर्मेंद्र कुमार दुबे	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	न्यू मीडिया, जर्नलिज्म, मास कम्युनिकेशन और मीडिया लॉ	1 वर्ष 8 महीने	जारी	2	7	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. विजिटिंग संकाय /विजिटिंग फेलो:

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/ व्याख्यानों के विषय	अभी/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त हो गया हो)
प्रो. बालकृष्णन दिवाकर	जेएमसी विभाग के सम सेमेस्टर के छात्रों को एरिल 2025 के महीने में प्रो. बी. दिवाकर द्वारा पटकथा लेखन, वीडियो संपादन तकनीक, टेलीविजन और वीडियो उत्पादन, रेडियो पत्रकारिता, मीडिया प्रबंधन, रेडियो नाटक और विज्ञापन आदि के लेखन और निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों पर आयोजित विशेष कक्षाएं ली गई।	पूर्व में एजेके एमसीआरसी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली से
प्रो. रत्ना माला	मीडिया परिदृश्य और पूर्वोत्तर भारत पर व्याख्यान	जेएमसी विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल।
प्रो. अभिजीत बोरा	एक सांस्कृतिक उद्योग के रूप में मीडिया	जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर।
प्रो. एम.पी. गोस्वामी	सांस्कृतिक आत्मसात और मीडिया कायापलट	जनसंचार विभाग, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग।
प्रो. सुरेश चंद्र नायक	सामाजिक विकास प्रक्रिया के लिए मीडिया	मीडिया विभाग, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी।
डॉ. मनोज दास	सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था की वृद्धि और विकास के लिए एक उपकरण के रूप में मीडिया	जनसंचार विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय।
डॉ. आर.के. लीलापति देवी	मणिपुर का मीडिया परिदृश्य और नए सिनेमा का फलफूल	जनसंचार और पत्रकारिता विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल।
डॉ. सोमरिता गन चौधरी	मीडिया उद्योग में एआई का उपयोग	विधि और संचार विभाग, सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय

3. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. दीपक उपाध्याय	शिक्षक	-	02	-
डॉ. सुनील कलाई	शिक्षक	-	03	-
डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	शिक्षक	-	03	03

4. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. सुनील कलाई	काकराबन, गोमती, त्रिपुरा	10-11 अप्रैल, 2025	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान	त्रिपुरा के इतिहास, संस्कृति और भाषा के प्रक्षेपवक्र का पता लगाना
डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	जोधपुर	23-24 दिसंबर 2024	जेएनवीयू जोधपुर	समर्थ भारत की ओर: विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सोशल मीडिया की भूमिका
डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	जयपुर	08/10/2024	प्रताप महाविद्यालय, जयपुर	स्वावलंबन एईवीएम स्वदेशी

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ थीसिस प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
रोशेल एन लेप्चा	अंशकालिक	गेन्स के बदलते आख्यान: एक नृवंशविज्ञान अध्ययन	डॉ. सुनील कलाई	प्री-सबमिशन खत्म
सुखेन कलाई	अंशकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	पंजीकृत होने के लिए
प्रसेनजीत देबनाथ	अंशकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. दीपक उपाध्याय	पंजीकृत होने के लिए

उत्सव राय	पूर्णकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. सुनील कलाई	पंजीकृत होने के लिए
मिजानुर रहमान	पूर्णकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. दीपक उपाध्याय	पंजीकृत होने के लिए
जोएल लालेंजियाना डार्लोंग	अंशकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. सुनील कलाई	पंजीकृत होने के लिए
विजीत कुमार	अंशकालिक	कोर्स वर्क	डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	पंजीकृत होने के लिए

6. विभाग की बाहय गतिविधियाँ : पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के बाद से कई आउटरीच कार्यक्रमों में संलग्न रहा है। 2025 में, जेएमसी विभाग ने मोद्रा (ए सोशल वेलफेयर सोसाइटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, इस तरह की पहल के माध्यम से विभाग और इसके संकाय सदस्य जनता, छात्रों, युवाओं और ग्रामीणों के कल्याण के लिए व्यापक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इसने त्रिपुरा के कई स्कूलों और कॉलेजों में नुक्कड़ नाटक, जनजातीय युवाओं और पत्रकारों के लिए अनुसंधान आधारित सेमिनार, साइबर सुरक्षा के मुद्दों और ऑनलाइन सुरक्षा पर स्कूली छात्रों के बीच संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

6.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता :

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/अभिविन्यास पाठ्यक्रम/संगोष्ठी/ सम्मेलन/कार्यशालाएँ/ संगोष्ठी व्याख्यान/वार्ता	अंतर-राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या	समन्वयकर्ता का नाम	फंडिंग एजेंसी
1	जनवरी 15-16, 2025	दो दिन	"नाट्य विधियों के माध्यम से सामाजिक समानता" पर कार्यशाला	कार्यगोष्ठी	राज्य	100	डॉ. सुनील कलाई	मोंद्रा और इंपल्स एनजीओ
2	18 और 19 फरवरी, 2025	दो दिन	विशिष्ट भारत 2047: लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सांस्कृतिक उद्यमिता की भूमिका और क्षमता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन	परिसंवाद	राष्ट्रीय	205	डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता

6.2 उद्योग / गैर सरकारी संगठन के साथ संपर्क : (संकायों के लिए)

क्रम सं.	संकाय नाम	उद्योग/गैर सरकारी संगठन का नाम	उद्योग का स्थान	समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए? (हां नहीं)	कोई अनुदान प्राप्त हुआ? (यदि हां, तो मूल्य लाखों में)	छात्र रखा गया? (यदि हाँ, तो संख्या निर्दिष्ट करें।
1	डॉ. सुनील कलाई, डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे और डॉ. दीपक उपाध्याय	मोंद्रा (एक सामाजिक कल्याण संगठन)	अगरतला	हाँ	नहीं	छात्र 2025 में एनजीओ के साथ इंटर्नशिप में शामिल हैं
2	डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	स्वदेशी शोध संस्थान	दिल्ली	हाँ	नहीं	नहीं

6.3 उद्योग / गैर सरकारी संगठन / सरकारी संगठन के साथ संपर्क : (छात्रों के लिए)

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के अंतिम वर्ष के छात्रों ने 2024-2025 में निम्नलिखित संगठनों के साथ अपना इंटर्नशिप कार्यक्रम किया है।

क्रम संख्या	छात्रों के नाम	रोल नंबर	उद्योग का नाम/गैर सरकारी संगठन/मीडिया हाउस का दौरा किया	वर्ष	यात्रा का उद्देश्य
1	लग्नजिता चक्रवर्ती	230614020	नॉर्थ ईस्ट कलर्स, त्रिपुरा	2025	इंटर्नशिप
2	पायल रॉय	230614008	नॉर्थ ईस्ट कलर्स, त्रिपुआ	2025	इंटर्नशिप
3	ऐसिरी देबबर्मा	230614011	त्रिपुरा टाइम्स त्रिपुरा	2025	इंटर्नशिप
4	डेज़ी देबबर्मा	230614005	त्रिपुरा टाइम्स, त्रिपुरा	2025	इंटर्नशिप
5	जयश्री दास	230614006	नॉर्थ ईस्ट कलर्स, त्रिपुआ	2025	इंटर्नशिप
6	रिशा कलाई	230614024	द हंस इंडिया और एचएमटीवी, हैदराबाद	2025	इंटर्नशिप
7	जुलरिप देबबर्मा	230614019	द हंस इंडिया और एचएमटीवी, हैदराबाद	2025	इंटर्नशिप

8	रुसान रियांग	230614025	द हंस इंडिया और एचएमटीवी, हैदराबाद	2025	इंटर्नशिप
9	दीपिका रियांग	230614016	द हंस इंडिया और एचएमटीवी, हैदराबाद	2025	इंटर्नशिप
10	अलीना देबबर्मा	230614032	द हंस इंडिया और एचएमटीवी, हैदराबाद	2025	इंटर्नशिप
11	सागर देबबर्मा	230614027	द हंस इंडिया और एचएमटीवी, हैदराबाद	2025	इंटर्नशिप
12	रूपा कलाई	230614010	द हंस इंडिया और एचएमटीवी, हैदराबाद	2025	इंटर्नशिप
13	सियारी देबबर्मा	230614028	त्रिपुरा टाइम्स, त्रिपुरा	2025	इंटर्नशिप
14	जैस्मीन कलाई	230614017	त्रिपुरा टाइम्स, त्रिपुरा	2025	इंटर्नशिप
15	अमरदाता जमातिया	230614002	रूट्स एंड रील्स - मोंद्रा (एनजीओ) की एक पहल	2025	इंटर्नशिप
16	जीतन रियांग	230614007	रूट्स एंड रील्स - मोंद्रा (एनजीओ) की एक पहल	2025	इंटर्नशिप
17	हाबिल देबबर्मा	230614001	रूट्स एंड रील्स - एक पहल MONDRA (एनजीओ)	2025	इंटर्नशिप
18	लेंगलाती जमातिया	230614021	बीज़ी बिजनेस सॉल्यूशंस, अगरतला	2025	इंटर्नशिप
19	अमर बिजॉय जमातिया	230614012	रूट्स एंड रील्स- मोंद्रा (एनजीओ) की एक पहल	2025	इंटर्नशिप
20	बिजयन त्रिपुरा	230614004	रूट्स एंड रील्स - एक पहल मोंद्रा (एनजीओ)	2025	इंटर्नशिप

6.4 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/विद्वान का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. सुनील कलाई	एशियाई मीडिया सूचना और संचार केंद्र (एएमआईसी)	आजीवन सदस्य
डॉ. सुनील कलाई	मोंद्रा (एक सामाजिक कल्याण सोसायटी)	संस्थापक अध्यक्ष
डॉ. सुनील कलाई	इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च	वार्षिक सदस्यता
डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	एनएएमएलई (नेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया लिटरेसी)	व्यक्तिगत सदस्य
डॉ. दीपक उपाध्याय	मोंद्रा (एक सामाजिक कल्याण सोसायटी)	व्यक्तिगत सदस्य
डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	मोंद्रा (एक सामाजिक कल्याण सोसायटी)	व्यक्तिगत सदस्य

6.5 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	एफआईपी "गुरु-दक्षता"	एमएमटीटीसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	चार सप्ताह	26/11/2024 से 23/12/2024
डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	एफडीपी	रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी	एक सप्ताह	02/9/2024 से 09/9/2024
डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे	एफडीपी	एमएमटीटीसी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	एक सप्ताह	23/06/2025 से 29/06/2025
डॉ. दीपक उपाध्याय	एफडीपी	एमएमटीटीसी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	एक सप्ताह	23/06/2025 से 29/06/2025

7. **अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र** : त्रिपुरा विश्वविद्यालय का पत्रकारिता और जनसंचार विभाग अपनी स्थापना के बाद से ही त्रिपुरा राज्य के लोगों के विभिन्न सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक मुद्दों जैसे कोकबोरोक सिनेमा और संस्कृति पर सहभागी वृत्तचित्र फिल्म निर्माण की तैयारी में व्यापक शोध करने पर जोर दे रहा है। इसके अलावा, जेएमसी विभाग का मानना है कि सामाजिक विकास और परिवर्तन, न्यू मीडिया और जलवायु परिवर्तन संचार के लिए संचार में अनुसंधान करने की तत्काल आवश्यकता है। विभाग विशेष रूप से राज्य के अप्रयुक्त लेकिन समृद्ध क्षेत्रों की कला और संस्कृति की अनुसंधान गतिविधियों और प्रलेखन पर भी जोर देता है, और सामान्य रूप से पूरे क्षेत्र में प्रिंट मीडिया के साथ-साथ वीडियो उत्पादन, समाज में समाचार पत्र और मीडिया विधि और नैतिकता पर भी जोर देता है।

8. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण:

क्रम संख्या	उपकरण का नाम
1	मैनफ्रोटो तिपाई MVH502A,546जीबी
2	256 जीबी सीएफ कार्ड
3	कैमरे के लिए बैटरी (LP-E6) और कैनन कैमरा EOS 5D मार्क IV के लिए चार्जर)
4	EOS 5D मार्क -IV कैमरा के लिए कैनन BG -E20 बैटरी ग्रिप
5	सुपर 5 इन 1 कोलैप्सिबल फोटो लाइट रिफ्लेक्टर (1000 x 150 सेमी)
6	GoPro HER04 ब्लैक 4k एक्शन कैमरा
7	कैनन डीएसएलआर कैमरा (मॉडल: ईओएस 5 डी मार्क-IV) लेंस के साथ (मॉडल: ईएफ 24-105 मिमी आईएस II यूएसएम

8	तिपाई SLIK लोड करने के लिए 3 किलो ले जाने के लिए
9	लेंस18-135 मिमी ईएफ-एस 18--135 मिमी एफ/3.5-5.6 आईएस कैनन
10	कैनन लेंस EF-S70-300mm F/4 5.6 IS USM
11	कैनन कैमरा डीएसएलआर ईओएस 7 डी
12	मैक प्रो ME253HN/ए SF5KNV02QF9VM
13	सोनी कैमरा DCR SD1000E प्रोफेशनल वीडियो
14	फ्लैश कार्ड वीडियो रिकॉर्डर Sony HVR-MRC1K
15	बैटरी सोनी लायन NPF-970
16	तिपाई कैमकॉर्डर मैनफ्रोटो 701 एचडीवी 547बी
17	Sony HVR-Z5p CMOS (कलर वीडियो कैमरा
18	कैनन फ्लैश(430Ex11)
19	कैननईएफलेंस (ईएफ-14 मिमी)
20	कैनन ईओएस 50डी
21	सोनी मल्टीमीडिया स्पीकर/होम थिएटर (मॉडल डीएवी-टी२१४६)
22	सोनी 4.1 चैनल मल्टीमीडिया स्पीकर (मॉडल SAD10)
23	सोनी मेक 32 "एलईडी त्रिपुरा विश्वविद्यालय (मॉडल KDL3LR482B
24	स्मार्ट टीवी
25	एलजी टीवी, सोनी टीवी आदि
26	IMAC21.5"MK142HN/A (SC02S51MOGF1J, SC02S33HRGG77)
27	मैं मैक MK142HN/ए (C02S51MOGF1J)
28	कंप्यूटर ऑनलाइन यूपीएस

9. शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पदक/सम्मान# (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर):

शिक्षक का नाम	पुरस्कारों/पदक/ सम्मानों का नाम	पुरस्कार/पदक/ सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणियां
डॉ. सुनील कलाई	समृद्ध भारत बनाने की दिशा में विशेष योगदान के लिए दत्तोपंत ठेंगड़ी पुरस्कार	13.08.2024	स्वदेशी जागरण मंच और त्रिपुरा विश्वविद्यालय	यह पुरस्कार आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने पर ध्यान देने के साथ क्षेत्र में उद्यमिता विकास के माध्यम से आदिवासी समुदायों के आर्थिक विकास की दिशा में मोंद्रा (ए सोशल वेलफेयर सोसाइटी) के साथ अपने कार्यों के माध्यम से डॉ. सुनील कलाई के योगदान को मान्यता देता है। डॉ. कलाई इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता हैं।

खेलों के मामले में अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

10. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/ म)	श्रेणी (सामान्य/ एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ माइन)	पीएच (हां/ नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट / एसएलई / गेट / सीएटी / एसएससी / यूपीएससी / टीपीएससी / अन्य / एसडब्ल्यूटी * / एसडब्ल्यूओ **
जुलरिप देबबर्मा	पुरुष	एसटी	नहीं	जेएमसी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	एनटीए नेट (रोल नंबर-TA01000846; प्राप्त अंक-154, वर्ष जून 2025)

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र। A

11. अन्य उपलब्धियां:

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.) में व्यावसायिक शिक्षा विभाग के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज में सहायक प्राध्यापक डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे को विशेषज्ञ विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नामित किया गया है। एक केंद्रीय विश्वविद्यालय।

डॉ. धर्मेंद्र कुमार दुबे, सहायक प्राध्यापक , को भारतीय शिक्षण मंडल, युवा आयाम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता विविभा-2024 के लिए समीक्षक के रूप में उत्कृष्टता प्रमाण पत्र के लिए प्रदत्त है।

<u>कुछ विभागीय गतिविधियों की तस्वीरें</u>

चित्र 1: राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर और विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

चित्र 2: सत्र में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्ति राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

चित्र 3: राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत करने का सत्र

चित्र 4: राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम

चित्र 5: जेएमसी छात्रों का सांस्कृतिक प्रदर्शन

चित्र 6: विभाग के संकाय

चित्र 6: राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

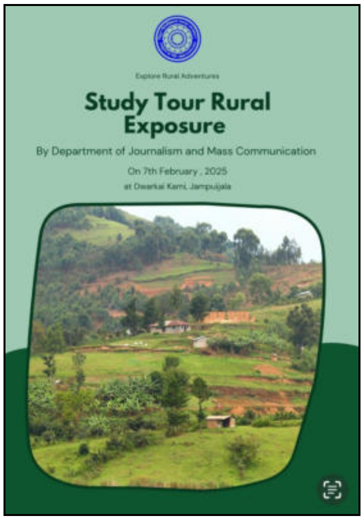

चित्र 8: ग्रामीण विकास के प्रति दायित्व: विभाग द्वारा द्वारकाई गांव का क्षेत्रीय दौरा

चित्र 9 : डॉ. सोमरिता गणचौधरी द्वारा एआई पर विशेष व्याख्यान

चित्र 7: अंतर-विभागीय फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए विभागीय जर्सी का अनावरण

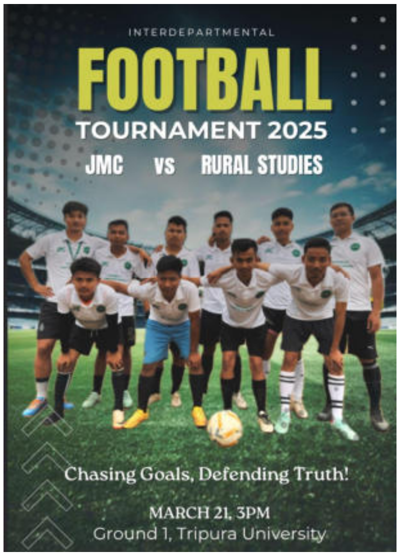

चित्र 11: अंतर-विभागीय फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 में विभाग की भागीदारी

चित्र 8: व्यावहारिक अनुभव के लिए बीसीडीआई भ्रमण

चित्र 13: बीसीडीआई दौरे का समापन सत्र

चित्र 9: नाट्य विधियों के माध्यम से लैंगिक समानता पर एक कार्यशाला

चित्र 10: जेएमसी विभाग की छात्रायें आगरा में राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में पुरस्कार विजेता

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
Quality higher education for all

(उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन)
(An Autonomous Organization under the Department of Higher Education, Ministry of Education, Government of India)

UGC – NET June 2025 Scorecard

Roll Number:	TA01000846	Application Number:	250511089357
Candidate's Name:	JULRIP DEBBARMA		
Mother's Name:	MINATI DEBBARMA		
Father's Name:	JUDHYAMANI DEBBARMA		
Category:	ST	PwD/PwBD*:	NO
Gender:	MALE	Date of Birth:	06-01-1997
Subject:	(063) - MASS COMMUNICATION AND JOURNALISM		
No. of Candidates in this Subject	Registered: 8235	Appeared:	6463
Applied on the basis of:	MASTER DEGREE		
Applied for:	ASSISTANT PROFESSOR, JRF(JUNIOR RESEARCH FELLOWSHIP), PH.D. ONLY		

Paper	Maximum Marks	Marks Obtained	Percentile Score Obtained
Total (Paper – 1 + Paper – 2):	300	154	87.6218474
Total Marks Obtained in Words:	ONE HUNDRED FIFTY FOUR ONLY		
Total Percentile Score Obtained in Words:	EIGHTY SEVEN POINT SIX TWO ONE EIGHT FOUR SEVEN FOUR ONLY		
Result:	QUALIFIED FOR ASSISTANT PROFESSOR & ADMISSION TO Ph.D.		

*VI-Visually Impaired, HI- Hearing Impaired, LM-Locomotor Disability, OD-Other Disability

Dated: 21-07-2025

Director (Exams), NTA

Subject – wise/Category – wise cut-offs are available on the website of NTA.

Note :

1. This electronically generated scorecard is the official result declared by NTA and does not require any signature.
2. The Candidate's particulars, including Category and PwD/PwBD, have been indicated as mentioned by the candidate in the online Application Form.
3. Subject-wise Cut-Off is based on the Marks/Percentile.
4. NTA shall not be responsible for any printing errors in the publication. While preparing the scores, due care has been taken. However, any inadvertent error cannot be ruled out. The NTA reserves the right to rectify any error at a later stage.
5. In the case of qualified candidates, JRF award letter/e-certificate will be issued separately.
6. For detailed information, the award letter/e-certificate and the Information Bulletin may be referred to.

चित्र 11: अंतिम वर्ष के छात्र जुलरिप देबबर्मा ने जून 2025 में एन ई टी परीक्षा उत्तीर्ण की

पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में

TU holds nat'l seminar on cultural entrepreneurship

Times News

Agartala, Feb 18: Tripura University is hosting a two-day National Seminar on "Viksit Bharat 2047: The Role and Potential of Cultural Entrepreneurship for Achieving the Goal" in collaboration with the Dattopant Thengadi Employment Generation Resource Centre (DTEGRC). The seminar, which began on February 18, aims to explore the role of cultural entrepreneurship in shaping India's vision for 2047. The inaugural session featured prominent guests, including Prof. K. Jayaprasad, Former Vice-Chancellor of Kerala Central University, who highlighted the economic potential of cultural heritage. Prof. Ashwani Mahajan, Former Professor at PGDAV College, Delhi University, emphasized the need to integrate entrepreneurship with India's rich cultural traditions. Chief Guest M. Satish Kumar, National Head of Swavalambi Bharat Abhiyan, Delhi, stressed the importance of self-reliance through cultural industries. The seminar also featured Prof. Abhijit Bora and Prof. Bhagirathi Panda as Guests of Honour, who shared their insights on media, research, and policy approaches to cultural entrepreneurship.

A cultural programme was organized as part of the event, showcasing the talents of students from the TTAADC Folk Music College and the Department of Journalism and Mass Communication, Tripura University. Renowned musician Sadagar Debbarma also performed, mesmerizing the audience with his soulful sarinda playing and enchanting voice.

The seminar, sponsored by the Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies and supported by Swadeshi Jagran Manch and Swavalambi Bharat Abhiyan, will continue until February 19.

Saturday, July 27, 2024 08

Mondra organizes second 'Online Safety' awareness program

Times News

Agartala, Jul 26: Mondra, a social welfare society, conducted its second awareness programme on "Online Safety," in collaboration with Impulse NGO and with support from Meta.

The event took place at Standard English High School in RK Nagar under West District on Friday.

Principal of the school, Radha Debbarma, president of Mondra, Dr. Sunil Kalai and Dr. Deepak Upadhyaya attended the programme.

A young, talented team led by Tegli Debbarma, Neha Debbarma, Dipti Reang and Seheli Debbarma, along with other faculty members, Prasenjit Debnath and Sukhen Kalai, also participated.

Dr. Kalai, the founder of Mondra, spoke extensively about the critical aspects of online safety, emphasizing the importance of awareness regarding the risks associated with online activities, particularly for students.

Mondra volunteers provided valuable insights on various online safety issues, including cyberbullying and phishing.

The event aimed to equip students with the knowledge and tools needed to navigate the digital world safely.

Sunil Kalai gets Entrepreneurship Award

Times News

Agartala, Aug 14: The inaugural Dattopant Thengadi Entrepreneurship Award was conferred upon Sunil Kalai on August 13 by R. Sundaram, National Convenor of SwadeshiJagranManch.

The award recognizes Kalai'scontributions to entrepreneurship in the region with a focus on empowering tribal communities.

Through his work with the Mondra NGO, Kalai has worked for economic development of the tribal communities.

This award, presented for the first time this year, will be bestowed annually upon a deserving tribal individual who has made significant strides in the field of entrepreneurship.

Mondra and Impulse reach highest number of students in fifth 'Online Safety' program

Times News

Agartala, July 26: The fifth awareness program on "Online Safety," organized by Mondra, a social welfare society, in collaboration with Impulse NGO and supported by Meta, drew several hundred students at Yakhili Academy and Santikali Ashram in Khumulung on Monday.

This event marked the highest attendance yet, reflecting the growing concern and interest in digital safety among young students.

Led by Dr. Sunil Kalai, president of Mondra and Assistant Professor in the Department of Journalism and Mass Communication at Tripura University, the program aimed to equip students with essential knowledge and tools for navigating the digital world safely.

Dr. Kalai, also the founder of Mondra, delivered an extensive presentation on the critical aspects of online safety.

He emphasized the importance of being aware of the risks associated with online activities, particularly for students.

Supporting Dr. Kalai were Tegli Debbarma, Neha Debbarma, Devika Debbarma and Dipti Reang, a talented team of young volunteers.

Faculty members Prasenjit Debnath and Sukhen Kalai from the JMC department also participated, contributing their expertise to the program.

Mondra volunteers provided valuable insights into various online safety issues, including cyberbullying and phishing.

MONDRA to co-organize workshop on social equality

Times News

Agartala, Jan 13: MONDRA, a prominent social welfare society in Tripura, will co-organize a two-day workshop titled "Social Equality through Theatrical Methods" on January 15-16, 2025, at Tripura University. The event will be organised in collaboration with the Department of Journalism and Mass Communication, Tripura University and AGAMEE, a society for self-help empowerment.

विधि विभाग

विभाग प्रमुख : डॉ. बृज मोहन पांडे और सुश्री रूमा दास (प्रभारी)
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : मास्टर ऑफ लॉ (एलएलएम) 2 साल
प्रवेश क्षमता : 15

विभाग की दृष्टि: शैक्षणिक, अनुसंधान और परामर्श के क्षेत्र में एक प्रमुख विधि शिक्षा प्रदाता के रूप में विधि विभाग को तैयार करना।

प्रमुख उपलब्धियां: केटीडीएस पुलिस प्रशिक्षण अकादमी, नरसिंहगढ़ के सहयोग से त्रिपुरा विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा 06/08/2025 को "नवीन आपराधिक विधि, 2023" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया और 19/03/2025 को कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर एक कार्यशाला का आयोजन संयुक्त रूप से त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, राजनीति विज्ञान विभाग और विधि विभाग द्वारा किया गया।

1. संकाय सदस्य:

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि / अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. मैत्रेयी चक्रवर्ती	एलएलएम, पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मानवाधिकार, खाद्य सुरक्षा	12 साल	-	-	2	-	-	-
सुश्री रूमा दास	एलएलएम	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	व्यापार और कॉर्पोरेट विधि	ढाई साल	-	-	2	-	-	-
डॉ. नयन ममता दास	एलएलएम, पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आपराधिक विधि	6 साल	-	-	-	-	-	-
सुश्री मधुरिमा नाहा	एलएलएम	अतिथि व्याख्याता	संविदा	व्यापार और कॉर्पोरेट विधि	1 साल और 10 महीने	-	-	1	-	-	-

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोध विद्वान	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
मैत्रेयी चक्रवर्ती	शिक्षक	0	0	2
रूमा दास	शिक्षक	0	0	2
मधुरिमा नाहा	शिक्षक	0	0	2
अनुशीला नाथ	छात्रा	0	0	2
सेबिका नाथ	छात्रा	0	0	2
सूरज धुनक	छात्र	0	0	2
गौरब चक्रवर्ती	छात्र	0	0	2
इमानुएल	छात्र	0	0	2
मिनी रियांग	छात्रा	0	0	2
रिशा देबबर्मा	छात्रा	0	0	2
किरण देवी	छात्रा	0	0	2

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
मैत्रेयी चक्रवर्ती	अगरतला	14/08/2024	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, अगरतला	कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 का कार्यान्वयन

मैत्रेयी चक्रवर्ती	अगरतला	17/08/2024	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, अगरतला	पीओएसएच और इसकी कार्य प्रक्रिया के संबंध में आंतरिक शिकायत समिति का संरचनात्मक ढांचा
मैत्रेयी चक्रवर्ती	अगरतला	24/01/2025	महिला पॉलिटेक्निक (तिपुरा सरकार) अगरतला	कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013
मैत्रेयी चक्रवर्ती	अगरतला	19/03/2025	महिला अध्ययन केंद्र, राजनीति शास्त्र और विधि विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013

4. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

4.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता :

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	06/08/2024	एक दिन	केटीडीएस पुलिस प्रशिक्षण अकादमी, नरसिंहगढ़ और त्रिपुरा विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा "नया आपराधिक विधि , 2023" का आयोजन किया गया	परिसंवाद	संस्था स्तर	50
2	19/03/2025	एक दिन	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग, विधि विभाग के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण का आयोजन किया गया	कार्यगोष्ठी	राज्य स्तर	130

4.2 अभिमुखीकरण / पुनश्चर्या / संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
रूमा दास	यूजीसी-एमएमटीटीसी, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया	ऑनलाइन	29 दिन	01/05/2025 ते 29/05/2025
डॉ. मैत्रेयी चक्रवर्ती	संभव इनिशिएटिव और प्रोबोनो इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से कानूनी अनुसंधान, कौशल और अनुसंधान उपकरणों पर दस दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया	ऑनलाइन	दस (10) दिन	01.02.2025-10.02.2025
डॉ. मैत्रेयी चक्रवर्ती	कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध सुरेंद्रनाथ कॉलेज, कोलकाता और जीएनएलयू कानूनी सेवा समिति, गांधीनगर द्वारा समर्थित प्रोबोनो इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से पॉश अधिनियम पर दूसरा राष्ट्रीय स्तर का एक सप्ताह क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया	ऑनलाइन	सात (7) दिन	16 जून से 22 जून 2025

5. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/माइन)	पीएच (हां/ नहीं)	संगठन/ संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट / एसएलई / गेट / सीएटी / एसएससी / यूपीएससी / टीपीएससी / अन्य / एसडब्ल्यूटी * / एसडब्ल्यूओ **
अनुशीला नाथ	महिला	ओबीसी	नहीं	एनटीए	नेट (केवल पीएचडी के लिए) विधि में
सेबिका देबबर्मा	महिला	एसटी	नहीं	एनटीए	नेट (केवल पीएचडी के लिए) विधि में
अर्काप्रव भट्टाचार्य	पुरुष	सामान्य	नहीं	एनटीए	नेट (केवल पीएचडी के लिए) विधि में
अर्काप्रव भट्टाचार्य	पुरुष	सामान्य	नहीं	-	विधि में स्लेट
सूरज दानुक	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	एनटीए	नेट (केवल पीएचडी के लिए) विधि
मणिकंकना दत्ता	महिला	सामान्य	नहीं	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	एसडब्ल्यूटी

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र।

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग

विभाग प्रमुख	:	डॉ. रवींद्र कुमार महापात्रा
स्थापना वर्ष	:	2016
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातक(बी.लिब.आई.एससी.) पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.लिब.आई.एससी) पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता	:	बी.लिब.आई.एससी.-27+3=30 एम.लिब.आई.एससी.-23+2=25 पीएच.डी.-09

विभाग का दृष्टिकोण: इस क्षेत्र में पुस्तकालयों को सक्षम और कुशल जनशक्ति प्रदान करना और ज्ञान के अद्यतन और प्रचार के लिए पुस्तकालयों की स्थापना के पीछे के लोकाचार को संवेदनशील बनाना।

मिशन: इस विषय पर उन्नत ज्ञान प्रदान करना और छात्रों को डिजिटल युग में आधुनिक पुस्तकालयों के प्रबंधन की तकनीकों से सुसज्जित करना और मजबूत सैद्धांतिक नींव के साथ-साथ व्यावहारिक कक्षाओं, सेमिनारों, प्रस्तुतियों, पाठ्यक्रम द्वारा भारत में प्रतिष्ठित पुस्तकालयों के लिए निर्धारित व्यावहारिक यात्रा और इंटर्नशिप कार्यक्रम की पेशकश करके अच्छी तरह से प्रशिक्षित जनशक्ति का तैयार करना।

प्रमुख उपलब्धियां: पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2016 में 29.02.2016 को क्षेत्र में पुस्तकालयों को जीवंत और कुशल जनशक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। विभाग एक वर्ष का स्नातकोत्तर प्रदान कर रहा है जिससे पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातक(बी.लिब.आई.एससी.) की डिग्री प्राप्त की जा सके। 2016-2017 से एलआईएस में सीबीसीएस मॉडल पाठ्यक्रम और यूजीसी मॉडल एलओसीएफ 2020-2021 के संशोधित सीबीसीएस पाठ्यक्रम प्रस्तुत कर रहा है। विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2017-2018 से 1 वर्षीय पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.लिब.आई.एससी) पाठ्यक्रम भी शुरू किया है ताकि इस विषय पर उन्नत ज्ञान प्रदान किया जा सके और छात्रों को डिजिटल युग में आधुनिक पुस्तकालयों के प्रबंधन की तकनीकों से सुसज्जित किया जा सके और 2018-2019 से विभाग ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू कर दिया है। तकनीकी ज्ञान के साथ एलआईएस में डिग्री रखने वाले कुशल पुस्तकालय पेशेवरों की आवश्यकता इस डिजिटल युग में किसी भी पुस्तकालय में अपरिहार्य है। भारत में एलआईएस के क्षेत्र में उच्च शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य और नौकरी बाजार को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं। विभाग मजबूत सैद्धांतिक आधार के साथ-साथ व्यावहारिक कक्षाओं, सेमिनारों, प्रस्तुतियों, भारत के प्रतिष्ठित पुस्तकालयों के लिए पाठ्यक्रम निर्धारित व्यावहारिक यात्रा और त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रदान करके अच्छी तरह से सुसज्जित जनशक्ति तैयार करने के लिए काम कर रहा है। अब तक बी.लिब.आई.एससी. के नौ बैच और एम.लिब.आई.एससी के आठ बैच छात्र सफलतापूर्वक अध्ययन पूरा कर चुके हैं। विभाग के लिए यह बहुत सौभाग्य और उपलब्धि की बात है कि अब तक एक सौ पचास छात्रों को त्रिपुरा राज्य के साथ-साथ राज्य के बाहर भी सहायक प्राध्यापक, अतिथि संकाय, ग्रंथालयाध्यक्ष, सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष, पुस्तकालय प्रशिक्षु, प्रमुख विश्वविद्यालयों, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज, बी.एड कॉलेज, कॉलेज और स्कूल पुस्तकालयों और अनुसंधान संस्थानों में सहायक प्राध्यापक, अतिथि संकाय, ग्रंथालयाध्यक्ष, सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष, पुस्तकालय प्रशिक्षु के रूप में विभिन्न पदों पर रखा गया है। जैसे आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, (त्रिपुरा और नागालैंड), टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, (अगरतला), एनआईटी, अगरतला, नेशनल रेफरेंस लाइब्रेरी ऑफ इंडिया, (कोलकाता), पश्चिम बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी, कोलकाता (डब्ल्यूबी), इनफ्लिबनेट, गांधीनगर (गुजरात), तेजपुर विश्वविद्यालय (केंद्रीय), असम, सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रबंधन संस्थान, कोलकाता (पश्चिम बंगाल), नालंदा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (बिहार), आईआईटी (मद्रास), आईआईटी (मुंबई), आईआईटी (दिल्ली), इग्नू (नई दिल्ली), एनवीएस असम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, और त्रिपुरा, एसआईपीईआरडी, त्रिपुरा, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय और त्रिपुरा राज्य सरकार में अन्य नौकरियों हेतु सफलता पाई है। त्रिपुरा सरकार के माध्यमिक विद्यालयों में एक सामूहिक नियुक्ति में, हमारे

विभाग के इक्यावन छात्रों ने त्रिपुरा के विभिन्न स्थानों में स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष के रूप में सफलतापूर्वक स्थान प्राप्त किया। 16 छात्रों ने 2025 तक पीएचडी और दो छात्रों यूजीसी-जेआरएफ परीक्षाओं के लिए यूजीसी-नेट और नेट सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है। हमारे छात्र और विद्वान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों, सम्मेलनों और वेबिनारों में पेपर प्रस्तुति में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं और सम्मेलन की कार्यवाही और एलआईएस पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित कर रहे हैं। छात्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न सह-पाठयक्रम गतिविधियों में भी भाग लेते हैं, समय-समय पर विभाग में उपलब्धियाँ जोड़ते हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो. रवीन्द्र कुमार महापात्रा	एमए, एमएलआईएस, एलएलबी, पीजीडीएलएन, पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	लाइब्रेरी ऑटोमेशन/ कम्प्यूटरीकरण / आईसीटी/ डिजिटल लाइब्रेरी इनिशिएटिव यूजर स्टडीज/ रीडिंग हैबिट्स / इन्फ बिहेवियर सीकिंग एकेडमिक लाइब्रेरी इंफॉर्मेशन सिस्टम बिब्लियोमेट्रिक स्टडीज	यूजी/पीजी= 30 प्रोफेशनल=8	-	06	5	-	137	6
डॉ. मिठु अंजलि गायन	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सूचना साक्षरता, पुस्तकालय कैटलॉगिंग, डिजिटल पढ़ने की आदतें	9.5 वर्ष	-	3	5	-	106	6
ऑगस्टीन ज़िमिक	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	स्वदेशी ज्ञान, पुस्तकालय प्रबंधन, ज्ञान संगठन	9	एनए	एनए	5	-	1	1

*उल्लेख अनिवार्य

2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. आर. के. महापात्रा	शिक्षक	2	-	-
डॉ. मिठु अंजलि गायन	शिक्षक	3	1	-
डॉ. ऑगस्टीन ज़िमिक	शिक्षक	1	-	-
राजेश कुमार मोग	शोधार्थी	1	-	-
नबनिता रॉय	शोधार्थी	1	-	-
जयंती चक्रवर्ती	शोधार्थी	2	-	-

3. त्रिपुरा विश्वविद्यालय से अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों के लिए विजिटिंग फैकल्टी:

नाम	से (दिनांक/माह/वर्ष)	सेवा मेरे (दिनांक/माह/वर्ष)	संस्थान/विश्वविद्यालय	विभाग/स्कूल का नाम (जहां विजिटिंग फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया हो)
प्रो. आर. के. महापात्रा	02/07/2024	12/07/2024	कॉलेज ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, (बेरहामपुर विश्वविद्यालय), ओडिशा	कॉलेज ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस

4. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. आर. के. महापात्रा	डीएलआईएस, बेरहामपुर विश्वविद्यालय	30-10-2024	डीएलआईएस, बेरहामपुर विश्वविद्यालय	दस्तावेज़ीकरण और संदर्भ
डॉ. मिठु अंजलि गायन	28.03.2025	28.03.2025	आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, नागालैंड	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ थीसिस प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
संजय कुमार साहू	अंशकालिक	साइंटोमेट्रिक अध्ययन	प्रो. आर. के. महापात्रा	पंजीकृत
ऑगस्टीन ज़िमिक	अंशकालिक	तांगखुल नागाओं की स्वदेशी धान खेती प्रथाओं पर प्रलेखन: एक अध्ययन	प्रो. आर. के. महापात्रा	प्रदत्त
राजेश कुमार मोग	पूर्णकालिक	डिजिटल पढ़ने की आदतें	डॉ. मिठु अंजलि गायन	पंजीकृत
नबनिता रॉय	पूर्णकालिक	लाइब्रेरी कैटलॉगिंग	डॉ. मिठु अंजलि गायन	पंजीकृत
प्रसेनजीत धर	बराबर समय	डिजिटल साक्षरता	डॉ. मिठु अंजलि गायन	पंजीकृत

6. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

6.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता :

क्रम सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / बात	अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	12 अगस्त, 2024	एक दिन	पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की 132वीं जयंती पर राष्ट्रीय ग्रंथालयाध्यक्ष दिवस और स्मृति व्याख्यान डॉ. स.र. रंगनाथन	स्मारक व्याख्यान: "पुस्तकालयों और पुस्तकालयाध्यक्षों की बदलती भूमिका" वक्ता: डॉ. किशोर चंद्र सतपति, मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता	राष्ट्रीय	60
2.	5 सितंबर 2024	एक दिन	शिक्षक दिवस	डीएलआईएस के संकायों द्वारा चिंतनशील वार्ता	राष्ट्रीय	60
3.	9-11 जनवरी 2025	तीन दिन	आईसीआरएएल-2025	सम्मेलन	अंतरराष्ट्रीय	200
4.	28 फरवरी 2025	एक दिन	ई-ग्रंथालय अभ्यास पर हाथ	कार्यगोष्ठी	राष्ट्रीय	70

6.2 उद्योग/ गैर सरकारी संगठनों/ सरकारी संगठनों के साथ संपर्क: (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	दौरा किए गए उद्योग/गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	दौरा किए गए उद्योग/गैर-सरकारी संगठनों का नाम	यात्रा का उद्देश्य
पुस्तकालय	6	1. वसुबंधु पुस्तकालय, केंद्रीय हिमालयी सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, दाहुंग, पश्चिम कामेंग 2. सामुदायिक पुस्तकालय गारुंग थुक, शेरगांव, पश्चिम कामेंग जिला, 3. भाकृअनुप-राष्ट्रीय याक अनुसंधान केंद्र (याक पर आईसीएआर-एनआरसी), दिरांग - 790101, पश्चिम कामेंग जिला 4. तेजपुर विश्वविद्यालय पुस्तकालय, तेजपुर, असम। 5. गौहाटी विश्वविद्यालय पुस्तकालय, गुवाहाटी, असम 6. आईआईटी लाइब्रेरी गुवाहाटी	अकादमिक पुस्तकालय का दौरा/ अध्ययन दौरा

6.3 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/विद्वान का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. आर. के. महापात्रा	आईएटीएलआईएस	आजीवन सदस्य
डॉ. आर. के. महापात्रा	लिंक्डइन	https://www.linkedin.com/in/dr-rabindra-kumar-mahapatra-50083643/
डॉ. आर. के. महापात्रा	एलआईएस लिंक	lislink.com
डॉ. मिठु अंजलि गायन	आईएटीएलआईएस	आजीवन

7. अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र : अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र : सूचना साक्षरता, स्वदेशी ज्ञान का प्रलेखन, ओन्टोलॉजी, पढ़ने की आदत, पुस्तकालय सूचीकरण, मेट्रिक्स अध्ययन, सूचना मांगने वाला व्यवहार, एलआईएस, आईपीआर में आईसीटी अनुप्रयोग

8. नई पहल/नवाचार: विभागीय/सेमिनार पुस्तकालय, आईसीटी और आईआर लैब, स्मार्ट बोर्ड क्लास रूम

9. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण: डीडीसी, सीसी, यूडीसी, एएसीआर-2, आरडीए, सियर्स लिस्ट, कटर-सैनबोर्न ऑथर टेबल, ओवरहेड प्रोजेक्टर, डिजिटल कैमरा, स्कैनर, स्मार्ट बोर्ड

10. शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पदक/सम्मान# (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर):

शिक्षक का नाम	पुरस्कारों/पदक/सम्मानों का नाम	पुरस्कार/पदक/ सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणियां
डॉ. आर. के. महापात्रा	सलाहकार	01-12-2021 तक 3 वर्षों के लिए	लायन आई हॉस्पिटल एंड पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, सिलचर, असम,	अनुसंधान विंग सेटिंग अद्यतन डिजिटल लाइब्रेरी,
डॉ. आर. के. महापात्रा	हिंदी भाषा ज्ञान प्रतियोगिता	2023	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	शासी निकाय के सदस्य आईएएसएलआईसी	2023-2025	आईएएसएलआईसी, भारत	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	मानद समीक्षक	2023	कॉलेज पुस्तकालय (डब्ल्यूबीसीएलए)	यूजीसी केयर सूचीबद्ध जर्नल
डॉ. आर. के. महापात्रा	समीक्षक	2023	डेसीडॉक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी	यूजीसी केयर सूचीबद्ध जर्नल
डॉ. ऑगस्टीन ज़िमिक	पीएच.डी.	2025	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	संसाधन व्यक्ति यूजीसी- एमएमटीटीसी	23-09-2024	गौहाटी विश्वविद्यालय	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	सदस्य पैनल चर्चा योजनाकार 2024,	21-09-2024	आरजीयू, अरुणाचल प्रदेश	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	चांसलर नामित, पीएच.डी.	28-09-2024	यूएसटीएम, मेघालय	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	एक सदस्य के रूप में एक सत्र की अध्यक्षता करें पैनल चर्चा	20-21/12/2024	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ICMBL 2024, KIIT विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	संकाय प्रेरण कार्यक्रम गुरु-दक्षता यूजीसी-एमएमटीटीसी के लिए संसाधन व्यक्ति,	29-11-2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	संकाय प्रेरण कार्यक्रम गुरु-दक्ष यूजीसी-एमएमटीटीसी के लिए प्रस्तुति की अध्यक्षता कीजिए,	18-12-2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	आईसीएसएसआर और आरआरआरएलएफ के अध्यक्ष ने आईसीआरएएल 2025 को प्रायोजित किया	2025	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	सदस्य, बीपीजीएस, डीएलआईएस, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय	2024-2025	तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय	-
डॉ. आर. के. महापात्रा	सदस्य, बीपीजीएस, डीएलआईएस, स्कीम विश्वविद्यालय	2024-2025	स्किम विश्वविद्यालय	-

खेल के मामले में, अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

11. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/एसटी/एससी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/माइन)	पीएच (हां/नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट / एसएलई / गेट / सीएटी / एसएससी / यूपीएससी / टीपीएससी / अन्य / एसडब्ल्यूटी * / एसडब्ल्यूओ **
रिया सूत्रधार	महिला	सामान्य	-	राज्य	स्लेट
रिया सूत्रधार	महिला	सामान्य	-	यूजीसी	जाल
लालरेम रांखल	पुरुष	एसटी	-	यूजीसी	पीएचडी के लिए नेट
मेडिलिन मेस्का	महिला	एसटी	-	यूजीसी	पीएचडी के लिए नेट
बिनाता कलाई	महिला	एसटी	-	यूजीसी	पीएचडी के लिए नेट
राजू देबबर्मा	पुरुष	एसटी	-	यूजीसी	पीएचडी के लिए नेट
पंथा रॉय	पुरुष	सामान्य	-	यूजीसी	पीएचडी के लिए नेट
विकास जमातिया	पुरुष	एसटी	-	यूजीसी	पीएचडी के लिए नेट
काकन देबनाथ	महिला	ओबीसी	-	यूजीसी	पीएचडी के लिए नेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र।

12. विभाग को ज्ञात छात्र के नियोजन का विवरण:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/एसटी/एससी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/माइन)	पीएच (हां/नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
जेम्स रोखम	पुरुष	एसटी		एनआईटी अगरतला	पुस्तकालय प्रशिक्षु	एनआईटी	पुस्तकालय प्रशिक्षु
मेडलिन मेस्का	महिला	एसटी	-	माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, त्रिपुरा सरकार	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
रिया सिंघा	महिला	ओबीसी	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
लालरेम रांखल	पुरुष	एसटी	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
खसरंग जमातिया	पुरुष	सेंट	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
समर देबबर्मा	पुरुष	एसटी	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
अनामिका दास	महिला	अनुसूचित जाति	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
पबित्रा देबबर्मा	पुरुष	एसटी	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
अनुता त्रिपुरा	महिला	एसटी	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
प्रीति ह्रांकहॉल	महिला	एसटी	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
अस्मिता दास	महिला	अनुसूचित जाति	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
उदिता दास	महिला	अनुसूचित जाति	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष
विकास जमातिया	पुरुष	एसटी	-	-उपरोक्त-	-उपरोक्त-	टीआरबीटी	स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष

13. शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पदक/सम्मान# (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर):

छात्रों के नाम	पुरस्कारों/पदक/सम्मानों का नाम	पुरस्कार/पदक/सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणियां
रिया सुत्रधर	स्वर्ण पदक	08-09-2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	-
सुस्मिता टोप्पो	स्वर्ण पदक	08-09-2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	-

खेलों के मामले में अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

14. कोई अन्य उपलब्धियां: त्रिपुरा सरकार के माध्यमिक विद्यालयों की एक सामूहिक नियुक्ति में, हमारे विभाग के इक्यावन छात्रों ने त्रिपुरा के विभिन्न स्थानों में स्कूल ग्रंथालयाध्यक्ष के रूप में सफलतापूर्वक स्थान प्राप्त किया।

शारीरिक शिक्षा विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. सुदीप दास
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.पी.एड, पीएचडी और वैकल्पिक पाठ्यक्रम
प्रवेश क्षमता : एमपीएड (40+4), पीएचडी (22), ऐच्छिक पाठ्यक्रम (40)

विभाग का दृष्टि: शारीरिक शिक्षा विभाग ने छात्र के समग्र व्यक्तित्व : शारीरिक, सामाजिक, मानसिक और बौद्धिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया। विभाग के भीतर कार्यक्रम प्रकृति से अंतःविषय हैं और क्षेत्र शिक्षा और सामाजिक विज्ञान को जोड़ते हैं। विभाग स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों में शिक्षक, प्राध्यापक, निदेशक, खेल अधिकारी, कोच, खेल प्रशिक्षक, योग प्रशिक्षक, जिम प्रशिक्षक, फिटनेस काउंसलर, लाइफ सेवर, स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजर के रूप में विभिन्न स्तरों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षक तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग दैनिक जीवन में विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए छात्रों को शारीरिक शिक्षा में एक नेता के रूप में तैयार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

शारीरिक शिक्षा विभाग का उद्देश्य हमारे देश को शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य, फिटनेस और कल्याण, प्रशिक्षण, योग, आउटडोर मनोरंजन और स्वस्थ समाज में शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करना है। हमारी दृष्टि एक अनुसंधान कार्यक्रम, स्वास्थ्य / कल्याण संवर्धन, नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम और कोचिंग, फिटनेस और योग में प्रमाणपत्र कार्यक्रमों को भी शामिल करना है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएच.डी. मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो. प्रशांत कुमार दास	एम.पी.एड, एमफिल, नेट, पीएचडी कोचिंग बास्केटबॉल में डिप्लोमा	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मापन मूल्यांकन, एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स	20	09	04	-	-	20	03
प्रो. सुदीप दास	एमपीएड, नेट, पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	खेल प्रशिक्षण, अनुसंधान पद्धति,	22	02	06	02	-	01	01
डॉ. संजीब कुमार भौमिक	एमपीएड, एमफिल, नेट (जेआरएफ), पीएचडी, डीवाईईडी, सीसीएसआई	एसोसिएट प्राध्यापक	पूर्णकालिक	स्वास्थ्य, फिटनेस, योग, खेल मनोविज्ञान	14	03	05	03	-	15	2
डॉ. कृष्णेंदु धर	एम.पी.एड, एमफिल, नेट, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	खेल बायोमैकेनिक्स, व्यायाम फिजियोलॉजी	12	03	02	09	-	11	2
डॉ. एसएम फारुख	एमपीएड, नेट, पीएचडी	अतिथि संकाय	अंशकालिक	शारीरिक फिटनेस और कल्याण, मूल्य और पर्यावरण शिक्षा	02	-	-	-	-	42	4

*उल्लेख अनिवार्य

2. विजिटिंग संकाय/ विजिटिंग फेलो:

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/व्याख्यानों के विषय	अभी/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त हो गया हो)
प्रो. संजीत सरदार	शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान का उन्मुखीकरण	गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बीसलपुर, छत्तीसगढ़
डॉ. कृष्ण कांत साहू	शारीरिक शिक्षा में कैरियर परिप्रेक्ष्य	एलएनआईपीई, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
डॉ. मेघा साहू	जिम्नास्टिक की मूल बातें	एलएनआईपीई, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
डॉ. सुबीर देबनाथ	मनोवैज्ञानिक कौशल प्रशिक्षण	एमएनआईपी, जयपुर, राजस्थान
डॉ. अजीत सिंह	शारीरिक शिक्षा के संबंध में जीवन के मूल्य	पीजीजीसी, सेक्टर 11, चंडीगढ़
डॉ. संतू मित्रा	बास्केटबॉल में रक्षा की भूमिका	विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल
डॉ. संतू मित्रा	बास्केटबॉल के खेल में प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल
डॉ. लैशराम संतोष सिंह	शारीरिक शिक्षा और कैरियर निर्माण का दायरा	मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर

3. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन अध्ययनशाला में विभाग के शिक्षकों/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा पूर्ण शोधपत्र प्रकाशन के बिना सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	भाग लेने वाले सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
लालमंगइहसांगा साइलो	शोधार्थी	1	1	केंद्रीय
तन्मय अधिकारी	शोधार्थी	1	1	केंद्रीय
शरीना नाओरेम	शोधार्थी	1	1	केंद्रीय
अंकुर जॉयती फुकोन	शोधार्थी	1	1	केंद्रीय

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क आरंभ)/ थीसिस प्रस्तुत/ प्रदत्त (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी किया गया) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/थीसिस प्रस्तुत/प्रदत्त
पुष्पा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में महिला एथलीटों को बढ़ावा देने की दिशा में समाज की भूमिका	प्रो. प्रशांत कुमार दास	प्रदत्त
साक्षी अग्रवाल	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के उच्च शिक्षा संस्थानों की खेल सुविधाओं और विभिन्न प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी का विश्लेषण	प्रो. प्रशांत कुमार दास	प्रदत्त
संजय सरकार	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के युवाओं में शारीरिक गतिविधि गतिहीन व्यवहार, खाने का रवैया और कमर कूल्हे के अनुपात का सर्वेक्षण	डॉ. संजीब कुमार भौमिक	प्रदत्त
रूपाली कटोच	पूर्णकालिक	रक्षकों और अटैकर्स के परिप्रेक्ष्य के साथ फुटबॉल खिलाड़ियों के लैक्टेट हटाने के पैटर्न का मॉड्यूलेशन	डॉ. कृष्णेंदु धर	प्रदत्त
सुजान देबबर्मा	-	-	डॉ. संजीब कुमार भौमिक	पंजीकृत
नबनिता बर्धन	पूर्णकालिक	-	प्रो. प्रशांत कुमार दास	पंजीकृत
प्रीतम सरकार	पूर्णकालिक	-	डॉ. संजीब कुमार भौमिक	पंजीकृत
वायलिना लाहोन	पूर्णकालिक	-	प्रो. सुदीप दास	पंजीकृत
फानिन नाराह	पूर्णकालिक	-	प्रो. सुदीप दास	पंजीकृत

5. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र हैं: शारीरिक फिटनेस, व्यायाम फिजियोलॉजी, खेल मनोविज्ञान, खेल बायोमैकेनिक्स, खेल प्रशिक्षण और तकनीक, मानवमिति, स्वास्थ्य और कल्याण, खेल चिकित्सा और योग।

6. शिक्षण प्रयोगशाला/अनुसंधान प्रयोगशाला:

कुल प्रयोगशाला की संख्या (A+B)	शिक्षण प्रयोगशाला की संख्या (क)	अनुसंधान प्रयोगशाला (बी) (परियोजना वित्त पोषण के साथ निर्माण)
10	5	5

7. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण:

क्रम संख्या	उपकरण	क्रम संख्या	उपकरण	क्रम संख्या	उपकरण
1	शारीरिक संरचना विश्लेषक	13	हैंड ग्रिप डायनानोमीटर (एनालॉग)	25	प्रोजेक्टर
2	लैक्टेट विश्लेषक	14	हैंड ग्रिप डायनानोमीटर (डिजिटल)	26	पीए सिस्टम
3	मेटाबोलिक विश्लेषक	15	गहराई धारणा उपकरण	27	टीवी एलईडी
4	पीक फ्लो मीटर	16	फिंगर निपुणता	28	अस्थि घनत्व कैलिपर
5	ड्राई स्पाइरोमीटर	17	मिरर ट्रेसर	29	स्लाइडिंग कैलीपर
6	ग्लूकोमीटर	18	प्रतिक्रिया समय उपकरण	30	कैलीपर फैलाना
7	हेमोमीटर	19	हाथ स्थिरता उपकरण	31	इन्फ्रारेड
8	स्वचालित रक्तचाप मशीन	20	मेमोरी ड्रम	32	अल्ट्रा साउंड
9	स्फिग्मोमैनोमीटर	21	स्टेडियोमीटर		
10	ट्रेडमिल	22	मेट्रोनोम		
11	हार्पेन स्किनफोल्ड कैलिपर	23	हैंडी कैम		
12	बैक/लेग डायनानोमीटर	24	डिजिटल स्टिल कैमरा		

8. शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पदक/सम्मान# (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर):

शिक्षक का नाम	पुरस्कारों/पदक/सम्मानों का नाम	पुरस्कार/पदक/सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/संस्था	टिप्पणियां
एसएम फारूक	सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार	25 जून 2024	जीडीसी कमलपुर, त्रिपुरा	-

खेलों के मामले में अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

9. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ एसटी/एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/माइन)	पीएच (हां/ नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ एसएलई/ गेट/ सीएटी/ एसएससी /यूपीएससी/ टीपीएससी / अन्य/ एसडब्ल्यूटी */ एसडब्ल्यूओ **
एल साइलो	पुरुष	एसटी	नहीं	वाईएएस त्रिपुरा सरकार	टीपीएससी

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र।

10. विभाग को ज्ञात छात्र के नियोजन का विवरण :

क्रम संख्या	नाम	लिंग (पु/ म)	श्रेणी (सामान्य/ एसटी/एससी/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ माइन)	पीएच (हां/ नहीं)	संगठन/संस्था का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
1	एल साइलो	पुरुष	एसटी	नहीं	वाईएएस त्रिपुरा सरकार	खेल अधिकारी	टीपीएससी	खेल अधिकारी
2	जॉय शंकर त्रिपुरा	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा सरकार	कांस्टेबल	त्रिपुरा पुलिस	त्रिपुरा पुलिस
3	सुमंत देबबर्मा	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा सरकार	कांस्टेबल	त्रिपुरा पुलिस	त्रिपुरा पुलिस
4	दुलाल देबबर्मा	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा सरकार	कांस्टेबल	त्रिपुरा पुलिस	त्रिपुरा पुलिस

5	रमा नोआतिया	महिला	एसटी	नहीं	त्रिपुरा सरकार	कांस्टेबल	त्रिपुरा पुलिस	त्रिपुरा पुलिस
6	पायल सिन्हा	महिला	एसटी	नहीं	त्रिपुरा सरकार	कांस्टेबल	त्रिपुरा पुलिस	त्रिपुरा पुलिस
7	किशोर रंजन देबबर्मा	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा सरकार	कांस्टेबल	त्रिपुरा पुलिस	त्रिपुरा पुलिस
8	पप्पू राज जमातिया	पुरुष	एसटी	नहीं	त्रिपुरा सरकार	कांस्टेबल	त्रिपुरा पुलिस	त्रिपुरा पुलिस
9	जॉर्ज चुटिया	पुरुष	ओबीसी	नहीं	खेल और कल्याण विभाग, असम सरकार	जिला खेल अधिकारी	असम लोक सेवा आयोग	असम लोक सेवा आयोग
. 10	नब कुमार दोले	पुरुष	-	नहीं	कमांडेंट का कार्यालय, तीसरी असम कमांडो बटालियन	सब इंस्पेक्टर	कमांडेंट का कार्यालय, तीसरी असम कमांडो बटालियन	कमांडेंट का कार्यालय, तीसरी असम कमांडो बटालियन
11	गांधी जोमोह	पुरुष	एसटी	नहीं	राजीव गांधी विश्वविद्यालय	अतिथि संकाय	खेल विज्ञान संकाय	ओपन इंटरव्यू
12	लाइखुंगरी मोचहारी	महिला	-	नहीं	जिला खेल अधिकारी, दरांग	शारीरिक प्रशिक्षक	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम, दिसपुर, गुवाहाटी	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम सरकार
13	ब्रिस्टी गोगोई	महिला	-	नहीं	बोगिनाडी हायर सेकेंडरी स्कूल, बोगिनाडी, लखीमपुर	शारीरिक प्रशिक्षक	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम, दिसपुर, गुवाहाटी	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम सरकार
14	रवीना बासुमतारी	महिला	-	नहीं	जिला खेल अधिकारी, बोंगाईगांव	शारीरिक प्रशिक्षक	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम, दिसपुर, गुवाहाटी	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम सरकार
15	एना जमातिया	पुरुष	-	नहीं	फैकल्टी हायर सेकेंडरी स्कूल, गुवाहाटी	पीईटी	फैकल्टी हायर सेकेंडरी स्कूल, गुवाहाटी	ओपन इंटरव्यू
16	नीलुत्पल सैकिया	पुरुष	-	नहीं	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम, दिसपुर, गुवाहाटी	कोच (फुटबॉल)	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम, दिसपुर, गुवाहाटी	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम सरकार
17	कुलदीप सिंह	पुरुष	-	नहीं	जिला खेल अधिकारी, गोलाघाट	शारीरिक प्रशिक्षक	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम, दिसपुर, गुवाहाटी	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम सरकार
18	जूरी बासुमतारी	महिला	-	नहीं	जिला खेल अधिकारी, नागांव	शारीरिक प्रशिक्षक	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम, दिसपुर, गुवाहाटी	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम सरकार
19	बोखिरी देबबर्मा	पुरुष	-	नहीं	सेंट पॉल स्कूल, अगरतला	शारीरिक प्रशिक्षक	सेंट पॉल स्कूल, अगरतला	ओपन इंटरव्यू
20	खोगेश्वर महतो	पुरुष	-	नहीं	एच.डी. पब्लिक स्कूल	पीईटी	एच.डी. पब्लिक स्कूल, बहू अकबरपुर (रोहतक)	ओपन इंटरव्यू

21	इमु मुरासिंग	महिला	-	नहीं	मोंटफोर्ट हायर सेकेंडरी स्कूल, चंपक नगर, डब्ल्यू. त्रिपुरा	सहायक शिक्षक	मोंटफोर्ट हायर सेकेंडरी स्कूल, चंपक नगर, डब्ल्यू. त्रिपुरा	ओपन इंटरव्यू
22	दिव्यधर सेनाबोरिया देवरी	पुरुष	-	नहीं	माउंट कार्मेल स्कूल कुमारी पीओ महादेवपुर, पी.एस. नामसाई, अरुणाचल प्रदेश	सहायक शिक्षक	माउंट कार्मेल स्कूल कुमारी पीओ महादेवपुर, पी.एस. नामसाई, अरुणाचल प्रदेश	ओपन इंटरव्यू
23	जॉय दास	पुरुष	-	नहीं	सेंट जोसेफ स्कूल, सिपाहीजाला, सेकरकोट, त्रिपुरा	सहायक शिक्षक	सेंट जोसेफ स्कूल, सिपाहीजाला, सेकरकोट, त्रिपुरा	ओपन इंटरव्यू
24	प्रिंसी बोरा	महिला	-	नहीं	जिला खेल अधिकारी, गोलाघाट	शारीरिक प्रशिक्षक	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम, दिसपुर, गुवाहाटी	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम सरकार
25	अंकुर दास	पुरुष	-	नहीं	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम, दिसपुर, गुवाहाटी	कोच (फुटबॉल)	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम, दिसपुर, गुवाहाटी	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, असम सरकार
26	पायल नाथ	महिला	-	नहीं	जेएनवी रंगवाला, एस. सिक्किम	पीईटी	जेएनवी	ओपन इंटरव्यू
27	अरिंदम बरुआ	पुरुष	-	नहीं	फैकल्टी हायर सेकेंडरी स्कूल, गुवाहाटी	पीईटी	फैकल्टी हायर सेकेंडरी स्कूल, गुवाहाटी	ओपन इंटरव्यू
28	पंकज शील	पुरुष	-	नहीं	केवी, कैलाशहर	शिक्षक	केवी, कैलाशहर	ओपन इंटरव्यू
29	मीरा छेत्री	महिला	-	नहीं	मोदी पब्लिक स्कूल, सिलीगुड़ी	पीजीटी - पीईटी	मोदी पब्लिक स्कूल, सिलीगुड़ी	ओपन इंटरव्यू
30	देबद्रिता चौधरी	महिला	-	नहीं	डॉन बॉस्को स्कूल, उदयपुर, त्रिपुरा	सहायक शिक्षक	डॉन बॉस्को स्कूल, उदयपुर, त्रिपुरा	ओपन इंटरव्यू
31	लाली हैंग लिम्बू	पुरुष	-	नहीं	गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, छोटा समडोंग, पश्चिम सिक्किम	पीईटी	गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, छोटा समडोंग, पश्चिम सिक्किम	ओपन इंटरव्यू
32	लाली हैंग लिम्बू	पुरुष	-	नहीं	गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, छोटा समडोंग, पश्चिम सिक्किम	पीईटी	गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, छोटा समडोंग, पश्चिम सिक्किम	ओपन इंटरव्यू
33	जिग्मी यंगडा भूटिया	पुरुष	-	नहीं	गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रुमटेक, पूर्वी सिक्किम	पीईटी	गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रुमटेक, पूर्वी सिक्किम	ओपन इंटरव्यू

पर्यटन प्रशासन विभाग

विभाग प्रमुख : प्रो. चिन्मय रॉय (संकायाध्यक्ष, कला और वाणिज्य संकाय)
स्थापना वर्ष : 2019

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/विजन:

पर्यटन प्रशासन में स्नातकोत्तर एक नया विभाग है। हमारा दृष्टिकोण छात्रों के बीच पर्यटन क्षेत्र के बारे में गहन ज्ञान प्रदान करना है। संकाय के रूप में प्रो. देबर्षि मुखर्जी और डॉ. निर्माल्य देबनाथ का निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन छात्रों को प्रभावी ढंग से जोड़ने, उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने और उनके विकास को आकार देने पर केंद्रित है। यहां भविष्य के पर्यटन पेशेवरों को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा दिया जाता है। जैसा कि यह सर्वविदित है, पर्यटन उद्योग एक सेवा उद्योग है; इसलिए, विभाग का मिशन छात्रों की समय की पाबंदी, आज्ञाकारिता, अनुशासन और दूसरों के प्रति सम्मान में मानवीय मूल्यों को विकसित करना है।

व्यावसायिक स्नातक कार्यक्रम
बी. वोक फिल्म और वीडियो निर्माण

विभाग प्रमुख : प्रो. बादल कुमार दत्ता
स्थापना वर्ष : 2015
प्रस्तावित कार्यक्रम : बैचलर इन वोकेशनल फिल्म एंड वीडियो प्रोडक्शन
प्रवेश क्षमता : 50

विभाग का विजन: वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर उच्च गुणवत्ता वाले कौशल आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने में पूर्वोत्तर (एनई) भारत में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरना

प्रमुख उपलब्धियां: बी. वोक फिल्म और वीडियो प्रोडक्शन कार्यक्रम वर्ष 2015 में शुरू किया गया था। यह एक कौशल आधारित पाठ्यक्रम है। यह कोर्स स्नातक की डिग्री के बराबर है। इस कोर्स को यूजीसी और नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) ने मंजूरी दी है। मीडिया और मनोरंजन कौशल परिषद (एमईएससी) इस कार्यक्रम के लिए क्षेत्र कौशल परिषद है। पाठ्यक्रम को फिल्म निर्माण और वीडियो निर्माण के क्षेत्र में छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पाठ्यक्रम संरचना फिल्म और वीडियो उत्पादन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं पर जोर देती है। पाठ्यक्रम का प्राथमिक लक्ष्य कुशल कर्मियों को फिल्म उद्योगों में प्रवेश पाने के लिए आवश्यक वांछित स्तर की क्षमता प्रदान करके तैयार करना है। इसके अलावा, छात्र अपनी बी.वोक डिग्री पूरी करने के बाद फिल्म निर्माण और प्रशंसा पाठ्यक्रमों जैसे फिल्म अध्ययन में उच्च अध्ययन का विकल्प चुन सकते हैं। इसके अलावा, पाठ्यक्रम प्रकृति में बहुत लचीला है जिसमें प्रवेश और निकास के कई बिंदु हैं। छात्र फिल्म और वीडियो प्रोडक्शन में डिप्लोमा के साथ शामिल होने के एक वर्ष के पूरा होने के बाद इस पाठ्यक्रम से बाहर निकल सकते हैं। जो लोग दो साल पूरे करने के बाद ऑप्ट आउट करते हैं, उन्हें फिल्म और वीडियो प्रोडक्शन में एडवांस्ड डिप्लोमा से प्रदत्त किया जाएगा, और तीन साल पूरे होने के बाद ही छात्रों को फिल्म और वीडियो प्रोडक्शन में बी. वोक उपाधि प्रदत्त की जायेगी जो स्नातक की डिग्री के बराबर है। इसके साथ ही, छात्रों को मीडिया और मनोरंजन क्षेत्रों में रोजगार पाने के लिए उनकी सहयोगी नौकरी भूमिकाओं के साथ विभिन्न योग्यता पैक (क्यूपी) के लिए मीडिया और मनोरंजन कौशल परिषद द्वारा प्रमाणित भी किया जाता है। इस साल, अच्छी संख्या में छात्रों ने क्यूपी-स्क्रिप्ट रिसर्चर के लिए क्वालीफाई किया है। स्क्रिप्ट रिसर्चर के लिए मूल्यांकन परीक्षा 21 जून 2016 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में मीडिया एंड एंटरटेनमेंट स्किल काउंसिल (एमईएससी) और बी.वोक फिल्म एंड वीडियो प्रोडक्शन द्वारा आयोजित की गई थी। उत्तीर्ण छात्रों में से 05 मीडिया हाउस *राइजिंग त्रिपुरा में काम कर* रहे हैं, कुछ स्थानीय समाचार चैनलों के लिए फ्रीलांसर के रूप में काम कर रहे हैं और उनमें से कुछ मीडिया और मनोरंजन में उद्यमी बन गए हैं।

1. संकाय सदस्य:

नाम (सभी अतिथि संकाय भी)	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/ अनुसंधान/ नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. तुषार कांति अचार्जी	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	संविदा	पत्रकारिता और जनसंचार	09	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
श्री प्रसेनजीत डेननाथ	परास्नातक	-	अतिथि	-	02	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

*उल्लेख अनिवार्य

2. विजिटिंग संकाय/ विजिटिंग फेलो:

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/व्याख्यानों के विषय	अभी/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त हो गया हो)
श्री मानस करमाकर	एनिमेशन और वीएफएक्स, फोटोशॉप और डिजिटल पेंटिंग, एडवोकेट रोटोस्कोप, वीएफएक्स और स्टीरियो, रोटो आर्टिस्ट, ग्राफिक डिजाइनिंग, डिजिटल पेंटिंग, कंप्यूटर ग्राफिक्स (3डी का परिचय) एनीमेशन- एनिमेटर, एडवोकेट डिजिटल पेंटिंग, एडवांस्ड एनिमेशन और वीएफएक्स, एडवोकेट डिजिटल पेंटिंग	-

3. शिक्षण प्रयोगशाला/ अनुसंधान प्रयोगशाला:

कुल प्रयोगशाला की संख्या (A+B)	शिक्षण प्रयोगशाला की संख्या (क)	अनुसंधान प्रयोगशाला की संख्या (बी) (प्रोजेक्ट फंडिंग के साथ बिल्ड अप)
01	01	शून्य

एकीकृत मास्टर डिग्री

प्रमुख / समन्वयक : डॉ. अरूप ज्योति सरमा
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : एकीकृत मास्टर डिग्री
प्रवेश क्षमता : 201

विभाग का विजन: उच्च शिक्षा में सुधार पर यूजीसी की अनुशंसाओं के अनुसरण में, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने मानविकी और सामाजिक विज्ञान विषयों, गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर अनुप्रयोगों में एकीकृत मास्टर डिग्री (आईएमडी) कार्यक्रम शुरू किया है। कार्यक्रम अपने उच्च माध्यमिक या प्लस टू कार्यक्रम से नए विद्वानों को विश्वविद्यालय के सामान्य डिग्री पाठ्यक्रमों में कैरियर बनाने के लिए तैयार करता है, लेकिन उच्च शिक्षा में बुनियादी अनुसंधान कौशल विकसित करने के उद्देश्य से। पाठ्यक्रम संरचना और परीक्षाओं के सेमेस्टर पैटर्न के माध्यम से पेश किए जाने वाले विषय संयोजनों का उद्देश्य स्नातक छात्रों को विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है, साथ ही उन्हें उच्च शिक्षाविदों में सुचारू प्रवेश को सक्षम करने के लिए सभी आवश्यक डेटाबेस से सुसज्जित करना है।

1. संकाय सदस्य:

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि / अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण / अनुसंधान / नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. अरूप ज्योति सरमा	पीएच.डी	समन्वयक	(अतिरिक्त प्रभार)	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अजय कांति दास	पीएच.डी	सहायक समन्वयक	(अतिरिक्त प्रभार)	-	-	-	-	-	-	-	-

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

निदेशक (प्रभारी) : डॉ. निर्मल रियांग, उपकुलसचिव
स्थापना वर्ष : 1996

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/विजन:

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (डीडीई) की स्थापना 1996 में मल्टी-मीडिया दृष्टिकोण के साथ दूरस्थ मोड के माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए की गई थी। शिक्षा के गैर-औपचारिक पूरक मोड के रूप में, दूरस्थ शिक्षा अपने उद्देश्य में पारंपरिक औपचारिक प्रणाली से अलग है, जिसका उद्देश्य वंचित लोगों तक पहुंचना और अपवर्जित लोगों को शामिल किया जाना है।

शोध केन्द्र

अनुसंधान केन्द्र

गांधी अध्ययन केन्द्र

छात्र समुदाय के बीच महात्मा गांधी के विचारों और सिद्धांतों को लोकप्रिय बनाने के लिए त्रिपुरा विश्वविद्यालय में गांधी अध्ययन केंद्र अस्तित्व में आया। इसमें परिसर के भीतर और बाहर गांधीवादी विचारों को लोकप्रिय बनाने वाले कार्यक्रमों के आयोजन की भी परिकल्पना की गई है। महात्मा गांधी के विजन और मिशन को आगे बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण, शिशु पंचायत, स्वच्छता, सांप्रदायिक सद्भाव, शांति और अहिंसा, लोकप्रिय व्याख्यान आदि जैसे कुछ कार्यक्रम आयोजित किये गये थे। केंद्र का उद्देश्य निकट भविष्य में छात्रों के लिए डिप्लोमा, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियां शुरू करना भी है। केंद्र ने युवाओं के बीच गांधीवादी विचारधारा का प्रचार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

पांडुलिपि संसाधन केन्द्र (एमसीसी)

समन्यवयक: डॉ चंपेश्वर मिश्रा

योजक संस्था: राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (एनएमएम), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

पांडुलिपियों को पूर्वजों के बौद्धिक सृजन और हमारे पूर्ववर्तियों से कृत्यों को जानने के लिए सबसे महत्वपूर्ण और प्रामाणिक स्रोत माना जाता है। पांडुलिपियों के माध्यम से ही हम अतीत को वर्तमान ज्ञान समाज से जोड़ सकते हैं। उचित तरीकों से पांडुलिपियों का संरक्षण और संधारण सांस्कृतिक ज्ञान के माध्यम से अतीत को प्रकट करने के लिए आवश्यक कदम हैं। त्रिपुरा विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय पूर्वोत्तर क्षेत्र की पांडुलिपियों के संरक्षण और संधारण में सहायक रहा है।

आदर्श आचार संहिता 20 दिसंबर 2010 को राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद त्रिपुरा विश्वविद्यालय के द्वारा उनके संरक्षण हेतु केन्द्र अस्तित्व में आया। केंद्र का उद्घाटन 12 अप्रैल 2011 को किया गया था।

इस केंद्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आधुनिक और स्वदेशी संरक्षण विधियों को शामिल करते हुए त्रिपुरा राज्य की पांडुलिपि को एकत्र करना, संरक्षित करना और संरक्षित करना है। सहयोग वैज्ञानिक समुदाय और पांडुलिपिविदों के

बीच अधिक गहन समन्वय का भी वादा करता है, ताकि इन दुर्लभ शास्त्रों में संग्रहीत ज्ञान को समझने, खोजने और पुनः प्राप्त करने के लिए बेहतर तकनीकी उपकरण और तकनीकें सामने लाई जा सकें।

केंद्रीय पुस्तकालय ने त्रिपुरा राज्य के विभिन्न हिस्सों से दो सौ से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियों को एकत्र और संरक्षित किया है। केंद्रीय पुस्तकालय ने भविष्य की पीढ़ी के लिए दुर्लभतम और सबसे लुप्तप्राय पांडुलिपियों को एकत्र करने और संरक्षित करने के लिए कई पहल की हैं। एकत्रित पांडुलिपियों को वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से संरक्षित किया गया है और उन्हें ठीक से सूचीबद्ध किया गया है। केन्द्रीय पुस्तकालय ने ग्रामीण और शहरी लोगों के बीच प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण और परिरक्षण के महत्व को संवेदनशील बनाने के लिए समय-समय पर कई कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया है। पांडुलिपि दाताओं को अनुसंधान, शिक्षण और सीखने के लाभ के लिए अपनी पांडुलिपियों को दान करने के लिए संवेदनशील बनाया जाता है। केंद्र इन सदियों पुरानी पांडुलिपियों को संरक्षित करने की आवश्यकता के बारे में त्रिपुरा राज्य के लोगों को संवेदनशील बनाने की कोशिश कर रहा है। इन मूल्यवान पांडुलिपियों को संरक्षित करने से हमें त्रिपुरा के बारे में बहुमूल्य ऐतिहासिक तथ्यों की खोज करने में मदद होगी।

विविध सुविधायें

जैवसूचना केंद्र

स्थापना और दृष्टि

त्रिपुरा विश्वविद्यालय में जैव सूचना केंद्र की स्थापना 2008 में जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार से वित्तीय सहायता के साथ जैव प्रौद्योगिकी सूचना प्रणाली नेटवर्क (बीटीआईएसनेट) कार्यक्रम के तहत की गई थी। इस परियोजना की देखरेख आरंभ में प्रोफेसर एस. बनिक (प्रधान अन्वेषक और प्रमुख, प्राणी विज्ञान विभाग) द्वारा की गई थी, जिसका प्राथमिक उद्देश्य एक समर्पित 'जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा' (बीआईएफ) बनाना था।

प्रशासन और उद्देश्य

अपनी स्थापना के बाद से, केंद्र जैव सूचना विज्ञान (बीटीबीआई) के माध्यम से जीव विज्ञान शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है, जिससे क्षेत्र के लिए उन्नत अनुसंधान और शिक्षा की सुविधा मिलती है। केंद्र के प्रशासन को बाद में आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया, जो इसके संचालन की देखरेख करना जारी रखता है। केंद्र ने ऐतिहासिक रूप से कई सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करके पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, छात्रों, शोध विद्वानों और संकाय सदस्यों को महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया है।

वर्तमान स्थिति और गतिविधियाँ (2024-2025)

हाल के वर्षों में, केंद्र को बुनियादी ढांचे की चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, हार्डवेयर अप्रचलन और गैर-उन्नयन के कारण मूल कंप्यूटर सिस्टम गैर-कार्यात्मक हो गए हैं। इन तकनीकी बाधाओं के बावजूद, केंद्र आणविक जीव विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान विभाग की पहल के माध्यम से परिचालन के रूप से सक्रिय है।

विभाग के संकाय सदस्य सुविधा को पुनर्जीवित करने और सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। केंद्र के जनादेश को बनाए रखने के लिए, विभाग वर्तमान में जैव सूचना विज्ञान से संबंधित **कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों** का संचालन करने के लिए अपने स्वयं के विभागीय बुनियादी ढांचे का उपयोग कर रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्रों और शोधकर्ताओं को आवश्यक कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान उपकरणों और तकनीकों का संपर्क जारी रहे।

जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र (बायोटेक हब)

राज्य जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, डीबीटी, भारत सरकार के कोष से मानव शरीर विज्ञान विभाग के प्रोफेसर देबाशीष मैती के संयोजकत्व में 2011 में स्थापित किया गया था। हब को 2018 में एडवांस्ड स्टेट बायोटेक हब में प्रोन्नत किया गया था।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ग्रंथागार

1. **केन्द्रीय ग्रंथागार: ज्ञान केंद्र**

   केन्द्रीय ग्रंथागार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, 'ज्ञान केंद्र' होने के कारण अकादमिक बिरादरी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केन्द्रीय ग्रंथागार प्रणाली में सूचना संसाधनों की कमी वाले समय से, पुस्तकालय के कर्मचारियों के वर्षों के अथक प्रयासों ने इसे ज्ञान के भंडार के रूप में विकसित किया है। केन्द्रीय ग्रंथागार को अकादमिक बिरादरी के शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और नवाचार के लिए एक 'अनुसंधान केंद्र' में बदल दिया गया है। केन्द्रीय ग्रंथागार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र की दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण और परिरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने पुस्तकालय **प्रयोक्ताओं** के बीच संग्रह, संगठन, सूचना प्रसार और ज्ञान साझा करने के क्षेत्र में बड़ी सफलता दर्ज की है।

2. **दृष्टि**

   केन्द्रीय ग्रंथागार संग्रह की एक अनूठी श्रृंखला के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करता है, जिससे साक्ष्य-आधारित, नवीन सेवाएं प्रदान की जाती हैं, परेशानी मुक्त सूचना संसाधनों और रणनीतिक सहयोग तक पहुंच की सुविधा प्रदान की जाती है, विद्वानों की जानकारी और अनुसंधान का समर्थन किया जाता है, और प्रयोक्ताओं की मदद करने के लिए भौतिक और आभासी वातावरण बनाया जाता है।

3. **मिशन**

   केन्द्रीय ग्रंथागार विश्वविद्यालय के शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और नवाचार के लिए एक अभिन्न अंग और अनुसंधान केंद्र होगा। केन्द्रीय ग्रंथागार अपने मिशन को पूरा करने का प्रयास करेगा:

   - प्रारूप, स्थान और पहुंच के तरीके की परवाह किए बिना समृद्ध और विविध संसाधनों को एकत्र, व्यवस्थित और प्रसारित करना।
   - साक्ष्य-आधारित, नवीन सेवाएं प्रदान करना और शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान के लिए अद्वितीय, विविध सूचना संसाधनों की सुविधा प्रदान करना।
   - डिजिटल वातावरण में प्रयोक्ताओं के लाभ के लिए उभरती शिक्षण तकनीकों और उपकरणों को अपनाना और उनका उपयोग करना।
   - प्रयोक्ताओं के लिए अनुकूल सीखने का माहौल बनाने में अन्य पुस्तकालयों और संगठनों के साथ सहयोगात्मक साझेदारी करना।
   - अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकियों, सूचना संसाधनों और सेवाओं पर एक गतिशील अधिगम वातावरण के माध्यम से प्रयोक्ताओं को जोड़कर और संलग्न करके एक 'ज्ञान केन्द्र' विकसित करना
   - हितधारकों के लिए विभिन्न प्रकार के डेटा-संबंधित अनुसंधान में विशेषज्ञता के साथ-साथ भौतिक और तकनीकी बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सूचना सहायता प्रदान करके एक 'अनुसंधान केन्द्र' विकसित करना।
   - त्रिपुरा और पूर्वोत्तर क्षेत्र के दुर्लभ और अद्वितीय प्रिंट और ऑनलाइन सूचना संसाधनों का संरक्षण।

4. **ग्रंथागार पदाधिकारी**

   विश्वविद्यालय ग्रंथालयाध्यक्ष: डॉ. चंपेश्वर मिश्रा

नाम	योग्यता	पदनाम
डॉ. चंपेश्वर मिश्रा	एमएलआईएससी, एम.फिल, पीजीडीएलआईएम, यूजीसी-नेट, सेट, पीएच.डी.	ग्रंथालयाध्यक्ष
श्री सुरेंद्र कुमार पाल	एमएलआईएससी, पीजीडीसीए, पीजीडीएलएएन, यूजीसी-नेट, पीएचडी (जारी)	सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष
श्री अमिताभ कुमार मंगलम	एमएससी., एमएलआईएससी, एआईएस, यूजीसी-नेट, पीएच.डी.	सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष
श्री संजय कुमार साहू	एमए, एमएलआईएससी, एमफिल, यूजीसी-नेट, पीजीडीसीए, पीएचडी (जारी)	सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष
श्री आशीष चौधरी	एम.सी.ए., बीएलआईएस	सूचना वैज्ञानिक

5. **काम के घंटे**

दिन	काम करने का समय	(परिसंचरण घंटे)
सोमवार से शुक्रवार	सुबह 09.30 बजे से रात 10.00 बजे तक	सुबह 10.00 बजे से शाम 05.00 बजे तक
शनिवार और रविवार	10.00 पूर्वाहन-06.00 अपराहन (केवल पढ़ने के लिए)	कोई परिसंचरण नहीं
सार्वजनिक अवकाश	बंद	बंद
परीक्षाओं के दौरान पुस्तकालय खुलने का समय बढ़ा दिया जाता है।		

6. **पुस्तकालय संग्रह (जून, 2025 तक)**

प्रिंट संग्रह	
मुद्रित ग्रंथ	170652 (खंड)
मुद्रित जर्नल	54
मुद्रित पत्रिकाएँ	21
लघु शोधप्रबंध	742
शोध प्रबंध	190
बाउंड वॉल्यूम	1064
दुर्लभ ग्रंथ	220
दुर्लभ पांडुलिपियां	174
समाचार पत्र	15
डिजिटल संग्रह और अनुसंधान उपकरण	
ई-बुक्स	32638+
ओएनओएस सहित ई-जर्नल	13000+
ओएनओएस सहित ऑनलाइन डेटाबेस	37
ईटीडी	565
सुलभ ऑडियो पुस्तकें (दृष्टिबाधित लोगों के लिए)	677278
सीडी/डीवीडी	1490
ई-शोधसिंधु (इनफ्लिबनेट)	12
भाषा सुधार उपकरण	01
साहित्यिक चोरी विरोधी जाँच उपकरण	02
डेटा विज़ुअलाइज़ेशन टूल	02
सांख्यिकीय विश्लेषण सॉफ्टवेयर	02
रिमोट एक्सेस	01

7. **प्रिंट और डिजिटल संग्रह जोड़े गए**

पुस्तकों की कुल संख्या 170652 है। नई पुस्तकों की संख्या 4241 (2742 शीर्षक) जोड़ी गई है। इस अवधि के दौरान, पुस्तकालय ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा सदस्यता के माध्यम से 07 ऑनलाइन डेटाबेस और 207 ई-पुस्तकों को जोड़ा है। इसके अलावा, अनुसंधान समर्थन के एक भाग के रूप में, केन्द्रीय ग्रंथागार ने डेटा विज़ुअलाइज़ेशन टूल-ओरिजिनप्रो (05 प्रयोक्ता लाइसेंस), डेटा विश्लेषण टूल-ग्राफपैड (03 प्रयोक्ता लाइसेंस) का अधिग्रहण किया है।

8. **इस अवधि के दौरान पुस्तकालय सदस्यता की संख्या**

क्रम संख्या	कोटि	कुल
1	संकाय	09
2	गैर-शिक्षण कर्मचारी	03
3	शोधार्थी	120
4	छात्र	1840
5	दूरस्थ पहूँच में पंजीकृत प्रयोक्ता	4747
6	बाहरी आगंतुक	245

9. **पुस्तकालय प्रयोक्ताओं का भ्रमण और उपयोग**

क्रम संख्या	कोटि	कुल
1.	विज़िट किए गए प्रयोक्ताओं की संख्या	84733
2.	परिचालित पुस्तकों की संख्या	27980
3.	ई-पुस्तकों के उपयोग की संख्या	978
4.	ऑनलाइन डेटाबेस उपयोगों की संख्या	159763
5.	ई-लाइब्रेरी का दौरा किया गया	1600
6.	रिमोट एक्सेस लॉगिन और डाउनलोड की संख्या	80549
7.	ओपन स्कूल- ओएनओएस ई-संसाधन उपयोग और डाउनलोड	103099
8.	साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले उपकरण के उपयोग की संख्या	7809

10. **साक्ष्य-आधारित नवीन संसाधन, सेवाएँ और अनूठी सुविधाएं**

अद्वितीय संग्रह	ऑनलाइन सेवाएं	अनुसंधान सहायता	प्रयोक्ताओं का समर्थन
• विशिष्ट मुद्रित पुस्तकें • मुद्रित पत्रिकाएँ • शोधप्रबंध • विशिष्ट ई-पुस्तकें • ई-जर्नल • ऑनलाइन डेटाबेस • दुर्लभ पांडुलिपियां • दुर्लभ संग्रह • विशेष संग्रह • त्रिपुरा की विरासत पर विशेष संग्रह • टैगोर संग्रह	• ई-पुस्तकों तक पहुंच • ई-जर्नल तक पहुंच • ई-डेटाबेस तक पहुंच • दूरस्थ सेवा तक पहुंच • वेबओपैक तक पहुंच • साहित्यिक चोरी सेवा तक पहुंच • भाषा सुधार उपकरण तक पहुंच • डिजिटल लाइब्रेरी तक पहुंच • ई-लाइब्रेरी प्रयोगशाला तक पहुंच • ऑडियो बुक्स (दिव्यांगजन)	• आई-थेन्टिकेट तक पहुंच • ड्रिलबिट तक पहुंच • व्याकरण तक पहुंच • डिजिटल रिपॉजिटरी तक पहुंच • आईआरआईएनएस लॉन्च किया • उद्धरण प्रबंधन समर्थन • डेटा विज़ुअलाइज़ेशन समर्थन • डेटा न्यूमेरिक सेवा • शोधगंगा के सदस्य • ओएनओएस, एनडीएल आदि के सदस्य	• सदस्यता सेवाएं • स्वचालित परिसंचरण सेवा • रिप्रोग्राफिक सेवाएं • अभिविन्यास कार्यक्रम • नया आगमन अलर्ट • दस्तावेज़ वितरण सेवा • सिंगल कार्ड एक्सेस सिस्टम की शुरूआत • ओपन एक्सेस सिस्टम को बढ़ावा देना • पुस्तकालय कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सेमिनारों का आयोजन • दृष्टिबाधित पुस्तकालय • रैंप एक्सेस • व्हील चेयर की सुविधा

11. **विभागीय पुस्तकालय**

केन्द्रीय ग्रंथागार ने शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और नवाचार के लिए मुद्रित पुस्तकें और अन्य पढ़ने की सुविधाएं प्रदान करके सभी विभागों और केंद्रों के लिए 'विभागीय पुस्तकालय' सुविधा शुरू की है। इस तरह की पहल का उद्देश्य पाठ्यविवरणिका परीक्षा का समर्थन करना, पढ़ने की आदत बनाना और महत्वपूर्ण सोच कौशल, आत्म-सुधार और आजीवन सीखने को बढ़ावा देना है।

12. **डिजिटल लाइब्रेरी सिस्टम और ई-लैब**

केन्द्रीय ग्रंथागार में प्रयोक्ताओं के लाभ के लिए एक अच्छी तरह से बनाए रखा डिजिटल लाइब्रेरी सिस्टम और एक समर्पित ई-लाइब्रेरी प्रयोगशाला जैसी अनूठी सहायता सुविधाएं हैं। यह सुविधा प्रयोक्ताओं के उपयोग के लिए सब्सक्राइब किए गए डिजिटल संसाधनों और इन-हाउस विकसित डिजिटल सामग्री तक पहुंचने के लिए सेवाएं प्रदान करती है। ई-लाइब्रेरी में लैन कनेक्टिविटी और वाई-फाई एक्सेस वाले 35 से अधिक समर्पित कंप्यूटरों तक पहुंच है।

13. **ऑनलाइन प्रयोक्ता उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली**

केन्द्रीय ग्रंथागार ने पुस्तकालय प्रयोक्ताओं के प्रवेश/निकास की निगरानी के लिए ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए अपनी इन/आउट ऑनलाइन उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली लागू की है। इस प्रणाली को केन्द्रीय ग्रंथागार द्वारा विकसित और संधारित किया गया था।

14. **पुस्तकालय स्वचालन, डिजिटलीकरण और डिजिटल रिपॉजिटरी**

- केन्द्रीय ग्रंथागार अपने इन-हाउस संचालन के लिए ओपन-सोर्स इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर-कोहा का उपयोग करता है। पुस्तकालय परिसंचरण, सूचीकरण, अधिग्रहण, धारावाहिक नियंत्रण, ओपेक और अन्य स्वचालन गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए आईएलएमएस-कोहा के माध्यम से पूरे संचालन का प्रबंधन करता है। लाइब्रेरी संघीय खोज सुविधा के लिए ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर Vufind और J-Gate का उपयोग करती है।
- केन्द्रीय ग्रंथागार में प्रयोक्ताओं के लिए सेवाओं और सुविधाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक समर्पित पुस्तकालय पोर्टल है। प्रयोक्ता नियमों और विनियमों, खुलने का समय, सेवाओं, संसाधनों, ओपेक, रिमोट एक्सेस आदि तक पहुंच सकते हैं।
- सेंट्रल लाइब्रेरी ने परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंचने के लिए एक रिमोट एक्सेस सुविधा शुरू की।
- केन्द्रीय ग्रंथागार ने पर्याप्त स्कैनिंग और डिजिटलीकरण सुविधाओं के साथ एक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी-सक्षम डिजिटलीकरण अनुभाग स्थापित किया है। केन्द्रीय ग्रंथागार ने शोधगंगा में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित 565 पीएचडी शोधियों और इंडकैट के साथ पुस्तकों और पत्रिकाओं के ग्रंथ सूची रिकॉर्ड को डिजिटाइज़ और अपलोड किया है।
- केन्द्रीय ने अकादमिक बिरादरी द्वारा तैयार की गई थीसिस, पत्रिकाओं, पांडुलिपियों, पुराने प्रश्न पत्रों आदि जैसी विद्वतापूर्ण विषय-वस्तु को अपलोड करने के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर-डीस्पेस का उपयोग करते हुए एक संस्थागत डिजिटल भंडार (आईडीआर) कार्यान्वित किया है।

15. **सुगम्य पुस्तकालय: दृष्टिबाधित लोगों के लिए सुविधा केंद्र**

केन्द्रीय ग्रंथागार 'दिव्यांगजन' के लिए सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य के साथ, केन्द्रीय ग्रंथागार ने 'सुगम्य पुस्तकालय' सुविधा केंद्र की स्थापना की है, जो दृष्टिबाधित लोगों को उनके शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान के लिए सहायक प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में मदद करेगा। केन्द्रीय ग्रंथागार 'सुगम्य पुस्तकालय' का एक सदस्य है, जो डेज़ी फोरम ऑफ इंडिया (डीएफआई), राष्ट्रीय दृश्य दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी) और टीसीएस की एक सहयोगी पहल है, जिसमें दृष्टिबाधित (दिव्यांगजन) के लिए 678483 से अधिक ब्रेल पुस्तकों, टॉकिंग/ऑडियो बुक्स, ई-बुक्स डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं। दृष्टिबाधित लोग पढ़ने और लिस्टिंग के लिए एक्सेस और डाउनलोड कर सकते हैं। केन्द्रीय ग्रंथागार में 'दिव्यांगजन' के लिए बुनियादी भौतिक सुविधाएं हैं जैसे पुस्तकालय परिसर में रेलिंग के साथ रैंप, व्हीलचेयर, वॉशरूम, ऑन-डिमांड, पुस्तकालय सामग्री उधार लेने में कर्मचारियों की सहायता आदि। केन्द्रीय ग्रंथागार में दृष्टिबाधित लोगों के लिए एक उपयोगी प्रौद्योगिकियां और पुस्तकालय संसाधन हैं, जैसे कि केआईबीओ एक्सएस, केआईबीओ डेस्क वेब एप्लिकेशन, किबो एंड्रॉइड ऐप, सुलभ ऑडियो पुस्तकें, ऑडियो सक्षम डिवाइस के साथ कंप्यूटर, डिजिटल स्कैनर, आदि।

16. **पांडुलिपि संसाधन केंद्र (एमसीसी)**

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथागार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र की पांडुलिपियों के संरक्षण और परिरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांडुलिपि संसाधन केंद्र ने त्रिपुरा के विभिन्न हिस्सों से एकत्र की गई दो सौ से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियों को संरक्षित और परिरक्षित किया है। केन्द्रीय ग्रंथागार ने भविष्य की पीढ़ियों के लिए सबसे दुर्लभ और सबसे लुप्तप्राय पांडुलिपियों को इकट्ठा करने और संरक्षित करने के लिए कई पहल की हैं। एकत्रित पांडुलिपियों को वैज्ञानिक तरीकों से संरक्षित किया गया है और ठीक से सूचीबद्ध किया गया है। केन्द्रीय ग्रंथागार ने प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण और संरक्षण के महत्व को संवेदनशील बनाने के लिए समय-समय पर कई कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए हैं। पांडुलिपि के दाताओं को अनुसंधान, शिक्षण और सीखने के लाभ के लिए अपनी पांडुलिपियों को दान करने के लिए संवेदनशील बनाया गया था। पांडुलिपि संसाधन केंद्र ने 174 से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियों को एकत्र और संरक्षित किया है।

17. **अनुसंधान पहल और सहायता सेवाएँ**

केन्द्रीय ग्रंथागार ने हमेशा कई साक्ष्य-आधारित, नवीन अनुसंधान पहलों, सेवाओं और उभरते उपकरणों को अपनाकर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक बिरादरी के अनुसंधान और नवाचार का समर्थन और प्रदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन वर्षों के दौरान, केन्द्रीय ग्रंथागार ने शोधकर्ताओं की सक्रिय रूप से सहायता की है।

18. **संसाधन साझाकरण और संघ में भागीदारी**

केन्द्रीय ग्रंथागार इनफ्लिबनेट के मुख्य सदस्यों में से एक है, जहां प्रयोक्ता ई-शोधसिंधु कंसोर्टिया के माध्यम से ऑनलाइन पत्रिकाओं/डेटाबेस तक पहुंच सकते हैं। केन्द्रीय ग्रंथागार ने इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा शोधगंगा में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित 565 को डिजिटाइज़ और अपलोड किया है। इसके अलावा, सेंट्रल लाइब्रेरी ने प्रिंट पुस्तकों और प्रिंट पत्रिकाओं के ग्रंथ सूची डेटा को इंडकैट-यूनियन कैटलॉग के साथ साझा किया है।

19. **पुस्तकालय संस्थागत सदस्यता**

- **सुगम्य पुस्तकालय:** केन्द्रीय ग्रंथागार ने दृष्टिबाधित प्रयोक्ताओं को सुलभ ऑडियोबुक प्रदान करने के लिए 'सुगम्य पुस्तकालय' सदस्य के रूप में पंजीकृत किया है।
- **डेलनेट:** इसके अलावा, सेंट्रल लाइब्रेरी में करंट साइंस और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) की आजीवन सदस्यता है। इस अवधि के दौरान, केन्द्रीय ग्रंथागार ने शिक्षण और अनुसंधान के लिए ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए DELNET सदस्य के रूप में पंजीकरण किया।
- **वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस):** केन्द्रीय ग्रंथागार ने इनफ्लिबनेट के माध्यम से ओएनओएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से एक्सेस किए गए 30 प्रमुख प्रकाशकों तक पहुंच बनाई है।

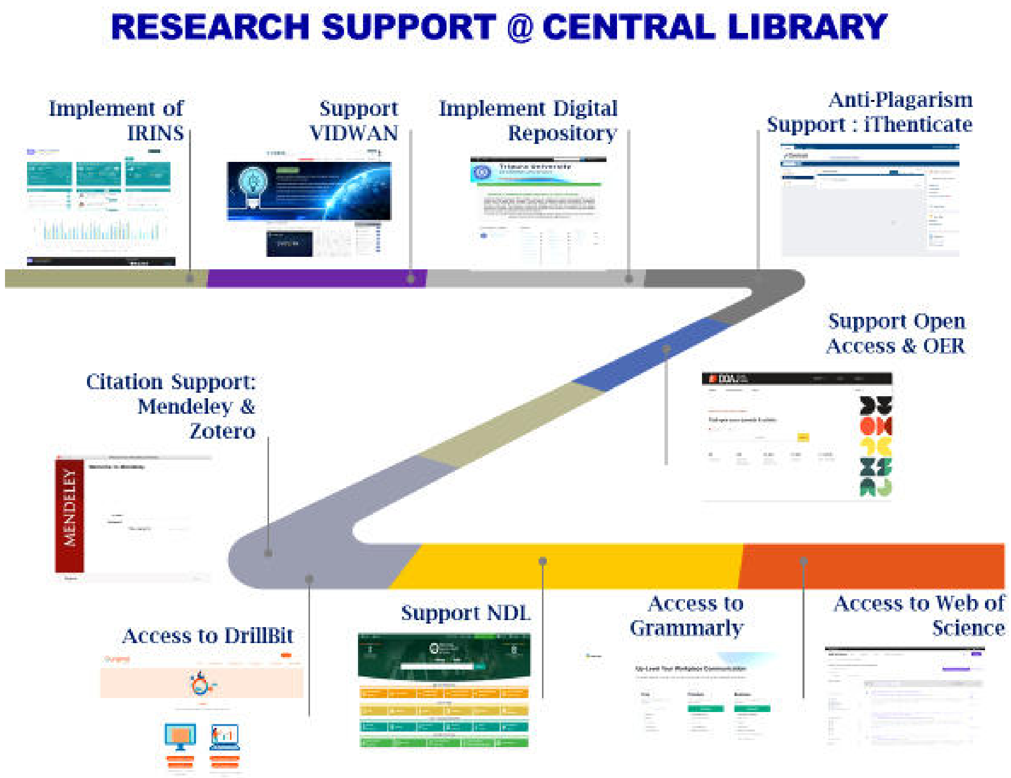

20. **पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम**

- केंद्रीय ग्रंथागार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने 6 सितंबर 2024 से प्रवेश लेने वाले सभी छात्रों के लिए एक अभिविन्यास-सह-सदस्यता अभियान शुरू किया है। अभिविन्यास और सदस्यता अभियान के आयोजन, समन्वय और संचालन की जिम्मेदारी संजय कुमार साहू, सहायक लाइब्रेरियन (सदस्यता अनुभाग प्रभारी) को सौंपी गई थी, जिसमें अन्य पुस्तकालय अधिकारियों और केंद्रीय पुस्तकालय के कर्मचारियों ने सहायता की। अभियान के दौरान, पुस्तकालय ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और केंद्रों को समाविष्ट करते हुए कुल 38 अभिविन्यास सत्र आयोजित किए। अभिविन्यास-सह-सदस्यता अभियान एक "सर्वोत्तम अभ्यास" के रूप में सामने आया है, जिसका उद्देश्य छात्रों के बीच एक मजबूत "पठन पारिस्थितिकी" को बढ़ावा देना है।

21. **पुस्तकालय कार्यक्रम**

- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथागार ने ग्रंथालयाध्यक्ष दिवस और पद्मश्री डॉ. एस.आर. रंगनाथन की 131वीं जयंती मनाने के लिए 12-18 अगस्त, 2024 तक एक विशेष पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथागार ने 15-20 अगस्त, 2024 तक भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास पर एक विशेष पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथागार ने 31 अक्टूबर से 6 नवंबर 2023 तक सरदार वल्लभभाई पटेल पर और उनके द्वारा एक सप्ताह तक चलने वाली विशेष पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है । राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथागार ने 25 से 29 नवंबर 2024 तक "ई-संसाधनों और शोध उपकरणों का उपयोग करने पर प्रयोक्ता की जागरूकता" विषय पर राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह-2024 मनाया। केन्द्रीय ग्रंथागार ने पाठकों के बीच पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देने के लिए फिक्शन और नॉन-फिक्शन पुस्तकों को प्रदर्शित किया है।
- केन्द्रीय ग्रंथागार ने 9-11 जनवरी, 2025 तक अकादमिक पुस्तकालयों की पुनर्कल्पना (आईसीआरएएल 2025) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया है। सम्मेलन में दुनिया भर के प्रख्यात विद्वानों, शिक्षाविदों, पुस्तकालय पेशेवरों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और छात्रों सहित 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। तीन पैनल चर्चाओं, पंद्रह तकनीकी सत्रों और 65 पेपर प्रस्तुतियों के साथ, इस कार्यक्रम का उद्देश्य "अगली पीढ़ी के लिए सामग्री, प्रौद्योगिकियों और सेवाओं पर साक्ष्य-आधारित नवाचार" विषय का पता लगाना था। इस कार्यक्रम को अकादमिक और पेशेवर बिरादरी द्वारा खूब सराहा गया।
- केन्द्रीय ग्रंथागार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने 12 जनवरी, 2025 को राष्ट्रीय युवा दिवस और स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 12 से 18 जनवरी, 2025 तक स्वामी विवेकानंद और उनके कार्यों पर एक सप्ताह तक चलने वाली पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।
- केन्द्रीय ग्रंथागार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने 28 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर "विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना" विषय पर एक सप्ताह तक चलने वाली पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।
- केन्द्रीय ग्रंथागार ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय के प्रयोक्ताओं के बीच कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 26 अप्रैल, 2025 को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस का आयोजन किया है।
- केन्द्रीय ग्रंथागार ने पढ़ने, लिखने और अन्य साहित्यिक गतिविधियों की आदत को बढ़ावा देने के लिए 23 अप्रैल से 29 अप्रैल, 2025 तक एक सप्ताह तक चलने वाली पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन और उत्सव मनाया है। विश्व पुस्तक दिवस, जिसे विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस के रूप में भी जाना जाता है, इस शुभ दिन के कारण पढ़ने, लिखने, प्रकाशन और कॉपीराइट के लिए वैश्विक प्रेम को बढ़ावा देता है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथागार ने 7 मई, 2025 को नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 164वीं जयंती और एक सप्ताह की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथागार ने 11 मई, 2025 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया है। केन्द्रीय ग्रंथागार ने 12 मई, 2025 से एक सप्ताह की पुस्तक प्रदर्शनी की पहल की है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथागार ने 11 मई, 2025 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया है। केन्द्रीय ग्रंथागार ने 12 मई, 2025 से एक सप्ताह की पुस्तक प्रदर्शनी की पहल की है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रंथागार ने 21 जून, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग और कल्याण पर एक सप्ताह की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।

22. **ग्रंथागार अधिकारियों और पेशेवर कर्मचारियों द्वारा सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ व्याख्यान/ प्रकाशन दिए गए**
केन्द्रीय ग्रंथागार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अधिकारियों और पेशेवर कर्मचारियों ने विकास के लिए निम्नलिखित में शामिल हुए हैं/ सहभागिता की है/प्रकाशित किया है/योगदान दिया है।

डॉ. चंपेश्वर मिश्रा, ग्रंथालयाध्यक्ष,

- मिश्रा, सी. (2025)। अकादमिक पुस्तकालयों में साक्ष्य-आधारित नवाचार: ट्रांसफॉर्मिंग सेवाएं और प्रथाएं। रीडर पैराडाइज, नई दिल्ली। आईएसबीएन: 978-93-5977-229-5 (प्रिंट बुक)।

अमिताभ कुमार मंगलम, सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष

- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 18-12 नवंबर, 2024 को आयोजित "अनुसंधान में उभरते उपकरण और प्रौद्योगिकी" पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क, विश्व-भारती द्वारा 19-24 फरवरी 2024 को आयोजित "अनलॉकिंग नॉलेज: ओपन एक्सेस सॉल्यूशंस (यूकेओएएस-2024)" पर छह दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

सुरेंद्र कुमार पाल, सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष

- पाल, एस.के., भट्टाचार्जी, एस., और सिन्हा, एमके (2024)। 2012 से 2021 तक पर्यावरण विज्ञान पर डॉक्टरेट थीसिस का विश्लेषण: तेजपुर विश्वविद्यालय, असम में गहन स्रोत समीक्षा। आरबीयू जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 26, 187-198।
- गोस्वामी, पी., पाल, एस.के., और भट्टाचार्जी, एस. (2024)। पुस्तकालय निर्माण के लिए टिकाऊ वास्तुशिल्प डिजाइन पर एक अवलोकन: मुद्दे और अवसर। ओ. एन. चौबे, पी. राय, डी. कुमार, ए. सिन्हा, और एस. के. सिंह (सं.) में, भविष्य के निर्माण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: क्षमता निर्माण के माध्यम से स्थिरता के लिए पुस्तकालयों को बदलना (पृष्ठ 885-891)। इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन। आईएसबीएन: 978-81-9566-439-9 (पुस्तक अध्याय)

संजय कुमार साहू, सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष

- डेलनेट, नई दिल्ली द्वारा 3 दिसंबर, 2024 को आयोजित "स्ट्रेंथ के रूप में साझाकरण: कनेक्शन मशीन के रूप में पुस्तकालय" विषय पर वेबिनार में भाग लिया।
- डेलनेट, नई दिल्ली द्वारा 12 मार्च, 2025 को आयोजित "डेटा विज़ुअलाइज़ेशन टूल्स एंड टेक्निक्स" पर वेबिनार में भाग लिया।
- 15 फरवरी, 2025 को डेलनेट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इवॉल्विंग ईबुक एक्विजिशन: फ्रॉम शेल्फ एक्सपेरिमेंट्स टू एआई-पावर्ड" विषय पर वेबिनार में भाग लिया।
- 18-22 नवंबर, 2024 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय के आईटी विभाग द्वारा आयोजित "अनुसंधान में उभरते उपकरण और प्रौद्योगिकियां" पर 7वें सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 5 अक्टूबर, 2024 को डेलनेट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "मास्टरिंग द डेटा पैराडॉक्स" पर वेबिनार में भाग लिया।
- 31 जुलाई, 2024 को डेलनेट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "डेटासाइट: अनलॉकिंग रिपॉजिटरी विद परसिस्टेंट आइडेंटिफायर्स एंड सपोर्टिंग ओपन रिसर्च प्रैक्टिसेज" पर वेबिनार में भाग लिया।
- डेलनेट, नई दिल्ली द्वारा 1 जुलाई, 2024 को आयोजित "डेटा संरक्षण और डेटा गोपनीयता" पर वेबिनार में भाग लिया।

रिमोट एक्सेस सेवा के माध्यम से ऑनलाइन संसाधनों का संचयी उपयोग

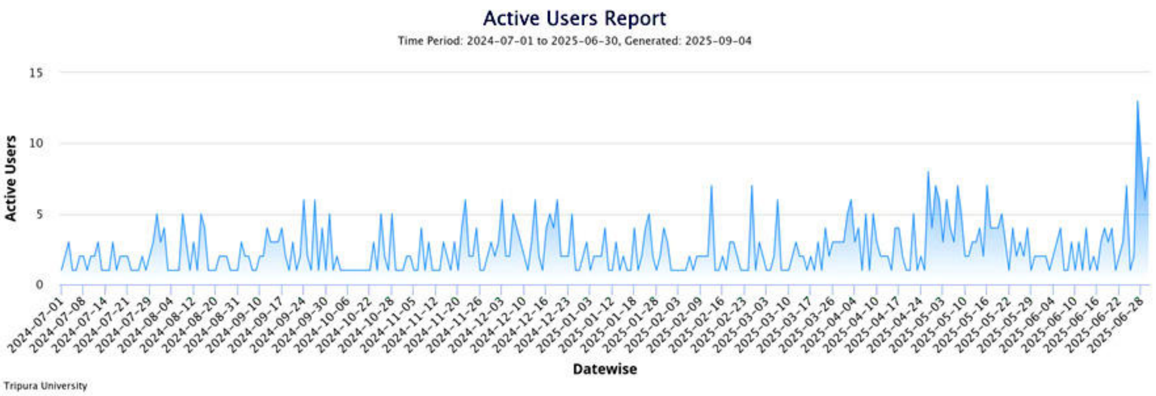

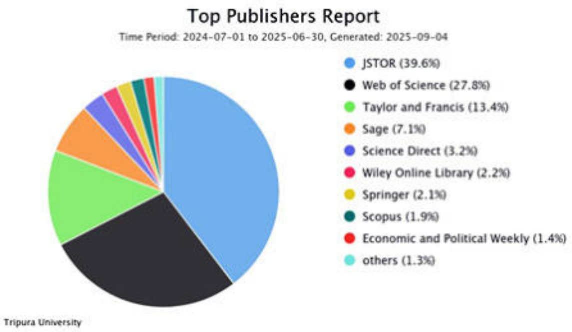

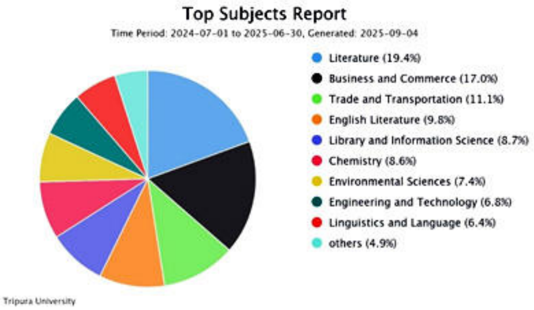

पुस्तकालय गतिविधियों की झलक

पुस्तकालय परिचय-सह-सदस्यता अभियान को ग्रंथागार की सर्वोत्तम कार्यप्रणाली के रूप में अपनाना: 2024-2025

GPS Map Camera
Tripura University, Suryamaninagar,799022, India
Department of Library and Information Science,
Lat 23.779238°
Long 91.265328°
06/09/24 03:17 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Tripura University, Suryamaninagar,799022, India
Central Library
Lat 23.779238°
Long 91.265328°
24/09/24 01:19 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Tripura University, Suryamaninagar,799022, India
Department of Library and Information Science,
Lat 23.779238°
Long 91.265328°
10/09/24 03:05 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Tripura University, Suryamaninagar,799022, India
Central Library
Lat 23.779238°
Long 91.265328°
11/09/24 02:53 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Tripura University, Suryamaninagar,799022, India
Department of Library and Information Science,
Lat 23.779238°
Long 91.265328°
10/09/24 12:37 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Tripura University, Suryamaninagar,799022, India
Central Library
Lat 23.779238°
Long 91.265328°
12/09/24 02:53 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Tripura University, Suryamaninagar,799022, India
Central Library
Lat 23.779238°
Long 91.265328°
13/09/24 11:50 AM GMT +05:30

GPS Map Camera
Tripura University, Suryamaninagar,799022, India
Central Library
Lat 23.779238°
Long 91.265328°
13/09/24 12:50 PM GMT +05:30

आईसीआरएएल-2025 के उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति

आईसीआरएएल-2025 के दौरान माननीय कुलपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुस्तक सारांशों का विमोचन

आईसीआरएएल-2025 के दौरान त्रिपुरा सरकार के सार्वजनिक पुस्तकालयाध्यक्षों का अभिनंदन समारोह, जिसमें गणमान्य व्यक्ति, प्रतिनिधिगण और प्रतिभागी उपस्थित रहे

संगणक केंद्र

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अपने हितधारकों के लिए विविध कंप्यूटिंग आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए 1992 में एक कंप्यूटर केंद्र की स्थापना की गई थी। कंप्यूटर केन्द्र ने विश्वविद्यालय परिसर में फैले शैक्षणिक और प्रशासनिक विभागों को जोड़ने वाले ऑप्टिकल फाइबर रीढ़ के साथ परिसर में लैन सुविधा लागू की है। केंद्र इंटरनेट एक्सेस, फ़ायरवॉल, ईमेलिंग, एमआईएस, आईटी सुरक्षा, वाईफाई, विश्वविद्यालय पोर्टल को बनाए रखने, समस्या निवारण आदि सहित आवश्यक आईसीटी सेवाएं प्रदान करता है, कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय की विभिन्न कार्यात्मक आवश्यकताओं का समर्थन करता है, जैसे छात्रों का प्रवेश, आईसीटी सक्षम कक्षाएं, आदि। कंप्यूटर सेंटर स्वयं और एनपीटीईएल का उपयोग करते हुए एमएचआरडी द्वारा विकसित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों पर संकाय और छात्रों के लिए परामर्श कार्यक्रम आयोजित करता है। केंद्र ने अपने हितधारकों के लिए गूगल वर्कस्पेश (पूर्व में शिक्षा के लिए जीशूट) को क्रियान्वित किया। यह केन्द्र सम्मेलनों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों आदि जैसे शैक्षिक कार्यक्रमों के संचालन में सहायता प्रदान करता है।

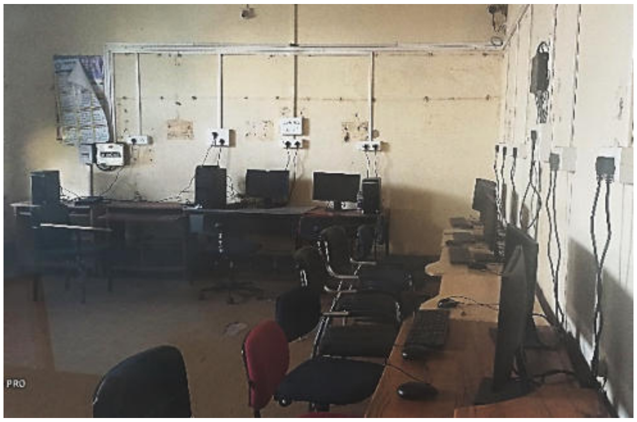

चिकित्सालय

विश्वविद्यालय का अपना स्वास्थ्य केंद्र है जो अपने हितधारकों के लिए बुनियादी बहिरंग रोगी(ओपीडी) विभाग (ओपीडी) और प्रेक्षण सुविधा प्रदान करता है। त्रिपुरा विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र आस-पास के क्षेत्रों के रोगियों को भी देखता है और उन्हें आपातकालीन स्थिति में दवा और तत्काल उपचार प्रदान करता है। स्वास्थ्य केंद्र ऑक्सीजन (ऑक्सीजन सांद्रक का उपयोग करके), नेबुलाइज़र, स्टरलाइज़र और अन्य बुनियादी उपकरणों से सुसज्जित है जो प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए आवश्यक हैं। त्रिपुरा विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए सुबह से रात तक खुला रहता है। दो चिकित्सा अधिकारी और दो नर्स, एक चिकित्सा परिचर स्वास्थ्य केंद्र में अपनी नियमित सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे विश्वविद्यालय परिवार में विश्वास पैदा होता है। स्वास्थ्य केंद्र में एम्बुलेंस की सुविधा है।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्

त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् 1998 में अस्तित्व में आया। त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् ने विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच हर साल विभिन्न खेलों और क्रीड़ाओं के साथ-साथ अंतर-विभागीय फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी और क्रिकेट प्रतियोगिताओं, वार्षिक खेल और इनडोर खेलों का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक, अधिकारी और गैर-शिक्षण कर्मचारी भाग लेते रहे हैं। हर साल हम त्रिपुरा विश्वविद्यालय के तहत सभी संबद्ध कॉलेजों के बीच विभिन्न आयोजनों के साथ-साथ फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, योग, जूडो, टेबल टेनिस और एथलेटिक्स में अंतर कॉलेज प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं और पूर्वोत्तर क्षेत्र/अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे हैं।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् द्वारा वर्ष 2024-25 में अंतर विभागीय,अंतरमहाविद्यालयीन, ईस्ट जोन और ऑल इंडिया टूर्नामेंट आयोजित किए गए थे।

<u>इंटर कॉलेज प्रतियोगिता:</u>

वॉलीबॉल (पुरुष), जूडो (पुरुष और महिला) और योग (पुरुष और महिला) और एथलेटिक्स (पुरुष और महिला) 2024-2025 में आयोजित इंटर कॉलेज प्रतियोगिता का आयोजन त्रिविवि एसबी द्वारा किया गया था।

1. वॉलीबॉल (पुरुष) 7-8 नवंबर, 2024 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया था।
2. योग (पुरुष और महिला) 29/11/2024 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया था।
3. जूडो (पुरुष और महिला) 29/11/2024 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया था।
4. एथलेटिक्स (पुरुष और महिला) 29-30 नवंबर, 2024 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया था।
5. 11.11.24 से 15.11.2024 तक नागालैंड विश्वविद्यालय में आयोजित पूर्वोत्तर क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालय फुटबॉल (पु) टूर्नामेंट 2024-2025 में भाग लेने के लिए 28-29 अक्टूबर, 2024 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय फुटबॉल मैदान में फुटबॉल (पुरुष) ट्रायल शिविर आयोजित किया गया।
6. 5 नवंबर, 2024 तक नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, मणिपुर में आयोजित पूर्व क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-2025 में भाग लेने के लिए 20-30 अक्टूबर, 2024 को त्रिपुरा यूनिवर्सिटी फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित फुटबॉल (महिला) ट्रायल कैंप 1 से किया गया था।
7. 13.11.24 से 16.11.2024 और 20.11.2024 से 23.11.2024 तक आरजीयू, गुवाहाटी में आयोजित पूर्व क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024 - 2025 में भाग लेने के लिए 25 अक्टूबर, 2024 को त्रिपुरा यूनिवर्सिटी टेबल टेनिस हॉल में टेबल टेनिस (पुरुष और महिला) ट्रायल कैंप आयोजित किया गया था।
8. 13.11.24 से 16.11.2024 तक केआईएसएस विश्वविद्यालय, ओडिशा में आयोजित पूर्व क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-2025 में भाग लेने के लिए 26 अक्टूबर, 2024 को त्रिपुरा यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल कोर्ट में बास्केटबॉल (पुरुष) ट्रायल कैंप आयोजित किया गया था।

<u>पूर्व क्षेत्र/ पूर्वोत्तर/ अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता:</u>

1. त्रिपुरा विश्वविद्यालय फुटबॉल (महिला) टीम ने 1 से 5 नवंबर, 2024 तक राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर में आयोजित पूर्व क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-2025 में भाग लिया था।
2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय फुटबॉल (पुरुष) टीम ने पूर्वोत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट (एम) टूर्नामेंट 2024-2025 में भाग लिया था, जो 11.11.24 से 15.11.2024 तक नागालैंड विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था।
3. त्रिपुरा विश्वविद्यालय टेबल टेनिस (महिला) टीम ने 20.11.24 से 23.11.2024 तक आरजीयू, गुवाहाटी में आयोजित पूर्व क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-2025 में भाग लिया था।

4. त्रिपुरा विश्वविद्यालय टेबल टेनिस (पुरुष) टीम ने 13.11.24 से 16.11.2024 तक आरजीयू, गुवाहाटी में आयोजित पूर्व क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-2025 में भाग लिया था।
5. त्रिपुरा विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (पुरुष) टीम ने 13.11.24 से 16.11.2024 तक केआईएसएस विश्वविद्यालय, ओडिशा में आयोजित पूर्व क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-2025 में भाग लिया था।
6. त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष) टीम ने 11.02.25 से 20.02.2025 तक केआईटीटी-डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित पूर्व क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-2025 में भाग लिया था।
7. त्रिपुरा विश्वविद्यालय जूडो (पुरुष और महिला) टीम ने 15.01.25 से 17.01.2025 तक गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैंपियनशिप 2024-2025 में भाग लिया था।
8. त्रिपुरा विश्वविद्यालय एथलेटिक्स (पुरुष और महिला) टीम ने 26.12.24 से 30.12.2024 तक केआईएसएस विश्वविद्यालय, ओडिशा में आयोजित अखिल भारतीयअंतरविश्वविद्यालय चैंपियनशिप 2024-2025 में भाग लिया था।
9. त्रिपुरा विश्वविद्यालय जूडो (पुरुष और महिला) टीम ने 09.01.25 से 12.01.2025 तक गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में आयोजित नॉर्थ पूर्व क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-2025 में भाग लिया था।
10. त्रिपुरा विश्वविद्यालय शतरंज (पुरुष) टीम ने 03.02.25 से 08.02.2025 तक सरला बिड़ला विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड में आयोजित पूर्व क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2024-2025 में भाग लिया था।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई

विभाग प्रमुख	:	डॉ. राजेश चटर्जी (पीएचडी, ग्रामीण विकास)
स्थापना वर्ष	:	1992
प्रस्ताव पर कार्यक्रम	:	रासेयो 01 ई
प्रवेश क्षमता	:	320 (सीबीसीएस के तहत आईएमडी, एमए, एमएससी और डिप्लोमा छात्रों से)
नवाचार	:	सीबीसीएस पद्धति में एक प्रश्नपत्र के रूप में रासेयो को शामिल किया गया
पुरस्कार	:	युवा और खेल मामलों का विभाग, त्रिपुरा सरकार द्वारा राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक रासेयो पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया था।

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/विजन:

रासेयो जागरूकता पैदा करके और सेवा दृष्टिकोण को क्रियान्वित करके समाज की सहायता करता है। रासेयो स्वयंसेवकों को विस्तार के माध्यम से परिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप अधिक कुशल उत्पादन और विपणन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, आजीविका सुरक्षा, स्वास्थ्य में सुधार और अधिक संतोषजनक पारिवारिक और सामुदायिक जीवन होता है। विस्तार कार्य पदानुक्रम में सबसे कम है, लेकिन उपयोग में आधारित अत्यंत व्यापक है। यह अत्यंत स्थान विशिष्ट भी है और आमतौर पर बाहरी आलोचना के लिए अतिसंवेदनशील है। विस्तार कार्य लोगों को खुद को समझने में मदद करना है।

रासेयो का समग्र उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक गतिविधि का विस्तार करना और छात्रों-युवाओं को सामुदायिक सेवा के लिए उन्मुख करना है। शिक्षित युवा जिनसे भविष्य में प्रशासन की बागडोर संभालने की उम्मीद की जाती है, वे ग्राम/झुग्गी समुदाय की समस्याओं से अनजान पाए जाते हैं और कुछ मामलों में अपनी जरूरतों और समस्याओं के प्रति उदासीन रहते हैं। इसलिए, छात्रों के सामाजिक विवेक को आत्मसात करना और उन्हें गांवों और झुग्गियों में लोगों के साथ काम करने का अवसर प्रदान करना आवश्यक है।

1. संकाय सदस्य:

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि / अनुबंध *	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण /अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित किया	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. राजेश चटर्जी	एमए, पीएचडी (ग्रामीण विकास)	सहायक प्राध्यापक-सह-सहायक निदेशक	पूर्णकालिक	ग्रामीण बुनियादी ढांचा, विस्तार शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक समावेश	19 साल	05	03	10	17	35	03

2. क. सहायक समन्वयक:

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/व्याख्यानों के विषय	अभी/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त हो गया हो)
श्री पार्थ सारथी शील	रासेयो की मूल बातें	संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

3. शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में विवरण: रासेयो **ई-01 और** रासेयो **ई-02**

3.1. भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के गतिविधि फोरम के दिशानिर्देशों के अनुसार, जिसे रासेयो के रूप में जाना जाता है, सीबीसीएस प्रणाली के पाठ्यक्रम के रूप में निम्नलिखित गतिविधियां की जा सकती हैं। सीएबीई-यूजीसी-एमवाईएएस, भारत सरकार द्वारा डिजाइन किए गए रासेयो पाठ्यक्रम के टेम्पलेट (पत्र डी.ओ.नं.एफ. 1-7/2011 (सीपीपी-II), दिनांक 13अगस्त, 2015 के माध्यम से) निम्नलिखित रासेयो-पाठ्यक्रम तैयार करते समय विचार किया गया है। पाठ्यक्रम को 28 जनवरी, 2016 को आयोजित त्रिपुरा विश्वविद्यालय की संकायाध्यक्ष समिति की बैठक और बाद में अकादमिक परिषद से भी मंजूरी दी गई है।

3.2. सेमेस्टर: **सम और विषम सेमेस्टर में** वैकल्पिक **प्रश्नपत्र** के रूप में

3.3. पेपर: **रासेयो ई-01 और रासेयो ई-02, क्रेडिट: 02**

3.4. अंक: **50 (सैद्धांतिक - 20, प्रैक्टिकल - 30)**

3.5. प्रवेश क्षमता: **80 (01 यूनिट प्रायोजित), 240 (3 इकाइयां स्व-प्रायोजित)**

3.6. पैटर्न - तिमाही / सेमेस्टर / वार्षिक: सेमेस्टर प्रणाली (सीबीसीएस)

3.7. पाठ्यचर्या डिजाइन प्रक्रिया/संशोधन:
बाहरी विशेषज्ञ, डीन छात्र कल्याण, शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष और संकाय सदस्यों की पाठ्यक्रम समिति के सक्रिय सहयोग से। रासेयो के पाठ्यक्रम को उन्नत करने के लिए, कार्यक्रम अधिकारी, रासेयो यूनिट, त्रिविवि ने 6-7 मार्च, 2017 को एनसीआरआई-हैदराबाद की कार्यशाला में भाग लिया और त्रिविवि के सभी विभागीय प्रमुखों के साथ 1 दिवसीय लक्ष्य तालिका बैठक आयोजित करने के लिए कार्यक्रम अधिकारी रासेयो इकाई द्वारा एनसीआरआई-हैदराबाद को एक प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया।

3.8. विविधता, लचीलेपन और बहु-कौशल विकास पर जोर: रासेयो स्वयंसेवक त्रिपुरा विश्वविद्यालय के गोद लिए गए आठ गांवों का सप्ताह में एक बार दौरा करते हैं

3.9. कौशल आधारित और उद्योग प्रासंगिक पाठ्यक्रम:
समाज की आधुनिक मांग को ध्यान में रखते हुए, रासेयो इकाई के स्वयंसेवकों के लिए भारत सरकार कार्यक्रम की डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, स्वच्छ भारत कार्यक्रम, उन्नत भारत अभियान, वृक्षारोपण आदि और समग्र ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्यक्रम से संबंधित कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

3.10. सीबीसीएस आधारित पाठ्यक्रम: सीएबीई-यूजीसी-एमवाईएएस, भारत सरकार के निर्देश के अनुसार, पाठ्यक्रम सीबीसीएस पैटर्न का पालन करता है।

3.11. परिणाम आधारित शिक्षा पर आधारित पाठ्यक्रम

3.12. अंतर-अनुशासनात्मक विकल्प: विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और भाषाई जैसे विभिन्न संकायों के छात्र अपने चार सेमेस्टर पाठ्यक्रम में वैकल्पिक विषय के रूप में रासेयो के लिए पात्र हैं।

4. **शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन**

4.1. शैक्षणिक कैलेंडर का पालन: त्रिवि की स्वीकृत दिनचर्या और नियमों के अनुसार

4.2. प्रति सेमेस्टर कार्य दिवसों की संख्या: 40 कक्षाएं

4.3. संकाय सदस्यों की संख्या (पूर्णकालिक / अंशकालिक / विजिटिंग आदि): 02

4.4. शिक्षक- छात्र अनुपात: 1:160

4.5. शिक्षण/अधिगम में संकाय द्वारा नवाचार: विस्तार गतिविधियाँ
समाज के विकास के लिए काम करने के लिए हमेशा प्रयास किया जाता है, और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए त्रिविवि के गोद लिए गए गांवों में स्वयं सहायता समूह का गठन किया जाता है ताकि उन्हें नवाचार में बढ़ावा दिया जा सके जो इस पाठ्यक्रम के व्यावहारिक का एक हिस्सा है।

4.6. आईसीटी समर्थन के साथ शिक्षण-सीखना:
शिक्षक हमेशा कक्षा में और कक्षा के बाहर कक्षा में एलसीडी प्रोजेक्टर की मदद से आईसीटी का उपयोग करते हैं और 24 घंटे निगरानी के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनता है, इस संबंध में ईमेल का उपयोग किया जाता है।

4.7. संकाय विकास / सतत शिक्षा कार्यक्रम:
त्रिपुरा विश्वविद्यालय की रासेयो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी ने एनआरसीआई-हैदराबाद की कार्यशाला में भाग लिया, जो पाठ्यक्रम उन्नयन, कार्य अनुसंधान पर अनुसंधान पद्धति, गांव गोद लेने की प्रक्रिया, केंद्र सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों की कार्यान्वयन प्रक्रिया पर थी।

5. **विस्तार:** त्रिपुरा विश्वविद्यालय के 6-अंगीकृत गांवों में स्वयंसेवक लगे हुए हैं और काम कर रहे हैं

6. **अवसरंचना**

6.1 कक्षाएं : 01

6.2 कार्यालय : 01

<u>गतिविधियां पूरी हुईं:</u>

रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए और उनमें भाग लिया:

क) सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम का आयोजन किया और उसमें भाग लिया:

1. वन नेशन वन इलेक्शन, अकादमिक भवन 11 में: 20/02/2025
2. "समृद्ध भारत 2047 की आवश्यकता"; एमबीबी सभागार में: 13/08/2024
3. विकसित भारत युवा संसद 19-20 मार्च, 2025
4. "78 वां स्वतंत्रता दिवस"; रवींद्र भवन, अगरतला में: 15/08/2024
5. त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में कोलकाता आर.जी.कर चिकित्सा महाविद्यालय में हुई अमानवीय घटना के खिलाफ विरोध की रैली में हुई: 30/08/2024
6. अगरतला वोल्कन क्लब की सफाई: 04/09/2024
7. त्रिपुरा विश्वविद्यालय पूल जल निकाय की सफाई: 25/09/2024
8. त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता रैली: 30/09/2024
9. त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म समारोह और एकता दिवस पर रैली: 30/10/2024
10. एमबीबी सभागार में रक्तदान शिविर: 27/01/2025
11. एमबीबी सभागार में ड्रग एडिक्शन एंड सोसाइटी: 30/01/2025
12. एमबीबी सभागार में विकसित भारत: 31/01/2025
13. 'विकसित भारत युवा संसद', दो सरकारी जनरल डिग्री कॉलेजों में: 12/03/2025
14. पूर्वोत्तर भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली, अकादमी भवन 11: 20/03/2025
15. बी. आर. अम्बेडकर के जन्मदिन पर रैली त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर: 14/04/2025
16. कश्मीर पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में रैली: 25/04/2025
17. त्रिपुरा विश्वविद्यालय में "तंबाकू मुक्त भविष्य के लिए सोशल मीडिया और युवाओं की भागीदारी" पर एक दिवसीय कार्यशाला: 31/05/2025
18. वृक्षारोपण
19. कूड़ेदान स्थापना
20. पर्यावरण स्वच्छता

ख) इसका उद्देश्य व्यावहारिक समुदाय-आधारित गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की भूमिका को समझना है। यह ग्रामीण वातावरण में सुधार और जागरूकता फैलाने के लिए रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा किए गए प्रयासों पर केंद्रित है। विशिष्ट उद्देश्यों में शामिल हैं:

* पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना और एक स्वस्थ परिसर/समुदाय का निर्माण करना।
* साफ-सफाई की आदत को बढ़ावा देना और प्लास्टिक प्रदूषण और पर्यावरण पर इसके प्रभाव को कम करना।
* युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली नशीली दवाओं के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाना
* स्वच्छता के लिए बगीचे के क्षेत्र को बनाए रखना और सुशोभित करना और पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना

(1) प्लास्टिक अपशिष्ट सफाई: (2) बगीचे की सफाई : (3) जागरूकता पेंटिंग (ड्रग्स को ना कहें)

(4) विकसित भारत पर वॉल पेंटिंग

(5) टीबी और थैलेसीमिया नियंत्रण पर दस (10) रैलियों की संख्या

(6) मोबाइल फोन नंबर के साथ 100 अनुसूचित जनजाति महिला उद्यमियों की पहचान

(7) सरकारी कार्यक्रम के बारे में जागरूकता

रासेयो गतिविधियों का ग्रामीण समुदाय और छात्र स्वयंसेवकों दोनों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। गतिविधियों का बहुत प्रभाव है जो नीचे दिया गया है:

समुदाय के अनुसार :-

1. जागरूकता फैलाना-
   प्रभावी कार्य किया है - यहां तक कि जो अनपढ़ हैं वे भी दृश्यों को समझ सकते हैं।
2. प्रेरक नागरिक जिम्मेदारी-
   नागरिकों को राष्ट्र निर्माण गतिविधियों जैसे स्वच्छता अभियान, मतदाता पंजीकरण, कौशल विकास आदि में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है।
3. जन जागरूकता में वृद्धि:-
   लोगों ने सीखा कि अगर टीबी का जल्दी निदान किया जाए और ठीक से इलाज किया जाए तो इसका इलाज संभव है।
   कई प्रतिभागियों को पता चला कि थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकार है, संक्रामक नहीं।

स्वैच्छिक रूप से :-

1. जिम्मेदारी की भावना:-
   गतिविधियों ने हमें टीम वर्क के मूल्य और ग्रामीण विकास में हमारी भूमिका को समझने में मदद की।
2. बेहतर सामाजिक कौशल:
   समुदाय के साथ काम करने से हमारे संचार और नेतृत्व क्षमताओं में सुधार हुआ।
3. कार्य अनुभव :-
   टीम वर्क ने हमें सामुदायिक गतिविधियों में वास्तविक दुनिया का अनुभव दिया।

अ. गोद लिए गए ग्राम बल्लभपुर ग्राम पंचायत के बारे में

यह राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के तहत गोद लिए गए गांवों में से एक है, स्वयंसेवकों के बीच ग्रामीण विकास और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गांवों में कई सार्थक और समुदाय-केंद्रित गतिविधियां की जाती हैं। इसी तरह, हमें बल्लभपुर ग्राम पंचायत में कुछ गतिविधियां आयोजित करने का काम सौंपा गया है। यह Tripura.It राज्य के पश्चिम त्रिपुरा जिले के दुकली आरडी ब्लॉक में स्थित है, जिसमें मधुपुर नामक एक राजस्व गांव है और इसका कुल क्षेत्रफल 3.2 वर्ग किलोमीटर है। एक जमीनी लोकतांत्रिक संस्था के रूप में कार्य करते हुए, बल्लवपुर ग्राम पंचायत ग्रामीण प्रशासन और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें छह अलग-अलग वार्ड शामिल हैं- बल्लवपुर, हरिपुर शीतलताली, पश्चिम दुर्गापुर, रामकृष्ण पल्ली, चौधरी पारा और अमताली स्कूल पारा - प्रत्येक का प्रतिनिधित्व एक निर्वाचित वार्ड सदस्य द्वारा किया जाता है, जो स्थानीय शासन और समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करता है। निम्नलिखित गतिविधियां की गई हैं:

1. स्थानीय विषय पर वॉल पेंटिंग विषय: स्वच्छ भारत
2. पर्यावरण संरक्षण पर रैली
3. प्रधानमंत्री आवास योजना पर जागरूकता कार्यक्रम
4. वृक्षारोपण
5. **रासेयो** स्वयंसेवकों में व्यक्तित्व और मूल्यों का विकास करना

6. स्वास्थ्य के मुद्दों पर कलंक और गलत धारणाओं को कम करने के लिए कार्यक्रम
7. बल्लवपुर ग्राम पंचायत में 100 महिला उद्यमियों की पहचान मशरूम की खेती/खेती
8. सरकारी कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता:
   सरकारी कार्यक्रमों की सूची
   क) जनधन योजना
   ख) पीएमएवाई
   ग) पीएमएफबीवाई
   घ) आयुष्मान भारत
   ङ) डीडीयू कौशल योजना
   च) पीएम मुद्रा लोन योजना
   छ) स्टार्ट अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम
   ज) स्वच्छ भारत मिशन
   झ) एनएसडीसी, एनएसडीए, एनएसडीएफ, एसएससी, एनसीवीईटी, पीएमकेके

9. प्रशासनिक भवन के सामने पौधों को पानी देना
10. पोस्टर बनाना - ड्रग जागरूकता
11. एनर्जी पार्क और उद्यान की सफाई
12. वॉल पेंटिंग - "सेव द ओशन" और "ग्लोबल वार्मिंग"-थीम
13. सड़क सुरक्षा पर पोस्टर अभियान
14. ओपन-एयर थिएटर की सफाई
15. पोस्टर चिपकाना - सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव
16. पोस्टर चिपकाना - सार्वजनिक स्थल पर पेशाब बंद करें
17. एचआईवी/एड्स जागरूकता पैम्फलेट का वितरण
18. आवारा कुत्तों की देखभाल करना
19. हमारी राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) गतिविधियों के हिस्से के रूप में, स्वयंसेवकों के एक समूह ने राइजिंग सन फाउंडेशन का दौरा किया, जो विशेष जरूरतों वाले व्यक्तियों का समर्थन करने के लिए समर्पित एक संगठन है।

20. विश्व पर्यावरण दिवस पोस्टर बनाना
21. बाजार की सफाई
22. साइबर बदमाशी जागरूकता पोस्टर
23. पोस्टर पीकर गाड़ी न चलाएं
24. रक्तदान

25. जल संरक्षण पर पोस्टर अभियान
26. ग्लोबल वार्मिंग पर पोस्टर अभियान
27. पर्यावरण विषयों पर दीवार पेंटिंग
28. बॉटनिकल गार्डन की सफाई
29. घास काटना और परिसर का सौंदर्यीकरण
30. युवाओं के लिए योग
31. पर्यावरण के अनुकूल कूड़ेदान बनाएं

<u>रासेयो शिविर - 2025</u>

<u>गतिविधियाँ: (27 जनवरी से 4 फरवरी, 2025)</u>

क. नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता
ख. विकसित-भारत
ग. सामाजिक समावेशन और तंबाकू विरोधी जागरूकता, नो-स्मॉकिंग स्टिकर पेस्टिंग
घ. टीबी उन्मूलन
ङ. प्लास्टिक की सफाई
च. सड़क सुरक्षा
छ. वृक्षारोपण
ज. वाटरशेड यात्रा
झ. राष्ट्रगान पर सामुदायिक संपत्ति कार्यक्रम और वीडीओ समुदाय

सामाजिक समावेशन और विकसित-भारत कार्यक्रम :

क. बाल श्रम और सामाजिक समावेशन के खिलाफ रैली

ख. जागरूकता बढ़ाई: लोगों को सामाजिक बाधाओं को पहचानने और चुनौती देने के लिए प्रोत्साहित किया।

ग. संयोजित संवाद: समावेश और सम्मान के बारे में सार्थक बातचीत शुरू हुई।

घ. एकता को बढ़ावा दिया: यह समझने में मदद मिली कि सच्ची प्रगति में हर कोई शामिल है, विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समूह

"বিপদে আমি না যেন করি ভয়।

দুঃখে যেন করিতে পারি জয়॥"

<u>आगामी गतिविधियाँ:</u>

1. 5 दिवसीय विशेष शिविर
2. आत्मनिर्भर भारत के लिए कागज से बने बैग और पैकेटों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
3. विकसित भारत 2047 पर कार्यक्रम
4. पूरे विश्वविद्यालय में 1000 वृक्षारोपण और
5. रासेयो की नियमित गतिविधियां

https://youtu.be/7olWXXTk4E0

अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ का कार्यालय सभी नए और जारी निर्माण कार्यों की देखभाल कर रहा है, इसके अलावा इलेक्ट्रिकल और सिविल सहित सभी मरम्मत/रखरखाव कार्य कर रहा है। यह कार्यालय सभी हितधारकों को पेयजल के वितरण के अलावा विश्वविद्यालय की सभी सुविधाओं/उपयोगिताओं को स्थिर बिजली प्रदान करने के लिए 33/11 केवी सबस्टेशन के 24x7 संचालन और रखरखाव की भी देखभाल कर रहा है।

अभियांत्रिकी कार्यों की सूची (विद्युत और संबद्ध कार्य)

वित्तीय वर्ष के लिए- 2024-2025

क्रम संख्या	काम का नाम	कार्य आदेश मूल्य
1	रजिस्ट्रार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय और कुलपति कार्यालय के काउंसिल हॉल, एडमिन बिल्डिंग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कार्यालय में स्थापित 2 नंबर 5 केवीए (ओरियन मेक) ऑनलाइन यूपीएस के उपभोज्य स्पेयर पार्ट्स सहित मरम्मत और रखरखाव। वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला में स्थापित 1 नंबर 3 केवीए (न्यूमेरिक मेक) ऑनलाइन यूपीएस के उपभोज्य स्पेयर पार्ट्स सहित मरम्मत और रखरखाव।	रु.45,430.00
2	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (ग्रुप-ए) में 29.03.2025 को भारी आंधी/तूफान ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में विद्युत एचटी/एलटी बिजली लाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया और क्षतिग्रस्त एसीएसआर, एबी केबल आदि को तत्काल रखरखाव/बदल दिया गया।	रु.49,812.00
3	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (ग्रुप-बी) में 29.03.2025 को भारी आंधी/तूफान के कारण त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में विद्युत एचटी/एलटी बिजली लाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया और क्षतिग्रस्त एसीएसआर, एबी केबल आदि को तत्काल रखरखाव/बदल दिया गया।	रु.49,724.00
4	पुस्तकालय भवन, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (ग्रुप-ए) की विभिन्न मंजिलों पर स्थापित 4.5 टीआर क्षमता वाली 20 एसी मशीनों (टॉवर प्रकार) की मरम्मत और रखरखाव प्रदान करना	रु.48,616.00
5	पुस्तकालय भवन, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (ग्रुप-बी) की विभिन्न मंजिलों पर स्थापित 4.5 टीआर क्षमता वाली 20 एसी मशीनों (टॉवर टाइप) की मरम्मत और रखरखाव प्रदान करना	रु.49,560.00
6	क्षतिग्रस्त वितरण ट्रांसफार्मर 11/0.433 केवी की री-कंडीशनिंग एवं 33/11 केवी स्विच यार्ड में स्थित 1 नंबर 100 केवीए ट्रांसफार्मर और देखभाल केन्द्र बिल्डिंग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में स्थित 1 नंबर 200 केवीए ट्रांसफार्मर की री-कंडीशनिंग।	रु.99,960.00
7	त्रिपुरा विश्वविद्यालय सब-स्टेशन, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में विद्युत शक्ति प्राप्त करने के लिए 33 केवी यूजी केबल जॉइनिंग के प्रतिस्थापन के साथ तत्काल रखरखाव।	रु.95,795.00
8	शैक्षणिक भवन संख्या 1 और 2, महिला छात्रावास, गर्ल्स हॉस्टल, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में बिजली की आपूर्ति प्रदान करने के लिए 500 केवीए वितरण ट्रांसफार्मर वाले सब-स्टेशन के क्षतिग्रस्त घटकों का तत्काल रखरखाव/प्रतिस्थापन।	रु.99,620.00
9	26.05.2024 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय में भारी आंधी/तूफान के कारण त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में विद्युत एचटी/एलटी बिजली लाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया और क्षतिग्रस्त एसीएसआर, इंसुलेटर आदि को तत्काल रखरखाव/बदल दिया गया।	रु.99,242.00
10	शोधार्थी छात्रावास (पुरुष) हॉस्टल, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में मुख्य पावर केबल के क्षतिग्रस्त एक्सएलपीई ऑर्मर्ड पावर केबल को बदलने की व्यवस्था की गई है।	रु.98,923.00
11	पुस्तकालय भवन, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा में क्षतिग्रस्त एक्सएलपीई ऑर्मर्ड केबल को बदलने की सुविधा प्रदान करना।	रु.49,271.00
12	त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में वितरण ट्रांसफार्मर के 11 केवी जीओ स्विचों और फ्यूजिंग सिस्टम के क्षतिग्रस्त घटकों को बदलना/एचटी/एलटी ओवरहेड लाइनों का रनिंग मेंटेनेंस और 22 केवी जीओ स्विचों को बदलना।	रु.98,155.00
13	एलईडी स्ट्रीट लाइट/फ्लड लाइट और 12 (बारह) की मरम्मत और अनुरक्षण। त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर परिसर, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा के भीतर बोलार्ड लाइट स्थापित की गई।	रु.48,308.00

14	महाराजा बीर बिक्रम प्रेक्षागृह की 6 (छह) की 17.5 टीआर एसी मशीन के लिए सामान्य सर्विसिंग/ मरम्मत/ अनुरक्षण प्रदान करना। सूक्ष्मजैविकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा की प्रयोगशाला में स्थापित एसी मशीन के लिए 1 नंबर 3 केवीए एसी स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव।	रु.1,17,882.00
15	त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा के 17 (सत्रह) विभागों में स्मार्ट क्लास (आईएफटी) कक्ष को विद्युत कनेक्टिविटी प्रदान करना।	रु.49,920.00
16	शोधार्थी छात्रावास (पुरुष), त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा में विभिन्न कमरों, कोरिडोर, डाइनिंग और किचन क्षेत्रों आदि के लिए ऑनलाइन यूपीएस कनेक्टिविटी प्रदान करना।	रु.90,366.00
17	शोधार्थी छात्रावास(पुरुष), स्नातकोत्तर छात्रावास पुरुष के साथ लोड शेयरिंग के कारण अकादमिक भवन संख्या IX में बिजली की समस्या होने के कारण शैक्षणिक भवन संख्या IX में समस्याओं के समाधान के लिए एक अलग एलटी सर्किट के साथ-साथ (1X100 केवीए) डीटी सब-स्टेशन के निर्माण के साथ-साथ उत्पन्न हुई।	रु.1,97,735.00
18	त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा में पंप हाउस नंबर-1 को बिजली की आपूर्ति पहुंचाने के लिए 11 केवी यूजी एक्सएलपीई केबल का तत्काल रखरखाव/प्रतिस्थापन।	रु.1,97,284.00
19	त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर परिसर, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा के भीतर स्थापित एलईडी स्ट्रीट लाइट/फ्लड लाइट और बोलार्ड लाइट की मरम्मत और रखरखाव।	रु.59,313.00
20	त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा में विद्युत आपूर्ति की सुचारू आपूर्ति के लिए वैक्यूम सर्किट ब्रेकर, करंट ट्रांसफार्मर, पोटेंशियल ट्रांसफार्मर के सभी कनेक्टिंग भागों की जांच के साथ-साथ क्षतिग्रस्त घटकों को तत्काल बदलना।	रु.49,199.00
21	त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा में 33/11 केवी सब-स्टेशन पर आंतरिक शॉर्ट सर्किट के कारण क्षतिग्रस्त 11 केवी इनडोर और आउटडोर प्रकार के केबल टर्मिनल को तत्काल बदलना।	रु.49,643.00
22	वॉली बॉल ग्राउंड त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा में मेन पावर केबल के क्षतिग्रस्त एक्सएलपीई ऑर्मर्ड केबल को बदलना।	रु.1,27,224.00
23	पीजी (पुरुष) छात्रावास और पीजी (महिला) छात्रावास, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में रसोई कक्ष के लिए पावर प्वाइंट (रसोई एप्लिनेस) का प्रावधान करना//विभाग के लिए प्रयोगशाला के पावर प्वाइंट का विद्युत संस्थापना प्रावधान प्रदान करना। (ख) बीवोक (रबड़ प्रौद्योगिकी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अंतर्गत प्रयोगशाला कार्य के लिए 3 फेज पावर प्वाइंट का प्रावधान किया है। वानिकी एवं जैवविविधता विभाग में 3 फेज पॉवर पॉइंट का प्रावधान किया, विधि विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा में 6 एसी मशीनें संस्थापन के लिए विद्युत कनेक्शन प्रावधान किया।	रु.97,942.00
24	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के एकेडमिक बिल्डिंग नंबर-XII की 5वीं मंजिल में (30 + 20) यानी 50 सीटेड कंप्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना के लिए विद्युत स्थापना प्रदान करना, जिसमें एसी मशीन के संस्थापन के लिए विद्युत स्थापन का प्रावधान शामिल है। सीएसएसईआईपी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा में एक एसी मशीन और एक कम्प्यूटर हेतु विद्युत स्थापन का प्रावधान किया गया।	रु.3,17,677.00
25	क्वार्टर टाइप-IV/01, ब्लॉक-ए (डॉ. शंकर नाथ तिवारी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा में कॉपर कंडक्टर वायरिंग में मौजूदा अप्रचलित एल्यूमिनियम कंडक्टर वायरिंग के प्रतिस्थापन सहित विद्युत संस्थापना की विशेष मरम्मत और नवीनीकरण, ब्लॉक-ए (श्रीमती सुधा यादव) त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा के क्वार्टर टाइप-III/02 पर मौजूदा अप्रचलित एल्यूमिनियम कंडक्टर वायरिंग को कॉपर कंडक्टर वायरिंग में बदलने सहित विद्युत संस्थापना की विशेष मरम्मत और नवीनीकरण, आणविक जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा में प्रयोगशाला में 4 पावर प्वाइंट प्रावधान किया गया।	रु.1,77,934.00
26	पीजी (लड़कियां) छात्रावास, आरएस (महिला) छात्रावास, त्रिपुरा विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र, वीसी बंगलो और न्यू गेस्ट हाउस, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा के माध्यम से टाइप- IV/III क्वार्टर कॉम्प्लेक्स की ओर आपातकालीन बिजली की आपूर्ति करने के लिए 33/11 केवी सब-स्टेशन से 11 केवी यूजी एक्सएलपीई केबल के साथ समर्पित फीडर का प्रावधान किया गया।	रु.19,76,781.00

संकाय विकास केंद्र

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संकाय विकास केंद्र (एफडीसी) की स्थापना वर्ष 2016 में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई प्रमुख परियोजना "पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी)" के तहत की गई थी। विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में काम करने वाले संकायों को प्रशिक्षण देकर देश में शिक्षा का विकास करने के लिए इसे शुरू में 5 साल की परियोजना के रूप में विस्तारित किया गया था। फिर इसे अन्य वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया। एफडीसी त्रिविवि ने पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत 14 कार्यक्रम आयोजित किए हैं। सितंबर 2023 से, इसका नाम बदलकर "मालवीय मिशन फॉर टीआर्चर्स ट्रेनिंग सेंटर (MMTTC)" कर दिया गया है। एमएमटीटीसी ने कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के संकायों के लिए दो कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

एमएमटीटीसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं: -

प्रो. बी. के. दत्ता	निदेशक	प्रो. बी. सी. त्रिपाठी	समन्वयक
डॉ थिरु सेल्वन	सदस्य	डॉ. सौरभ देब	सदस्य
इं. हरजीत नाथ	सदस्य	डॉ. सप्तर्षि मित्रा	सदस्य
डॉ. एम. के. भौमिक	सदस्य	डॉ पार्थसारथी सील	सदस्य
डॉ. जयंत पाल	सदस्य	श्री प्रणय पाल	सदस्य
डॉ. सम्राट गोस्वामी	सदस्य	श्री जयंत दत्ता	सदस्य

एमएमटीटीसी, त्रिविवि ने विचाराधीन अवधि में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

एमएमटीटीसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा 26 नवंबर से 23 दिसंबर, 2024 तक चार सप्ताह का ऑनलाइन संकाय प्रेरण कार्यक्रम 'गुरु-दक्षता' आयोजित किया

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने 26 नवंबर से 23 दिसंबर, 2024 तक विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/संस्थानों के संकायों के लिए चार सप्ताह का ऑनलाइन संकाय प्रेरण कार्यक्रम 'गुरु-दक्ष' का आयोजन किया। पाठ्यक्रम के लिए 68 प्रतिभागियों ने आवेदन किया था, उनमें से साठ प्रतिभागी पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम थे। कुल अठहत्तर सत्र आयोजित किए गए और देश के विभिन्न हिस्सों के पैंतालीस प्रतिष्ठित संसाधकों ने यूजीसी द्वारा निर्धारित विभिन्न मॉड्यूल पर अपने व्याख्यान दिए। सत्रों के दौरान शामिल मॉड्यूल थे: मॉड्यूल 1: उच्च शिक्षा और इसका इकोसिस्टम। मॉड्यूल 2: पाठ्यचर्या डिजाइनिंग, परिणाम आधारित शिक्षा और विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली। मॉड्यूल 3: शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन मॉड्यूल 4: आई-पीढ़ी के शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी मॉड्यूल 5: व्यक्तिगत-भावनात्मक विकास और परामर्श मॉड्यूल 6: अनुसंधान, व्यावसायिक विकास और अकादमिक नेतृत्व मॉड्यूल 7: अकादमिक अखंडता मॉड्यूल 8: संवैधानिक मूल्य, मानवाधिकार और मौलिक कर्तव्य मॉड्यूल 9: पर्यावरण चेतना और सतत विकास लक्ष्य मॉड्यूल 10: रणनीतिक योजना और प्रबंधन। एफआईपी ने उच्च शिक्षा में सीखने के मूल्यांकन उपकरण सिखाने के लिए शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोण, आईसीटी एकीकृत शिक्षण और नए शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए संकाय को संवेदनशील और प्रेरित किया। प्रतिभागियों से प्राप्त फीडबैक से पता चला कि एफआईपी बहुत जानकारीपूर्ण था और वे कार्यक्रम में भाग लेने के बाद प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों की पेशेवर क्षमता और प्रदर्शन में सुधार करने में सक्षम हो सकते हैं।

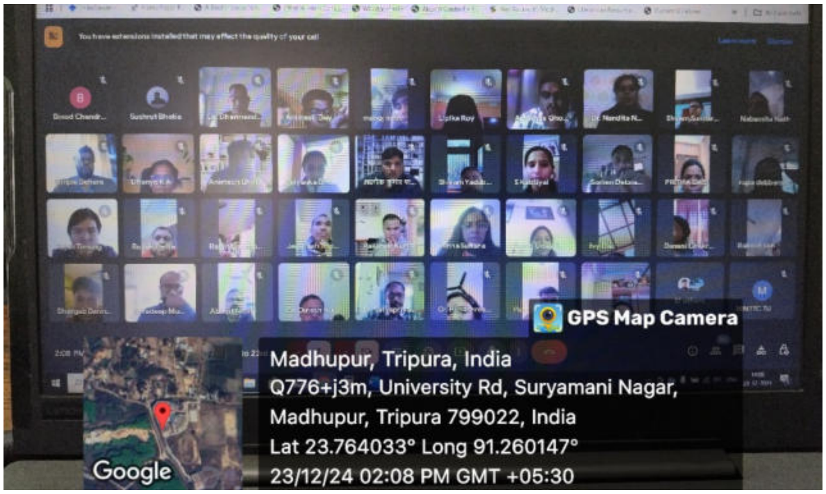
GPS Map Camera
Madhupur, Tripura, India
Q776+j3m, University Rd, Suryamani Nagar,
Madhupur, Tripura 799022, India
Lat 23.764033° Long 91.260147°
23/12/24 02:08 PM GMT +05:30
Google

विश्वविद्यालय वित्त एवं वार्षिक लेखा

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

(राशि, रु. में)

विवरण	अनु.सं.	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय			
अकादमिक प्राप्ति	9	194,078,208.59	181,811,283.88
अनुदान / सहायिकी	10	975,068,018.00	904,619,253.00
निवेश से आय	11	56,900,719.26	42,769,095.64
अर्जित ब्याज	12	9,444,234.60	9,194,767.00
अन्य आय	13	6,456,476.73	9,065,967.42
पूर्वावधि आय	14	1,039,482.44	1,479,600.00
कुल (ए)		**1,242,987,139.62**	**1,148,939,966.94**
व्यय			
कार्मिक-भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	955,567,274.00	1,326,201,665.28
अकादमिक व्यय	16	43,847,084.44	36,885,649.00
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	117,597,316.75	94,957,329.00
परिवहन व्यय	18	3,197,547.00	2,980,778.00
मरम्मत एवं रखरखाव	19	15,272,878.00	10,806,759.48
वित्तीय लागत	20	195,209.70	21,601.35
अन्य व्यय	21	-	-
पूर्वावधि व्यय	22	2,563,091.00	-
मूल्यह्रास	4	109,942,642.00	113,923,016.00
कुल(बी)		**1,248,183,042.89**	**1,585,776,798.11**
व्यय पर आय की अधिकता संबंधी अधिशेष (ए-बी)		5,195,903.27	436,836,831.17
नामित निधि को/ से हस्तांतरित			
भवन निधि			
घाटा (डेफिसिट) के अधिशेष को पूंजीगत निधि में ले लिया गया		**5,195,903.27**	**436,836,831.17**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा टिप्पणी	24		

- *सूचना वित्त वर्ष 2024-25 पर आधारित है।*

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

(राशि, रु. में)

प्राप्ति	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
I. प्रारंभिक अधिशेष			**I. व्यय**		
ए) हस्तगत नकदी (कैश इन हैंड)			ए) स्थापना व्यय	955,567,274.00	668,201,903.00
बी) बैंक अधिशेष			बी) अकादमिक व्यय	43,847,084.44	35,998,130.00
I) बचत बैंक खाते में	235,132,256.26	208,195,190.99	सी) प्रशासनिक व्यय	117,597,316.75	89,323,525.00
II) चल (करेंट) खाते में	846,601.24	2,793,058.24	डी) परिवहन व्यय	3,197,547.00	2,856,827.00
III) जमा खाते में	862,193,602.85	715,452,242.35	ई) मरम्मत एवं रखरखाव	15,272,878.00	10,761,037.00
II. अनुदान प्राप्त			एफ) वित्तीय लागत	195,209.70	21,601.35
ए) भारत सरकार से (यूजीसी समेत)	846,839,100.00	965,958,953.00	जी) पूर्वावधि व्यय	2,563,091.00	
बी) राज्य सरकार से			II. अर्माक्ड/ इंडोमेंट निधि हेतु भुगतान	53,798.00	23,494.00
सी) अन्य स्रोत से			III. प्रायोजित परियोजना/ योजना हेतु भुगतान	46,736,661.68	28,041,165.44
III. अकादमिक प्राप्ति	193,422,508.59	188,523,558.88	IV. प्रायोजित अध्येतावृत्ति/ छात्रवृत्ति हेतु भुगतान	7,110,199.00	314,160.00
IV. निर्धारित (अर्माक्ड) निधि/ इंडोमेंट निधि से प्राप्ति	555,000.00		**V. निवेश में जमा किए गए**		
V. प्रायोजित परियोजना/ योजना से प्राप्ति	37,577,630.64	35,840,816.16	ए) अर्माक्ड/ इंडोमेंट निधि से	2,193,046.85	
VI. प्रायोजित अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति से प्राप्ति	5,095,389.00	2,851,105.64	बी) निधि से (निवेश - अन्य)		
VII. निवेश से आय			VI. अनुसूचित बैंक के साथ सावधि जमा		
ए) अर्माक्ड / इंडोमेंट निधि से	139,290.43	553,862.00	**VII. अचल परिसंपत्ति एवं चालू पूंजीगत कार्य हेतु व्यय एवं अग्रिम**		
बी) अन्य निवेश से					
VIII. ब्याज प्राप्त			ए) अचल परिसंपत्ति	74,269,672.00	109,592,200.00
ए) बैंक जमा	16,871,199.00	603,328.00	बी) चालू पूंजीगत कार्य	43,867,000.00	59,129,000.00
बी) ऋण एवं अग्रिम			सी) पूंजीगत लेखा हेतु अग्रिम		102,445,000.00
सी) बचत बैंक खाता	9,444,273.60	9,194,807.00	VIII. सांविधिक भुगतान समेत अन्य भुगतान	105,749,554.23	143,959,248.00
IX. निवेश को भुनाया गया			IX. अनुदान वापसी	17,228,000.00	15,927,000.00
X. अनुसूचित बैंको में जमा सावधि जमा को भुनाया गया			X. जमा एवं अग्रिम	15,374,838.00	19,324,231.00
XI. पूर्वावधि आय समेत अन्य आय	7,198,032.17	5,084,912.42	XI. अन्य भुगतान	499,709,514.00	572,741,554.00
XII. जमा एवं अग्रिम	218,691,001.75	10,427,215.00	**XII. समापन अधिशेष**		
XIII. वैधानिक प्राप्तियों समेत विविध प्राप्तियां	19,874,875.00	11,457,331.72	ए) हस्तगत नकदी		
XIV. कोई अन्य प्राप्ति	957,847,892.00	799,896,154.74	बी) बैंक अधिशेष		
			I) बचत बैंक खाते में	246,145,840.78	235,132,256.26
			II) चल (करेंट) बैंक खाते में	779,010.10	846,601.24
			III) जमा खाते में	1,214,271,117.00	862,193,602.85
कुल	**3,411,728,652.53**	**2,956,832,536.14**	**कुल**	**3,411,728,652.53**	**2,956,832,536.14**

- ***सूचना वित्त वर्ष 2024-25 पर आधारित है।***

31 मार्च, 2025 को जैसी थी वह बैलेंस शीट

(राशि, रु. में)

विवरण	अनुसूची संख्या	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
निधि का स्रोत			
कॉर्पस निधि / पूंजीगत निधि	1	1,081,941,800.47	989,912,143.61
नामित (डेजिगनेटेड)/ निर्धारित (अर्मार्क्ड) / अक्षय (इंडोमेंट) निधि	2	5,044,902.41	4,310,958.98
चल देयताएं एवं प्रावधान	3	3,657,918,104.02	3,561,301,299.42
कुल		**4,744,904,806.90**	**4,555,524,402.01**
निधि-अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्ति	4		
मूर्त परिसंपत्ति		2,023,442,807.15	2,066,218,585.15
अमूर्त परिसंपत्ति		23,048,097.19	15,945,289.19
चालू पूंजीगत कार्य		851,736,371.00	807,869,371.00
इयरमार्क्ड/ इंडोमेंट निधि से निवेश	5		
दीर्घ कालिक		2,193,046.85	1,388,848.85
अल्प कालिक		-	-
निवेश - अन्य	6	-	-
चल परिसंपत्ति	7	1,461,195,967.88	1,262,937,023.50
ऋण / अग्रिम एवं जमा	8	383,288,516.83	401,165,284.32
कुल		**4,744,904,806.90**	**4,555,524,402.01**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23	-	
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा टिप्पणी	24		

- *सूचना वित्त वर्ष 2024-25 पर आधारित है।*

कार्यक्रम एवं छात्र आँकड़े

			कुल = सामा. + अपिव+ अजा + अजजा + विदेशी			सामान्य (ईडब्ल्यूएस और अल्पसंख्यक सहित)		अपिव		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		बाह्य		ईडब्ल्यूएस (सामान्य से बाहर)		पीडब्ल्यूडी (कुल में से)		अल्पसंख्यक (सामान्य से बाहर)		अन्य राज्य (कुल में से)	
	कार्यक्रम	सेम	पु	म	महायोग	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
विज्ञान संकाय	एमएससी (वनस्पति विज्ञान)	I	11	24	35	4	9	1	3	2	3	4	9	0	0	0	0	0	0	1	4	3	7
		तृतीय	8	21	29	4	7	0	3	2	3	2	8	0	0	0	0	0	0	1	0	6	8
	एमटेक (रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी)	I	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	1	2	3	0	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
	एमएससी (रसायन विज्ञान)	I	23	14	37	11	6	6	2	3	2	3	4	0	0	2	2	0	1	2	0	11	7
		तृतीय	17	13	30	9	8	1	0	4	1	3	4	0	0	0	1	0	1	0	0	7	4
	एम टेक (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)	I	1	6	7	0	6	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	4	4	8	2	1	2	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2	0	1	0
	एम टेक(विद्युत अभियांत्रिकी)	I	7	4	11	3	1	0	1	0	0	4	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	4	4	8	1	0	0	0	1	1	2	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड संचार अभियांत्रिकी)	I	5	2	7	1	1	1	0	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	2	4	6	0	1	2	0	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम एससी (वानिकी और जैव विविधता)	I	10	16	26	3	5	3	3	1	1	3	7	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1
		तृतीय	10	7	17	5	2	0	3	0	1	5	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम एससी (भूगोल और आपदा प्रबंधन)	I	15	26	41	4	10	2	6	3	1	6	9	0	0	0	0	0	0	0	0	4	3
		तृतीय	7	28	35	2	10	1	2	2	3	2	13	0	0	0	1	0	0	0	0	2	12
	एम एससी (मानव शरीर विज्ञान)	I	12	21	33	1	10	1	4	5	2	5	5	0	0	0	2	0	0	0	2	0	2
		तृतीय	15	17	32	5	3	3	7	3	3	4	4	0	0	0	1	0	0	2	0	0	0
	मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए)	I	34	1	35	13	1	6	0	1	0	14	0	0	0	1	0	0	0	0	1	7	1
		तृतीय	16	4	20	10	4	2	0	3	0	1	0	0	0	1	1	0	0	2	1	11	3
	एम टेक (सूचना प्रौद्योगिकी)	I	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	1	3	4	0	2	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम टेक (पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी)	I	6	0	6	2	0	2	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
		तृतीय	1	2	3	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	गणित में एकीकृत स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी)	I	7	7	14	4	1	1	3	1	1	1	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	8	3	11	5	1	0	1	2	0	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0
		बहुत	5	4	9	2	1	0	1	0	2	3	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
		सातवीं	1	1	2	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		IX	2	4	6	2	1	0	2	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम एससी(गणित)	I	39	16	55	19	5	7	2	4	3	9	6	0	0	3	1	1	0	4	2	6	3
		तृतीय	21	15	36	9	4	4	3	5	3	3	5	0	0	0	0	0	0	3	4	4	5
	एम एससी(सूक्ष्मजैविकी)	I	13	14	27	7	8	1	2	4	2	1	2	0	0	0	2	0	0	0	0	6	5
		तृतीय	9	17	26	5	6	0	2	1	4	3	5	0	0	1	1	0	0	0	0	2	8
	एम एससी(आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान)	I	11	18	29	2	10	4	3	2	2	3	3	0	0	0	0	1	0	0	0	2	2
		तृतीय	10	20	30	4	7	1	6	1	3	4	4	0	0	1	0	0	0	0	1	4	5
	एम फॉर्मा (फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान)	I	7	3	10	5	3	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	4	1
		तृतीय	10	5	15	8	3	2	0	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	10	3
	एम एससी(भौतिक विज्ञान)	I	26	13	39	12	4	5	3	4	1	5	5	0	0	1	2	0	0	0	0	8	5
		तृतीय	20	14	34	14	7	1	0	4	1	1	6	0	0	0	1	0	0	2	5	5	5
	एम एससी(सांख्यिकी)	I	5	7	12	3	5	1	2	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
		तृतीय	1	2	3	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
	एम एससी(प्राणी विज्ञान)	I	13	25	38	8	15	1	0	1	3	3	7	0	0	1	2	0	1	0	0	3	6
		तृतीय	12	19	31	7	10	0	2	1	1	4	6	0	0	0	2	0	0	0	0	3	12
	बैचलर ऑफ वोकेशन (रबर टेक्नोलॉजी में बी.वोक)	I	9	4	13	2	0	2	0	0	1	5	3	0	0	0	0	0	0	1	1	2	0
		तृतीय	7	3	10	3	1	1	0	0	0	3	2	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0
		बहुत	2	3	5	1	1	0	0	0	0	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

			कुल = सामा. + अपिव+ अजा + अजजा + विदेशी			सामान्य (ईडब्ल्यूएस और अल्पसंख्यक सहित)		अपिव		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		बाह्य		ईडब्ल्यूएस (सामान्य से बाहर)		पीडब्ल्यूडी (कुल में से)		अल्पसंख्यक (सामान्य से बाहर)		अन्य राज्य (कुल में से)	
	कार्यक्रम	सेम	पु	म	महायोग	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
साहित्य संकाय	बंगाली में समेकित स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी)	I	2	6	8	1	3	0	0	1	0	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	2	4	6	1	2	0	0	0	0	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		बहुत	0	3	3	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		सातवीं	0	4	4	0	0	0	2	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		IX	0	3	3	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (बंगाली)	I	15	58	73	4	18	4	15	1	15	6	10	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	36	63	99	16	41	6	7	6	4	8	11	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	अंग्रेजी में समेकित स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी)	I	13	26	39	5	7	0	1	4	4	4	13	0	1	0	3	0	1	0	0	0	0
		तृतीय	13	14	27	4	5	0	1	1	4	8	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		बहुत	18	14	32	5	3	1	1	5	4	7	6	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0
		सातवीं	10	15	25	4	5	2	2	0	3	4	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		IX	5	19	24	2	5	1	4	0	4	2	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (अंग्रेजी)	I	25	61	86	4	24	1	10	5	6	15	21	0	0	2	3	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	22	53	75	3	26	4	11	3	7	12	9	0	0	0	3	0	0	0	0	0	0
	हिंदी में समेकित स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी)	I	1	10	11	0	1	0	2	0	2	1	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	2	10	12	0	1	0	1	1	1	1	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		बहुत	1	4	5	1	0	0	0	0	2	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		सातवीं	1	11	12		1	0	2	0	2	1	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		IX	2	10	12	0	1	0	1	1	1	1	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (हिंदी)	I	5	23	28	0	0	1	1	1	2	3	20	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2
		तृतीय	0	23	23	0	3	0	3		2	0	15	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (हिंदी अनुवाद)	I	1	5	6		1	0	0	0	0	1	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (कोकबोरोक)	I	12	52	64	0	0	0	1	0	0	12	51	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	23	40	63	0	0	0	0	0	0	23	40	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएं)	I	10	10	20	2	0	0	0	0	0	8	10	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	4	10	14	0	2	0	0	0	1	4	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (संस्कृत)	I	6	20	26	4	9	0	3	1	3	1	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	2	13	15	0	7	0	2	2	1	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
संगीत और ललित कला संकाय	एम एफ ए (पेंटिंग)	I	6	7	13	1	2	0	1	2	3	3	1	0	0	0	0	0	1	0	0	7	4
		तृतीय	5	0	5	1	0	1	0	0	0	3	0	0	0	0	0	1	0	1	0	3	0
	एम एफ ए (मूर्तिकला)	I	6	2	8	3	1	1	0	0	1	2	0	0	0	0	0	1	0	0	0	3	0
		तृतीय	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (नृत्य में संगीत)	I	4	10	14	1	1	1	2	0	0	2	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
		तृतीय	1	7	8	0	1	1	2	0	1	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
	एम ए (स्वर में संगीत)	I	6	15	21	1	8	4	3	0	2	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	2	3
		तृतीय	1	18	19	0	7	1	8	0	2	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6

			कुल = सामा. + अपिव+ अजा + अजजा + विदेशी			सामान्य (ईडब्ल्यूएस और अल्पसंख्यक सहित)		अपिव		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		बाह्य		ईडब्ल्यूएस (सामान्य से बाहर)		पीडब्ल्यूडी (कुल में से)		अल्पसंख्यक (सामान्य से बाहर)		अन्य राज्य (कुल में से)	
	कार्यक्रम	सेम	पु	म	महायोग	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
सामाजिक विज्ञान संकाय	पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति में एम ए	I	14	18	32	5	3			1	0	8	15			1							
	अर्थशास्त्र में समेकित स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी)	I	6	5	11	3	1	0	1	3	1	0	2			1				1			
		तृतीय	4	3	7	2	3	0	0	2	0	0	0				1						
		बहुत	1	6	7	0	5	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		सातवीं	4	2	6	0	0	2	2	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		IX	1	1	2				1			1											
	एम ए (अर्थशास्त्र)	I	19	23	42	3	6	4	6	3	4	8	7	1	0	0	1	0	0	1	0	2	3
		तृतीय	18	25	43	7	11	2	2	0	1	9	11	0	0	3	3	0	0	2	0	8	9
	शिक्षा में एम.ए.	I	10	30	40	2	6	1	9	2	4	5	11	0	0	0	0	1	0	0	0	0	6
		तृतीय	18	16	34	0	2	1	1	2	2	15	11	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0
	इतिहास में समेकित स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी)	I	13	17	30	0	2	1	1	2	2	10	12	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	13	13	26	0	2	0	0	1	3	12	8	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		बहुत	7	10	17	3	1	0	0	0	0	4	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		सातवीं	7	9	16	2	1	0	0	1	0	4	8	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		IX	3	9	12	0	2	0	1	0	4	3	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (इतिहास)	I	27	47	74	3	5	2	6	2	2	20	34	0	0	1	1	0	0	1	0	0	2
		तृतीय	19	38	57	1	3	3	2	1	2	14	31	0	0	0	1	1	0	1	0	0	1
	एम ए (लिबरल आर्ट्स)	I	9	13	22	0	0	2	2	0	2	7	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	दर्शनशास्त्र में समेकित स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी)	I	15	10	25	0	0	1	0	0	1	14	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	7	9	16	1	0	0	0	0	0	6	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		बहुत	8	11	19	0	1	1	0	0	0	7	10	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		सातवीं	4	8	0	0	0	1	2	1	0	2	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		IX	2	9	0	0	2	0	0	0	0	2	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (दर्शन)	I	21	49	70	3	7	2	5	2	3	14	34	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1
		तृतीय	28	47	75	1	4	1	6	0	1	26	36	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1
	राजनीति विज्ञान में समेकित स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी)	I	14	18	32	0	4	1	2	1	4	12	8	0	0	0	2	1	0	0	0	0	0
		तृतीय	17	6	23	2	2	1	1	3	0	11	3	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
		बहुत	15	9	24	4	3	2	1	2	1	7	4	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0
		सातवीं	4	18	22	1	5	0	1	1	3	2	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		IX	6	14	20	2	2	0	2	2	0	2	10	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (राजनीति विज्ञान)	I	37	37	74	4	2	5	4	1	7	27	24	0	0	0	0	0	0	1	0	6	6
		तृतीय	29	35	64	2	4	0	4	4	3	23	24	0	0	0	1	0	0	0	0	10	10
	एम ए (मनोविज्ञान)	I	5	21	26	3	12	0	2	0	2	2	5	0	0	0	1	1	0	0	0	1	7
		तृतीय	6	16	22	1	5	0	5	2	1	3	5	0	0	0	1	0	0	0	0	2	6
	ग्रामीण अध्ययन में समेकित स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी)	I	16	7	23	1	0	1	0	1	2	13	5	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
		तृतीय	11	9	20	0	2	0	0	0	0	11	7	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
		बहुत	4	13	17	0	1	0	0	0	0	4	12	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0
		सातवीं	6	13	19	1	0	0	0	0	1	5	12	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		IX	9	8	17	2	0	1	0	1	2	5	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	एम ए (ग्रामीण अध्ययन)	I	21	29	50	3	7	0	0	0	2	18	20	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
		तृतीय	9	20	29	1	6	0	0	2	1	6	13	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
	एम ए (समाजशास्त्र)	I	8	29	37	0	5	0	0	1	0	7	24	0	0	0	0	0	0	0	1	0	3
		तृतीय	13	25	38	2	4	2	1	0	0	9	20	0	0	0	0	0	0	1	1	1	1
	बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड (दो वर्ष)	I	25	34	59	15	10	3	3	4	7	3	14	0	0	3	2	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	27	32	59	16	11	1	0	6	8	4	13	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (ट्राइबल एंड एथनिक स्टडीज)	I	17	12	29	0	1	0	0	0	0	17	11	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

			कुल = सामा. + अपिव+ अजा + अजजा + विदेशी			सामान्य (ईडब्ल्यूएस और अल्पसंख्यक सहित)		अपिव		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		बाह्य		ईडब्ल्यूएस (सामान्य से बाहर)		पीडब्ल्यूडी (कुल में से)		अल्पसंख्यक (सामान्य से बाहर)		अन्य राज्य (कुल में से)	
	कार्यक्रम	सेम	पु	म	महायोग	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
वाणिज्य, कानून, प्रबंधन और सूचना विज्ञान के संकाय	बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए)	I	24	12	36	6	5	3	0	2	3	13	4	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	43	9	52	14	5	9	0	1	0	18	4	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0
		बहुत	21	11	32	3	3	4	2	1	0	13	6	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0
	बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर (एमबीए)	I	51	21	72	18	7	4	4	7	3	22	7	0	0	0	0	0	0	0	0	1	3
		तृतीय	52	19	71	19	8	10	4	0	0	23	6	0	1	3	0	0	0	0	0	9	3
	वाणिज्य में समेकित स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी)	I	14	16	30	2	5	2	2	3	3	7	6	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1
		तृतीय	24	8	32	6	2	3	2	3	1	12	2	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0
		बहुत	20	10	30	5	1	3	4	2	1	10	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
		सातवीं	10	4	14	2	2	2	0	1	1	5	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		IX	4	3	7	1	1	1	1	0	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	वाणिज्य में स्नातकोत्तर (एम कॉम)	I	21	13	34	5	3	1	1	2	1	13	8	0	0	0	0	0	0	0	0	1	5
		तृतीय	32	12	44	1	2	2	0	0	1	29	9	0	0	0	1	0	0	0	0	5	6
	एम ए (पत्रकारिता और जनसंचार)	I	16	22	38	3	5	1	1	0	0	12	16	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	9	13	22	0	2	0	0	1	1	8	10	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कानून में स्नातकोत्तर (एलएलएम)	I	7	9	16	2	4	1	1	0	0	4	4	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	2	2	4	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस	I	11	17	28	1	3			1		9	14	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर	I	4	14	18	1	0	0	1	0	0	3	13	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
	शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर (एमपीएड)	I	18	17	35	5	2	2	1	0	2	11	12	0	0	0	0	0	0	0	0	9	13
		तृतीय	22	13	35	2	2	7	5	1	1	12	5	0	0	0	0	0	0	0	0	14	8
	बैचलर ऑफ वोकेशन (फिल्म और वीडियो निर्माण में बी.वोक)	I	23	8	31	0	1	0	0	0	0	23	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		तृतीय	23	7	30	0	1	0	0	0	0	23	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		बहुत	7	0	7	1	0	0	0	1	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अंतर्गत महाविद्यालय

सामान्य डिग्री महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	**महाविद्यालय का नाम**	**संचार का पता**
1	महिला महाविद्यालय, अगरतला	महिला महाविद्यालय, बी.के.रोड, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799001
2	रामठाकुर महाविद्यालय, अगरतला	रामठाकुर महाविद्यालय, बधारघाट पोस्ट: सिद्धि आश्रम, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799003
3	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, खुमलुंग	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, खुमुलुंग, जिरानिया, पश्चिम त्रिपुरा, 799045
4	कवि नजरूल महाविद्यालय, सोनामुरा	कवि नजरूल महाविद्यालय, सोनमुरा, सिपाहिजला त्रिपुरा, 799181
5	दशरथ देव मेमोरियल महाविद्यालय, खोवाई	दशरथ देव मेमोरियल महाविद्यालय, लालचेरा, खोवाई त्रिपुरा, 799201
6	नेताजी सुभाष महाविद्यालय, उदयपुर	नेताजी सुभाष महाविद्यालय, उदयपुर, गोमती त्रिपुरा, 799114
7	अद्वैत मल्ल बर्मन मेमोरियल महाविद्यालय, अमरपुर	अद्वैत मल्ल बर्मन मेमोरियल महाविद्यालय, अमरपुर, गोमती त्रिपुरा, 799101
8	ईश्वर चंद्र विद्यासागर महाविद्यालय, बेलोनिया	ईश्वर चंद्र विद्या सागर महाविद्यालय, बेलोनिया, पो: बेलोनिया, दक्षिण त्रिपुरा, 799155
9	माइकल मधुसूदन दत्त महाविद्यालय, सबरूम	माइकल मधुसूदन दत्त महाविद्यालय, सबरूम, दक्षिण त्रिपुरा, 799145
10	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, धर्मनगर	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, धर्मनगर, उत्तरी त्रिपुरा, 799253
11	रामकृष्ण महाविद्यालय, कैलाशहर	रामकृष्ण महाविद्यालय, कैलाशहर, उनाकोटी त्रिपुरा, 799277
12	बी. आर. अम्बेडकर महाविद्यालय, फटिकचेरा	बीआर अंबेडकर महाविद्यालय, फटिकचेरा, उनाकोटी त्रिपुरा, 799290
13	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, कमलपुर	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, कमलपुर, धलाई त्रिपुरा, 799285
14	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, गंदाचेरा	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, गंदाचरा, धलाई त्रिपुरा
15	स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, मोहनपुर	स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, मोहनपुर, पो.-फटिकचरा, भया-कमलघाट, मोहनपुर, पश्चिम त्रिपुरा, 799210
16	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, शांतिरबाजार	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, शांतिरबाजार, दक्षिण त्रिपुरा
17	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, लोंगतराई वैली	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, लोंगतराई वैली, मैनामा, धलाई त्रिपुरा -799275
18	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, तेलियामुरा	शासकीय उपाधि महाविद्यालय तेलियामुरा, खासियामंगल, खोवाई त्रिपुरा, 799205
19	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, कंचनपुर	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, कंचनपुर, पो.: सुखनाचेरा, कंचनपुर, उत्तरी त्रिपुरा, 799270
20	रवीन्द्र नाथ टैगोर महाविद्यालय, विशालगढ़	रवींद्रनाथ टैगोर महाविद्यालय, विशालगढ़, हरीशनगर टी एस्टेट NH8, सिपाहीजाला त्रिपुरा, 799102
21	होली क्रॉस महाविद्यालय, अगरतला	होली क्रॉस महाविद्यालय, पो. दुर्जयनगर एयरपोर्ट रोड, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799009

अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	महाविद्यालय का नाम	संचार का पता
1	राजर्षि शिक्षा एवं कौशल महाविद्यालय, लेम्बुचेरा	राजर्षि शिक्षा एवं कौशल महाविद्यालय, बागबारी, लेम्बुचेरा, पश्चिम त्रिपुरा
2	स्वामी धनंजय दास काठिया बाबा मिशन महाविद्यालय	मुख्य परिसर: पश्चिम भुवनेश्वर, पो.: पश्चिम भुवनेश्वर, अगरतला, त्रिपुरा (पश्चिम), पिन -799002 सिटी कैंपस: 10, जेल रोड, मठ चौमुहानी, अगरतला, त्रिपुरा (पश्चिम), पिन -799007
3	श्री अरबिंदो सामान्य उपाधि महाविद्यालय (अंग्रेजी माध्यम), अगरतला	कुंजबन, अगरतला, त्रिपुरा पश्चिम, पिन-799006
4	शासकीय डिग्री महाविद्यालय पानीसागर	उत्तर त्रिपुरा पिन-799260
5	शासकीय उपाधि महाविद्यालय ओल्ड अगरतला	तुलाकोना हाईस्कूल के पास, तुलाकोना, ओल्ड अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा- 799028

व्यावसायिक उपाधि महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	महाविद्यालय का नाम	संचार का पता
1	क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, पानीसागर	क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, पानीसागर, उत्तरी त्रिपुरा, 799260
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	जिरानिया विधि महाविद्यालय	मोहनपुर जिरानिया, पश्चिम त्रिपुरा, 799035

शिक्षा/अध्यापक प्रशिक्षण उपाधि महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	महाविद्यालय का नाम	संचार का पता
1	अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, कुमारघाट	अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, कुमारघाट, सुकांतनगर, उनाकोटी, त्रिपुरा, 799264
2	शिक्षा में प्रगत अध्ययन संस्थान, कुंजबन	शिक्षा में प्रगत अध्ययन संस्थान, कुंजबन, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799006
3	भवन्स त्रिपुरा अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय	भवन्स त्रिपुरा अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, नरसिंहगढ़, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा 799015
4	भवन्स त्रिपुरा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय	भवन्स त्रिपुरा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय , आनंदनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799028
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	होली क्रॉस महाविद्यालय (अध्यापक शिक्षा विभाग)	होली क्रॉस महाविद्यालय (अध्यापक शिक्षा विभाग), दुर्जयनगर, एयरपोर्ट रोड, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799009

कृषि और संबद्ध अनुशासन उपाधि महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	महाविद्यालय का नाम	संचार का पता
1	त्रिपुरा कृषि महाविद्यालय, लेम्बुचेरा	त्रिपुरा कृषि महाविद्यालय, लेम्बुचेरा, पश्चिम त्रिपुरा, 799210
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन महाविद्यालय	पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन महाविद्यालय, आर.के.नगर, पश्चिम त्रिपुरा, 799008

ललित कला / प्रदर्शन कला / दृश्य कला / अनुप्रयुक्त कला महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	महाविद्यालय का नाम	संचार का पता
1	सचिन देब बर्मन स्मारक शासकीय संगीत महाविद्यालय, लिचुबागान	सचिन देब बर्मन स्मारक शासकीय संगीत महाविद्यालय, लिचुबगान, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799006
2	शासकीय कला एवं हस्तकला महाविद्यालय, लिचुबागान	शासकीय कला एवं हस्तकला महाविद्यालय, लिचुबागान, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799010
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	त्रिपुरा जनजातीय लोक संगीत महाविद्यालय, खुमुलुंग	त्रिपुरा जनजातीय लोक संगीत महाविद्यालय, टीटीएएडीसी, खुमुलुंग, पश्चिम त्रिपुरा
2	त्रिपुरा राज्य जनजातीय संस्कृति अकादमी (डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रम), अगरतला	त्रिपुरा राज्य जनजातीय संस्कृति अकादमी, कृष्णानगर, सुपरिबागान, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी/वास्तुशास्त्र/रूपांकन उपाधि महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	महाविद्यालय का नाम	संचार का पता
1	त्रिपुरा प्रौद्योगिकी संस्थान, नरसिंहगढ़	त्रिपुरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पो. अगरतला एयरोड्रम, नरसिंगगढ़, पश्चिम त्रिपुरा, 799009
2	महिला पॉलिटेक्निक संस्थान, हापनिया	महिला पॉलिटेक्निक, हापनिया, पो.: अमतली, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
3	भवन्स त्रिपुरा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ऑफ, आनंदनगर	भवन का त्रिपुरा महाविद्यालय ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पो.: आनंदनगर, गांव: उत्तर आनंदनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799028
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	टेक्नो अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अगरतला	टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अगरतला, महेशखोला, आनंदनगर, पश्चिम त्रिपुरा, 799004
2	धलाई जिला पॉलिटेक्निक संस्थान, आमबासा	प्रमुख जिला पॉलिटेक्निक, कमलाचेरा, आमबासा, धलाई त्रिपुरा, 799289
3	गोमती जिला पॉलिटेक्निक संस्थान, उदयपुर	गोमती जिला पॉलिटेक्निक, पो. फूलकुमारी, उदयपुर, गोमती त्रिपुरा, 799013
4	उत्तर त्रिपुरा जिला पॉलिटेक्निक, धर्मनगर	नार्थ त्रिपुरा डिस्ट्रिक्ट पॉलिटेक्निक, धर्मनगर, नॉर्थ त्रिपुरा
5	टीटीएडीसी पॉलिटेक्निक, खुमलुंग	टीटीएडीसी पॉलिटेक्निक, खुमलुंग, राधापुर, टीटीएएडीसी मुख्यालय, पश्चिम त्रिपुरा, 799045

मेडिसिन सर्जरी/ आयुर्वेद/ यूनानी/ होम्योपैथी/ संबद्ध चिकित्सा विज्ञान/ पराचिकित्सा विज्ञान उपाधि महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	**महाविद्यालय का नाम**	**संचार का पता**
1	अगरतला शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, अगरतला	अगरतला शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय और जी.बी.पंत अस्पताल, पो. कुंजबन, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799006
2	त्रिपुरा चिकित्सा महाविद्यालय और डॉ बीआरएएम टीचिंग अस्पताल, हापनिया	त्रिपुरा मेडिकल महाविद्यालय और डॉ बीआरएएम टीचिंग हॉस्पिटल, हापनिया, पो.: ओएनजीसी अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
3	त्रिपुरा इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, हापनिया	त्रिपुरा इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल मेडिकल साइंसेज, हापनिया, पो.: अमतली, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
4	नर्सिंग महाविद्यालय, हापनिया, (टिप्स)	नर्सिंग महाविद्यालय, टिप्स, हापनिया, पो.: अमतली, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
5	त्रिपुरा नर्सिंग महाविद्यालय, हापनिया	त्रिपुरा नर्सिंग महाविद्यालय, हापनिया, पो: अमतली, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	क्षेत्रीय भेषज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, अभयनगर	क्षेत्रीय भेषज विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आरआईपो.एटी), पो.: अभ्योनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799005
2	भारत फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी महाविद्यालय आमताली	भारत फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी, अमताली, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
3	बरॉक पैरामेडिकल इंस्टीट्यूशन एवं टेक्नोलॉजी	बोरोक पराचिकित्सा संस्थान एवं प्रौद्योगिकी खुमलुंग, टीटीएएडीसी, मुख्यालय पश्चिम त्रिपुरा
4	नर्सिंग विज्ञान संस्थान दुर्जय नगर	इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस, दुर्जयनगर, एयरपोर्ट रोड, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799009
5	आईएलएस नर्सिंग संस्थान	कैपिटल कॉम्प्लेक्स एक्सटेंशन, पो.: नया सचिवालय, पिन-799010, अगरतला, त्रिपुरा (पश्चिम)
6	माइलस्टोन्स भेषज विज्ञान संस्थान	जगन्नाथ, चौमुहानी, विद्यासागर रोड, उज्जीवन बैंक के पास, गोमती त्रिपुरा 799120
7	पूर्वोत्तर नर्सिंग विज्ञान संस्थान	आमतली बायपास रोड, अगरतला त्रिपुरा पश्चिम 799130
8	अगरतला शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय	जी+8 भवन आईजीएम चिकित्सालय परिसर अगरतला 799001
9	बीर बिक्रम भेषज महाविद्यालय	खायेरपुर, पुराना अगरतला 799008
10	अगरतला शासकीय दंतचिकित्सा महाविद्यालय	आईजीएम चिकित्सालय अगरतला 799001
11	त्रिपुरा सुन्दरी नर्सिंग महाविद्यालय	ईस्ट चम्पामुड़ा, तुलाकोना, ओल्ड अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा- 799028
12	त्रिपुरा शांतिनिकेतन चिकित्सा महाविद्यालय	मधुबन, रानीरखमार, पश्चिम त्रिपुरा -799003

त्रिपुरा विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
सूर्यमणिनगर,
त्रिपुरा - 799022, भारत

TRIPURA UNIVERSITY
(A Central University)
Suryamaninagar,
Tripura - 799022, India